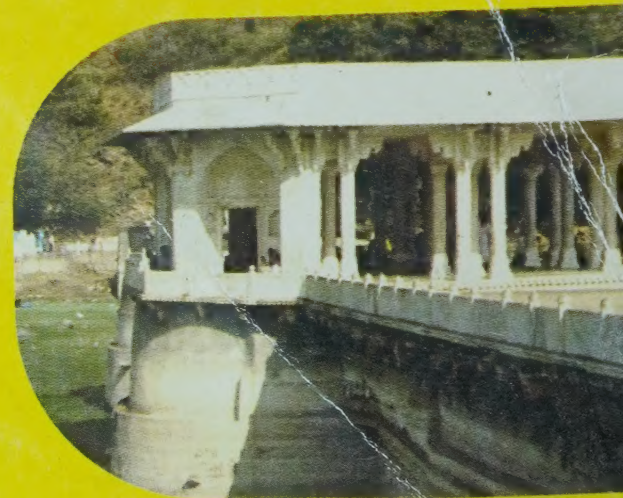
पंजियन क्रमांक 55/अजमेर 1995-96

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

वरिष्ठ जनों के कल्याणार्थ संस्था

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर 2012





अधिवेशन



विशेषाँक



वरिष्ठ नागरिक

स्मारिका

18वाँ अंक, वर्ष 2012-13





श्रीमती प्रेमदेवी अग्रवाल





मास्टर ओमन अग्रवाल

राधिका

विवाह एवं समारोह स्थल



आर.के. पुरम शिव मन्दिर के पास, भजनगंज अजमेर-305001

पियूष अग्रवाल
मो. 9414281479
8955019525

सुरेश अग्रवाल
9414007775
9352568877

पारूल अग्रवाल
0145-2660975
9351447705

चरैवेती, चरैवेती...

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

प्रार्थना

दया कर, दान भक्ति का हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा में शुद्धता देना॥

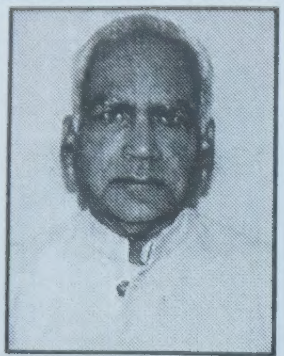
हमारे ध्यान में आओ प्रभो, आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना॥

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिल–जुलकर, प्रभो रहना सिखा देना॥

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवकचर बना देना॥

वतन के वास्ते जीना, व़तन के वास्ते मरना।
व़तन पर जाँ फ़िदा करना, प्रभो हमको सिखा देना॥

दया कर दान..................।
दया करना हमारी......................॥



सम्पादकीय........

राजस्थान की पावनधरा, जिसके वीर रणबांकुरे सपूतों ने जननी भारत माँ के लिए अनेकानेक बार अपने प्राण राष्ट्र सेवा में न्योछावर किए है के हृदय स्थल में विराजित महाराज अजयपाल की पावन नगरी, अजमेर एक धर्म निरपेक्ष गंगाजमनी सभ्यता, विभिन्न धर्म सम्प्रदायो एवं मतावलम्बियों के केन्द्र स्थल की सब से वृहद वरिष्ठ नागरिकों की संस्था सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर द्वारा गत अठारह वर्षो से निरन्तर प्रकाशित होने वाली ''स्मारिका'' के अठारहवें अंक वर्ष 2012-13 को राज्य स्तरीय ''पंचम वार्षिक अधिवेशन विशेषांक'' के रुप में आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष है। माँ सरस्वती के चरणों में अर्पित यह एक ऐसा मनोहारी पुष्प गुच्छ है जिसमें निहित है - राष्ट्र के, राजस्थान राज्य के एवं अजमेर शहर के गणमान्य महानुभावों व मातृ संस्था वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान के अध्यक्ष पूर्व विधायक श्री कौशल किशोर जैन, संस्था अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता एवं अन्य भगिनि सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों, धर्मगुरुओ के सारगर्भित शिक्षाप्रद आर्शीवचन, वर्षभर में संस्था द्वारा किए गए विभिन्न सेवा कार्यो एवं अन्य गतिविधियों के संक्षिप्त विवरण, राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन के कार्यक्रम की संक्षिप्त अभिव्यक्ति पूरे राजस्थान राज्य के वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं के प्रबुद्ध विचारको के संस्था, समाज एवं वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ लिखे, विभिन्न लेखों, आलेखों, नियम आदि की अभिव्यक्तियों तथा उनकी सभी साहित्यक रचनाओं आदि का एक ऐसा ज्ञानवर्धक खजाना जिसमें सभी वह कुछ उपलब्ध है जिसकी की हमें अत्यन्त आवश्यकता है।

''होनहार बिरवान के होत हैं चिकने पात'' कहावत को चरितार्थ करते संस्था सीनियर सिटीजन सोसायटी अपने 2850 सदस्यों रुपी बड़ी शाखाओ के रुप में प्रफुल्लित हो रही है। आभार है उन महानुभावों का जिन्होने इस संस्था की स्थापना एक छोटे से पौधे के रुप में स्थापित की उनमें से कुछ आज भी हमें आशीर्वाद देने के लिए हमारे मध्य विद्यमान है तथा वे वरिष्ठजन जो आज हमारे मध्य नहीं विराजे हुए है।

हमारी संस्था का अपार सौभाग्य है कि राजस्थान की मातृ संस्था वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान के आवहान पर हमें इस संस्था के राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन को हमारे यहाँ सम्पन्न कराने का सुअवसर दिया गया है। दिनांक 16 मार्च 2013 को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की संक्षिप्त अभिव्यक्ति भी इस संस्करण के माध्यम से आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है।

उन सभी महानुभावो, संस्था सदस्यों, दानदाताओ, व्यापारिक संस्थानो तथा राज्य की सभी वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं, मातृ संस्था एवं अन्य का जिन्होने इस कार्यक्रम तथा स्मारिका के प्रकाशन को सहज सम्भव बनाया है का हृदय से आभार है तथा उन सभी के श्रेष्ठ की कामना के साथ निवेदन है कि वे इसी प्रकार अपना सहयोग बनाए रखें।

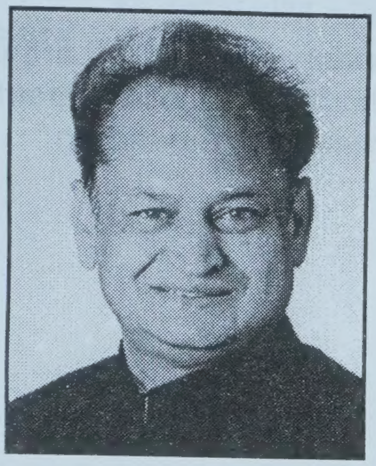
केन्द्रीय मातृ संस्थान के सभी पदाधिकारियों का, सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर की अधिशासी परिषद, संरक्षकगणो, सभी समूह संयोजकगणो तथा आप सभी का सभी प्रकार के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। स्मारिका प्रकाशन में सहयोग के निमित सम्पूर्ण सम्पादक मण्डल, राष्ट्र के चतुर्थ स्तम्भ मीडिया, श्री आर्य प्रिन्टर्स का जिन्होने हमें अपार सहयोग एवं प्रेरणा देते हुए सभी कार्यो को सम्पन्न कराया का भी आभार प्रदर्शित है।

ओडियो विजुअल प्रदर्शन संस्थान तथा उनके द्वारा क्रियान्वित किए गए अर्न्तरराष्ट्रीय वरिष्ठजन दिवस 1 अक्टूबर 2012 एवं पंचम वार्षिक राज्य स्तरीय अधिवेशन दिनांक 16 मार्च 2013 की सम्पूर्ण कार्यवाही को एक सीडी के रुप में उपलब्ध कराया जाकर जिसका समायोजन इस स्मारिका के अंतिम पृष्ठ पर उपलब्ध किया जा सका और इस प्रकार एक अप्रतिम रचना का श्रृजन किया जा सका उसके लिए उनके प्रति साधुवाद प्रदर्शित किया जाता है।

एक बार फिर उन सभी मेरे अजीजो परिवार के सदस्यों तथा उन सभी का जिनका विवरण देने से रह गया का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उन सभी साथी सदस्यों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने मेरी पुष्ट आलोचना करते हुए मेरे बुद्धि विवेक का परिमार्जन किया तथा इस रचना को पूर्ण करने में मुझे प्रोत्साहित किया। सभी रचनाएँ, लेख, व अभिव्यक्तियों की मौलिकता, सत्यता आदि के लिए सम्बन्धित लेखक उत्तरदायी है इसके लिए सम्पादक तथा सम्पादक मण्डल का कोई दायित्व नही होगा। आप सभी की रचनाओं को प्रकाशन में स्थान दिया है जिन महानुभावों ने दो रचनाये दी है उनकी एक रचना ही प्रकाशित की गई है। मानव स्वभाव वश हुई सभी त्रुटियों तथा आप सभी के प्रति मेरी किसी भी ऐसी अभिव्यक्ति जिससे आपको लेश मात्र भी ठेस पंहुची हो उसके प्रति क्षमा प्रार्थना के साथ यह स्मारिका मैं आप सभी को समर्पित करता हूँ।

- **आर. एस. निर्बान,** प्रधान सम्पादक

मुख्य मंत्री
राजस्थान



श्री अशोक गहलोत

4 मार्च 2013

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा वर्ष 2012-13 की 'वरिष्ठ नागरिक स्मारिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक समाज के महत्वपूर्ण अंग है। इस प्रकार के प्रकाशन से एक ओर समाज के बुजुर्गों के सुदीर्घ अनुभवों एवं ज्ञान के आधार पर समाज और विशेषकर नई पीढ़ी को लाभ मिलता है वही दूसरी ओर समाज में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति मान-सम्मान की भावनाा जागृत होती है। राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और उनको जीवन के उत्तरार्द्ध में सम्बल प्रदान करने के लिये वृद्धाश्रमों की स्थापना के साथ परिवार में उनको सम्मान दिलाने के लिए अनेक कानूनी प्रावधान किये है।

आशा है सोसायटी की स्मारिका में वरिष्ठजनों के हित चिन्तन के लिये राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी के साथ उनके प्रेरणादायी विचारों का समावेश किया जा सकेगा।

मैं वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना करते हुए सोसयटी के इस प्रकाशन की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(अशोक गहलोत)

नसीम अख्तर इंसाफ
Naseem Akther Insaf

राज्यमंत्री
प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा,
भाषा एवं भाषायी अल्पसंख्यक विभाग
राजस्थान सरकार

State Minister of
Primary, Secondary Education Language
& Linguistic Minority Department
Government of Rajasthan

सत्यमेव जयते



नसीम अख्तर इंसाफ

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी आपकी संस्था द्वारा "वरिष्ठ नागरिक स्मारिका 2012-13" का प्रकाशन किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिको के ज्ञान और अनुभव के विभिन्न पहलुओं के प्रकाशन अपने आप में महत्वपूर्ण एवं भावी पीढी के लिये मार्गदर्शन का कार्य करते हैं तथा बुजुर्गों से समाज एवं भावी पीढ़ी को एक सच्चा मार्गदर्शन मिल रहा है।

आपकी संस्था द्वारा बुजुर्ग सदस्यो में जीवन्तता एवं व्यस्तता बनाये रखने लिये जो कार्यक्रम आयोजित किये जाते है वे अपने आप में एक सराहनीय प्रयास है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाओं सहित ....

सुभेच्छु

(नसीम अख्तर इंसाफ)

श्री आर. एस. निर्बान
महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी,
अजमेर

Room No. 6103, Ministerial Building, Secretariat, Jaipur-302005
Phone : 0141-2227073, 0141-5153222 Ext. 1265 (O), 2369694 (R)

रामकिशोर सैनी
राज्य मंत्री
कारागार, तकनीकी एवं
अभियान्त्रिकी शिक्षा,
जन अभियोग निराकरण (स्वतंत्र प्रभार)
देवस्थान विभाग

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
जयपुर
फोन : 0141-2227283 (का.)
0141-2223160 (नि.)

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वरिष्ठ नागरिक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

संस्था ने वरिष्ठ नागरिकों को जनसेवा एवं कल्याणकारी कार्यो से जोड़कर उनके ज्ञान एवं अनुभवों का जो सद्मार्ग चुना है, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। इससे जहाँ उनके समय का सदुपयोग हो सकेगा, वहीं असहाय एवं लाचार लोगों की सेवा भी हो सकेगी।

मुझे विश्वास है कि स्मारिका के माध्यम से अन्य संस्थाओं को भी सामाजिक कार्यो एवं बुजुर्गो के कल्याण एवं परोपकार की प्रेरणा मिलेगी। इसमें प्रकाशित सामग्री से सोसायटी के साथ-साथ समाज के सभी वर्गो के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

स्मारिका के प्रकाशन की सफलता की कामना सहित।

सद्भावी,

(रामकिशोर सैनी)

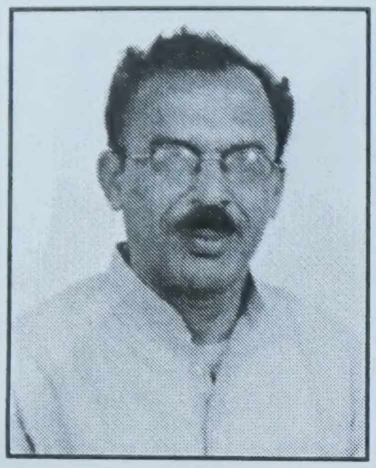
श्री आर. एस. निर्बान
महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
1/322, क्रिश्यिन गंज, अजमेर (राजस्थान)

कार्यालय : 6316, मंत्रालय भवन, शासन सचिवालय, जयपुर-302 005
निवास : 380, सिविल लाईन, जयपुर

प्रो. वासुदेव देवनानी
विधायक अजमेर उत्तर
पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री

सत्यमेव जयते

28, संत कंवरराम कॉलोनी,
फॉयसागर रोड, अजमेर
दूरभाष : 0145-2601601
8/9, विधायक नगर पूर्व, जयपुर
email : prof-vdevnani@gmail.com
क्रमाक : विअउ / 12 / दिनांक : 07.03.2013



प्रो. वासुदेव देवनानी

संदेश

अत्यन्त वर्ष का विषय है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका वर्ष 2012-13'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज के आधार स्तम्भ व पथ प्रदर्शक होते है, जिनके विराट अनुभवों तथा मार्गदर्शन में ही हम अपना जीवन व्यतीत करते है। सीनियर सिटीजन सोसायटी द्वारा वर्ष 1995 से अनवरत वरिष्ठजनों के कल्याणार्थ पूर्ण क्षमता के साथ कार्य किया जा रहा है, इसके लिए सोसाायटी के समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण साधुवाद के पात्र है।

मैं आशा करता हूँ कि प्रकाशित की जा रही है स्मारिका वरिष्ठ नागरिक जनों के लिए उपयोगी तथा युवावर्ग व समाज के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

(प्रो. वासुदेव देवनानी)

श्री आर. एस. निर्बान
महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
1/322, भागचन्द की दुकान वाली गली,
क्रिश्चियन गंज, अजमेर

श्रीमती अनिता भदेल
विधायक अजमेर (दक्षिण)
भारतीय जनता पार्टी

सत्यमेव जयते

निवास :
672/28, विक्रम मार्ग,
नई बस्ती, भजनगंज, अजमेर
फोन 0145-2663438



श्रीमती अनिता भदेल

क्रमांक : 230

दिनांक 19.2.2013

संदेश

यह हर्ष का विषय है, कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर के शहर के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में 21 समूह वर्तमान में कार्यरत है, जिनके सदस्य आपस में वैसे तो मिलते ही रहते है, किन्तु प्रत्येक समूह अपनी-अपनी मासिक बैठक आयोजित कर सदस्यों की कुशल क्षेम पूछते है। ये समूह आध्यात्मिक कार्यक्रम भी करवाते रहते है। खुशी की बात है कि सदस्यगण माह में जन्में बच्चों का जन्मदिवस सामूहिक रुप से मनाते हैं। मुझे यह अवगत कराया गया कि सीनियर सिटीजन सोसायटी अपना मासिक मुख पत्र सेवा संकल्प प्रकाशित कर सभी समूहों की गतिविधियों के अतिरिक्त सरकारी कर्मचारियों से सम्बन्धित सूचनाएँ प्रकाशित करती हैं। साथ ही समाज व देश के प्रति अपनी भागीदारी निभाती रहती है। मैने संस्था की प्रत्येक वर्ष प्रकाशित होने वाली स्मारिका का भी अवलोकन किया है, जिसके द्वारा अनेक जानकारियाँ मिलती रहती है।

वर्ष 1995 में रोपा गया पौधा जिसमें मात्र 21 सदस्य थे आज एक विशाल वृक्ष का रुप ले चुका है जिसकी सदस्य संख्या करीब 2800 है जो संस्था के प्रति विश्वास को दर्शाता है।

मैं संस्था की वर्ष 2012-13 की स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ। तथा संस्था के प्रत्येक सदस्य की तारिफ दिल से करती हूँ।

शुभेच्छु

(अनिता भदेल)

श्रीमती सुशील कंवर पलाड़ा
जिला प्रमुख
जिला परिषद्, अजमेर

सत्यमेव जयते

नि.-शिव सदन, 31, सर्वेश्वर नगर, अजमेर
फोन नं. (कार्यालय) 0145-2622397
फेक्स नं. 0145-2431369
मो. 9829071197

क्रमाक : जि.प्र./निजी/2013/2082 दिनांक : 22.02.2013



श्रीमती सुशीला कंवर पलाड़ा

संदेश

श्रीमान् निर्बान सा.

सादर वन्दे,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर हर वर्ष की भाँति इस वर्ष 2012-13 की ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का प्रकाशन करने जा रही है।

संस्था 1995 में मात्र 21 सदस्यों के पंजीयन से प्रारम्भ होकर आज 2800 सदस्यों की भरी पूरी संस्था है। संस्था के सभी सदस्य असहाय, गरीबों एवं बुजुर्गों की सेवा में तत्पर रहते है तथा जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय में प्रतिदिन अपनी निशुल्क सेवाये देते है। राष्ट्रीय आपदाओं में भी आपका सहयोग रहता है जो प्रशंसनीय एवं सभी के लिये अनुकरणीय है।

मैं आप सहित सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों की दीर्घायु की कामना के साथ सोसायटी की उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामना करती हूँ।

(सुशील भंवरसिंह पलाड़ा)

श्री आर.एस. निर्बान सा.
महासचिव, सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
1/322, क्रिश्चियन गंज, अजमेर

किरण सोनी गुप्ता
I.A.S.

संभागीय आयुक्त
अजमेर



श्रीमती किरण सोनी गुप्ता

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर विगत काफी समय से अजमेर में अपने कार्यकलापो से निस्वार्थ समाज सेवा कर रही है। इसीक्रम में सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ''वरिष्ठ नागरिक स्मारिका'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

यह सर्वविदित है कि वरिष्ठ नागरिक समाज के पथप्रर्दशक तथा वटवृक्ष है जिनके पास ज्ञान व अनुभवों का विशाल भण्डार है। उनके ज्ञान एवं अनुभवों का लाभ यदि नई पीढ़ी उठाये तो समाज व देश के लिए श्रेयस्कर होगा।

मैं आशा करती हूँ कि स्मारिका में प्रकाशित सामग्री आमजन के लिए उपयोगी व हितकारी होगी। मैं संस्था के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए, स्मारिका की सफलता की कामना करती हूँ।

(किरण सोनी गुप्ता)

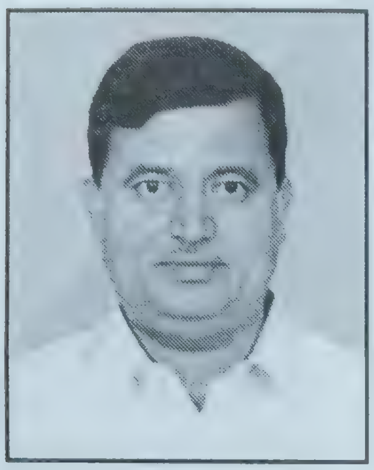
फोन : 0145-2627501/2425301 ● ई-मेल kiran.soni.gupta@gmail.com, dcommr-ajm-rj@nic.in

कमल बाकोलिया
महापौर
नगर निगम, अजमेर

निवास :
ए-164, हरिसुन्दरम्, गली नं. 2,
माधव नगर, माकड़वाली रोड,
अजमेर-305006 (राज.)
दूरभाष : 0145-2640599 (का.)
0145-2427953 (नि.)

क्रमांक/नि.स./महापौर/न.नि.अ./272

दिनांक : 11/2/2013



श्री कमल बाकोलिया

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर द्वारा 61 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए अग्रणी है।

संस्था ने अनेक कार्यकलापों, सेवा कार्यों में उत्तम छवि स्थापित की है जो सराहनीय है और मुझे आशा है कि संस्था के वरिष्ठ नागरिकों के अनुभवों का लाभ समाज एवं राष्ट्र को मिलता रहेगा।

वार्षिक स्मारिका के प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं ! मुझे विश्वास है कि स्मारिका के माध्यम से सोसायटी द्वारा अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक कार्य, बुजुर्गो के कल्याण एवं सेवार्थ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

श्री आर.एस. निर्बान
महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी,
1/322, क्रिश्चियन गंज, अजमेर

(कमल बाकोलिया)

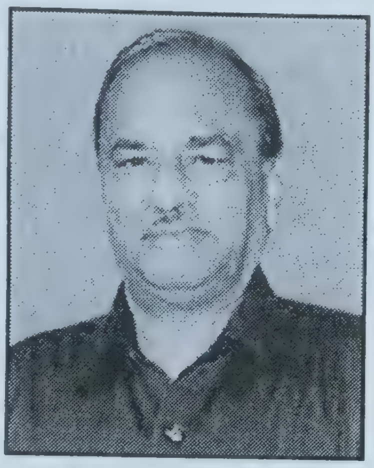
कौशल किशोर जैन

पूर्व विधायक,

अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान

मोहनबाड़ी, सूरजपोल गेट,
जयपुर-302003
दूरभाष : 0141-2641230
फैक्स : 0141-2641230
मो. : 98290-14863
e-mail : vanprasthi@yahoo.co.in

26-2-2013



श्री कौशल किशोर जैन

संदेश

श्रीमान् महासचिव

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान के पंचम वार्षिक अधिवेशन अजमेर के शुभ अवसर पर दिनांक 16 मार्च 2013 को अधिवेशन के आयोजक सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर द्वारा एक स्मारिका अधिवेशन विशेषांक का प्रकाशन अत्यन्त ही सुखद है। वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान अ.भा. वरिष्ठ नागरिक महासंघ केन्द्र मुम्बई से सम्बद्ध है। राजस्थान के पचास लाख वरिष्ठ नागरिकों का सबसे विशाल संगठन है। राजस्थान में पचास लाख में से 5 लाख नागरिक तो पेन्शनधारी है उनका अपना संगठित कार्य है। उनकी आवाज उठाने के लिए तो कई पेंशनधारी संगठन है। शेष 45 लाख 60+ के वरिष्ठ नागरिक तथा इन 5 लाख नागरिको सहित 50 लाख की समस्याओं के निदान के लिए वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान कार्यरत है।

इनकी ज्वलंत समस्याओ के समाधान हेतु संस्थान वानप्रस्थी मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है। संस्थान का यह पंचम वार्षिक अधिवेशन, उदयपुर, भीलवाड़ा, जोधपुर तथा जयपुर अधिवेशन से भी आगे एक नवीन मापदण्ड स्थापित करेगा। इसी मंगल कामना के साथ आपकी स्मारिका प्रकाशन के लिए शुभकामनाऐं।

भवदीय

(कौशल किशोर)

HelpAge India

Fighting isolation,
poverty, neglect

Plot No. 9, G-1, Suraj Nagar (west),
Yamuna Path, Civil Lines, Jaipur-6
Phone No. : 0141-2220241
Mobile : +91 9587237317
Email : nilesh.nalvaya@helpageindia.org
Help Line No. 1800 180 1253



Nilesh G Nalvaya
State Head, Rajasthan
HelpAge India

Date : 15th Feb 2013

Message

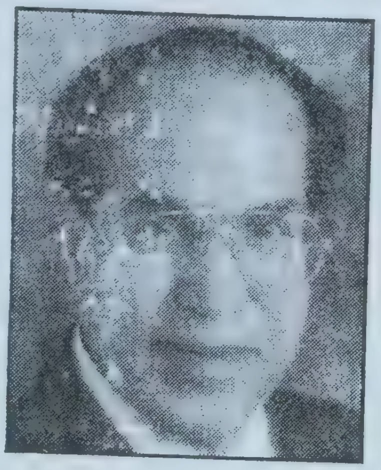
I am delighted to know that Senior Citizen Society Ajmer is organizing state level meeting of Varishth Nagrik Sansthan and also brining out Souvenir. It is matter of great pleasure and pride for me to learn about the Senior Citizen Society, Ajmer is doing a wonderful job for the welfare of community.

My best wishes on this occasion. I offer my congratulations to all those that have made this possible through their collective passion and hard work.

Nilesh G. Nalvaya

राम निवास लखोटिया
टैक्स डॉक्टर एवं कर सलाहकार
अध्यक्ष, अखिल भारत वर्षीय शाकाहार परिषद, नई दिल्ली
कार्यकारी निदेशक, वरिष्ठ नागरिक संस्थान, नई दिल्ली

लखोटिया निवास
एस-228, ग्रेटर कैलाश,
भाग-2, नई दिल्ली
दूरभाष : 011-29215420
फैक्स : 011-29217768
मो. : 09811025800



श्री राम निवास लखोटिया

दिनांक : 1 फरवरी, 2013

संदेश

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी वरिष्ठ नागरिक स्मारिका का प्रकाशन कर रही है, यह अत्यन्त हर्ष का विषय है। मैंने राष्ट्र भ्रमण के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ कार्यरत कई, संस्थाओं को नजदीक से देखा है और कई संस्थाओं के पदाधिकारियों से मेरा स्नेहिल सम्पर्क भी है। किन्तु कार्य करने की जो शैली और एकजुटता और संस्था के प्रति समर्पण की भावना इस संस्था में देखी है वह मुझे अन्यत्र कही नहीं मिली। संस्था का नि:शुल्क शिविरों का आयोजन, हॉर्स्पीटल सेवा की निरन्तरता एवं पर्यावरण की रक्षा और दीन दुखियों की सुध-बुध लेने का भाव इसके सदस्यों और पदाधिकारियों में है वह अपने आप में अनूठा है। मैं आमजन से अपील करता हूँ कि संस्था को मुक्त हस्त से तन-मन-धन की सहायता कर पुण्य के भागी बनें।

संस्था के पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं।

मैं संस्था द्वारा आयोजित वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान के तत्वाधान में राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन दिनांक 16.3.13 की सफलता हेतु शुभकामनाएँ देता हूँ।

श्री रामसिंह निर्वाण
महासचिव
सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर

(राम निवास लखोटिया)



अध्यक्षीय उद्‌बोधन

पिछले अनेक वर्षों से मैं यह उद्‌बोधन अपने नगर की सोसायटी के माननिय सदस्यों को ही संबोधित करता रहा हूँ। सौभाग्य से इस बार राज्य स्तरीय अधिवेशन का अजमेर में होने से अधिवेशन स्मारिका के प्रकाशन के अवसर पर गौरवमयी परम्परा व वीरभूमि राजस्थान के वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करने का सुअवसर मिला है।

राजस्थान की धार्मिक राजधानी होने का गौरव इस शहर को है। यहाँ की सीनियर सिटीजन सोसायटी की स्थापना 1995 में 21 सदस्यों से होकर अब 3000 सदस्यों का भरा पूरा परिवार है। इस राज्य स्तरीय अधिवेशन को आयोजित करने में हमारे प्रत्येक सदस्य में पूरा भरपूर उत्साह व उमंग है। पूरे राज्य से पधारे वरिष्ठजनों का हार्दिक स्वागत है।

यहाँ हम सब मिल बैठकर केन्द्रिय व राज्य स्तरीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं पर विचार विमर्श करेगें उसके लिये मैं अपनी शुभकामनायें देता हूँ।

हर संस्था को ठीक मार्ग पर ले जाने के लिये एक मार्गदर्शिका टीम होती है, टीम के सदस्यों में एक जूनून होता है, वे जानते है कि यह कोई लाभ का पद नहीं है, फिर भी उत्साहपूर्वक अपने सदस्यों का मार्गदर्शन करते हैं। मैं ईश्वर से कामना करता हूँ कि उनकी यह नेतृत्व क्षमता बनी रहे।

मेरी सद्‌भावना, शुभकामना आप में प्रत्येक के साथ है। ईश्वर से यह भी प्रार्थना है कि आपका परिवार उन्नति करता रहे, आप भगवान की आस्था मानते हुए उनके चरणों में शेष जीवन, आनन्दपूर्वक किन्तु अच्छे स्वास्थ्य के साथ व्यतीत करें। मैं मेरी अधिशाषी परिषद को उनकी कर्तव्य निष्ठा उत्साह के लिये धन्यवाद देते हुए अधिवेशन की सफलता की कामना करता हूँ।

आपका शुभाकांक्षी !

के. सी. गुप्ता, अध्यक्ष

वर्ष 2012-13 सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर एक रिपोर्ट-महासचिव



ता पर कुछ भी अगम नहीं
जां पर तुम अनुकूल।
तब प्रभाव बढ़वानलही
जारि सकई खलतूल॥
—श्री रामचरितमानस

अजमेर की इस पावन धरा पर गंगा जमनी सभ्यता से परिपूर्ण विभिन्न सम्प्रदायों के अनूठे सहिष्णुतायुक्त वातावरण के अन्तर्गत प्रस्फुटित सीनियर सिटीजन सोसायटी अपने संस्थापक सदस्यों जिनमें श्री आर.सी. बजाज, कर्नल के.डी. उपाध्याय एवं श्री रमेश चन्द्र शर्मा ''कांत'' आज भी हमें आशीर्वाद देने को तत्पर स्वस्थ जीवन यापन कर रहे है तथा वे सब जो आज हमारे मध्य नहीं है को मैं हृदय से नमन करता हूँ जिन्होंने इस संस्था का बीजरोपण जिस अभिलाषा से किया वह सत्य प्रतीत होती है। संस्था न केवल राजस्थान अपितु सम्पूर्ण भारत में पंजीयन संख्या, आजीवन सदस्यका की संख्या में अग्रणीय है इसके प्रत्येक सदस्य आजीवन सदस्यता रखते है। संस्था के इन सभी पूर्व अधिशाषी परिषद् सदस्यों समूह संयोजकगणों एवम् संरक्षकगणों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए उनके द्वारा संस्था हित में किये गये तथा समाज सेवा के सभी कार्यक्रमों से प्रोत्साहन लेते हुए वर्ष की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष रखते हुए स्वयं को गौरवान्वित अनुभूत कर रहा हूँ। संस्था के स्थापना वर्ष से आज तक के सभी महासचिव आज भी सभा में उपस्थित है। सिवाय एक सम्मानीय अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ० एस.के. शर्मा के अतिरिक्त सभी अध्यक्ष महोदय भी आज स्वस्थ्य एवं स्फूर्ति लिए हुए हमारे मध्य विद्यमान है और उनका आशीर्वाद हमें मिलता रहता है। आप सभी के बहुमूल्य सुझाव एवं सहयोगों के परिणामस्वरूप ही संस्था दिन दूनी रात चौगुनी चतुर्मुखी विकास की ओर अग्रसर हो रही है।

संस्था की सम्बद्धता इंडियन फेडरेशन ऑफ एंजिग (INFA Mumbai), ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ सीनियर सिटीजन फोरम बेंगलुरू मात्र संस्था राजस्थान वरिष्ठ संस्थान, जयपुर तथा दी हेल्पेज इंडिया से है संस्था रजिस्ट्रार संस्थाएं जयपुर व अजमेर द्वारा पंजीकृत है।

सदस्यता :- 31 मार्च, 2012 तक की सदस्यता सूची 2536 से बढ़कर वर्ष 2012-13 एक मार्च, 2013 तक 2862 अर्थात् इस वर्ष में 326 हो गई है जो कि एक कीर्तिमान है। यह सभी सदस्य आजीवन सदस्य है और इस प्रकार यह संस्था इस प्रकार की संस्थाओं के शीर्षस्थ पर विद्यमान हो रही है। इतना ही नहीं इस वर्ष में एक नये समूह की समूह संख्या 21 के रूप में नगर के ग्रामीण परिसर दौराई में स्थापना की गई जिसमें स्थापना दिवस 14.7.2012 से अभी तक कुल 58 सदस्य पंजीकृत हो चुके है और समूह का संचालन वास्तव में इक्कीस ढंग से कर रहे है।

परिचय-पत्र :- सभी इच्छुक संस्था सदस्यों को संस्था द्वारा विधिवत परिचय-पत्र बनवाकर उपलब्ध करवाये जाते है जिनमें सदस्यों को सभी आवश्यक सूचनाऐं निहित होती है। यह परिचय-पत्र सदस्यों को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्राप्त करवाने में सहायक सिद्ध होते है।

आयकर में छूट :- सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर को दिये गये दान पर दानदाताओं को आयकर अधिनियम के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने का प्रावधान है।

विशेष उपलब्धियाँ :- वर्ष 2012-13 के अन्तर्गत संस्था द्वारा प्राप्त उपलब्धियों को संक्षिप्त में इस प्रकार अभिव्यक्त किया जा सकता है।

(1) प्रत्येक आमसभा में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।

(2) भ्रमण शिविर में भी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।

(3) संस्था का समूह संख्या 3 वर्षभर स्वयं के प्रयासों

से चिकित्सा शिविर आयोजित करता रहता है।

(4) संस्था के सभी समूह कोई न कोई समाज अथवा मानव सेवा के अन्तर्गत भगिनी संस्थाओं को या तो स्वयं के माध्यम से सहायता राशियाँ अथवा वस्तुऐं जरूरतमंदों को भेंट करते रहते है। इस क्षेत्र में संस्था के समूह संख्या 9, 5, 1, 12, 16, 17 अग्रणी है।

(5) वर्षभर में संस्था द्वारा 5000 रुपये थैलिसिमिया पेशेंट को, 1600+1600 कबूतरों के दाने के निमित्त, 2100 रुपये गऊशाला निमित्त पृथक से भेंट किये गये है।

(6) अन्य संस्थाओं के सदृश्य 2007 के सीनियर सिटीजन मेन्टेनेन्स एक्ट, 2007 के प्रति संस्था द्वारा प्रयास किये जाने के पश्चात् गत वर्ष यह अधिनियम बन सका।

(7) अजमेर नगर का एकमात्र राज्य सरकार द्वारा सहयोगिक एवं अनुमोदित जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम न केवल संस्था द्वारा अपितु संस्था के सदस्यों द्वारा पृथक से विगत वर्षों में सहयोग राशि उपलब्ध करता रहा है।

(8) संस्था के नियम उपनियम संशोधन हेतु गत वर्ष बैठाई गई संशोधन समिति श्री गोगावत पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में अपना कार्य सम्पन्न कर सके और उनकी रिपोर्ट के आधार पर तथा अन्य सदस्यों के सुझावों को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 27.1.2013 की आमसभा में संशोधनों को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया जाकर अंतिम रूप के रूप में रजिस्ट्रार संस्थाओं को प्रेषित किया जा चुका है।

(9) महिला उत्पीड़न के नृशंस उदाहरण से विचलित होकर संस्था द्वारा राज्य तथा केन्द्र को इस सम्बन्ध में कठोर नियम पारित किये जाने हेतु आग्रह किया गया है और इस पत्राचार की प्रार्थना इस सम्बन्ध में बने केन्द्रीय आयोग के सम्मुख राज्य सरकार द्वारा प्रेषित की गई है।

(10) संस्था के सदस्य प्रतिदिन निश्चित संख्या में नगर के प्रथम औषधालय (JLN) में निरंतर कई वर्षों से अपनी सेवायें दे रहे है। इसी क्रम में नगर के रेल्वे चिकित्सालय में भी संस्था के सदस्य नियमित सेवायें दे रहे है।

(11) नगर की समूहवार स्थित बैंक शाखाओं में पेंशन वितरण दिवसों पर लगभग सभी समूहों के सदस्य अपनी सेवाएं पेंशनधारकों की मदद हेतु दे रहे है।

(12) प्रतिमाह संस्था की ओर से सेवा संकल्प प्रत्येक सक्रिय सदस्य को उनके समूह संयोजन द्वारा पहुंचाया जा रहा है जिसमें सभी समूहों की गतिविधियां, केन्द्र की कार्यकारिणी की गतिविधियां एवं अन्य सूचनायें निहित रहती है।

(13) पिछले 18 वर्षों से प्रतिवर्ष संस्था द्वारा वार्षिक स्मारिका सक्रिय सदस्यों, गणमान्य महानुभावों एवं भगिनी संस्थाओं को निःशुल्क दी जाती है। स्मारिका का यह रूप प्रतिवर्ष और वृहद एवं सुन्दर होता जा रहा है। वर्ष 2012–13 अर्थात् इस वर्ष में यह अंक अधिवेशन विशेषांक के रूप में राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन 16.3.2013 की कार्यवाही के संक्षिप्त विवरण सहित राज्यस्तरीय संस्था, राजस्थान वरिष्ठ नागरिक संस्थान, जयपुर तथा समस्त राजस्थान की वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं के इस कार्यक्रम में पधारने वाले सभी प्रतिनिधियों एवं संस्था अध्यक्ष, सचिव महोदयों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। बाहर से पधारे हुए गणमान्य संस्थाओं, सदस्यों को इस स्मारिका का विमोचन करवाकर वितरित की जायेगी। इस स्मारिका में सम्पूर्ण राजस्थान की वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत की गई वार्षिक गतिविधियों उनके द्वारा किये गये श्रेष्ठ कार्यों, उनके प्रबुध लेखकों की रचनाओं, इस कार्य के प्रति विभिन्न स्थानों से प्राप्त विज्ञापनों, दानदाताओं की सूचियों आदि सभी बातों की अभिव्यक्ति का अथक प्रयास किया गया है।

इतना ही नहीं अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर, 2012 तथा दिनांक 16.3.2013 को राज्य स्तरीय अधिवेशन की सम्पूर्ण कार्यवाही आडियोविजुअल (दृश्य श्रव्य) की सी०डी० पुस्तक के साथ Insert कर में उपलब्ध कराई गई है जो कि कदाचित इस प्रकार का प्रथम प्रयास है। किंचित त्रुटियों को नजरअंदाज करते हुए प्रोत्साहित करें।

(14) वर्षभर में आयोजित वरिष्ठजन दिवस समारोह की पृथक से इसी पुस्तक में अभिव्यक्ति की गई है।

(15) इसी प्रकार वार्षिक स्वास्थ्य भ्रमण शिविर का विवरण इसी पुस्तक में अलग से अभिव्यक्त किया गया है।

(16) वर्ष की दोनों आम सभाऐं मई, 2012 एवम् जनवरी, 2013 का संक्षिप्त विवरण भी इसी पुस्तक में पृथक से अभिव्यक्त किया गया है। समय अथवा स्थानाभाव के कारण इन दोनों आमसभाओं के पूर्ण विवरण का संक्षिप्त रूप ही प्रस्तुत किया जा सका है।

(17) The Helpage India संस्था के सौजन्य से इस वर्ष भी संस्था द्वारा 20 कम्बल एक-एक समूहवार उस क्षेत्र में रहने वाले एक-एक BPL कार्डधारक को समूह संयोजक के अनुमोदन के पश्चात् Helpage India के Chief Programmer एवं अधिशाषी परिषद् की उपस्थिति में वितरित किये गये है।

(18) दिनांक 16.3.2013 अर्थात् आज आयोजित राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन जिसमें आप सभी पधारे है के स्वागत अतिथेय सम्मान श्रद्धा कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्य अतिथिगण एवं आप सभी के प्रति संस्था द्वारा की गई सेवाएं इस वर्ष की संस्था उपलब्धियों का एक लघु स्वरूप है।

(19) संस्था की अधिशाषी परिषद एवम् समूह संयोजकों की नियमित बैठकें वर्षभर में होने वाले कार्यों के नियमित निर्णय लेती रहती है। उसमें संस्था के सभी कार्यों के आर्थिक अनुमोदन के आंतरिक अंकेक्षक के अंकेक्षण के साथ बताए जाते रहते है। इस प्रकार संस्था स्वामी विवेकानन्द के इस कथन ''मैं उस ईश्वर का उपासक हूँ जिसे कुछ लोग भूल से मनुष्य कहते हैं'' को चरितार्थ करती है।

(20) वर्ष में अजमेर में आयोजित एक मेराथन में संस्था के वरिष्ठतम सदस्यों ने सक्रीय भाग लिया। पत्राचार द्वारा आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को त्वरित रूप से करने का आग्रह किया। राज. चिकित्सालयो में 60 से ऊपर के वरिष्ठजनों के लिए प्रथम पंक्ति का आग्रह किया। जिसे स्वीकृति प्रदान हो सकी। राजस्थान रोडवेज के द्वारा विशेष छूट दिये जाने के प्रति आग्रह किया जो आंशिक रूप से स्वीकृत हो सका। संस्था के निमित्त भूमि संस्था द्वारा अन्य सहयोगो के साथ उपलब्ध कराये जाने का प्रयत्न चल रहा है। फिर भी संस्था द्वारा करे जाने वाले बहुत से कार्य शेष है।

(21) एक बार प्रभु ईशु से उनके एक श्रद्धालू ने पूछा भगवन आज सबसे अधिक दान किसने दिया, प्रभु का उत्तर था उस वृद्ध महिला ने जो अंतिम पंक्ति में बैठी है। श्रद्धालू ने कहा भगवन इसने तो बुहत कम राशि दी है प्रभु का उत्तर था उसके पास जो कुछ था सब कुछ दे दिया, इस प्रकार उसने सबसे अधिक दान दिया। इस युक्ति के अनुसरण में मैं निवेदन करता हूँ कि आप सभी द्वारा सभी प्रकार के संस्था उपयोगी कार्य अथवा आर्थिक सहयोग आदि के प्रति मैं संस्था की ओर से आभार प्रदर्शित करते हुए इस रिपोर्ट को मर्यादित करता हूँ।

(21) आप सभी के स्वस्थ्य, सफल एवं दीर्घ जीवन की कामना तथा संस्था के चहुमुखी विकास के निमित्त परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि इसी प्रकार संस्था प्रगति पथ पर अग्रसर होती रहे।

आर.एस. निर्बान, महासचिव

आम सभा मई 2012 का संक्षिप्त प्रतिवेदन

संस्था की (वार्षिक) दूसरी आमसभा दिनांक 27.5.12 रविवार को प्रात: 9 बजे सामुदायिक भवन, पार्क नं. 2, शास्त्री नगर अजमेर पर आयोजित की गई।

प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक अल्पाहार का आयोजन था, जिसके अन्तर्गत उपमा, आचार एवं चाय परोसी गई। कोरम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 10.00 बजे से 10.30 बजे तक की अवधि बढ़ाई जाकर उसी एजेन्डे पर सभा की कार्यवाही ठीक 10.30 बजे प्रारम्भ की गई।

महासचिव ने आज की साधारण सभा में पधारे हुऐ सभी संस्था सदस्यों, संरक्षकगणों, अधिशाषी परिषद एवं समूह संयोजको का स्वागत किया। आज की सभा के कार्य बिन्दुओं के अनुसार सर्वप्रथम ईश प्रार्थना के निमित श्री के.जे. ज्ञानी, श्री नाथूलाल जैन (अनुपस्थित) अस्तु एडवोकेट श्री रमेशचन्द शर्मा को आमंत्रित किया गया। ओम् उच्चारण एवं हास्यासन श्री लज्जा शंकर गोयल द्वारा समपन्न कराया गया। महासचिव ने अध्यक्ष महोदय को अपने स्वागत एवं आर्शीवचन उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन के अन्तर्गत वरिष्ठजनों की कार्यक्षमता के निमित सुई धागे का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी समोपस्थित को दान की प्रवृत्ति के निमित्त प्रेरित किया और संस्था के प्रति तन-मन-धन से समर्पित रहने की तत्परता पर बल दिया। अन्य साथी संस्थाओं को सहयोग देने तथा उनसे सहयोग प्राप्त करने की निति पर बल दिया।

संस्था सदस्यों द्वारा जय अम्बे संस्था को सौपी गयी बैचों के लोकार्पण के प्रति जानकारी दी तथा आज के परिपेक्ष में अजमेर में चल रहे "उर्स" में संस्था के सहयोग से प्याऊ चलाने के लिये संस्था की ओर से रु. 1500 की स्वीकृति का अनुमोदन चाहा जिसे सहर्ष स्वीकार किया गया।

अन्त में उन्होंने किसी भी प्रकार की त्रुटियों के लिए क्षमा याचना करते हुए संस्था को सुचारु रुप से कार्य किये जाने के प्रति सहयोग का अव्हान किया एवं सभी के दीर्घ सफल एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

महासचिव द्वारा कार्य बिन्दु के अन्तर्गत गत आमसभा दिनांक 30 जनवरी 2012 की कार्यवाही का पठन किया जाकर अनुमोदन प्राप्त किया गया। आज के कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सा शिविर सभा स्थल पर पृथक से आयोजित किया गया जहाँ पर कालेडा आयुर्वेदिक संस्थान की तरफ से वैद्य श्री शान्त कुमार जी शर्मा अपनी पूरी चिकित्सक ईकाई के साथ औषधि साहित पधारे थे तथा डाक्टर जी.के. मुन्दड़ा, डॉ. रमेश भंभानी एवं जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय के पधारे हुये तकनीशियन ई.सी.जी एवं उनके सहयोगी के सहयोग से चिकित्सा शिविर निरन्तर सेवारत था। संस्था के चिकित्सा संयोजक श्री सी.एम. राठी एवं श्री गोपाल शंकर शर्मा (समूह संख्या-2) चिकित्सा अधिकारियों के सहयोग हेतु तत्पर थे। सभी चिकित्सा अधिकारी समूह संख्या-2 के सक्रिय सदस्य है। आयुर्वेदिक दवाओं एवं परामर्श का भरपूर लाभ लिया गया तथा एलोपैथिक चिकित्सा अधिकारियों ने संस्था सदस्यों के लिये तन्मयता से अपनी सेवायें अर्पित की। सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस वर्ष साधारण सभा के साथ रोडवेज के रियायती पास बनवाने की प्रक्रिया हेतु संस्था के सर्वश्री चिरंजीलाल शर्मा मुख्य प्रबन्धक सेवानिवृत्त रोडवेज एवं श्री मेवालाल जादम संस्था सदस्य रोडवेज विभाग से सेवानिवृत्त क्रमशः समूह संख्या दो एवं तीन के सक्रिय सदस्य थे जिन्होंने लगभग 80 संस्था सदस्यों के निमित्त पास बनवाने की प्रक्रिया पूर्ण करवायी। सभी के परिचय पत्र तैयार होने पर समूह संयोजकों के माध्यम से उपलब्ध हो सकेगे। रोडवेज के रियायती पास हेतु अन्य परिचय पत्रों से भी रियासत प्राप्त की जा सकती है किन्तु संस्था सदस्यों की आवश्यकता एवं उनकी भावना की कद्र करते हुये यह कदम उठाया गया।

वित्त सचिव श्री सुरेश अग्रवाल द्वारा वर्ष 2011-12 के अंकेक्षित लेखों का प्रस्तुतिकरण किया गया। समूह संख्या 4 के श्री एम.एल. गोयल के कतिपय प्रश्नों के प्रति हाथो हाथ शंका निवारण किया जाकर सर्व सम्मति से अंकेक्षित लेखों का सभा द्वारा ध्वनि मत से अनुमोदन किया गया।

महासचिव द्वारा बताया गया कि प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण के अन्तर्गत संस्था द्वारा संशोधन समिति की रिपोर्ट पर अधिशाषी परिषद में मंथन चल रहा है। अधिशाषी परिषद की आगामी बैठक में संभावित सशोधनों का प्रारुप तैयार किया जाकर समूह संयोजकों के माध्यम से समूहवार प्रस्तुत किया जा सकेगा। अधिशाषी परिषद की गत बैठक में मात्र एक बिन्दु, समूह संयोजको के केन्द्र के प्रति दायित्व पर निर्णय नही लिया जा सका था।

राज्य स्तरीय वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के राज्य के आव्हान पर सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर ने कार्यक्रम आयोजित करना शिरोधार्य किया है। आज की आम सभा में ध्वनि मत से इसकी स्वीकृति दी तथा पुष्टि में निजी तौर पर सहयोग राशि भेंट की जिनकी सूची वित्त सचिव के पास उपलब्ध है तथा जिन्होने निजी तौर पर और सहयोग देने की घोषणा की उनकी सूची भी उपलब्ध है।

महासचिव के प्रस्ताव स्थानीय डेलिगेटस फीस रु. 250 प्रति सदस्य तथा बाहर से पधारे हुयें डेलिगेटस की प्रति सदस्य रु. 200 शुल्क राशि पर सर्व सम्मति से आज की सभा ने स्वीकृति प्रदान की।

इस कार्यक्रम की तिथि का निर्धारण वित्त वर्ष 2012-13 की समय अवधि के अन्तर्गत जनवरी 2013 या फरवरी 2013 में किया जावेगा।

इस सम्मेलन को अजमेर के एक मात्र सभास्थल ''जवाहर रंगमच'' में रखे जाने का मानस बनाया गया। इस विषय में बाहर से पधारे हुये अतिथि सदस्यों के स्थानीय पर्यटक स्थलों के दर्शनार्थ संस्था द्वारा वाहन व्यवस्था शुल्क अथवा निशुल्क पर उपलब्ध कराई जावेगी। स्थान का निर्णय अधिशाषी परिषद् में लिया जाऐगा।

समूहों से नामित सदस्यों के उद्‌बोधन के अन्तर्गत समूह संख्या एक से श्री आर.एस. अग्रवाल ने अपने विचारों के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिये चिकित्सा के लिये पृथक पंक्ति, 70 वर्ष के स्थान पर 60 वर्ष के नागरिकों हेतु उपलब्ध कराये जाने तथा चिकित्सक महोदयों को इसकी जानकारी दिलाये जाने हेतु के प्रयास पर बल दिया। साधारण बसों के सदृश राजस्थान राज्य परिवहन की विशेष बस सेवाओं पर ''वरिष्ठ नागरिकों के लिये सुविधायें उपलब्ध किये जाने हेतु'' का आव्हान किया। संविधान संशोधन प्रक्रिया में विलम्ब पर असंतोष व्यक्त किया। आयकर सुविधा के गलत अंक (80 के स्थान पर 60 वर्ष) तथा रु. 2.50 लाखा के स्थान पर रु. 2.40 लाख छापे जाने पर स्पष्टीकरण चाहा।

महासचिव द्वारा संविधान संशोधन के विलम्ब का कारण समूह संयोजक विशेष के गतिरोध के फलस्वरूप विलम्ब होना बताया। आयकर आकड़े छपने की त्रुटि वर्ष गलत अंकित हुये का स्पष्टीकरण श्री रमेशजी शर्मा एडवोकेट ने पृथक से भी दिया।

संविधान संशोधन की प्रक्रिया के अन्तर्गत चुनाव वर्ष में अतिरिक्त बैठक अप्रेल में आयोजित की जाकर चुनाव प्रक्रिया को सहज बनाया जा सकेगा। समूह संख्या-3 के दो वक्ताओं क्रमशः श्री सत्यदेव शर्मा एवं श्रीमती शीला सक्सेना ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। श्री शर्मा ने केवल समूह के अन्तर्गत किये जाने वाले चिकित्सा शिविरों की विस्तृत जानकारी दी। जबकि श्रीमती शीला सक्सेना ने खुले दिमाग से अतीत से बाहर निकलकर शान-आन-बान के अनुसार संस्था के स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्य-कलापों के अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के बौद्रिक तथा मनोवैज्ञानिक हितों का ध्यान रखने की बात भी की। उन्होने समूह संयोजको का आव्हान किया कि अन्य समूह सयोजकों के सदृश समूह के हितों के साथ-साथ संस्था केन्द्र के हितों का भी ध्यान रखें। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रति निम्न स्तरीय भाषा के उपयोग की

भर्त्सना करी। उन्होने स्पष्ट कहा कि मनोरंजन कार्यक्रमों के किये जाने से संस्था का स्तर गिरता नही है बल्कि बढ़ता है।

अध्यक्ष महादेय ने भी इस बात पर सहमति प्रकट की। आज के दिन जन्मे संस्था सदस्य श्री प्रदीप कुमार बिस्वास समूह संख्या-14 तथा श्री लक्ष्मी स्वरूप माथुर समूह संख्या-3 दोनों अनुपस्थित को उनके समूह संयोजकों के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी गई।

समूह संख्या चार की ओर से श्री मोहनसिंह टांक ने अपने विचार अभिव्यक्त करते समय संस्था के लिए लगभग 1000 गज जमीन का उपयोग किये जाने हेतु गठित कमेटी के क्रियान्वयन को तीव्र करने की प्रार्थना की उन्होने संस्था के संविधान संशोधन में होने वाले विलम्ब एवं गतिरोध दूर करने का सुझाव दिया। जनवरी 2012 में दिवगंतो को श्रंद्धाजंली अर्पित नही की गई तथा सही ढंग से आभार व्यक्त नही किया गया आदि बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

महासचिव ने सरकारी जमीन की उपलब्धि हेतु गठित की गई कमेटी सर्वश्री के.जे. ज्ञानी, जे.एन. लखोटिया, सी.एम. राठी, श्रीमती शीला सक्सेना, श्रीमती कुसुम गौतम, श्रीमती मधु गुप्ता के अतिरिक्त समूह संख्या चार के श्री जे.एस. राजावत से इस विषय में कार्यवाही को आगे बढ़ाने हेतु निवेदन किया।

इस विषय में प्रगति तथा अन्य जानकारी उनके द्वारा महासचिव को दी जा सकेगी। संविधान संशोधन हेतु पूर्व में की गई प्रगति की जानकारी दी जा चुकी है, लक्ष योजना बजट के सम्बन्ध में संस्था के पूर्व वित्त सचिव श्री के.सी. शर्मा को अधिशाषी परिषद ने आंत्रिक अंकेक्षक चयनित किया है। सदस्यों के उठकर चले जाने के कारण श्रद्धांजली नही दी जा सकी थी और इसी प्रकार आभार भी व्यक्त नहीं हो सका।

समूह संख्या-5 के एडवोकेट श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने संस्था तथा समूह के कार्यो की संतोषप्रद प्रगति पर प्रकाश डालते हुए आयकर नियम में छपे हुए त्रुटिपूर्ण आंकडो को सही करके पढ़े जाने का आग्रह किया। समूह संख्या-6 के श्री लज्जा शंकर गोयल ने बताया कि संस्था एवं समूह सामान्य गतिविधियाँ कर रही है कोई प्रोब्लम नही है, उन्होने अधिवेशन की डेलीगेशन की रु. 250 स्थानीय तथा रु. 200 अतिथियों के लिए निश्चित किये जाने को औचित्य को सार्थक बताया।

समूह संख्या 7 के श्री पी.एस. सुराणा ने आपस में गिले शिकवे दूर करने का सुझाव दिया तथा उपाध्यक्ष श्रीमती शीला सक्सेना के विचारों पर टिप्पणी करने का प्रयास किया जिसका श्रीमती सक्सेना ने प्रतिउत्तर दिया! सचिव एवं अध्यक्ष महोदय ने इन्टरविन किया। समूह संख्या-18 के श्री मामोरिया ने संस्था के संशोधन जो कि पास होने के कगार पर हैं, उसे पारित करने के लिए दबाव बनाया जाना चाहिए, ऐसी अभिव्यक्ति दी।

श्री सुराणा ने अतिथियों का स्वागत विधिवत किये जाने हेतु आग्रह किया। स्मारिका का खर्चा कम करने हेतु भी आग्रह किया। उन्होने कहा कि जन्मदिवस भेंट के विषय पर विरोध प्रकट किये जाने पर अधिशाषी परिषद ने श्री हरिनारायण एवं श्री पी.एस. सुराणा की भर्तसना की। तथा उन्हें किन्हीं सदस्यों द्वारा बाहर निकाले जाने का सुझाव दिया। अध्यक्ष महोदय ने बताया कि समूह संख्या 7 के सहयोग आंकडे विगत वर्षों से इस समस्या के लिए उत्तरदायी है। अन्य समूह संयोजकों के सद्रश्य तथा दोनों महानुभावों से भी संस्था के हित में सहयोग अपेक्षित है। कृपया मंथन करे। समूह संख्या-8 के श्री हीरालाल मैसी ने समूह द्वारा बाल निकेतन तथा मायाणी अस्पताल, जेएलएन अस्पताल में समूह द्वारा चलाई गई सेवाओं का विवरण दिया। उन्होंने एक गीत के माध्यम से अपने क्रियेटिव विचार प्रकट किये।

समूह संख्या 9 के कर्नल कपूर ने अपने विचारो के अंतगत श्री बजाज के द्वारा स्थापित संस्था की जड़े मजबूत करने का आव्हान किया, संस्था की कार्यप्रणाली को स्वस्थ बनाए, मंच की गरिमा को बनाए रखें। आगामी चुनाव निर्विरोध हो सके ऐसे प्रयास किये जाऐं। चुनाव प्रक्रिया की जानकारी सभी तक पहुँच सके। बर्थडे डोनेशन आदि के लिए आर्थिक सहक्षमता को तुलनात्मक दृष्टि

से न देखा जाये, जन्मदिवस भेंट स्वेच्छा से दी जाये इसके प्रति किसी को बाध्य न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नही की संस्था की कार्यवाही एवं आर्थिक हितों की अनदेखी ही कर दी जाए। इसके अतिरिक्त संस्था सदस्यों की पारिवरिक, शारीरिक, सामाजिक अथवा राजनैतिक समस्याओं का भी जायजा लिया जाय और उनके निवारणार्थ प्रयत्न किये जावें।

समूह संख्या 10 के नवचयनित समूह संयोजक श्री कल्याण राय शर्मा ने स्मारिका सम्पादन को एक श्रेष्ठ उपलब्धी बताया चूंकि वे स्वयं एक प्रखर लेखक तथा पुस्तकों के रचियता है। सम्पादन कार्य में आने वाली कठिनाईयों एवं सम्पादन कार्य के प्रति गहन जानकारी रखते है। उन्होने सम्पादक मण्डल तथा सम्पादक निर्बान की प्रशंसा की।

समूह संख्या 11 श्री मानकरण अग्रवाल नवचयनित समूह संयोजक ने अपने समूह की बैठकों में सम्मानजनक उपस्थित, जन्मदिवस बधाई, वरिष्ठजनों का सम्मान आदि कार्यो पर प्रकाश डाला तथा समूह एवं संस्था के कार्यो को निरंतर प्रगति की ओर बढ़ाने हेतु आश्वासित किया।

समूह संख्या-14 श्री एस.एस. गोगावत एवं समूह संख्या-15 श्री जे.पी. शर्मा ने संतुष्ठि व्यक्त करते हुए मंच से आशीर्वाद चाहा। समूह संख्या-16 श्री एरन ने संस्था सेवा कार्यो में तत्पर रहने के साथ संस्था के आशीर्वाद की अभिलाषा की।

समूह संख्या-17 के श्री जे.एन. शर्मा ने सब कुछ सुचारु समझते हुए एक व्यगांत्मक कविता का पठन किया।

समूह संख्या 18 के श्री मामोरिया ने सभी समूह संयोजको से निवेदन किया कि संस्था की प्रगति के लिए कार्यकारिणी को सहयोग देना चाहिए ना कि विरोध, अपितु उन्हें स्वयं संस्था के कार्यों में सहयोगी बनकर रहना चाहिए। समूह संख्या 18 के ही श्री तेजसिंह कछावा ने सेवा संकल्प में दो पृष्ठ बढ़ाने का आग्रह किया। (इस पर कार्यकारिणी में निर्णय लिया जा सकेगा।)

समूह संख्या 20 के श्री सिंगला ने संस्था की गतिविधियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उन्हें संतोषजनक बताया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति के अर्न्तगत संस्था सदस्य श्री के.के. खन्ना ने उर्स मेले पर उनकी संस्था के लिए सहयोग चाहा।

समूह संख्या 3 के श्री आर.एन. विजयवर्गीय ने स्मारिका वर्ष 2011-12 अंक 17 की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा पूरी पुस्तक की मुख पृष्ठ से लेकर सम्पादकीय, संस्था के कार्यक्रमों, सम्मानित सद्स्यो के विवरणादि संस्था के मेघावी प्रबद्ध लेखको के लेखों, विज्ञापन एवं श्रद्धांजली प्रस्तुति सार्वजनिक हित के सर्क्युलर (सूचना प्रपत्रो) दिवगतों के प्रति श्रद्धासुमन एवं सदस्यों की सूची सभी की एक-एक करके प्रशंसा की। स्मारिका को सफलतम प्रयास बताया। श्री जे.एस. राजावत ने बताया कि उनके पास 190 गज राजकीय भूमि का प्रस्ताव था, जिसे कार्यकारिणी को बताया जा चुका है, इस पर कोई कार्यवाही नही की गई है। मेडिकल केम्प के अतिरिक्त डेन्टल कैम्प भी लगाए जाऐं। समूह संयोजको के महत्व को समझा जाकर उचित सम्मान दिया जाए। जन्मदिवस भेंट एवं अन्य आर्थिक सहयोग सदस्यो के लिए अनिवार्य कर दिए जाएं तथा केन्द्र के व्यय में इस प्रकार भरपूर सहयोग दिया जाए।

आज की सभा में आयोजित आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ आयुर्वेद के जनक श्री धनवन्तरी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन संस्था अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता, महासचिव निर्बान, चिकित्सा संयोजक श्री राठी तथा कृष्ण गोपाल कालेड़ा आयुर्वेद भवन (धर्मार्थ ट्रस्ट) के वैद्य श्री शान्तकुमार शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न किया गया। जिसमें 141 सदस्यो ने लाभ उठाया। संस्था कृष्ण गोपाल ट्रस्ट की इन सेवाओ के प्रति माननीय ट्रस्टी श्री महेन्द्र विक्रम सिंह वाघसुरी तथा सचिव श्री एच. के. गुप्ता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। चिकित्सा शिविर के अन्तर्गत समूह संख्या 2 के ही डॉ. रमेश भंभानी एवं डॉ. गोपी कृष्ण मूदंडा ने सेवाएँ प्रदान की। इसी सहयोग में समूह दो के

श्री जगदीश कांकाणी के अचानक प्रवास पर जाने के उपरांत भी अपने कनिष्ट सहयोगियों श्री जगदीश माहेश्वरी एवं श्री नवीन शर्मा (दोनो जे.एल.एन. में सेवारत) की सेवा उपलब्ध करवाकर संस्था को उपकृत किया। इस सेवा से संस्था के 123 सदस्यों ने लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर में चिकित्सा संयोजक श्री सी.एम.राठी एवं समूह दो के सक्रिय सदस्य श्री गोपाल शंकर शर्मा ने सहयोग दिया तथा महासचिव निर्बान ने बार-बार घोषणा करके तथा कार्य के परिवेक्षण में अपना योगदान दिया।

<u>रोडवेज निःशुल्क पास</u> - इसी प्रकार संस्था की साधारण सभा में इस सेवा का प्रथम बार आरम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत संस्था सदस्य श्री चिरंजीलाल शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य प्रबन्धक राजस्थान रोडवेज (समूह संख्या-2), श्री मेवालाल जादम सेवानिवृत्त राजस्थान रोडवेज (समूह संख्या-3), एवं श्री गिरधारी सिंह चूड़ावत (समूह संख्या-4) के सहयोग से लगभग 80 सदस्यों के परिचय पत्र बनाये जाने हेतु प्रार्थना पत्र तैयार किये गये हैं। परिचय पत्र प्राप्त होने पर संस्था द्वारा समूह संयोजकों के माध्यम से सम्बन्धित सदस्यों को वितरित किये जा सकेंगे। श्री जादम ने इस कार्य का व्यक्तिगत तौर पर ''दायित्व'' वहन किया है।

अन्त में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की पुण्य तिथि पर, उनके साथ ही वर्ष भर में संस्था के दिवगंत श्रध्येय सदस्यों (स्मारिका पृष्ठ संख्या 88 क्रम संख्या 1 से 42) को दो मिनिट का मौन रखकर हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की गई। महासचिव आर.एस. निर्बान एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय श्री जे.पी. विजय के धन्यवाद ज्ञापन तथा संस्था द्वारा आयोजित स्वादिष्ट स्वरुचि सहभोज के रसास्वादन के पश्चात सभा का समापन किया गया।

आमसभा - जनवरी-13 एक सक्षिप्त रिपोर्ट

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर की साधारण सभा दिनांक 27.1.13 रविवार को प्रातः दस बजे शास्त्री नगर, सामुदायिक भवन पार्क नं. 2 में दिसम्बर माह के सेवा संकल्प में व्यक्त किये गए कार्यक्रमानुसार विधिवत - ईश प्रार्थना एवं ओ३म् उचारण के साथ अल्पाहार अवधि 10 से 11 बजे के अतिरिक्त 30 मिनट के अन्तराल पर स्थगित आम सभा में 600 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

सभी समोपस्थित के स्थान ग्रहण करने के पश्चात् पूर्व साधारण सभा के सदृश्य चिकित्सा शिविर कृष्ण गोपाल कालेडा धर्मार्थ ट्रस्ट के सौजन्य से उपलब्ध आयुर्वेद दवाओं तथा चिकित्सक इकाई वैद्य श्री शान्तकुमार शर्मा (एक उपवैद्य तथा 2 सहायक सहित) ट्रस्टी श्री एम.डी. रायपुरिया एवं सचिव श्री एच. के. गुप्ता की अगुवाई में श्री धन्वन्तरि महाराज की पूजा अर्चना के साथ, विधिवत सभा की सम्पूर्ण कार्यवाही तक निरन्तर सेवारत रहा।

इस चिकित्सा शिविर में सर्वाधिक आयुर्वेद के अतिरिक्त काय चिकित्सा एवं सल्य चिकित्सा परामर्श 234 वरिष्ठ नागरिकों ने लाभ उठाया। वैद्य श्री शांतकुमार शर्मा एवं स्टॉफ के अतिरिक्त डॉ. रमेश भम्भानी, काय चिकित्सक एवं डॉ. बी.एल. लड्डा शल्य चिकित्सक (सभी समूह सं. 2 से) ने सेवायें दी।

संस्था के जीवित संस्थापक सदस्यों के नाम मंच से पुकारा गया किन्तु संस्थापक महासचिव श्री आर.सी. बजाज के अतिरिक्त कोई भी सम्मानीय सदस्य नहीं पधारे थे। श्री बजाज को यथोचित स्थान पर विराजित कर उनका माल्यार्पण कर करतल ध्वनि के मध्य स्वागत किया जाकर उनका संक्षिप्त उद्बोधन भी कराया गया।

अध्यक्ष महोदय के स्वागत उद्बोधन के पश्चात् गत साधारण सभा दिनांक 27.5.12 की सम्पूर्ण कार्यवाही विवरण का पठन तथा अनुमोदन किया गया।

महासचिव ने अपने अभ्यावेदन में संस्था द्वारा वर्ष भर के सेवा कार्य एवं अन्य जनउपयोगी एवं वरिष्ठजनों के हितार्थ किये गये कार्यों का

प्रस्तुतिकरण किया। समूह संयोजकों ने भी अपने-अपने समूहों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जो वृहद रुप से स्मारिका 2012-13 में प्रकाशित किये जा सकेगे।

दिनांक 27.1 को जन्मे संस्था सदस्यों को पुष्पाहार सुन्दर काण्ड पुस्तक तथा संस्था के बधाई पत्र द्वारा बधाई दी गई।

दिनांक 16.3.13 को होने वाले अन्तर राज्य स्तरीय सम्मेलन की सम्पूर्ण जानकारी दी गई सदस्यो ने प्रेरित होकर सहर्ष सहयोग राशि भेंट की तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के निमित आश्वस्त किया।

आमसभा में महासचिव एवं अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में अन्तराज्यीय वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सफल आयोजन एवं इसको स्मरणीय बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन के आर्थिक सहयोग हेतु निम्न सम्मानीय सदस्यों ने अपनी सहयोग राशि मौके पर ही दी और उनको मंच पर आमंत्रित कर माल्यार्पण किया गया और सदस्यों ने करतल ध्वनि से सभास्थल को गुंजायमान कर दिया :-

क्र.	नाम सदस्य	समूह संख्या
1.	श्री एम.के सीपाणी	10
2.	श्री के.सी. गुप्ता, संस्था अध्यक्ष	12
3.	श्री जे.पी. विजय, संस्था वरिष्ठ उपाध्यक्ष	5
4.	श्रीमती मधु गुप्ता, सदस्य संस्था कार्यकारिणी	1
5.	श्री पी.आर. राठी	1
6.	श्रीमती शीतल कंवर गोगावत	14
7.	श्री चिरंजीलाल शर्मा	13
8.	श्री अमरसिंह चौहान	6
9.	श्री के. के. खन्ना	6
10.	श्री आर.सी. बजाज	9

तथा समूहवार अन्य समोपस्थित सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

6. अन्तर्राज्यीय सम्मेलन को सफल बनाने हेतु 17 समितियों का गठन किया गया है जिसकी जानकारी महासचिव ने मंच से सभासदों को दी।

7. आलोच्य वर्ष में संस्था के कार्यकलापों से प्रभावित होकर 300 नये सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की जो अपने आप मे कीर्तिमान है।

8. संस्था स्तर से भवन निर्माण हेतु भूमि प्राप्ति के प्रयास उच्च स्तर पर जारी हैं जिसकी क्रियान्विति शीघ्र होने की आशा है।

वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ ज.ला.ने. चिकित्सालय में अलग व्यवस्था करने और पंक्तियों में खड़े रहने से मुक्ति दिलाने हेतु पत्राचार कर इसे क्रियान्वित किये जाने के प्रयास किये जा रहे है।

राजस्थान रोडवेज में वरिष्ठ नागरिकों को वोल्वो बसों एवं एसी व डीलक्स बसों में रियायत 50% करने हेतु उच्च स्तरीय प्रयास प्रारम्भ कर दिये गये है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिये आधार कार्ड बनाने हेतु शिविरों के आयोजन अलग से किये जाने हेतु जिला कलेक्टर महोदय को निवेदन किया जा चुका है।

संस्था के नियम उपनियमों में संशोधन निमित जुलाई 2012 के सेवा संकल्प में दिए गए अधिशाषी परिषद द्वारा दिए गए सम्पूर्ण सुझावों तथा संशोधन समिति द्वारा दिए गए सुझावों के अन्तर्गत सदस्यो के सुझावों तथा विरोध पत्रो में दिए गए सुझावों की अनुपालना के साथ दिए गए सुझावों में निम्न अनुसार परिवर्तन किये जाकर सर्वसम्मति से संशोधन स्वीकृत किए गए।

3.8 - के सुझावों में U.I.T. Publice under taking and other NGO's, जोड़े गए।

4.4 - मे दान में प्राप्त स्थान अथवा किराये का स्थान जोड़ा गया।

4.6.3 - में GC द्वारा पारित रिजोल्युशनों को सेवा संकल्प में प्रकाशन के पश्चात जोड़ा गया।

4.6.5 - Office Bearers में अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष (a), महासचिव, सचिव वित्त, सचिव प्रशासन, सचिव विकास संशोधित किया गया।

4.7.1 - 1 (i) यथा प्रस्तावित जोड़ा गया।

4.7.3 - यथा प्रस्ताव संशोधन अनुसार संरक्षक सहयोग राशि बढ़ाकर 5100 रु. कर दी गई।

4.8 - में Payment of Prescribed membership fee जोड़ा गया।

4.10.2 - Governing Council में 2 महिला सदस्य चुनाव किऐ जाकर तथा सभी समूह संयोजकों अपने पद पर रहने तक जोड़े गऐ तथा 10 अतिरिक्त सदस्यों को जो पूर्व मे चुनकर आ रहे थे को समूह संयोजको द्वारा विस्थापित किया गया।

4.11.11 - नया जोड़ा गया। (यथा प्रस्तावित)

4.12.8 - प्रस्तावित संशोधन यथावत।

4.12.8-1 - नया जोड़ा गया। (यथा प्रस्तावित)

4.12.11 - संशोधित प्रकाशन के अनुसार। (यथा प्रस्तावित)

4.15.1 - संशोधित प्रकाशन के अनुसार। (यथा प्रस्तावित)

4.17.2 - पूर्व पंजीकृत उपनियम को विलोपित किया जाकर नया प्रस्तावित प्रावधान सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

4.17.3 - में जोड़े गए प्रस्तावित उपनियमों में 17 (3) e में अध्यक्ष द्वारा कमेटी नामांकन के प्रावधान को विलोपित किया जाकर अन्य प्रावधानों को स्वीकृत करके जोड़ा गया।

सभी धाराओं को चुनाव प्रक्रिया की जटिलता को कम करने तथा अन्य सुविधाओं के निमित इस साधारण सभा में सर्व सम्मिति से पारित किया गया साथ ही सभी सदस्यों से यह निवेदन भी किया गया कि वे अपने स्वेछिक, सहयोगों के साथ कम से कम 50 रु. प्रत्येक जन्मदिवस भेंट संस्था केन्द्र को सहर्ष भेंट करे। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

आमसभा की सम्पूर्ण कार्यवाही विधिवत स्मारिका में पूर्ववत प्रकाशित की जा सकेगी तथा नियमो की सम्पूर्ण विवरणिका का अंग्रेजी मे व हिन्दी अनुवाद स्मारिका वर्ष 2012-13 में प्रकाशित किया जायेगा। इस सेवा संकल्प में प्रकाशित संशोधित नियम उप नियमों में त्रुटिवश रहे विवरण पर स्मारिका में प्रकाशित अभिव्यक्ति ही मान्य होगी।

वर्तमान आमसभा के अतिरिक्त पूर्व आम सभा में वरिष्ठजनों के हितार्थ समूह के द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कृष्ण गोपाल कालेड़ा (धार्मिक ट्रस्ट) के सहयोग से निःशुल्क आयुर्वेद, परामर्श, उपचार एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के अतिरिक्त समूह-2 के सदस्य शल्य चिकित्सक डॉ. बी.एल. लड्ढा, काय चिकित्सक डॉ. गोपीकृष्ण मून्दड़ा व डॉ. रमेश भम्भानी एवं वैद्य श्री शान्तकुमार शर्मा ने सेवाएँ दी इस शिविर में सदस्यों के डायबिटिज एवं अन्य जांचे भी की गई थी। इस शिविर में 321 सदस्य लाभान्वित हुऐ। एक बार सभी का पुनः आभार।

इस शिविर में ऐसे सदस्यों के 80 रोडवेज पास भी बनाये गये जिनके ऐसे पास नही थे। इन सभी शिविरो में श्री चाँदमल राठी चिकित्सा संयोजक ने सहयोग दिया।

सर्वश्री एम.एल. गोयल, मोहनसिंह टांक समूह-4 के सुझावों के प्रतिउत्तर में अध्यक्ष महोदय ने बताया कि संस्था में एक आंतरिक आंकेशक के रुप में श्री के.सी. शर्मा भू.पू. वित्त सचिव को चयनित किया जा चुका है। श्री शर्मा ने कार्यारम्भ कर दिया है।

यू.आई.टी. से जमीन प्राप्त किये जाने की कार्यवाही चल रही है तथा 19 नम्बर समूह केकड़ी विगत 8-10 वर्षों से निष्क्रिय है।

महिला उत्पीड़न के प्रकरण में सम्बन्धित अधिकारियों तथा मुख्यमंत्री दिल्ली, राजस्थान को पृथक से पत्र दिया गया है। वार्षिक स्मारिका की प्रति के साथ वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2011-12 रजिस्ट्रार जनरल जयपुर को समय-समय पर प्रेषित की गई।

आमसभा में दिवंगत सदस्यों का नाम उच्चारण कर दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अन्त में स्वादिष्ट समयोचित गर्म दल का हलवा, गर्म कोपते, गर्म पूडी एवं दो स्वादिष्ट सब्जियों के भोजनोंपरान्त सदस्यों ने अपने निवास को प्रस्थान किया। इस प्रकार यह वर्ष की प्रथम आमसभा स्मरणीय रही।

- आर.एस. निर्बान, महासचिव

Governing Council



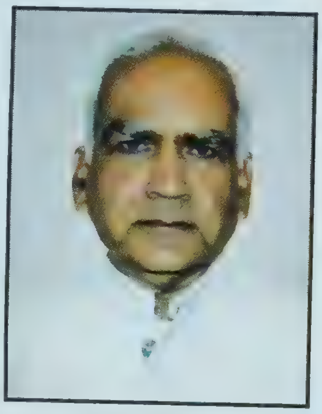
K.C. Gupta
President



J. P. Vijay
Sr. Vice President



Smt. Sheela Saxena
Vice President



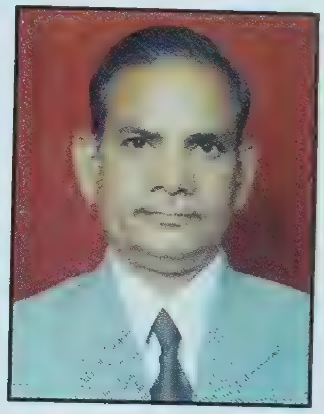
R.S. Nirban
Gen. Secretary



Suresh Agarwal
Secretary (Fin.)



B.R. Dohre
Secretary (Admn.)



K.K. Gupta
Secretary (Dev.)



D. C. Pandey
Member



J.N. Sharma
Member



J.N. Lakhotiya
Member



B.L. Agarwal
Member



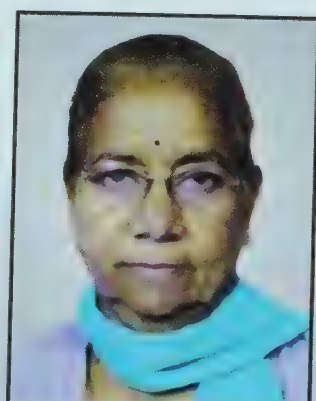
K.J. Gyani
Member



H.L. Sankhla
Member



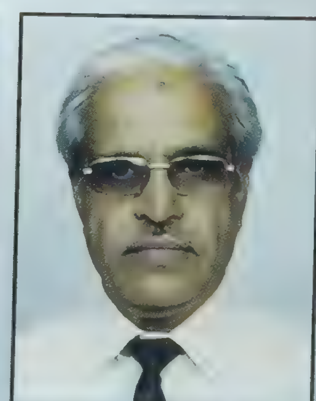
P.C. Gupta
Member



Mrs. Madhu Gupta
Member



R.P. SINGHAL
Member



ASHOK SHARMA
Member

संरक्षक मण्डल



डॉ. एस. के. सिंह



श्री रमेशचन्द्र अग्रवाल



श्रीमती हेमन्त मिश्रा

समूह संयोजक



श्री दिनेश चन्द्र पांडे
समूह-1



श्री आर.एस. निर्बान
समूह-2



श्री हरि नारायण शर्मा
समूह-3



कं. जे.एस. राजावत
समूह-4



श्री जे.पी. विजय
समूह-5



श्री जयनिवास लखोटिया
समूह-6



श्री प्रेमसुख सुराना
समूह-7



श्री पी.डी. अग्रवाल
समूह-8



श्री नंद किशोर शर्मा
समूह-9



श्री कल्याण राय शर्मा
नव चयनित सयोजक समूह-10



श्री मान करण अग्रवार्ल
नव चयनित सयोजक समूह-11



श्री मदन रवि
समूह-12



श्री बी.आर. दोहरे
समूह-13



श्री एस.एस. गोगावत
समूह-14



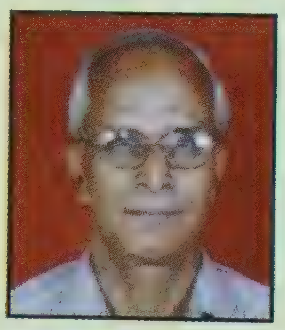
श्री जे.पी. शर्मा
समूह-15



श्री आर.एल.ऐरन
नव चयनित सयोजक समूह-16



श्री आर.सी. माहेश्वरी
समूह-17



श्री वेद प्रकाश कपूर
समूह-18



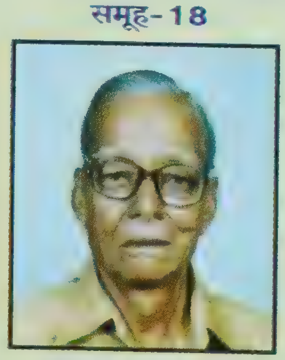
श्री विनोद कुमार माथुर
समूह-19



श्री एम.एस. सिंगला
समूह-20



केप्टन एस.एन. सिंह
समूह-21



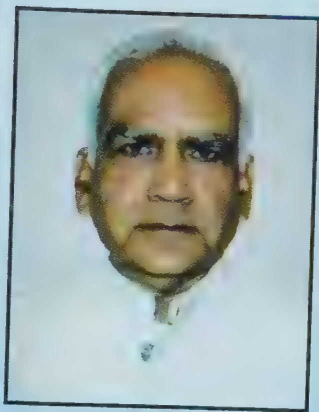
श्री बाबूलाल अग्रवाल
विशेष संयोजक



श्री सी.एम. राठी
चिकित्सा सयोजक

सम्पादक मण्डल


के.सी. गुप्ता

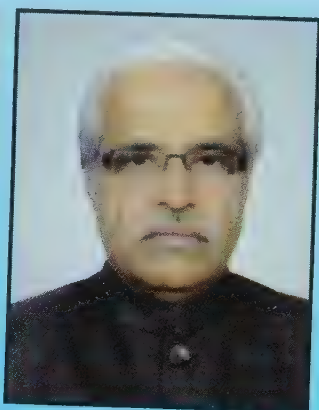

आर.एस. निर्बान


कौशल किशोर गुप्ता


सुरेश अग्रवाल


डी.सी. पाण्डे


के. सी. शर्मा


अशोक शर्मा


पी. एन. शर्मा


के. सी. जोशी


अशोक शर्मा

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस - 1 अक्टूबर 2012



कार्यक्रम के सुअवसर पर अथिति गण एवं अध्यक्ष ईश प्रर्थना करते हुऐ



कार्यक्रम में पधारे हुये वरिष्ठ जन एवं संस्था सदस्य प्रार्थना करते हुऐ



कार्यक्रम के सूत्रधार श्रीमती शीला सक्सेना एवं आर. एस. निर्बान



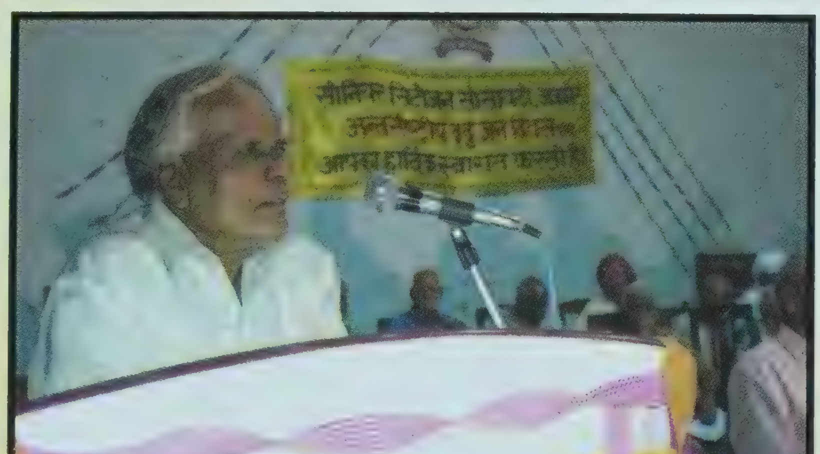
कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. लोकेश शेखावत, मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष गर्ग, डॉ. राजेश कुमार



कौशल किशोर गुप्ता, अतिथियों का परिचय देते हुऐ।



श्रीमती शीला सक्सेना अतिथि श्री अमित मित्तल का सम्मान करते हुऐ



सुरेश अग्रवाल, अतिथियों का परिचय देते हुऐ।



मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष गर्ग, तेला दम्पती (वरिष्ठत्तम सदस्यें) का सम्मान करते हुऐ

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस - 1 अक्टूबर 2012



वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान करते हुऐ अतिथि गण एव वरिष्ठ उपाध्यक्ष



कार्यक्रम में सम्मानित 90 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिक गण



पूर्व संस्थापक महासचीव श्री आर.सी. बजाज का सम्मान करते हुऐ अतिथि



देहदानी दम्पत्ति श्री एंव श्रीमती कैलाश शर्मा का सम्मान



कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ लोकेश शेखावत द्वारा सम्बोधन



श्री जे.पी. चौबे का सम्मान महासचिव द्वारा



संस्था की महिलाऐं - आर्थिक सहयोग कर्ता



कार्यक्रम के वरिष्ठत्तम सम्मानित तेला दम्पती

भ्रमण शिविर - श्री जाट धर्मशाला, पुष्कर



ईश प्रार्थना करते हुऐ संस्था संरक्षक एवं अध्यक्ष गण



भ्रमण शिविर मे पधारे हुऐ संस्था सदस्य गण



भ्रमण शिविर हास्याशनकार्यक्रम



महिला सदस्यों द्वारा भजन प्रस्तुति



कार्यक्रम में गजल प्रस्तुति डॉ. तेज सिंह कच्छावा



कार्यक्रम में भजन प्रस्तुति



संस्था सदस्यों का उल्लहासित समूह

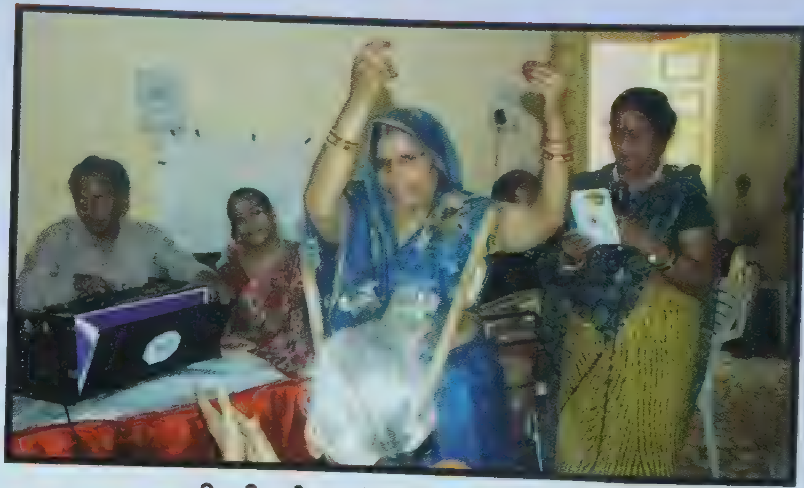


केरम खेलते हुऐ डॉ एस. के. सिंह एवं अन्य

भ्रमण शिविर – श्री जाट धर्मशाला, पुष्कर



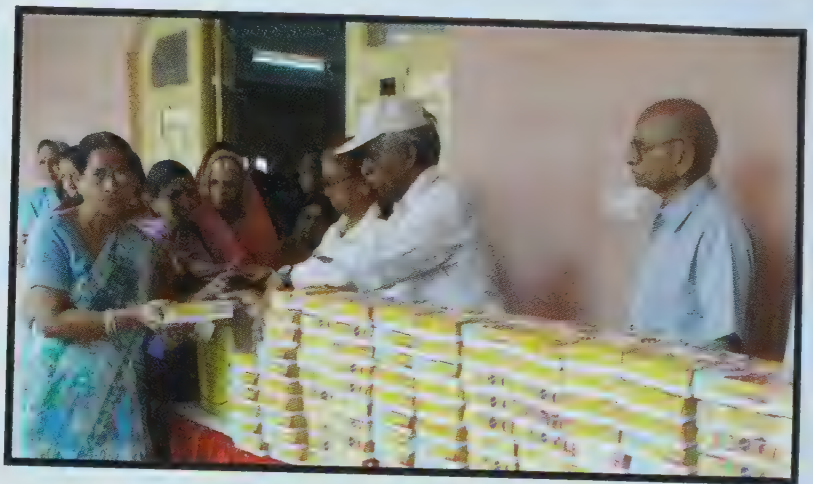
डॉ. जी. के. मून्दड़ा भ्रमण शिविर में सदस्यो को चिकित्सा सेवा अर्पित करते हुए।



श्रीमती चकेश कंवर द्धारा नतृय प्रस्तुति



शतरंग खेलते हुअे प्रत्योगी श्री के.के. खन्ना एवं अन्य



प्रातः कालीन अल्पा आहर वितरण करते हुऐ श्री जे. एस. राजावत, श्री पी.सी. गुप्ता

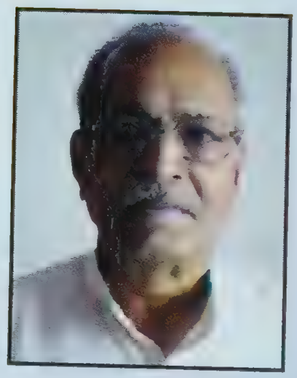
पंचम राज्यस्तरीय वार्षिक अधिवेशन समिति



कौशल किशोर जैन (पू. विधायक)
अध्यक्ष वरि. नाग. संस्थान राज., जयपुर



ओ. पी. हिंगड (वरि.उपाध्यक्ष)
वरि. नाग. संस्थान राज., जयपुर



लाल चन्द बेली (महासचिव)
वरि. नाग. संस्थान राज., जयपुर



के.सी. गुप्ता (अध्यक्ष)
सी. सि. सो., अजमेर



जे. पी. विजय (व.उपाध्यक्ष)
अधिवेशन प्रभारी सी. सि. सो., अजमेर



आर.एस. निर्बान (महासचिव)
सी. सि. सो., अजमेर


जीवन में पाएं और ज़्यादा...
क्रेडिट कार्ड
मोबाइल बैंकिंग
pnb Smart Invest
असबा सुविधा
नि:शुल्क इंटरनेट बैंकिंग एंव ई-भुगतान सुविधा
एसएमएस अलर्ट
पीएनबी
बचत खाता
योजना
नि:शुल्क डेबिट कार्ड, (दुर्घटना बीमा के साथ)
रॉयल मेडिक्लेम पॉलिसी
3-1
1 में 3 खाते (बचत निधि, डिमैट एवं ट्रेडिंग खाता)
पीएनबी प्रूडेंट, स्वीप इन एवं स्वीप आउट की सुविधा के साथ
अधिक जानकारी के लिए पीएनबी की निकटतम शाखा से संपर्क करें या डॉयल करें 0120-2490000/
अखिल भारतीय टॉल-फ्री नं 1800 180 2222 www.pnbindia.in
पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank
...the name you can BANK upon !



अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

1 अक्टूबर 2012

एक संक्षिप्त सारगर्भित अभिव्यक्ति



हर वर्ष की भाँति संस्था के स्थापना वर्ष से आज तक चिंरतित संस्था का अप्रतिम अनुपम अविस्मरणीय अद्‌भुत तथा अधिकृत समारोह जिसके फलस्वरूप सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर इस प्रकार की संस्थाओं में अग्रगण्य स्थान रखती है। बहुत ही परिमार्जित ढंग से दयानन्द महाविद्यालय अजमेर के परिसर में स्थित सभा भवन में दिनांक 1 अक्टूबर 2012 को अपरान्ह 3 बजे से विधिवत आयोजित किया गया।

पूर्व आयोजित व्यवस्था के अन्तरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस कार्यकम में आंमत्रित गणमान्य व्यक्तित्व के धनी सर्व श्री डॉ. लोकेश शेखावत पूर्व कुलपति श्री जयनारायण व्यास विश्व विद्यालय जोधपुर समारोह अध्यक्ष, डॉ. सुभाष गर्ग अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर मुख्य अतिथि, श्री अमित मित्तल वरिष्ठ मण्डल प्रबन्धक भारतीय जीवन बीमा निगम अजमेर एवं डॉ. राजेश कुमार प्राचार्य दयानन्द महाविद्यालय अजमेर विशिष्ट अतिथि के रुप में सादर आमंत्रित थे।

गणमान्य अतिथियो के आगमन एवं मंचासीन होने के पश्चात आज के समारोह में नगर के वयोवृद्ध वरिष्ठ दम्पत्ति 90 वर्षीय प्रो. एस.सी. तेला एवं श्रीमती जमनादेवी तेला एवं 11 अन्य 90 वर्षीय को ससम्मान मंचासीन कराने के पश्चात दीप प्रज्जवलन से विधिवत शुभारम्भ किया गया।

मंच एवं कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती शीला सक्सेना एवं महासचिव आर.एस. निर्बान द्वारा किया गया। संस्था के अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महासचिव अपने पदोनुसार मंचासीन थे।

प्रार्थना 'दया कर दान भक्ति का' मंच से श्रीमती शीला सक्सेना, श्रीमती सरोज कपूर एवं श्रीमती चक्रेश कंवर की अगुवाई में सभागार में उपस्थित सभी महानुभावों ने सम् वेत् स्वरों में उच्चारित की।

तत्पश्चात संस्था सदस्य श्री लज्जा शंकर गोयल ने विधिवत ओम उच्चारण एवं 3 बार हास्यासन कराया। मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष गर्ग का श्रीमती शीला सक्सेना उपाध्यक्ष द्वारा डॉ. लोकेश शेखावत का आर. एस. निर्बान महासचिव द्वारा विशिष्ट अतिथि श्री अमित मित्तल का विकास सचिव श्री कौशल किशोर गुप्ता द्वारा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश कुमार प्राचार्य दयानन्द महाविद्यालय, अजमेर का सचिव वित्त श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल द्वारा पुष्प गुच्छ व माल्यार्पण किया जाकर स्वागत् किया गया। साथ ही सभी अतिथियों का सक्षिप्त परिचय संस्था के चारों पदाधिकारियो द्वारा दिया गया।

स्वागत भाषण : अपने स्वागत भाषण में संस्था अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता द्वारा संस्था द्वारा अभी तक अर्जित कतिपय विशिष्ट उपलब्धियो का कार्यक्रम में पधारने वाले सभी विद्‌द्‌जन अतिथियो तथा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं महासचिव एवं अधिशाषी परिषद के समय-समय पर रहे सदस्यो के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया गया। यो तो संस्था की समस्त उपलब्धियाँ स्वत: परिलिक्षित हैं किन्तु नये संस्था सदस्यों एवं अतिथिगणों एवं समारोह अध्यक्ष के निमित्त यह जानकारी अविस्मरणीय थी।

मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन - अपने उद्‌बोधन के अन्तर्गत डॉ. सुभाष गर्ग ने वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा की गयी समाज की अविस्मरणीय सेवाओं एवं उनकी अपेक्षित आवश्यकताओ सीनियर सिटीजन सोसायटी के सदृश्य संस्था के द्वारा किये गये प्रयासो तथा इस क्रम में प्रशासकीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर किये गये

क्रियान्वयनो का मंथन करते हुए बताया कि आज के परिपेक्ष्य में वरिष्ठजनों के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर राज्य एवं केन्द्रीय स्तर पर बहुत कुछ किया जाना शेष है।

विशिष्ट अतिथि द्वारा उद्बोधन - इसी प्रकार विशिष्ट अतिथि श्री अमित मित्तल ने अपने विचारो के अन्तर्गत सीनियर सिटीजन सोसायटी संस्था एवं उसके द्वारा किये गये वरिष्ठ नागरिको के प्रति विभिन्न कार्यक्रमो एवं चिकित्सा शिविरों एवं भ्रमण शिविर, सभाओ एवं स्नेह मिलन के अन्तर्गत किये गये सभी श्रेष्ठ कार्यों की प्रशंसा की तथा उन्होने संस्था द्वारा प्रकाशित की गयी स्मारिका 2010-11 का एवं 11-12 के अन्तर्गत संस्था की सांस्कृतिक, आर्थिक, बौद्धिक एवं चतुर्मुखी विकास के कियान्वयनो को एक अनुकरणीय उदाहरण एवं प्रस्तुति माना। साथ ही उन्होंने समाज, आर्थिक संस्थाओं एवं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिक के प्रति दायित्व निर्वहन मे बढोत्तरी करने का आव्हान किया। उन्होंने स्वयं तथा उनकी संस्थान भारतीय जीवन बीमा निगम को बुजुर्गों के कल्याणार्थ तत्पर रहने के प्रति आश्वस्त किया।

समारोह अध्यक्ष का उद्बोधन - समारोह अध्यक्ष डॉ. लोकेश शेखावत ने समारोह के मुख्य वक्ता के रुप में उद्बोधन हेतु किये गये आग्रह को स्वीकार करते हुये समारोह के समापन पूर्व सम्भाषण मुख्य वक्ता के रुप में देना स्वीकार कर कृतार्थ किया।

मुख्य समारोह का संक्षिप्त विवरण :- समारोह का सर्वप्रथम गरिमामय कार्यक्रम वृयोवद्धों के सम्मान के प्रथम चरण के अन्तर्गत वयोवृद्ध दम्पत्ति श्री एवं श्रीमती जमनादेवी एवं प्रो. सुगनचन्द तेला तथा अन्य ग्यारह का विधिवत माल्यार्पण शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाकर समारोह के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्पन्न किया गया। सभी को हॉल के मंच पर गरिमामय ढंग से मंचासीन किया जाकर सम्पूर्ण कार्यक्रम श्राव्य दृष्टि (Audio Visual) पटल पर परिलक्षित भी किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय ने सम्पूर्ण सहयोग दिया।

मंच संचालन को तत्पर महासचिव निर्बान व श्रीमती शीला सक्सेना उपाध्यक्ष ने प्रत्येक वयोवद्ध के उत्कृष्ट जीवन उनके द्वारा किये गये समाज उपयोगी क्रियान्वयनों का सटीक बखान किया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत तेला दम्पत्ति के अतिरिक्त श्रीमती रघुवर कंवर (105), श्रीमती हरवशं कौर (91) सर्वश्री कानाराम चौधरी (96)-से.नि. उपनिदेशक आयुर्वेद एवं वैद्य वासुदेव साँखला (95), हनुमान प्रसाद पारीक (93), नरसी भाई पटेल (93), महावीर प्रसाद शर्मा-से.नि. प्रधानाध्यापक (91), खादी ग्रामोद्योग आन्दोलन के सतत् सहयोगी श्री छोगालाल जागीड़ (91), भेदीराम चतुर्वेदी, कब्बडी कुश्ती गुरु, ओमप्रकाश शर्मा (91) रेल्वे सेवाओ में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित श्री अवधराम गौड़ सफल गृहस्थ (90) एवं बच्चों एवं परिवार को शिक्षाविद् बनाने में प्रवीण का सम्मान किया गया।

इसी प्रकार संस्था के देहदानी दम्पत्ति श्री कैलाशचन्द एवं श्रीमती कमला शर्मा समूह संख्या-5 को उनके देहदान घोषणा पर आदर एवं स्नेहपूर्वक सम्मानित किया गया। अतिथियो का इस कार्यक्रम में महासचिव निर्बान एवं उपाध्यक्ष श्रीमती शीला सक्सेना ने सहयोग किया।

संस्था के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान :- संस्था के आयुक्रम में वरिष्ठतम सदस्यों, संस्था के कुल सदस्यो का 1 प्रतिशत अर्थात 28 (4 महिला वर्ग एवं 24 पुरुष वर्ग) से का सम्मान भी श्रीफल, माल्यार्पण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर विधिवत कार्यक्रम समारोह अध्यक्ष मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथियों द्वारा संस्था अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष (महिला), सचिव विकास एवं वित्त, श्री कौशल किशोर गुप्ता एवं श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल एवं संस्था के अधिशाषी परिषद, समूह संयोजकों गणों के सहयोग से वरिष्ठतम के क्रमानुसार मंच संचालन कर्त्ताओं द्वारा सभी के जीवन की संक्षिप्त उपलब्धियों एवं विशेष विवरणों तथा उनके द्वारा किये गये समाजोपयोगी उत्कृष्ट कार्य विवरणों के साथ किया गया। इन सभी की अभिव्यक्ति स्थानाभाव के कारण इसी में

पृथक से स्मारिका में विस्तृत रुप से प्रकाशित की जावेगी।

श्रीमती सुमित्रा यादव, भंवरीदेवी शर्मा, प्रेमशुक्ला एवं श्रीमती शीतल कंवर गौंड, पुरुष वर्ग सर्वश्री हरिसिंह चौहान (85) अनुपस्थित, द्वारकादास थानवी (82), प्रहलाद कृष्ण भार्गव (81), प्यारेलाल टाँक (81), रतनलाल टाँक, एन.सी. गुप्ता (81), मदनलाल भंसाली (81), बिहारीलाल शर्मा (81), संस्था के संस्थापक सदस्य एवं दो पूर्णकालिक महासचिव पद का दायित्व निभाने वाले आर.सी. बजाज (81), एम.आई. खान (81), लेसली मार्टिन जॉर्ज (अनुपस्थित) (81), महेश चन्द गुप्ता (81), ए.के. मुखर्जी (81) (अनुपस्थित), जगदीश प्रसाद चौबे (81), गिरीश प्रसाद माथुर (81), एम.एस. सिंगला (80), डी.पी. गुप्ता (80), अमरनाथ शर्मा (80), आर.पी. गढ़वाल (80), ओमप्रकाश गोयल (80), कृष्ण स्वरूप सिंमलोत (80) (अनुपस्थित), राधेश्याम धामा (80), जसवन्त सिंह सैगर (80), अमरसिंह चौहान (80) सभी का सम्मानपूर्वक माल्यार्पण श्रीफल भेंट एवं शॉल ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाकर क्रमानुसार स्टेज के सम्मुख सम्मान किया गया।

इसके पश्चात वित्त सचिव श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल द्वारा संस्था के अर्थिक सहयोगकर्त्ताओं का समूह अनुसार सूची के अन्तर्गत नाम उच्चारण किया जाकर मंच के सम्मुख संस्था अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष महोदय, अधिशाषी परिषद के सदस्य एवं समूह संयोजको द्वारा सामूहिक रुप से स्वागत एवं ससम्मान माल्यार्पण के साथ किया गया।

कार्यक्रम के इस अशं के अन्तर्गत हुई लेशमात्र विसंगतियों के प्रति क्षमा याचना करते हुए निवेदन है कि इतना विस्तृत कार्यक्रम जिसमे 160 से अधिक महानुभावों का सम्मान किया जाना रहा हो के प्रति संस्था अपने आर्थिक सहयोगकर्ता सदस्यो के सम्मान हृदय से नतमस्तक होकर करती है। कृपया इसको समय अभाव एवं संस्थाहित को दृष्टिगत रखते हुए स्वीकार करे। समारोह के समापन पूर्व समारोह अध्यक्ष एवं आज के मुख्यवत्ता के समापन उद्‌बोधन से पूर्व संस्था के एक मात्र भजन प्रस्तुतिकर्त्ता श्री धर्मीचन्द जैन का भजन ही समाविष्ट हो सका इसको भी समय अभाव के अन्तर्गत स्वीकार करे।

अपने सम्भाषण में डॉ. लोकेश शेखावत ने कार्यक्रम में लगे अधिक समय कुछ सदस्यों के हलचल करके तथा अन्यत्र पधारने को सहज रुप में लेते हुए किचिंत विनोद के साथ समारोह अध्यक्ष की विशेष परिस्थिति का बयान करते हुये अपने विचार बहुत ही संक्षिप्त तथा सारगर्भित रुप में प्रकट किये। उन्होने सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर को राजस्थान की इस प्रकार की सबसे बड़ी अग्रणीय संस्था के रुप में अभिव्यक्त किया। स्वेच्छा से संस्था के सभी कार्यकत्ताओं, संस्था अध्यक्ष, महासचिव एवं आज के कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की। राज्य स्तरीय वरिष्ठ नागरिक संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष होते हुये भी अजमेर की सीनियर सिटीजन सोसायटी के सदस्य विधिवत बनना, श्रेयस्कर माना। ओर इस प्रकार संस्थान की गरिमा को चार चाँद लगाये। न केवल इतना अपितु संस्थान के सक्रिय कार्यकर्त्ता के रूप में जुडे रहने हेतु आश्वास्त किया। महाराजा रणजीत सिंह एवं चित्रकार के कथन को सहज अतिशयोक्ति कटुसत्य और सफल अभिव्यक्ति के रुप में प्रस्तुत करते हुए संस्था के कार्यो की हृदय से प्रशंसा की। वास्तव में महापुरुष विचित्र होते है, विलक्षण होते है विशिष्ठ होते है यह उन्होने परिलक्षित किया।

विमोचन समारोह :- श्रीमती हेमन्म मिश्रा (मुग्धा हेम) संस्था के संरक्षकों में से एक द्वारा रचित 'अकुला हट' काव्य पुस्तिका का विमोचन समारोह अध्यक्ष डॉ. शेखावत द्वारा किया गया और श्रीमती मिश्रा की कृति की सराहना की। इस गरिमामय पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार भ्रमण एवं स्वास्थ्य शिविर के अन्तर्गत विभिन्न विजेता सदस्यों को पुरस्कारों से नवाजा गया :-

कैरम प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग)

1. श्री टी.डी. विश्वास, 2. श्री दिनेश चन्द्र पाण्डे

महिला वर्ग

1. श्रीमती शिवा पाण्डे 2. श्रीमती मधुबाला माथुर

शतरंज प्रतियोगिता

1. श्री एच.एन. माथुर, 2. श्री के.के. खन्ना

कार्यक्रम को सफल बनाने का श्रेय :- मैं आभारी हूँ समूह सं. 12 के संयोजक सर्वश्री मदन रवि एवं सम्मानित सदस्य सर्वश्री सुभाष साहनी, यतीश झा एवं श्री तिवारी एवं उनकी टीम का जिन्होंने सभागार की व्यवस्था संभाली। समूह-13 के सदस्य एवं अधिशाषी परिषद के पदाधिकारी श्री के.के. गुप्ता श्री बी.आर. दोहरे श्री सुरेश अग्रवाल एवं अन्य सभी का जिन्होंने जी जान से सेवाएँ दी। समूह-15 के संयोजक श्री जे.पी. शर्मा एवं उनकी सक्रिय टीम का जिन्होने साज सज्जा तथा व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। श्री जे. एन. शर्मा जिन्होंने राष्ट्र के चतुर्थ स्थम्भ मीडिया सम्पर्क का कठिन कार्य क्रियान्वित किया।

समूह संयोजक श्री डी.सी. पांडे समूह-2 के श्री चिरंजीलाल शर्मा एवं अन्य सभी को जिन्होंने कार्यक्रम में चार चाँद लगाये का आभार। प्रिंट मिडिया, ओडियो विव्युल टी.वी. कवरेज पार्टी का जिन्होंने हमें सम्बल प्रदान किया तथा सभी अधिशाषी परिषद के सदस्यों एवं सभी समूह संयोजकों का तथा संस्था के सभी आर्थिक सहयोगियों का जिन्होंने पधार कर अपना अमूल्य समय देकर संस्था के कार्यक्रम को सफल बनाया।

विशेष रूप से आभार दयानन्द कॉलेज प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार एवं उनके अधीनस्थ स्टॉफ का जिन्होंने अपना अमूल्य सभागार परिसर आदि प्रदान-कर शहर के समस्त वरिष्ठ नागरिकों की शुभकामनाऐं अर्जित की।

स्मृति चिन्ह भेंट :- सभी अतिथियों को आदर सहित स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। ताकि वे इस समारोह की स्मृति को संजोये रखें। समस्त कार्यक्रम का संचालन एक अक्षरस अभिव्यक्ति मंच संचालक श्रीमती शीला सक्सेना एवं आर.एस. निर्बान द्वारा किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी. विजय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया जाकर सभी वयोवृद्धो, गणमान्य अतिथियों संस्था के वरिष्ठतम सदस्यगणों, देहदानियों समारोह में पधारे हुये सदस्य, असदस्य महानुभावों एवं दयानन्द महाविद्यालय के समस्त कार्यकर्त्ताओं सेवाधारियो तथा संस्था के शिख से लेकर नख तक अध्यक्ष महोदय से लेकर संस्था के सभी कार्यकत्ताओं तथा अधिशाषी परिषद के सभी सदस्यो, सभी समूह संयोजकगणो तथा विशेषकर उन सभी सदस्यों ने जिन्होंने स्वेच्छा से बिना किसी हिचक के कार्यक्रम में हृदय से सहयोग करके इसे सफल कराया।

अल्पाहार तथा चाय व्यवस्था : प्रवेश द्वार पर दिये गये कूपनो से अब तक के समस्त कार्यक्रमों में परिमार्जित अल्पाहार एवं चाय नाश्ता जिसमें किचितं मात्र भी त्रुटि नहीं थी। डिब्बा बन्द स्वादिष्ट अल्पाहार एवं गर्म चाय उपलब्ध करवाने की सभी ने सराहना की। यह कार्यकत्ताओं की विशिष्ट उपलब्धि है। फिर भी कोई त्रुटि हो तो संस्था की ओर से महासचिव भविष्य में और परिमार्जन की आंकाक्षा के साथ इस रिपोर्ट को मर्यादित करता है।

राष्ट्रगान से समापन :- समारोह के अन्त में राष्ट्रगान का विधिवत गायन के पश्चात सभा का समापन किया गया।

वर्षाकालीन चिकित्सा एवं भ्रमण शिविर - एक मनोरंजक अनुभव

– श्रीमती शीला सक्सेना



संस्था की स्थापित परम्परा के अनुकूल इस बार लगभग 3 वर्ष के अंतराल के बाद पुनः जाट धर्मशाला पुष्कर में ही दिनांक 12.8.12 को भ्रमण एवं चिकित्सा शिविर का कार्यक्रम रखा गया। प्रारम्भ में सूर्य देवता की तपती गर्मी में जाने वाले शिविरार्थीयों में थोड़ी ऊहा पोह देखने में आई। आयोजकों के माथे पर कुछ शंसयों की लकीर दिखी थी। परन्तु जिस प्रकार से इन्द्र देवता ने जो वातावरण में परिवर्तन किया उसके परिणामस्वरूप 5 बसों की व्यवस्था करनी पड़ी। इन्द्रदेव बरसे और खुब बरसे। 5 बसे अनेक कारों से लगभग 299 शिविरार्थी कार्यक्रम में पहुँचे। सभी बसें एक साथ पहुँची जो अनुशासन एवं सटीक व्यवस्था की परिचायक थी।

जाट धर्मशाला के विशाल हॉल में वरिष्ठ नागरिको ने डेरा जमाया तो बाहर इन्द्र देव भी पीछे नहीं रहे। बड़े खुशनुमा वातावरण में सभी ने प्रफुल्लित हृदय से नाश्ता किया तथा गर्मा गर्म चाय की चुसकियाँ लेकर दिन भर मस्ती करने के मूड में अपना स्थान ग्रहण किया।

सर्वप्रथम अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं संरक्षकगणों ने सामूहिक रुप से महासचिव के सहयोग से सौजन्यता से सरस्वती पूजन किया। श्रीमती शीला सक्सेना, श्रीमती शिवा पाण्डे, श्रीमती मधु सक्सेना, श्रीमती चक्रेश कंवर एवं श्रीमती मनोहर विजय ने सरस्वती वंदना गाई। इन्हीं ने ईश वन्दना भी कराई व श्री लज्जाशंकर गोयल ने तीन बार ऊँ का उच्चारण, व हास्यासन करा, सबकी मार्ग की सुस्ती समाप्त कराई।

यह मौका भी था और दस्तूर भी था। श्री सतीश झा ने ढोलक की जिम्मेदारी व श्री जगदीश प्रसाद चौबे व श्रीमती शीला सक्सेना ने हारमोनियम, श्रीमती शिवा पांडे ने झांझरी को संभाला और सबसे महत्वपूर्ण श्रीमती शीला सक्सेना ने मंच को संभाला। मंच संचालन के पूर्व महासचिव आर.एस. निर्बान ने भ्रमण शिविर के बारे में पूरा कार्यक्रम बनाकर सभी से अनुशासन, बनाये रखते हुए आनन्द उठाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम प्रारम्भ से पूर्व अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता ने सभी आगन्तुको का स्वागत करते हुए इतनी उपस्थिति के प्रति सदस्यों का स्वागत व इन्द्र देव का अभिवादन किया।

प्रथम सत्र में श्री तेजसिंह कच्छावा की ओजपूर्ण रचना श्रीमती सरोज कपूर की गूंजती कविता, श्रीमती चक्रेश कंवर का भजन श्रीमती मनोहर विजय का भजन श्री धर्मीचंद जैन की दिल छूने वाली कविता ने कार्यक्रम की दिशा तय कर दी।

इसमें श्री त्रिदेव विश्वास का ओज श्रीमती शिवा पाण्डे की शैली, आर.सी. चिन्तन की कविता, बी.के. बाधवा का बोध, श्री सांखला की कविता, श्री के.जे. ज्ञानी का भजन, श्रीमती शीला शर्मा, श्रीमती शांता पंत, श्री जगदीश प्रसाद चौबे, श्रीमती शान्ति देवी, श्रीमती गीता रवि, श्रीमती स्नेह प्रभा झा, श्रीमती स्नेहलता मंगल, श्री ओम प्रकाश अपूर्वा, श्री विजयदेव गुप्ता, श्री चन्दनसिंह बुन्देल, श्री के.सी. गुप्ता, श्रीमती मधु सक्सेना, श्री जे.एस. राजावत, श्री के.एम. लवानिया, श्री के.के. खन्ना, ए.पी. कनोजिया ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी। श्री सी.एम. राठी ने शेर और श्रीमती कमला राठी के साथ भजन गाने पर सदस्यों ने करतल ध्वनि से भवन को गुंजायमान कर दिया।

श्री ज्ञानचंद गुप्ता दम्पत्ति ने राजस्थानी गीत गाया तो अनेक महिला सदस्यायें थीरक उठी, उसी प्रकार श्रीमती शीला सक्सेना के राजस्थानी गायन पर महिलाओं ने थिरकत कर जबरदस्त तालियाँ बजा कर हर्ष का इजहार किया।

भोजन से पूर्व श्री के.सी. गुप्ता अध्यक्ष ने आओ दिखाओ ओर ले जाओं का चिर परिचित खेल खिलाया और सदस्यों को लोटपोट कर दिया। श्री आर.एस. निर्बान व जे.एस. राजावत ने हाऊजी का व्यवस्थित रुप से खेल खिलाया। हाऊजी का प्रथम हाऊस श्रीमती कमला लड्डा एवं श्री उदयवीर ने सामूहिक तौर पर जीता। इनडोर खेल की कमान श्री डी.सी. पाण्डेय ने संभाली। शतरंज में प्रथम–श्री एच.एन. माथुर, द्वितीय–श्री के.के. खन्ना, पुरुष कैरम में प्रथम–श्री संजय व द्वितीय श्री के.के. बचलस महिला कैरम में प्रथम–श्रीमती शिवा पाण्डे, द्वितीय–श्रीमती मधु माथुर रहीं। इनके पुरुस्कार वृद्धजन दिवस पर वितरित किये जाने की घोषणा की गई।

इस चिकित्सा शिविर में डॉ. रमेश भंभानी, डॉ. गोपी कृष्ण मून्दड़ा एवं डॉ. बी.एल. लड्डा ने पूरे समय पूरी तल्लीनता से वरिष्ठ नागरिकों को सेवाएँ देकर पुनीत कार्य किया। इनको सोसायटी की और से साधुवाद व आशीर्वाद। महासचिव ने इस शिविर में सहयोग/सेवा देने के लिए अपने साथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

अगले वर्ष फिर मिलेगें के उद्‌गारों के साथ समयानुकूल भोजन कर सब अपने–अपने गन्तव्यों की ओर हर्षोल्लास के साथ प्रस्थान कर गये, और ऐसी पिकनिक को अगली बार पुनः आयोजित करने का सपना संजोये कार्यक्रम का पटाक्षेप किया।

कम्बल वितरण

हेल्पेज इण्डिया के सौजन्य से सीनियर सिटीजन सोसाइटी अजमेर के माध्यम से अजमेर में बी.पी.एल. कार्ड धारको को 20 कम्बल वितरण किये गये।

हेल्पेज इण्डिया जयपुर की सीनियर एक्जीक्यूटिव श्रीमती वंदना चौधरी एवं श्रीमती अन्जू चौधरी व सोसाइटी के कोर्डीनेटर्स ने अपने हाथों से कम्बल बांटे।

सर्वप्रथम सोसाइटी के अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता ने समूह संयोजको, कार्यकारिणी के सदस्यो एवं श्रीमती हेमन्त मिश्रा संरक्षक का स्वागत किया।

कम्बल वितरण में कम्बल प्राप्त करने वाले सभी बी.पी.एल. कार्ड धारको ने हेल्पेज इण्डिया व सीनियर सिटीजन के प्रति आभार प्रकट किया। सोसायटी महासचिव महासचिव श्री आर.एस. निर्वाण ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.पी. विजय, श्रीमती शीला सक्सेना के साथ संरक्षक श्री हेमन्त मिश्रा उपस्थित थे।

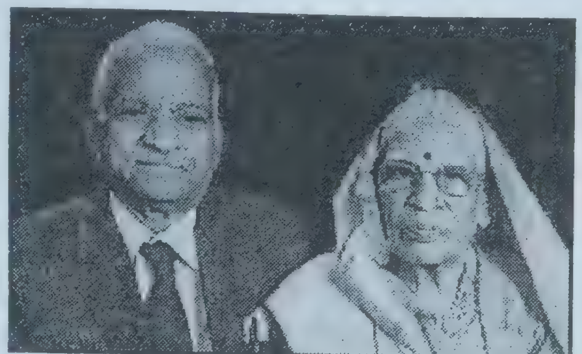


1 अक्टूबर 2012 को सोसायटी द्वारा सम्मानित हमारे वरिष्ठजन – संक्षिप्त परिचय



प्रस्तुति - कौशल किशोर गुप्ता-सचिव विकास एवं श्री अशोक शर्मा-सदस्य अधिशासी परिषद

1. श्री सुगनचन्द तेला एवम श्रीमती जमनादेवी तेला



श्री सुगनचन्द तेला पुत्र श्री केसरीमल जी तेला का जन्म 29.9.1920 व श्रीमती जमनादेवी तेला का जन्म 3.12.1921 को हुआ। श्री तेला एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् है आप वर्ष 1975 में राजकीय स्नाताकोत्तर महाविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए है सेवानिवृत्ति के पश्चात भी राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समितियों में मनोनीत होकर अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे है, जिनमे विश्वविद्यालय आयोग न्यूनतम मजदूरी आयोग राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं केन्द्रीय लोक सेवा आयोग जैसी अनेक संस्थान सम्मिलित है। पूर्व में हायर शिक्षा के वरिष्ठ शिक्षक सम्मान व लॉयन्स क्लब मेट्रो अजमेर रोटरी क्लब अजमेर द्वारा भी सम्मानित हो चुके है आपके तीन पुत्र व तीन पुत्रियाँ चार पौत्र दो प्रपौत्री दो प्रपोत्र है। आपके एक पुत्र दन्त चिकित्सक के रुप में कार्यरत है।

2. श्रीमती रघुवीर कंवर पत्नि स्व. श्री प्रेमसिंह



जन्म दिनांक 15.7.1907 वर्तमान में आप न्यू चन्दन नगर ब्यावर रोड, अजमेर में निवास कर रही है। आपके 4 पुत्र 2 पुत्रियाँ है व एक पौत्र है। आपके एक पुत्र भारतीय सैना में नायक सूबेदार के पद पर कार्यरत है।

3. श्री कानाराम चौधरी पुत्र श्री जवाहरलाल चौधरी



जन्म दिनांक 14.6.1916 को हुआ है इनके द्वारा नरेगा जैसी संस्था में कार्यकर संघर्ष पूर्ण जीवन यापन किया गया है आपके 4 पुत्र, 3 पुत्रियाँ 8 प्रौत्र व 5 प्रपौत्र है।

4. श्री वासुदेव सॉखला पुत्र श्री पूनमचन्द सांखला



जन्म 25.9.1917 को हुआ है आपको सन् 1942 में अजमेर जिला माली समाज के प्रथम चिकित्सक होने का गौरव प्राप्त है। आपने अपनी चिकित्सा का अध्ययन गुरुकूल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार से किया है आप वर्ष 1974 में आयुर्वेदिक विभाग से वैद्य के पद से सेवानिवृत्त हुए है आप बी–108, पंचशील नगर में निवास कर रहे है आपके 3 पुत्र 4 पुत्रियाँ 2 प्रपौत्र है।

5. श्री हनुमान प्रसाद पारीक पुत्र श्री जगन्नाथ पारीक



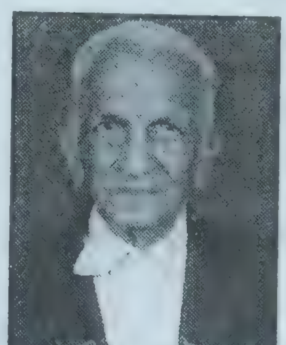
जन्म 1.1.1919 है आप दक्षिण बाड़ा कडक्का चौक में निवास कर रहे है। आपने अखिल भारतीय पारीक आश्रम पुष्कर में कोषाध्यक्ष के पद पर 15 वर्षों तक कार्य किया है। आपके 2 पुत्र 3 पौत्र व 2 प्रपौत्रियाँ है।

6. श्री नरसीभाई पटेल (डोगा) पुत्र श्री ननजी भाई पटेल



आप 93 वर्ष की आयु के है आप प्लाट नं. 6, रेल्वे फाटक के पास बाडिया अजमेर में निवास कर रहे है आप आश्रम सत्ताधार पर आदणीय आपाजी स्थान श्यामजी भक्ति धाम राजकोट गुजरात पद यात्रा श्री द्वारकाधाम दो बार कर चुके है एवं गुजरात में ही 7 बार कावड यात्रा कर चुके है। आपके 2 पुत्र 2 पौत्र है।

7. श्री महावीर प्रसाद शर्मा पुत्र श्री लालजी शर्मा



जन्म 15.4.1921 को हुआ। आपने वर्ष 1944 में मेवाड़ स्टेट में अध्यापक के पद से राजकीय सेवा में प्रवेश लिया व 1981 में सिनियर सै. स्कूल के व्याख्याता पद से सि.नि हुए है। आपकी हमेशा धार्मिक

प्रवृत्ति में अधिक रुचि ली है। आप ओम नगर, ए–19, लोहागल, अजमेर में निवास करते है आपके एक पुत्र 4 पुत्रियाँ 2 पौत्र व एक प्रपौत्र है। आपके एक पुत्र सहायक निदेशक पशुपालन विभाग में सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे है।

8. श्री छोगालाल जांगिड़ पुत्र श्री शिवलाल जांगिड़



जन्म 16.4.1921 को हुआ है। आप खादी ग्रामोद्योग आन्दोलन में सतत सहयोगी रहे है। आपके 4 पुत्र, 2 पुत्रियाँ, 7 पौत्र, 2 प्रपौत्र, 4 प्रपौत्रियाँ है।

9. श्री भेदीराम चतुर्वेदी पुत्र श्री नाथूराम चतुर्वेदी



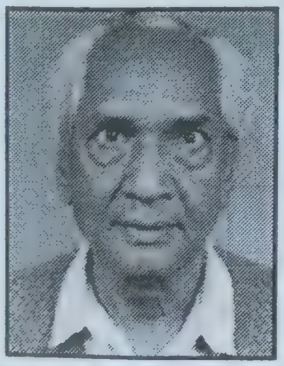
जन्म तिथि 1.7.21 को हुआ है आप शिव नगर, बिहारी गंज, 7 पीपली रोड के निवासी है। आप सिनियर इलेक्ट्रिकल चार्जमेन के पद से वर्ष 1974 में सेवानिवृत्त हुए है आप सन् 1941 से 1958 तक कुश्ती के नेशनल चैम्पियन व कबड्डी के नेशनल चैम्पियन बतौर पश्चिम रेल्वे में कप्तान रहे है। आपके 4 पुत्र, 1 पुत्री, 4 पौत्र है।

10. श्री ओमप्रकाश शर्मा पुत्र श्री देवीनारायण शर्मा



जन्म 30.11.1921 को हुआ है। 1234/32, दादाभाई कॉलोनी, नसीराबाद रोड, अजमेर में निवास करते है। आप रेलवे में उत्तम सेवा देने के लिये व उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किये गये है। आपके दो पुत्र, 1 पुत्री, 6 पौत्र व प्रौत्रिया व छ ही प्रपोत्र प्रपोत्रिया है।

11. श्री अवधराम गौड पुत्र श्री जगन्नाथ गौड



जन्म 3.2.1922 को हुआ है। आप 435/27, जोन्सगंज, अजमेर में निवास करते है आप रेल्वे से 1980 में सेवा निवृत्त हुए है। आपके 5 पुत्र, 1 पुत्री, 7 पौत्र व 1 प्रपौत्र है।

12. श्रीमती सुमित्रा यादव पत्नि श्री ओमेश्वर प्रसाद यादव



जन्म 1.1.1931 को हुआ। आप 391 हरिभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार अजमेर मे निवास कर रही है आपके परिवार में 3 पुत्र, 1 पुत्री व 2 पौत्र है।

13. श्रीमती भंवरीदेवी शर्मा पत्नि श्री बी.एल. शर्मा



जन्म 3.10.1931 को हुआ। आप 545/28, अंगिरा नगर, भजनगंज में निवास करती है आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखती है। आपके 4 पुत्र 2 पुत्रियाँ है।

14. श्रीमती शीतल कंवर गौड पत्नि श्री सुगनसिंह गोगावत



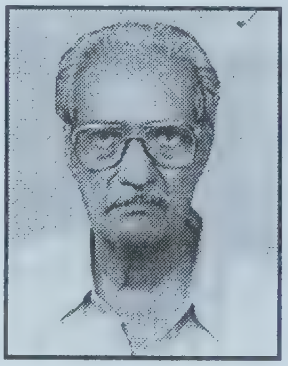
जन्म 15.3.32 को हुआ। 29/182, गोगावत भवन, रघुनाथ पुरी, मेयोलिंक रोड पर निवास करती है। आप को ग्रुप सं. 14 द्वारा 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया है। आपके 3 पुत्र, 2 पुत्रियाँ व 3 पौत्र है।

15. श्रीमती प्रेम शुक्ला पत्नि श्री चन्द्रिका प्रसाद शुक्ला



जन्म 28.3.1932 को हुआ। आप शुक्ला गार्डन, नसीराबाद रोड, अजमेर में निवास करती है आप 10 वर्षो तक शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष रही तथा महिला अत्याचार उत्पीड़न की अध्यक्ष रही है। आप के 2 पुत्र 1 पुत्री 1 पौत्र व 3 पौत्रियाँ व 1 प्रपौत्र है।

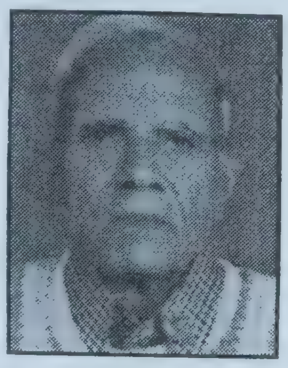
16. श्री हरिसिंह चौहान पुत्र श्री ठा. गुलाबसिंह चौहान



जन्म 10.11.1927 को हुआ। म.नं. 11/8, मुन्दड़ी मौहल्ला अजमेर में निवास करते है आप 1960 में रेलवे हड़ताल में जैल में बन्द किये गये थे। 1974 में भी रेलवे हड़ताल में भाग लेने के कारण पुनः सेवा में

3½ वर्ष बाद लिये गये आप नार्थ रेल्वे युनियन में मण्डल प्रचार मंत्री के पद पर भी कार्यरत रहे है आपके 4 पुत्र, 2 पुत्रियाँ, 3 पौत्र, 4 पौत्रियाँ है। आप अपने पुत्र के स्वर्गवास के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नही हो सके।

17. श्री द्वारकादास थानवी



जन्म 1.6.1930 को हुआ। आप 17–बी, बसन्त विहार कॉलोनी, धोला भाटा में निवास करते है इनके एक पुत्र, 3 पुत्रिया, 1 पौत्र है।

18. श्री प्रहलाद कृष्ण भार्गव पुत्र श्री कुंज बिहारीलाल



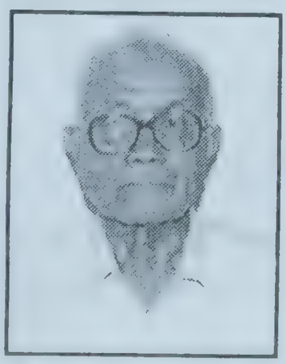
जन्म 6.6.1931 को हुआ। आप टी–2, गणेश नगर, शास्त्री नगर, अजमेर में निवास करते है। वर्ष 1990 में इन्होने लखनऊ से पैदल चलकर 135 किमी. की यात्रा कर अयोध्या जी में 2 नवम्बर 1990 को श्रीराम मन्दिर आन्दोलन में भाग लिया तथा आप पुलिस फाइरिंग में घायल भी हुए आपके 4 पुत्र, 2 पुत्रियाँ, 4 पौत्र, 2 पौत्रियाँ है।

19. श्री प्यारेलाल टांक



जन्म 29.6.31 में हुआ। आप 29/938, धोलाभाटा, अजमेर में निवास करते है आपके 3 पुत्र, 1 पुत्री, 4 पौत्र व 1 प्रपौत्र है।

20. श्री रतनलाल टांक पुत्र श्री हीरालाल टांक



जन्म 16.7.31 को हुआ। आप ई–157, शास्त्री नगर, अजमेर में निवास करते है। आप स्टेशन अधीक्षक रेल्वे से से.नि. है। आपके द्वारा सन् 1987 में रेलवे स्टेशन राजोसी में पेयजल समस्या निपटारा में भूमिका रही है। आपके 1 पुत्र, 3 पुत्रियाँ, 2 पौत्र है।

21. श्री एन.सी. गुप्ता पुत्र स्व. श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता

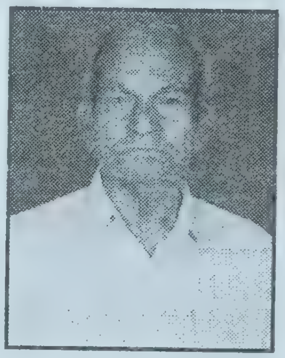


जन्म 15.7.1931 है। आप 48, नगीनाबाग, अजमेर में निवास करते है। आप पश्चिमी रेलवे बम्बई से वर्ष 1989 में लेखाधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए है आप स्थाई रुप से निवेश सलाहकार के रुप में सक्रिय है। आपके 1 पुत्र, 2 पुत्रियाँ, 1 पौत्र है।

22. श्री मदनलाल भंसाली पुत्र स्व. भंवरलाल भंसाली



जन्म 24.7.1931 है। आप 380 दयानन्द कॉलोनी अजमेर के निवासी है। आप रेलवे से स्टेशन मास्टर के पद से से.नि. है। आपके 5 पुत्र, 1 पुत्री, 4 प्रोत्र है।



23. श्री बिहारीलाल शर्मा

जन्म 2.9.31 को हुआ है। आप 3 हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर–1 धोलाभाटा, अजमेर में निवास करते है। आपके 2 पुत्र 2 पुत्री, 4 पौत्र है।

24. श्री आर.सी. बजाज पुत्र श्री रामस्वरूप बजाज



जन्म 25.9.1931 को हुआ। आप एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी है। आप 82/17, गुलराज क्वाटर, नसीराबाद रोड, अजमेर में निवास करते है। आप सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर के संस्थापक सदस्य है। आपके द्वारा भारत स्काऊट गाईड रेल्वे पेंशनर समाज सर्वेश्वर मित्र मण्डल जैसी समाज सेवी संस्थाओं के संस्थापक है। आपके 1 पुत्री है।

25. श्री एम. आई. खान पुत्र एम.डी. जमन खान



जन्म 15.11.1931 को हुआ है। आप खानपुरा कॉलोनी, अजमेर में निवास करते है आपके एक पुत्री है।

26. श्री लेजली मार्टिन पुत्र श्री हार्वे मार्टिन जोर्ज



जन्म 27.11.1931 को हुआ। आप 1856/13, सरस्वती नगर रोड, धोलाभाटा, अजमेर में निवास करते है पूर्व में समूह–14 में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सम्मानित हुए है। कार्यक्रम में आप उपस्थित नहीं हो सके।

27. श्री महेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री धर्मचन्द गुप्ता



जन्म 7.12.1931 को हुआ है। आप पद्म भवन सीताराम बाजार, केसरगंज, अजमेर में निवास करते है।

28. श्री ए. के. मुखर्जी पुत्र श्री टी.पी. मुखर्जी



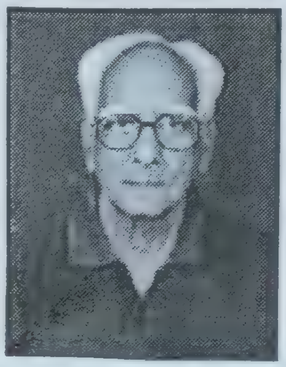
जन्म 25.12.1931 को हुआ है। आप गली नं. 13, मं.नं. 786, आनन्द नगर क्रिश्चन गंज, अजमेर के निवासी है। आपके 1 पुत्री व 1 दोहिता है। आप अस्वस्थता के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नही हो सके।

29. श्री जगदीश प्रसाद चौबे पुत्र श्री सुल्तान चन्द चौबे



जन्म 1.1.1932 को हुआ है। निवासी के–11, शान्ति सदन, क्रिश्चन गंज में निवास करते है। आप ट्रेफिक अकाउन्टस पश्चिम रेलवे फ्रोड मामला पकडने पर नगद राशि से सम्मानित किये गये है आप 15 वर्ष तक गौतम उ.मा. विद्यालय समिति अजमेर में उपमंत्री रह चुके है तथा क्रिश्चयन गंज विकास समिति के मंत्री भी रह चुके है। आपके 2 पुत्र, 2 पुत्रियाँ 2 पौत्र है। स्वस्थ जीवन यापन कर रहे है।

30. श्री गिरिश प्रसाद माथुर



जन्म 10.2.1932 को हुआ। आप 693, हरिभाऊ उपाध्याय विस्तार अजमेर में निवास करते है। आप माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहायक सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए है आपके 1 पुत्र 1 पुत्री 2 पौत्र है।

31. श्री एम.एस. सिंगला पुत्र श्री रामानन्द



जन्म 13.2.1932 को हुआ है। आप रामकृपा बैक कॉलोनी, नाका मदार, अजमेर में निवास करते है आप पूर्व में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर समूह सं. 11 से.नि. रेल अधिकारी संस्था व अग्रवाल समाज द्वारा सम्मानित हो चुके है। आपके सुझाव पर समूहो में सि.सि. सदस्यों को जन्म दिवस पर कार्ड व सम्मान देने की प्रथा चालू हुई। आपके 3 पुत्र, 1 पुत्री, 3 पौत्र है।

32. श्री डी. पी. गुप्ता पुत्र श्री जगदेव राम गुप्ता

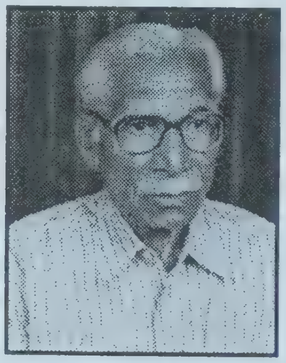


जन्म 3.3.1932 को हुआ है। आप के–11, गांधीनगर, नाका मदार में निवास करते है। आपने रेलवे में विभिन्न पदो पर कार्य करते हुए 1990 में डी.एस.टी.ई. अजमेर के पद से सेवा निवृत्त हुए है। आपके 2 पुत्र, 4 पुत्रियाँ व 3 पौत्र है।

33. श्री ए. एन. शर्मा

जन्म 10.5.1932 को हुआ। आप 15, मदारशाह रोड, कुन्दन नगर, अजमेर में निवास करते है आपके 1 पुत्र व 2 पुत्रियाँ है। अनुपस्थित

34. श्री आर.पी. गढ़वाल पुत्र श्री भवानीराम गढ़वाल



जन्म 5.6.1932 को हुआ आप रेलवे क्रोसिंग गेट–3 के पास निवास करते है। आपके 1 पुत्र है।

35. श्री ओमा प्रकाश गोयल पुत्र श्री शिवदयाल गोयल



जन्म 6.6.1932 को हुआ है। आप अमर भवन, 570/28, नवरंग पैट्रोल पम्प के पास, बिहारी गंज, अजमेर में निवास करते है। आप 30.6.1990 को रेलवे से ड्राइवर ए–ग्रेड के पद से से.नि. हुए है। आपके 1 पुत्र है।

36. श्री कृष्ण स्वरूप सिमलोट पुत्र श्री धन्नालाल सिमलोट



जन्म–10.6.1932 को हुआ है। आप 154/10, भगवती निवास, सिविल लाईन्स, अजमेर में निवास करते है। आप डी.आर.एम. में कार्यालय अधीक्षक के पद से से.नि. हुए है। आपके 2 पुत्र 4 पौत्र है।

37. श्री राधेश्याम धामा पुत्र श्री मूलचन्द धामा



जन्म 1.7.1932 है। आप 1010/43, भजनगंज, राधिका विला के पास निवास करते है। आप 30.6.90 को रेलवे से चार्ज मैन बिजली विभाग के पद से सेवा निवृत हुए है। आपके 2 पुत्रियाँ, 3 दोहते व 6 दोहितियाँ है।

38. श्री जसवन्त सिंह सेंगर पुत्र श्री धनसिंह सेंगर



जन्म15.7.1932 को हुआ है। आप 200/11, सेगर सदन श्रीनाथ बाबा मन्दिर मार्ग, कुन्दन नगर, अजमेर में निवास करते है आप डाक विभाग में विभिन्न पदो पर कार्य करते हुए 31.7.90 को प्रवर अधीक्षक डाक के पद से से.नि. हुए है। आपके 1 पुत्र 3 पुत्रियाँ 1 पौत्र है। आप ख्यातीवान अभिभावक हैं।

39. श्री अमरसिंह चौहान पुत्र श्री मूलचन्द चौहान



जन्म 6.9.1932 को हुआ है। आप 11/12, चौहान भवन केसरिया कॉम्पलेक्स, खाईलैण्ड के सामने, पी.आर. मार्ग, अजमेर में निवास करते है। आपके 1 पुत्र, 2 पुत्रियाँ व 3 पौत्रियाँ है। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आपने दिनांक 22.9.1955 को लोको वर्कशॉप में नियुक्ति प्राप्त की। आपने रेडक्रॉस सोसायटी, रेल्वे स्काउट, सेन्ट जॉन एम्बुलेन्स, बिजली चार्जमेन, डीजल वर्कशॉप इत्यादि में उत्कृष्ट सेवाये देकर अनेको प्रशस्ति पत्र प्राप्त किये। आप सामाजिक व सीनियर सिटीजन सोसायटी के कर्मठ कार्यकर्त्ता होने के साथ उत्तम व्यक्तित्व के धनी है।

40. श्री कैलाशचन्द शर्मा पुत्र श्री कन्हैयालाल शर्मा





जन्म 5.8.1947 को हुआ है। आप 3, शिव कॉलोनी, गणेश मार्ग, कुन्दन नगर, अजमेर में निवास करते है। आप दिनांक 31.8.2000 को राज. रोडवेज मे क. लेखाकार के पद से सेवानिवृत्त हुए है आपके 2 पुत्र 1 पुत्री 2 पौत्र व 1 पौत्री है। आपकी पुत्री वर्तमान में अमेरिका में डाक्टर के पद पर सेवाएँ दे रही है। आपने व आपकी पत्नि श्रीमती कमला देवी ने स्वर्गवास हो जाने के पश्चात् पत्नि व स्वयं की देहदान की घोषणा की गई है। जो कि एक सराहनीय कार्य है। तथा आपने समाज में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। आप वर्तमान में अजमेर जिला गौड़ समाज के सचिव के पद पर भी सेवाएँ दे रहे है।

41. श्रीमती हरवंश सिंह पत्नि श्री लाभसिंह

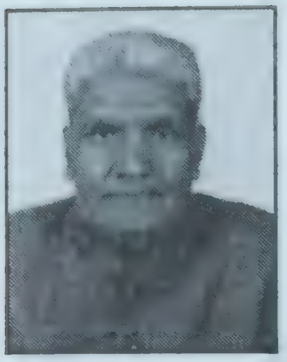


आपका जन्म 5.5.1920 को लाहोर पंजाब में हुआ है। आप मं.नं. 2/19, कंचन नगर, दौराई में निवास करती है। आपके 2 पुत्र 1 पुत्री है। आपने अपने वैधव्य काल में अपने बच्चों का पालन पोषण बहुत ही हिम्मत व मेहनत से एक छोटी परचूनी की दुकान चलाकर किया है। आप धन्यवाद की पात्र है।

❑❑❑

जब तुम किसी की सेवा करो तब उसकी त्रुटियों को देखकर उससे घृणा नहीं करनी चाहिए।

सीनियर सिटीजन सोसाइटी अजमेर के समूहों की गतिविधियों की वार्षिक प्रगति वर्ष 2012–13



समूह संख्या–1

समूह संख्या एक वैशाली नगर, पंचशील नगर, संस्था का प्रथम समूह कार्यक्रम की दृष्टि से अग्रणीय एवं सभी प्रकार के सहयोग देने में तत्पर समूह की प्रत्येक माह में नियमित बैठके होती है तथा उपस्थिति भी सम्मानजनक रहती है, संस्था के सम्मान दिवस कार्यक्रम प्रतिवर्ष जनवरी माह में आतेड़ माता मंदिर परिसर में बड़े हर्ष उल्लास मय वातावरण में मनाया जाता है जिसमें समूह के 75 वर्ष पूर्ण करने वाले सदस्यों को शॉल नारियल एवं बधाई कार्ड के साथ सम्मानित किया जाता है इस उत्सव में संस्था अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव एवं अन्य गणमान्य अतिथि आंमत्रित रहते है। समूह द्वारा आयोजित अल्पाहार एवं अति स्वादिष्ट भोजन व्यवस्था के साथ कार्यक्रम जिसमे सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम अन्य प्रतियोगिताएँ भी होती है। समारोह में मनोरंजन के लिए हाऊजी का भी आयोजन रहता है यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष अपनी भव्यता में निखार लाता रहा है, समूह में स्थित स्थानीय वृद्धाश्रम को 500 रु. की राशि भेंट स्वरूप प्रतिमाह दी जाती है। प्रतिमाह जन्मदिवस भेंट स्वरूप प्राप्त राशि संस्था तथा समूह को दी जाती है। वर्तमान में समूह में लगभग 150 से अधिक सदस्य है। प्रतिमाह 40–45 सदस्य नियमित आते है। समूह निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। अर्न्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समूह के द्वारा पर्याप्त राशि संस्था सहयोग में दी जाती है। समूह की मासिक बैठकें बधिर विद्यालय वैशाली नगर पर सुचारु रुप से आयोजित की जाती है।

बधिर विद्यालय को समूह सदस्य कुछ न कुछ भेंट करते रहते हैं इस वर्ष 25 कुर्सियाँ भेंट की गई है। बधिर विद्यालय के प्रधानाध्यापक समूह की मासिक बैठकें आदि में व्यवस्थाओं में सदैव सहयोग करते हैं।

बैठकों में महिला सदस्य भी भाग लेती है तथा भजन गीत आदि गाती है, पुरुष सदस्य भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेते है। बैठक समाप्ति पर अल्पाहार का भी आनन्द लेते है।

संयोजक महोदय वर्ष 2000 से समूह को संभाल रहे है। बैठकों का समापन राष्ट्रगान के साथ किया जाता है सभी सदस्यों की बैठकों की सूचना पोस्टकार्ड द्वारा दी जाती है।

समूह संख्या–2

समूह संख्या–2 कृष्णगंज, क्रिश्चियन गंज, शांतिपुरा, कैलाशपुरी, एल.आर.सी. कॉलोनी आंवटित क्षेत्र है।

वर्ष–2012 में मार्च के पश्चात् 1 मार्च तक बने नये सदस्यों की संख्या 20 अर्थात् गत वर्ष से 30% अधिक है। इसी प्रकार वर्ष भर में जन्मदिवस भेंटकर्त्ता सदस्यो की संख्या 37 है जो कि पिछले वर्श के लगभग समकक्ष है वर्ष में अप्रेल माह में मार्च 2012 तक 75 वर्ष आयु प्राप्त किये गये सर्व श्री बी.एम.सिंह रणजीत सिंह, मोहनलाल शर्मा, योगेश्वर दयाल शर्मा, वैद्य श्री शांतकुमार शर्मा, श्रीमती श्रवणदेवी वर्मा का सम्मान अमृतोत्सव आयोजित रहा। केन्द्र से पूर्वानुसार अध्यक्ष महोदय कार्यकारिणी सदस्य एवं समूह संयोजकगण आमंत्रित रहे 75 वर्ष से अधिक मे से उपस्थित को शॉल माला प्रशस्ति पत्र एवं बधाई कार्ड के साथ सम्मानित किया गया। वर्षभर में सभी बैठके सितम्बर मास को छोड़ कर आयोजित की गई। अर्न्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समूह द्वारा 11500 रु. की राशि कुल भेट की गई।

मई 2012 एवं जनवरी 2013 की आम सभाओ में समूह के चिकित्स सदस्यो ने पूर्ववत् चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसकी अभिव्यक्ति पृथक से चिकित्सा शिविर रिपोर्ट में दी गई है। इसी प्रकार भ्रमण शिविर में भी समूह के

चिकित्सक महोदयों ने अपनी सेवायं दी। समूह के सौहाद्रता पूर्ण आग्रह एवं प्रयासो से संस्था के नियम उपनियमो का संशोधन कराऐ जाने में भरपूर सहयोग रहा। राज्य स्तरीय पंचम वार्षिक अधिवेशन के निमित समूह सदस्यो के सौजन्य से 12 विज्ञापन उपलब्ध कराए गऐ तथा समूह द्वारा 1100 रु. की राशि भेंट की गई। इस कार्यक्रम निमित समूह के 10 सदस्य 500 रु. से अधिक भेंटकर्ता तथा 30 प्रतिनिधि तथा विभिन्न सेवा सहयोग कार्यो में समूह के 7 सदस्यों ने अपनी सेवाएँ अर्पित की।

समूह संयोजक एवं महासचिव आर.एस.निर्बान समूह का संचालन समूह सदस्यों के सहयोग से सफलता पूर्वक कर रहे है। समूह संयोजक ने स्वयं की अस्वस्थता के कारण माह सितम्बर के स्थान पर अक्टूबर में अपने जन्मदिवस के उपलक्ष में सभी संरक्षकगण, अधिशाषी परिषद, समूह संयोजकगण तथा समूह सदस्यों की मीटिंग एवं स्वरुचि भोज का आयोजन किया।

समूह संख्या–3

समूह संख्या–3 सिविल लाईन्स प्रबुद्ध वरिष्ठ नागरिकों का ऐसा समूह है जिसे सदस्यगण वरिष्ठ पदो अथवा सक्षम व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से सम्बध रहे हैं सभी महानुभावों के अनुभवों तथा योग्यता का लाभ एक दूसरे को मिलता रहता है। लगभग 145 पंजिकृत सदस्यों से समूह के 80 सदस्य सक्रिय रुप से समूह की गतिविधियों में भाग लेते है। सेवा भाव के अतिरिक्त एक दूसरे के प्रति सद्भाव एवं दुख–सुख में भागीदारी निभाने का दायित्व सभी सहर्ष निभाते है। सेवा की दृष्टि से यह समूह संख्या के अग्रणीय समूहों में से एक है। समूह के सौजन्य से प्रति माह निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित होते हैं, यह प्रक्रिया 8 वर्षों से निरन्तर चिंरतित है। चिकित्सा परामर्श एवं सहायतार्थ बाहर से विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित किया जाता है। जिनमें अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. आर. पगड़िया सोनी अस्पताल जयपुर, मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती नीनल मोहित, स्थानीय नेत्र विशेषज्ञ डॉ. महेन्द्र कोठारी, डॉ. विजयनन्द शर्मा, डॉ. रमेश भंभानी, डॉ. हरिदास गुप्ता, डॉ. श्रीमती रजनी भार्गव भी अपनी सेवाएँ देते है। जिनमें से कुछ चिकित्सक महोदय समूह संख्या 3 के सदस्य भी है। उस प्रकार के चिकित्सा शिविरों के निमित्त समूह के सदस्य श्रीमती एवं श्री के.सी. बंसल, श्री एच. एम. दरख, श्रीमती पुष्पा एवं श्री सरदार सिंह चौहान समूह संख्या 2 से श्री ओ.पी. माहेश्वरी, कर्नल के.डी. उपाध्याय उनकी धर्मपत्नि स्व. श्रीमती निर्मला उपाध्याय की स्मृति में तथा स्वम् श्री के.डी. उपाध्याय अपने जन्मदिवस के उपलक्ष में, श्रीमती सुमित्रा गोयल उनके पति स्वर्गीय डॉ. रामगोपाल गोयल की स्मृतियों में श्रीमती मंजु तोषनीवाल, तोषनीवाल इण्डस्ट्रीज की ओर से समूह संयोजक श्री हरिनारायण शर्मा अपने जन्मदिवस के उपलक्ष में श्री लक्ष्मी प्रेस की ओर से स्वर्गीय गोविन्द नारायण की स्मृति में उनकी पत्नि के द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जाकर जनवरी से दिसम्बर तक शिविरों व चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया।

समूह के सदस्य जे.एल.एन. अस्पताल में सर्वश्री सी.एम. राठी, जी.एच. रायसिघानी, एस.एस. वालिया, कर्नल उपाध्याय, एच.एन. दरख एवं श्री जे.के. व्यास आदि सदस्य नियमित सेवाएँ अर्पित करते है। समूह की वार्षिक सभा में समूह के 75 वर्ष पूर्ण करने वाले सदस्यों का सम्मान किया जाता है। समूह की सभी गतिविधियाँ समूह स्तर पर सुचारु रुप से चलती है, समूह संयोजक श्री हरिनारायण शर्मा एवं संस्था के चिकित्सा संयोजक श्री सी.एम. राठी सामूहिक तौर पर सभी कार्यक्रमों को उत्साह के साथ सम्पन्न करवाते है।

समूह संख्या–4

शास्त्री नगर, सर्वेश्वर नगर, जवाहर नगर, रेम्बल रोड व लोहाखान समूह की वार्षिक गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:–

वर्ष में समूह की सदस्य संख्या 156 से बढ़कर 177 हुई और इस प्रकार सदस्यता शुल्क राशि लगभग 5000 रु. संस्था (अजमेर) को भेजे। वर्ष

भर में जन्म दिवस राशी सहयोग (केन्द्र को) लगभग 3750/- रु. विगत वर्ष से लगभग 1600 रु. अधिक भेंट किये गये। इसी प्रकार वृद्धजन दिवस निमित्त केन्द्र को सहयोग राशि विगत वर्ष के 500 रु. के स्थान पर 2000 रु. भेंट की गई व अन्तर राजकीय सिनियर सिटिजन सम्मेलन जो की 16 मार्च 2013 को होना है। के लिए भी समूह की तरफ से 1000 रु. भेंट किये गए। समूह के सहयोग से केन्द्र की आम सभाओं व हर गतिविधियों में समूह सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। व स्मारिका में विज्ञापन हेतु भी समूह ने तकरीबन 9000 रु. के विज्ञापन प्रकाशित करवाऐ।

समूह चार हर माह नियमित अपनी बैठक आयोजित कर रहा है व समूह के लिए और केन्द्र की हर गतिविधियों के सहयोग के लिए अपनी तरफ से हर कार्य के लिए तत्पर रहा है। तत्पर है और आगे भी तत्पर रहेगा।

वर्ष-2012 जनवरी से लेकर 31 दिसम्बर तक समूह द्वारा माह अक्टूबर में बूड़ा पुष्कर में पिकनिक का आयोजन किया गया व गत वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी 75 साल की आयु पूर्ण करने वाले सदस्यों एवं 50 वर्ष के सफल वैवाहिक जीवन व्यतित करने वाले सदस्यों का सम्मान समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्था ने इस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों को भी सादर आमन्त्रित किया गया। जिन्होंने पधार कर सम्मान समारोह की प्रतिष्ठा बढ़ाई। सभी सम्मानित होने वाले सदस्यो को शॉल, माला, श्रीफल व स्मृति चिन्हो से सम्मानित किया गया इस अवसर पर समूह के प्रतिष्ठीत सदस्य श्री जवाहर नानकानी जी ने अपनी तरफ से एक अच्छी पुस्तक सभी सम्मानित सदस्यों को भेट की समूह उनका बहुत आभारी है। उपरोक्त कार्यक्रमों में भोजन, खेलकुद, मनोरंजन व स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया। व सभी भाग लेने वालो ने बहुत अच्छा सराहा। इस से समूह का मनोबल बहुत बड़ा और आगे भी इसी प्रकार के आयोजन करने का उत्साह बड़ा। इस समूह की कार्यविधि व समूह का नाम रोशन करने वाले हर एक सदस्य का समूह आभार व्यक्त करता है। व खास कर निम्न सदस्यों का बहुत-बहुत आभार। श्री रतनलाल टाक, रमेश चन्द गोयल, सम्मानसिंह, अशोक कुमार शर्मा, सुरेश चन्द मित्तल, आर.के. भार्गव, अशोक सक्सेना। व खास कर समूह संयोजक श्री जे.एस. राजावत का बहुत-बहुत आभार व इनकी कार्यशैली उत्तम कोठी की रही हर व्यवस्था पर।

समूह की मासिक बैठक सामुदायिक भवन, पार्क नं. 2, शास्त्री नगर, अजमेर पर आयोजीत की जाती है। सभी समूह सदस्य हर कार्यक्रम में बड़ चड़कर भाग लेते है। एवं पूर्ण सहयोग हेतु तत्पर रहते है। समूह ने गत वर्ष महावीर इन्टरनेशनल संस्था के सौजन्य से 6 गरीब महिलाओं को 6 सिलाई मशीन (पैरो से चलने वाली) भेंट करवाई इसी प्रकार इस वर्ष भी 4 महिलाओं के फार्म भेजे जा चूके है। इस कार्य के निमित्त श्री एन.सी. पारीख का बहुत महत्वपूर्ण योगदान समूह को मिलता रहा है। और मिल रहा है। समूह इन का आभार व्यक्त करता है।

समूह आगामी वर्ष के लिए विशेष ख्याति प्राप्त व्यक्तियों द्वारा गोष्ठीयाँ आयोजित करने व चिकित्सा शिविर लगवाने के लिए प्रयासरत है। एवं केन्द्र को हमेशा यथा संभव सहयोग देने के लिये सदैव तत्पर है।

समूह संख्या-5

इस समूह की मासिक बैठक हर माह को सदस्य की सुविधानुसार अपने आवास पर रखते है। यह अवसर दो वर्ष मे एक बार आता है। इसे सदस्यगण सुअवसर मान के करते है। प्रतिमाह जन्मे प्रत्येक सदस्य को माल्यापर्ण किया जाता है और संस्था द्वारा प्रदत्त बधाई कार्ड दिया जाता है जो सदस्य इस अवसर पर नहीं आ पाता है उसे कार्ड घर पर भेजा जाता है। हर सदस्य चाहे वो उपस्थित हो या नहीं अपनी जन्मदिवस भेंट सदस्य देता है। यह करीबन 100 रु. प्रत्येक पुरुष सदस्य है और महिला सदस्य कम से कम 50 रु. संस्था को देता है जो सभी रकम केन्द्र को भेंट दी जाती है। इस साल इस ग्रुप में कुल 46 सदस्य है इस प्रकार जन्मदिवस भेंट

कुल 3513 रु. सस्था को जमा कराई।

इसके अलावा 75 वर्ष पूर्ण करने वाले सदस्य को समूह की ओर से माल्यार्पण किया जाता है, शॉल ओढ़ाया जाता है और नारियल भेंट किया जाता है व साथ में प्रतिक चिन्ह भी दिया जाता है। इस कार्य के लिए सदस्यो से कोई भेंट स्वीकार नहीं कराई जाती है। इस अवसर को अमृत महोत्सव का नाम दिया जाता है। यह कार्यक्रम ज्यादातर सदस्यों के घर पर ही रखा जाता है जिससे परिवारजन व इष्ट मित्र भी भाग लेकर आनन्द पूर्वक मनाते है।

इस ग्रुप में प्रत्येक सदस्य पुरुष 200 रु. व महिला सदस्य 100 रु. आवश्यक रुप से गरीबों हेतु दान देता है जो कि एकसाथ इक्कठा कर किसी आवश्यकतानुसार भेजा जाता है इस वर्ष 6800 रु. आये जिसमें से 6000 रु. की एक बैंच जवाहरलाल नेहरु अस्पताल में जयअम्बे सेवा समिति के माध्यम से भेंट की है। इसके अलावा 6500 रु वृद्धजन दिवस पर आर्थिक सहयोग दिया।

इस साल प्रान्तीय अधिवेशन होने जा रहा है उसमे 15500 रु. अभी जमा करा दिये है और करीबन 7500 रु. का ओर आने बाकी है।

इस वर्ष सम्मानित होने वाले 75 वर्ष पार चुके सदस्य रहे सर्वश्री जे.पी. विजय, श्रीमती प्रकाशवती भल्ला, राजेन्द्र सिंह, इन सबने अमृत महोत्सव का कार्यक्रम अपने निवास पर ही रखा। इसमे जीवन परिचय विस्तार से बताया जाता है।

इस ग्रुप के सदस्य श्री खेमचन्द चतुर्वेद जो स्वयं एक लेखक व शिक्षाविद् है उन्होने इस वर्ष भी एक पुस्तक लिखी है– ''स्वास्थ्य विचार सुखी जीवन'' जिसको सबने सराहा है।

संस्था के सदस्यों ने जय अम्बे में पानी के टेंकर हेतु सर्वश्री गजसिंह यादव ने 1100 रु., जे.पी. विजय 1100 रु., जी.के. कपिल ने 500 रु., राजेन्द्र सिंह ने 500 रु., श्री कैलाशचन्द्र शर्मा ने 500 रु., कुल 3700 रु. राशी भेंट करी।

इस ग्रुप के सदस्य सहायता हेतु आर्थिक सहयोग देने में सभी रुचि रखते है जिससे हमारे छोटे–छोटे कार्यों के लिये अन्य जगहो से संस्थाओं में धन की मांग कम से कम हो।

समूह संख्या–6

ग्रुप संख्या–6 हाथी भाटा, अजमेर सोसायटी की समस्त गतिविधियों में अपना स्थान स्थापित करने में सफल रहा है। ग्रुप की प्रतिमाह मासिक बैठक आई.एम.ए. हॉल, अजमेर में नियमित रुप से आयोजित की जाता है। ग्रुप में सदस्यों की संख्या 105 है लेकिन 50–55 सदस्य ही ग्रुप की बैठकों में सक्रिय भाग लेते है।

ग्रुप के बनाये गये नये सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया जाता है और उनका परिचय करवाया जाता है। जिन सदस्यों का माह में जन्मदिवस पड़ता है उनको माल्यार्पण कर एवं बधाई कार्ड भेंट कर अभिनन्दन किया जाता है। जो सदस्य जिस माह में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेता है उस सदस्य का उसी माह में उसकी हीरक जयन्ति के उपलक्ष में उसे शॉल ओढ़ार माल्यार्पण कर श्रीफल एवं बधाई कार्ड भेट किया जाता और उनका अभिनन्दन पत्र पढ़ कर सुनाया जाता है और उन्हें भेंट कर उनका विशेष अभिनन्दन किया जाता है। ऐसे अवसरों पर सोसायटी के अध्यक्ष एवं महासचिव को भी बैठक में विशेष रुप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। आलोच्च वर्ष में सात सदस्यों की हीरक जयन्ति मनाई गई। अपने जन्म दिवस के उपलक्ष में सदस्यों सोसायटी एवं ग्रुप को सहयोग राशि भी अपनी स्वेच्छा से भेंट करते है। मासिक बैठक में समूह सदस्यों द्वारा भजन गायन, महापुरुषों के उपदेश, धार्मिक कथाऐं, हास्यास्पद चुटकुले आदि नियमित रुप से सुनाकर सदस्यों का अच्छा मनोरंजन किया जाता है।

समूह सदस्य बैठकों में सामाजिक सेवा प्राकृतिक औषधि उपचार आध्यात्मिक अनुभव की जानकारी का आपस में आदान प्रदान करते है।

समूह के सदस्यों द्वारा वर्ष में पड़ने वाले दीपावती, होली एवं रक्षा बन्धन पर्व मिलन समारोह के रुप में मनाये जाते है। इन अवसर पर सदस्यो के चन्दन केसर का तिलक लगाकर अभिनन्दन किया जाता

है। इस अवसर पर सदस्यों को जीवन उपयोग वस्तुएँ भेंट की जाती है। समूह सदस्यों के प्रतिमाह सेवा संकल्प पहुचाने की उचित व्यवस्था है। इसमें किसी प्रकार का अपवाद नही है। सभी सदस्य मिलकर चलते है एक दुसरे का आदर करते है।

समूह संयोजक श्री जयनिवास लखोटिया द्वारा प्रत्येक सदस्य से हर माह व्यक्तिगत रुप से सम्पर्क किया जाता है।

समूह संख्या–7

हमारे ग्रुप नं. 7 सीनियर सिटीजन सोसायटी मासिक मिटींग प्रत्येक महीने के आखिरी मंगलवार को आयोजित की जाती है। सर्दी के दिनों में यह मिटींग अपरान्ह 4.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयोजित की जाती है। गर्मी के दिनों में यह मिटींग 5.00 से 6.00 बजे तक आयोजित होती हैं। हमारे ग्रुप में कुल 57 सदस्य है। हमारे ग्रुप मं 20–25 सदस्य बीमार हैं। मिटींग में नियमित 15–20 सदस्य रहते हैं। प्रत्येक मिटींग में नियमित योग प्राणायाम प्रार्थना का कार्यक्रम होता हैं। मिटींग में किसी भी विशिष्ट व्यक्ति को बुलाकर उसका प्रतिबोध सुनते हैं। इस वर्ष हमारे ग्रुप को पू. श्री राजेश मुनिजी (जैन संत) का सानिध्य प्राप्त हुआ। महाराज श्री का 3–4 मिटींग में मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ। प्रत्येक सदस्य के जन्मदिवस पर माल्यार्पण कर कार्ड दिए जाते है। उनके दीर्घायु होने की कामना की जाती हैं। मिटींग के अन्त में अल्पाहार का भी कार्यक्रम होता हैं। इस वर्ष सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह रही कि जैन संत का सानिध्य प्राप्त हुआ यह बहुत बड़ी उपलब्धि हैं। इसी सत्र में वरिष्ठ नागरिक संस्थान का पंचम अधिविशेन भी हमारी अजमेर की लोक प्रिय संस्था एवं भारतवर्ष में प्रख्यात सीनियर सिटीजन सोसायटी द्वारा 16 मार्च शनिवार को आयोजित किया जा रहा हैं। मैं इस अधिवेशन की सफलता की कामना करता हूँ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः।
सर्वे सन्तु निरामया।।
सर्वे भद्राणि पशयन्तु।
मा कश्चित दुःख भाग भवेत।।
ऊँ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

समूह संख्या–8

समूह संख्या–8 केसरगंज संयोजक श्री पी.डी अग्रवाल के संयोजन में प्रतिमाह निरंतर मासिक बैठक आदि कर रहे हैं। समूह के सदस्य केन्द्र की समस्त गतिविधियों में भाग लेते हैं एवं यथा संभव समय–समय पर सहयोग राशि प्रस्तुत करते है। अन्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सर्वश्री पी.डी. अग्रवाल, बाबुलाल अग्रवाल, भ्रमस्वरूप अग्रवाल, हीरालाल मैसी, गंगाप्रसाद एवं श्रीमती कमला सक्सेना ने 500 रु. प्रति और सर्वश्री कैलाश नारायण शर्मा, विजयसिंह एवं श्री दयाशंकर गोयल ने 100 रु. प्रति सप्रेम भेंट किये। इसके अतिरिक्त जन्मदिवस भेंट स्वरूप भी सदस्यगण केन्द्र को सहयोग प्रदान करते है। वर्ष में 6300 रु. कुल तथा पंचम राज्य स्तरीय अधिवेशन के निमित्त श्री हीरालाल मैसी और श्री पी.डी. अग्रवाल ने 500 रु. सप्रेम भेंट किये।

मई–2012 में मदरस डे एवं जून में फादरस डे मनाया गया समूह सदस्यों ने दोनो पर अपने–अपने विचार रखे। समूह संयोजक श्री पी.डी. अग्रवाल ने नई सी.टी.एस. चैक बुक के बारे में जानकारी दी। मार्च–13 के पश्चात् सम्पूर्ण राष्ट्र में इस सिस्टम का आरम्भ किया जायेगा। जिसमें सुविधा तथा सुरक्षा दोनो निहित है। श्री मोतीमणी ने कानूनी जानकारी मुख्तियारनामा वसियतनामा, गोदनामा इकरारनामा आदि सम्बन्धित जानकारी दी। वर्ष 2012 में 12 नये सदस्य भी बनाये गये जिनका स्वागत किया गया।

प्रति माह, माह में जन्मे सदस्यो को संस्था के जन्मदिवस बधाई कार्ड के साथ बधाई दी जाकर उनके निरोग एवं दीर्घायु की कामना की जाती है एवं स्वादिष्ट अल्पाहार का आयोजन होता है। वर्ष–2012 में समूह के दिवंगत सदस्यों को उनके निवास स्थान पर संवेदना संदेश भेजे गये एवं दिवंगत आत्मा को श्रंद्धाजली अर्पित की गई। मनोरंजन तथा आध्यात्म की कड़ी में स्वय समूह संयोजक, सर्वश्री ओ.पी.

सिंघल, मोतीमणी, छगनलाल अग्रवाल, अजय मेहरा, नारायणदास मीरचंदानी, दयाशंकर गोयल, नानक चोटरानी, घनश्याम गर्ग आदि का विशेष योगदान रहता है। समूह की आय–व्यय का ब्यौरा, समूह कोषाध्यक्ष श्री ओ.पी. सिंघल रखते तथा वर्षानुसार प्रस्तुत करते है। समूह की ओर से 1001 का गोशाला में चारा भेंट किया गया। अजमेर मेराथन में समूह के 14 सदस्यों ने भाग लिया।

संस्था केन्द्र एवं कार्यकारिणी के मार्गदर्शन के अनुसार समय–समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा, जिसमें अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता महासचिव श्री आर.एस. निर्बान, वित्त सचिव श्री सुरेश अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

समूह संख्या–9

अलवर गेट समूह संख्या–9 की ओर से समूह संयोजक श्री नन्दकिशोर शर्मा ने सभी संस्था सदस्यो, अध्यक्ष एवं मंच के निमित्त नूतन वर्ष 2013 की शुभकामनाओं एवं अभिनन्दन के साथ निम्न प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की –

दिसम्बर–2012 तक समूह की सदस्य संख्या 113 हो गई है, समूह की मासिक बैठक प्रति माह द्वितीय रविवार को सर्दी में सायं 4 बजे और गर्मी में सायं 5 बजे से रेलवे सिगनल शॉप मजदूर संघ कार्यालय, मार्टिनडल ब्रिज, श्रीनगर रोड पर विधिवत आयोजित की जाती है। औसतन समूह के एक तिहाई सदस्य ही उपस्थित हो पाते है। समूह की बैठक निमित्त प्रत्येक सदस्य को मासिक सेवा संकल्प पर लिखकर सूचना दी जाती है वरिष्ठताक्रम से सभी सदस्यों को अध्यक्षता करने का आग्रह किया जाता है। उनके गुलाब पुष्प के साथ स्वागत के पश्चात ईश प्रार्थना, 20 एक्युप्रेशर तालिया, तीन बार हास्यासन 5 बार उच्च स्वासन क्रिया एवं तीन बार ऊँ उच्चारण किया जाता है। माह में जन्में समूह सदस्य को संस्था द्वारा दिये गये जन्मदिवस बधाई कार्ड एवं गुलाब पुष्प के साथ सभाध्यक्ष द्वारा बधाई एवं शुभकामना दी जाती है। बैठक में सेवा संकल्प में छपी सूचनाओं एवं अन्य कार्यक्रमों को पढ़कर विचार विमर्श किया जाता है तथा उनसे सबंधित गतिविधियों पर समूह द्वारा निर्णय लिये जाते है। समूह द्वारा पृथक से उपलब्ध रसीद बुक में सभी सदस्यों द्वारा जन्मदिवस अथवा अन्य आर्थिक सहयोग राशि का लेख सम्बन्धित सदस्यता को दिया जाता है। केन्द्र द्वारा केन्द्रीय सहयोग की राशि को लेख सम्बन्धित सदस्या को दिया जाता है। केन्द्र द्वारा केन्द्रीय सहयोग की राशि की रसीद प्राप्त होने पर सम्बन्धित सदस्य को दी जाती है। समूह की प्रत्येक बैठक में वर्ष भर में आने वाले धार्मिक त्योहार एवं अन्य पर्द सभी सदस्यपूर्ण हर्षोल्लास से मनाते है एवं अपने विचार प्रकट करते है।

समूह सदस्य बैठकों में सामाजिक सेवा प्राकृतिक औषधिय उपचार सेवा आध्यात्मिक अनुभव प्राथमिक सहायता के अतिरिक्त अन्य विषयों पर आपसी चर्चा कर विचारों का आदान प्रदान करते है। प्रतिवर्ष माह जनवरी में समूह अपने सदस्यों जिन्होने अपने जीवन के 75 वर्ष पूर्ण किये है का, रोली मोली, पुष्पमाला, शॉल एवं श्रीफल भेंट करके सम्मान करता है। इस अवसर पर संस्था के उच्चाधिकारियों एवं शहर के विशिष्ट व्यक्तियों को आंमत्रित किया जाता है, समूह द्वारा इस अवसर पर सामुहिक भोजन अथवा पुष्ठ अल्पाहार आयोजित किया जाता है।

समय–समय पर समूह द्वारा आई केयर फाउडेशन आफ इडिंया द्वारा आयोजित नेत्र प्रशिक्षण एवं निशुल्क चश्मा वितरण जो कि समूह के राजकीय स्कूलो यथा जादूगर, अलवर गेट, श्रीनगर रोड, नगरा, भजन गंज आदि पर आयोजित होते हैं पर आर्थिक सेवाऐं दी जाती है। इसीक्रम में समूह द्वारा जरूरतमंद छात्रों को स्वेटर पैन, पेंसिल नोट बुक आदि भेंट की जाती है।

समूह द्वारा इस वर्ष रक्षा बंधन, मकर संक्राति व दीपावली पर्व पर लोहागल रोड, अपना घर आश्रम के 70 अक्षम सदस्यो को सम्मानित किया गया तथा सहानुभूति प्रकट की गई, उन अवसरों पर उनके निमित्त स्वादिष्ट भोजन, फलाहार एवं मिष्ठान का आयोजन रखा गया। साथ ही अपना घर आश्रम को

2111 रु. का आर्थिक सहयोग, सूखी खाद्य सामग्री, टोस्ट, बिस्केट, सूती एवं गर्म कपडे उपलब्ध करवाये गये, इसीक्रम में कोटड़ा स्थित जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम, फाईसागर गौशाला तथा बालसदन में आर्थिक सहयोग दिया गया। समूह सदस्य अपने निवास स्थान पर पक्षियों के लिए दानापानी की व्यवस्था रखते है। समूह सदस्य एस.बी.आई लोको ब्रांच में पेशनर्स के पीपीओ नोमोनेशन फार्म, लाईफ सर्टिफिकेट की जानकारी एवं उससे सम्बन्धित सभी सेवाएँ प्रति माह अर्पित करते है। समूह संयोजक निजी तौर पर प्रति वर्ष नववर्ष पाकेट कलैण्डर मौजुदा ट्रेनो की समय सारिणी, रक्तदान, नेत्रदान, देहदान, प्रेरणा संदेश, पर्यावरण, ध्वनि, वायु प्रदूषण, उन्मूलन हेतु संदेश आदि बनाकर प्रचुर मात्रा में वितरित करते है। इस वर्ष की वार्षिक गोठ अगस्त माह में अजमेर पुष्कर रेल द्वारा आवागमन के साथ पुष्कर में आयोजित की गई।

बैठक में समूह सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के प्रमुख प्रस्तुत करता श्री एव श्रीमती ज्ञानचन्द गुप्ता, श्री के.जे.ज्ञानी, श्री निरंजनदास गोसाई, श्रीमती कुसुम गौतम, श्रीमती सुधा गुप्ता, श्री गंगासहाय शर्मा, श्री सत्यप्रकाश ओझा रहे।

वर्ष–2012 में समूह के दिवंगत श्री सुमेरचन्द जैन एवं श्री निरंजनदास गोसाई को श्रद्धाजंली अर्पित की गई और समूह में 10 नये सदस्यों का स्वागत किया गया।

समूह संख्या–10

मासिक मिटिंग में औसत उपस्थिति 15–20 के करीब से बढ़कर 35–40 तक पहुँच गई है। मीटिंग की उपयोगिता में वृद्धि, सार्थकता में वृद्धि व कार्यकारणी का सहयोग व मार्गदर्शन मिलता रहता हैं। श्री के.सी. गुप्ता जी (अध्यक्ष) श्रीमती शीला जी सक्सेना (उपाध्यक्ष) व श्री आर.एस. निर्वाण जी (महासचिव) आदि अधिकांश का सन्निध्य प्राप्त होता हैं। पूर्व में अधिकतर मीटिंग विद्यासागर पब्लिक स्कूल, विनयनगर भवन में आयोजित होती रही है, लेकिन वर्तमान में स्वेच्छा से ही सदस्यों का आग्रह रहने लगा है कि माह में जन्मदिन होने के फलस्वरूप मीटिंग उनके निवास स्थान पर रखी जाए। पारिवारिक भवना के विकास के फलस्वरूप ऐसा हुआ हैं।

इस सत्र में लगभग 20 नये वरिष्ठ नागरिकों ने सदस्यता ग्रहण कर ली है तथा 15 सदस्यों के द्वारा 590 रू जमा करा पहचान पत्र भी प्राप्त कर लिए गए है। सीनियर सिटीजन सोसायटी का सदस्य बनाने हेतु सर्वाधिक योगदान श्री ओमप्रकाश जी कच्छावा का रहा है, सहयोग में भागीदारी सर्व श्री एस.के. जैन, आर.सी. चौहान व ओ.पी. चौरसिया का भी रहा हैं। ये सभी बधाई के पात्र हैं। सामूहिक संगोष्ठियों में भी ग्रुप के सदस्य अपनी भरपूर सेवाएँ देते हैं।

अजमेर मेराथन में भाग लेने हेतु ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य श्री नाथूराम जी अरोड़ा उम्र 92 वर्ष प्रातः 7.00 बजे ही पैदल मैदान पर पहुँच गए। मुझसे सम्पर्क कर अध्यक्ष जी के.सी. गुप्ता जी व ओमप्रकाश कच्छावा व लैंस उपाध्यक्ष श्रीमती शीला सक्सेना के साथ संभागी बने। महिला सदस्यों ने भी मैराथन में भाग लिया। श्री मती पुष्पा चौहान व श्रीमती पुष्पा कच्छावा आदि ने मैराथन में भाग लिया। श्री आर.सी. चौहान ने खुली जीप की व्यवस्था कर सराहनीय कार्य किया, जिसमें 103 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मैराथन में भाग लिया। सांयकालीन कार्यक्रम में लगभग 40 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी।

ग्रुप 10 के कोषाध्यक्ष जी महेन्द्र कुमार जी सिपाणी ने सर्वप्रथम 10,000 रू की व्यक्तिगत सहयोग राशि 16 मार्च 2013 के राज्य स्तरीय अधिवेशन के लिए प्रदान कर अनुकरणीय कार्य किया हैं। इसके लिए उनका माल्यार्पण कर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

फरवरी 2013 की मासिक मीटिंग श्री नाथू राम जी अरोड़ा के निवास स्थान पर आयोजित की गई उनका जन्म दिवस भी इसी माह में आता हैं। इस मीटिंग में श्री गुप्ता जी, श्री विजय वर्गीय जी व महासचिव श्री निर्वाण जी का सनिध्य प्राप्त हुआ।

राज्य स्तरीय सम्मेलन के लिए लगभग 8,000 रू की राशि एकत्र हुई। आई केयर फाउण्डेसन के पदाधिकारी श्री के.सी. गुप्ता को 1100 रू श्री अरोड़ा द्वारा प्रदान किये गये।

9 मार्च 2013 की मासिक मीटिंग श्री पुखराज जी बारिया के निवास स्थान पर आयोजित होगी उनका जन्मदिन इसी माह में हैं। उनकी ओर से उल्पाहार की व्यवस्था होगी। राज्य स्तरीय सम्मेलन हेतु शेष रहे सदस्यों द्वारा और राशि जमा कराई जाएगी। इस ग्रुप ने वरिष्ठ नागरिक दिवस पर भी 8,000 रू की राशि एकत्र कर जमा करवाई, जब कि पूर्व में 2100 रू जमा होते रहे हैं।

प्रत्येक माह की मीटिंग हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन की मिठाइयों व बधाइयों के साथ सम्पन्न होती हैं। परमेश्वर से प्रार्थना है कि यह परिवारिक भावना और अधिक विकसित हो।

समूह संख्या–11

समूह संख्या–11 की बैठक प्रतिमाह होती है। वर्ष 2012 में इस समूह द्वारा जन्मदिवस पर केन्द्र को 3955 रु. सप्रेम भेट किये गये।

प्रतिमाह बैठक में जिनका जन्मदिवस होता है उन्हें माल्यार्पण कर बधाई कार्ड देकर सम्मानित किया जाता है तथा उन्हीं के द्वारा स्वरुचि भोज का आयोजन प्रतिमाह किया जाता है।

मंनोरजन की कड़ी में सदस्यों द्वारा देशभक्ति के गीत, जन्मदिन मुबारक, ज्ञानवर्धक बातें एवं चुटकुले व हास्य व्यंग सुनाये जाते है।

प्रतिमाह जन्में सदस्य केन्द्र को रुपयो में भेट राशि भी करते है। सदस्यों के मनोंरजन हेतु हाऊजी के गेम खिलाये जाते है।

नये सदस्य बनाने में भी समूह द्वारा काफी प्रयास किया जाता है। अन्य कोई निर्णय लिया जाता है तो मिलकर के लिया जाता है।

समूह संख्या–12

आदर्श नगर समूह में लगभग 140 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए समूह के सभी सदस्यों का आभारी हूँ, इस समूह में मुख्यतः अध्यक्ष महोदय का मार्गदर्शन सराहनीय है, समूह में प्रतिमाह समूह की बैठक होती है, इस बैठक में जन्मे सदस्यों का जन्मदिवस सहउल्हास मनाया जाता है तथा मनोंरजक कार्यक्रम, गायन, नृत्य, कविता आदि तो होती ही है, साथ ही हाऊजी भी खिलाई जाती है। सदस्यों की ओर से मिलकर सहभोज होता है, समूह के सदस्य जो 75 वर्ष की आयु प्राप्त किये होते है उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर शॉल नारियल देकर सम्मानित करते है। समूह में सदस्यों द्वारा सहर्ष सोसायटी को जन्मदिवस राशि भी लगातार दी जा चुकी है, यह लगभग 1800 रुपये दिये जा चुके सन् 2012 में समूह और सहयोगो से मिलकर लगभग 23,000 रु. वृद्धजन दिवस पर इकट्ठे करके दिये जा चुके है, समूह लगातार चार वर्षों से प्याऊ का भी संचालन कर रहा है। इसकी देखभाल का श्रेय श्रीमान् एच.पी. तिवारी को है।

साथ ही प्रादेशिक अधिवेशन हेतु भी समूह की ओर से 17,500 रु. दिये जा चुके है। सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत दिये गये धन की राशि भी शामिल है और इसमें भी सदस्यो का सहयोग होगा, समूह का कोई निर्णय, जनजात्रिंक प्रक्रिया से होता है।

इस समूह द्वार प्याऊ के अलावा आदर्श नगर बालिका विद्यालय को वर्षभर की गतिविधियों में सहयोग दिया जाता है। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस पर छात्रों को नाश्ता दिया जाता है। समूह के प्रयास से जय अंबे सेवा समिति 21 स्वेटर 18 जोड़ी जूते बच्चों को दिलाये तथा आई केयर फाउन्डेशन के सहयोग से नेत्र परीक्षण कर 5 छात्राओं को चश्मे दिलाये।

समूह संख्या–13

भजनगंज एक बहुत बड़ी इकाई के रुप में संस्था के प्रति कर्तव्य परायण एवं सहयोगकर्त्ता के रुप में उपलब्ध है। क्षेत्र में ग्रुप नं. 13 में तानाजी नगर बिहारी गंज, हनुमान नगर, श्रंगार चंवरी, अंगीरा नगर, धाननाडी रोड, धोला भाटा रोड, जोन्सगंज व बनियो वाली गली सम्मलित है।

समूह में 180+ सदस्य है, वार्षिक गतिविधियाँ

निम्न प्रकार है। 2012 में 12 नये सदस्य समूह/संस्था से जोडे गये है। जिन का सदस्यो द्वारा स्वागत किया गया है, वर्ष में जन्मदिवस भेंट स्वरूप लगभग100 सदस्यो द्वारा वर्ष भर में 6915 रु. की राशि भेट स्वरूप केन्द्र को दी गई है, वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर के निमित्त समूह तेरह की ओर से 14 सदस्यो ने 7667 रु. का सहयोग दिया है। वर्ष में 75 वर्ष से अधिक आयु के 6 सम्मानीय सदस्यो का समूह की ओर से स्मृति चिन्ह श्रीफल, बधाई पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर पूर्ण उत्साह के साथ सम्मानित किया गया है। समूह के तीन सदस्यों को वृद्धजन दिवस पर 80 वर्ष पूर्ण किये जाने पर संस्था द्वारा तथा एक सम्मानित सदस्य को 90 वर्ष पूर्ण होने पर समूह द्वारा सम्मानित किया गया है। प्रति माह समूह के माह में जन्मे सदस्यो का विधिपूर्वक सम्मान किया जाता है। मासिक बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति 70–85 तक रहती है। समूह की मासिक बैठकों के लिए समूह के सदस्य श्रीमती राधिका अग्रवाल एवं श्री सुरेश अग्रवाल (वित्त सचिव) अपने निजी समारोह स्थल राधिका विला को निशुल्क उपलब्ध करवाते है। समूह तथा संस्था की ओर से उनका बहुत आभार व्यक्त किया जाता है। मासिक बैठको ने संस्था अध्यक्ष महासचिव एवं अन्य कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समय–समय पर विधिवत आंमत्रित किया जाकर आथितेय प्रदान किया जाता है। समूह के सदस्य मासिक बैठको में मंनोरंजन कार्यक्रमों के अन्तर्गत धार्मिक भजन, कीर्तन संगीतमय गायन हास्य चुटकुले स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ तथा योग पर चर्चा की जाती है। समूह की समस्त गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन वांछित सहयोग उपलब्ध करवाना तथा समूह के सदस्यो द्वारा समूह के लिए स्नेहयुक्त वातावरण उपलब्ध करवाना आदि सभी कार्य समूह संयोजक श्री बी. आर. दोहरे बैठको का सफल संचालन तो करते ही है सभी सदस्यों के प्रति ससम्मान भाईचारा प्रकट करते है सभी सदस्य एक दूसरे के दुख सुख में सम्मलित होते है। समूह संयोजक श्री बी.आर. दोहरे सदस्यों के सहयोग स्नेह और प्रेम की वजह से गत 13 साल से समूह की सेवा कर रहे है।

समूह संख्या–14

वर्ष–2012 में समूह संख्या 14 की गतिविधियाँ। वर्ष में समूह के निम्नाकिंत सदस्यों द्वारा जन्मदिवस के उपलक्ष में उनके समक्ष अंकित राशी प्राप्त कर जमा कराई गई :–

1. श्री सुगनसिंह गोगावत–201 रु.
2. श्रीमती शीतल कँवर गौड–101 रु.
3. मेजर आर.एस. चौहान–500 रु.
4. श्री ओ.पी. भार्गव–51 रु.
5. श्रीमती सुमन भार्गव–51 रु.
6. श्रीमती वीना श्रीवास्तव–101 रु.
7. श्रीमती पूनम चतुर्वेदी–51 रु.
8. श्री रविनन्दन शर्मा–51 रु.
9. श्री श्रीकृष्ण शर्मा–51 रु.
10. श्री प्रहलाददास सोगरा–51 रु.
11. श्री नारायण सिंह–51 रु.
12. श्री किशनसिंह महर–100 रु.
13. श्री एन.के. त्रिपाठी–101 रु.
14. श्री जे.पी. गुप्ता–51 रु.
15. श्रीमती राजरानी वर्मा–500 रु.
16. श्री लादूराम कच्छावा–100 रु.
17. श्री डी.के. जैन–101 रु. समूह हेतु–100रु.
18. श्री हीरालाल साँखला–101 रु.
19. श्री गोपालकृष्ण जारोटा–51 रु.
20. महारानी जीराटो–51 रु.

इसके अतिरिक्त सुश्री राजरानी वर्मा ने बड़े दुखित हृदय से अपने भाई के स्वर्ग हो जाने पर उनकी याद में समूह के उपयोग हेतु रु. 500 दिये। दिनांक 25.12.12 को सुश्री कमला चतुर्वेदी का स्वर्गवास हो गया।

समूह संख्या–15

रामगंज अजमेर शहर की सीनियर सिटीजन सोसायटी रामगंज सबसे बड़ा समूह है, आलोच्य वर्ष 2012–13 में सदस्यता 267 से बढ़कर 313 हो गई है, सभी सदस्य समूह के कार्यक्रमों में आमोद–

प्रमोद के साथ सुख शांति का अनुभव करते है, मासिक बैठकों में 90 से 100 तक उपस्थिति रहती है जो कि समूह की सक्रियता एवं कार्यशैली के प्रति संतोष प्रकट करती है। उपरोक्त दोनो माप दण्ड संस्था के किसी भी समूह से अग्रणीय है, समूह के पास मासिक बैठक के लिए स्थाई भवन (प्रार्थना पर) स्वयं का माइक, कुर्सियाँ दरिया पखें आदि उपलब्ध है, मासिक बैठक में माह में जन्में सदस्यों के जन्मदिवस बधाई कार्ड के साथ धूमधाम से मनाया जाता है वे स्वेच्छा से जन्मदिवस भेंट स्वरूप केन्द्र समूह को आर्थिक योगदान करते है। इस प्रकार की राशि प्रति माह 500 रु. के लगभग प्राप्त होती है। सदस्यगण सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रमो के रुप में मासिक बैठको में भजन गीत कविताएँ प्रस्तुत करते है। इस आयोजन का प्रश्नोत्री कार्यक्रम विजयी को पुरुस्कृत करता है। संस्था की अन्य गतिविधियों के अन्तर्गत आर्थिक सहयोग के रुप में इस वर्ष वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर, भेंट स्वरूप कुल 12500, समूह सौजन्य से विज्ञापन 11000, राज्य स्तरीय अधिवेशन मार्च 2013 हेतु अग्रिम 2500 रु. का सहयोग दिया गया है।

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष 75 वर्ष पूर्ण करने वाले सर्वश्री एच.पी. कोहली, रवीशंकर मिश्रा, वी.पी. झा, भंवरलाल तंवर, श्रीराम वर्मा को शॉल ओढ़ाकर श्रीफल भेट के साथ सम्मानित किया गया। समूह द्वारा आयोजित मासिक बैठकों में समूह सदस्यों द्वारा समय–समय पर उनके जन्मदिवस एव अन्य सुअवसरो के आधार पर स्वरुचि भोज/अल्पाहार आयोजित किये जाते है। इस वर्ष को समूह की वर्षा कालीन पिकनिक बीसलपुर बांध पर 70 सदस्यों की उपस्थिति में उल्हासपूर्वक आयोजित की गई। मासिक बैठकों में शहर के विशिष्ट प्रतिनिधि यथा, डाक्टर साहित्यकार, अर्थशास्त्री, जनप्रतिनिधि भी आमंत्रित किये जाते है।

समूह के पास डॉ. सुभाष माहेश्वरी के सौजन्य से उपलब्ध एक विवाह केन्द्र एवं वाचनालय ब्यावर रोड पर उपलब्ध है। दिवा केन्द्र पर सदस्य स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ देते है। क्षेत्रिय पार्षद श्रीमती हेमलता शर्मा के सौजन्य से तीन दैनिक समाचार पत्र एवं कुछ पत्रिकाएँ नियमित उपलब्ध की जा रही है। समूह सदस्य भी अपने सहयोग से अन्य पत्रिकायें नियमित उपलब्ध करवाते है। वाचक सदस्यों की उपस्थिति 17–18 रहती है दिवा केन्द्र सुबह 2 घण्टे तथा शाम को 1.30 घण्टे पुस्तक वाचन एवं इण्डोर गेम्स, कैरम, चैस, लुडो, ताश आदि के लिये खुला रहता है, वाचनालय पाक्षिक पत्रिकाएँ अन्य पाठय सामग्री तथा अन्य अनुदानित पाठय पुस्तकों से परिपूर्ण है पुस्तके सदस्यो को घर ले जाकर पढ़ने की अनुमति भी है, सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर केन्द्र द्वारा इस दिवा केन्द्र निमित्त 400 रु. की अंशदान राशि प्रति माह मिलती है। समूह के दो सदस्य नियमित दिनांक 28 से 6 तक पी.एन.बी. बैंक रामगंज शाखा में पेंशन वितरण सहायतार्थ अपनी सेवाएँ देते है इसी प्रकार दिवा केन्द्र तथा रामगंज स्थित रेलवे अस्पताल में भी समूह के दो सदस्य मरीजों की सेवार्थ सेवाऐं देते है। समूह संयोजक श्री जे.पी. शर्मा समूह का संचालन सफलता पूर्वक कर रहे है।

समूह संख्या–16

फाईसागर रोड अजमेर वर्ष 2012 में प्रगति के नये सोगान पर अग्रसर है मासिक सभा नियमित रुप से आयोजित की जाती है मासिक सभाओं में स्वास्थ्य सामाजिक घटनाक्रम आध्यात्म व वृद्धजनो से सम्बन्धित समस्याओ पर विचार विमर्श व चर्चा की जाती है सभी सदस्य गीत–भजन–चुटकले–गेम आदि मनोरंजन में प्रफुल्लित होकर भाग लेते है मासिक सभा में पूर्व में कम लोग ही उपस्थित होते थे वर्तमान में 45–50 जनो की उत्साहजनक उपस्थिति रहती है। मासिक सभा में माह के दौरान जन्मे सदस्यों को जन्मदिवस पर पुष्पाहार बधाई पत्र व समूह गान द्वारा बधाइयों व शुभकामना दी जाती है। वर्ष 2012 में 8 नये सदस्य व एक सदस्य का अन्य समूह से स्थानान्तरण के साथ ही समूह की सदस्य संख्या 100 से अधिक हो गई है।

समूह के 47 सदस्यों ने अपने जन्मदिन पर समूह को तथा केन्द्रीय संस्था को अपना योगदान दिया है। वृद्धजन दिवस पर समूह की ओर से 2100 रु. इक्कीस सौ रुपये का योगदान दिया गया है। वर्ष के दौरान 3 सदस्यो को 75 वर्ष से अधिक आयु पूर्ण होने पर शॉल नारियल प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। माह सितम्बर–12 में समूह के सदस्यो द्वारा पुष्कर ट्रेन से जाकर पिकनिक का भरपूर आनन्द लिया। माह दिसम्बर–12 से नाडी विशेषज्ञ योगाचार्य डॉ. आर.एन. शर्मा द्वारा 7 दिन का शिविर समूह के लाभार्थ लगवाया गया। समूह की प्रगति व संचालन में सोसायटी के अध्यक्ष व महासचिव के मार्गदर्शन का भी योगदान रहा है। समूह के सभी सदस्यों का भी पूर्ण सहयोग रहा है। तथा सर्व श्री अशोक गोयल, रामेश्वरलाल सुगन्ध, महेश जोशी, श्री भागवत जैन व सत्यनारायण वर्मा का विशेष योगदान रहा है।

समूह संख्या–17

हरीभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार एवं कोटडा समूह की नियमित बैठकें समूह सदस्यों के निवास स्थान पर या जय अम्बे सेवा समिति वृद्धाश्रम पर पर आयोजित की जाती है समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में समूह सदस्य बढ़चढ़कर भाग लेते है। समूह के सदस्य श्री हनुमान प्रसाद चौहान ने राज्य स्तरीय अधिवेशन हेतु 500 रु. तथा समूह नं. 17 के सौजन्य से 1100 रु. भेंट किये गये। साथ ही सभी सदस्यों ने आश्वासित किया कि राज्य स्तरीय अधिवेशन में पूर्ण सहयोग देगें। अन्तराष्ट्रिय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर 2012 पर समूह के 8 सदस्यों ने केन्द्र को 500 रु. प्रति राशि भेंट की जन्मदिवस भेट स्वरूप समूह के सदस्यों द्वारा वर्षभर में कुल 3000 रु. भेंट स्वरूप दिये गये।

समूह के सदस्य अन्य सामाजिक कार्यो जैसे नेत्रदान शिविर जे.एल.एन. अस्पताल में गरीब आश्रितो की सेवा हेतु कार्य, वृद्धाश्रम में आर्थिक सहयोग समूह के अथवा अन्य वरिष्ठजनो के बिजली पानी व टेलीफोन के बिल जमा कराने में सहयोग देने का तत्परता से सहयोग प्रदान करते है। सभी आर्थिक व सेवा सम्बन्धी सहयोग देने को तत्पर रहते है। समूह द्वारा दिसम्बर माह में पिकनिक आयोजित की गई जिसमें हाऊजी व अन्य कार्यक्रम भजन इत्यादि का आयोजन रहा। सभी सदस्यों ने पिकनिक का भरपूर आनन्द लिया। समूह अपनी गतिविधियों सुचारु रुप से आयोजित करते हुऐ प्रगति की ओर अग्रसर है। इस वर्ष समूह में दिसम्बर मास तक 15 नये सदस्यों का स्वागत किया गया। समूह के दो सदस्य वर्ष में दिवगंत हुए उन दोनो के प्रति समूह श्रद्धांजली अर्पित करता है।

समूह संयोजक श्री आर.पी. माहेश्वरी समूह के सभी सदस्यो के सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते है।

समूह संख्या–18

धोलाभाटा अजमेर वर्ष–2012 में नियमित मासिक बैठके नियमित रुप से दिवा केन्द्र पर आयोजित की जाती है वार्षिक बैठको में सदस्य भजन, कविताएँ, गजल, रुवाईयाँ एवं स्वरचित रचनाएँ सुनाते है मासिक बैठकों में समूह के सदस्यो का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाता है सदस्यो को बधाई पत्र देकर सम्मानित किया जाता है तथा सदस्यगणो द्वारा आप भी स्वेच्छा से जन्मदिवस पर भेट स्वरुप केन्द्र व समूह को आर्थिक सहायता देते है। वर्ष 2012 में 1253 रु. की राशि भेंट स्वरूप दी गई।

इसके अतिरिक्त भी समूह के सदस्य वृद्धजन दिवस पर भी सहयोग राशि भेंट करते है। वर्ष 2012 में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सदस्यो श्रीमती सुशीला देवी मामोडिया का शॉल ओढ़ाकर माल्यार्पण के साथ श्रीफल भेटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष महासचिव कार्यकारिणी के सदस्य एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सामूहिक भोज का आयोजन किया जाता है तथा फोटो ग्राफी भी कराई गई है। समूह द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रामदेव मन्दिर पर टिफिन गोठ का आयोजन किया

गया इस अवसर पर हाऊजी का गेम आयोजित किया गया। समूह द्वारा प्रतिवर्ष 15 अगस्त व 26 जनवरी को धोलाभाटा चौराये पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है समारोह मे समूह द्वारा टोफी व बिस्कूट वितरित किये जाते है। वर्तमान में समूह के सदस्यो की संख्या 105 हो गई है वृद्धजन दिवा केन्द्र पर सदस्यों के ज्ञानवर्धन हेतु समाचार पत्र धार्मिक पुस्तके एवं विभिन्न पत्रिकाओं की व्यवस्था है केन्द्र प्रतिदिन शाम 4 से 6 बजे तक खुला रहता है केन्द्र पर केरम बोर्ड, ताश आदि का प्रबन्ध भी है यहाँ प्रत्येक शनिवार शाम 7 बजे समूह सदस्यो द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ व प्रसाद वितरण किया जाता है। समूह के संयोजक द्वारा माह में एक बार सभी समूह सदस्यों से सम्पर्क किया जाता है समूह के सभी सदस्य एक दूसरे के सुख दुख में भाग लेते है।

समूह संख्या–20

समूह 20 को गठित हुए चार साल हो गए हैं। समूह की सदस्यता 60 है किन्तु सक्रिय सदस्य 45 हैं। सन् 2012 में समूह की 13 बैठकें हुई जिनमें औसतन उपस्थिति 26 रही।

साल भर में इस समूह में 8 नए सदस्य जुड़े जब कि दो सदस्य बिछुड गए।

वर्ष में तीन विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गए। पहला सर्वश्री अमर सिंह क्षत्रिय के 85 साल और एम.एस. सिंगला के 80 साल की आयु के होने पर। श्री सिंगला ने समूह के तत्वावधान में इलाइट रेस्टरां में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त रेल अधिकारी क्लब के सदस्य भी आमंत्रित और उपस्थित थे। कुल उपस्थिति 65 थी। दूसरा समारोह श्री डी.पी. गुप्ता के निवास पर उनके 80 वर्ष के हो जाने पर उनके निवास पर मार्च में रखा गया। तीसरा समारोह श्रीमती कमल मेहरा के अजमेर छोड कर जयपुर जाने पर उनके बिदाई समारोह के रूप में आयोजित हुआ। श्रीमती मेहरा को भी शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह दिया गया। स्थान परिवर्तन का यह पहला प्रकरण था। मार्च में होली स्नेह मिलन समूह की ओर से श्री बी. आर. मोंगा के निवास पर मनाया गया। इन अवसरों पर सोसायटी के पदाधिकारी आमंत्रित थे।

समस्त सम्मानित होने वाले सदस्यों को विधिवत शॉल ओढ़ाकर श्रीफल दिया गया तथा माल्र्यापण कर स्मृतिचिन्ह भेंट किया गया। इस समूह के कुछ अन्य सदस्यों ने भी अपनी आयु के 75 वर्ष पूरे किये किन्तु निजी कारणों से उन्होंने अपना अमृत महोत्सव नहीं मनाया।

वर्ष भर में समूह की आय 5,055 रु. हुई और व्यय 3,107 रु.हुए। समूह की ओर से सोसायटी को सदस्यो के जन्म–दिन के उपलक्ष में कुल 1,873 रु. भेंट किये गए।

समूह संख्या–21

ग्रुप सं. 21 की स्थापना वर्ष 2012 में की गई हैं ग्रुप की प्रथम मिटिंग दिनांक 15–8–12 के वीर तेजाजी नगर दौराई में की गई। प्रथम मिटिंग में श्री आर.एस. निर्माण महासचिव, श्रीएस.एस. गोगावत समूह संयोजक ग्रुप सं–14 श्री तँवर तथा श्री मदन रवि संयोजक समूह सं 12 इस मिटिंग बतौर अतिथि उपस्थित थे। ग्रुप की मासिक मीटिंग आवश्यक रूप से आयोजित की जा रही है। माह अगस्त में जन्मे सदस्यों में सर्व श्री राम कृष्ण सैन, श्री देवेन्द्र कुमार शुक्ला, श्रीमती कैलाश टांक को माल्यार्पण कर बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया। ग्रुप के सदस्य श्री सत्यनारायण सिंह राठौड़, श्री वी.एस. शेखावत, श्री अशोक कुमार मिश्रा, श्री इन्द्रलाल दादलानी, पी.डी. शर्मा, श्री अमरचन्द टांक, श्री रामकृष्ण सैन आदि को पिछले दो माह से मुक्तिधाम दौराई में सफाई अभियान चलाये जाने के कारण महासचिव व अन्य पदाधिकारियो द्वारा सम्मानित किया गया।

ग्रुप की द्वितीय मिटिंग दिनांक 23–9–12 को दौराई में आयोजित की गई जिसमें श्री के.सी.गुप्ता अध्यक्ष बतौर अतिथि की हैशियत से उपस्थित थे माह सितम्बर में जन्मे सदस्यों को माल्यार्पण कर बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री रामजी भाई पटेल ने वृद्धजन समारोह के लिये 500/– तथा 250 – 250 रू. ग्रुप व मुख्यालय

के लिये। इसी प्रकार श्री हीरालाल जी ने 250 – 250 रू ग्रुप व मुख्यालय के लिये दिये। वृद्धजन समारोह के लिये श्री तोषनीवाल व श्री सत्यनारायण सिंह द्वारा भी 500–500 रू. दिये गये। समूह की तृतीय मासिक बैठक दि. 14.10.12 को दौराई में आयोजित की गई माह मे जन्मे सदस्यो को माल्यार्पण कर बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री आर.के. झा ने 250–250 रु., श्रीमती कुसुमलता शर्मा ने 250–250 रु. तथा श्री टीकमचन्द शर्मा ने 50–50 रु. की राशि सप्रेम भेंट समूह तथा केन्द्र को दिये। समूह की चौथी मिटिंग दिनांक 19.11.12 को श्री के.सी. गुप्ता के अतिथ्य में आयोजित की गई इस माह में जन्मे सदस्यो का पूर्वानुसार सम्मान किया गया। श्रीमती तोषनीवाल ने 150–150 रु. श्री जीतमल सांखला ने 110–110 रु., श्री डी.आर.डोरिया ने 150–150 रु. तथा श्रीमती कमलादेवी सैन ने 50–50 रु. की राशि भेंट की। श्री तोषनीवाल द्वारा 250 रु. की राशि जलपान के लिये भेंट की गई। श्री दादलानी व श्री ओम प्रकाश शर्मा ने 250–250 रु. राशि जन्मदिवस के स्वरूप भेंट की। श्री दादलानी को शादी की 53वीं सालगिरह पर शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल व प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समूह की वर्ष 2012 की अन्तिम बैठक 23.12.2012 को आयोजित की गई। इस माह में जन्मे सदस्यो को माला व बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस माह में जन्मे श्री बी.एस. शेखावत, श्री ई.स्मिथ, श्री चन्द्रशेखर को माल्यार्पण व बधाई पत्र देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर श्री शेखावत द्वारा 125–125 रु., श्री ई. स्मिथ द्वारा 150–150 रु. की राशि भेट स्वरूप प्रदान की गई।

समूह की जनवरी 2013 की बैठक 26.1.13 को आयोजित की गई। इस माह में जन्मे सदस्यो को गुलदस्ता व माल्यार्पण से सम्मानित किया। इस अवसर पर श्रीमती उर्मिला मिश्रा ने 100–100 रु., श्री अमरचन्द टांक ने 50–50रु. तथा श्रीमती प्रेमलता त्रिपाठी ने 50–50 रु. भेट स्वरूप प्रदान किये।

चिकित्सा एवं समाज सेवा के आयाम
वर्ष–2012–13
चिकित्सा संयोजक श्री सी.एम. राठी

1. हॉस्पीटल सेवा :–

इस संस्था के 25 सदस्य जो समूह से 1,2,3,7 से जुड़े हुए है, बारी–बारी एवं हफ्ता दर हफ्ता जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में प्रातः 10.30 बजे से 11.30 बजे तक गोद लिये गये चार सर्जिकल वार्डों में सेवा देने हेतु जाते है। इस सेवा के अन्तर्गत सदस्य पलंग दर पलंग मरीजों की कुशल क्षेम पूछते है और उनके परिजनों से अस्पताल सम्बन्धी कठिनाईयों के बारे में जानकारी करते है और मरीजों की आवश्यकतानुसार विभिन्न ऐजेन्सियों से उनकी दवाईयों का प्रबन्ध करने में और असहायों के लिये रक्त की व्यवस्था एवं भूखों को भोजन की व्यवस्था करते है। औषधियों की व्यवस्था के क्रम में विभिन्न ऐजेन्सियों यथा राज्य सरकार के निःशुल्क औषधि काऊन्टर, जय अम्बे समिति, मेडिकल केयर रिलीफ सोसायटी, भारतीय रेडक्रास, लॉयन्स क्लब आदि एन.जी.ओ. से वार्ड प्रभारी के माध्यम से सम्पर्क साधा जाता है। समूह के कुछ सदस्यों ने प्रतिमाह निश्चित राशि का योगदान कर एक फण्ड बना रखा है और ऐसे गरीब मरीजों को जिन्हें कहीं से औषधियाँ नहीं मिलती हैं उनको औषधियाँ उपलब्ध कराते है। इसी फण्ड में से भूखों को भोजन भी कराया जाता है। इस सेवा से अस्पताल के मरीज एवं उनके परिजन इतने प्रभावित है कि वे कौतूहलवश पूछते हे कि डॉक्टर के अलावा ये ऐसे कौन लोग है जो मरीजों की कुशलक्षेम पूछ कर उनकी सहायता करते है। इस सेवा के अन्तर्गत संस्था के बैनर्स चारों वार्डों में लगे हुए है जिनमें चिकित्सा संयोजक का नाम और दूरभाष एवं मोबाईल नं. दिये गये है जिन पर सम्पर्क साधकर मरीज या उनके परिजन चिकित्सा संयोजक से मदद की गुहार कर सकते है। चिकित्सा संयोजक यथा सम्भव उनको सहायता प्रदान भी करते है।

2. नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन :–

संस्था के बैनर तले पिछले पाँच वर्ष से नि:शुल्क डायबिटिज उपचार शिविर प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को आयोजित किये जा रहे है। इन शिविरों से सम्पन्न वर्ग के साथ गरीब तबके के रिक्शे वाले, ठेले वाले एवं मध्यम वर्ग के नागरिक लाभान्वित हो रहे है। आलोच्य वर्ष में इन शिविरों में 3871 मरीज लाभान्वित हुए। इन शिविरों में नेत्र रोगों की जाँच एवं उपचार भी किया जाता है जिनका आर्थिक भार आई केयर फाउन्डेशन उठाता है। प्रसंगवश आई केयर फाउन्डेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर संस्था अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता है। संस्था उनकी शुक्रगुजार है कि इसका लाभ आम नागरिक उठा रहे है।

3. आम सभाओं में नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं उपचार शिविर :–

संस्था के बैनर तेल वर्ष में आयोजित आमसभाओं में प्रत्येक बार नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन चिकित्सा शिविरों में समूह–2 के चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. बी.एल. लड्ढा, शल्य चिकित्सक, डॉ. रमेश भम्भानी, काय चिकित्सक, डॉ. गोपीकृष्ण मून्दड़ा, कार्य चिकित्सक एवं वैद्य शान्ता कुमार शर्मा आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श देकर उपचार करते है। इन शिविरों में कृष्णगोपाल कालेड़ा (धर्मार्थ) ट्रस्ट न केवल वैद्य शान्ताकुमार जी शर्मा की सेवाएें उपलब्ध कराते है बल्कि नि:शुल्क औषधियाँ भी प्रदान करता है। इसके लिये ट्रस्टी ठा. महेन्द्र विक्रम सिंह बाघसुरी एवं सचिव श्री एच. के. गुप्ता का आभार। इन चिकित्सा शिविरों में पिछली आमसभा में 316 सदस्य लाभान्वित हुए। आमसभा 27 जनवरी 2013 में 234 सदस्यों ने आयुर्वेद चिकित्सा, काय चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा परामर्श का लाभार्जन किया।

4. नेत्रदान में योगदान :–

संस्था नेत्रदान महायज्ञ में आहूति देने में पीछे नहीं है। संस्था के अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता एवं चिकित्सा संयोजक श्री सी.एम. राठी आई बैंक सोसाईटी राजस्थान, अजमेर चैप्टर से इसके स्थापना दिवस से ही जुड़े हुए है। समय पर नेत्रदान महायज्ञ में सहयता करके अब तक आई बैंक सोसायटी ने 675 कॉर्निया प्राप्त कर कई ऐसे नेत्रहीनों को प्रत्यारोपित किये गये है कि उनके अंधेरे संसार मं उजाले का संचार हुआ है। संस्था के कई सदस्य एवं समूह संयोजक 'नेत्रदान' में ज्योति मित्र का रोल अदा कर रहे हैं।

उपसंहार :–

इस प्रकार संस्था ने समाज सेवा एवं चिकित्सा सेवा में नये आयाम स्थापित किये है। उपरोक्त के अतिरिक्त भी कई ऐसे कार्य है जिनमें संस्था के सेवाभावी सदस्य जुड़े हुए हैं और उनमें अपनी दिनचर्या का प्रतिदिन निश्चित समय ऐसी संस्थाओं में देते हैं। मसलन हमारी संस्था के अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता वृद्धाश्रम के कार्यकलापों में संलग्न है तो कुछ अपना घर में (श्री विष्णु प्रकाश गर्ग, ममता मिष्ठान) भी अपने तन–मन–धन से सहायता देते है, तो कुछ पर्यावरण शुद्धि हेतु नियमित रूप से पक्षियों के लिये दाने पानी और सफाई की व्यवस्था में लीन है, तो कुछ आनासागर की मछलियों को डबलरोटी खिला कर पुण्य कमाते है। कुल मिला कर संस्था अपने पंजीकृत उपनियम सं. 3 (4), 3 (5), 3 (11) एवं 3 (15) का सही मायने में क्रियान्वित हेतु दृढ़प्रतिज्ञ है। यही कारण है कि संस्था अपने सेवा कार्यों के बल पर राजस्थान की अग्रगण्य संस्थाओं की गिनती में आती है और इसके पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जन मानस सम्मान की दृष्टि से देखता है।

मनुष्य की महत्ता कपड़े से नही उसके आचरण से जानी जाती है।



ELDERS' DAY CELEBRATIONS
LIST OF DONORS - 2012-13

Group No. 1

R.No.	Date	Name	Amount
0205	06.9.12	Smt. Madhu Gupta, Nr. BMP School, Panchsheel, Ajmer	501
0347	21.9.12	Sh. Ashok Kumar Sharma, 5/30, HB. Colony, Makarwali Road,	500
0372	29.9.12	Sh. D.C. Pandey, Pragati Nagar, Kotra, Ajmer.	521
0373	29.9.12	Sh. R.S. Agarwal, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0374	29.9.12	Sh. Ramji Lal Arora, 180, Parshwnath Colony, Vaishali Nagar	510
0375	29.9.12	Smt. Ayodhya Devi Purohit, Vaishali Nagar, Ajmer	501
0376	29.9.12	Smt. I.H. Samuel, H.No. 26/27, LIC Colony, Vaishali Nagar, Aj.	501
0377	29.9.12	Sh. Roop Kishore Singhal, Jeevan Vihar Colony,Ana Sagar, Aj.	500
0378	29.9.12	Sh. Ashok Kumar Mariwala, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0379	29.9.12	Sh. Umesh Gupta, 36, IT Colony, Vaishali Nagar, Ajmer.	500
0380	29.9.12	Sh. Narendra Kumar Mangal, 26, IT Colony, Vaishali Nagar, Aj.	500
0381	29.9.12	Sh. Suresh Kumar Mangal 23/15, Gulmohar Colony, Vaishali Nager, Ajmer	500
0382	29.9.12	Sh. Purushottam Sharma, G-37, Makarwali Road, Ajmer	500
0383	29.9.12	Sh. K.K. Bachlas, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0384	29.9.12	Dr. Sarojani Agicha, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0436	01.10.12	Shri D.P. Mathur, IT Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0441	28.10.12	Smt. Janki, Bhadhir Vidyalays, Vaishali Nagar, Ajmer	500
Total Rs.			**10134**

Group No. 2

R.No.	Date	Name	Amount
0243	06.9.12	Sh. A.K. Mukharjee, H.No. 786, Gali No. 13, Chritianganj, Aj.	500
0244	06.9.12	Dr. K.G. Goyal, Kailashpuri, Ajmer	500
0245	06.9.12	Col. Daulat Khan, LIC Colony Chritianganj, Ajmer	500
0246	06.9.12	Smt. Madhu Saxena, Shantipura, Ajmer	500
0335	20.9.12	Sh. Prem Prakash Garg, 116, Kailashpuri, Chritianganj, Ajmer	500
0343	21.9.12	Sushiri Santosh Sharma, 96 LIC colony, Anasagar Circle Road	500
0394	29.9.12	Sh. Badri Narayan Garg, N-42, Ana Sagar, Link Road, Ajmer	500
0395	29.9.12	Sh. Jagdish Kankani, K-69, Chritianganj, Ajmer	500
0396	29.9.12	Sh. Narendra Kumar, Rtd. COS, Mission Compound, Bus Stand	500
0397	29.9.12	Sh. Choudhary, Navratan, K-70, Chritianganj, Ajmer	500
0398	29.9.12	Dr. B.L. Ladda, Aashish, K-19, Chritianganj, Ajmer	500
0399	29.9.12	Vaid. Sh. Shanta Kumar Sharma, Kailashpuri, Ajmer	500
0400	29.9.12	Sh. I.C. Choudhary, Choudhary Bhawan Ashok Marg Ajmer	500
0401	29.9.12	Sh. R.S. Nirban, 1/322, Christian Ganj, Ajmer	500
0402	29.9.12	Smt. Santosh Kanwar Nirban, 1/322, Chritianganj, Ajmer	500
0403	29.9.12	Sh. N.S. Rajguru, Vikashpuri,Chritianganj, Ajmer	500
0406	30.9.12	Sh. A.P. Ganeriwala, Purana Rangi Temple, Pushkar, Ajmer	500
0407	30.9.12	Sh. Chhagan Singh Chouhan, C-5/37, A, Pansheel Nagar, Ajmer	500
0408	30.9.12	Sh. Shekhwat Nathu Singh, Sukhda Bhawan, Kailash puri, Aj.	500
0409	30.9.12	Sh. Satish Chand Gupta, 42, LIC Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	500

0410	30.9.12	Sh. Sanwal Dan, A-91, Tilak Path, Om Nagar, Shastri Nagar, Aj.	500
0411	30.9.12	Sh. Anil Mishra, Agarwal House, H-22, Vaishali Nagar, Ajmer	500
0412	30.9.12	Sh. Narendra Mehra, K-8-A, Chritianganj, Ajmer	500
Total Rs.			**11500**

Group No. 3

0214	06.9.12	Smt. Sheela Saxena, 12, Manish Bhawan, Anand Nagar, Ajmer	500
0218	06.9.12	Smt. Kamala Rathi W/o Sh. C.M. Rathi, Nagina Bagh, Ajmer	500
0272	24.9.12	Sh. R.N. Vijayvargiya, Satyam Niwas, Kishangarh Kothi, Ajmer	500
Total Rs.			**1500**

Group No. 4

0217	06.9.12	Sh. Nihal Chand Prakash, 13, Sarveshwar Nagar, Ajmer	500
0415	30.9.12	Sh. P.K. Bhargave, T/2, Shastri Nagar, Ajmer	500
0416	30.9.12	Sh. J.S. Rajawat, Group Co-ordinator, Shastri Nagar, Ajmer	500
0417	30.912	Sh. Vijay Dev Gupta, Shastri Nagar, Ajmer	500
Total Rs.			**2000**

Group No. 5

0221	6.9.12	Sh. Kailash Chand Sharma, 3/A, Shiv Colony, Kundan Nagar Aj.	500
0222	6.9.12	Smt. Manohar Vijay W/o Sh. J.P. Vijay Kundan Nagar, Ajmer	500
0223	6.9.12	Smt. Satya Yadav, W/o Gaj Singh Yadav Kundan Nagar, Ajmer	500
0224	6.9.12	Sh. Gaj Singh Yadav, Kundan Nagar, Ajmer	500
0225	6.9.12	Sh. B.L. Katiyar, Kundan Nagar, Ajmer	500
0226	6.9.11	Sh. Chandra Kant Gaur, Kundan Nagar, Ajmer	500
0227	6.9.11	Sh. G.K. Kapil, Kundan Nagar, Ajmer	500
0228	6.9.12	Sh. Rajendra Singh, Kundan Nagar Ajmer	500
0229	6.9.12	Sh. R.N. Tapariya, Kundan Nagar, Ajmer	500
0230	6.9.12	Sh. Dharmi Chand Jain, Kundan Nagar, Ajmer	500
0231	6.9.12	Sh. Khem Chand Chaturvedi, Kundan Nagar Ajmer	500
0232	6.9.12	Sh. Ram Swaroop, Bhansali Village Ghoogra, Ajmer	500
0233	6.9.12	Sh. J.K. Sharma, Kundan Nagar Ajmer (Ex- Ward Member)	500
Total Rs.			**6500**

Group No. 6

0209	6.9.12	Sh.J.N. Lakhotiya, 73, Nagina Bagh Ajmer.	500
0302	18.9.12	Sh. Lajja Shankar Goyal, 11/157, Alok Was, Hathi Bhata, Ajmer	500
0303	18.9.12	Sh. U.C. Jain, Opp. Power House, Jaipur Road, Ajmer	500
0304	18.9.12	Sh. Amar Singh Chohan, Kesariya Complex, P.R. Marg, Ajmer	551
0305	18.9.12	Sh. Ved Prakash Joshi, Sardar Gali, Hathi Bhata, Ajmer	500
0306	18.9.12	Sh. Basti Mal Bohra, M/s Jai Cloths Store, Kaiser Ganj, Ajmer	500
0315	18.9.12	Sh. O.P. Upadhyay, Hathi Bhata, Ajmer	500
0273	24.9.12	Sh. Ramesh Chand Inani, Nr. Soni ji ki Nasia, Agra Gate, Ajmer	500
0274	25.9.12	Sh. Aditya Prakash Chohan, 12/20, Nr. BOB, P.R. Marg, Ajmer	500
0430	30.9.12	Dr. O.P. Garg, Agarsen Nagar, Ajmer	1100
Total Rs.			**5651**

Group No. 7

0431	01.10.12	Dr. P.S. Surana, Purani Mandi, Ajmer	500
0432	01.10.12	Dr. Rajendra Jain, Lakhan Kotari, Ajmer	500
0433	01.10.12	Shri Sajjan Mal Mehta, Lakhan Kotri, Ajmer	500
Total Rs.			**1500**

Group No. 8

0211	06.9.12	Sh. Babu Lal Agarwal, Kaiser Ganj, Ajmer	500
0215	06.9.12	Sh. P.D. Agarwal, Near Plaza Takies, Praow, Ajmer	500
0270	24.9.12	Sh. Krishna Narayan Goyal, Babu Mohalla, Ajmer	500
0337	20.9.12	S/S Kamala Saxena, Chand Bawari, Kaiser Ganj, Ajmer	500
0419	30.9.12	Sh. Hira Lal, Massey, 310/27, Asha Ganj, Ajmer	500
0435	01.10.12	Sh. Ganga Prasad Anandkar, Idgah, Chand Bawari, Ajmer	501
Total Rs.			**3001**

Group No. 9

0219	06.9.12	Sh. K.J.Gyani, 5, Sawar House, Shri Nagar Road, Ajmer	500
0239	10.9.12	Sh. G..S.Mirani, Mayoor Colony, Alwar Gate Ajmer	500
0275	25.9.12	Sh. Prem Prakash Mishra, Alwar Gate, Ajmer	501
0285	25.9.12	Sh. Abhi chand Gupta, Alwar Gate, Ajmer	501
Total Rs.			**2001**

Group No. 10

0247	17.9.12	Sh. Nathu Ram Arora, Pal Beechla Ajmer	1100
0248	17.9.12	Sh. M.K.Mishra, Pal Beechla Ajmer	500
0350	21.9.12	Sh. Dwarka Prasad Gupta, Kokil Kunj, Pal Beechla, Ajmer	500
0276	25.9.12	Sh. Mahendra Nath, Kokil Kunj, Pal Beechla, Ajmer	500
0277	25.9.12	Sh. Shakti Narayan Nag, Rly. Colony No. 2, Ajmer	500
0278	25.9.12	Sh. R.C. Chouhan (Vidya Sagar School), Pal Beechla, Ajmer	500
0279	25.9.12	Sh. Kalyan Rai Sharma, Rajendra Pura, Hathi Bhata, Ajmer	500
0280	25.9.12	Sh. Mahendra Kumar Sipani, Vinay Nagar, Ajmer	500
0281	25.9.12	Sh. S.K. Jain, Vinay Nagar, Ajmer	500
0282	25.9.12	Sh. Ram Chandra Chouhan, (Sindicate Bank), Vinay Nagar, Aj.	500
0434	1.10.12	Sh.Mansingh, 34/1318, Arya Nagar, Ajmer	500
Total Rs.			**6100**

Group No. 11

0348	21.9.12	Sh. Man Karan Agarwal, Agarwal bhawan, Gulab Bari, Ajmer	500
0349	21.9.12	Sh. Jeevan Lal Garg, 29/585, Kalyanipura, Ajmer	500
Total Rs.			**1000**

Group No. 12

0213 & 292	25.9.12	Sh. K.C.Gupta, Behinnd Arya Samaj, Adrash Nagar, Ajmer	1100
0251	20.9.12	Shri C.P. Shukla, Shukla Garden, Adrash Nagar, Ajmer	500
0252	20.9.12	Shri G.B. Nawal , H-10, Shalimar Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0253	20.9.12	Sh. Vinayak Mathur, 167, Lane 3, Adarsh Nagar, Panchwati Colony, Ajmer	550
0254	20.9.12	Sh. Kedar Mal Goyal, D-10, Shalimar Colony, Adrash nagar, Aj.	500
0255	20.9.12	Sh. Din Bandhu Singhal, 178/40, Shyam Kunj, Adarsh Nagar	500
0256	20.9.12	Smt. Bina Singhal, 178/40 Shyam Kunj, Adarsh Nagar, Ajmer	600
0257	20.9.12	Sh. Madhu Sudan Singhal, Panchwati Colony, Adarsh Nagar Aj.	500
0258	20.9.12	Sh. Poonam Chand Agarwal, Opp. UBOI, Adrash Nagar, Ajmer	500
0259	20.9.12	Sh. Bishan Chand Tayal, Khanij Aagar, Adrash Nagar, Ajmer	500
0260	20.9.12	Sh. Anil Bedvarker, 387, Arjun Lal Sethi Nagar, Ajmer	500
0261	20.9.12	Sh. R.N. Gupta, 61, Adarsh Nagar Ajmer	500
0262	20.9.12	Sh. Pawnesh gour,Opp. Sindhi Mandir, Adarsh Nagar Ajmer	500
0263	20.9.12	Smt. Prabha Rani Sharma, 85/40, Kesari Colony, Adrash Nagar	500
0264	20.9.12	Smt. Kalpana Nagar 158-C, Adarsh Nagar, Ajmer	1000

0286	25.9.12	Smt. Prabha Singhal, Balupura Road, Adrash Nagar, Ajmer	500
0287	25.9.12	Sh. B.P. Mittal, Moti Bhawan, Adrash nagar, Ajmer	500
0288	25.9.12	Shri Madan Ravi, Shiv Mandir Temple Primises,Adrash Nagar,	500
0289	25.9.12	Shri K.G. Ravi, Adrash Nagar,Ajmer	500
0290	25.9.12	Shri Gauri Shankar Mishra, Adrash Nagar, Ajmer	500
0291	25.9.12	Shri Hari Prasad Tiwari, Adrash Nagar, Ajmer	500
0293	25.9.12	Sh. Bakshish Singh, Shalimar Colony, Adarsh Nagar, Ajmer	500
0295	25.9.12	Smt. Saroj Barothiya, B-3, Rly. Crossing, Adrash Nagar, Ajmer	500
0363	28.9.12	Sh. Subhash Sahni, Adrash Nagar, Ajmer	500
0364	28.9.12	Sh. B.S. Rathore D-29, 1st Floor, Haus Khas, New Delhi	500
0404	30.9.12	Sh. Vinod Pathak, 191-B, Adrash nagar, Ajmer	511
0405	30.9.12	Sh. Ram Mohan Tandon, 55, Adrash Nagar, Ajmer	500
0420	30.9.12	Smt. Leela Gupta, W/o Sh. T.N. Guipta, 61, Adrash Nagar, Aj.	500
0421	30.9.12	Sh. Padam Chand Jain, M/s Jain Rolling Mills, Adrash Nagar, Aj.	500
0422	30.9.12	Sh. O.P. Gupta 49-A, Adrash Nagar, Ajmer	500
0423	30.9.12	Sh. Bhawani Shankar Khandelwal, B-14, Shalimar, AdrashNagar	500
0438	6.10.12	Sh. Gopikrishan Agarwal, 26-B, Behind Dr.N.K. Joshi, Ad.Ngr	500
Total Rs.			**17261**

Group No. 13

0202	01.9.12	Smt. Radhika Suresh Agarwal, RadhikaVivah Samoroh Sthal, Aj.	1100
0212	06.9.12	Shri Kaushal Kishore Gupta, Baniyawali Gali, Johns Ganj, Aj.	500
0235	10.9.12	Shri Chiranji Lal Sharma, Raj Nagar, dhan Nadi, Bhajan Ganj	551
0236	10.9.12	Shri Y.D. Sharma, Bihari Ganj, Gali No. 5, Ajmer	501
0237	10.9.12	Shri B.R. Dohre, Kamala Niwas, Tanaji Nagar, Bhajan Ganj Aj.	501
0238	10.9.12	Shri B.K. Khem Raj, Bihari Ganj, Gali No. 5, Ajmer	501
0333	20.9.12	Smt. Kailash Parashar, Gali No. 8, Tanaji Nagar, Bhajan Ganj, Aj.	500
0334	20.9.12	Shri Bhanwar Lal Anand Shastri, Bodu ki Gali, Bhajan Ganj, Aj.	500
0336	20.9.12	Shri Radha Kishan Tank, M/s Tak Eng. Works, Bihari Ganj, Aj.	501
0356	27.9.12	Shri Chandan Singh Bundel, Dhan Nadi Road, Bhajan Ganj, Aj.	500
0357	27.9.12	Smt. Savitri Devi, Gali No. 10, Tanaji Nagar, Bhajan Ganj, Aj.	500
0358	27.9.12	Shri Pramod Kumar Sharma, 428/28, Bhajan Ganj, Ajmer.	511
0359	27.9.12	Shri Tara Chand Sharma, 1177/28, Shingar Chanwari, Ajmer.	500
0360	27.9.12	Shri Narendra Kumar Sharma, Bodu wali Gali, Shingar Chawari	500
Total Rs.			**7666**

Group No. 14

0203	06.9.12	Shri Hira Lal Sankhla, Mayo Link Road, Raghunath Temple, Aj.	500
0204	26.9.12	Sh. Sugan Singh Gogawat, Mayo Link Road, Raghunath Temple	500
Total Rs.			**1000**

Group No. 15

0266	23.9.12	Shri Subhash Arora, 1/14, Ashok Nagar, Nari Shala Road, Ajmer	500
0267	23.9.12	Shri S.K. Tondon, F-151, Chandarvadai Nagar, Ajmer	500
0268	23.9.12	Shri P.N. Yadav, C-88, Chandarvadai nagar, Ajmer	500
0269	23.9.12	Shri Azit Singh,Kutti ki Tal, Beawar Road, Ramganj, Ajmer	500
0318	18.9.12	Shri H.N. Mathur 1-K-11, Ajay Nagar, Ajmer	500
0319	18.9.12	Dr. Subhash Maheswari, Beawar Road, Ajmer	500
0320	18.9.12	Smt. Chandra Kala Bhatnagar, Gali No. 1, Ramganj, Ajmer	1100
0321	18.9.12	Shri Naurat Mal Parashar, Taragarh Road, Ramganj, Ajmer	1500

0322	18.9.12	Shri Suresh Sharma, Near Jeevan Jyoti, Hospital, Ramganj, Aj.	500
0323	18.9.12	Shri P.C. Gupta, Pansheel, Ramganj, Ajmer	500
0324	18.9.12	Shri J.P. Sharma, Maya Mension, Near Police Chowki, Ramganj	500
0325	18.9.12	Shri Bhudev Van Prashthi, New Govind Nagar, Ram Ganj, Aj.	500
0326	18.9.12	Shri Pushpa Sharma, A-300, Chandverdai Nagar, Ajmer	500
0327	26.9.12	Dr. S.K. Singh 26/26, Man Mandir, New Basti, Ramganj Ajmer	500
0328	18.9.12	Shri Praveen Kumar Sharma, Near SMB School, Ramganj, Aj.	500
0329	18.9.12	Shri R.N. Sharma, RPF Street, Ram Ganj, Ajmer	500
0330	18.9.12	Shri Laxman Matai, 42, Sindhu Bari, Asha Ganj, Ajmer	500
0331	18.9.12	Shri R.P. Singhal, Beawar Road, Ramganj, Ajmer	500
0332	18.9.12	Shri S.R. Khandelwal, Khadi Gramoudyog Street, Ramganj,Aj.	500
0355	27.9.12	Shri Suresh Chand Jha , 1/7, Ashok Nagar, Nari Shala Road, Aj.	500
0424	30.9.12	Shri J.P. Jangid, Mandir Wali Gali, Ramganj, Ajmer	551
Total Rs.			**12151**

Group No. 16

0210	06.9.12	Shri Ratan Lal Airen, 256, Airen Villa, B.K. Kaul Nagar,Ajmer	500
0344	21.9.12	Shri L.C. Dosi, 14, Mahaveer Colony, Pushkar Road, Ajmer	500
0345	21.9.12	Shri O.P. Yadav, Defence Colony, Foysagar Road, Ajmer	500
0346	21.9.12	Shri P.R. Partihar, Defence Colony, Foy Sagar Road, Ajmer	500
Total Rs.			**2000**

Group No. 17

0206	06.9.12	Smt. Pushpa Lata Gupta, Hari Bhau Upadhyay Nagar, Ajmer	500
0386	29.9.12	Shri Jagdish Nandan Sharma, 57, Pragati Nagar,Kotra, Ajmer.	500
0387	26.9.12	Shri R.C. Maheshwari, 596, Haribhau Upadhyah Nagar Ext, Aj.	500
0388	29.9.12	Shri Hanuman Prasad, 1, Pragati Nagar, Kotra, Ajmer	500
0389	29.9.12	Shri Narayan Singh Gusai, 327, Haribhau Upa. Nagar, Extn. Aj.	500
0390	29.9.12	Shri Suresh Chand Sharma, 17, Pragati Nagar, Kotra, Ajmer	500
0391	29.9.12	Shri O.P. Yadav, 391, Haribhau Upadhyah Nagar Ext, Ajmer	500
Total Rs.			**3500**

Group No. 18

0216	06.9.12	Sh. V.P. Kapur, Dhola Bhata, Ajmer	500
0294	26.9.12	Sh. S.K. Bachlas, Dhola Bhata Colony, Ajmer	511
Total Rs.			**1011**

Group No. 20

0296	26.9.12	Sh. M.S. Singla, Bank Ccolony, Naka Madar, Ajmer	1100
0297	26.9.12	Sh. Rajendra Kumar Shivhare, C-2, Madhubhan Colony, Madar	500
0298	26.9.12	Smt. Shashi Bala Chobey, Vinayak Nagar, Madar, Ajmer	500
0299	26.9.12	Sh. B.R. Monga, Sudesh Villa, Gandhi Nagar, Naka Madar, Aj.	500
0300	26.9.12	Sh. U. Tukaram, Aam ka Talab, Ajmer	500
0351	26.9.12	Sh. B.K. Sharma Gandhi Nagar, Ajmer	500
0352	26.9.12	Sh. P.N. Mittal, Maduban Colony, Naka Madar, Ajmer	500
0353	26.9.12	Sh. B.P. Gupta, Gandhi Nagar, Ajmer	500
0354	26.9.12	Sh. Vinod Kumar Mathur, Madhuban Colony, Ajmer	500
0413	30.9.12	Sh. Prince Samson, 100 HB Nagar, ITC Madar, Ajmer	500
0426	30.9.12	Dr. Mool Chand Arya, A-165, M.D. Colony, Naka Madar, Aj.	500
0427	30.9.12	Sh. J.P. Sharma, A-62, Madhuban Colony, Ajmer	500
0428	30.9.12	Sh. Jugal Kishore Bindal, 110-A, M.D. Colony, Ajmer	500
Total Rs.			**7100**

Group No.21

0207	06.9.12	Capt. S.N. Singh Rathore, 9, Veer Teja ji Nagar, Daurai, Ajmer	500
0208	06.9.12	Sh. Shyam Narain Toshniwal, Veer Teja ji Nagar, Daurai, Ajmer	500
0271	24.9.12	Sh. Ramji Bhai Patel, Veer Teja ji Nagar, Daurai, Ajmer	500
Total Rs.			**1500**

Other then Groups

0220	06.9.12	Mrs. Anand Mati Singh, Kundan Nagar, Ajmer	500
0234	08.9.12	Sh. Mahendra Bagh, Ajmer	500
0241	15.9.12	Major R.S. Chouhan, East Point School, Mayo Link Road, Aj.	1000
0242	16.9.12	Sh. Ram Niwas Lakhotiya, Income Tax Conlt., G.K. Part, Delhi	1100
0249	17.9.12	M/s Sanjay Kothari, Trimurti Jewellers, Naya Bazar, Ajmer	500
0250	17.9.12	M/s Shetrapal Eye Hospital, Lasic Laser, Kutchary Road, Ajmer	1000
0301	17.9.12	Gupt Dan	500
0000	18.9.12	Group No. 6	1200
0000	18.9.12	Group No. 8	500
0265	20.9.12	M/s Tosniwal Charity Trust, P.O. Gagwana, Dist. Ajmer	1001
2831	25.9.12	Group No. 10	400
0000	28.9.12	Group No. 16	100
0362	28.9.12	Sh. Ramesh Chandra Agarwal, Todarmal Marg, Ajmer	1000
0000	28.9.12	Group No. 12	100
0366	28.9.12	Sh. Mukesh Oswal, M/s Perfect Engineering Enterprise, Ajmer	1000
0367	28.9.12	Sh. Sampatmal Kotari, Station Road, Ajmer	500
0368	28.9.12	Sh. Bansi Ram Katar Chand, Kaiser Ganj, Ajmer	501
0369	28.9.12	Sh. Sita Ram Bansal, Near Arya Samaj, Agra Gate, Ajmer	500
0370	28.9.12	Sh. Atul Maheshwari, Chatai Mohalla, Kaiser Ganj, Ajmer	500
0392	29.9.12	Sh. M.S. Udhawat, 270, Hari Upadhyay Nagar, Extn. Ajmer	501
0000	29.9.12	Group No. 01	200
0000	30.9.12	Group No. 02	100
0418	30.9.12	M/s. R.R. Jewellers, Naya Bazar, Ajmer	1000
0429	30.9.12	Sh. Ummaid Abhey Dharm Shalla Trust, Ajmer	1100
0439	09.10.12	M/s Arya Printers, Kaiser Ganj, Ajmer	500
0442	28.10.12	M/s Ratan Lal Kanwar Lal Patni Foundation, C/o M/s R.K. Marbles, Madan Ganj, Kishan Garh.	2100
Total Rs.			**17903**
Grand Total Rs.			**121979**

Advertisement

0201	17.8.12	M/s. Sogani Travels & Automobiles, Doulat Bagh, Ajmer	1000
0240	13.9.12	M/s. Suresh Chand Murlidhar, Avadhpuri, Johns Ganj, Ajmer	500
0371	29.9.12	Union Bank India, Ram Ganj, Ajmer	5000
0385	29.9.12	Sh. Deepak Agarwal, NIIT, X-Posure & Learning Centre, Ajmer	1100
0444	17.12.12	Sh. Punjab National Bank, Ramganj, Ajmer	5000
0445	17.12.12	Sh. Nirmal Tea Traders, Plaza Road, Ajmer	1100
0446	17.12.12	Sh. Jai Kishan Vatwani, M/s India General Store, Ajmer	1100
0447	29.12.12	Sh. M/s Naurat Mal Parashar, Ajmer	1100
0448	04.02.13	Sh. Shyam Narain Toshniwal, Dauri Ajmer	1100
0449	07.02.13	Sh. Ramji Bhai Patal, Dauri, Ajmer	600
0450	07.02.13	Sh. Chandu Lal Patal, Dauri, Ajmer	600

0451	22.2.13	M/s. Ahuja Property Dealer, Kutchery Road, Ajmer	2200
0452	22.2.13	M/s. Rajasthan Handy Craft, Brahma Mandir Pushkar, Ajmer	2100
0453	22.2.13	Dr. Krishna Gopal Goyal, Kailash Puri, Chritian Ganj, Ajmer	600
0454	22.2.13	Dr. Ramesh Bhambhani, B-1 Apsara Mansion' Chritian Ganj, Ajmer	600
0455	23.2.13	M/s.Vishal Interior Product &Glass House, Vaishali Nagar, Ajmer	1100
0456	23.2.13	M/s. Lalit Hosiery, New Market Cavanduspura, Madar Gate, Ajmer	1100
0457	23.2.13	M/s.Tupperware, 15-16, Shyam Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	1100
0458	23.2.13	Shri Shyam Colony Mahila Manch, Vaishali Nagar, Ajmer	600
0459	23.2.13	The Third Eye, 50, Shree Shyam Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	600
0460	23.2.13	Dr. Shirish Sharma, Sharma Dental Hospital & Research Centre, Aj.	600
0461	24.2.13	M/s Maha Ashapura Associates,Tax Con.,Vaishali Nagar, Ajmer	1100
0462	24.2.13	M/s Rinku Furniture Works, Bhagwan Ganj, Ajay Nagar Road, Ajmer	1100
0463	24.2.13	M/s Hindustan Electricls,Cinema Road, Ajmer	600
0464	24.2.13	M/s Raj Kamar Ludhani, M/S Raj Darbar Agarbatti, Foysagar Rd., Aj.	1000
0465	24.2.13	Laxmi Confectionery, Madar Gate, Ajmer	2500
0466	25.2.13	Group No-16, Ajmer	1100
0467	25.2.13	Shri Bhartesh Mangal, M/S Parth Investment Solution, Ram Ganj, Aj.	600
0468	25.2.13	Smt. Chandrakala & Mahesh Chand Bhatnagar, RamGanj, Ajmer	600
0469	26.2.13	M/s Beli Sales Coporation, Bus Stand, Shahpura	1100
0470	26.2.13	Arya Shiksha Samiti, Kota	600
0471	26.2.13	Vidhyarth Sabha Sansthan, Kota	600
0472	26.2.13	M/s Surpin Palace Hotel, Kota	600
0473	26.2.13	M/s Navneet Traders, Near Shiv Mandir, Chritian Ganj, Ajmer	600
0474	26.2.13	M/s Wintramed, Kayasth Mohalla, Rajoria Bld., Purani Mandi, Ajmer	600
0475	27.2.13	M/s Amar Nidan Kendra, Infront of Nagina Bagh Ashok Marg, Ajmer	1100
0476	27.2.13	M/s Pawansut Timbers, Naya Bajar, Ajmer	600
0477	27.2.13	Shri. Banshi Lal Sadhwani, Kota	1100
0479	01.3.13	Dr. Om Sharma, Shri Nagar Road, Ajmer	1100
0480	01.3.13	Varishth Nagrik Samiti, Pali Marwar	2500
0481	01.3.13	Varishth Nagrik Samiti, Pali Marwar	1100
0482	01.3.13	Varishth Nagrik Sansthan,Nathdwara	600
0483	01.3.13	Taramani School Sansthan, Shashtri Nagar, Ajmer	2500
0484	01.3.13	Shri. Rajeev Sharma, E-164, Shashtri Nagar, Ajmer	1100
0485	01.3.13	M/S Salasar Tent House, Shashtri Nagar, Ajmer	600
0486	01.3.13	Smt. Asha Tiwari, E-281, Shashtri Nagar, Ajmer	5100
0487	05.3.13	M/s H.P. Tent House, Foy Sagar Road, Ajmer	1100
0488	05.3.13	M/s Purna Dignostics, (Sharda), Ajmer	1100
0489	05.3.13	M/s Ajmer Iron Industries, Parbatpura, Ajmer	5100
0490	05.3.13	M/S United Agency (Ajanta), Purani Mandi, Ajmer	1100
0491	05.3.13	Smt. Radhika Agarwal, Radhika Vivah Samaroh Sthal, Bhajanganj,Aj	2500
0492	06.3.13	M/s Mittal Hospital & Research Centre, Pushkar Road, Ajmer	5000
0493	08.3.13	M/s Krishna Medical Store, Naya Bazar, Ajmer	1500
0494	08.3.13	M/S Bharat Tent House, Kaiser Ganj, Ajmer	600
0495	08.3.13	The Helpage India, Jaipur	10,000



LIST OF BIRTHDAY GIFT TO SOCIETY BY MEMBERS

01-04-12 to 28-02-2013

Sr.	Name	Gr. No.	Amt.
1	Smt. Madhu Saxena	1	50
2	Smt. Janaki	1	50
3	Sh. S.N. Agarwal	1	50
4	Sh. O.P. Mishra	1	50
5	Sh. J. S. Shekhawat	1	51
6	Sh. B. K. Joshi	1	50
7	Sh. A.P. Gour	1	50
8	Sh. R. K. Singhal	1	51
9	Smt. Madhu Mathur	1	51
10	Smt. Madhu Gupta	1	100
11	Smt. Sudha Mathur	1	50
12	Sh. J. D. Mathur	1	50
13	Smt. I. H. Samual	1	50
14	Sh. R. L. Goyal	1	50
15	Sh. R.S. Agrawal	1	50
16	Smt. Radha Agrawal	1	50
17	Sh. N.K. Mangal	1	50
18	Smt. Hemant Mishra	1	500
19	Smt. Shiva Panday	1	50
20	Sh. Ramgilal Arora	1	50
21	Sh. U.C. Gupta	1	50
22	Sh. Purushottam Sharma	1	50
23	Sh. Ravi Parkesh	1	50
24	Smt. Maya Gupta	1	50
25	Smt. Manju Mangal	1	50
26	Sh. Om Narain Mathur	1	51
27	Sh. Jagdish Purohit	1	50
28	Smt. Premlata Bakliwal	1	50
29	Sh. Ashok Sharma	1	50
30	Sh. D. P. Mathur	1	50
31	Smt. Deepti Wasu	1	50
32	Smt. Snehlata Mangal	1	65
33	Sh. Man Singh Verma	1	75
34	Smt. Kamlesh Dhawan	1	50
35	Sh. Man Singh Verma	1	75
36	Smt. Kamlesh Dhawan	1	50
37	Smt. Geeta Sharma	2	50
38	Smt. Indira Gupta	2	50
39	Sh. Mohan Lal Upadhyay	2	50
40	Sh. Gopal Shankar Sharma	2	50
41	Smt. Maina Devi Satravala	2	50
42	Sh. (Dr.) A. R. Garg	2	50
43	Smt. Vimala Sharma	2	50
44	Smt. Kailash Upadhyay	2	50
45	Sh. O. P. Upadhyay	2	50
46	Smt. Saroj Mundra	2	50
47	Dr. K. G. Goyal	2	75
48	Sh. Sitaram Sharma	2	50
49	Sh. Ummaid Ram Kabra	2	50
50	Sh. Chhagan Singh Chohan	2	50
51	Col. Daulat Khan	2	100
52	Vaid Shant Kumar Sharma	2	50
53	Sh. Gopal Prasad Mathur	2	50
54	Sushiri Santosh Sharma	2	100
55	Sh. Chiranji Lal Sharma	2	50
56	Smt. Asha Mehra	2	50
57	Sh. Jagdish Kankani	2	67
58	Dr. B. L. Ladda	2	66
59	Sh. R. S. Nirban	2	66
60	Sh. O. P. Verma (Rohila)	2	70
61	Sh. Anil Mishra	2	50
62	Smt. Geeta Devi Kabra	2	50
63	Smt. Krishna Devi Gerg	2	64
64	Sh. Sanwal Dan	2	50
65	Sh. J. N. Mathur	2	50
66	Smt. Santosh Kumar Nirban	2	50
67	Smt. Kamala Bhambhani	2	50
68	Sh. Krishna Gopal Tripathi	2	50
69	Smt. Geeta Devi Tripathi	2	50
70	Smt. Leela Devi Sharma	2	50
71	Smt. Saroj Kanwar Chouhan	2	50
72	Sh. Moti Lal Patodiya	2	50
73	Smt. Kamala Patodiya	2	50
74	Sh. Rameshwar Lal Sundurya	2	50
75	Sh. Kishan Agrawal	3	100
76	Sh. O. P. Badmera	3	100
77	Sh. Mahesh Sharma	3	100
78	Sh. N.C. Gupta	3	100
79	Smt. Kanta Maloo	3	50
80	Sh. Vishnu Prakash Garg	3	101
81	Sh. P. L. Maloo	3	50
82	Sh. R. N. Vijayvargiya	3	100

83	Smt. Kamala Rathi	3	101	134	Sh. J. P. Mishra	4	75
84	Sh. O. P. Badmera	3	100	135	Sh. Mohan Singh Tak	4	75
85	Group No. 3	3	100	136	Sh. Maktool Singh	4	75
86	Smt. Sheela Saxena	3	50	137	Sh. P. Titus	5	75
87	Sh. Trilochand Waliya	3	50	138	Sh. A. N. Sharma	5	75
88	Sh. R. C. Sitlani	4	75	139	Sh. R. N. Tapadiya	5	75
89	Sh. Baljit Singh Katryae	4	75	140	Sh. V. K. Chaturvedi	5	50
90	Sh. Ratan Lal Tak	4	75	141	Sh. G. K. Kapil	5	100
91	Sh. J. S. Rajawat	4	75	142	Smt. Geeta Srivastava	5	50
92	Sh. Ramesh Chand Goyal	4	75	143	Smt. Vatsalla Chaturvedi	5	50
93	Sh. J.S. Gahlot	4	75	144	Smt. Parwati Devi Bhansali	5	50
94	Smt. Leela Parikh	4	75	145	Sh. Rajendra Singh	5	75
95	Sh. Radhey Mohan Goyal	4	75	146	Sh. B. L. Katiyar	5	100
96	Sh. Uttam Chand Gupta	4	75	147	Smt. Asha Katiyar	5	100
97	Smt. Kanta Gupta	4	75	148	Sh. Surendra Srivastava	5	50
98	Sh. Nemi Chand Barotiya	4	75	149	Sh. Rajendra Srivastava	5	50
99	Sh. Premchand Bhavani	4	75	150	Sh. J. S. Sainger	5	80
100	Sh. Abhey Saklecha	4	75	151	Sh. Gaj Singh Yadav	5	100
101	Sh. Jawahar Nankani	4	75	152	Sh. P. N. Sharma	5	100
102	Sh. P. K. Bogewat	4	75	153	Sh. O. P. Goyal	5	75
103	Sh. Manohar Lal Sharma	4	75	154	Sh. Kailash Chand Sharma	5	75
104	Sh. Amba Shankar Vyas	4	75	155	Sh. R. S. Bhansali	5	80
105	Sh. Radha Krishna Jodha	4	75	156	Sh. Ram Narain	5	75
106	Dr. P. L. Verma	4	75	157	Smt. Pushpa Lata Chohan	5	50
107	Sh. Nath Mal Mishra	4	75	158	Smt. Manohar Vijay	5	100
108	Sh. Rajendra Gupta	4	75	159	Sh. Chandra Kant Gaur	5	101
109	Sh. Vijay Dev Gupta	4	75	160	Smt. Kamala Sharma	5	100
110	Sh. K. M. Agarwal	4	75	161	Smt. Satya Yadav	5	100
111	Sh. N. C. Khandelwal	4	75	162	Smt. Vijay Laxmi Gaur	5	101
112	Sh. Gopal Singh Rathore	4	75	163	Sh. Rajendra Singh Chohan	5	100
113	Sh. R. K. Bhargav	4	75	164	Sh. Rajendra Singh	5	100
114	Sh. Tikam Cnahd Chhitpa	4	75	165	Sh. Dharmis Chand Jain	5	100
115	Sh. Suresh Mathur	4	75	166	Smt. Veemala Sharma	5	50
116	Sh. Kishan Gopal Sisodiaya	4	75	167	Sh. Jai Krishan Purohit	5	100
117	Sh. R. K. Tayal	4	75	168	Smt. Sushila Devi Purohit	5	50
118	Sh. Ashok Kumar Saxena	4	75	169	Sh. Khemchand Chaturvedi	5	100
119	Sh. Hanuman Prasad	4	75	170	Sh. J. P. Vijay	5	100
120	Sh. Dinesh Sharma	4	75	171	Smt. Kiran Srivastava	5	50
121	Sh. Ashok Kumar Sharma	4	75	172	Sh. Ramesh Chandra Sharma	5	50
122	Sh. Beni Ram Kumawat	4	75	173	Sh. Jeet Singh Chohan	5	50
123	Sh. S. C. Mittal	4	75	174	Smt. Rasal Kanwar	5	50
124	Sh. Ratan Puri Goswami	4	75	175	Sh. G. C. Sinha	5	50
125	Sh. Shanti Lal Garg	4	75	176	Sh. Jhamman Singh	5	50
126	Smt. Kamala Garg	4	75	177	Thakur Navratan Singh	6	100
127	Sh. N. C. Parikh	4	75	178	Sh. Vishnu Kumar Goyal	6	100
128	Sh. P. K. Bhargava	4	75	179	Sh. Jethmal Prajapat	6	50
129	Sh. Ram Charan Goyal	4	75	180	Smt. Sajjan Kanwar Tomar	6	50
130	Sh. S. C. Bhargav	4	75	181	Smt. Kanchan Upadhyay	6	75
131	Sh. Girdhari Singh Chudawat	4	75	182	Sh. Kishan Gopal Chorasiya	6	100
132	Sh. Samman Singh Badgnjal	4	75	183	Smt. Meena Baijal	6	50
133	Sh. M. L. Goyal	4	75	184	Sh. Om Prakash Upadhyay	6	75

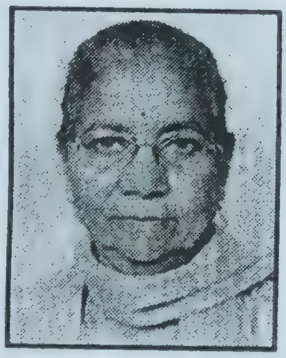
185	Sh. P. N. Mathur	6	100	236	Sh. Santosh Kr. Sharma	9	51
186	Dr. O. P. Garg	6	500	237	Sh. Luxmi Narain Gupta	9	50
187	Sh. Lajja Shankar Goyal	6	500	238	Sh. Dev Sharma	9	50
188	Sh. Ram Dev Sharma	6	50	239	Sh. Abirchand Gupta	9	501
189	Sh. Krishna Bhallabh Bagh	6	100	240	Sh. Udai Bhanu Sharma	9	50
190	Smt. Suman Lata Goyal	6	100	241	Sh. Rameshwar Lal Sharma	9	50
191	Sh. Ratan Lal Thada	6	50	242	Sh. S.P. Kapoor	9	100
192	Sh. Ram Swaroop Khandalwal	6	100	243	Sh. Nand Kishore Sharma	9	100
193	Sh. Bal Kishan Sharma	6	100	244	Sh. Rameshwar Pd. Sharma	9	50
194	Sh. Giraja Shankar Trivadi	6	50	245	Smt. Kusum Gautam	9	50
195	Sh. Chand Mal Rathi	6	101	246	Smt. Kumkum Bhargava	9	50
196	Smt. Bharti Saxena	6	100	247	Sh. Om Prakash Agarwal	9	50
197	Sh. O. P. Sogani	6	50	248	Sh. Gyan Chand Gupta	9	50
198	Smt. Madhu Sareswat	6	50	249	Sh. Om Prakesh Bhargava	9	50
199	Sh. J. N. Lakotiya	6	100	250	Sh. Rameshwar Prasad Sharma	9	50
200	Smt. Prem Garg	6	50	251	Smt. Sudha Gupta	9	50
201	Sh. Amba Lal Chundawat	6	50	252	Sh. Radhay Shyam Garg	9	50
202	Sh. Gopal Chand Kumawat	6	100	253	Sh. Om Prakash Gupta	9	100
203	Sh. Surendra Narain Mehra	6	50	254	Sh. Prem Kumar Mishra	9	111
204	Smt. Kamala Chouhan	6	50	255	Sh. Ganga Sahai Sharma	9	100
205	Sh. Bhanwar Lal Sankhla	6	50	256	Sh. Udai Bhanu Sharma	9	50
206	Sh. Sunder Narain Mehra	6	50	257	Sh. Ramesh Shukla	9	50
207	Satya Narain Singhal	6	100	258	Sh. Narain Singh Chouhan	9	50
208	Kishan Lal Agarwal	6	100	259	Sh. Prathvi Singh Tomar	9	50
209	Sh. Mewa Ram	7	50	260	Sh. M. K. Mishra	10	50
210	Smt. Radha Devi	7	50	261	Sh. R. S. Chohan	10	50
211	Sh. Bhawar Lal Sharma	7	50	262	Sh. Vijay Kumar Gupta	10	50
212	Sh. Sobhag Mal Sacklecha	7	50	263	Sh. Luxmi Narain Gahlot	10	50
213	Sh. Rameshwar Lal Paldiwal	7	50	264	Sh. Om Prakash Choresiya	10	50
214	Dr. P. S. Surana	7	50	265	Sh. Mahendra Nath Mishra	10	50
215	Group No. 8	8	300	266	Smt. Beena Gupta	10	50
216	Smt. Shakuntala Goyal	8	100	267	Sh. Ramesh Chand Mathur	10	50
217	Sh. Ganga Pd. Anandkar	8	100	268	Sh. Om Prakash Kachhwaha	10	50
218	Sh. Narain Dass Mulchandani	8	50	269	Sh. Jaswant Singh Chohan	10	50
219	Sh. Jagdish Narain Kapur	8	70	270	Sh. Shiv Kumar Sharma	10	50
220	Smt. Luxmi Sharma	8	75	271	Smt. Savitri Bhardvaj	10	50
221	Sh. Vijay Singh	8	75	272	Smt. Pushpa Kachhwaha	10	50
222	Sh. Ganga Pd. Anandkar	8	100	273	Sh. Mankaran Agarwal	11	50
223	Sh. Satya Prakash Parashar	8	100	274	Sh. Bhanwar Lal Palasiya	11	50
224	Sh. K. C. Singhavi	8	50	275	Smt. Santosh Mangal	11	100
225	Sh. R. S. Goyal	8	50	276	Sh. Kishan Dutt Sharma	11	50
226	Sh. P. D. Agarwal	8	100	277	Sh. Mahesh Dutt Sharma	11	50
227	Sushiri Kamala Saxena	8	75	278	Smt. Mira Pant	11	51
228	Sh. Kailash Narain Sharma	8	75	279	Sh. Jeevan Lal Gora	11	100
229	Sh. Ajay Kumar Mehra	8	100	280	Smt. Vidya Devi Sharma	11	50
230	Sh. Brahm Swaroop Agarwal	8	100	281	Sh. K. C. Bhutani	11	50
231	Sh. Babu Lal Agarwal	8	100	282	Sh. Radhey Shyam Saini	11	50
232	S/s Motimani Advocate	8	100	283	Sh. Om Prakash Mathriya	11	101
233	Sh. Jagdish Narain Kapur	8	50	284	Smt. Rookmani Gora	11	100
234	Sh. Nand Kishore Sharma	9	501	285	Smt. Chandv Abet	11	100
235	Sh. Jasbir Singh Dua	9	100	286	Sh. Ram Narain Mittal	11	50

287	Sh. Harish Chandra Pant	11	100
288	Smt. Sudha Gupta	11	50
289	Sh. Hira Lal Gora	11	50
290	Sh. Baldev Singh Oberay	11	100
291	Sushiri Saroj Gupta	11	100
292	Sh. Harish Chand Tank	11	50
293	Sh. Krishna Murari Gupta	11	50
294	Sh. Vijay Prakash Rao	11	50
295	Sh. Sudhir Kumar Sharma	11	101
296	Sh. Hardev Singh Gora	11	50
297	Sh. Nathu Singh Rathore	11	50
298	Smt. Shail Mittal	12	100
299	Sh. Yatish Jha	12	100
300	Smt. Sushma Mittal	12	70
301	Sh. Dashrath Singh Rathore	12	70
302	Sh. B. C. Tayal	12	65
303	Smt. Shanti Tyagi	12	101
304	Sh. Vijay Kishan Mittal	12	60
305	Sh. Poonam Chand Agrawal	12	100
306	Sh. Madan Lal Saini	12	70
307	Smt. Prem Lashkal	12	51
308	Smt. Asha Mishra	12	50
309	Sh. Nathu Lal Jain	12	50
310	Sh. Dilip Singh Piekanya	12	50
311	Sh. P. N. Arora	12	50
312	Smt. Nirmala Goyal	12	100
313	Sh. Shyam Sundar Gupta	12	70
314	Sh. Hukam Chand Makhija	12	60
315	Smt. Santosh Bhargava	12	101
316	Sardar Iqbal Singh	12	65
317	Smt. Jeet Kaur	12	65
318	Smt. Saroj Barothiya	12	100
319	Sh. Ram Mohan Tondan	12	100
320	Sh. Satya Swaroop Gupta	12	60
321	Sh. S.P. Mishra	12	100
322	Smt. Sushima Tayal	12	50
323	Smt. Nandita Bhargava	12	100
324	Smt. Prabha Rani Sharma	12	100
325	Sm.t Usha Bhatnagar	12	100
326	Smt. Savitri Tiwari	12	50
327	Sh. C. P. Shukla	12	100
328	Smt. Prem Shukla	12	100
329	Smt. Asha Singhal	12	100
330	Smt. Anita Bedarkar	12	100
331	Sh. K. C. Gupta	12	500
332	Sh. B. S. Rathore	12	500
333	Smt. Vinod Pathak	12	101
334	Sh. Padam Chand Jain	12	100
335	Smt. Shekuntala Devi	12	100
336	Sh. Om Dutt Sharma	12	100
337	Sh. B. P. Mittal	12	100
338	Sh. Kedar Mal Goyal	12	100
339	Sh. Gauri Shankar Mishra	12	100
340	Sh. Madhu Sudan Singhal	12	100
341	Sh. Gopi Kishan Agarwal	12	50
342	Sh. K. G. Ravi	12	100
343	Smt. Angoori Devi Meena	12	75
344	Sh. Vinayak Prasad Mathur	12	100
345	Smt. Luxmi Tondan	12	100
346	Sh. Rama Shankar Gupta	12	80
347	Smt. Nandita Bhargav	12	50
348	Sh. Moolchand Sharma	12	100
349	Smt. Kamal Ravi	12	100
350	Sh. Anil Waderkar	12	100
351	Sh. Din Bandhu Singhil	12	100
352	Sh. Pawnesh Gaur	12	100
353	Smt. Sneh Prabha Jha	12	100
354	Sh. Rajendra Dutt Morya	13	51
355	Sh. Madan Lal Sharma	13	51
356	Sh. Ramesh Chand Sharma	13	51
357	Sh. K. C. Agarwal	13	101
358	Sh. Ram Swaroop Sharma	13	51
359	Smt. Mangi Devi	13	51
360	Sh. D. P. Singhal	13	51
361	Sh. Shashi Prakash Jain	13	101
362	Sh. Ghisa Lal Sharma	13	51
363	Smt. Dwarka Devi Sharma	13	51
364	Sh. Nathi Lal Gupta	13	101
365	Smt. Sheela Bannet	13	51
366	Smt. Shashi Jha	13	51
367	Sh. P. L. Mahandiratta	13	50
368	Sh. B. R. Dohre	13	101
369	Sh. Mangilal Deol	13	51
370	Sh. Suresh Chand Verma	13	50
371	Sh. Devi Prasad Sharma	13	101
372	Smt. Manjulata Agrawal	13	51
373	Sh. O. P. Jain	13	50
374	Smt. Saroj Jain	13	101
375	Sh. Ganeshi Lal	13	50
376	Sh. Jayendra Dutt Mishra	13	100
377	Smt. Joy Diosza	13	51
378	Smt. Shakuntala Sharma	13	51
379	Sh. Radha Kishan Tank	13	51
380	Sh. Chiranji Lal Sharma	13	51
381	Smt. Nimita Gupta	13	50
382	Sh. K. K. Gupta	13	50
383	Smt. Savitri Chaturvedi	13	50
384	Smt. Santosh Shashtri	13	50
385	Sh. Roshan Lal Sharma	13	51
386	Smt. Ram Jyoti Sharma	13	51
387	Sh. Y. D. Sharma	13	101
388	Sh. Sugan Chand Jonwal	13	51

389	Smt. Kalawati Jonwal	13	50
390	Sh. Johri Lal Lawas	13	55
391	Smt. Shanti Devi Lawas	13	50
392	Sh. Shyam Swaroop Gupta	13	51
393	Sh. Radhay Shyam Sharma	13	51
394	Smt. Sushila Devi Sharma	13	50
395	Sh. Jagannath Vedwal	13	50
396	Smt. Rama Devi Vedwal	13	50
397	Sh. Karori Mal Gupta	13	51
398	Sh. B. L. Sharma	13	151
399	Sh. R. S. Dharma	13	51
400	Sh. Brij Mohan Bansal	13	50
401	Sh. Narendra Kr. Sharma	13	100
402	Sh. K.N. Chaturuvedi	13	50
403	Sh. Dhan Singh Tanwar	13	51
404	Smt. Kailesh Parashar	13	50
405	Smt. Shakuntala Sharma	13	101
406	Smt. Obga Vaz	13	50
407	Smt. Sushila Kumawat	13	51
408	Smt. Urmila Sharma	13	51
409	Smt. Bhanwari Devi Sharma	13	501
410	Smt. Santosh Sharma	13	51
411	Sh. Vishnu Deo Sharma	13	51
412	Sh. Badri Pd. Jotiyama	13	50
413	Sh. Suresh Agarwal	13	101
414	Sh. Permanand Sharma	13	51
415	Smt. Hemlata Sharma	13	51
416	Sh. Jagdish Narain	13	51
417	Sh. Rohitash Sharma	13	51
418	Sh. Chhatri Mohan Sharma	13	50
419	Sh. S. D. Sharma	13	50
420	Sh. R. K. Garg	13	50
421	Sh. Chandan Singh Bundal	13	50
422	Smt. Tejkumeri Verma	13	51
423	Smt. Chandrakala Agarwal	13	51
424	Smt. Prem Kanta Singhal	13	51
425	Sh. Mitra Dev Sharma	13	50
426	Sh. O. P. Sharma	13	50
427	Sh. Babu Lal Sharma	13	50
428	Sh. Narani Dass Swami	13	50
429	Sh. Gauri Shankar Sharma	13	51
430	Sh. Prakash Chand Sharma	13	50
431	Smt. Madhu Sharma	13	50
432	Sh. B. K. Khemraj	13	100
433	Sh. Ghasi Khan Mansoor	13	51
434	Smt. Vijay Kumari Sharma	13	50
435	Sh. Dharmaveer Sharma	13	50
436	Sh. F. P. Disoza	13	51
437	Sh. Ramgopal Kumawat	13	101
438	Smt. Urmila Singhal	13	50
439	Sh. B. L. Anand Shashtri	13	51
440	Sh. J. P. Gupta	14	51
441	Sh. Sugan Singh Gogawat	14	201
442	Sh. D. K. Jain	14	101
443	Sh. Shrikishan Sharma	14	51
444	Smt. Beena Srivastav	14	101
445	Sh. Kishan Singh Mahal	14	101
446	Sh. O. P. Bhargava	14	51
447	Smt. Sheetal Kanwar Gogwat	14	101
448	Sh. Heera Lal Sankhal	14	101
449	Sh. Ravinandan Sharma	14	51
450	Sh. Krishna Gopal Jhirota	14	51
451	Smt. Maharani Jhirota	14	51
452	Sh. Poonam Chaturvedi	14	51
453	Sh. N. K. Tripathi	14	101
454	Smt. Suman Bhargav	14	51
455	Smt. Chandrakalla Prasad	14	50
456	Sh. Ladu Ram Kachhwaha	14	100
457	Dr. S. K. Singh	15	100
458	Sh. Azit Singh	15	100
459	Sh. Hoti Singh	15	100
460	Sh. Bhagwan Singh Katihar	15	100
461	Sh. Parmanand Yadav	15	100
462	Smt. Kamlesh Ubana	15	101
463	Smt. Jugesh Behl	15	101
464	Smt. Vimala Devi Sharma	15	101
465	Sh. Laxman Matai	15	101
466	Smt. Saroj Singhal	15	75
467	Smt. Mithlesh Sharma	15	75
468	Sh. V. P. Gupta	15	100
469	Sh. Praveen Kumar Sharma	15	111
470	Sh. Mahesh Chand Bhatnagar	15	151
471	Smt. Bhanwari Devi Sharma	15	100
472	Smt. Pushpa Sharma	15	51
473	Sh. H. N. Mathur	15	100
474	sh. Suresh Jha	15	100
475	Smt. & Sh. H. P. Kohli	15	140
476	Sh. Naurat Mal Parashar	15	100
477	Sh. S. R. Khandelwal	15	100
478	Smt. Shashi Arora	15	100
479	Smt. Saraswati Yadav	15	100
480	Smt. Hemlata Jha	15	151
481	Sh. S. N. Mangal	15	100
482	Sh. P. C. Gupta	15	100
483	Sh. J.P. Sharma	15	100
484	Sh. J.P. Sharma (Jangid)	15	100
485	Sh. Subhash Arora	15	100
486	Sh. Rajendra Swaroop Sharma	15	100
487	Smt. Man Devi Sharma	15	100
488	Smt. Sugha Garg	16	75
489	Smt. Amita Gupta	16	75
490	Sh. Padam Chand Dani	16	75

491	Sh. Suresh Chand Gupta	16	75
492	Sh. Jagdish Chandra Airan	16	75
493	Sh. Ghanshyam Vaishnav	16	75
494	Sh. Ghanshyam Verma	16	75
495	Sh. Ramchandra Bansel	16	75
496	Sh. Sooraj Narain Agrawal	16	75
497	Sh. Ratan Lal Airan	16	100
498	Sh. Nawal Kishore Goyal	16	75
499	Sh. Radhey Shyam Agrawal	16	75
500	Sh. Hari Krishna Gupta	16	50
501	Sh. Kailash Mal Lodha	16	75
502	Sh. Shyam Sunder Agrawal	16	511
503	Sh. Madan Lal Bhansali	16	50
504	Smt. Savitri Sugandh	16	50
505	Sh. Bhagwat Jain	16	50
506	Sh. C. L. Gupta	16	50
507	Sh. Govind Narain Agrawal	16	50
508	Smt. Kanwari Devi Agrawal	16	50
509	Smt. Shakuntala Gupta	16	50
510	Sh. Swaroop Chand Choresiya	16	50
511	Smt. Sulochana Parashar	16	50
512	Sh. Vishnu Prakash Garg	16	75
513	Sh. Ganesh Ram Agrawal	16	75
514	Sh. Lal Chand Dosi	16	75
515	Sh. Rameshwar Lal Sugawdh	16	75
516	Sh. Ashok Goyal	16	75
517	Smt. Roopa Devi Verma	16	75
518	Sh. Shyam Sunder Sharma	16	75
519	Smt. Manglesh Sharma	16	75
520	Smt. Laxmi Gupta	16	75
521	Sh. Roopgi Solanki	16	50
522	Sh. Sita Ram Saini	16	75
523	Sh. Mahesh Joshi	16	75
524	Smt. Shanti Agrawal	16	75
525	Smt. Vibha Devi Airan	16	75
526	Sh. Ram Niwas Parashar	16	75
527	Sh. Govind Lal Goyal	16	75
528	Smt. Munni Devi Goyal	16	75
529	Sh. Suresh Chandra Sharma	17	100
530	Sh. R. G. Ogha	17	50
531	Sh. S. N. Gupta	17	50
532	Smt. Manju Maheshwari	17	50
533	Smt. Samata Sharma	17	50
534	S/s. Asha Bhalla	17	50
535	Smt. Shailbala Bhardwaj	17	50
536	Smt. Vchhav Pokharana	17	50
537	Smt. Chakresh Kanwar	17	50
538	Sh. Man Kanwar Agrawal	17	50
539	Sh. Hanuman Prasad	17	50
540	Sh. Chandrasan Gehlot	17	50
541	Smt. Kamala Jain	17	50
542	Sh. S. K. Sharma	17	50
543	Sh. V. K. Gupta	17	50
544	Sh. G. D. Nagrani	17	50
545	Smt. Ramshri Devi	17	50
546	Smt. Roop Kanwar	17	50
547	Sh. Y. K. Sharma	17	50
548	Sh. J. N. Sharma	17	50
549	Sh. R. L. Basi	17	50
550	Smt. P. L. Basi	17	50
551	Sh. Kishan Lal Jatolia	17	50
552	Smt. (Dr.) Pushpalata Gupta	17	50
553	Sh. Samir Mal Jain	17	50
554	Smt. Sheela Sharma	17	50
555	Sh. D. L. Mathur	17	50
556	Sh. Padam Singh	17	50
557	Smt. Ranjana Singh	17	50
558	Smt. Rajani Matodkar	17	50
559	Sh. O. P. Yadav	17	100
560	Sh. T. N. Sharma	17	101
561	Sh. B. P. Agrawal	17	100
562	Sh. Gopichand Agrawal	17	50
563	Smt. Madhu Bala Mathur	17	100
564	Sh. Sesh Karan Goyal	17	100
565	Smt. Meenakshi Goyal	17	100
566	Sh. Munna Lal Jain	17	50
567	Sh. O. P. Chaturvedi	17	50
568	Sh. Mohan P. Tolani	17	50
569	Sh. Ramesh Chand Maheshwari	17	100
570	Smt. Santosh Agrawal	17	50
571	Smt. Kamala Jalotiya	17	50
572	Smt. Tulsi Meena	17	50
573	Smt. Sharda Sharma	17	50
574	Sh. Narain Singh	17	50
575	Smt. Usha Sharma	17	100
576	Sh. Vishnu Agrawal	17	50
577	Smt. Kamala Mehra	18	50
578	Sh. Satish Kumar Bachlas	18	50
579	Smt. Pushpa Pant	18	51
580	Smt. Saroj Kapur	18	51
581	Sh. Tridev Deyvishwas	18	50
582	Sh. Raghuveer Singh	18	51
583	Sh. Sarvan Kumar	18	50
584	Sh. Girdhari Lal	18	50
585	Sh. Ram Karan Palasiya	18	50
586	Sh. Tej Singh Kachhwaha	18	50
587	Sh. Bhanwar Lal Sankhla	18	50
588	Smt. Mondira Dutta	18	50
589	Smt. Surendra Sohal	18	51
590	Sh. Chandra Kant Upadhyay	18	50
591	Sh. Nathi Lal Singariya	18	50
592	Sh. Har Lal Jirota	18	50

593	Sh. Roop Chand Chintars	18	50
594	Sh. Priya Tosh Dutta	18	50
595	Sh. J. C. Bahel	18	50
596	Sh. Dwarka Das Thanvi	18	50
597	Sh. V. P. Kapur	18	50
598	Sh. K. C. Pant	18	50
599	Sushiri Surendra Kumari	18	50
600	Sh. P. S. Kapoor	18	50
601	Sh. Ramgopal Singh Rathore	18	50
602	Sh. Bhawani Shankar Verma	18	50
603	Smt. Kamala Mehra	20	100
604	Sh. V. S. Shivnani	20	50
605	Sh. B. K. Wadhwa	20	100
606	Sh. Hamir Singh	20	200
607	Smt. Madhu Chugh	20	60
608	Smt. Indu Bala Kapur	20	100
609	Sh. B. R. Monga	20	51
610	Sh. P. N. Mathur	20	100
611	Sh. Vinod Kumar Mathur	20	60
612	Smt. Sudha Mittal	20	60
613	Sh. L. N. Rajput	20	200
614	Sh. J. K. Bindal	20	100
615	Sh. R. S. Singhal	20	100
616	Sh. C. P. Kanan	20	100
617	Sh. C. P. Kannan	20	100
618	Sh. B. K. Sharma	20	101
619	Smt. Kiran Bala Samson	20	101
620	Smt. Shashi Bala Chhobe	20	100
621	Smt. Santosh Jasrai	20	100
622	Sh. Rajendra Kumar Shivhare	20	100
623	Sh. Nand Lal Mudgal	20	50
624	Smt. Kamala Devi Mudgal	20	50
625	Sh. P. N. Mittal	20	60
626	Sh. Rama Kishan Sen	21	51
627	Sh. Devendra Kumar Shukla	21	51
628	Smt. Kailash Tank	21	51
629	Sh. Ramji Bhai Patel	21	500
630	Smt. Kusum Lata Sharma	21	250
631	Sh. R. K. Jha	21	250
632	Sh. Tikam Chand Sharma	21	50
633	Smt. Chandrakala Toshniwal	21	150
634	Sh. D. R. Doriya	21	150
635	Smt. Kamala Devi Sen	21	50
636	Sh. Jeetmal Sankhla	21	110
637	Sh. Om Prakash Sharma	21	250
638	Sh. V. S. Shekhawat	21	125
639	Sh. E. smith	21	150
640	Sh. A. K. Mishra	21	100
641	Sh. Amar Chand Tank	21	50
642	Smt. Prem Lata Tripathi	21	50
643	Sh. Trilok Chand Sharma	21	100
644	Smt. Kanta Ben	21	50
645	Sh. H. M. Jain	21	101
646	Other	--	101
647	Other	--	101
648	Other	--	101
649	Other	--	101
650	Sh. G. P. Asawa	--	51
651	Sh. Kishan Agrawal	--	100



अनमोल वचन

– श्रीमती

– *नम्रता से देवता भी मनुष्य को वश मे हो जाते है।*

– *संपन्नता मित्रता बढ़ाती है, विपदा उनकी परख करती है।*

– *एक बार निकले बोल वापस नही आ सकते, इसलिए सोचकर बोलो।*

– *तलवार की चोट उतनी तेज नही होती, जितनी बोली की।*

– *धीरज के सामने भंयकर संकट भी, धुएँ के बादलों की तरह उड़ जाते है।*

– तीन सच्चे मित्र है – बुढ़ी पत्नी, पुराना कुत्ता, पास का धन।

– मनुष्य के तीन गुण – आशा, विश्वास और दान।

– दूसरों के हित के लिए, अपने सुख को त्यागना सच्ची सेवा है।

– भूत से प्रेरणा लेकर वर्तमान में भविष्य का चिंतन करना चाहिए।

❑❑❑

संत वाणी

- नाथूराम अरोड़ा



कबीर साहिब का एक दोहा है –

कबीर जब आए तुम जगत में, जग हंसा तुम रोए। ऐसी करनी कर चलो, तुम हंसो जग रोए।।

जब बच्चा पैदा होता है, घर में खुशी मनाई जाती है। बच्चा गरीब के घर पैदा हो या अमीर के, किसी भी सम्प्रदाय में हो, इस से कोई अन्तर नहीं पड़ता। किसी की मृत्यु हो जाए तो घर वाले रोते है, दुखी होते है। संसार में सब जगह यही होता है। इस दोहे में विचारने के लिए 'चार शब्द है'– ऐसी करनी कर चलो, तुम हसों जग रोए। अब सोचने की बात यह है, कि आदमी हंसता कब है– जब वह खुश होता है। ऐसी कौन सी करनी है, जिसे करके हम खुश हो कर हंस सकते है।

कबीर साहिब की भावना को समझने के लिए हमें और महात्माओं की वाणी को पढ़ना पढ़ेगा, कि वह क्या कहते हैं। बाबा फरीद कहते है –

फरीदा चारि गंवाया हंढि के चारि गंवाया सम।
लेखा रब्ब मंगसिया तू आंहो केर्हे कमि।।

यही बात कबीर साहिब कहते हैं –

रात गंवाई सोई करि दिवस गंवायो खाय।
हीरा जन्म अमोल था, कौड़ी बदले जाय।।

दोनो का अभिप्राय एक ही है, सिर्फ शब्दों के कहने का अंतर है। स्वामी जी महाराज जो आगरा में हुंडा कहते हैं –

मिली नर देह यह तुम को बनाओ काज कुछ अपना।
पचो मत आए इस जंग में, जानियो रैन का सपना।।

आप भी बाबा फरीद की तरह कुछ अपना काम करने की कह रहे हैं। श्री गुरुनानक साहिब फरमाते हैं

जिस जल निधि कारन तुम जग में आए।
सो अमृत गुरु पाहे जिओ।।

सब महात्मा हमें समझा रहे हैं, कि हमारा मनुष्य जीवन किसी विशेष कार्य के लिए है। आप सब का इशारा कबीर साहिब के दोहे कर तरफ जाता है। गुरु अर्जुन देव जी महाराज इसे और स्पष्ट करते हैं।

भई प्राप्त मानुख देहुरिया, गोबिन्ध मिलन की एक ऐसी बरिया। अविर काज तेरै किसै न काम, मिल साध संगत भज केवल नाम।।

आप समझा रहे हैं, कि यह मनुष्य जन्म तुम्हें मिला है गोविन्द से मिलने के लिए, परमात्मा का दर्शन करने के लिए। जिसके लिए आवश्यकता है। पूरे सत्गुरु की संगत कर के गुरु की शरण मे रह कर प्रभु की भक्ति करने की।

दादू साहब कहते हैं –

दादू कर साईं की चाकरी, यह हरि नाव न छोड़ि।
जाना है उस देश कूँ, प्रीति पिया से जोड़ि।।

बाबा फ़रीद आगे कहते हैं –

.फ़रीदा पिछ्ल राति न जागि ओहि जींवदड़ा मोयोहि।
जै तें रब्ब विसारिआ त रवि न विसरिओहि।।

आप कहते हैं कि यदि तुम ने परमात्मा को याद नहीं किया तो तुम्हारा जीना मृत्यु के समान है। तुम ने भले ही रब्ब को विसार दिया है, परन्तु वह परमात्मा तुम को देख रहा है।

इसी बात को गुरु नानक साहब जपजी साहब की चौथी पौड़ी में कहते हैं –

अम्रित बेला सच नाउ वडिआई बीचारु।

आप फरीद साहब की बात को ही समझा रहे है। आप का कहना है कि प्रातः ब्रह्म महूर्त के समय नींद को त्याग कर सच्चे नाम यानी भगवान के गुण गान करो, उसे स्मर्ण करो।

गुरु रविजी भी कहते हैं :–

रविदास राति न सोविय, दिवस न करिए सुआद।
अह निसि हरि जी सिमरिये, छांडि सकल प्रतिवाद।।

इसीलिए कबीर साहब ने कहा है –

दूर प्यारे की परा है दिन किनारे आ गया।
चल नही तो इस झमेले में पड़ा पछताएगा।।
नाम निशानी मौत की उठ कबीरा जाग।
और रसायन छोड़ कर नाम रसाग लाग।।

❑❑❑

जीवन का दर्पण है हमारा आभा मण्डल

– सुरेश शर्मा



ऋग्वेद का पहला मंत्र है –

अग्नि मीले पुरोहितं, यज्ञस्य देव मृत्विजम्। दोतारं रत्न धातमम्।। १ ।।

इस मन्त्र में पवित्र अग्नि की स्तुति की गयी है। अग्नि हमारे शरीर में भी है एवं सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में है। हमारा शरीर पाँच तत्वों से बना है – आकाश, वायु, अग्नि, जल एवं पृथ्वी। प्रस्तुत लेख में अग्नि का चिन्तन किया गया है। सूर्य अग्नि का मुख्य स्रोत है। अग्नि ज्वलनशील पदार्थों से भी प्राप्त होती है। अग्नि घर्षण से जैसे बादलों से प्राप्त होती है। अग्नि जल से प्राप्त होती है तथा वायु से भी प्राप्त होती है। अग्नि के तीन मुख्य कार्य है पहला शक्ति प्रदान करना, दूसरा गर्मी प्रदान करना एवं तीसरा प्रकाश प्रदान करना। हमारे शरीर में अग्नि भोजन एवं जल से प्राप्त होती है। हम जो भोजन करते है उसे पचाने के लिए अग्नि की जरूरत होती है। हमारे शरीर में अग्नि से जो शक्ति प्राप्त होती है उससे हमारा शरीर एवं इन्दियाँ कार्य करती है। हमारे शरीर को एक निश्चित तापमान 98^0 फारनाइट की आवश्यकता होती है। इससे कम एवं ज्यादा हो जाने पर शरीर अस्वस्थ हो जाता है। अगर शरीर की गर्मी समाप्त हो जाये तो शरीर निर्जीव हो जायेगा एवं हमारी मृत्यु हो जायेगी।

अग्नि का तीसरा काम प्रकाश देना है। हमारे शरीर से भी एक निरन्तर प्रकाश किरण निकलती रहती है उसे ही हमारा आभा मण्डल (Aura) कहते है। हमारे शरीर से जो प्राकश किरण निकलती है वह भी सूर्य की किरण के समान सात रंगो वाली होती हैं किन्तु इसके रंग व चमक हमारे कर्मों या स्वभाव द्वारा निर्धारित होती है। कर्मो के प्रेरक हमारे स्वभाव एवं संस्कार होते हैं। अच्छे संस्कार एवं साधु स्वभाव वाला व्यक्ति अच्छे अर्थात् सत्कर्म करता है तो उसका आभा मण्डल या उसके शरीर से निकलने वाला प्रकाश सुन्दर, पीला या गुलाबी, मन को लुभाने वाला चित्ताकर्षक होता है तथा कर्मों के अनुसार ही इसकी लम्बाई होती है। बुद्ध, महावीर, रामकृष्ण परमहंस एवं सज्जन सुशील पुरुषों के आभा मण्डल ऐसे चमकीले, प्रकाशवान, चित्ताकर्षक एवं लम्बे होते है। बुरे ही कर्म करने वाले व्यक्ति या आभा मण्डल डरावन, काला एवं धुऐ के रंग जैसा होता है। ये प्रायः चोर, डाकू एवं अपराधी प्रवृत्ति के होते हैं। ऐसे आभा मण्डल वाले व्यक्ति के पास अन्य व्यक्ति बैठता है या उसके पास से गुजरता है तो उसे बैचेनी होती है एवं संगत से हानि होती है। कभी व्यक्ति ऊपर से अच्छा एवं सज्जन होता है किन्तु अन्दर से कुटिल होता है तो उसका आभा मण्डल (Aura) उसकी पोल खोल देता है। अतः आभा मण्डल हमारे जीवन का, कर्मो का दर्पण है।

साधु सन्त, बौद्ध लामा विशेष तौर पर जैन सन्त एवं कुछ विशेषज्ञ पुरुष आभा मण्डल को पढ़ने की कला जानते हैं एवं पहचान लेते हैं कि व्यक्ति अच्छा है या बुरा है, देव है अथवा दानव है। इन्हे धोखा नही दिया जा सकता, ना ही भ्रमित किया जा सकता है। आज विज्ञान ने आभा मण्डल पढ़ने वाला कैमरा विकसित कर लिया है। मनुष्य की जब मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा के साथ सूक्ष्म शरीर जिसमें हमारे कर्म, संस्कार, स्वभाव तथा आभा मण्डल दूसरे शरीर में चले जाते हैं यही हमारा भाग्य, प्रारब्ध एवं संचित कर्म होता है। यह प्रक्रिया लाखों वर्षों चली आ रही है एवं आगे भी जारी रहेगी। अगर व्यक्ति चाहे तो लगातार सत्कर्मो द्वारा अपने स्वभाव, संस्कार एवं आभा मण्डल को अच्छा बना सकता है अथवा बुरे कर्मो द्वारा अपने स्वभाव, संस्कार एवं आभा मण्डल को दूषित कर सकता है, विकृत बना सकता है। हम चाहे तो इसी मानव शरीर में अति मानव, या देवता बन सकते हैं एवं ईश्वर को प्राप्त कर सकते हैं। इसीलिये कहा गया है ''मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है।''

❑❑❑

कर्म ही पूजा है।

(गाँव गलती से देवनगर नगर ग्राम में परिवर्तन की कहानी)

– **नौरतमल पाराशर**



यह गाँव केन्द्रीय दिल्ली के अन्तर्गत आता था जो शिक्षा विभाग अजमेर में पड़ता था। शिक्षा विभाग अजमेर ने मेरा स्थानान्तरण गलती गाँव के सर्वोगींण विकास हेतु पुष्कर से कर दिया गया। ग्रामीणों ने रहने हेतु मकान दे दिया। इस गाँव के लड़के पढ़ने नहीं आतें, पशुओं को चराने चले जाते। केवल सांसी जाति के छात्र–छात्राऐं ही पढ़ने आते थे। वजीफा शिक्षा विभाग देती थी। मैं रोज प्रातः आस–पास के गांवों में गश्त लगाकर छात्रों की संख्या बढ़ाने जाता, जहां स्कूल नहीं थी। केवल एक प्रधानाध्यापक एवं स्वयं ही था। अन्य रोज पुष्कर अपने घर चले जाते थे। सारा भार मेरे पर था। यह विद्यालय सन् 1955 तक सेन्टर दिल्ली के अन्तर्गत चला। सन् 1956 में राजस्थान का गठन किया, जिसका शुभारम्भ राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया ने नागौर में किया। पंचायत समितियों का गठन कर ग्राम पंचायतों का निर्माण कराया। यह ''गलती'' गाँव पंचायत समिति पीसांगन (अजमेर) के अन्तर्गत आता था, जहाँ के विभाग अधिकारी प्रथम पारसमल जैन थे। इस ग्राम में प्रथम सरपंच घासीराम गुर्जर थे, कम पढ़े लिखे थे, पंचायत के मिटिंग के प्रस्ताव सर्व सम्मति से लिखते थे जिन्हें पीसांगन समिति की मीटिंग मे ले जाते थे। विद्यालय खंडहर मकान में चलता था। जो छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कम था। इस गाँव का निरीक्षण करने विकास अधिकारी पधारे। नये विद्यालय के निर्माण हेतु आधी रकम ग्रामीण देंगे, आधी पंचायत समिति देगी। ग्रामीणों का धन्धा दूध बेचना, पशु चराना, खेती करना, मजदूरी करना। अत्यन्त गरीब होने से कड़ैल सेठ भैरूलाल जी गुप्ता जो गाँव वालों को ब्याज, काटे पर देने रोज आते थे, रोज रूपये ले जाते थे, इस कारण बहुत गरीब हो गये।

दूध के रूपये शराब ठेके पर पूरे कर देते। सेठ जी के बेटे मोहनलाल गुप्ता जो पाली मिल के हिस्सेदार थे। इनके गाँव आने पर मुखिया गाँव के लोगो विद्यालय हेतु मदद मांगी, तब उधार के खातों की रकम लेकर 6000 रु. दे दिये। इसकी सूचना देने संरपंच पीसांगन गये। तत्काल ग्रामीणों की मदद देखकर गाँव आयें, जहाँ इनका स्वागत कर बाजरे की रोटी का चूरमा घी डालकर खिलाया, खुश होकर कहा की ग्रामीणों के सहयोग देखकर कहाँ कि इस गाँव को गलती से आदर्श गांव बना देंगे। धर्मपत्नी को ग्राम काकी की नियुक्ति करा दी, जो सिलाई का काम, स्वच्छ घर, परिंडा, कसीदा सीखाने का काम करती थी। रात्रि पाठशाला में ग्रामीणों को साक्षर बनाने हेतु अथक प्रयास करता, इधर औरतें भी साक्षर होने लगी। पीसांगन समिति ने 60,000/– रुपये स्वीकार किये तब नया विद्यालय भवन के दो कमरे मय बरामदा के, खराब रास्तों के पत्थर के पक्के खुरे, हेन्डपम्प, पशुओं के मेले, सदैब शराब के ठेके का हटवाना, गाँव की सफाई की व्यवस्था, सामाजिक पिक्चर, रात्रि पाठशाला चलाता, कॉआपरेटिव सोसायटी का निर्माण आदि, सर्वांगीण विकास हुए तब ग्रामीणों ने कहा कि मास्टर साहब 'गलती' गांव का नाम बदल सकता है ? तब मैंने कहा कि केन्द्र सरकार को नाम बदलने की अर्जी मय सिफारिश के भेजो तब सेन्टर दिल्ली से निरीक्षण करने पधारें इस ग्राम के सर्वांगीण का सही निरीक्षण कर देवजी का

मंदिर जहाँ वार्षिक मेला लगता है देवनगर करने की स्वीकृति प्रदान कर ग्रामीणों का स्वप्न सिद्ध कर दिया। पंचायत समिति की मीटिंग में मुझे डबल इन्क्रीमेन्ट से लाभान्वित कर उत्साहित किया। अभी कई संस्थाओं का सदस्य बनकर निःशुल्क सेवा करता हूँ। दो विद्यालयों का संचालन कर नाम रोशन किया है। आयु 87 हो गयी है। 70 साल से प्राणायाम, ज्ञान मुद्राएं, कई प्रकार के व्यायाम, सूर्य नमस्कार, शीर्षासन करता हूँ। 9 बजे रात्रि को शयन, प्रातः 2 बजे जागरण, मालिश, शैविंग, स्नानादि, नियमित पाठ पूजा आदि करता हूँ। अतः सदैव स्वस्थ रहता हूँ।

❑❑❑

पारिवारिक शिष्टता

- भीष्म कुमार वाधवा



न किसी से बैर विरोध हो – न कहीं भी प्रेम प्रमाद हो।
मैं मिलाऊं अपने को सब में – मेरा शब्द विश्व का नाद हो।।
मेरा भूलने का स्वभाव हो, मेरी भूल में यह प्रभाव हो।
मेरे सामने हों पदार्थ सब, मुझे उन में कोई न स्वाद हो।।
मेरा ध्येय ऐसा महान हो, अपमान मान समान हो।
नहीं ऊँच नीच का भेद हो, नहीं हर्ष हो न विषाद हो।।

मानव अकेला नहीं रह सकता परिवार समाज के बिना जीवन निरर्थक है शून्य है परिवार में शिष्टाचार अत्यन्त आवश्यक है शिष्टता में परिवार के सदस्यों के स्वभावों को नरम करने की शक्ति है। घर के प्रत्येक सदस्य को प्रसन्न मुद्रा मृदुल स्वभाव, नम्रता के भाव का आपसी व्यवहार में परिचय देना चाहिये। प्रसन्न चित स्वभाव से बच्चे आकर्षित होते हैं। अपने बच्चों को माता–पिता के साथ समान रुप से प्रेम पूर्वक वार्तालाप कराना सिखाना चाहिये ताकि पहिले घर ही बालक की प्रथम पाठशाला है वे जो कुछ अपने बड़ों से सीखेंगे वैसा ही व्यवहार दूसरों के साथ करेंगे।

परिवार के सदस्यों का आपसी दैनिक जीवन का शिष्टाचार और प्यार आदर बाह्य वातावरण को भी सुरभित कर देता है आगुन्तक व अतिथियों के प्रति शालीनता, प्रेम सहानुभूति के साथ आदर दर्शाने की अत्यन्त आवश्यकता है। सही शिष्टता वही है जो परिवार के सदस्यों को प्रेम के सूत्र में बाँध कर एक बनाती है, निकट लाती है। शिष्टता का मूल मंत्र है एक दूसरे का ध्यान रखा जाय।

जिसके घर पिता, पुत्र भ्राता सब बंधे एक धागे में हो।
माँ बेटे भगिनी और वधु सब सुमति रुप तागे में हो।।

सही शिष्टता वही है जो परिवार के सदस्यों को प्रेम के सूत्र में बाँध कर एक बनाती है और एक दूसरे को निकट लाती है।

शिष्टता का मूल मंत्र है दूसरों का ध्यान रखा जाय कमियों के बजाय गुणों की सराहना की जाय इस से आपस में सहानुभूति बढ़ती है प्रोत्साहन मिलता है हम दूसरों से व्यवहार जैसा चाहते हैं वैसा ही व्यवहार हम परिवारजन व अन्य के साथ करें।

अपनी शिष्टता को हम मधुर व नम्रता के वचन प्रसन्न मुद्रा द्वारा प्रकट कर सकते हैं। हमें स्वार्थी न रह कर अपनी ही रुचि व जिद्दी स्वभाव को दूसरों पर थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिये इस से परिवार जुड़ने के स्थान पर टूट कर बिखर जाते हैं।

''इस पर भी वे अच्छे हैं जो ठोकर खा तुरन्त संभलते है।।
हैं कर्महीन जो गिर कर भी अपने को नहीं बदलते है।।''

अतः परिवार में शिष्टाचार का अत्याधिक महत्त्व है इस के महत्त्व को स्वीकार करने से अन्य परिवारों पर भी प्रभाव पड़ता है और परस्पर शिष्टता का वातावरण बढ़ता है।

❑❑❑

मनुष्य जन्म की दुलर्भता एवं विविधताएँ

- नाथूलाल जैन



यह संसार चतुर्विध गति रूप है, अनादि है और कर्मबद्ध जीव इन गतियों में भ्रमण करता रहता है। इस संसार में एक राई के दाने के समकक्ष, तृण के तुल्य अथवा बाल की नोक के समान भी ऐसा कोई स्थान रिक्त नहीं रहा है जहाँ इस जीव ने एक बार ही नहीं अपितु अनंत–अनंत बार जन्म न लिया हो। इस जीवात्मा ने प्रत्येक जाति, प्रत्येक कुल, प्रत्येक गौत्र और प्रत्येक योनि में अनंत–अनंत बार जन्म लिया है। जब जीव ने निगोद में जन्म लिया तब उसका शरीर इतना अधिक सुक्ष्म होता है कि सुई की नोक के समकक्ष स्थान में असंख्यात शरीरों का समावेश हो जाता है। इतना सूक्ष्मतम शरीर भी किसी एक जीव का नहीं होता है किन्तु उस शरीर में अनंत जीव आश्रय रूप होते हैं। वे जीव उसी एक योनि में दुःख, क्लेश भोगते रहते हैं। जब उन जीवों का कर्म आवरण हल्का होने लगता है तब वे वहाँ से निकलते हैं और वहाँ पर वे जीव अकाम निर्जरा करते हैं। उन जीवों को जो वेदना होती है वह वेदना उसके बाद प्रत्येक वनस्पति आदि में नहीं होती। प्रत्येक वनस्पति, पृथ्वीकाय, अपकाय आदि में एक जीव को एक शरीर मिलता है और वे अपनी वेदना अलग–अलग रूप में भोगते हैं। उसके पश्चात् वे जीव एकेन्द्रिय से द्वीन्द्रिय, त्रीन्दिय, चतुरिन्द्रिय में जन्म लेते हैं। तत्पश्चात् असंज्ञी पंचेन्द्रिय में जन्म लेते हैं। यहाँ उन जीवों को पाँच इन्द्रियाँ तो प्राप्त होती है, उनके मन नहीं होता। अंसज्ञी तिर्यंच और सम्मूर्छिम मनुष्य के भव में बिना मन के ही भटकते हैं और उसके बाद कुछ पुण्य का उदय हुआ तब वे जीव संज्ञी तिर्यंच के रूप में जन्म लेते है। यहाँ यदि जीव कर्मों का प्रगाढ़ बन्धन कर लेते है तब उन कर्मों को भोगने के लिए नरक गति में जन्म लेते हैं और नारकीय वेदनाओं का अनुभव करते हैं। आत्मा ने नरक गति की दारुण वेदनाऐं भी अनन्त बार भोगी हैं तब वे जीव अपार कष्टों की महानदी को पार करते हैं, पाप कर्म अल्प रूप में रह जाते हैं और अनंत पुण्य का उदय होता है तब उन जीवों को मनुष्य का शरीर प्राप्त होता है। सचमुच में मनुष्य जन्म पा लेना उत्कृष्ट पुण्य का प्रतीक है। इस प्रकार स्पष्ट है कि मनुष्य भव प्राप्त करना कितना दुर्लभ है।

लेकिन यहाँ भी हम स्पष्टतः देखते हैं कि मनुष्य के लिए भी इस संसार में अनेक प्रकार की असमानताएँ हैं, विविधताएँ हैं और विचित्रताएँ हैं और एक–एक में मनुष्य अनेक चिंताओं से ग्रस्त है। कहा भी है –

''जम्सं दुक्खं जरा दुक्खं, रोगाय मरणाणिय।
अहोदुक्खो हुसंसारे, जत्थकीसन्ति जन्तुणो।।''

यहाँ जन्म का दुख है, जरा का दुख है, रोगों को दुख है, मृत्यु और वियोग का भी दुख है। शरीर और मन की अनंत वेदनाएँ पग–पग पर दृष्टिगोचर हो रही हैं। मनुष्य इन वेदनाओं से नहीं बच सका है। जब मानव के जीवन में और भी पुण्य का उदय होता है तब वह वैभव प्राप्त कर लेता है और वह सोचने लगता है कि मैंने सब कुछ प्राप्त कर लिया है, किन्तु मृत्यु, रोग, वियोग, प्रभृति की भयंकर आग उसके समक्ष रहती है। कहीं सुख है, कहीं दुख है। दो क्षण के लिए मनुष्य शान्ति से बैठा है और फिर वह दुख क्लेश की अन्धी आंधी से भी गुजरता है। सदा काल एक जैसा रंग कहाँ दृष्टिगत होता है। कोई व्यक्ति स्वर्णीम प्रभात की पुण्य वेला में अमीर है और सान्ध्य वेला में वह व्यक्ति गरीब भी बन जाता है। पुण्य और पाप का जो चक्र है वह उसके जीवन में नित्य निरन्तर रूप से घूमता ही रहता है। इसी परिपेक्ष्य में यह भी ज्ञातव्य है कि इस संसार में नित्य निरन्तर रूप से

घूमता ही रहता है। इसी परिपेक्ष्य में यह भी ज्ञातव्य है कि इस संसार में सम्बन्धों की भी विचित्रता रही है। कभी जीव माता के रूप में, वही जीव कभी पुत्री के रूप में और जीव कभी पत्नि और बहन के रूप में भी जन्म लेता है। पिता और पुत्र के रूप में भी अवतरित होता है। कभी मित्र और शत्रु के रूप में भी उत्पन्न होता है। स्पष्ट है कि इस जीव ने किस–किस रूप में और किस–किस जीव के साथ सम्बन्ध स्थापित किये हैं। कर्मों की स्थिति बड़ी विचित्र है। जीव कहाँ से कहाँ पहुँच जाता है। कभी राजमहल में विभिन्न प्रकार के सुखों का उपभोग करता है और वही जीव कभी उस राजभवन में एक सेवक के रूप में भी जन्म लेता है। सचमुच में यह संसार विविध सम्बन्धों का समवाय है।

इतना सब कुछ होते हुए भी अधिकतर मनुष्य अपने जीवन का सही मूल्यांकन नहीं कर पाते हैं और गफलत, आलस्य और प्रमाद में ही अपने जीवन की इतीश्री कर देते हैं। इसीलिए ज्ञानी भगवन्त कहते हैं कि मानव अपने अंतरंग नेत्र को खोलकर संसार के स्वरूप को निहारे और उन्मुक्त मन से यह चिंतन करे कि मुझे सांसारिक कारागृह से मुक्त होना है और मेरा जो सर्वोच्च संलक्ष्य है, वह मुक्ति है, मोक्ष है, शिवपुर है। मुझे शिवपुर में पहुँचने के लिए सम्यग्यान, सम्यग्दर्शन और सम्यक्चारित्र के राजमार्ग पर अग्रसर होना है और इस संसार को स्वप्नवत् ही समझना है। ऐसी स्थिति में आसक्ति से विरक्ति का पथ प्रशस्त होगा और यह विरक्ति ही वीतरागता की और ले जाती है। वीतराग बन जाना ही आत्मा का एक मात्र चरम और परम उद्देश्य है।

❑❑❑



भगवन आपको कैसे मनाऊ ?

– श्रीमती उर्मिला अग्रवाल

भगवन, आपको कैस मनाऊ
पग–पग चलकर नाथ तुम्हारे श्री चरणो तक आऊ,
चन्दन का टीका लगाऊ या तुलसी दल चढ़ाऊ
मोर पांख का मुकुट पहनाऊ या
मुरलिया अधरो पर सजाऊ,
प्रभु आपको कैसे मनाऊ
रंग–बिरंगे पुष्प पिरोऊ, प्रेम की कलिया बिछाऊँ
चन्दन के पर्यक के उपर, रेशम की डोर कसाऊ
मखमल के बिछोने के, उपर पीत गुलाब सजाऊ
देव, आपको कैसे मनाऊ, कोई साथी सुकृत ना मेरा
आधि–व्याधि के बीच बसेरा, जीवन में लगते बहुत अधेरे
प्रारब्ध के दुखः धनेरे, अति–दुर्लभ मानव जीवन को
कैसे सफल बनाऊ नाथ, आपको मैं कैसे मनाऊ
माखन मिश्री या खीरखांड़ का भोग लगाऊ
सेज सजाऊ लाल–गुलाबी इत्र–सुगन्धी लगाऊ
आओ–प्रभु आपके श्री चरणो को दबाऊ
शयन का रूप निहारू आपका नयन प्यास बुझाऊ
माधुरी–सूरत हदय घरा कर धन्य धन्य हो जाऊ
हे गोविन्द आपको कैसे मनाऊ किशति है मंझधार में
हिचकोले खाती है इस संसार सागर से कैसे पार पाऊ
साहिल बन आ जाओ प्रभु आपकी राह निहारूं
करु–दण्डवत प्रणाम आपको, झुक–झुक कर वारी जाऊ
करो ऐसी कृपा–चल चल कर वृन्दावन आऊं
भगवन आपका दर्शन पाऊ–आपका दर्शन पाऊ।

❑❑❑

हम कहाँ जा रहे हैं !

– जयप्रकाश गुप्ता



एक समय था जब पं. जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस प्रधानमंत्री केन्द्र सरकार ने विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को सरकार की तरफ से विदेश के दौरे पर भेजा। एक खाद्य आपूर्ति मंत्री थे गुलामअली किदवई। जिन्होंने बाजार में खाद्य आदि सामग्री की कमी महसूस की। उन्होंने आदेश जारी किया व्यापारियों के नाम कि तीन दिन में बाजार में खाद्य आपूर्ति पूरी की जाये अन्यथा माल जब्त करके मंडियों में पहुँचा दिया जाएगा। तत्काल प्रभाव हुआ और मंडियों में प्रत्येक वस्तु की उपलब्धता हो गई। किदवई साहब के बारे में उनके स्वर्गवास के बाद पता चला कि वे कर्जदार थे। ऐसे ही थे लालबहादुर शास्त्री रेलमंत्री, जिन्होंने एक रेल दुर्घटना होने पर पद से त्याग–पत्र दे दिया। गुलजारी लाल नन्दा और पं. दीनदयाल उपाध्याय का नाम भी ऐसे ही कर्म परायण व्यक्ति के रूप में याद किया जा सकता है।

यह तो हुई विगत वर्षों की यादें। अब देखिए आज की तस्वीर क्या है और हम कहाँ जा रहे हैं –

पं. जवाहरलाल नेहरू, इन्दिरा गाँधी, अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने प्रधान मंत्रीत्व काल में कभी भी भाषण लिख कर नहीं पढ़ा जबकि आज के दशक के हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय मनमोहनसिंह अधिकारियों का लिखा हुआ भाषण पढ़ते हैं। वैसे वे मौन ही रहते हैं। ''एक चुप सौ को हराने'' वाली कहावत को चरितार्थ करते हैं। केवल छः मंत्री सरकार चला रहे हैं वे कितने स्पष्टवादी हैं यह जग–जाहिर है। केवल विपक्ष की ओर ही कटाक्ष करते रहते हैं। एक मुख्यमंत्री हैं जो छः सौ रुपए में पूरे माह 5 व्यक्तियों के राशन की पूर्ति बताती है। कोई इनसे पूछे कि एक दिन सरकारी गाड़ी से उतरकर बाजार से एक दिन का आटा–दाल–सब्जी, दूध, चीनी तो खरीद कर देखें।

अब देखिए महंगाई की मार क्यों है ?

जनप्रतिनिधि (चुने हुए सदस्य) को किस बात की तनख्वाह ? जनता की सेवा के लिए जनता द्वारा चुने जाते हैं। केवल भत्ता ले सकते हैं। सरकारी दौरे पर जाने का। विधान सभा और संसद चलने पर उसमें उपस्थित होने का। लेकिन उन्हें तो चाहिए एक कर्मचारी की तरह तनख्वाह, वह भी कम नहीं लाखों रूपए माहवार में। लोकसभा, राज्यसभा और पूरे देश की विधान सभाओं यहाँ तक कि नगर परिषद, नगर निगमों में भी तनख्वाह की पूर्ति भरपूर की जाती है। इस प्रकार जनता का अरबों रुपया इन जनप्रतिनिधियों की जेब में चला जाता है। इसके साथ ही सदस्य चाहे कुछ दिन ही रहें लेकिन मासिक पेंशन इनकी पूरी तरह चालू हो जाती है। एक सरकारी व्यक्ति 25 से 40 वर्ष तक सेवा देता है तब उसें पेंशन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। विगत वर्षों में संसद पर हुए हमले को नाकाम करने में घायल हुए घर बैठे सैनिक को यह कहकर पेंशन स्वीकृत करने से इंकार कर दिया गया कि उसका सेवाकाल 14 वर्ष ही है जो कि उनके अनुसार 15 वर्ष होना चाहिए।

खर्च कम करें सरकार –

देश में इलैक्ट्रोनिक मीडिया चैनल अनेक हैं। प्रिंट मीडिया के भी हजारों अखबार देश में प्रकाशित होते हैं जिन्हें नेताओं की बधाई व अन्य अनावश्यक विज्ञापन जारी किए जाते हैं जिनका करोड़ों रुपये का भुगतान किया जाता है। इन सबकी पूर्ति के लिए जनता पर तरह–तरह के नए–नए टैक्स लगाए जाते हैं जिस कारण बाजार में तेजी आती है। प्राईवेट कम्पनियाँ भी इन चैनलों को भरपूर विज्ञापन देते हैं। जिनकी रेट सैकेन्ड के अनुसार हजारों रुपए होती

है। इधर विज्ञापन दिया उधर सामान पर दो–चार रुपये प्रति नग की बढ़ोत्तरी कर दी। यह स्थिति लगातार चलती रहती है और बाजार मंहगा होता रहता है।

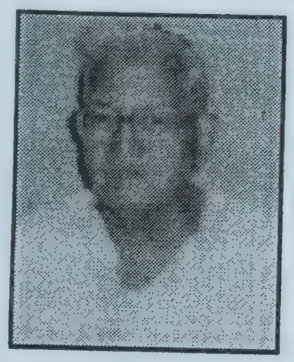
रेट फिक्शेसन पर कोई चैकिंग नहीं –

दवाओं से लेकर कास्मैटिक सामान आदि पर अधिकतम बिक्री रेट (एम.आर.पी.) लिखे जाने पर कोई पाबन्दी नहीं है। सामान पर उत्पादन से लेकर डिस्ट्रीब्यूटर, डीलर व रिटेलर का मनचाहा मुनाफा जोड़कर एम.आर.पी. लिख दी जाती है। इन सुधारों की महती आवश्यकता है। इसकी व्यवस्था लागू करने पर 25% से 40% तक महंगाई पर कन्ट्रोल किया जा सकता है।

❑❑❑

अपनी शक्ति पहचानो

– **ओमेश्वर प्रसाद यादव**



बुजुर्गों के साथ बैठने से बहुत बातें सीखने को मिलती हैं। जो कुछ सीखा है वह आपके सामने रखने की कोशिश है।

गरीबी इतना बड़ा श्राप नही है जितना कि शरीर से शक्तिहीन होना व दूसरों के आश्रित होना। मगर हर बुजुर्ग को 75 साल के बाद इस स्थिति से गुजरना पड़ता है। धीरे–धीरे वह शक्तिहीन हो जाता है तथा वह सभी कार्य सुचारु रुप से नहीं कर पाता है तथा यह सब प्रकृति के अधीन है। मनुष्य इसको रोक नहीं सकता मगर अपने विचार बदलकर उस कमजोरी पर विषय पा सकता है। उदाहणार्थ –

1. दुर्बलता शरीर की नहीं होती इसका केन्द्र मन में रहने वाले विचार हैं।
2. परिस्थिति बदलो। नहीं बदल सकते हो तो सच्ची, पूर्ण व अटल श्रद्धा रखते हुए ईश्वर पर छोड़ दो।
3. मनुष्य के मस्तिष्क में ऐसी गुप्त शक्तियाँ हैं जिनसे हाथी जैसे जानवर को अपने वश में कर लेता है। यह आपकी शक्ति है इसे पहचानो।
4. संसार में सभी चमत्कार मनुष्य के मस्तिष्क से निकले हैं इसका उद्गम स्थल अपना अन्तःकरण है। अपनी ही शक्ति से आपको उठना है साहस के साथ।
5. दूसरों से कभी तुलना मत करो। ईर्ष्या भाव मन में मत आने दो। पड़ौसी को सुखी देखकर खुश हो, गलत भावना मत आने दो।
6. हँसी के बिना बिताया हुआ दिन बर्बाद हुआ दिन है। अतः जीवन में सदैव हँसते मुस्कराते रहो।
7. हममें ज्यादातर लोग छोटी–छोटी बात पर अपनी इज्ज़त को बीच में ले आते हैं और झगड़ने को तैयार हो जाते हैं। फिर उस बात को नहीं भूलते और उससे दुश्मनी मोल ले लेते हैं। यह गलत है।
8. ईश्वर की शक्तियों का भण्डार आप में है।
9. दुर्बलता को दिल में कभी जगह मत दो। शक्तिमान का सर्वत्र आदर होता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है – Strength is life, Weakness is death.
10. अंत में परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि सबके जीवन में प्रेम की गंगा बहती रहे। सभी हरेक के लिए अच्छे विचार रखें। नकारात्मक विचार कभी मन में न लाएँ, सकारात्मक सोच से ही सुख व शान्ति से जीवन व्यतीत होगा।

ओ३म् शान्ति शान्ति शान्ति.....

❑❑❑

ढलती सांझ

– पी.सी. गुप्ता



समाज में बुजुर्गो की उपेक्षा अब एक विषय बन गया है। जिस पर लोगों को शोध की जरूरत महसूस होने लगी है। देश की संसद को बुजुर्गो की देखभाल के लिये कानून बनाने की कवायद करनी पड़ी। पिछले दिनों देश में बुजुर्गो की बेकदरी की इतनी घटनाऐं सामने आई कि सरकार के सामने यह चिंता का विषय बन गया।

हमारे देश में बुजुर्गों का सम्मान करने और उन की सेवा करने की परम्परा रही है, लेकिन अब समय बदल गया है। संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं और इस का परिणाम यह निकला है कि बच्चे अब अपने माता–पिता की वैसी देखभाल नही करते जैसा पहले के समय में करते थे। इस के चलते बुजुर्गो को भावनात्मक उपेक्षा तो सहनी पड़ रही है, शारीरिक और आर्थिक परेशानियाँ भी भुगतनी पड़ रही हैं।

Maintainance and Welfare of Parents and Senior Citizen bill no. 2007 में प्रावधान है कि यदि बच्चों ने अपने बूढ़े माता–पिता की देखभाल नहीं की या उनके साथ बदसलूकी की तो उन्हें तीन माह की जेल और पाँच हजार रुपये जुर्माने की सजा हो सकती है।

इतना ही नहीं, अदालत में एक बार आरोप साबित होने के बाद कोई भी दोषी इस सजा के खिलाफ किसी अदालत में अपील नहीं कर सकता। इस बिल को संसद के पास कर उन लोगों पर लगाम कसने की कोशिश की है, जो अपने ही माता–पिता या घर के अन्य बुजुर्गो को बेसहारा छोड़ देते है।

बहुत सी घटनायें ऐसी हैं कि जिन बच्चों को हाथ पकड़ कभी माँ–बाप ने चलना सिखाया था आज जब उन को सहारा देने की बारी आई तो उन के अपने खून ने दुशमन की तरह उन्हें घर से बाहर निकाल दिया।

साठ साल की उमर के बाद किस में इतनी शक्ति है, कि वह अदालत का चक्कर लगाये। जिस समय यह पता चलेगा कि उन के बच्चों ने दगा किया है तो 75% तो वह तभी मर जायेंगे। इसलिये हम बुजुर्गों को बच्चों से उम्मीद न करते हुए, खुद को बदलना चाहेगें।

कानून से कुछ सुधार होगा वह सरकार की गलत–फहमी है, इस से आपसी रिश्तों में कटुता ही बढ़ेगी। कोशिश यह होनी चाहिये कि कानून का सहारा लेने की नौबत ही न आये। हाँ जिन बुजुर्गो को यातना मिल रही है, वह इस कानून का लाभ जरूर लें।

जिस समाज के बुजुर्गों का सम्मान न हो और उन्हें अपनो से ही प्रताड़ना मिले उस समाज को ही धिक्कार है।

भारत दुनिया के उन देशों में है, जहाँ इस समय युवाओं की संख्या सब से ज्यादा है। यह युवा एक न एक दिन खुद भी उमर के उस पड़ाव पर होंगे जहाँ अब उन के माता–पिता हैं। जिस बच्वें को वह अपना सब कुछ देकर बड़ा करते हैं। यदि जीवन के आखरी मोड़ पर वह उन का साथ छोड़ दें तो वह कहाँ जायेंगे।

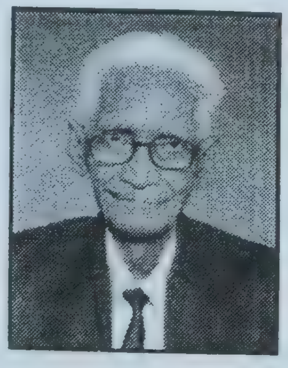
आज रिश्तों की डोर इतनी कच्ची हो गई है कि स्वार्थ का जरा सा झटका भी इसे तोड़ डालता है। उपेक्षा के ज्यादातर मामले संपत्ति से शुरु होकर, संपत्ति पर ही खत्म होते हैं।

जिन्होंने आप को संभाला, उन को संभाले के स्वाल पर बगलें झांकते नजर आते हैं। आपके माता–पिता ने तो किसी कानून के डर से आप को नहीं पाला था।

❑❑❑

सद्‌गुरू

- यज्ञदत्त शर्मा



हमारे देश भारतवर्ष में गुरू–शिष्य परम्परा प्राचीनकाल से ही निरन्तर चली आ रही हैं। गुरू के मार्गदर्शन के बिना हम कदापि आगे नहीं बढ़ सकते हैं। परिवार में प्रथम गुरू माता–पिता होते हैं, जो बालक को बोलना, चलना–फिरना एवं शिष्टाचार सीखाते हैं। उनमें अच्छे–अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करते हैं, जो आगे चलकर प्रगति में सहायक सिद्ध होते हैं। विश्वविद्यालयों में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों (गुरूओं) के माध्यम से उच्च से उच्च शिक्षा ग्रहण करते हैं। ठीक इसी प्रकार संसार–सागर पार उतरने के लिये सद्‌गुरू (आध्यात्मिक) के मार्गदर्शन की महती आवश्यकता होती है।

आइये पहले थोड़ा 'जनम' शब्द पर चर्चा कर लेते हैं। जनम शब्द में मात्र तीन अक्षर हैं – ज–न–म। 'ज' अक्षर से हमें पैदाइश अथवा जन्म होने का आभास होता है। 'म' अक्षर से मृत्यु अथवा मौत का भान होता है। बीच में 'न' अक्षर है, जो दोनों की तरफ इंगित करता है कि न तो मेरा जन्म है और न मृत्यु होती है अर्थात् मैं आत्मा हूँ।

आत्मा परमात्मा का स्वरूप होती हैं, जो सदैव सत्य ही बोलती हैं। इसलिये कहते हैं कि ''आत्मा सो परमात्मा''। लेकिन मन शरीर रूपी रथ पर बैठकर सब इन्द्रियों की लगाम अपने हाथ में रखता है और अपने मुताबिक कर्म, अकर्म कराता रहता है। परिणामस्वरूप आत्मा भी बन्धन में पड़ जाती हैं और जीवात्मा बन जाती है। यदि मन को उसके घर में बन्द कर दिया जाय, तो फिर आत्मा स्वतंत्र रूप से काम करने में समर्थ हो जाती हैं। यह कार्य सद्‌गुरू के मार्गदर्शन में ही सम्भव हो सकता है। गुरू बनाने में कभी भी जल्दी नहीं करनी चाहिये अन्यथा धोखा हो सकता है। कहावत है कि ''पानी पीजे छानकर, गुरू कीजे जानकर''।

आजकल दुनियाँ में अधिकतर पेशेवर गुरूओं की भरमार है। ऐसे लोग अपनी बातों से एवं चमत्कारों से भोले–भाले जिज्ञासुओं के दिल पर अपनी छाप बैठा देते हैं और उन्हें अपने चंगुल में फँसाकर तरह–तरह की सेवायें लेते रहते हैं। यदि मन में गुरू पाने की तीव्र लालसा जागृत हो, तो गुरू अवश्य ही मिलते हैं। चाहे इस जन्म में या फिर अगले जन्म में। यह सब अपने पूर्व जन्म के सिंचित कर्मों और इस जन्म के शुभकर्मों पर निर्भर करता है।

महापुरुष संसार में अनेक रूपों में विचरते हैं। उनमें यह जान लेना कि यह महात्मा है, साधारण पुरुषों के लिये लगभग यह असम्भव ही होता है। गुरूओं की भी श्रेणियाँ होती हैं यथा–गुरू, सद्‌गुरू, परमसन्त, समर्थगुरू आदि आदि। जब तुम किसी के पास बैठो, यदि बैठते ही तुम्हारी सांसारिक चिन्ता तुमसे दूर हट जाय। तुम्हारे अशान्त और उद्विग्न हृदय को शान्ति और ठण्डक मिले और तुम्हारे अन्दर आत्मविचार लहरें मारने लगे अथवा भगवान की याद आने लगे। तुम्हारा मन अकारण ही उधर की ओर आकर्षित हो रहा हो। वहाँ अच्छा लगता हो, तो समझलो कि यह कोई असाधारण पुरुष है। यही उसकी पहचान है।

गुरू मिला तब जानिए, जब मिटै मोह संताप।
हर्ष, शोक व्यापै नहीं, तब गुरू आपै आप।।

जिनका परमात्मा से सीधा सम्बन्ध होता है, वे ही प्रभु के सच्चे प्रतिनिधि (प्रमाणिक गुरू) होते हैं। गुरू–शिष्य का जन्म–जन्मान्तर का नाता होता है। जिन भाग्यशालियों को पूर्ण सद्‌गुरू से दीक्षा या मार्गदर्शन प्राप्त हो जाता है, तो इसमें कोई सन्देह नहीं है कि मृत्यु के समय यमराज उन्हें लेने नहीं आ

सकता, बल्कि गुरु स्वयं ही लेने आते हैं। वे केवल इस संसार में नहीं बल्कि मृत्यु के बाद भी अपने नूरी स्वरूप में हमारी सहायता करते हैं और मृत्यु के बाद भी हमारा साथ नहीं छोड़ते हैं।

गुरू वास्तव में विद्युत का सेन्टर (केन्द्र) होता है, जिसमें दूसरे सेन्टर से होती हुई, करैण्ट हर समय पावर हाऊस से आती रहती है। जब हम इनसे कनैक्शन जोड़ लेते है, तो हमारा हृदय रूपी बल्ब प्रकाशित हो उठता है और हमारे अंग अंग को रोशन कर देता है। उसी दिव्य तेज में हम अपने और अपने से बाहर जगत के प्रत्येक पदार्थ को, प्रत्येक तत्व को प्रत्यक्ष देखते हैं। उनका अनुभव प्राप्त करते हैं। वह दिव्य ज्ञान हमको ऋतम्भरा बुद्धि देता है कि जिसके मिलने पर हम मोक्ष के अधिकारी बन जाते हैं। जिस दिन हम अपने ''अहं'' को साधन द्वारा गुरू में विलीन कर सके, वही क्षण ईश्वर का दर्शन होगा। यह उपासना सिद्धि है, जो बड़ी सरलता से भगवान के समीप ले जाकर खड़ा कर देती है।

गुरू बिन भव निधि तरह न कोई।
जो बिरंचि शंकर सम होई।।

गुरू के बिना कोई भी संसार–सागर से पार नहीं हो सकता। चाहे वह ब्रह्मा और शंकर के समान ही क्यों न हो। इसलिये कहा गया है कि –

गुरूर्बह्मा, गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात् परंब्रह्म, तस्मै श्री गुरूवेनमः।।

गुरू की महिमा अद्वितीय एवं अपरम्पार है। जिसका वर्णन करना अत्यन्त कठिन ही नहीं बल्कि सीमा से भी परे है, कबीरदास जी कहते हैं कि –

कबीरा हरि के रूठते, गुरू के सरने जाई।
कहै कबीर गुरू रूठते, हरि न होत सहाई।

गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागों पाँय।
बलिहारी गुरू आपकी, गोविन्द दियो बताय।।

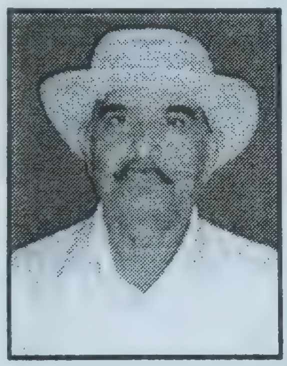
जब धरती कागज करूँ, लेखनी सब बनराय।
सात समुद्र की मसिकरूँ, गुरू गुन लिखाना जाय।।

गुरूकृपा ही केवलम्।।

❑❑❑

सन्तवाणी

– शिवदत्त शर्मा



समुद्र द्वारा गुणी मेघ को दिया गया खारा जल, मेघ के मुख में आतें ही मीठा बन जाता है। मेघ इस जल से वर्षा करके भूमंडल के सभी जड चेतन प्राणियों को जीवन प्रदान करता है वर्षा द्वारा बहाया गया साफ पानी फिर वापस समुद्रं के खारे जल में विलीन हो जाता है।

इस संसार में अत्यन्त सीधा व सरल होना भी गुनाह है इसका उदाहरण जंगल है। जंगल में जाकर व्यक्ति वही पेड फसलें काटता है जो सीधे खडे होते है वह टेडे मेडे पेडो की तरफ ध्यान भी नही देता, अर्थ यह है कि पुरा संसार टेडे व्यक्तियों से डरते हैं और सीधे को कोई भी उल्लू बनाकर मनमानी कर सकता है।

सीता यदि इतनी सुंदर ना होती तो शायद रावण भी उसे पानें के लिए लालायित नही होता उसे सभी ने समझाया उसनें अपनी आखों से अंगद के पराक्रम को देखा समुद्रं पर पूल बाधने की हनुमान की शैली को भी सुना पर गर्व की अति में पूरें साम्राज्य को बरबाद किया।

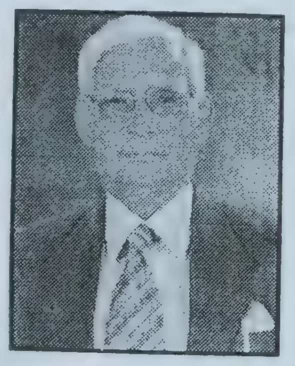
मनुष्यों में नाई, पक्षियों में कौवा, पशुओं में गीदड, स्त्रियों में मालिन को धुर्त माना जाता है।

अग्नि, गुरु, ब्राह्मण, गौ, कूआरी कन्या, बुढ़े, बच्चे को कभी भी पैर नहीं लगाना चाहिए।

❑❑❑

जल चिकित्सा

– एच. पी. कोहली



जल प्रकृति की सुलभ देन है। जल को पानी व नीर से भी जाना जाता है। बारिश का पानी बिल्कुल स्वच्छ होता है। परन्तु पृथ्वी पर गिरने के बाद कई अशुद्धियाँ इस मे मिल जाने से स्वच्छ नहीं रहता जिसे दुषित जल कहते है तथा पीने योग्य नहीं होता। जल में चार प्रकार से दोष होते हैं।

रूप दोष : मिट्टी, पत्ते या कचरे से मिश्रित जल।

रस दोष : भूमिगत जल में खारापन तथा नमकीन मिश्रित जल।

गंध दोष : पानी में दुर्गंध तथा गंधक वाला जल।

स्पर्श दोष : तेलिये पदार्थ से मिश्रित जल।

सरकार द्वारा दुषित जल को पीने योग्य बनाने के लिये फिल्टर कर रसायनिक पद्धति से कीटाणु रहित कर दिया जाता है। जल का सेवन शीतल (ठण्डा) तथा गर्म कर किया जा सकता है।

शीतल जल – फ्रीज तथा बर्फ से ठण्डा किया हुआ जल ग्रीष्म मौसम में अधिक पीने के काम आता है। मटके का ठण्डा जल का प्रयोग दीर्घकाल से प्यास बझाने हेतु किया जाता रहा है। शीतल जल पेट में पित वृद्धि की जलन, चक्कर आने, उल्टी, शरीरिक थकावट आदि में लाभदायक है, परन्तु जुकाम, गले में खराबी, पेट में वायु प्रकोप, घी या तेल के पदार्थो के खाने के बाद ठण्डा जल हानिकारक है।

गर्म जल – आयुर्वेद के अनुसार गर्म जल का पीना लाभकारी है। इस से पाचन सम्बन्धी रोग, पाचन तंत्र को सक्रिय, कब्ज, दमा, इत्यादि रोगों में विशेष लाभ मिलता है। यदि प्रातः गर्म जल शहद मिला कर पिया जाये तो यह मोटापे को कम करता है।

बिना उबला पानी यानि साधारण पानी को पचने में तीन घण्टे लगते है एक बार गर्म किया जल ठण्डा कर के पीने से पचने में 1½ घण्टा लगता है, हल्का गर्म तथा भली भाँति उबला पानी निवाया कर 45 मिनट में ही पच जाता है। गर्म जल रात को सोते समय पीने से निम्न लाभ मिलते हैं – कफ दोष नष्ट करता है, मूत्राशय शुद्ध करता है, वायु विकारों से ग्रसित रोगी तथा दमे के रोगियों को गर्म जल पीना चाहिये, जुकाम तथा कब्ज की अति उत्तम दवाई है। वात, पित्त, कफ दोषो में ¼ हिस्सा बचने तक पानी उबाले। इस पानी के सेवन से यह दोषो में लाभ मिलता है एवं नष्ट हो जाते हैं। गरम जल पीने से आमाशय व आँतों में गति पैदा होने से रुका हुआ आहार (भोजन) आँतों में जा कर पच जाता है।

बुखार में भी गर्म पानी शीघ्र पच जाता है तथा पेट की जठराग्नि प्रज्वलित होती है और पेट व आँतो में बढ़ी हुई वायु निकल जाती है। दिन में उबाल कर रात भर पड़ा रहने दिया जल या रात में उबाल कर ठण्डा किया पानी सुबह पीने से त्रिदोष यानि कफ, पित, वायु रोग उत्पन्न करता और भारी होता है।

पानी हमेशा बैठकर धीरे–धीरे पीना चाहिये। भोजन के बाद एक घण्टे के अन्तराल पर पानी पीना चाहिये। भोजन करते समय दो घूँट पानी पीना उचित है।

आयुर्वेद के अनुसार गरम तासीर वाले जैसे लौंग, छुहारे वगैहरा को ठण्डे जल में दो घण्टे भिगोने पर उन की गरम तासीर समाप्त हो जाती है। यह जल का विशेष गुण है।

❑❑❑

मनुष्य रुप में परमात्मा सदा हमारे सामने है। उनकी सेवा करो।

वृद्धावस्था वरदान है, अभिशाप नहीं

- हस्तीमल जैन



मानव जीवन की तीन अवस्थायें होती है – बाल्यावस्था, युवावस्था व वृद्धावस्था। प्रथम दो अवस्थाऐं आकर चली जाती हैं किन्तु वृद्धावस्था आकर जाती नहीं है। वह तो जाती है तो मनुष्य की जीवन मुक्ति के साथ ही जाती है।

मनुष्य को वृद्धावस्था को अभिशाप नहीं वरन् वरदान समझना चाहिए। यह तो अवस्था है सुख और शांति से जीने की, जीवन भर मनुष्य पारिवारिक, व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं व जिम्मेदारियों में उलझा रहा और उनके समाधान करने में ही व्यस्त रहा, कई प्रकार के उतार चढ़ाव देखता रहा, सफलता असफलताओं के दौर से गुजरा।

किन्तु अब इस अवस्था में मनुष्य को शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करना ही लक्ष्य होना चाहिए। देखना यह है कि वह इस अवस्था को कैसे जीता है – हंसकर या रोकर, दुःखी रह कर या सुखी रहकर।

इस अवस्था में दुःख का कारण विशेषकर पारिवारिक परिस्थितियों से संबंध रखना है। इस अवस्था में जब मनुष्य यह सोचता है कि परिवार में उसके आदेश व सलाह नहीं मानी जा रही है तो वह उसे अपनी उपेक्षा समझता है और यही से उसका दुःखी होना आरम्भ हो जाता है ऐसी अपेक्षा ही नहीं करनी चाहिए।

अतः वरिष्ठजन को चाहिए कि अपनी संतान के दैनिक कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप नही करें। संतान के मांगने पर उनको अपने अनुभव के अनुसार सलाह अवश्य दें, किन्तु यदि संतान उनकी सलाह अनुसार कार्य नहीं करे तो इसे अपनी उपेक्षा समझ कर दुःखी नहीं हो। फिर दुबारा सलाह मांगे तो फिर सलाह दें। संतान को स्वतंत्र रुप से जीवन जीने दें, निर्णय लेने दें तो परिवार मे सौहार्द व सामन्जस्य व शांति बनी रहेगी।

वृद्धजनों को अपनी शक्ति व सामर्थ्य के अनुसार परिवार व बच्चों के कार्यों में स्वतः सहयोग व सहायता के लिए तत्पर रहना चाहिए ताकि स्वयं भी मानसिक व शारीरिक रुप से स्वस्थ व प्रफुल्ल बने रहेंगे।

देखा गया है कि कई वृद्धजन कहते रहते हैं :– अब क्या है जी, कितने दिन जीना है, दिन निकाल रहे हैं, जो दिन निकल जाय सो ठीक है। इस प्रकार के नकारात्मक व निराशाजनक विचार कभी नहीं करने चाहिए, ऐसे शब्दों का उच्चारण नहीं करें। उससे शारीरिक व मानसिक शक्ति हा ह्रास होता है व अशांति उत्पन्न होती है।

वृद्धावस्था के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रखें। अपनी श्रद्धा व भक्ति व मान्यता के अनुसार कुछ समय आध्यात्म, स्वाध्याय, साधना व सतसंग में अवश्य लगायें ताकि मानसिक शांति व संतोष प्राप्त हो।

यह भूलते हुए कि हम वृद्ध हैं, कुछ समय अपनी संतान व बच्चों के साथ आमोद प्रमोद, हास्य परिहास में भी किताबें व मनोरंजन के साधनों में भी साथ दें।

छोटी मोटी शारीरिक व्याधियों का रोना नहीं रोयें, उन्हें उपेक्षित करें क्योंकि ये लक्षण तो वृद्धावस्था के आवश्यक अंग हैं।

अतः वृद्धजनों को वृद्धावस्था को अभिशाप नहीं वरदान मानते हुए अपना जीवन सहर्ष जीना चाहिए ताकि स्वयं भी सुखी रहेंगे व अपने परिवार व संतान में भी सुख शांति का प्रवाह बना रहेगा व आपके प्रति भी उनका आदर व सम्मानपूर्वक व्यवहार जारी रहेगा।

❑❑❑

घर में मेल होना पृथ्वी पर स्वर्ग के समान है।

अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 "महत्वपूर्ण धाराऐं''

- एडवोकेट पी.डी. अग्रवाल



धारा 4 (1) वरिष्ठ नागरिक, जिसमें अभिभावक शामिल है, जो स्वयं अपनी आय से या स्वयं द्वारा स्वामित्वाधीन सम्पत्ति से स्वयं का भरण पोषण करने में असमर्थ है, निम्न मामले में धारा 5 के अधीन आवेदन करने का हकदार होगा।

(क) अपनी सन्तान में से एक या अधिक के विरूद्ध, जो अवयस्क नहीं हो, अभिभावक या दादा/नाना,

(ख) धारा 2 के खण्ड (छ) में निर्दिष्ट अपने ऐसे नातेदार के विरूद्ध संतानहीन वरिष्ठ नागरिक।

(2) वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण करने के लिए सन्तान या नातेदार, यथास्थिति की बाध्यता ऐसे नागरिक की आवश्यकताओं तक विस्तारित होती है, ताकि वरिष्ठ नागरिक सामान्य जीवन व्यतीत कर सके।

(3) अपने अभिभावक का भरण पोषण करने के लिए सन्तान की बाध्यता ऐसे अभिभावक या तो पिता या माता या दोनों यथास्थिति, की आवश्यकताओं तक विस्तारित होती है, ताकि ऐसा अभिभावक अपना सामान्य जीवन व्यतीत कर सके।

(4) ऐसा कोई भी व्यक्ति जो वरिष्ठ नागरिक का नातेदार है और पर्याप्त साधन रखता है, ऐसे वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण करेगा, परन्तु वह ऐस वरिष्ठ नागरिक की सम्पत्ति के आधिपत्य में हो या वह ऐसे वरिष्ठ नागरिक की सम्पत्ति का दाय प्राप्त करेगा, परन्तु जहाँ एक से अधिक नातेदार वरिष्ठ नागरिक की सम्पत्ति का दाय प्राप्त करने के हकदार हों, तो ऐसे नातेदार द्वारा उस अनुपात में, जिसमें वे उसकी सम्पत्ति का दाय प्राप्त करेगें, भरण पोषण देय होगा।

धारा (5) भरण पोषण के लिए आवेदन निम्न द्वारा किया जा सकता है –

(क) वरिष्ठ नागरिक या अभिभावक, यथास्थिति द्वारा, या

(ख) यदि वह असमर्थ हो, तो किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या उसके द्वारा प्राधिकृत संगठन द्वारा या

(ग) अधिकरण स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान ले सकता है।

स्पष्टीकरण – इस धारा के प्रयोजन के लिए संगठन से सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 (1860 का सं. 21) या तत्समय प्रकृति किसी अन्य विधि के अधीन पंजीकृत कोई भी स्वैच्छिक एसोसिएशन अभिप्रेत है।

(2) अधिकरण इस धारा के अधीन भरणपोषण के लिए मासिक भत्ते से संबंधित कार्यवाही के लम्बन के दौरान ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिसमें अभिभावक शामिल है, के अंतरिम भरणपोषण के लिए मासिक भत्ता करने और ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिसमें अभिभावक शामिल है, को उसका भुगतान करने के लिए ऐसी संतान या नातेदार को आदेश कर सकता है, जिसे अधिकरण समय–समय पर निर्देशित करें।

(3) उपधारा (1) के अधीन भरणपोषण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर संतान या नातेदार को आवेदन का नोटिस देने के पश्चात् और पक्षकार को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् भरणपोषण की राशि निर्धारित करने के लिए जांच कर सकता है।

(4) मासिक भत्ते के लिए भरणपोषण के लिए और कार्यवाही के लिए उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत

आवेदन ऐसे व्यक्ति के आवेदन के नोटिस की तिथि से नब्बे दिनों के भीतर निस्तारित किया जायेगा, परन्तु अधिकरण लेखबद्ध किये जाने वाले कारणों के लिए अपवादिक परिस्थतियों में तीस दिनों की अधिकतम अवधि के लिए एक बार उक्त अवधि को बढ़ा सकता है।

(5) उपधारा (1) के अधीन भरणपोषण के लिए आवेदन एक या अधिक व्यक्तियों के विरूद्ध प्रस्तुत किया जा सकता है, परन्तु ऐसी सन्तान या नातेदार भरणपोषण के लिए आवेदन में अभिभावक का भरणपोषण करने के लिए दायी अन्य व्यक्ति को शामिल कर सकते हैं।

(6) जहां भरणपोषण आदेश एक से अधिक व्यक्ति के विरूद्ध किया गया था वहां उनमें से एक की मृत्यु भरणपोषण का लगातार भुगतान करने के अन्य व्यक्तियों के दायित्वों को प्रभावित नहीं करती है।

(7) भरणपोषण के लिए कोई ऐसा भत्ता और कार्यवाही के लिए व्यय आदेश की तिथि से या यदि ऐसा आदेश किया जाये, भरणपोषण के लिए या कार्यवाही के व्यय के लिए, यथास्थिति, आवेदन की तिथि से देय होगा।

(8) यहि सन्तान या नातेदार जिन्हें ऐसे आदेश दिया गया हो, पर्याप्त कारण के बिना आदेश की पालना करने में पर्याप्त कारण के बिना आदेश की पालना करने में असफल हो जाता है तो ऐसा कोई भी अधिकरण आदेश के प्रत्येक उल्लंघन के लिए जुर्माना उद्ग्रहित करने के लिए वारण्ट जारी कर सकता है और भरणपोषण के लिए प्रत्येक माह के भत्ते के पूर्ण भाग या किसी भाग के लिए और कार्यवाही के व्यय के लिए, यथास्थिति वारण्ट के निष्पादन के पश्चात् शेष रही अवधि तक ऐसी अवधि के कारावास से ऐसे व्यक्ति को दण्डदिष्ट कर सकता है, जो एक माह तक हो सकता है या जब तक कि भुगतान नहीं किया जायें, जो भी पहले हो, परन्तु कोई भी वारण्ट इस धारा के अधीन देय किसी राशि की वसूली के लिए तब तक जारी नहीं किया जायेगा जब तक कि उस तिथि से जिस पर यह देय हुई तीन माह की अवधि के भीतर ऐसी राशि उद्ग्रहित करने के लिए अधिकरण को आवेदन नहीं किया जायें।

❑❑❑

प्रेरणादायक एक लघु कथा – संकल्प शक्ति

– देव शर्मा



एक बार भगवान बुद्ध से उनके शिष्य ने पूछा – प्रभु क्या संसार में ऐसी भी कोई वस्तु है जो चट्टानों से भी अधिक कठोर है ? भगवान बुद्ध ने कहा – ''हाँ लोहा चट्टानों से भी कठोर है।'' शिष्य ने फिर पूछा – ''क्या लोहे से भी कठोर कोई चीज है ?'' भगवान बुद्ध ने कहा – ''हाँ अग्नि है, यह लोहे को पिघला देती है।'' शिष्य ने पुनः पूछा – ''अग्नि से बढ़कर कौन सी वस्तु है ?'' भगवान बुद्ध ने उत्तर दिया – ''पानी जो अग्नि को भी बुझाने की शक्ति रखता है।'' शिष्य की जिज्ञासा अब भी शांत नही हुई। उसने पुनः प्रश्न किया – ''पानी से भी श्रेष्ठ कोई वस्तु होती है ?'' भगवान ने कहा – ''हाँ है, वायु है जो पानी के प्रवाह को बदल देती हैं।'' शिष्य ने फिर पूछा – ''और वायु से श्रेष्ठ कौन सी वस्तु है ?'' भगवान बुद्ध ने उत्तर दिया – ''मनुष्य की संकल्प शक्ति। संकल्प शक्ति के द्वारा मनुष्य वायु को भी अपने वश में कर सकता है। संकल्प शक्ति के बल पर मनुष्य कई ऐसे कार्यों को सम्पन्न कर लेते हैं जो सामान्य लोगों के लिए आजीवन असंभव जान पड़ते हैं।''

❑❑❑

मन की शांति

– देवीशंकर शर्मा



मनुष्य को अपने जीवन का लक्ष्य मालूम नही है। निर्धन पुरुष समझता है कि यदि उसे धन प्राप्त हो जाये तो मैं सब भाँति सुखी हो जाऊँ। किसी वस्तु का अभाव मुझे शोकाग्नि से नहीं जला पायेगा। परन्तु वह व्यक्ति इसके विपरित फल को ही प्राप्त करता है। अपरिमित धन प्राप्त होने पर उसके सुरक्षित रखने की चिंता, कोई उसे ले, ना ले इसलिए हर व्यक्ति पर अविश्वास, उससे भय। धनवान भी अशांत दिखाई देते हैं। धनवान को संतान की कमी, धनवान संततिमान पुरुष को भी अनुकूल आज्ञाकारी पुत्र की कमी। खूब धन और आज्ञाकारी पुत्र के होने पर भी रोग ग्रस्त पुरुष को आरोग्य की कमी बनी रहती है। अपार धन अनुकूल संतति तथा आरोग्य लाभ होने पर भी सर्वोत्कृष्ट पद पाने की लालसा क्षुब्ध कर देती है। सर्वोत्कृष्ट पदवी पाने पर भी अनेक प्रकार की चिंतायें जीव के महान सुख को विषमय बना डालती है। हमेशा प्राणों का भय बना रहता है।

भला अपूर्ण तृप्ति, शून्य, अशांत, विनश्वर पदार्थों से शाश्वत शांति–आनन्द लाभ कैसे हो ? आनन्द के दो प्रकार हैं – (1) साधन जन्य (2) स्वयंसिद्ध। साधन जन्य आनन्द विषय आनन्द साधन या विषय के नाश होने पर नष्ट हो जाता है। धर्म और ईश्वर को भूलने वाला कभी सुखी नहीं हो सकता। पहले क्रम था धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष परन्तु हम लोगों ने क्रम बदल लिया है पहले अर्थ उपार्जन इसके बाद काम याने सांसारिक विषयोपभोग। शरीर और वस्त्र को जैसे निर्मल किया जाता है। वैसे मन को नहीं।

हम वयोवृद्ध हो गये, शरीर से असमर्थ, भोजन बनाकर नहीं खा सकते। पेंशन का सहारा है पर नीजि सेवाओं में रहे नागरिक को तो उसका भी सहारा नहीं। बेटे बहुओं पर जीवन निर्भर रहता है। बेटे को पिता के पास बैठने का उनका हाल–चाल जानने का समय नहीं। माता बहने जरा अधिक चतुर होती हैं, अपनी और अपनो की भोजन सामग्री जरा अच्छी बाकी चालू। बहू ससुर को रात का बचा हुआ भोजन देती, शाम को सुबह जो कुछ बचा वो। वे कहें तो किसे ? अपने पोते को उसका (Home Work) गृहकार्य करवाने लगे। उसके साथ थोड़ा समय हंसी मजाक भी करते कभी उसके साथ खेलते भी। इस प्रकार पोत्र में स्नेह जागृत हो गया। स्कूल का अवकाश था माँ ने उसको थाली में भोजन दिया, और एक थाली में रात का बचा भोजन सब्जी दी जा दादाजी को दे आ। पोते ने अंतर भाँप लिया उसने अपनी थाली दादा को दी उन्होंने भोजन किया बोले बेटा आज बहुत अरसे के बाद ताजा और स्वादिष्ट भोजन मिला है। पोता बोला आपको रोज दोनो समय ऐसा ही भोजन मिलेगा। आपको दिया जाने वाला (माँ के द्वारा) भोजन मैं खाऊँगा। लड़के की माँ सुन रही थी। समझ गई दादा पोते का प्रेम ये रंग लाया। उसने बासी भोजन जानवरो को देना शुरु कर दिया। दादा पोते को ताजा भोजन–नाश्ता मिलने लगा। इस प्रकार सांसारिक सुख तो मिला। पर मन अशांत क्योंकि जो सर्वदा परिपूर्ण है नित्य तृप्त हैं नितांत शांत है सच्चिदानन्द है उस पर ब्रह्म परमात्मा की ओर तो प्रवृत्ति ही नहीं होती।

परमात्मा की ओर प्रवृत्ति हो इसका सीधा सरल उपाय है 'नाम जप'। शास्त्रों में 'ॐ' को अक्षर ब्रह्म कहा गया है। तीन अक्षर अ, उ, म से बना है अर्थ अनन्त ऊर्जा मय इसी के समानान्तर शब्द है 'राम' र अक्षर सूर्य की शक्ति रखता है, आ अग्नि की शक्ति रखता है, म अक्षर चन्द्रमा की शक्ति रखता है। सत्संग में सभी लोग कमरे में बैठे हुए राम, राम राम बोल रहे थे। कमरे का द्वार बंद था परंतु रोशन दान से, खिड़कियो से जो आवाज बाहर आ रही थी वह थी ओ३म्, ओ३म्। इस प्रकार दोनो में से किसी भी शब्द का जप करेंगे तो मन निर्मल होगा। संसार के सभी प्राणियों मे ब्रह्म भाव जागृत होगा तो रागद्वेष स्वयं ही मिट जायंगे मन को शांति प्राप्त होगी।

❑❑❑

अहिंसा और शाकाहार

– डॉ. निहालचन्द पारख



अहिंसा मनुष्य की पहली पहचान है। मनुष्य की मौलिकता और उसके स्वभाव का जीवन सूत्र है– अहिंसा हिंसा मनुष्य की निर्मिति है। जितनी कम हिंसा हो, उतना ही जीवन श्रेष्ठतर होगा। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व शांति के लिए अहिंसा के महत्व को स्वीकार करते हुए गाँधी जयन्ती (2 अक्टूबर) को ''विश्व अहिंसा दिवस'' घोषित किया है। शांति, प्रेम, करूणा, दया, कल्याण, अभय, रक्षा और अप्रमाद अहिंसा के पर्याय हैं। आत्मीयता, त्याग, समता व करूणा अहिंसा के आधार हैं। सभी धर्म ग्रंथ व धर्माचार्य अहिंसा को प्रथम धर्म मानते हैं तथा शाकाहार का अनुमोदन करते हैं।

अहिंसक आहार शाकाहार के द्वारा विश्व की विभिन्न समस्याओं यथा–खाद्यान्न समस्या, जल समस्या, अपराध वृद्धि, रोग वृद्धि आदि पर नियंत्रण पाया जा सकता है। शाकाहार सहज न्याय, धार्मिक, नैतिक, आध्यात्मिक, महापुरुषों, सामाजिक दृष्टिकोण, आर्थिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, खाद्य, स्वास्थ्य विज्ञान व चिकित्सा के दृष्टिकोण से सर्वश्रेष्ठ है। मानव के लिए आवश्यक सभी विटामिन, मिनरल लोहा व अन्य कार्बोहाइड्रेट इत्यादि इनसे प्रचुर मात्रा में प्राप्त होते हैं।

चैन्नई से प्रकाशित राष्ट्रीय अखबार ''दी हिन्दू'' द्वारा कराये गए एक सर्वेक्षण के अनुसार (1) भारत में कुल 40% व्यक्ति शाकाहारी है जिनमें केवल 34% महिलाएँ व 28% पुरुष हैं। (2) राजस्थान में 63%, हरियाणा में 62%, पंजाब में 48%, मध्यप्रदेश में 35% व सबसे कम 2% केरल में शाकाहारी है। (3) 13% व्यक्ति शराब पीते हैं तथा 27% बीड़ी, सिगरेट पीते हैं। (4) पाश्चात्य देशों में वैज्ञानिक आधार पर शाकाहार का प्रचार हो रहा है। अमेरिका में लगभग 2 करोड़ व्यक्तियों ने शाकाहार अपनाया है।

मांसाहार के बारे में बहुत से व्यक्तियों में यह धारणा है कि मांसाहार शक्तिवर्धक है किन्तु वैज्ञानिक आधार पर यह सिद्ध हो चुका है कि शाकाहार में प्रयुक्त फलों, सब्जियों इत्यादि में आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इनसे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 160 प्रकार की बिमारियाँ जानवरों के मांस से फैलती है। कैरोटी नाइड रसायन युक्त शाकाहारी खाद्य सामग्री का उपयोग करने से कैंसर का जोखिम घट जाता है। शाकाहारी मनुष्यों का आई क्यू स्कोर भी ज्यादा होता है।

(1) फलों यथा अंगूर, स्ट्राबेरी, अमरूद, पपीता इत्यादि में विटामिन, एन्टीआक्सीडेन्ट इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाये जाते है, जिनसे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

(2) खजूर में आयरन व फाइवर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

(3) अंकुरित अनाज में विटामिन व खनिज प्रचुर मात्रा में होते है।

(4) अम्लीय गुणों से युक्त नींबू रोगनाशक व रोग प्रतिरोधक शक्तिवर्धक है।

(5) अंगूर, सेब, अनार, सन्तरा, कद्दू का जूस अलग–अलग बिमारियों को दूर करने में मदद करता है।

(6) पिस्ता, अखरोट व बादाम ब्लड शुगर कम करता है मस्तिष्क के लिए लाभप्रद है।

(7) हल्दी, दालचीनी, सौंफ, लाल मिर्च, आदि मसाले स्वास्थ्यवर्धक है व बिमारियाँ को दूर करते हैं।

(8) गेहूँ के ज्वारे रक्त शुद्धि का कार्य, कैंसर तथा अन्य कई बिमारियों को दूर करते हैं।

(9) हरी पत्ती वाली सब्जियाँ, बीन्स, पालक इत्यादि लोह तत्व, प्रोटीन, पोटेशियम, फोलिक अम्ल उपलब्ध करवाती है।

व्यसन

(1) तम्बाकू में निकोटिन, पाइरिन, संखिया इत्यादि 33 प्रकार के जहर पाये जाते है।

(2) शराब पीने से लीवर सिरोसिस के साथ कोलन कैंसर का खतरा सर्वाधिक होता है।

(3) जंक फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

(4) बच्चों की पसन्द जैसे गमीबाल्स, जैली, पुडिंग, एनर्जीबार व बैफर में जिलेटिन होता है जो शाकाहारी नहीं है।

(5) आइसक्रीम में खुशबू के लिए पेपरानील, एल्डिहाइड, एथिल एसिटेट इत्यादि हानिकारक रसायन मिले होते है। कुछ आइसक्रीम में अण्डों का रस व जिलेटिन होता है।

(6) चाकलेट में निकल होने से बच्चों में कैंसर, चर्मरोग होते है व लीवर पर विपरीत असर पड़ता है। चाकलेट में ''कृत्रिम रंग भी उपयोग में लाये जाते है।''

अतः हमें शाकाहार अपनाने के साथ ही व्यसन का भी त्याग करना चाहिए।

❑❑❑

लोभ बुरी बला है

- सुमित्रा यादव



रामदयाल (काल्पनिक नाम) के दो लड़के थे। एक पढ़–लिखकर सरकारी दफ्तर में बाबू भरती हो गया, दूसरा प्राइवेट नौकरो में भरती हुआ। बच्चों के रिश्ते आने लगे व बड़े लड़के का अमीर परिवार से रिश्ता आया और शादी हुई व दहेज भी अच्छा आया, घर में बड़ी खुशियाँ मनाई गई। बहू की पहली रात बीती। देर से जगी व आकर बोली, ''मम्मी चाय नहीं बनाई, खैर मैं बना लेती हूँ।'' वह दो कप चाय अपने कमरे में बनाकर ले गए, मम्मी–पापा के पैर छुए, दूसरे रिश्तेदारों को सिर्फ नमस्ते किया, जैसे पीहर में देखा वैसा ही किया। वह हर बात पर मेरे पीहर में तो ऐसा होता है, नाश्ता बाजार से आता है, यहाँ बनाना पड़ता है। पतिदेव परेशान, माँ का ध्यान रखूँ या श्रीमती जी का भाषण सुनूँ, खैर..

अब दूसरे लड़के की शादी की जब बात आई, रामदयालजी में अकल आई, अपने से छोटे व सुसंस्कारित घर का रिश्ता किया– बहू ने कुछ ही समय सब लोगों का दिल जीत लिया। सास–श्वसुर कभी कड़वा भी बोल गए तो पतिदेव को समझाया माता–पिता देव समान हैं व घर में शान्ति बहुत जरूरी है। कारण पढ़ा है –

''जहाँ सुमति तहँ सम्पत्ति नाना।
जहाँ कुमति तहँ विपत्ति निधाना।।''

सास बैठी बैठी सोच रही है मेरे कहने को तो दो बहुएँ है एक बेटे को तो बहू ले उड़ी – अमीर घर की थी। खैर एक बेटा व बहू बुढ़ापे में सेवा कर रहे हैं। भगवान इनको सुखी रखे, दुआ दे रही हूँ।

तात्पर्य – हम सब की उम्र बेटे या पोते का रिश्ता लेने की है। हमें संस्कारित घर से रिश्ता लेना चाहिए। लोभ में आकर जिन्दगी में दुःख मोल नहीं लेना चाहिए व घर में सुख–शान्ति बनाए रखने के लिए कि मैंने इतना काम किया व सास–श्वसुर से परदे में रही। बहू पर्दा नहीं करती है ऐसे विचार मन में नहीं आने देने चाहिए। वे भी सुखी रहेंगी घर में भी सब सुखी होंगे। बदलाव जरूरी है।

❑❑❑

अपने मैं को नियन्त्रण में रखें ताकि एकता हो परिवार एवं जीवन में

– श्रीमती अन्जू अग्रवाल



जीवन में ऐसी उड़ान होनी चाहिए जो अहंकार से नहीं वरन् प्रेम के पंखो से भरी जाए। भारतीय संस्कृति में परिवार को कुटुम्ब का नाम इसलिए दिया गया है कि यह परमात्मा का प्रसाद है जिसमें स्वाद और मूल्य दोनों ही विद्यमान है। परिवार में रहने का सुंदर तरीका यह है कि या तो किसी के हो जाओ या किसी को अपना बना लो। ''हम सब एक है'', यही एक परिवार का आदर्श वाक्य होना चाहिए और एक होने के लिए खुद को मिटना होता है।

जीवन में सफलता का मापदंड यह है कि हमारा भविष्य हर दिन हमारे अतीत से बड़ा होना चाहिए ताकि लोग इस सिद्धान्त को समझकर अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। कामयाबी की सीढ़ी हर दिन चढ़नी पड़ती है। इस सिद्धान्त को अपनाने में गलत मुड़ जाने का खतरा तो है ही परन्तु इससे बड़ा खतरा रुक जाने का है। उपरोक्त अध्यात्मक में ''चरैवेति–चरैवेति'' का सिद्धान्त लागू होता है। ख्याति का शिखर कब ज्वालामुखी के ढेर में तब्दील हो जाए पता ही नहीं चलता इसलिए नई पीढ़ी के लोग अपने बुजुर्गों को वृक्ष मानें तथा अपने पितरों को बीज समझे क्योंकि वृक्ष के पास देने के लिए केवल फल ही नहीं सहारा, छांव, और प्रकृति की शीतलता भी है। इसी प्रकार बड़े बूढ़े लोग नई पीढ़ी के अपने बच्चों को समझें कि हमारी संतानें हमारे ही वृक्ष का फल है। अब कोई वृक्ष अपने फलों से कैसे शिकायत कर सकता है। एक दूसरे के प्रति इतनी तैयारी पूरे परिवार को एक बना देगी।

संसारिक प्रगति के साथ एक समानान्तर आध्यात्मिक उन्नति भी करते रहना होगा। इसमें भी सन्तुलन रखना होगा क्योंकि मनुष्य के भीतर का ''मैं'' केवल अहंकार को प्रकट नहीं करता बल्कि लोभ को भी जाग्रत करता है। ''मैं'' जितना अधिक बलवान होगा उतनी ही इस बात की इच्छा भी जाग जाती है कि संसार की बहुत सारी वस्तुएँ मुझे ही मिल जाएँ। संग्रह की भावना यही से शुरु होता है। ''मैं'' को त्याग में रुचि नहीं होती। मनुष्य के भीतर का ''मैं'' रुई में लपेटी हुई आग की तरह है इसलिए कभी ना कभी यह आग भडकेगी जरूर और इसमे पूरा व्यक्ति झुलस जाता है। अतः रिश्तों में भी एकता और समानता हो जाए, उस दिन परिवार बैकुण्ड हो जायेगा। दरअसल ना तो परिवार एक गुफा है जिसमें पशु रहते हो और ना ही परिवार कोई बिल है जिसमें से चूहे या साँप निकलते हो।

परिवार को बागड़ भी ना बनाया जाए जिसमें भेड़ो के झुण्ड रहते हो। छत और चार दिवारीं होने के बाद भी परिवार एक खुला आसमान होना चाहिए जहाँ सबकी अपनी उड़ान हो।

❑❑❑

जिस तरह कीड़ा कपड़े को कुतर डालता है,
उसी तरह ईर्षा मनुष्य को।

क्रोध मूखर्ता से शुरु होता है, और पश्चाताप पर खत्म होता है।



न कर

- अशोक कुमार मिश्रा

सुख चाहे यदि नर जीवन का जपले प्रभु नाम प्रमाद न कर।
है वही स्मरण योग्य सखा, तू और किसी को याद न कर।।
अस्थिर हैं जग के ठाठ सभी, बिछुड़ गये तो अचरज क्या।
हो लोभ मोह के वसीभूत, सिर धुनकर शोक विषाद न कर।
है वही स्मरण योग्य सखा तू और किसी को याद न कर
धन माल बटोर चाहे जितना, पर इतना ध्यान अवश्य रहे।
अपना घर द्वार सजाने को, औरों का घर बरबाद न कर।।
है वही स्मरण योग्य सखा तू और किसी को याद न कर
पर निन्दा छोड़ अशोक यहाँ आदर्श बना इस जीवन को।
सतज्ञान प्राप्त कर सन्तों से, मूर्खो से यूँ विवाद न कर।।
है वही स्मरण योग्य सखा तू और किसी को याद न कर।
सुख चाहे यदि नर जीवन का जपले प्रभु नाम प्रमाद न कर।
है वही स्मरण योग्य सखा तू और किसी को याद न कर।।

❑❑❑

बुढ़िया छाने वाली की व्यथा

- श्रीमती मनोहर विजय



विशेष–हाड़ौती प्रदेश का कोटा नगर, रामपुरा बाजार, बड़े पोस्ट ऑफिस के पीछे, आज से 50 वर्ष पूर्व मेरे घर के सामने :–
आई बुढ़ियाँ छाने वाली, छाने वाली, छाने वाली,
जब दाँत बुलाते सर्दी में, कपते रहते नभ के तारे।
गद्दों पर गरम, रजाई में, कंपता जग जाड़े के मारे,
तब बड़े सबेरे जंगल में, सिर पर तिरछा डाला धर पर।
जर्जर कम्बल का कवच पहन, बर्फिले मारुत से लड़कर।
गोदर लेने जाने वाली, छाने वाली–2
रे बड़े प्यार की थपकी से, छानों पर छपती अगुंरियाँ
छाने–छाने का दिल कहता, कितनी प्यारी ये अंगुरियाँ
ठिठुराती प्रातः बेला में, जो गीली–गीली अंगुरियाँ,
जलते–जलते जीने वाले छाने वाली–2
छानों का बोझा शीश धरा, बचपन बीता, बीता यौवन,
गर्दन का हिला–हिला ज्यों–ज्यों, कर बीत रहा है चौथापन,
कितनी दुपरियाँ परिचित है, इन शब्दों से ले लो छाने,
रे बड़े–बड़े, मोटे–मोटे, छः आने के लो सो छाने
आई बुढ़ियाँ छाने वाली, छाने वाली–2
रे गली गली बाजारों में, बिकता निज छानों में जीवन
छानों की दुनियाँ की रानी, उसके तो छानों का ही धन
जग को पकवान खिलाते जो, छाने इसको देते टुकड़ा
जो सुबह–शाम मिल जाये बस वही विभु का वरदान बड़ा
कितनी त्यागिन, कितनी भावुक, कितनी महान् छाने वाली
छाने वाली, छाने वाली, छाने वाली–2

❑❑❑



देश की वर्तमान स्थिति

- तानसिंह शेखावत

दिल में आज दर्द का आलम महसूस होता है,
इंसानियत मोहब्बत के रिश्तों का आज खून होता है।
नेताओं के झगड़ों में यह देश बदनाम होता है,
देश रखवालों के हाथों लूट सा दिखता है।
आज हर तरफ लूट का आलम मचा है,
दिल में आज दर्द का आलम महसूस होता है।
आज दुखी है जनता सारी, रोते हैं, बस चिल्लाते है,
रास्तों को रखवालों की जरूरत है,
क्योंकि सभी को लुटेरों का डर है।
हर घूंघट आज खतरा महसूस करता है,
मौत के साये में आज हर घर सोता है।
घर के चिराग ही घर को आग लगाने पर अमादा है,
दिल में आज र्दद का आलम महसूस होता है।
आज कहाँ जाए हम, किसके पास फरियाद करें हम,
कोई रक्षक अब नजर नहीं आता है,
भ्रष्ट लहर से पनपे रक्षकों का सिर्फ रिश्वत से नाता है।
मजहब भी कोई मदद नहीं कर पाता,
रोते हैं कुरान और गीता।
सब अपनी बारी रूके है,
सार्वजनिक लूट का दौर जारी है।
डस लिया देश को देश के जहरीले नागों ने,
आज बह रही हैं जो हवाएं, दोषी है समाज यह सारा,
क्योंकि किसी के कर्त्तव्य को ज़मीर ने नहीं पुकारा,
दिल में आज दर्द का आलम महसूस होता है।
उम्मीदों का असमां बहुत बड़ा है,
क्योंकि हारना हमने नहीं सीखा।
यह पतझड़ का मौसम घड़ी–दो–घड़ी है,
उदासी भरे दिन कभी तो हटेंगे।
दिल में आज दर्द का आलम महसूस होता है।

❑❑❑



देशभक्ति गीत

- श्रीमती शीला सक्सेना

उठो देश के वीरो जागो हमको देश जगाना है,
हिन्दु मुस्लिम गले मिलेगें आतंकवाद मिटाना है।
माँ की गोद का बच्चा–बच्चा, हमको वीर बनाना है,
हर युवक सिपाही बन जाये, माँ को शीश चढ़ाना है,
ये संकल्प हमारा है।
धरती जागो नभ भी जागो, सागर नित्य जगाना है
भारत की पावन मिट्टी पर, दुश्मन की राख उड़ाना है।
ये स्वाभीमान हमारा है।
वीर बनेगें धीर बनेगें, माँ की हम तकदीर बनेगें,
मिली चुनौती जब भी हमको, उसे सदा स्वीकार करेंगे
तन–मन–धन अर्पण करेगें।
हम अपने हाथों में लेकर अपना भाग्य बनाते हैं।
जिस मिट्टी के आंगन में उसकी शान निराली है।
हम सब भारतवासी है।।

❑❑❑

अपनी संस्कृति को पहचानें

– श्रीमती मधुबाला माथुर

दो पक्ष – शुक्ल एवं कृष्ण

तीन ऋण – देव ऋण, पितृ ऋण, ऋषि ऋण

चार आश्रम – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास

चार युग – सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलयुग

पंच देव – गणेश, विष्णु, शिव, देवी, सूर्य

पंच तत्व – पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश

छह दर्शन – वैशेषिक, न्याय, साख्य, योग, पूर्व, मीमांसा

सप्त ऋषि – विश्वामित्र, जमदग्नि, भारद्वज, गौतम, अत्रि, वशिष्ट, कश्यप

आठ लक्ष्मी – आद्य, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग, योग, लक्ष्मी

नव दुर्गा – शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यानी, कालरात्री, महागौरी, सिद्धीदात्री

दस दिशाएँ – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, ईशान, नैत्रृत्य, वायव्य, आग्नेय, आकाश, पाताल

स्मृतिया – मनु, विष्णु, अत्रि, हारीत, याज्ञवल्वय, उशना, अंगिरा, भय, बृहस्पति, पाराशर, व्यास, कात्यायन

❑❑❑



एक कन्या भ्रूण की करूण पुकार

– श्रीमती प्रभारानी शर्मा

माँ मैं जब तुम्हारे गर्भ में आँऊ तो तुम,
आँखों में अपने आँसू मत लाना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
खामोश रहकर अपनी किस्तम पर मत रोना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
अपने दिल को जलाकर, अपनी हँसी को भुला न देना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
मुझ से रुठकर, मुँह मोड़ कर, दुनिया में कहीं फेंक न देना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
दुनिया की उल्टी रीति दोहरा कर, मुझको कोसना मत।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
मेरा नन्हा सा दिल तोड़ न देना, हँसकर अपना आँचल ओढ़ाना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
मेरे आने पर चाहे ढोल–थाली मत बजवाना
लेकिन हँसकर माँ मेरा तुम स्वागत करना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
चाहें मुझे नया खिलौना मत दिलवाना,
किन्तु अपने दामन में, खुशी–खुशी ले लेना।
माँ मैं जब आऊँ तो तुम,
सब कुछ सहकर, गर्व से मस्तक ऊँचा रखना।
अपनी हँसी को मुझे बताने, बस अपने होठों पर रखना।

❑❑❑

23 दिसम्बर 1912 याद आया

- रामाकिशन सैन



अखिरकार अंग्रेजो को 1911 में बंग–भंग का निर्णय वापस लेना पड़ा। सन् 1910 में लार्ड हार्डिंग भारत का वायसराय बन कर आया। उस समय कोलकाता भारत की राजधानी थी, बंगाल स्वतंत्रता आन्दोलन का केन्द्र बना हुआ था, अतः अंग्रेजो ने 1912 में राजधानी कोलकाता से दिल्ली करने का फैसला किया। वायसराय के नई राजधानी दिल्ली मे प्रवेश करने की तिथि 23 दिसम्बर 1912 तय हुई। क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजो को चुनौती देने का इसे अच्छा–अवसर माना। भारी गाजे–बाजे के साथ निकल रही शोभा–यात्रा में हाथी पर सवार लार्ड हार्डिंग पर चोंदनी चौक मे एक ताकतवर बम से प्रहार किया गया।

वायसराय की जान तो बच गई, लेकिन अंग्रेजो के मुँह पर एक करारा तमाचा पड़ गया। विश्वभर में फैले स्वतंत्रता प्रेमी प्रसन्नता से नाच उठे। इस बम प्रहार के योजनाकार थे महान् क्रान्तिकारी रायबिहारी बोस तथा बम फैका था वसंत कुमार विश्वास ने। इस महान योजना को साकार रूप देने में राजस्थान के युवा क्रान्तिकारी प्रताप सिंह बारहठ भी शामिल थे। आगामी 23 दिसम्बर से इस पुण्य प्रद घटना के सौ साल पूरे हो रहे है। इसी अवसर पर उक्त घटना का संक्षिप्त विवरण यहाँ प्रस्तुत है।

लाहौर में दिल्ली प्रवेश के समय वायसराय पर बम प्रहार की पूरी योजना बनी। दिल्ली के मास्टर अमीरचन्द, बलराज तथा राजपूताने के प्रतापसिंह बारहठ भी इससे शामिल थे। बहुत सोच विचार के बांद बड़ी बारीकी से योजना बनाई गयी। योजनानुसार बम लेने के लिये रासबिहारी को लाहौर और दिल्ली भेजा गया गया। उन दिनों सिगरेट लोहे के छोटे टिनों में आती थी। इन टिनो में बड़ी कुशलता से बम बनाये गये थे, जो छोटे होने के कारण आसानी से लाये ले जाये जा सकते थे।

21 दिसम्बर 1912 के दिन वसंत कुमार दिल्ली पहुँच कर मास्टर अमीरचंद के घर ठहरा। अवध बिहारी भी उसी दिन दिल्ली आ गये। अगले दिन रासबिहारी भी दिल्ली पहुँच गये। योजना में सम्मिलित उनके शेष साथी भी दिल्ली पहुँच गये। सावधानीपूर्वक वायसराय की शोभा–यात्रा के पूरे रास्ते की पड़ताल की गई तथा वह स्थान भी चुन लिया गया, जहाँ से बम फैका जाना था। 22 की रात पुनः पूरी योजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

23 दिसम्बर 1912 को बड़ी शान और शौकत के साथ वायसराय ने दिल्ली में प्रवेश किया और गाजे बाजे के साथ उसकी शोभा यात्रा निकलने लगी। देशी रियासतों के अधिकांश राजे–महाराजे शोभा यात्रा में साथ थे। सबसे आगे सेना का विशाल बैण्ड बज रहा था। उसके पीछे बन्दूकधारी सिपाहियों की एक कम्पनी थी। उसके पीछे सशस्त्र घुडसवारों का दल था। इसके बाद एक सजे हुए हाथी पर लार्ड हार्डिग बैठा था। हाथी पर होदे पर भीतर आगे होर्डिंग की पत्नि और पीछे छत्र ताने हुए जमादार महावीर सिंह था। वायसराय के हाथी के पीछे रियासतों के राजा तथा अंग्रेज अधिकारी थे। मार्ग के दोनो और मकानों की छतों पर जनता की भारी भीड़ इस शोभा–यात्रा को देख रही थी।

शोभा यात्रा को दिल्ली के चाँदनी चौक से भी गुजरना था। वहाँ के पंजाब नेशनल बैंक की छत पर महिलाओं की भीड़ जमा थी और उसी के नीचे रासबिहारी बोस एक मारवाड़ी सेठ का भेष धारण किये खडे थे वायसराय का हाथी पंजाब नेशनल बैंक के सामने पहुँचा ही था कि अचानक बिजली सी

चमकी और एक जोरदार धमाका हुआ। रंग में भंग हो गया। चारो ओर भगदड़ मच गई। धमाके का धुँआ साफ हुआ तो लोगों ने देखा कि वायसराय महोदय हौदे में लुढ़के हुए है और जमादार महावीर सिंह नीचे लटका हुआ है। लार्ड हार्डिग का भाग्य अच्छा था, वह बाल–बाल बच गया और उसके स्थान पर जमादार मारा गया। वायसराय भी अछूता नही बचा था, एक चार इंच लम्बा घाव उसकी पीठ में हो गया था।

सिगरेट की डिब्बी से बना यह शक्तिशाली बम बंसत कुमार विश्वास ने फेका था। वह छोटे कद का तथा गोरे रंग का सुदर्शन युवक था। अतः उसने एक महिला का वेश बना रखा था। बम उसने पहन रखी हुई साड़ी में छिपा रखा था तथा उस पर फूल मालाएँ लपेट रखी थी। बैक की छत पर वह महिलाओं के साथ ही सबसे पीछे बैठा था। उसके संरक्षक के रुप में रास बिहारी नीचे खड़े थे। धमाके के बाद मची भगदड़ में वह अपने संरक्षक के साथ चांदनी चौक की गलियों मे गायब हो गया।

बम के प्रहार से वायसराय बच तो गया पर इस धमाके से पूरी दुनिया मे तहलका मच गया। ब्रिटिश सरकार इस धमाके से सन्न रह गई। स्वतंत्रता आन्दोलन की धमक इस बम प्रहार में अंग्रेजो को अच्छी तरह सुनाई दी। वास्तव में यह एक साहस भरी योजना थी। शोभा यात्रा में चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात थी। सेना की एक कम्पनी भी तैनात थी। साथ ही साथ खुफिया पुलिस के लोग सादा वेश में शोभा यात्रा के कई दिन पहले से पूरे मार्ग की चौकसी कर रहे थे। इतने जबर्दस्त सुरक्षा कवच को भेद कर वायसराय पर प्रहार करना किसी चमत्कार से कम नही था।

धमाके के बाद रास बिहारी बोस तुरन्त देहरादून पहुँच कर नौकरी पर हाजिर हो गये। वसंत कुमार लाहौर पहुँच गये। अंग्रेज पुलिस ने बहुत हाथ–पैर मारे पर उसे कोई सुराग हाथ नही लगा आखिर अपराधी को पकड़ने के लिये आज से सौ साल पहले एक लाख रुपये का ईमान घोषित किया गया। फिर भी कोई सफलता नही मिली। रासबिहारी बोस अब देहरादून से ही अंग्रेजो के खिलाफ पर्चे छपवा कर दिल्ली और पंजाब भेजने लगे। इन पर्चो के सिलसिले में पुलिस ने लाहौर में एक मकान की तलाशी ली तो वहाँ एक कागज पर दीनानाथ लिखा मिल गया। पुलिस ने लाहौर में जितने दीनानाथ थे, सबको पकड़ लिया। उन्हीं में से एक क्रांतिकारियों का साथी दीनानाथ भी था। वह कमजोर निकला और सारा भेद उसने खोल दिया। फलस्वरूप मास्टर अमीरचंद, अवधबिहारी, बलराज, भाई बालमुकुन्द तथा वसंत कुमार पकड़े गये। पहले से हजारी बाग जेल में बन्द ठाकुर केसरी सिंह बारहठ को भी इस मामले में आरोपित किया गया। उनके अनुज जोरावर सिंह तथा पुत्र प्रतापसिंह को भी आरोपी बनाया गया।

जोरावर सिंह अंग्रेजो के हाथ नहीं आये पर प्रताप बन्दी बना लिया गया। मुकदमा चला तथा 5 अक्टूबर 1914 के दिन मास्टर अमीरचन्द, भाई, बालमुकुन्द और अवध बिहारी को मृत्युदण्ड का पुरस्कार मिला। वसंत कुमार को काले पानी की सजा मिली थी, जिसे भी बाद में फाँसी में बदल दिया गया। प्रताप सिंह बारहठ को आजीवन कैद मिली किन्तु उसने बरेली जेल में पुलिस के अत्याचारों से प्राण त्याग दिये। लाला हनुमन्त सहाय और बलराज को सात–सात वर्ष का कारावास मिला।

अंग्रेज सरकार अब पूरी ताकत से रासबिहारी बोस पीछे पड़ गई लेकिन उनकी छाया भी सरकार की पकड़ में नही आई। 5 जून 1915 को वे सुरक्षित जापान पहुँच गये।

❑❑❑

आंकलन

– भारत भूषण सिन्हा



जीवन का धरातल, जहाँ से उम्र का ढ़लान वृद्धावस्था की ओर बढ़ चलता है– रवीन्द्र खड़ा सोचने का प्रयास कर रहा था कि जीवन के इस लम्बे अन्तराल को वह इतनी जल्दी लांघ गया ? इस अवधि में उसका योगदान, प्रयास, सफलता–असफलता, क्या खोया और पाया, इन तथ्यों का आकंलन कर पाना संभावित हो सकेगा ? बाल्यवस्था में स्कूल की पढ़ाई, अनुशासन की सीख, युवावस्था में कॉलेज का खुला–वातावरण, स्वयंपाठी और अध्ययनरत होने का संकल्प किन्तु सह–शिक्षा के परिवेश में व्यक्ति अनायास ही प्रेम के इजहार को भी एक विषय बना बैठता है जिस के लिए किताब नोट्स का आदान प्रदान, सेमीनार में पेपर रीडिंग के लिए लाइब्रेरी में अध्ययनरत हो जाना या फिर वार्षिकोत्सव में भाग लेते हुए नजदीकियाँ बढ़ाने का प्रयास एक प्रक्रिया बन जाती है। वह भी संगीत का शौकिन था, सितार बजाना, एक पैतृक गुण सा था उसमें। ओर इसी प्रतिभा के कारण एक सहपाठिन आकर्षित हो गई थी, वह स्वयं भी इस ओर बढ़ता कि स्नाकोत्तर के अन्तिम वर्ष के प्रथम चरण में ही सरकारी नौकरी में चयन हो गया। जीवन के स्वर ही बदल गये, पढ़ाई अधूरी रह गई।

जीवन का लक्ष्य यह तो नहीं था। धीरे–धीरे ऑफिस की कार्य–शैली, वातावरण और कार्य में सिद्धहस्त होना, पद–प्रमोशन के लोभ–जाल में वह धिरता गया। इसी व्यस्तता में माता–पिता ने उसे विवाह बन्धन में बांध दिया। जीवन–संगनी नाम अनुराधा उसके विचारो, सपनों पर अधिकार करती चली गई। दाम्पत्य के इस जीवन में वे दो से तीन और फिर चार अर्थात् एक लड़का और एक सुन्दर सी लड़की नाम रख दिया अरविन्द और अनुपमा।

रवीन्द्र के परिवार में छोटे भाई उनके अपने व्यवसाय और नौकरियों में व्यस्त हो गये बहिनों की शादी रचा ससुराल भेज माता–पिता भी अपने दायित्व से मुक्त हो, ईश्वर भक्ति करते प्रभु में लीन हो गए। घर–परिवार की जिम्मेदारी, बच्चों की पढ़ाई में धन के जुगाड़ मे पत्नी– अनुराधा भी सहयोगी बन गई। जिन्दगी इतनी जटिल होती है, सोचा भी न था। सन्तुष्टि केवल वह थी कि कॉलेज के सहपाठियो की आज भी सानिध्य था, वही पारिवारिक संबधो की सी मधुरता, ताजगी। यद्यपि, उसे आश्चर्य था कि ने सभी एक नये रुप और अस्तित्व में उभर कर सामने आये– माथुर, विज्ञान के छात्र थे किन्तु आजकल साहित्य में अनुवाद के क्षेत्र में स्थापित हो चुके थे, अग्रवाल ने कॉलेज समय में खूब नेतागिरी की किन्तु अब राजनीति से दूर, अपने व्यवसाय और उत्पाद के बढ़ोतरी में धन्ना–सेठ बनने के बावजूद स्थानीय संगठनो, धार्मिक कार्यो और सामाजिक उत्थान के लिए सहर्ष अनुदान करने वे पीछे न रहता। जैन एक अच्छे शिक्षाविद् बन युवा वर्ग के मानस में अच्छे संस्कारों के उपजाने में लीन थे तो जनाब रहमान भाई अपने पुश्तैनी कार्य खादिम को अपनाये, जायरीनों की खिदमत करने उनकी सुविधाओं को बाउसूल उपलब्ध कराने में व्यस्त रहते फिर भी ईद के मुबारक मौके पर मिलना–आना न भूलते थे। यह सब सकून था।

बच्चों की पढ़ाई में आशातीत सफलता और परिणाम, रवीन्द्र को विश्वास दिला रहे थे कि एक दिन अरविन्द जरूर इंजीनियर बन कर उच्च पद पर आसीन हो जायेगा और वही दूसरी और वे लोग अनुपमा के लिए आश्वस्त थे कि उसके लिए एक अच्छा प्रतिष्ठित घर वर ढूँढ लेंगे। जीवन के इस

सरल समीकरण को दोनों ने ही स्वीकार नहीं किया। अरविन्द, नौकरी के सीमित दायरे, आय और कार्य–बौझ से जैसे परिचित था, सो स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने में संघर्षरत हो गया। अनुपमा एक शिक्षिका के बतौर व्यस्त रहते शादी के प्रति अपनी रुझान कम ही दिखलाती। फिर भी समाज–परिवारजनों की बन्दिश में एक अच्छा वर ढूँढ लेने की चिन्ता समाई रहती थी। और इन्हीं सब उतार–चढ़ाव के मध्य सेवानिवृत्ति की घड़ी भी आन पहुँची। रोज की दौड़–धूप और आफिस की बंधी जिन्दगी से मुक्ति मिली घर के छोटे–छोटे कार्य और चारदिवारी में जीवन व्यस्त हो चला। जीवन इस नये परिवेश को आत्मसात करने की चेष्टा में लगा था कि अनुराधा ने सजग करते से बताया कि प्रवीण आया है।

रवीन्द्र के मन–मस्तिष्क में एक जिज्ञासा, एक प्रश्न सा उठा। पड़ौस के ही, है मकवाना के सुपुत्र है प्रवीण। बैंक में अधिकारी पद के लिए चयन हुआ है, प्रोवेशन–पीरियड भी समाप्त हो गया है और अब पोस्टिंग आर्डर मिलने वाला है सो मिलने चला आया। उसी गर्म जोशी में उसने भविष्य की सुखद कल्पना का खाका खीचते हुए अभिव्यक्त किया कि उसकी इस सफलता का आधार अनुपमा की प्रेरणा और दिशा–निर्देश रहा है, उसके विश्वास और व्यक्तित्व के निर्माण में उसका ही योगदान है। प्रवीण ने अनुराधा के चरण स्पर्श किये और उससे हाथ मिलाते हुए वह चला गया। वह हतप्रम सा निहार रहा था– अनुपमा के मुख पर लाज की लालिमा छा गई थी। अरविन्द उसको चुटकी काटते हुए अपनी खुशी का इजहार कर रहा था कि सहसा उसके पास आ चरण स्पर्श किए और फिर सीने से चिपक गया था।

वह अनुराधा की सुन रहा था – उठिये! जाति भेद–भाव, ऊँच–नीच और वर्ण–वर्ग की गुत्थियों में न पड़े। खुले मन और उत्साह के साथ बेटी की शादी की तैयारियाँ कीजिये। शाम को मकवाना जी के यहाँ चलना है। यह मूक जिन्दगी का आंकलन कर रहा था।

❑❑❑



भक्ति की धारा

- धर्मीचन्द जैन

परम पावन भक्तिधारा, हृदय में अपने बहायें।
आत्मा पर कलुष का जो आवरण उसको हरायें।।
परम पावन.......

नित्य के व्यवहार में हो सरलता लक्षण हमारा,
आचरण की शुद्धता से कर्म हो पावन हमारा,
समता योगी हम बनें और समता का निर्झर बहायें।।
परम पावन.......

अज्ञान की पर्तें हटें तो, भीतरी तम भाग जाये,
दूसरों को जान ले पर पहले निज को जान पायें,
है उजाला हम सभी में समझ लें उसको फैलायें।।
परम पावन.......

सत्य में विश्वास दृढ़ हो, चित्त डॉवा डोला हो ना,
छल कपट से दूर हो मन, लोभ से लिपटे कभी ना,
छिन्न कर सब उलझनों को, आत्म चेतना को जगायें।।
परम पावन.......

बून्द भी हम भी सरोवर, आत्म भी परमात्मा हम,
परम शक्ति पुंज भी इस योग्यता को जान लें हम,
स्वयं के स्वामी बनें और परम पद का लक्ष्य पायें।।
परम पावन भक्ति धारा.........
आत्मा पर कलुष..................

❑❑❑



उम्र का तकाजा

– बी.एस. साँखला

गुजरते वक्त ने यारा, मुझे सिकन्दर बनाया,
इस वक्त का लहमा न जाने कब गुजर गया,
अब शेष वक्त, हिसाब मांग रहा है, बीते दौर का,
अब यारों बदलते समय की नब्ज को पहचानों,
ईश्वर की दी जीवन की बख्शीश, अब वक्त पर लौटानी है।

पीड़ाओं का नाग पास, डसने कदम कदम पर बढ़ रहा है,
काल के इस अवसाद से, कोई आज बचा न कल,
सभी को इस नियति के पथ पर सफर करनी है,
तुम्हारे, अपने कुछ सगे, कुछ पराये निभायेगें डगर की मंजिल,
परन्तु गतव्य तक तो तुम्हें ही बढ़ना है, कर्मों की गठरी के संग।

वक्त का हसीन युग का लहमा, न जाने कहाँ भटक गया,
इंगित हो रहा है कि उम्र बीतने का भय सता रहा है,
या जिन्दगी में सब कुछ पीछे छुट जाने गम हो रहा है,
जिन्दगी के वह हसीन पल, कहाँ गुम हो गये, कौन छिन ले गया।

अब ढालती उम्र के सौंपानो पर,
सजदे की तमन्ना जाग आई है,
खुदा से आरजु है सांसे जरा धीरे चलो,
क्योंकि धड़कनों से भी इबादत में खलल पड़ती है।
अंतिम मंजिल तो निश्चय है,
पर घटने वाला पल ही अनिश्चत है।

जीवन का घटित अंतिम विराम, जो सब कर देता है शान्त,
शान्त सब पीड़ाओं को, जो लाईलाज थी,
शान्त भूख की ज्वाला को, शान्त स्वजन की यादों को,
मौत कर देती है सब शान्त।

दे जाती है संदेश :–
रे मानव! ओ मुकुट सृष्ट के अपने को पहचान,
न निशा, न दिन, न आवास, न मेरा अपना आवरण,
ठिकाना होगा तेरा, परवर दिगार की जहाँ का।
तन, मन, धन सब धरा पर धरा रह जायेगा,
मान, सम्मान, यश, स्वजन सभी छूट जायेगें।
कुछ दिन रहेगें, तेरी यादों के सिलसिले,
कुछ समय के अन्तराल में, वह भी गुमराह हो जायेगें।
यह तन नश्वर है साथी, जल जल कर माटी में मिलना है
मुट्ठी बाधें आने वाला, अपने कर्मो के फल, बंधे अपने साथ ले जाता है।।

❑❑❑

जीवन संध्या



– श्रीमती हेमन्त मिश्रा (मुग्धा हेम)

जीवन की सन्ध्या बेला में,
मन को न निराश करो,
कुछ हास करो, कुछ बात करो,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

यौवन बीता सो बीत गया,
'आज' भी ये बच ना पायेगा,
बीते को बीत बिसार चलो,
हंस बोल मिलो सब से जग में,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

जीवन की आपाधापी में,
नित रोज सुलगना ठीक नहीं,
लो, आज सुनहरी धूप तले,
जग में अपनापन बाँट चलो,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

छोटों की आज अवस्था को,
यो ताना मारी खत्म करो,
अपना बीता 'कल' उनमे देखो,
अब प्यार दुलार उन्हें कर लो,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

माना अब गात शिथिलता में,
कुछ कठिन–अधिक ना हो पावे,
पर मन को हरा–भरा करके,
कुछ प्यार लुटा, संयत कर लो,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

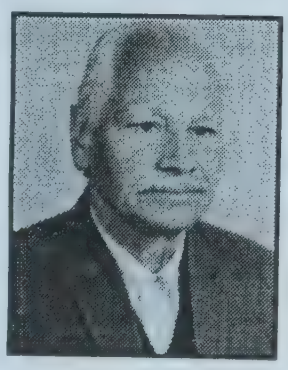
कुछ चुन–मुन की बतियाँ, सुन लो
कुछ उनके संग, हँसो बोलो,
मासूम–सलोने चहरे लख,
बिसराओ जरा के धवल रंग
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

अब हंस–हंसके, धोलो मन को,
अच्छा सोचो, अच्छा कर लो,
विधु की दी अनुपम काया को,
वरदान समझ, निरोग रखो,
क्योंकि ? अब ही तो फुरसत पाई है।

❑❑❑

जीवन की सार्थकता

– कैलाश चन्द्र शर्मा



जीवन की सार्थकता क्या है ? यही कि लोग हमें याद करें। हमारे द्वारा किए गए सद्कार्यों को याद करें। आज हम दयानन्द, महावीर, नानक, बुद्ध, गाँधी को याद करते हैं। मदर टेरेसा का स्मरण भी बड़े आदर के साथ करते हैं। ये सब महापुरुष समाज की सेवा, दीन–दुखियों की सेवा करते रहें। यह सत्य है कि कुछ देकर ही कुछ पाया जा सकता है। किसी की पीड़ा को दूर करके ही या कम करके जो सुख मिलता है उसका वर्णन न तो शब्दों में किया जा सकता है, न ही उसका मोल–तोल किया जा सकता है। किसी भूखे–प्यासे की भूख मिटाकर, किसी नेत्रहीन को राह दिखाकर, बोझ से दबे किसी मनुष्य को बोझ हल्का करके देखें, मन को तृप्ति मिलती है, सुकून मिलता है। जहाँ हम रहते हैं जहां हम काम करते हैं वही कुछ भला करने का संकल्प लें, छोटी–छोटी सेवाएँ, निःस्वार्थ सेवाएं देते रहें। गीता के उपदेश को ध्यान में रखें, कर्म करते चलो, फल की कामना मत करो। यही वह राह है जिस पर चलकर लोगों के दिलों में घर बना सकते हैं। लोगों से प्यार और आदर पा सकते हैं। लोगों के मन जीतें, अपने कर्म से, स्नेह से और प्यार से। बस, जीवन को सार्थक बनाने का यही मंत्र है।

❑❑❑

मोक्ष प्राप्त करने के साधन

– एम. एल. गोयल



मानव जीवन सबसे श्रेष्ठ व अमूल्य है। इस मानव जीवन प्राप्ति का मुख्य उद्देश्य जीवन–मरण के बन्धन से छुटकारा पाना अर्थात् मोक्ष प्राप्त करना है, क्योंकि संसार में दुखो की भरमार है, जो कुछ थोडे से सुख प्रतीत होते हैं, वे भी दुख मिश्रित है व नाशवान है।

मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक व्यक्ति को जिन मिथ्याभाष्णादि पाप कर्मो का फल दुख है उनको छोड, सुख रुप फल को देने वाले सत्यभाषणादि धर्माचरण अवश्य करे, क्योकि दुख का पापाचरण व सुख का धर्माचरण मूलकारण है। सत्पुरुषों के संग से विवेक अर्थात् सत्य–असत्य, धर्म–अधर्म, कर्त्तव्य–अकर्त्तव्य का निश्चय अवश्य करे अर्थात् भेड़–चाल चलकर, अन्ध–विश्वासी होकर, एक दूसरे को देखकर ही आचरण नही करे। शरीर अर्थात् जीव पंच कोशो का विवेचन करे। एक अन्नमय कोश जो त्वचा से लेकर अस्थि पर्यन्त का समुदाय पृथ्वीमय है, दूसरा प्राणमय कोश जिसमें पाँच मुख्य प्राण, प्राण, अपान, समान व्यान व उदान शामिल है। तीसरा मनोमय कोश जिसमे मन के साथ अहंकार हाथ, पैर, वाणी, गुदा व उपस्थ पाँच कर्मेन्द्रियाँ है। चौथा विज्ञानमय कोश बुद्धि व चित्त के साथ पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ (आँखे, कान, नाक, जिह्वा व त्वचा) जिनसे जीव ज्ञानादि का व्यवहार करता है। पाँचवा आनन्दमय कोश जिसमे प्रीति, प्रसन्नता, आनन्द व आधार कारण रुप प्रकृति है। इन्हीं पाँच कोशो से जीव सब प्रकार के कर्म उपासना व ज्ञानादि व्यवहारों को करता है। तीन अवस्थाएँ एक जाग्रत, दूसरी स्वप्न तीसरी सुषुप्ति अवस्था की समीक्षा करे।

तीन प्रकार के शरीर होते है एक स्थूल जो हमारा शरीर दिखाई देता है, दूसरा सूक्ष्म शरीर जो पाँच प्राण, पाँच ज्ञानेन्द्रिया, पाँच सूक्ष्मभूत मन व बुद्धि इन सत्रह तत्वो का समुदाय है। स्थूल शरीर मृत्युपश्चात् भस्मान्त होकर समाप्त हो जाता है, परन्तु सूक्ष्म शरीर जन्म–मरणादि में भी जीव के साथ रहता है, इस सूक्ष्म शरीर के दो भेद हैं, एक भौतिक जो सूक्ष्म भूतो के अंशो से बना है, दूसरा स्वाभाविक जो जीव के स्वाभाविक गुणरुप है। यह अभौतिक सूक्ष्म–शरीर मुक्ति में भी साथ रहता है इसी से जीव मुक्ति में सुख को भोगता है। तीसरा कारण शरीर जिसमे सुषुप्ति अर्थात् गाढ़निद्रा होती है, वह प्रकृति रुप होने से सर्वत्र विभु व सब जीवों के लिये एक है, चौथा तुरीय शरीर भी होता है, जिसमे समाधि से परमात्मा के आनन्दरुप में मग्न जीव होते है। इसी समाधि संस्कारजन्य शुद्ध शरीर का पराक्रम मुक्ति में भी सहायक रहता है।

जीवात्मा इन सब कोश–अवस्थाओ से पृथक है, क्योकि बिना आत्मा के इस शरीर के सारे अंग जड़ पदार्थ है, अतः आत्मा ही सबका साक्षी धर्त्ता कर्त्ता व भोक्ता कहलाता है।

दूसरा साधन वैराग्य अर्थात् विवेक से सत्यात्य को जानते हुए सत्य के ग्रहण करना व असत्य को त्यागना विवेक है। पृथ्वी से लेकर परमात्मा तक, पदार्थो के गुण, कर्म, स्वभाव को जानकर परमात्मा की आज्ञा पालन व उपासना में तत्पर रहना, उसके विरुद्ध नहीं चलना विवेक कहलाता है।

तीसरा साधन – षटक सम्पति अर्थात् छः प्रकार के कर्म करना – 1. शम–आत्मा व अन्तःकरण को अधर्माचरण से हटाकर, धर्माचरण में सदा प्रवृत रखना, 2. दम–इन्द्रियों व शरीर को व्यभिचारादि बुरे कामों से हटाकर जितेन्द्रिवादि शुभ कर्मो में प्रवृत रखना, 3. उपरति–दुष्ट कर्म करने वालो से सदा दूर रहना, 4. तितिक्षा–निन्दा, स्तुति, हानि–लाभ,

हर्ष–शोक की परवाह नही करते हुए मुक्ति साधनो में लगे रहना, 5. श्रद्धा–वेदादि सत्य शास्त्रो के जानने वालो आप्त विद्वानो के बचनो पर विश्वास करना, 6. समाधान–चित्त की एकाग्रता मोक्ष का चौथा साधन मुमुक्षुप्त – जैसे भूखे व्यक्ति को अन्न के अलावा कुछ भी वस्तु अच्छी नही लगती वैसे बिना मुक्ति के साधन व मुक्ति के दूसरे में प्रीति न होना। ये चार साधन व साधनो के पश्चात वे कर्म करने होते है जो चार अनुबन्ध कहलाते है, इन चार साधनो से युक्त पुरुष ही ''मोक्ष–प्राप्ति'' का अधिकारी होता है।

ब्रह्म की प्राप्ति रुप मुक्ति प्रतिषाद्य वेदादि शास्त्रो को समझकर क्रियान्वित करना। ईश्वर की प्राप्ति रुप विषयो में संलग्न रहना, पुरुष का नाम विषयी है। सब दुखो की निवृति व परमानन्द को प्राप्त होकर मुक्ति सुख का होना प्रयोजन अनुबन्ध कहलाता है।

श्रवण चतुष्टय–वेदो के विद्वानो के उपदेशो को शान्त मन से अत्यन्त ध्यान देकर सुनना ''श्रवण''। दूसरा मनन–एकान्त देश में बैठकर सुमे हुए उपदेशो पर मनन करना व शंका होने पर पूछकर समाधान कराना। निदिध्यासन–सुनने व मनन करने के पश्चात निःसन्देह होने पर समाधिस्थ होकर उस बात को देखना व समझना कि जैसा सुना या विचारा था, वैसा ही है या नहीं। चौथा साक्षात्कार जैसा पदार्थ का स्वरूप, गुण या स्वभाव, वैसा यथायोग्य जान लेना।

सदा तमोगुण–क्रोध आलस्य मलीनता प्रमाद आदि, रजोगुण–ईर्ष्या द्वेष काम, अभिमान, विक्षेप, आदि द्वेषो से अलग रहना चाहिये।

मैत्री – सुखीजनो से मित्रता करुण – दुखी जनो पर दया मुदिता – पुण्यात्माओ से हर्षित होना, उपेक्षा – दुष्टात्माओं से न प्रीति और न बैर रखना चाहिये।

मोक्ष प्राप्त व्यक्ति 31 नील 10 खरब 40 अरब वर्षों तक मोक्ष में रहकर पुनः शेष रहे कर्मो का फल भोगने हेतु जन्म लेना होता है अर्थात् 36000 बार सृष्टि की उत्पत्ति व 36000 बार प्रलय होने तक मोक्ष स्थिति ईश्वर के परमानन्द में रहता हैं। सृष्टि व प्रलय प्रत्येक की अवधि 4 अरब, 32 करोड़ वर्ष होती है। वेद सर्वोच्च व ईश्वरीय ज्ञान होने से एक मात्र प्रमाणिक ज्ञान है।

❑❑❑



बड़ा ही महत्व है

– राजेन्द्र स्वरूप शर्मा

दुध में मलाई का, शादी में शहनाई का,
बहिनों में भाई का, दूसरों की भलाई का,
बड़ा ही महत्व है।

मिठाई में घेवर का, भाभियों में देवर का,
औरतों में जेवर का, मकान में लेबर का,
बड़ा ही महत्व है।

फलों में आम का, महफिल में जाम का,
दफ्तर में काम का, घर में आराम का,
बड़ा ही महत्व है।

बुजुर्गों की राय का, दूध में गाय का,
सर्दियों में चाय का, पहली तारीख की आय का,
बड़ा ही महत्व है।

घर में सफाई का, बिमारी में दवाई का,
कपड़ो की सिलाई का, रिश्ते में जंवाई का,
बड़ा ही महत्व है।

युद्ध में वीरों का, फिल्मों में हीरो का,
गणित में जीरो का, नगों में हीरे का,
बड़ा ही महत्व है।

❑❑❑

वृद्धावस्था में जोड़ो के दर्द में योग लाभकारी

– योगाचार्य डॉ. प्रेमसुख सुराणा



आजकल जोड़ो का दर्द एक आम समस्या बन गया है। अधिकांश लोगों को खासतौर पर महिलाओं को यह समस्या कम उम्र से ही परेशान करने लगी है। इसके कारण लोगों को चलने–फिरने तथा अपने दैनिक कार्य में काफी पीड़ा होती है। शुरु–शुरु में यह समस्या हल्के दर्द से होती है। यदि इसका उपचार सही समय पर नहीं किया गया तो यह एक गम्भीर समस्या का रुप धारण कर लेता है।

जोड़ो की संरचना :– शरीर के विशेष प्रकार के जोड़ जिन्हे साइनोवियल ज्वाइंट कहते हैं वह मुख्य रुप से इस समस्या में प्रभावित होती है। इस प्रकार के जोड़ो मे हड्डियाँ, उपास्थि यानि कार्टिलेज नामक उत्तक से ढकी रहती हैं तथा अस्थिबंध यानि लिगामेटंस के द्वारा जुड़ी होती हैं। एक पतली तथा नाजुक झिल्ली हड्डियों के बीच खाली स्थान पर द्रव्य का स्त्राव करती हैं जिसे साइनोवियल द्रव्य कहते हैं। जोड़ो की कोशिकाएं अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए रक्त के संचार पर निर्भर करता है।

योग की धारणा :– योग विज्ञान का मानना है कि स्वस्थ शरीर में प्राण का संचार संतुलित रुप में होना चाहिए। जब कभी प्राण का संचार असंतुलित या बाधित होता है, शरीर के उपापचय की क्रिया बिगड़ जाती है। दूषित और विषैले पदार्थ का जमाव जोड़ो में बढ़ जाता है। साथ–साथ जोड़ो पर रक्त संचार घट जाता है। परिणामस्वरूप जोड़ो के दर्द की शिकायत हो जाती है।

कारण :– जोड़ो के दर्द के विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसें – गलत खान–पान और आलस्यपूर्ण जीवनशैली, शारीरिक निष्क्रियता, पोषक तत्वों की कमी, प्रतिरोधक क्षमता का कम होना, थायराइड ग्रांथि में विकार, संक्रामक रोग, महिलाओं में एसट्रोजन नामक हॉरमोन की कमी, वजन में वृद्धि इत्यादि।

लक्षण :– इसके प्रमुख लक्षण हैं – जोड़ों में सूजन, जोड़ों में लालिमा, जोड़ो में दर्द, हिलने–डुलने या दबाव से दर्द का बढ़ जाना, जोड़ो में अकड़न, जोड़ो के लचीलापन में कमी और जोड़ो का विकृत होना।

योग द्वारा उपचार :– योग विज्ञान के अनुसार जोड़ों के कोमल उत्तकों में विजातिय पदार्थों के एकत्र तथा प्राण के संचार में असंतुलन होने के कारण उत्पन्न होता है। इससे जोड़ो की कोशिकाओं में क्षय होने लगता है। अतः योग द्वारा उपचार में शरीर के विषैले पदार्थो को निष्कासित कर प्राण के संचार में संतुलन स्थारित करने, से जोड़ो के दर्द में नियंत्रण पाया जा सकता है।

यौगिक क्रिया :– यौगिक क्रिया के द्वारा हम शरीर के विजातिय पदार्थो को निष्कासित कर शरीर को शुद्ध बनाते हैं। शरीर के शुद्ध बनने से उपापचय की क्रिया में सुधार आता है। लघु शंका प्रक्षालन और वमन द्यौति दूषित पदार्थो को निकाल कर प्राण के संचार को ठीक रखता है।

आसन :– आसन के अभ्यास से रक्त संचार में सुधार आता है तथा जोड़ो की मालिश होती है। इसके नियमित अभ्यास से माँस–पेशियाँ तथा जोड़ मजबूत बनते हैं। अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन, कटिचालनासन, पर्वतासन, ताड़ासन तथा प्रत्येक जोड़ो के सूक्ष्म अभ्यास से हम इस तकलीफ में आराम पा सकते हैं।

प्राणायाम :– प्राणायाम के अभ्यास के द्वारा पूरे शरीर में प्राण को संचारित कर शरीर और मन में संतुलन प्राप्त किया जा सकता है। कपालभाति और अनुलोम–विलोम, प्राण शक्ति बढ़ा कर शरीर तथा मन को स्वस्थ रखने में उपयोगी है। अतः नियमित रुप से इनका अभ्यास जरूरी है।

योग निद्रा :– योग निद्रा हमारे मन तथा भावनाओं

में संतुलन लाता है तथा तनावों को दूर करता है, जिससे रोग के निदान में सहायता मिलती है। रोगी में सकारात्मक भाव उत्पन्न होता है जो मानसिक रूप से उसे तैयार करता है।

यदि जीवन शैली में सुधार लाया जाये और प्रतिदिन विश्वास के साथ योग का अभ्यास किया जाये तो अवश्य रूप से जोड़ो के दर्द को नियंत्रित किया जा सकता है। विशेषज्ञ की देख–रेख में सही आहार और योग के अभ्यास से जोड़ो के दर्द में राहत मिलती है। यह आवश्यक है कि योगाभ्यास नियमित रुप से धैर्यतापूर्वक किया जाये इससे हमारी मानसिक शक्ति में वृद्धि होगी जो बीमारी को दूर रखने का पहला कदम है।

आहार :– जोड़ो के दर्द वाले सदस्य को अपने दैनिक आहार पर भी ध्यान देना आवश्यक है। अम्लता वाला आहार से बचना चाहिए एवं क्षारीय आहार ग्रहण करना चाहिए। भोजन के बाद थोड़ी कड़ी चीज जो आसानी से चबाई जा सके लेनी चाहिए जैसे :– खीरा, गाजर, केला, अमरूद, ककड़ी अथवा मौसमी फल अवश्य लें।

प्रातःकालीन – भ्रमण से जाने के पूर्व एक चम्मच शहद एक गिलास नवाया पानी में नीम्बू का रस अवश्य लें।

जोड़ो के दर्द के रोगी को हमेशा याद रखना चाहिए।

भोजन आधा पेट कर, दुगुना पानी पीव
तिगुना श्रम, चौगुन हंसी, वर्ष सवा सौ जीव।।

❑❑❑



इश्क की ख्वाईश

– डॉ. तेजसिंह कछवाहा ''भ्रमर''

कौन कहता है बुजुर्गों के दिल मे इश्क की ख्वाईश नहीं होती,
सच तो यह है कि उनकी तरफ से नुमाईश नहीं होती,
बन्दर की तरह उछाल मारना तो दिल की फितरत है,
सीमा लांघ जाता गर मरियादाओं की बंदिश नहीं होती।।

जवां दिल तो बेताब होते हैं डोरे डालने के लिये,
बुजुर्गों की तरफ से ऐसी कोई आजमाईश नहीं होती।
इश्क किसी उम्र का कायल हुआ नहीं करता,
कुदरत का नियम है कि बुढ़ापे में ऐसी ख्वाईश नहीं होती।

इश्क के ठेकेदार समझते हैं आज के युवा लड़के,
समाज में किसी ऐसे परमिट की ख्वाइश नहीं होती।
इस दिल के टुकड़े हजार हुये कोई यहाँ तो कोई वहां गिरा,
इस अतिशयोक्ती की हकीकत कहीं दिखाई नहीं देती।।

हमाम में सभी निर्वस्त्र होते हैं सच कहा है किसी ने,
बुजुर्गों की अलग तरह की कोई रिहाईश नहीं होती।
कौन कहत है कि इश्क की दरकार सिर्फ लड़कों में होती है,
सच तो ये है ''भ्रमर'' लड़कियों से खुलकर फरमाईश नहीं होती।।

❑❑❑

अफसानों में भारतीय बुजुर्ग

– सी. एम. राठी



प्रस्तावना :– यों तो दुनिया में कीर्तिमान स्थापित करने वाले कई बुजुर्ग अपनी सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या, शुद्ध खान–पान, स्वच्छ वायु विचरण, निश्चिन्त जीवन यापन के कारण, गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम लिखवा चुके है। किन्तु भारतीय बुजुर्ग कौन से कम है। इनकी सकारात्मकता इस शेर मे परिलक्षित होती है –

''सोच को बदलो, सितारे बदल जायेगें,
नजर को बदलो, नजारे बदल जायेगे,
जरूरत नहीं है किश्ती बदलने की,
पतवार को बदलो किनारे बदल जायेगे।''

भारतीय बुजुर्गों की बानगी देखिए :–

1. **एक सौ पच्चीस वर्षीय हमला खान :–** अपने 253 सदस्यों के परिवार में हमला खान आज भी जिन्दादिल इन्सान है। बाड़मेर जिले के रामसर तहसील के अजवानी गांव निवासी हमला खान का परिवार जंगल में झोंपड़ा डाल कर रह रहे हैं, जिनका मुख्य पेशा पशुपालन व कृषि ही है। हमला की बड़ी बेटी 90 वर्षीय अमरी अब पाकिस्तान में रह रही है और विवाह के पश्चात् हमला उससे नहीं मिला है। हमला का बड़ा बेटा 98 वर्ष की आयु में भी सक्रिय है और अभी भी जंगल में प्रतिदिन 30–40 किमी. घूम कर पशुओं को चराता है। हमला खुद भी इस आयु में झोंपडे के आस–पास बकरियाँ चराता हुआ मिल जायेगा। हमला के पड़पोते 23 वर्षीय अरबाज का विवाह हो चुका है और उसके एक दो वर्ष का पुत्र है। हमला अपनी गोद में सड़पोते को खिलाते हुए यह बताता है कि उसकी आँखों की रोशनी एक दम सही है और आज भी 1 किमी. दूर तक बिना चश्में के देख सकता है। अपनी दीर्घायु के बारे में कहना है कि खेत में पैदा हुई बाजरे की रोटी, छाछ, दही, ऊँटनी का दूध सेवन और मलाई व घी का सेवन है।

उसकी अन्तिम इच्छा अजमेर की दरगाह देखना है और इसके बाद वह दुनिया को अलविदा कहना चाहता है। वो यह शेर गुनगनाता रहता है –

हो इरादों में हकीकत, हौंसलों में जलजला,
आसमां झुक कर तुम्हारे पाँव तक आ जायेगा।
देख लेना यह किनारा, पाँव तक आ जायेगा।

(2) 75 वर्षीय महिला के जन्मा पहला बच्चा :– हरियाणा राज्य की जीन्द तहसील के अलेवा गाँव निवासी राजो देवी को 75 वर्ष की आयु में सन्तान सुख मिला है। उनका विवाह बालाराम से 56 वर्ष पहले हुआ था पर उन्हें सन्तान सुख अब मिला है। जच्चा–बच्चा एकदम स्वस्थ है। राजोदेवी का कहना है कि महिला के लिए माँ बनना दुनिया का सबसे सुन्दर अहसास है। उसका कहना है कि इस बच्चे ने उसे फिर से जीने का हौसला प्रदान किया है। हरियाणवी मुर्रा भैंसों का पालन और खेती बाड़ी से अपना गुजर–बसर करने वाली यह महिला आज भी 4.00 बजे उठकर हाथ से चक्की चलाकर आटा पीसती है, भैंसों को चराने जंगल में ले जाती है और सिर पर 2 मटके रखकर परिवार का पानी लाती है। जिन्दादिली के कारण राजोदेवी और उसका नवजात बेटा पूरे गाँव का चहेता है। उनका नजरिया और सन्तान उत्पन्न करने का है। वे कहती है :–

फलक को जिद है बिजलियां गिराने की,
हमें भी जिद है, आशियाँ नया बनाने की।

(3) 120 वर्ष की उम्र में परदादा जी ने रचाया विवाह :– आज से 6 वर्ष पूर्व पहली पत्नि के देहान्त के बाद असम के करीमगंज जिले के सतघोरी गांव के निवासी हाजी अब्दुल नूर ने फिर से विवाह करने की ठानी और अपने से 50 वर्ष छोटी 70 वर्षीया

समोइ बीबी जो उत्तरी फुलवारी त्रिपुरा की रहने वाली है से विवाह रचा लिया। 500 मेहमानों के बीच शादी की रस्म, एडवोकेट तासिर अली ने 'निकाह कबूल' करवा कर की। अब्दुल नूर के परिवार में 122 सदस्य है और संयुक्त परिवार में सभी एक छत के नीचे रहते है। पहाड़ की जड़ी बूँटियाँ और कन्दमूल फल का सेवन करने वाला अब्दुल नूर के आज भी हौंसले बुलन्द है। उसके कई पुत्र पुत्रियाँ, पौत्र–पौत्रियाँ और पड़पौत्र–सड़पौत्र है, जिन्होंने सभी ने विवाह में भाग लिया। नूर चाचा का जीवन के प्रति नजरिया है :–

कदम बढ़ाओ तो मंजिल तुम्हारी है,
वर्ना जमाना किसका इन्तजार करता है।
जिसे यकीन है उसकी उडान पर दिल से,
फलक को ऐसा परिन्दा ही पार करता है।

(4) 85 साल का दूल्हा 45 साल की दुल्हन :– जी हाँ चौंकिए नहीं राजस्थान के कोटा शहर के नवविवाहित दम्पत्ति का नाम है मदन मोहन और द्रोपदी। मदन मोहन का कहता है कि द्रोपदी नहीं होती तो वह कब का इस संसार से कूच कर जाता। सी.बी.आई.सी.डी. से रिटायर्ड हेड कास्टेबल मदन मोहन की पहली पत्नी के देहान्त के बाद मदन मोहन अकेला रह गया। पत्नि की मृत्यु के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग में कार्यरत उनके दोनों बेटों की भी मृत्यु हो गई और उसकी सम्पत्ति पर बहुओं ने कब्जा कर लिया। फलस्वरूप वे अकेले पड़ गये। ऐसे समय में द्रौपदी ने उन्हें भरपूर साथ दिया। द्रौपदी का भी इस संसार में कोई नहीं है। 6000/– की पेन्शन में गुजारा करने वाला यह दम्पत्ति एकदम खुश है। नियमित दिनचर्या का धनी यह दम्पत्ति सुबह–शाम की खुले पार्क में सैर करना और अच्छा खाना और अच्छा पहनना इनका शगल है। यह दम्पत्ति बेबाकी से कहता है :–

"जो मुश्किल रास्ते है उनको हम यूँ वार करते हैं,
अपने जज्बों की किश्ती से, समन्दर पार करते है।"

बुजुर्गों सुबह–शाम को अफसानों में जीते हुए हौंसला पस्त मत होने दीजिये। खुशहाल जिन्दगी जीओ और परमात्मा ने जो भी दिया है, जरूरत से ज्यादा दिया है यही सोच कर सन्तोष करो। याद रखें 'सन्तोषी सदा सुखी है।'

❑❑❑



जीवन का अटल सत्य

– के. सी. गुप्ता

जायेगा जब जहाँ से, कुछ भी न पास होगा,
दो गज कफन का टुकड़ा, तेरा लिबास होगा।।

काँधे पे धर ले जायें, परिवार वाले तेरे,
यमदूत ले पकड़ कर, डोलेगें घेरे–घेरे।
पीटेगें छाती अपनी, कुनबा उदास होगा।। जायेगा....

चुन–चुन के लकड़ियों में, रखदे तेरे बदन को,
आकर के झट उठाले, मेहतर तेर कफन को।
दे देगा आग तुझमें, बेटा जो खास होगा।। जायेगा....

मिट्टी में मिले मिट्टी, बाकी वो खाक होगी,
सोने सी तेरी काया, जल करके राख होगी।
दुनियाँ को त्याग तेरा, मरघट निवास होगा।। जायेगा....

प्रभू का जो नाम जपते, भव सिन्धु पार होते,
माया मोह में फस कर, जीवन अमोल खोते।
प्रभू का तू नाम जपले, बेड़ा जो पार होगा।। जायेगा....

❑❑❑

बुजुर्गों–सदा रहो खुशमिजाज़

– **श्रीमती कमला राठी**



मै मेरी बात इसी से शुरु करती हूँ :– जिंदगी में सदा खुश मिजाज रहो, खुश मिजाजी जिन्दगी की जरूरत है, जिन्दगी जिओ इस अन्दाज में, कि तुम्हें देख कर सबको लगे जिन्दगी कितनी खूबसूरत है। यह सार्वभौम सत्य है कि आप ही नही दुनियां का हर व्यक्ति किसी खुशमिजाज का ही साथ चाहता है। दिन–रात रोने वाले लोग न खुद कभी खुश रहते हैं और न ही किसी ओर को खुश रहने देते हैं। इसलिए हर कोई उनसे कन्नी काटता है।

बुजुर्गों इस शेर को हमेशा गुनगुनाते रहो :–
अधूरा है आसमां सितारों के बिना,
अधूरा है समंदर किनारों के बिना,
अधूरी है जिन्दगी खुश मिजाजी के बिना,
अधूरी है सुबह आपके मुस्कराने के बिना,

कैसे रहें खुश मिजाज :–

अपने इर्द–गिर्द के किन्हीं दो ऐसे लोगों को चिन्हित करें जिनमें एक आपके मुताबिक बेहतर जिन्दादिल हो, हसता–हसाता रहता हो यानी खुशमिजाज हो। जबकि दूसरा हताश और निराशा से भरा हो। एक हमेशा आगे बढ़ने की बातें करता हो जबकि दूसरा यह मानकर पस्त रहता हो कि आगे 'बैक–जैक' वाला ही बढ़ सकता है। ऐसे दो लोगों को चिन्हित करने के बाद अब आप सोचें कि आप किसका साथ चाहते है। आप आंख मूंदकर बिना एक पल सोचे कह सकते हैं खुशमिजाज का। याद रखिये– आप मुस्कराओगे तो जगत मुस्करायेगा, आप उदास बैठोगे तो कोई पास नहीं आयेगा।

जाहिर है आप भी ऐसा नहीं बनना चाहेंगे कि लोग आपसे बचें। इसका मतलब यह हुआ कि आप अपने आपको खुशमिजाज कहलाना पंसन्द करते है। पर दिक्कत यह है कि आपको यही नहीं पता कि खुशमिजाजी कहां तलाशी जाए। आपको नहीं पता कि चाहें तो आप भी खुशमिजाज इंसान कहला सकते है। आइए हम आपकी मदद करते है और आपको खुशमिजाजी के गुर बताते है और आप भी खुशमिजाज इंसान कहलाने का हक हासिल कर सकते है।

1. प्रकृति से दोस्ती खुशमिजाजी का मूलमंत्र है। इसलिए प्रकृति से दोस्ती करो। बाग–बगीचों में टहलने जाओं। प्रकृति की खूबसूरती आपको कल्पनाशील बना देगी और कल्पनाशीलता आपको खुशमिजाज बनाएगी। याद रखिए कहावत है – ''सौ दवा – एक हवा''।
2. घूमने में अपनी दिलचस्पी विकसित करें। कोई भी शौक आदमी को खुशमिजाज बनाता हैं। लेकिन तभी जब ये सकारात्मक हो। रचनात्मक हो। इसलिए कोई रचनात्मक शौक पालो। जीवनियाँ पढ़ना, डायरी लिखना, बागवानी में दिचस्पी लेना, नाटक देखना, अभिनय करना, गाना, कोई वाद्य बजाना। ये सब बेहद रचनात्मक शौक है। अगर आप इनके आदी है तो ये आपको निश्चित रूप से कल्पनाशील, ज्ञानवान और खुशमिजाज बनाएंगे।
3. प्रसिद्ध संगीतकार सचिन देव बर्मन कहा करते थे। हर व्यक्ति जन्मजात संगीत प्रेमी होता है। यह तो उसके माहौल और परवरिश पर निर्भर करता है कि बाद में वह रह पाता है या नहीं। इसलिए संगीत सुनने की आदत डालो। संगीत का असर वाकई जादुई होता है। आपका कितना भी खराब मूड हो अच्छा संगीत उसे कुछ ही क्षणों में ठीक कर सकता है। इसलिए अपनी पंसद की कैसेटों आदि का कलेक्शन बनाएं जिसे सुनकर आप बहुत सुकून पाते हों। रोज आधा घंटा मनपंसद संगीत सुनने से आपके मन पर सकारात्मक असर होता है। कोशिश ऐसी हो कि जो सुने डूबकर सुने।

4. अगर आपको लगता है कि आपके हिस्से में खुशियां कम है तो सब्र करना सीखें। इसके लिए गांधी जी के मूल मंत्र का इस्तेमाल करें। जब आपको लगे कि आपकी हैसियत कुछ नहीं है। आप दुनियां में बहुत दुखी इंसान है। ऐसे में आप उन तमाम लोगों के बारे में सोचे जिनकी हालत आप से भी ज्यादा बदतर है। ऐसा सोचना न सिर्फ आप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा बल्कि दिलखुशी से ईश्वर को धन्यवाद करने लगेगा।

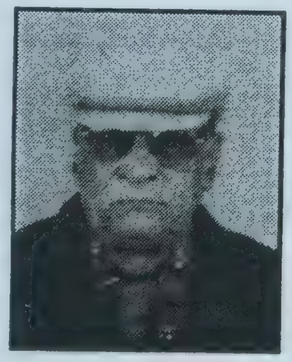
5. बुजुर्गों खुशमिजाजी वह खजाना है जो बांटने से खर्च नहीं होता बल्कि चमत्कारिक रूप से और बढ़ता जाता है। इसलिए खुशियों को छिपाकर मत रखिए, सहेजकर आपातकाल के लिए न रख लें। इसे दोनों हाथों से लुटाएँ क्योंकि यह धन ही ऐसा है कि ज्यों-ज्यों खर्च करेगें यह बढ़ता जाएग। इसलिए जब दूसरी चीजों पर हंसने का सोता सूख जाए पर खुशमिजाजी से न चूकें। याद रखे खुद पर हंसने के हर रोज कई मौके आते हैं। जब आप ऐसी हरकते कर जाते है कि औरों के साथ-साथ आपको भी उन पर हंसी आती है। ऐसा हो तो शरमाएं नहीं। हंसें खुद पर और ऐसी घटना को दूसरों के साथ भी बांटें। आप पाएंगें कि आपकी ये खुशमिजाजी आपके अच्छे व्यवहार को और अच्छा बनाएगी।

6. यौगिक क्रियाएं न सिर्फ हमारा स्वास्थ्य बल्कि हमारे मूड़, हमारे स्वभाव में भी आमूलचूक परिवर्तन करती है। मसलन यदि सही ढंग से सांस लेना हमें आता है तो सांस लेने का यह तरीका हमें खुशमिजाज बना देता है। दरअसल सांस लेने और खुश रहने के बीच आंखें बंदकर ध्यान करें। यह आपको खुशमिजाज बनाएगी। याद रखें कि आपकी खुशमिजाजी की आपको सफलता के शिखर तक पहुँचा सकती है।

7. बुजुर्गों सदा खुश मिजाज रहने का एक ही मंत्र है निर्लिप्त रहो, निःस्वार्थ रहो, अपरिग्रह रहो, असंग्रह रहो और सबसे प्रेम से मिलो और बोलों –

कबीरा खड़ा बाजार में सबकी मांगे खैर,
ना कोहु से दोस्ती, ना काहु से बैर।।

❑❑❑



वार्षिक

– रामजीलाल अरोड़ा

बिन माँगे किसी को सुझाव नहीं देते
बिन माँगे किसी को उपदेश नहीं देते
बिन माँगे किसी को सहयोग भी न दो
माँगने पर अंजान को सहयोग अवश्य दो
किसी की सफलता–असफलता पर कोई टिप्पणी न करो।
क्योंकि –
पड़ोसी–परिवारजन का यह नजरिया रहता है कि
क्या वे बेवकूफ हैं
इन वृद्धों की मति मारी गई है नए जमाने की चाल को ये क्या जाने अतः
अपनी मस्ती में मस्त रहो और स्वस्थ रहो
यही लम्बी उम्र का राज है।
नाता–ओ–आह से तौहीन न कर हस्ती की
छोड़ कर साथ वह तेरा भी चली जाएगी।
अक्ल की बात तुम लोगों से कहकर देखना
लोग लेकर आएँगे हाथो हाथ पत्थर देखना।।

❑❑❑

समय बड़ा अमूल्य है

– नेमीचन्द पाराशर



- अगर पाँच साल के समय की कीमत जानना चाहते हो तो उस नेता से पूछे जो चुनाव हार गया हो।
- अगर एक साल की कीमत जानना चाहते है तो, उस विद्यार्थी ले पूछे तो कड़ी मेहनत करने के बाद भी फेल हो गया है।
- अगर एक माह की कीमत जानना चाहते हो तो उस गरीब और बीमार व्यक्ति से पूछे जो पल–पल तड़पता है।
- अगर एक सप्ताह की कीमत जानना चाहते है उस सम्पादक से पूछे जिसकी पत्रिका निकलती है।
- अगर एक दिन की कीमत जानना चाहते हो तो उस मजदूर से पूछे जो कर्फ्यू के कारण एक दिन मजदूरी न ले पाया हो।
- अगर एक घण्टे की कीमत जानना चाहते हो तो उससे पूछो जो तुम्हारा इन्तजार कर रहा है।
- अगर एक मिनट की कीमत जानना चाहते हो तो उससे पूछे जो किसी जरूरी काम से जा रहा हो, और उसकी ट्रेन छूट गयी हो।
- अगर एक सैकण्ड की कीमत जानना चाहते हो तो उससे पूछो जो दुर्घटना से बाल–बाल बच गया हो।
- अगर एक मिली सैकण्ड की कीमत जानना चाहते हो तो उससे पूछो जो ओंलम्पिक खेलों में कोई पद लेने से चूक गया हो।

इसलिये गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है –
तुलसी नर का क्या बड़ा समय बड़ा बलवान,
भील लूटी गोपियों वही अरजून वही बाण।
बुजुर्गों इसीलिये तो कहावत है – समय का सिर पीछे से गंजा है, जिसे आप पकड़ नहीं सकते। अत एवं आगे रहते इस गंजे को बाल पकड़ो।

❑❑❑

आयुर्वेद की उपयोगिता

– श्रीमती दीप्ति बसु



च्यवनप्राश :– यदि आप च्यवनप्राश नियमित रुप से लेते है तो निश्चित ही इसका प्रभाव शरीर और चेहरे पर देख सकते हैं। सुबह–शाम 2 चम्मच च्यवनप्राश लेकर 15 मिनट बाद दूध लेना चाहिये।

आँवला :– स्वास्थ्य की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण फल 'आँवला' का प्रतिदिन सेवन बहुत लाभकारी होता है। आँवले के रस की 3 चम्मच आधा गिलास पानी में सुबह–शाम खाली पेट लेना चाहिये।

नीम :– नीम की 1–2 नई कोपल पत्तियाँ सुबह खाली पेट सेवन करना चाहिये अथवा बाजार में मिलने वाले नीम के केप्सूल का एक केप्सूल सुबह शाली पेट लिया जा सकता है। इसके सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है रक्त शुद्ध होता है।

त्रिफला :– प्रतिदिन रात्रि के भोजन के पश्चात् 2 चम्मच त्रिफला चूर्ण एक गिलास गुनगुने पानी के साथ लेने से पाचन शक्ति बढ़ती है। यदि पाचन ठीक रहता है तो शरीर स्वस्थ रहता है और स्वस्थ शरीर ही सुन्दर चेहरे स्वस्थ त्वचा का कारण है।

ग्वार पाठा (एलोवेरा) :– प्रातः सायं खाली पेट ग्वारपाठा का ज्यूस लेने से शरीर की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है और त्वचा कान्तियुक्त होती है।

❑❑❑

भगवन्नाम की शक्ति

– पं. नारायणदास शर्मा (स्वामी)



प्रत्येक शब्द में अपनी एक शक्ति रहती है। भोजन करते मित्र के सामने यदि आपके मुँह से 'मल–मूत्र' शब्द का उच्चारण मात्र भी हो जाय तो उसे सुनकर मित्र तुरन्त वमन कर देता है। इसी तरह गरम–गरम पकौड़ों का विचार आते ही मुँह से लार टपकने लगती है।

''सांप! सांप!'' ''बिच्छू! बिच्छू!'' के शब्द कान में पड़ते ही आप भयभीत हो छलांग लगाकर कूद पड़ते है। जब कभी आपको कोई 'गधा' कहकर पुकारता है, तो आप क्रोधित हो उठते है। यह सब क्यों ? इसलिए कि शब्द का अपना एक प्रभाव है, प्रतिक्रिया है।

सोचने का विषय यह है कि जब संसार के सामान्य शब्दो में इतना प्रभाव है, तो भगवन्नाम की शक्ति का कितना आश्चर्यजनक प्रभाव होगा ? समग्र सृष्टि में एक ईश्वर तत्त्व ही तो परिपूर्णतम तत्व है। अतः ईश्वर का नाम ही परिपूर्ण एवं श्रेष्ठतम है। भगवन्नाम की शक्ति अपरिमेय है क्योंकि इसमें शक्ति की पराकाष्ठा निहित है।

हरिनाम द्वारा सब सुलभ है। इसके अभ्यास से कुछ भी तो असंभव नही। नाम जप के द्वारा स्वयं भगवान का साक्षात्कार भी अति संभव है। जैसे किसी वस्तु के नामोच्चारण से उसका चित्र मन में उपस्थित हो जाता है, उसी प्रकार पवित्र मन में भगवन्नाम का जप भगवद् चेतना प्रकट करता है तथा भगवद् साक्षात्कार का प्रत्यक्ष तथा सरल मार्ग प्रस्तुत करता है।

भगवन्नाम का फल अवश्यमेव मिलता है भले ही इसका उच्चारण शुद्ध अथवा अशुद्ध हो, ध्यानपूर्वक किया जाय अथवा असावधानी से इसका जप कभी भी निरर्थक नहीं हो सकता। जैसे अग्नि में दाहिका शक्ति रहती है, वैसे ही भगवन्नाम में समस्त पापों के उन्मूलन की शक्ति निहित होती है। जिसके परिणाम स्वरूप भाव समाधि तथा प्रभु–दर्शन सुलभ हो जाता है। भगवन्नाम की महिमा बुद्धि या तर्क से सिद्ध नहीं हो सकती। यह तो भक्ति, श्रद्धा तथा नाम जप के सतत् अभ्यास के द्वारा अनुभव की जा सकती है।

पिंगला एक वेश्या थी। एक चोर से उसे सुन्दर उपहार स्वरूप में एक तोता प्राप्त हुआ। वह तोता 'श्रीराम' 'श्रीराम' का अभ्यासी था। पिंगला को तो रामनाम की महिमा का पता नही था। उसने तोते से 'राम' सुना, तो उसे सुन्दर व अति मधुर लगा और वह उसकी ओर आकर्षित हो गई। तोते से रटें हुए रामनाम पर उसका ध्यान केन्द्रित हो गया। उसकी रहस्यमयी भाव समाधि लग गयी और श्रीराम में लीन हो गई।

अजामिल जन्म से ब्राह्मण था। वह नीच जाति की स्त्री में आसक्त हो गया। उसका जीवन पापमय हो गया। मृत्यु–काल आने पर उसने अपने पुत्र को बुलाने के लिए उसका नाम 'नारायण' लेना पड़ा, जिसके फलस्वरूप (धर्मराज के दूत) विष्णु भगवान पार्षद उसकी सहायतार्थ दौड़े आये और उसे यमदूतों से मुक्ति दिलवाई।

दुष्ट डाकू रत्नाकर 'राम' नाम का उल्टा जाप 'मरा' 'मरा' रटने से ऋषि वाल्मीकि के रूप में प्रसिद्ध हुए। पंढरपुर के भगवान कृष्ण का नाम 'विट्ठल' का जप करने से महाराष्ट्र के तुकारामजी संत बने, द्वादशाक्षर मन्त्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का जाप करने से अद्‌भुत भक्त बालक ध्रुव को भगवान विष्णु के दर्शन हुए।

प्रहलाद ने 'नारायण' 'नारायण' की रट लगाकर अपने सम्मुख भगवान श्रीहरि को प्रत्यक्ष पाया। छत्रपति शिवाजी के आध्यात्मिक गुरु समर्थ श्री रामदासजी ने राम मन्त्र 'श्रीराम, जय राम, जय जय राम' का तेरह करोड़ का जाप गोदावरी नदी के जल में खड़े रहकर पूर्ण किया। वे महान सन्त बने।

❑❑❑

जिंदगी की सारी कमाई पांच मिनट में लिख डाली दूसरों के लिए

- सुभाष लखोटिया

बात लगती है तो अजीब, पर है हकीकत, मानें या न मानें, रास आये या ना आये, यह बात आपको, परंतु जिंदगी का कड़वा सच तो यही है कि आप और हमको सभी को आज और आज नहीं तो कल सारी जिंदगी की कमाई को पांच मिनट में दूसरे के नाम में लिख डालना है। एक बार तो यह विचार आते ही मानसिक रूप से हम चिंतित हो जाते हैं और तुरंत विचार करने लगते हैं कि ना बाबा ना, मैं अपनी पूरी जिंदगी की कमाई पांच मिनट में किसी अन्य व्यक्ति को हरगिज भी देने वाला नहीं हूँ। सच तो यह है कि हमारी इच्छा चाहे हो कि हम किसी को नहीं दे। अपनी जिंदगी की कमाई पर वास्तविकता जिंदगी की यही है कि हम सभी को अपनी जिंदगी की सारी कमाई, चाहे वह अचल संपत्ति के रूप में हो या चल संपत्ति के रूप में हो, देना पड़ेगा ही। और यह देने की प्रक्रिया चाहे खुशी से अपनाएं आप या दुखी मन से अपनाएं और चाहे यह सोचें कि नहीं अपनाऊँगा मैं, परंतु फिर भी वास्तविकता और जिन्दगी की सत्यता तो यही है कि हमें और आप को देना पड़ेगा हमारी अपनी संपूर्ण कमाई को अन्य लोगों के हाथों में।

ज्यादातर पाठक इसे पहेली समझ रहे होंगे परंतु जो बात मैं कर रहा हूं अपनी जिंदगी की सारी कमाई को पांच मिनट में देने के बारे में, मेरा तात्पर्य है हमारी अपनी वसीयत से। जिंदगी में कम उम्र से ही आपने भी कार्य प्रारम्भ कर दिया। चाहे नौकरी का, चाहे व्यवसाय का, चाहे उद्योग का और पिछले पचास वर्षों में ढेर सारा धनोपार्जन कर लिया। अपने ही हाथों से मेहनत करके लाखों–करोड़ों रुपए कमाए आपने। एक भी संपत्ति आपके नाम में नही थी। आज ढेर सारी संपत्तियाँ, कंपनियों के शेयर, बैंक बैंलेस, फिक़्स डिपोजिट, सोने–चांदी, जेवरात सभी हो गए हैं। आपके पास किन्तु जिंदगी का एक पड़ाव ऐसा भी आएगा जब आपको इन सारी संपत्तियों को अपनी वसीयत के द्वारा आने वाली पीढ़ी में परिवार के अन्य सदस्यों के नाम में बांट देना होगा। इस प्रक्रिया से अगर आप संतुष्ट नहीं हैं अथवा आपको रास नहीं आती यह बात, तो भी इस बात की तो गारंटी है कि आपकी संपूर्ण संपत्ति, आपके बाद परिवार में सभी सदस्यों में जबर्दस्ती बांट दी जाएगी। जी हाँ, अगर हम वसीयत नहीं बनाते तो हमारी मृत्यु के पश्चात् हमारी संपूर्ण संपत्ति हमारे रिश्तेदारों में बांट दी जाती है कानून के हिसाब से।

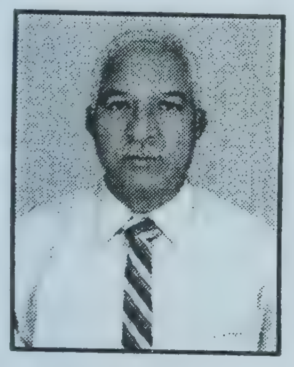
जब हम यह ज्ञात हो गया कि चालीस पचास वर्षों की हुई मेहनत से कमाई और अर्जित की गई संपूर्ण पांच मिनट में बांटना ही पड़ेगा हमको, तो ऐसी दिशा में एक विचार बिंदु हमारे पाठकों के सामने मैं रखना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ इस विचार बिन्दु पर आप मनन करें, दोस्तों से चर्चा करें और फिर जाकर अपने मानस पट में एक बदलाव लाने की चेष्टा करें। मेरे विचार से जब हमें हमारी संपूर्ण जिंदगी की कमाई को पांच मिनट में देना ही पड़ेगा तो ऐसे में क्यों नहीं हम ऐसा सोचे कि हमारी संपत्ति का कुछ अंश कम से कम प्रतिवर्ष हम सेवा के अच्छे कार्यों में अपने स्वयं के हाथों से लगाएं और जिंदगी का लुत्फ उठाएं। जी हाँ, यह विचार बिन्दु अब तक मैंने सैकड़ों प्रतिष्ठित और पैसे वाले लोगों के बीच रखा और उनको प्रेरित किया कि आप अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा अपने स्वयं के हाथों से दान–धर्म में लगाएं। पुण्य का लाभ तो मिलेगा ही किन्तु असीम मानसिक शांति आपके द्वार पर आ जाएगी अगर आप ऐसा करना शुरु कर देंगे। अतः मेरा अनुरोध है कि विशेष तौर से उन सभी व्यक्तियों से, जिन पर लक्ष्मीजी की असीम कृपा है। वे भगवान के इस असीम कृपा का लाभ लेते हुए और परिवार जनों में आने वाले समय

में संपत्ति बांटने के इरादे को रखते हुए कम से कम अपने जीवन काल में समय–समय पर अपने ही हाथों से कुछ राशि गरीब, असहाय व्यक्तियों के मध्य वितरीत करने का कार्य अपनाएं। अपने हाथ से दिए हुए दान की उपयोगिता शास्त्रों में लिखी हुई हैं किन्तु उस शास्त्रों को नहीं पढ़ कर भी हम केवल इतना ही करें कि अपने स्वयं के हाथों से गरीब, असहाय व्यक्ति की सेवा करें, तो हमें वास्तव में आंतरिक शांति मिलती है और हमारी आत्मा प्रसन्न हो जाती है। अतः अपने जीवनकाल में अपने स्वयं की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए तो कम से कम आप इस बात को अपनाना शुरु करें कि हम अपने जीवन काल में अपने पैसे का सदुपयोग परिवार के सदस्यों में वितरित करने के अलावा समाज में जो ऐसे वर्ग के लोग हैं, असहाय हैं, तकलीफ में हैं, अभाव में हैं उनकी थोड़ी मदद करें तो देश और समाज का कल्याण होगा और हमारी आत्मा को सच्चा सुख मिलेगा।

❑❑❑

कर्म व अकर्म

– जे. एस. राजावत



आज तक हम सभी यह समझते आए है की प्राणी मात्र सब अपने–अपने कर्म करते है। और उन्हें फल की जरूरत महसूस भी नही होती। लेकिन एक मात्र मनुष्य जो की बुद्धिमान है व हमेशा अपने कर्म व अकर्म पर हमेशा व्याखान देता है। चाहें गीता के उपदेश हो या अपनी बुद्धि के तर्क के द्वारा मेरे नीजि अनुभव के मुताबिक कर्म मनुष्य करता है या उस से करवाया जाता है। जैसे की अभी 9 जनवरी 2013 को सीमा पर पाकिस्तानी फौज द्वारा या आतंकियो द्वारा भारतीय सैनिको के सिर काट कर ले गये। क्या पाकिस्तानियों ने अपना कर्म नही किया। जिस के लिये उनकी फौज में जश्न मनाया गया। व शायद पाकिस्तानीयों द्वारा पुरस्कृत भी हो। वही भारत वर्ष के नागरिक सरकार उन्हें (पाकिस्तानियो) को इस दुष्कर्म के लिये दुत्कार रही है। अगर इसी तरह हम भारतीय सैनिक भी उनके 10 सिर काट कर लाते है। तो यह हमारे लिये अच्छा कर्म होगा जैसा कि गीता में कहा गया है कि हमें अपना कर्म करना चाहिये।

क्या इस के साथ एक विचार यह नही आता कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था कैसी है कि पाकिस्तानी चौरों की तरह आए और हमारे दो सैनिकों का सिर काट कर ले गऐ। हमारी सैना क्या कर रही थी। क्यों वो अपना कर्म चौकन्ना रहना, सीमा पर अच्छी तरह से निभा रहे थे ?

चलो एक और उदाहरण श्रीमती इन्दिरा गांधी, प्रधानमंत्री को गोलियों से मार कर खत्म किया या हत्या कर दी यह एक सवाल जो बैचेन करने वाला है। कर्म–योगी मारने वाले, सुरक्षा कर्मी व मरने वाली क्या सभी अपना कर्म नहीं कर रहे थे ? कर रहे थे। कामयाबी किसे मिली, मेरे विचार से जो अपनी पूरी निष्ठा से अपना कर्म कर रहा था उसे।

इस पूरे विषय का निष्कर्ष यह है कि हमारे लीडर चाहे किसी भी फिल्ड के हो श्रीकृष्ण जैसे हो अथवा वो धृतराष्ट्र है और उन्हे रहने नही देना चाहिए यह हम सब अपना कर्म वोट देकर कर सकते है। एक भी अच्छा लीडर होगा तो वो पूरे देश के वासियों को कर्मशील बना सकता है। व भारतवर्ष को सशक्त व शक्तिशाली देश पूरे विश्व में बना सकता है। सिर्फ एक युग पुरुष अपना कर्म करे चाहे अच्छा या बुरा इसके फैर में नही पड़े।

❑❑❑

अपना आहार (आहार–विज्ञान)

– डॉ. हरिदास गुप्ता



अपने आहार से जुड़े प्रश्न – 1. आहार क्यों, 2. क्या खायें, 3. कैसे खाये, 4. कब खायें, 5. क्या न करे, 6. आध्यात्मिक पक्ष।

आहार क्यों ? :– शरीर के सुचारु कार्य हेतु आवश्यक है– ऊर्जा (energy)। इस आवश्यक ऊर्जा का मुख्य व एक मात्र स्रोत है – हमारा भोजन। अतः भोजन आवश्यक है, भोजन के मुख्य अवयव है –

(अ) कार्बोहायड्रेट–1 ग्राम से 4 कैलोरी प्राप्त होता है। यह गेहुँ, चावल, दूध व मीठे पदार्थो से प्राप्त होता है।

(ब) प्रोटीन–यह मुख्य रुप से दालों, सोयाबीन, बड़े चने, राजमा, दूध व अंडो से प्राप्त होता है। ग्राम प्रोटीन 4 कैलोरी देता है।

(स) चिकनाई (फेट्स)–घी, तेल, मक्खन, मलाई आदि से प्राप्त होती है। एक ग्राम फेट से 9 कैलोरी प्राप्त होती है।

(द) अल्प मात्रा में विटामिन्स व मिनेरल्स आदि (लोहा, तांबा आदि) संतुलित भोजन से ये सभी तत्व मिल जाते है

क्या खायें– कच्ची सब्जियों (सलाद आदि) में पौष्टिक तत्व अधिक मात्रा मे होते है जो पकाने की क्रिया में कुछ मात्रा में कम हो जाते है। अतः एक तिहाई से अधिक भाग सलाद, फल के रुप में लेवे व शेष पका भोजन के रुप में दूध व दूध से बने पदार्थ किसी न किसी रुप में अवश्य लेवे। स्वाद हेतु निम्बु, प्याज आदि लिए जा सकते है।

चिकनाई कम से कम मात्रा मे ले। एक आदर्श भोजन थाली में चपाती, दाल, दही, एक या दो सब्जियाँ और कभी कभी चावल, दलिया आदि ले सकते है। रात्री भोजन सोने से दो घंटे पूर्व अल्प मात्रा में सुपाच्य पदार्थों के रुप में लेवे। एक या दो सप्ताह मे एक दिन उपवास रखना लाभदायक है। इस दिन सिर्फ निंबु पानी, छाछ या दूध लेवे। नाश्ता के समय कुछ फल अवश्य लेवे। रोटियाँ चोकोर सहित आटे की बनावे।

अखाद्य पदार्थों से बचे – अधिक मिर्च मसाले, तले पदार्थ, चाकलेट, फास्ट फूड, अचार आदि से बचे। चीनी, नमक व देशी घी अल्पतम मात्रा में लेना चाहिए।

कैसे खाये :– खूब चबा चबा कर खावे ताकि लेकर अधिक मात्रा में भोजन के साथ पेट में जावे। टी.वी. व अखबार पढ़ने से बचे। शांत व मौन होकर प्रसन्न चित्त से बिना मीन मेक निकाले भोजन ग्रहण करे।

कब खायें :– जहाँ तक संभव हो, भोजन प्रतिदिन नियत समय पर करे। सुबह व रात्रि भोजन में 6 घंटे का अंतराल आदर्श माना गया है। उदाहरण सुबह 8–9 के बीच नाश्ता, दोपहर 1–2 बजे लंच व रात्रि भोजन 8–9 के बीच। शयन रात्री 10 बजे। शयन पूर्व गरम दूध लिया जा सकता है।

क्या न करें ? :– भोजन पश्चात निम्न क्रियाओं से बचे :–

1. फल – नाश्ते में या भोजन पूर्व। रात्रि भोजन के बाद नहीं।
2. भोजन पश्चात चाय सेवन से बचे।
3. भोजन के तुरंत बाद नहाना नहीं चाहिए, इससे रक्त संचारण में अनियमितता आ जाती है।
4. टहलना भी भोजन के आधे घंटे या एक घंटे बाद।
5. शयन भी भोजन के 1–2 घंटे बाद करना चाहिए।

थोड़ा सा आध्यात्मिक पक्ष :–

1. हनुमानजी ने अशोक वाटिका मे फल खाने के बाद ही रावण से मुलाकात की व लंका दहन किया था।
2. शुद्ध आहार शरीर के बाहर व अंदर की सक्रियता बढ़ाता है।

3. शुद्ध सात्विक आहार से धीरे–धीरे दुर्गुण नष्ट हो जाते है। शरीर में सुंदरता आती है। मन शांत हो जाता है।

4. तथाकथित आधुनिक सहभोज गिद्धभोजन के समान है, यथा संभव बचे।

5. यदि संभव हो तो भोजन रेशमी वस्त्र पहनकर पाटे पर बैठकर करे।

6. भारतीय संस्कृति के अनुसार भोजन भगवान को अर्पित करने के बाद करना चाहिए।

7. अनुकूल न भी हो तो भी भोजन की आलोचना न करे।

8. भोजन उपरान्त कम से कम 16 बार कुल्ले करे।

9. ध्यान देवे–अधिक खाने की अपेक्षा कम खाना उत्तम है। ''पेट तो भर गया, मन नही भरा।''

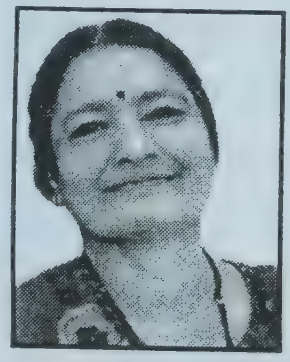
10. सिर्फ मांसाहार में प्रोटीन होता है, सही नही है।

11. मांसाहार, खून में यूरिक ऐसिड की मात्रा बढ़ाता है अतः सावधान, जहाँ तक संभव हो मांसाहार (Non Veg.) से बचे।

❑❑❑

काल करे सो आज कर

– कमला बुटानी



रावण मृत्यु शैया पर पड़ा अन्तिम सांसे ले रहा था। उस समय लक्ष्मण उसके पास आए और कहने लगे 'प्रणाम लंकेश' मुझे मेरे भाई श्रीराम ने आप के पास भेज कर आप के जीवन के अनुभवों से कुछ सीखने के लिए भेजा है।

रावण दर्द और आश्चर्य से बोले, 'मैं भला आप को क्या ज्ञान दूंगा ? आपके भाई तो सर्वज्ञ परमेश्वर हैं। मैं तो अब उठने की स्थिति में भी नहीं।'

लक्ष्मण विनम्रता पूर्वक बोले, 'मैं ही श्रीराम को यहाँ लिवा लाता हूँ। श्रीराम के आने पर रावण ने नम्रता पूर्वक कहा, सूर्यवंश के गौरव आप को मेरा प्रणाम। मैं राक्षस आप को क्या सीख दे सकूंगा ?'

श्रीराम ने कहा, 'यह सच है आप राक्षस हैं पर यह भी सच है कि आप शक्तिशाली व बुद्धिमान शासक रहे हैं। आप को अच्छे और बुरे का ज्ञान है। यही ज्ञान मैं आपसे प्राप्त करना चाहता हूँ।'

रावण बोला, 'अच्छे कर्मों को कभी टालना नहीं चाहिये वर्ना उन्हें करने का कभी अवसर ही नहीं मिलेगा। जीवन मैं मैने तीन अच्छी योजनाएँ बनाई थीं' –

1. नरक का मार्ग बन्द कर दूंगा ताकि किसी को भी नरक का दुख न झेलना पड़े।

2. लंका को घेरने वाले समुद्र का सारा पानी मीठा कर दूंगा या उसे बदल कर उसमें दूध भर दूंगा।

3. धरती से स्वर्ग तक एक सीढ़ी लगा दूंगा जिससे पापी व पुण्यात्मा सभी लोग स्वर्ग तक पहुँच सकें।

इतना बोलती ही रावण हाँफने लगा। थोड़ी देर बाद बोला, 'आप ठीक कह रहे हैं मैं शक्तिशाली शासक था। यह तीनों काम मेरे लिए कठिन भी नहीं थे लेकिन मैं इन कामों को टालता रहा और कभी नहीं कर सका। काश मैं सीता हरण की बुरी योजना को टाल देता परन्तु मेरा दुर्भाग्य मैं बुरे काम को नहीं टाल पाया जिसका परिणाम बुरा रहा वह है मेरे जीवन का अन्त।' इतना कहकर रावण ने सदा के लिए आँखें बन्द कर लीं।

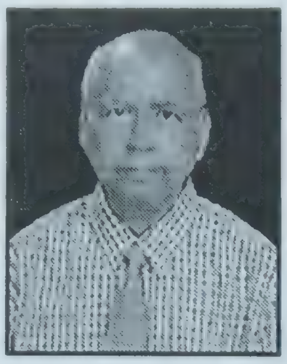
कहने का तात्पर्य है कि अच्छे कार्यों को क्रियान्वयन करने में रुकना या टालने का प्रयत्न न करें बुरे कार्यों की योजना न बनाएं न क्रियान्वयन करने की चेष्टा करें ताकि जीवन में कभी बुरा समय न आए। तभी तो सत्पुरुष कह गए हैं –

काल करे जो आज कर, आज करे सो अब।
पल में प्रलय होएगा, बहुरी करोगे कब।।

❑❑❑

बुजुर्ग से बन जाएं जवान

– किशनचन्द बुटानी



भारत ऋषि–मुनियों, तपस्वियों, साधुसंतो, सत्पुरुषों का देश है। यहां धर्म, प्रेम, दया व नैतिकता की रौशनी का जन्म हुआ है। तन, मन, धन से दूसरों को देने की प्रेरणा भारतवासियों की रग–रग में बसी है। ऐसी ही देने की प्रेरणास्पद घटना का एक 88 वर्षीय बुजुर्ग ने जिक्र किया है कि मैं अभी तो स्वस्थ, तन्दरुस्त, धन सम्पन्न, बुद्धि से परिपूर्ण चुस्ती से जीवन जीत बुढ़ापे की ओर निहार भर रही हूँ। देने से दिल प्रसन्न होता है शरीर स्वस्थ व शान्त रहता है। जब हम किसी भी सहायता करते हैं आत्मिक शान्ति के हकदार बन मुस्कुराते रहते हैं। एक कहानी उन्होंने बताई, एक आदमी नदीं में डूब रहा था। उसने सहायता की गुहार करते चिल्लाना शुरू किया।

एक नौजवान वहां से गुजर रहा था आवाजे सुन कर भी अनसुनी कर कहने लगा, 'अफसोस तुम डूब रहे हो, पर मैं बहुत जल्दी में हूँ।' तेज़ कदम चलता धड़धड़ाता वहां से निकल गया।

इतने में एक अधेड़ उम्र का आदमी सफेद झक, कलफदार कपड़ों में वहाँ से निकला। उसने भी आवाज़े सुनकर अफसोस ज़ाहिर करते कहा, काश मैं तुम्हारी मदद कर पाता परन्तु मेरे नए व सफेद कपड़े पानी व कीचड़ में सन जाएंगे। वह भी निकल गया।

उस के बाद एक बुजुर्ग 61 वर्षीय इन्सान वहां से निकला। वह चिल्लाहट सुनकर एक दम नदी तट पर आया उसे हिम्मत बंधाता इधर उधर मदद हेतु निहारने लगा। एक रस्सी उस के हाथ लगी बोला, 'इसे पकड़ो मैं तुम्हें बाहर खींच लूंगा।' इस तरह बुजुर्ग उस युवक की जान बचाने में कामयाब हुआ।

वह डूबता युवक बाहर आते ही एक फरिश्ते के रुप में परिवर्तित हो जाता है कहता है, 'तुम ने बुजुर्ग होते हुए भी मेरी मदद की है, मुझे कुछ देने की पेशकश की है मैं भी तुम्हें कुछ दूंगा', तुम्हारी बुढ़ापे की जिन्दगी के 30 वर्ष वापस लेकर तुम्हें 31 वर्ष का नौजवान बना दूंगा। वह बुजुर्ग 31 वर्ष का नौजवान युवा बन गया।

आप भी दूसरों की मदद करेंगे तो सदैव स्वयं को जवान पाएंगे। कहीं शीघ्र निकलना है, जीवन की आपा धापी कम नहीं होगी जीवन प्राथमिक है उसे नष्ट न होने दें, कपड़े गंदे होंगे ? नए आ जाएंगे, साफ हो जाएंगे पर जीवन अमूल्य है मददगार को समय रहते मदद आवश्यक है वर्ना समय बीत जाने के बाद सब व्यर्थ है। हर मनुष्य तन, मन, धन अनुसार कुछ दे तो जरूरतमंद भी खुशहाल आप भी खुशहाल।

❑❑❑

वरिष्ठ नागरिक

– मानसिंह वर्मा



हम सेवा निवृत्ति पश्चात् समाज को समर्पित सेवा का अहसास करा सकते है। राज्य सेवा में रहकर हमने पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से कार्यकर अपने कर्तव्य का पालन कर इतिश्री की है लेकिन हम अब भी उपरोक्त शीर्षक को सार्थक बना सकते हैं।

सीनियर सिटीजन सोसायटी अथवा पेंशनर समाज के आजीवन सदस्य बनकर ही हमको यह नहीं सोच लेना चाहिए कि हमने बहुत कुछ कर लिया बल्कि हमको राज्य सरकार जो पेंशन देती है उसके निमित्त भी कुछ करना चाहिए। ऐसी सोच उजागर

कर हमें अपने जीवन के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। हमें सामाजिक सेवाओं से अपने आपको जोड़ना चाहिए। प्रथम हम जिस समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं उसके जातीय उत्थान के कार्य में सहायक होना चाहिए, एवं भरसक प्रयत्न कर अपने समाज की जाति के शैक्षणिक, व्यापारिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भाग लेना चाहिए। तत्पश्चात् हमें सामान्य समाज की धार्मिक, अध्यात्मिक संस्थाओं से अपने आपको जोड़ना चाहिए, यदि कोई धार्मिक प्रवचन इत्यादि होते हैं तो वहां तन-मन-धन से सक्रिय भाग लेना चाहिए तथा धार्मिक संस्थाओं में आजीवन सदस्य बनकर सहयोग करना चाहिए जैसे मानव सेवा संघ, रामायण मण्डल, तुलसीसेवा संस्थान एवं भजन कीर्तन मण्डल इत्यादि।

इसके अतिरिक्त सीनियर सिटीजन सोसायटी अथवा पेंशनर समाज या अन्य किसी सामाजिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर आयोजित शिविरों में व्यक्तिगत रुप से अपनी सेवायें देकर योगदान करना चाहिए जैसे रक्तदान शिविर, योग शिविर प्राथमिक स्वास्थ्य जांच शिविर, नेत्र ऑपरेशन शिविर इत्यादि। इसके अतिरिक्त हम चाहे तो भारत स्काउट एवं गाइड सेवा रेडक्रॉस सेवा समिति इत्यादि संस्थाओं के द्वारा विशाल धार्मिक स्थलों में लगने वाले मेला व सेमीनार इत्यादि में अपनी सेवायें प्रदान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि हम सेवा निवृत्त शिक्षक हैं तो अपने आस-पड़ौस के गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे परिवार के बच्चों को शिक्षण कार्य अर्थात् कोचिंग क्लास के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।

इस प्रकार हम सेवा निवृत्ति के पश्चात् समाज को एक समर्पित व्यक्तित्व का अहसास करा सकते हैं तथा अपने को भी व्यस्त कर समाज एवं देश की सेवा में अग्रसर रह सकते हैं। साथ ही समाज में भी अपने अनुभव योग्यता तथा कार्यकुशलता की अमिट छाप छोड़ सकते हैं।

❑❑❑



जिंदादिली से दो उम्र को मात

- परमानन्द यादव

जिदादिली से दो उम्र को मात
न घबराओ न डरो
न डगमगाओ न भटको
न हो हिताश, निराश
जगाओ एक जोशीला जुनुन
बढ़ती उम्र को न दो
लाचारी, बेबसी की संज्ञा
जोशीले जज्बे से दो
शिकस्त उम्र की कमजोरियों को
भर दो हौसला, जगाओ उमगं
बनो स्वावलम्बी व पुरुषार्थी
झटक दो उम्र की कमजोरी को
प्रज्जवलित कर दो बढ़ती उम्र
के जेहन में चिगारी
जो चारो ओर फैला
दे अद्भूत प्रकाश
बना दे आत्मविश्वासी
फैला दे जिदादिली
का पैगाम व जीवन को कर दे
हर्षित व खुशहाल।

❑❑❑

पहाड़ की व्यथा

– श्रीमती शिवा पाण्डेय



एक दिन मैं अपने बगीचे में खड़ी थी। टहलते टहलते मेरी नजर पहाड़ पर पड़ गई। पहाड़ पर जैसे कोई सो रहा हो, उसकी पूरा शरीर एक आदमी के समान लग रहा था। सोचा मेरा वहम हो सकता है लेकिन गौर से देखने पर लगा वास्तव में सच था। सोचते –सोचते मैं उसके पास पहुँच गई लगा कि वह मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है। मैंने अनसुना कर दिया फिर भी ऐसा लगा कि वह मुझे आवाज देकर मेरा ध्यान अपनी ओर करना चाहता है। मैं चलते–चलते रुक गई मैंने पूछा क्या बात है ?

पहाड़ बोला हमारी व्यथा भी सुन लो तो हमको भी सकून मिल जाय मैंने पूछा तुम्हारी व्यथा क्या है वह जोर–जोर से रोने लगा और बोला कि बताओ हमने किसी का क्या बिगाड़ा है, जो लोग हमारे शरीर के टुकड़े–टुकड़े करके ले जाते है, जब वह हमको काटते है तो हमको बड़ी तकलीफ होती है, कोई मशीन से काटता है तो कोई हथोड़े से, कोई कुदाली से। हमारे शरीर के इतने टुकड़े होते है कि हम आपसे कुछ कह नहीं सकते। हम तो वर्षों से ही देश की रक्षा करते है। हम इतने काले होते है कि दुश्मन को दिखाई नहीं देते, हम वर्षो से यों ही पहरेदार की तरह खड़े हुये है। जब राजा महाराजाओं का राज हुआ करता था उस समय हम राजाओं का ताज कहलाते थे, वह हमारी रक्षा करते थे और हमारे दुःख, तकलीफ का सहारा बनते थे, जब से राजाओं का राज चला गया हमारा अस्तित्व ही मिट गया। अब तो हमारे शरीर में बड़े–बड़े गढ्ढे हो गये है। कोई जानवर आकर बैठ जाता है और वह गन्दगी कर देते है, अब तुम्हीं बताओ, अब हम साफ कहाँ से रह सकते है। उन गढ्ढों में बड़े–बड़े पेड़ उग आते है, झाड़िया इतनी हो जाती है कि हमारे शरीर में चुभती हैं अब वर्षा भी इतनी नही होती जिससे कि हमारा शरीर पूरा नहा सके। कभी वर्षा हुई तो, कभी मुँह धोलो, कभी हाथ धोलो या कभी पैर धोलो कि अब आप बताओ कि आप भी क्या ऐसा ही करती है, थोड़ा–थोड़ा करके स्नान करती है नहीं नाँ।

पहले जमाने में हम कितने मौटे थे, कि अब देखो तो हम कितने पतले हो गये अब हम ना तो किसी का सहारा बन सकते है और ना ही किसी की रक्षा कर सकते है कि आप हमारी रक्षा कर सकती है, हमें आप से बहुत आशा है अब हमारे शरीर पर चोट नही लगनी चाहिए और ना ही टुकड़े होने चाहिए, हमें आपसे आशा है कि हमारा दिल नहीं तोड़ेगें।

❑❑❑

एक सच्ची घटना

– श्रीमती सुमन भार्गव

बात सन् 1931 की है। हमारे पिताजी (ससुर) अजमेर में टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में सीटी में अध्ययन कर रहे थे। तब अजमेर शहर इतना फैला हुआ नहीं था। आज जो कचहरी रोड व्यस्तम सड़क हो गई है। उस समय इस पर बड़े–बड़े नीम के पेड़ो के कारण शाम से ही अंधेरा हो जाता था। उधर निकलने में डर लगता था। आज का बस स्टैण्ड नहीं था, अम्बेडकर सर्किल नहीं था। मीरशाह कॉलोनी भी बहुत बाद में बसी। जयपुर रोड़ तो अब राष्ट्रीय मार्ग है तब कच्ची सड़क थी।

पिताजी मिट्ठनलाल चौक में रहते थे। वहाँ से रोज पैदल ही जाना होता था। रास्ते में ही कुछ साथी

मिल जाते थे।

उस दिन (दिसम्बर का महीना था) बादल बहुत हो रहे थे। सर्दी कड़ाके की थी। कॉलेज से शाम को जब साथी जब घर जाने लगे तब पिताजी का काम थोड़ा रह गया था। साथी जल्दी कर रहे थे। उन्होंने कहा आप लोग चलो, मैं भी आता हूँ। और वह भी थोड़ी ही देर में चल दिये। पर सभी तेजी से जा रहे थे और अंधेरा बहुत हो गया था। सड़क पर कोई बिजली वगैरह नहीं थी। वह रास्ता भटक कर दूसरी ओर चले गये। जल्दी–जल्दी चलने में अचानक एक गड्डें में गिर गये। वहाँ से अपने साथियों को बहुत पुकारा परन्तु वह लोग तो दूसरी और बहुत आगे निकल गये थे। तो किसी ने उनकी आवाज नहीं सुनी। वह वहीं भगवान को याद करके आरती गाने लगे। हाथ से टटोला तो एक चिकनी–चिकनी सीढ़ी हाथ में आ गई। ऊपर चढ़ कर आये तो बिजली चमकी ओर उसकी रोशनी में ही सही सही रास्ता लिया।

टोपी, मफलर और किताबें आदि सब उस ही गड्ढे में पड़े रह गये। कोट का कौना फट गया था। शरीर पर कई जगह कांटों की खरोज लग गई थी। दूसरे दिन सुबह कॉलेज जाते समय जब साथी मिले तो उन्होंने पूछा भार्गव आज टोपी मफलर नहीं लिया, तब उन्होंने उन्हें रात का सारा किस्सा सुनाया, और बोले कि अभी उधर चल कर टोपी, मफलर व किताबें आदि उठा लेते हैं। वहाँ जाकर सब ने देखा कि वह तो अंधा कुआ है जिसमें साँप बिच्छु आदि वास कर रहे हैं। आप इसमें से कैसे बाहर आये। रात की बात बताई कि उस समय भगवान ने मेरी सहायता की। वहाँ उन लोगों को कोई सीढ़ी भी नजर नहीं आई। टोपी, मफलर व उनकी किताबें सब नीचे पड़े हुये थे और कांटों में कोट का टुकड़ा फंसा हुआ था।

इस प्रकार श्री कृष्ण भगवान अपने भक्त पं. कृष्णचन्द्रजी को बचाया। सही कहा है – ''जाको राखे सांइया मार सके न कोय''।

❑❑❑

प्रेम

– प्रिंस सेमसन

विश्वास, आशा, प्रेम ये तीनों स्थाई है। पर इन में सब से बड़ा प्रेम है। यह मसीही समाज की पुस्तक में 1 कुरिन्थियों का 13वाँ पाठ है।

आज के युग में हम यह पाते हैं परिवारों में सब प्रकार की सुख सुविधा के साधन है। लोगों के पास पैसा है, अच्छी से अच्छी मोटर गाड़ियाँ है, परन्तु प्रेम का अभाव है। परिवारों में बाप–बेटों में भाई–भाई में, सास–बहू में नहीं बनती है। बेटे अपने पिता का कहना नहीं मानते हैं, उनका आदर नहीं करते हैं तथा तुच्छ समझते हैं।

प्रेम के अभाव के कारण हम अपने को बड़ा समझते हैं, कई बार लड़ाई झगड़े भी हो जाते हैं तथा कोर्ट–कचहरी तक जाने की नौबत आ जाती है जिसमें समय व पैसा दोनो बर्बाद होता है।

हम सीनियर सिटीजन हैं जो जिंदगी के कई उतार चढ़ाव देख चुके हैं जो संयुक्त परिवार से आए हैं जहाँ पर परिवार के सभी सदस्य साथ रहते थे व साथ खाना होता था। जहाँ छोटे बड़ों की आज्ञा का पालन करते थे पर अब सब परिवार अलग–अलग रहते हैं। हमारा फर्ज है कि सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करें तथा सब में परस्पर प्रेम बनाकर रखें। यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए तभी हमारा जीवन सफल होगा। इस आशा के साथ कि आप इसे व्यवहार में लाएगें।

❑❑❑

आत्म–विश्वास

– के.बी.एस. बाघ

प्राणी का स्वभाव जन्म से ही अपने भरण–पोषण एवं निवास हेतु व्यवस्था बना लेना है। पशु–पक्षी स्वभाव से ही अपनी व्यवस्था स्वयं करने के ज्ञान को स्वतः प्राप्त होते हैं। पशु तो अज्ञानी कहा जाता है। क्या पशु को इसके लिए कहीं शिक्षा ग्रहण करने जाना होता है ? शरीर को चलाने, स्वस्थ्य रखने की समस्त दैनिक चर्चा प्राणी स्वतः ही करता चलता है और ज्यो–ज्यो वह वृद्ध होता है त्यो–त्यो उसका ज्ञानवर्धन स्वयमेव होता जाता है। यह सब ज्ञान 'आत्म संवित' याने आत्म विश्वास के कारण ही होता है। यह जीवात्मा ही सर्वमय, सर्वात्मक, सर्वज्ञ विश्व रुप है। तत्वज्ञान होते ही सब चिन्मय हो जाता है। जिसने तत्वतः एक ही भाव का अनुभव कर लिया तो उसने सभी भावों का अनुभव तत्वतः एक ही भाव का अनुभव कर लिया तो उसने सभी भावों का अनुभव कर लिया तो उसने सभी भावों का अनुभव तत्वतः कर लिया। जिस–जिस शरीर में संवित दृढ़ता को प्राप्त होगी वहीं–वहीं उसके समस्त गुण प्रकट होने लग जायेगें। आत्म विश्वास के कारण कठोर से कठोर कार्य किया जा सकता है वह भी संभव हो जाता है।

मानव द्वारा किसी भी लक्ष्य का प्राप्त करने के लिए कर्म के करने का दृढ़ निश्चय ही आत्म विश्वास है। वह अपने अंतर्गत यह विश्वास पैदा कर लेता है कि वांछित कार्य करने में यह सक्षम है और वह उसी धीरज, लगन एवं एकाग्रता से कर्म करने में सफल हो जाता है।

जैसे दूरस्थ घट, कूप, वृक्ष आदि पदार्थ संदिग्ध अस्पष्ट दिखाई पड़ते हैं, किन्तु चित को सावधन करके एकाग्र होकर विचार करने पर स्पष्ट एवं असंदिग्ध दिखाते हैं। क्योंकि स्वरूप में कोई आवरण नहीं रहता। निर्बल व्यक्ति भी उद्योग बल का आलबन लेकर युद्ध भूमि में अपूर्व शौर्य का परिचय देता है।

आत्म संवित की अभिव्यक्ति होने पर शोक, मोह, वृद्धापन, मृत्यु आदि से भय नष्ट हो जाते हैं और मनुष्य को निर्भयता प्राप्त हो जाती हैं। अत्म संवित् के उल्लास को कुँठित, लुप्त या विनष्ट करने वाली यदि कोई वस्तु है तो वह है ग्लानि। ग्लानि के अन्दर प्रवेश कर जाने से आत्मसंवित् भाव अदृश्य हो जाता है और शरीर कार्य के प्रति उत्साहहीन हो जाता है। यदि आत्म स्वभाव के द्वारा अज्ञान को विलुप्त कर दिया जाय तो जीवन में ग्लानि, अनुत्साह जैसे विकृतियाँ आ ही नहीं सकती। योगी इसी ग्लानि को मिटाकर शोक, मोह, मृत्यु से अभय होकर दृढ़ता प्राप्त करते है।

नोट : आत्म विश्वास से ही प्रभु मिलते हैं।

❑❑❑

सत्य सर्वोपरि

– राजेन्द्र श्रीवास्तव



धर्मनिति के अनुसार चार पाद होते हैं। सत्य, दया, तप, पवित्रता एक दिन राजा सत्यदेव सुबह उठे तो उन्होने देखा कि महल में से एक अतिसुन्दर स्त्री को निकलते देखा, तो राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा कि आप कौन है ? जवाब मिला कि मेरा नाम लक्ष्मी है अब मैं इस महल से जा रही हूँ, राजा ने कहा ठीक है आप जा सकती है।

लक्ष्मी जी चली गयीं तब उनके पीछे से महल से एक सुन्दर पुरुष को बाहर निकलते देखा तब राजा ने पूछा कि आप कौन है ? उत्तर मिला मेरा नाम दान है लक्ष्मी जी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका महल छोड़कर जा रहा

हूँ, राजा ने कहा ठीक है आप भी जा सकते हैं।

इसके बाद महल से दो पुरुष और निकल कर बाहर आये तब राजा ने पूछा कि आप कौन है ? उन दोनों पुरुषों का जवाब मिला कि हम ''सदाचार'' और ''यश'' है। जब लक्ष्मी व दान भी चले गये तो हम यहाँ रहकर क्या करेंगे हम भी जा रहे है। राजा ने उनको भी जाने की इजाजत दे दी।

इसके बाद पाँचवा पुरुष भी महल से निकला, राजा ने पुनः कहा कि आप कौन ? तब उसने जवाब दिया कि मैं ''सत्य'' हूँ, और मैं भी जा रहा हूँ, इतना सुनते ही राजा हाथ जोड़कर खड़े हो गये और विनयपूर्वक निवेदन किया कि मैने तो आपका कभी त्याग नहीं किया, आप मुझे किसलिए छोड़कर जा रहे हैं, मैने आपके लिए लक्ष्मी, दान, सदाचार, यश सबको त्याग दिया, मैं आपको कहीं भी, कभी नहीं जाने दूंगा। आपके जाने से मेरा सब कुछ चला जायेगा, अतः सत्य रह गया।

जब सत्य महल में से बाहर नहीं आया तो बाहर गये हुए लक्ष्मी, दान, यश, सदाचार वापस महल में आ गये। सत्य ही सर्वस्व है, सत्य बिना सदाचार, दान, कीर्ति और लक्ष्मी किस काम के, इसलिए घबराना नहीं चाहिए जहाँ सत्य होगा वहाँ इन सबको रहना ही पडेगा।

परमात्मा के लिए दुखः सहन करना तप है, प्रभु की आराधना करना तप है – दुख सहन करते हुए जो प्रभु का भजन करते हैं, वे श्रेष्ठ है। ❑❑❑

जीवन साथी



– जे.पी. शर्मा

जीवन साथी बनकर नारी जीवन को महकाती है।
सुख में हंसती, दुःख में रोती, हरदम साथ निभाती है।।
तन यौवन से मन मस्ती से, जब लहराने लगता है।
भीगी–भीगी रात का आलम, जब बहकाने लगता है।।
सरस–सरस सरसाने आती, इठलाती बलखाती आती।
यौवन का मदपान कराती, स्वर्गलोक की सैर कराती।।
सेज बांटती, प्यार लुटाती, तन–मन को हर्षाती है।
जीवन साथी बनकर नारी .... ।। 1 ।।

चरण–कमल जब द्वार पधारे, घर पावन हो जाता है।
आंगन में छाती खुशहाली, मन उपवन हो जाता है।।
ब्याह के दुलहन जब आती है, साथ में वो खुशियाँ लाती है।।
सास–श्वसुर देवर और ननदी, सबकी प्रिय हो जाती है।
सेवा करती, स्नेह लुटाती, गृहलक्ष्मी कहलाती है।।
जीवन साथी बनकर नारी .... ।। 2 ।।

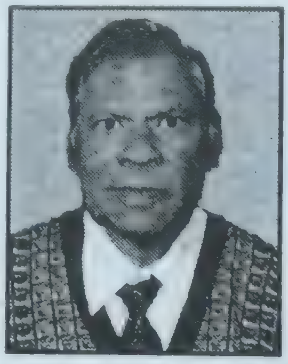
स्वाद भरे व्यंजन भोजन में हमको रोज खिलाती है।
चाय दूध भी जब चाहो तब, सबको खूब पिलाती है।।
मेहमानों की आवभगत और खातिरदारी करती है।
गांव–मौहल्ले के सुख–दुख में भागीदारी करती है।।
कुशल प्रबंधन, नेह का बंधन, धन–संचय करवाती है।
जीवन साथी बनकर नारी .... ।। 3 ।।

तन मन की पीड़ाएं सहकर हंसकर माता बनती है।
सांसारिक रचना रचने को कष्ट वेदना सहती है।।
लालन पालन करने खातिर गीले में भी सोती है।
दूध पिलाती, लोरी गाती, मलमूत्र भी धोती है।।
नन्हे–नन्हें फूल खिलाकर, वंशबेल पनपाती है।
जीवन साथी बनकर नारी .... ।। 4 ।।

कोई रोगी होता जब भी, अपने घर परिवार में।
संयम, सेवा, साधना, धीरज, आ जाता व्यवहार में।।
तीज–त्योंहार व्रतों को रखकर, ईश–वन्दना करती है।
पतिव्रत का पालन करके वो, मंगल–पूजन करती है।।
जीवन की अंतिम श्वासों तक निज कर्त्तव्य निभाती है।
जीवन साथी बनकर नारी जीवन को महकाती है।। 5 ।।

कैंसर की हौम्योपैथिक चिकित्सा

- डॉ. कुलदीप माथुर



"हमारी स्वाभाविक एवं प्राकृतिक शक्तियाँ हमें रोग मुक्त करने में सर्वाधिक कारगर है।" हिपोक्रेट की ये विचारधारा हौम्योपेथिक चिकित्सा के सिद्धान्तों का समर्थन करती है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति कैसर की संक्रमित कोशिकाओं की वृद्धि को रोकने व फिर से न पनपने की प्रवृत्ति पर रोक लगाती है।

यूनानी के महान चिकित्सक गैलन ने लिखा था मानसिक अवसाद व गिरी हुई मानसिक स्थिति भी कैंसर रोग के पनपने का कारण होती है। हौम्योपैथिक चिकित्सा में मानसिक लक्षणों को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। कैन्सर की कुछ प्रमुख औषधियाँ :-
स्तन में गाँठ का अहसास–ग्रेफाइटिस व मर्क आयोड
धीरे–धीरे गाँठ के बढ़ते जाने में–प्लबम आयोड
कड़ी गाँठ–बैराईटा आयोड, शरीर की गाँठे–मैककार्ब गाँठ बढ़ने की प्रवत्ती–ऐल्यूमेन, किसी भी तरह की गाँठ का बढ़ना–लेपिस ऐल्बा, कठोर–कोनियम, फाइटोलेल्का, फाईटोलेक्का, बढ़ी हुई गाँठे–आयोडम रोग की गाँठे–हीपर सल्फ, अति कठोर–बेडीयागा, ब्यूबोनियम, बगल की गाँठे–फाइटोलेक्का, इलेप्स कार, सीधे स्तन की गाँठ–कोनियम, उल्टे स्तन की–साइलीशिया, सिस्ट–ऐपिस आयोड, किसी भी तरह की गाँठ–आरसैनिक ऐल्बम, घाव–हाइड्रेटिस कैन, ऐन यैक्स, यूफोरबिया राईलीना, घाव की प्रकृति–अमोनियम कॉब, चर्म के नीचे घाव–लाइकोपोडियम, असाध्य घाव–कैन्डूरैगों, अमाशय कैन्स–कैन्डूरैंगो, मीनोपाज अवस्था–ग्रेनेटम, मुँह का घाव–हाईड्रेटिसम्यूर, लीवन–कोलेस्ट्रीनम, कोलन–स्पाईजीलिया, पेनक्रियाज–ऐल्यूमिना, फेफड़ो–रेडियम ब्रोमाइड, स्त्रियों की जनेन्द्रियों का घाव–क्रियोजोट, म्यूरेटिक ऐसिड़, कैन्सर आमाशय–बिसमथ, प्रोस्टेट–इगनेशिया, गला–फैरम पिकरिक, आंतो का सिस्फाईटम, ल्यूकोमिया–विनका, पाईलोरस–आरियागेलम।

❑❑❑

वृद्धावस्था में स्मृति

- रतनलाल ऐरन



जैसा कि आप सभी जानते हैं कि प्रौढ़ावस्था से वृद्धावस्था की ओर बढ़ने पर शरीर की शक्तियों में कमी आने लगती है। हम अपने खान–पान, व्यायाम, योग व चिकित्सा की ओर पर्याप्त ध्यान दे कर स्वास्थ्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। लेकिन समय के साथ–साथ शरीर के क्षरण की प्रक्रिया भी शुरु हो जाती है जिसकी गति हमारी दिनचर्या पर निर्भर करती है।

वृद्धावस्था के उत्तरार्ध में एक और समस्या का सामना करना पड़ता है और वो है स्मरणशक्ति में कमी होना। कही सुनी बातों का भूल जाना, बाजार में खरीददारी के वक्त भूल जाना आदि सामान्य गतिविधियों में व्यवधान पैदा करता है। अच्छी याददाश्त मस्तिष्क की शक्ति पर निर्भर है। जब तक तन–मन स्वस्थ, स्मरणशक्ति भी स्वस्थ याददाश्त को ठीक रखने में खून में सोडियम–पोटेशियम के उचित संतुलन का महत्त्वपूर्ण योगदान है। जब भी यह संतुलन बिगड़ता है, यह हमारी स्मरण शक्ति पर विपरीत असर डालता है। अतः समय–समय पर खून की जांच कराते रहना चाहिये। मान्यता है कि नमक का उपयोग कम से कम करना चाहिये लेकिन कमी की इस मात्रा का निर्धारण चिकित्सक की सलाह से करें तथा याददाश्त के बारे

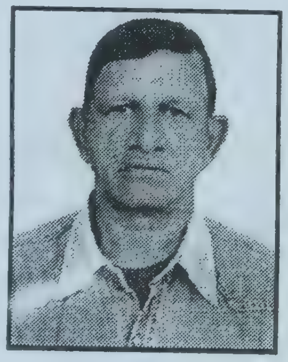
में कोई समस्या हो तो यह भी उन्हें अवश्य बतायें।

मस्तिष्क के पोषण के लिये एक तो ग्लूकोज आवश्यक है, दूसरे एमिनो एसिड। दूध, बादाम, विटामिन बी–1, बी–2, बी–6 के सेवन से याददाश्त अच्छी रहती है। थोड़ी मात्रा मे अखरोट का उपयोग मस्तिष्क आहार होने के साथ हृदय में नई शक्ति का संचार करता है। अखरोट का उपयोग घुटनो के दर्द मे भी लाभकारी है। वृद्धावस्था में वसा (चिकनाई) के कम उपयोग कर ज्यादा जोर दिया जाता है लेकिन अच्छी वसा की कमी भी गंभीर तनाव बढ़ा सकती है। उचित मात्रा में (दो–तीन) अखरोट का उपयोग मस्तिष्क व हृदय को नई शक्ति प्रदान करता है।

ट्रिप्टोफेन नाम का एमिनो एसिड शरीर मे सेरोटोनिन स्रावित होने में महत्वपूर्ण है। इसका मतलब खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना है। (चिकित्सक की सलाहनुसार), जटिल कार्बोहाइड्रेट शामिल करना स्वस्थ संतुलन देता है क्योंकि स्रावित होने वाला इंसुलिन रक्त में उपलब्ध अतिरिक्त रक्त–शूगर को साफ कर मस्तिष्क में ट्रिप्टोफेन का बेहतर तरीके से प्रवेश संभव कर पाता है। इसलिये संतुलित आहार ले। विटामिन–बी की कमी ट्रिप्टोफेन को घटा सकती है। इसके लिये दलिया, मूंगफली आदि का प्रयोग लाभकारी होता है।

कविताओं, श्लोको आदि का पठन–पाठन और 'ध्यान' से स्मरण शक्ति को बनाये रखने मे काफी मदद मिलती है।

❑❑❑



मैं पानी हूँ.....

– मेवालाल जादम

बूँद–बूँद टपकता रहा, रोता रहा, चिल्लाता रहा।
पुकारता रहा, आवाज देता रहा, कोई मुझे बचाओ।।
मैं तुम्हारा कल हूँ, मैं तुम्हारा जीवन हूँ मैं नही।
तो तुम भी कुछ नहीं, मुझे अब बचाओं।।
मैं जानता हूँ कि मुझे तुम यू न बहाओ।
फव्वारे में नहा कर मुझे ये न मिटाओं।।
पर तुम मस्ती में मस्त, टोटी खोल कर डाढ़ी बनाते रह गये।
मैं बहकर और कही चल दिया, तुम डाढ़ी बनाते रह गये।
बूँद बूँद बहकर भर दी मैंने तेरी सारी गागर।
तू आया खाली कर गया, सारी टंकी और गागर।।
हें मानव! तेरे इसी स्वभाव से इस वर्ष में में हुआ हूँ रूष्ट।
बादलो से नहीं बरसा मैं तो कैसे हो रहा है जल कष्ट।।
कही तीन दिन, कही आठ दिन दे रहा हूँ मैं तुझे दर्शन।
सम्भल जा वरना दूलर्भ हो जायेगे, तुझे मेरे दर्शन।।
अब भी सम्भलों यारो मैं पानी हूँ , और मुझे बचाओ।
फिर तुम आनन्द से खूब होली पर्व मनाओ।।
रंगो गुलाल और तिलक की अब कभी होगी न होली।
आज बचाओं कल कर दूँगा, रंगो से रंगीन होली।।

❑❑❑



Income Tax rates for the assessment Year 2013-14

Ramesh Chandra Sharma

Tax rates for the assessment year 2013-14 are given below-

For a senior citizen resident (who is 60 years or more at any time during the previous year but not more than 80 years on the last day of the previous year, *i.e.*, born during April 1, 1933 and March 31, 1953)

Net income range	*Income tax rates*	*Education Cess*	*Secondary and higher educationcess*
Up to Rs. 2,50,000	*Nil*	*Nil*	*Nil*
Rs. 2,50,000- Rs. 5,00,000	*10% of (total income minus Rs. 2,50,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*
Rs. 5,00,000- Rs. 10,00,000	*Rs. 25,000+20% of (total income minus Rs. 5,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*
Above Rs. 10,00,000	*Rs. 1,25,000 +30% of (total income minus Rs. 10,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*

For resident Super Senior Citizen (who is 80 years or more at any time during the previous year i.e., born before April 1, 1933)-

Net income range	*Income tax rates*	*Education Cess*	*Secondary and higher educationess*
Up to Rs. 5,00,000	*Nil*	*Nil*	*Nil*
Rs. 5,00,000- Rs. 10,00,000	*20% of (total income minus Rs. 5,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*
Above Rs. 10,00,000	*Rs. 1,00,000+30% of (total income minus Rs. 10,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*

For any other individual (born on or after April 1, 1953), every HUF/AOP/BOI/artificial juridical person-

Net income range	*Income tax rates*	*Education Cess*	*Secondary and higher educationess*
Up to Rs. 2,00,000	*Nil*	*Nil*	*Nil*
Rs. 2,00,000- Rs. 5,00,000	*10% of (total income minus Rs. 2,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*
Rs. 5,00,000- Rs. 10,00,000	*Rs. 30,000+20% (total income minus Rs. 5,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*
Above Rs. 10,00,000	*Rs. 1,30,000+30% of (total income minus Rs. 10,00,000)*	*2% of income-tax*	*1% of income-tax*

Notes :

1. Surcharge- Nil

2. Education cess- It is 2 percent of income-tax.

3. Secondary and higher education cess- It is 1 percent of income tax.

Ramesh Chandra Sharma

Resi. : 9, Vimal Kunj, Anupam Nagar, Near Sophia School, Jaipur Road, Ajmer

Ph. 0145-2428575 (R), 2429785 (O), Mob. : 9351256799



अजमेर में दि. 01–01–2013 से ट्रेनों का टाईम–टेबल

एन. के. शर्मा

दिल्ली, अहमदाबाद रूट की गाड़ीयाँ निम्न प्रकार से चलेगी

ट्रेन नं.	ट्रेनों का विवरण	गाड़ी का नाम	आगमन	प्रस्थान	वाया
54801/19654	जोधपुर-अजमेर-रतलाम	एक्सप्रेस	12.40	13.25	ब्यावर, मारवाड़, चित्तौड़
54802/19653	रतलाम-अजमेर-जोधपुर	,,	13.55	14.30	,,
54805/54807	अहमदाबाद-अजमेर-जयपुर	पैसेन्जर	15.30	18.15	फुलेरा, ब्यावर, मारवाड़
54808/54806	जयपुर-अजमेर-अहमदाबाद	,,	09.15	10.10	,,
59601	ब्यावर-अजमेर	पैसेन्जर	09.05	--	--
59602	अजमेर-ब्यावर	,,	--	18.20	--
59607	अजमेर-पुष्कर (मंगल, शुक्र नहीं चलेगी)	पैसेन्जर	--	09.15	मदार, माकड़वाली
59608	पुष्कर-अजमेर	,,	16.50	--	बुढ़ा पुष्कर
12015	नई दिल्ली-अजमेर	शताब्दी एक्सप्रेस	12.45	--	जयपुर
12016	अजमेर-नई दिल्ली	,,	--	15.45	,,
12195	आगरा फोर्ट-अजमेर	एक्सप्रेस	11.45	--	बांदीकुई, भरतपुर
12196	अजमेर-आगरा फोर्ट	,,	--	15.00	,,
12215	दिल्ली स.रो.-जयपुर-बान्द्रा(सो.,मं.,गु.,श.)	गरीब रथ	16.30	16.40	ब्यावर, अहमदाबाद
12216	बान्द्रा-जयपुर-दिल्ली स.रो.(सो.,बु.,गु.,श.)	एक्सप्रेस	04.50	05.05	,,
12395	राजेन्द्रनगर (पटना) - अजमेर (गुरू.)	जियारत	15.10	--	जयपुर, आगरा
12396	अजमेर-राजेन्द्रनगर (पटना) (गुरू.)	एक्सप्रेस	--	23.55	,,
12413	अजमेर-जयपुर-जम्मूतवी	पूजा	--	14.15	जयपुर, दिल्ली
12414	जम्मूतवी-जयपुर-अजमेर	एक्सप्रेस	12.15	--	,,
12547	आगराफोर्ट-अहमदाबाद (सो.,बु.,शनि.)	एक्सप्रेस	04.55	05.05	जयपुर, बांदीकुई
12548	अहमदाबाद-आगराफोर्ट (मं.,गु.,रवि.)	,,	01.35	01.45	,,
12915	अहमदाबाद-दिल्ली	आश्रम	02.20	02.30	जयपुर, दिल्ली
12916	दिल्ली-अहमदाबाद	एक्सप्रेस	22.35	22.45	,,
12957	अहमदाबाद-नई दिल्ली	स्वर्णजयन्ती	00.50	00.55	मारवाड़,
12958	नई दिल्ली-अहमदाबाद	राजधानी एक्स.	02.25	02.29	जयपुर
12977	अर्णाकुलम-जयपुर-अजमेर (मंगलवार)	मरूसागर	17.00	--	सवाई माधोपुर
12978	अजमेर-जयपुर-अर्णाकुलम (शुक्रवार)	एक्सप्रेस	--	07.40	,,
12983	अजमेर-चंडीगढ़ (मंगल., शुक्र., रवि.)	गरीब रथ	--	17.55	जयपुर
12984	चंडीगढ़-अजमेर (मंगल., गुरू., रवि.)	,,	09.55	--	,,
12987	सियालदाह-अजमेर	एक्सप्रेस	02.45	--	जयपुर-बांदीकुई-आगरा
12988	अजमेर-सियालदाह	,,	--	12.50	,,
12989	दादर मुम्बई-अजमेर (मंगल.,शु.,रवि.)	एक्सप्रेस	08.05	--	ब्यावर, अहमदाबाद
12990	अजमेर-दादर मुम्बई (बुध.,शुक्र.,रवि.)	,,	--	19.20	,,
14311	बरेली-न्यू भुज (मं.,गु.,शुक्र.,शनि.)	आला हजरत	20.20	20.30	दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद
14312	न्यू भुज-बरेली (सो.,मं.,शुक्र.,रवि.)	एक्सप्रैस	06.00	06.10	,,
14321	बरेली-न्यू भुज (सो.,बुध.,रवि.)	आला हजरत	20.20	20.30	पालनपुर, भीलड़ी, दिल्ली
14322	न्यू भुज-बरेली (बुध.,गु.,शनि.)	एक्सप्रैस	06.00	06.10	,,
15013	भगत की कोठी जोधपुर-काठगोदाम	एक्सप्रेस	12.00	12.10	मारवाड़-ब्यावर-
15014	काठगोदाम-भगत की कोठी जोधपुर	,,	13.30	13.40	जयपुर, दिल्ली
15237	दरभंगा-अजमेर (गुरु.)	एक्सप्रेस	12.50	--	जयपुर-मथुरा-बरेली-
15238	अजमेर-दरभंगा (गुरु.)	,,	--	23.25	कासगंज (शीघ्र चलेगी)
15269	मुजफ्फरपुर-अहमदाबाद (शुक्रवार)	जनसाधारण	23.05	23.15	जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर
15270	अहमदाबाद-मुजफ्फरपुर (सोमवार)	एक्सप्रेस	01.35	01.45	,,
15715	किशनगंज-अजमेर (सो.,बु.,शनि.)	गरीबनवाज एक्स.	21.30	--	जयपुर, दिल्ली
15716	अजमेर-किशनगंज (सो.,मं.,गु.)	,,	--	11.05	,,
16209	अजमेर-बैंगलोर-मैसूर (शुक्र.,रवि.)	एक्सप्रेस	--	05.35	अहमदाबाद
16210	मैसूर-बैंगलोर-अजमेर (गुरू.,शनि.)	,,	17.30	--	,,
16531	अजमेर-यशवन्तपुर-बैंगलोर (सोम.)	एक्सप्रेस	--	05.35	अहमदाबाद
16532	बैंगलोर-यशवन्तपुर-अजमेर (रवि.)	,,	17.30	--	,,
18207	दुर्ग-जयपुर-अजमेर (मंगल.)	एक्सप्रेस	18.15	--	कोटा-कटनी-
18208	अजमेर-जयपुर-दुर्ग (मंगल.)	,,	--	19.30	रायपुर
18631	राँची-अजमेर (शनि.)	गरीब नवाज एक्स.	05.20	--	जयपुर-स. माधोपुर-आगरा
18632	अजमेर-राँची (शनि.)	,,	--	19.30	,,
19029	बांद्रा-दिल्ली सरायरोहिल्ला (गुरु.)	एक्सप्रेस	06.20	06.30	फुलेरा-रींगस-पालनपुर
19030	दिल्ली सरायरोहिल्ला-बांद्रा (गुरु.)	,,	23.05	23.15	,,
19105	अहमदाबाद-हरिद्वार	मेल	20.25	20.50	जयपुर, दिल्ली
19106	हरिद्वार-अहमदाबाद	,,	06.40	06.50	,,

ट्रेन नं.	ट्रेनों का विवरण	गाड़ी का नाम	आगमन	प्रस्थान	वाया
19263	पोरबन्दर-दिल्ली स.रो. (बु.,रवि.)	एक्सप्रेस	10.50	11.05	जयपुर
19264	दिल्ली स.रो.-पोरबन्दर (सोम.,गुरू.)	,,	15.50	16.00	,,
19269	पोरबंदर-मोतिहारी-मुजफ्फरपुर (शु.,श.)	गरीबनवाज	10.50	11.05	दिल्ली, मुरादाबाद
19270	मुजफ्फरपुर-मोतिहारी-पोरबंदर (सो.,मं.)	एक्सप्रेस	21.00	21.40	,,
19407	अहमदाबाद-वाराणसी (शुक्रवार)	एक्सप्रेस	06.20	06.30	जयपुर
19408	वाराणसी-अहमदाबाद (रविवार)	,,	14.05	14.15	,,
19409	अहमदाबाद-गोरखपुर (शुक्रवार)	एक्सप्रेस	21.00	21.10	ब्यावर-मारवाड़-
19410	गोरखपुर-अहमदाबाद (सोमवार)	,,	03.30	03.40	जयपुर
☞ 19411	अहमदाबाद-अजमेर	इन्टरसिटी	18.45	--	ब्यावर-मारवाड़
19412	अजमेर-अहमदाबाद	,,	--	06.25	(शीघ्र चलेगी)
19565	ओखा-देहरादून (शनिवार)	उत्तरांचल एक्स.	01.35	01.45	मेहसाणा-नई दिल्ली
19566	देहरादून-ओखा (रविवार)	,,	21.30	21.40	,,
19573	ओखा-अजमेर-जयपुर (मंगलवार)	एक्सप्रेस	13.05	13.15	अहमदाबाद-पालनपुर-मेहसाणा
19574	जयपुर-अजमेर-ओखा (मंगलवार)	,,	18.55	19.20	,,
19601	अजमेर-किशनगंज-न्यू जलपाई गुड़ी (शनि.)	एक्सप्रेस	--	06.30	जयपुर-दिल्ली
19602	न्यू जलपाई गुड़ी-किशनगंज-अजमेर (मंगल.)	,,	21.30	--	,,
19603	अहमदाबाद-अजमेर-सुल्तानपुर (मंगलवार)	एक्सप्रेस	15.45	16.05	जयपुर, दिल्ली, लखनऊ
19604	सुल्तानपुर-अजमेर-अहमदाबाद (गुरूवार)	,,	14.05	14.15	,, ,, ,,
19609	अजमेर-हरिद्वार (सोम., गुरु., शनि.)	एक्सप्रेस	--	19.50	दिल्ली-रुड़की
19610	हरिद्वार-अजमेर (सोम., बुध., शनि.)	,,	09.40	--	,, ,,
19611	अजमेर-जयपुर-अमृतसर (गुरु., शनि.)	एक्सप्रेस	--	17.55	हिसार, भटिण्डा
19612	अमृतसर-जयपुर-अजमेर (बुध.,शुक्र.)	,,	09.55	--	,,
19613	अजमेर-जयपुर-अमृतसर (सोम., बुध.)	एक्सप्रेस	--	17.55	हिसार, जालन्धर
19614	अमृतसर-जयपुर-अजमेर (सोम.,शनि.)	,,	09.55	--	,,
19707	बान्द्रा-जयपुर	अरावली	16.25	16.35	ब्यावर, अहमदाबाद
19708	जयपुर-बान्द्रा	एक्सप्रेस	11.15	11.25	,,
22211	अजमेर-निजामुद्दीन (शुक्रवार, रविवार)	दूरन्तो एक्सप्रेस	--	05.50	दिल्ली सराय रोहिल्ला
22212	निजामुद्दीन-अजमेर (शुक्रवार, रविवार)	,,	21.50	--	,,
22451	बान्द्रा-चंड़ीगढ़ (मंगल., शुक्र.)	एक्सप्रेस	04.50	05.05	अहमदाबाद, रींगस, दिल्ली केंट,
22452	चंड़ीगढ़-बान्द्रा (बुध., रविवार)	,,	16.30	16.40	पानीपत (जयपुर नहीं जायेगी)
12315	सियालदाह-उदयपुर (शुक्र.)	अनन्नया	19.20	19.30	जयपुर, स.माधोपुर, चित्तौड़
12316	उदयपुर-सियालदाह (सोम.)	एक्सप्रेस	06.15	06.30	,,
12719	अजमेर-हैदराबाद (बुध., शुक्र.)	एक्सप्रेस	--	17.40	चित्तौड़, रतलाम
12720	हैदराबाद-अजमेर (बुध., शुक्र.)	,,	03.05	--	,,
12981	दिल्ली सराय रोहिल्ला-उदयपुर	चेतक एक्स.	02.00	02.10	रींगस, नारनौल, फुलेरा
12982	उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला	,,	22.30	22.40	,,
12991	उदयपुर-अजमेर-जयपुर	एक्सप्रेस	11.40	11.45	नसीराबाद, चित्तौड़
12992	जयपुर-अजमेर-उदयपुर	,,	16.05	16.10	,,
13423	भागलपुर-अजमेर (शुक्र.)	एक्सप्रेस	23.50	--	चित्तौड़-कोटा-कटनी
13424	अजमेर-भागलपुर (शनि.)	,,	--	05.55	,,
17019	अजमेर-हैदराबाद (मंगल .)	एक्सप्रेस	--	17.40	चित्तौड़-रतलाम-
17020	हैदराबाद-अजमेर (सोम.)	,,	03.05	--	इटारसी-मनमाड़
18009	सन्तरा गांछी-अजमेर (रवि .)	एक्सप्रेस	06.15	--	चित्तौड़-कोटा-कटनी-खड़कपुर
18010	अजमेर-सन्तरा गांछी (रवि.)	,,	--	19.30	,,
19413	अहमदाबाद-अजमेर-कोलकत्ता (बुध .)	एक्सप्रेस	15.55	16.05	रतलाम-
19414	कोलकत्ता-अजमेर-अहमदाबाद (सोम.)	,,	08.55	09.20	आसन सोल
19607	कोलकत्ता-अजमेर (शनिवार)	एक्सप्रेस	06.15	--	चित्तौड़-कोटा-कटनी,
19608	अजमेर-कोलकत्ता (सोमवार)	,,	--	19.30	धनबाद-आसनसोल
19665	खजुराहो-ग्वालियर-उदयपुर	एक्सप्रेस	00.40	00.50	बान्दीकुई-जयपुर,
19666	उदयपुर-ग्वालियर-खजुराहो	,,	03.40	03.50	आगरा-चित्तौड़
54802/19653	रतलाम-अजमेर-जोधपुर	पैसेन्जर	13.55	14.30	ब्यावर, मारवाड़, चित्तौड़
54801/19654	जोधपुर-अजमेर-रतलाम	,,	12.40	13.25	,,
19711	जयपुर-अजमेर-इन्दौर-भोपाल	एक्सप्रेस	20.05	20.40	नसीराबाद-चित्तौड़-रतलाम-उज्जैन
19712	भोपाल-इन्दौर-अजमेर-जयपुर	,,	06.35	06.55	,,
22995	बान्द्रा-अजमेर (सोम.,गुरू.,शनि.)	एक्सप्रेस	09.45	--	चित्तौड़, रतलाम
22996	अजमेर-बान्द्रा (मंगल.,गुरू.,शनि.)	,,	--	20.30	,,
59603	अजमेर-उदयपुर	पैसेन्जर	--	07.30	नसीराबाद, चित्तौड़
59604	उदयपुर-अजमेर	,,	18.00	--	,,

☞यह ट्रेन शीघ्र चलेगी।

यात्रा से पहले रेलवे पूछताछ फोन नं. 139 द्वारा ही ट्रेनों के समय को सुनिश्चित करें। नोट : रेलवे कर्मचारी रेलवे के फोन नं. 44236 से ट्रेनों के समय को सुनिश्चित करें। E-mail : www.northwesternrailway.gov.in/

SENIOR CITIZENS SOCIETY, AJMER

J.L.N. Hospital Seva from 28th January, 2013 to 27th April, 2013

10:30 a.m. to 11:30 a.m.

Gr.	*Name*	*Tel. No.*	*I Week*	*II Week*	*III Week*
(A)	Sh. V.V.K.E. Solomn	2627012	*28th Jan. to 2nd Feb.*	*25th Jan. to 2nd March*	*1st April to 6th April*
	Sh. M. Messey	2620494			
	Sh. Nemi Chand Parashar	2620923			
	Sh. M.R. Gupta	9413716887			
Gr.	*Name*	*Tel. No.*	*I Week*	*II Week*	*III Week*
(B)	Sh. O.P. Maheshwari	9214303234	*4th Feb. to 9th Feb.*	*4th March to 9th March*	*8th April to 13th April*
	Sh. J.N. Purohit	2641431			
	Sh. P.N. Sharma	2433528			
	Smt. Manju Joshi	9783680125			
Gr.	*Name*	*Tel. No.*	*I Week*	*II Week*	*III Week*
(C)	Sh. G.H.Rai Singhani	2620338	*11th Feb. to 16th Feb.*	*11th March to 16th March*	*15th April to 20th April*
	Sh. Gopal Krishna Vyas	2625133			
	Col. K.D. Upadhyay	2627404			
	Sh. H.L. Darakh	2421030			
Gr.	*Name*	*Tel. No.*	*I Week*	*II Week*	*III Week*
(D)	Sh. C.M. Rathi	2428456	*18th Feb. to 23rd Feb.*	*18th March to 23rd March*	*22nd April to 27th April*
	Smt. Kamla Rathi	2428456			
	Sh. Mahesh Sharma	2623812			
	Sh. B.C. Jain	2620494			

Important Request :

1. The member in serial No. 1 in each group is requested to coordinate among the other members and ensure their availability for Sewa.
2. A register has been kept at Red Cross-Office for follow up programme.
3. If any member who wants to leave the "Sewa" for any unavoidable circumstances, will deposit "Identity Card" in Red Cross Office and inform the coordinator, so that alternative arrangements may be made.

Types of Asstance :

A. BPL Cards Use.

B. Jai Ambey Sewa Samitee of Medicines.

C. Medical Relief through Hospital Superintendent, Medicare Relief Society and Apana Bazar.

D. Sethi Medical Store for Medicines by Sikdar Memorial Trust (Prescription to be counter signed by Dr. Brijesh Mathur only)

E. Assist obtaining blood from blood bank or lions Club by contacting Sh. Shiv Shankar Heda, President Tel. No. 2627877.

F. Complaint/Problems if any to be brought to the notice of Doctor (Unit In-charge)

G Assistance to the needy patients though Red Cross as per rules.

H. It is highly appreciable that in group no. (B) members are collecting monthly subscription so as to help very poor patients. If need arises to help any such patients, please contact Shri O.P. Maheshwari-Mob. : 9214303234.

Consultation & Concessional Services / Facilities available to the members of The Society

1.0	**Taxation and Investments**			
	1.1	Shri Praful Sogani Sogani Bhawan, Naya Bazar, Ajmer	With appointment	2431754 2429835
	1.2	Shri R. C. Sharma Advocate of Taxation, Kutchery Road	-- do --	2429785
	1.3	Mittal & Mittal, Mittal Chambers, Anasagar Circular Road, Ajmer	Case to Case with appointment	2425941
2.0	**Medical**			
	2.1	Gheesi Bai Memorial Mittal Hospital & Research Centre (Senior Citizen having their card)	on the basis of cards	2603600
	2.2	Dr. (Major) Mahindra Bagh Eye Care Centre C/o. Gurg Dental Optical Centre, Opp. G.P.O., Ajmer	Monday to Friday 11.00 AM to 12.30 P.M.	9414002252
	2.3	Dr. S.D. Pareekh 2KH 3, Shastri Nagar, Ajmer	With appointment	2432117
	2.4	Dr. Om Sharma Nr. Mardijan Cinema, Shri Nagar Road, Ajmer	Monday to Saturday 9 to 1 am & 5 to 7 pm Thursday closed	2422197 2670917
3.0	**Ayurvedic**			
	3.1	Vaid B.L. Anand Shastri B-226/22, Anand Bhawan, Shringar Chauri, Nasirabad Road, Ajmer	Any day (on appointment)	2664231
4.0	**Homeopathy**			
	4.1	Dr. Kuldeep Mathur Lohagal Road, Near Ajmer Palace	Mon. to Friday 11 am to 1 pm	2628415
5.0	**Accupressure**			
	5.1	Dr. S.K. Nagar 158, Adarsh Nagar, Ajmer	All week days evening except Sunday	2680836 —
	5.2	Dr. N.K. Gupta Dr. Smt. Manorma Gupta C-12, Chandravardai Nagar,Taragarh Road, Ajmer	All week days except Sunday	2691452
	5.3	Dr. S. K. Bhatia I-5, Shalimar Colony, Adarsh Nagar	Prem Prakash Ashram Adarsh Nagar 5.30 to 7.30 p.m. Daily	2445574 9828285527
	5.4	Mrs. Shashi Kiran Tiwari Panchwati Colony Opp. Adarsh Nagar Rly. Station	- Do -	2683349
6.0	**Naturopathy & Yoga**			
	6.1	Sh. K. K. Tamra 1334A/32, Locus Gunj, Arya Nagar, Ajmer	Any day with appointment	2422382
7.0	**Reiki**			
	7.1	Sh. Madan Lal Baphana Grand Reiki Master 303, Haribhau Upadhayay Nagar, Pushkar Road, Ajmer	With appointment	2601600

8.0	**Palmistry**		
8.1	Sh. Sh. R.C. Agarwal 146/4, Sunder Vilas, Ajmer	9.00 to 11.00 A.M. with appointment	2420876
9.0	**Legal Matters**		
9.1	Shri C.M. Rathi Retd. Asstt. Registrar 43, Nagina Bagh, Ajmer	(i) Rajasthan Societies Act (ii) Rajasthan Coop. So. Act.	2428456 9414345986
9.2	Sh. P.D. Agarwal 409/30, Shri Girrigraj Bhawan Blue Castle, Near Plaza Talkies, Ajmer	Advocate & Consultant with appointment	9829427827
10.0	**Building Construction Work**		
10.1	Sh. K. J. Gianey 5, Sawar House, Shrinagar Road	Any time with appointment	2420346
10.2	Sh. B.P. Mittal 103, Moti Kunj, Adarsh Nagar	with appointment	2441714
11.0	**Special concession to the members**		
11.2	Dr. D.B.L. Mathur (Homeopathy) 238, B.K. Kaul Nagar, Foy Sagar Road, Ajmer Free consullation to the member only	8.00 PM to 10.00 PM Sunday	2602100 9414355486
11.3	Mayani Hospital, Asha Ganj, Ajmer	4.30 PM to 6.30 PM	2461589
	(i) Consultation	10% concession	
	(ii) Laboratory	10% concession	
	(iii) X-Ray examinationl (Routine)	10% concession	
	(iv) Bed Charges in Gen. ward (on production of their valid card)	10% concession	
12.4	National Medical Store Ayurvedic & Unani Medicines. Outside Delhi gate, Ajmer	10% concession	3291782
12.5	Shri Nath Opticians 30, Ajmer Tower, Sindhi Gali Kutchery Road, Ajmer	10% concession Spects, Hearing Aid, Pollution Mask & Helmet	
12.6	Sh. B.L. Agarwal Bharat Tent House, Kaiser Ganj, Ajmer	10% concession	2429444
12.8	Dr. Om Prakash Sharma Near Mirdang Cinema Shrinagar Road, Ajmer	Dentist 25% on Denture & clinical facilities	2422187
12.9	Dr. Kheshtrapal Eye Hospital Kutchery Road, Ajmer	10% concession to outdoor Patients 20% concession to Indoor Patients (on production of Society's Identification card)	2622111
12.0	**Career Guide**		
	Dr. N.C. Parikh 13, Sharvashwar Nagar, Ajmer	with appointment	2421329 9414279159
13.0	**Free Consultation services for property valuation :**		
	Sh. L. K. Khanna Retd. Ex-Engineer Nagina Bagh, Ajmer	with appointment	2627302

Member may please contact in case of difficulty.

Gen. Secretary

Constitution and Bye-laws of Senior Citizen Society, Ajmer.

1.0 Name : The name of rhe Association is 'Senior Citizen Society, Ajmer' hereinafter called 'Sencit'.

2.0 Office : The registered office of the Society will be situated in Ajmer.

3-0 Objects : The objects of the Society are :

3.1 The objects of the Society will be as per the guidelines of the Member Organisation 'Indian Federation on Ageing' (INFA), registered under the Societies Registration Act, 1860 vide Regn. N0. F-13056 of 9-3-1989 at Mumbai and which is also a member of International Federation on Ageing (IFA).

3.2 The Society is established inter-alia for the promotion and furtherance of the causes of the aged viz., to help the aged people irrespective of caste, creed or colour and religion to lead a happy and dignified life.

3.3 To educate persons and prepare them well in advance for retired life.

3.4 To undertake such any social activities as may be beneficial to the poor in particular viz to establish charitable hospital/dispensaries, schools, colleges, libraries, recreation centres and arrange placememt services to youth in general and needy aged persons in particular.

3.5 To provide medical aid and institutional care for the economically weaker section of the society.

3.6 To provide councelling and consultancy services such as legal aid, matrimonial help, taxation problems, savings, investments, insurance, co-operation and to develope mutual fellowship and brotherhood amongst members.

3.7 To work for the advancement of any other object of public utility such as day care centres & Old Age Homes etc. These centres will be financed and managed by the Society through the concerned co-ordinators, who will maintain & submit quarterly statement of accounts to General Secretary. The assets of these

सीनियर सिटिजन सोसाइटी, अजमेर का संविधान और उप-विधि

1.0 नाम : इस संगठन का नाम 'सीनियर सिटिजन सोसाइटी, अजमेर' है जिसे यहां आगे 'सेंसिट' कहा गया है।

2.0 कार्यालय : 'सोसाइटी' का पंजीकृत कार्यालय अजमेर में रहेगा।

3.0 उद्देश्य : सोसाइटी के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं :

3.1 इस सोसाइटी के उद्देश्य 'इण्डियन फेडरेशन ऑन एजिंग' (इंफा) के मार्गदर्शन पर होंगे जो मुम्बई में सोसाइटी पंजीयन अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत पंजीयन सं. एफ– 13056 दिनांक 9–3–1989 के अन्तर्गत पंजीकृत है और इण्टरनेशनल फेडरेशन ऑन एजिंग (आईएफए) की सदस्य है।

3.2 इस सोसाइटी की स्थापना अन्य बातों के साथ–साथ वृद्धजनों के हितों में वृद्धि करने और उन्हें बढाने केलिए है चाहे वे किसी भी जाति–पांति, मत, रंग या धर्म के हों ताकि वे सुखी और सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।

3.3 लोगों को समय रहते इस बात केलिए तैयार करना कि वे बुढापे में जीवन का खाली समय (रिटायर हुआ जीवन) कैसे बिताऐं।

3.4 इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियां चलाना जिनसे विशेष रूप से गरीबों को लाभ हो सके जैसे धर्मार्थ चिकित्सालय/दवाखाने, स्कूल/कॉलेज, पुस्तकालय, मनोरंजन के केन्द्र चलाना और नौकरी की व्यवस्था करना साधारणतया युवाओं केलिए और जरूरतमन्द वृद्धजनों केलिए विंशेष रूप से।

3.5 समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों केलिए चिकित्सा सहायता और देख–भाल करनेवाले संस्थानों की व्यवस्था करना।

3.6 परासर्श सेवाओं की व्यवस्था करना जैसे कानूनी सहायता, वैवाहिक सहयोग, कर की समस्याऐं, बचत और निवेश, बीमा, सहकारिता के मामले और सदस्यों में मेल–जोल और भाईचारा बढाना।

3.7 किसी जनोपयोगी लक्ष्य को लेकर चलना जैसे दिवा केन्द्र/वृद्धाश्रम आदि खोलना। इन संस्थानों का वित्त पोषण और प्रबन्धन सम्बन्धित संयोजकों के माध्यम से किया जाएगा जो लेखा–जोखा रखेंगे और

day care centres/old age homes shall be the property of the Society and shall be disposed of as per the decision of Governing Council on closure. The co-ordinator of group concerned shall have no right on these assets financed by 'Sencit' or donated by the members or otherwise.

3.8 To undertake liaison work with the Central/State Government, Municipal Corporation, U.I.T., Public undertaking, Helpage India and other NGOs etc. to expedite the settlement of individual claims of Sr. Citizens.

3.9 To arrange social/cultural gatherings.

3.10 To arrange seminars/workshops on such topics as are helpful and useful to Sr. Citizen Societies.

3.11 To specially work for the benefit of Sr. Citizen -

3.11.1 By arranging free/subsidised medical check up at regular intervals.

3.11.2 To make efforts to ensure Air/Railway/Bus fare concessions for all persons above 58 years of age.

3.11.3 To secure preferential treatment in hospitals for all persons above 58 years of age.

3.12 To organize free/subsidised Yoga classes in Hindi and English.

3.13 To co-ordinate and assist other organisations working for the cleanliness and upkeep of respective colonies of Ajmer district.

3.14 To make sincere and honest efforts to get a plot of land/flat for SENCIT office and its activities from concerned authorities such as U.I.T.'s open market, State Government, Local Bodies and other donors.

3.15 The above objects do not have profit motto.

4.0 Rules & Regulations :

4.1 The senor citizen society of Ajmer will be hereinafter referred to as 'SENCIT'.

4.2 'SENCIT' is a non-political, non-profit making social organisation. In case it makes any saving by any activity, the same will be utilized for the social/cultural

महासचिव को तिमाही विवरण भेजेंगे। इन दिवा केन्द्रों और वृद्धाश्रमों की आस्तियां इस सोसाइटी की सम्पत्ति होंगी और इनका निपटारा इनके बन्द होने पर अधिशासी परिषद के निर्णय के अनुसार होगा। सम्बन्धित समूह के संयोजक का इन आस्तियों पर कोई अधिकार नहीं होगा जिनका पैसा सेंसिट ने दिया है या दान में मिला है या अन्य प्रकार से अर्जित हुआ है।

3.8 वरिष्ठ नागरिकों के व्यक्तिगत दावे निपटाने के लिए केन्द्र/राज्य सरकार, नगर निगम, यूआईटी,, सार्वजनिक प्रतिष्ठान, हैल्पएज इण्डिया और दूसरे गैर– सरकारी संगठनों से सम्पर्क करना।

3.9 सामाजिक/सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित करना।

3.10 ऐसे विषयों पर सेमीनार/कार्यशालाऐं आयोजित करना जो वरि. नागरिकों के संगठनों के लिए लाभदायक हों।

3.11 वरि. नागरिकों के हित में विशेष रूप से ये काम करना –

3.11.1 नियमित अन्तराल पर समय–समय पर निःशुल्क/इमदादी स्वास्थ्य परीक्षण का प्रबन्ध करना।

3.11.2 58 साल से ऊपर की आयु के सभी लोगों केलिए हवाई/रेल/बस किराए में रियायत सुनिश्चित करने की कोशिश करना।

3.11.3 58 साल से अधिक आयुवालों केलिए चिकित्सालयों में इलाज में प्राथमिकता दिलाना।

3.12 हिन्दी/अंग्रेजी में निःशुल्क/इमदादी योग कक्षाऐं गठित करना।

3.13 अजमेर जिले की अपनी–अपनी बस्तियों में सफाई और अच्छे रख–रखाव के काम में लगे दूसरे संगठनों के साथ सहयोग और सहायता करना।

3.14 यूआईटी के खुले बाजार, राज्य सरकार, स्थानीय निकाय और दूसरे दानदाता आदि सम्बन्धित प्राधिकारियों से सेंसिट के कार्यालय और उसकी गतिविधियों केलिए भूमि/फ्लैट लेने केलिए ईमानदारी और मन से प्रयत्न करना।

3.15 इन उद्देश्यों में लाभ की कोई मन्शा नहीं है।

4.0 नियम और विनियम :

4.1 अजमेर की यह सीनियर सिटिजन सोसाइटी अब आगे 'सेंसिट' कही जाएगी।

4.2 'सेंसिट' एक गैर–राजनीतिक, लाभ न कमानेवाला सामाजिक संगठन है। यदि किसी गतिविधि से उसे

advancement of the public in general and senior citizens in particular.

4.3 **Territorial Limits** : The jurisdiction of the SENCIT will be Ajmer District.

4.4 The Office : The registered office of the SENCIT will be situated in Ajmer determinable on availability of suitable accommodation viz rented/owned or donated place for the purpose. The Administrative office of SENCIT will be the residential address of the General Secretary of the Society.

4.5 The Financial Year : The financial year of the SENCIT will be from 1st April to 31st March of the following year.

4.6 Definitions/Interpretations :

4.6.1 A senior citizen means 55 years of age and above.

4.6.1.1 Spouse (below 55 years of age) of the members will be ex-officio members. They will be eligible for voting after paying the subscription on attaining 55 years of age.

4.6.2 'Member' means a full fledged member of SENCIT but does not include Associate or Honorary member.

4.6.3 Rules & regulations means : Rules & regulations of the SENCIT in force from time to time. The resolutions of Governing Council as passed from time to time will also be binding after being notified in the Sewa Sankalp.

4.6.4 'Year' means the Financial year of the SENCIT.

4.6.5 Office bearers shall include President, Senior Vice President, Vice President, General Secretary, Secretary Administration, Secretary Developmemt, & Secretary Finance.

4.7 Membership :

4.7.1 One who contrubutes :

(a) Enrolment fee of Rs 100 for single and Rs 150 for couple.

(b) Subscription of Rs 300 for single and Rs 400 for couple.

(c) If spouse applies for membership (1) enrolment Rs 50 & (2) subscription Rs 100. a, b & c are one time payment.

4.7.1.1 A member is free to opt the group of his

कुछ बचत हो जाती है तो उसका उपयोग साधारणतया आम जनता और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक/ सांस्कृतिक प्रगति के लिए किया जाएगा।

4.3 कार्यक्षेत्र : सेंसिट का कार्यक्षेत्र अजमेर जिला होगा।

4.4 कार्यालय : सेंसिट का पंजीकृत कार्यालय अजमेर में रहेगा जो उपलब्ध समुचित स्थान पर निर्भर करेगा यानी किराए का/अपना निजी या इस हेतु दान में प्राप्त। सेंसिट का प्रशासनिक कार्यालय महासचिव का निवास रहेगा।

4.5 वित्त वर्ष : सेंसिट का वित्त वर्ष 1 अप्रैल से आगामी वर्ष में 31 मार्च तक होगा।

4.6 परिभाषाऐं/व्याख्याऐं :

4.6.1 वरिष्ठ नागरिक से तात्पर्य है 55 वर्ष और उससे अधिक आयु का व्यक्ति।

4.6.1.1 सदस्यों के 55 साल से कम आयु की पत्नी पदेन सदस्य होंगी। 55 साल की आयु प्राप्त करने और निर्धारित शुल्क देने पर उन्हें मत देने का अधिकार होगा।

4.6.2 'सदस्य' से तात्पर्य सेंसिट की परिपूर्ण सदस्यता से है जिसमें सहयोगी या मानद सदस्य शामिल नहीं हैं।

4.6.3 नियम और विनियम से तात्पर्य : सेंसिट के नियम और विनियम वे हैं जो समय–समय पर लागू होंते हैं। सेंसिट के वे प्रस्ताव भी बाध्यकर होंगे जो अधिशासी परिषद द्वारा समय–समय पर पारित होकर सेवा संकल्प में अधिसूचित किये जाऐंगे।

4.6.4 'वर्ष' से तात्पर्य सेंसिट के वित्त वर्ष से होगा।

4.6.5 अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव प्रशासन, सचिव विकास, और सचिव वित्त पदाधिकारियों में शामिल होंगे।

4.7 सदस्यता :

4.7.1 जो निम्न शुल्क देगा :

(क) नामांकन शुल्क रु. 100/– एक के लिए, रु. 150/– युगल के लिए।

(ख) ग्राहक शुल्क रु. 300/– एक के लिए, रु. 400/– युगल के लिए।

(ग) यदि पति या पत्नी सदस्यता केलिए आवेदन करे (1) नामांकन रु. 50/– व (2) ग्राहकी रु. 100/– क, ख, ग, के भुगतान एक बार केलिए हैं।

4.7.1.1 कोई सदस्य अपनी पसन्द के समूह का विकल्प दे सकता है। सदस्य समूह बदल कर अपनी पसन्द के

choice. The member can shift/change the group by sendng a simple application to General Secretary. The General Secretary will inform both the group co-ordnators and amend his record accordingly. But such member shall remain member of one group only and shall pay the dues of the previous group (if any).

4.7.1.1 (i) Member (including Patrons, member of G.C. & other office bearers including co-ordinators) who does not take active part in the Society's activities and is dull(dormant)/idle for the last two years shall not be allowed to avail Society's activities/facilities.

4.7.2 Associate Member : Persons nominated by Central/State Government, Local bodies, Rotary/Lions Clubs or any other body working towards the aims and objects of SENCIT. Only one member from such bodies can be nominated.

4.7.3 Patrons : A person known for his social activities will be eligible for the status of patron must be a man of undisputed character. If he is an ex employee, should have retired honourably. A person of good repute and not punished/convicted for any moral turptitude and contributed Rs 5100/- for life long and is approved by the Governing Council.

4.7.4 In meetings/conferences they will be given specisal privilege in seating arrangement.

4.7.5 They will be invited in G.C.meetng twice a year.

4.8 Admission of members : Application for membership shall be in prescribed form and approved by the G.C. of SENCIT after paying the due fees for membership.

4.9 A list of members shall be maintained as per section 15 of the Societies' Registration Act, 1958.

4.10 Management and Administration:

4.10.1 The Management and Administration of the SENCIT shall rest in the Governing Council.

4.10.2 The Governing Council will consist of :

1. President	-1
2. Sr. Vice President	-1
3. Vice President	-1(a)

समूह में जा सकता है। इसके लिए उसे महासचिव को एक साधारण आवेदन करना होगा। महासचिव दोनों समूहों के संयोजकों को सूचित कर देंगे और अपना रिकार्ड ठीक कर लेंगे। किन्तु ऐसा सदस्य एक ही समूह का सदस्य रहेगा और पिछले समूह की कोई देय राशि बनती हो तो वह चुकाएगा।

4.7.1.1 (1) जो सदस्य (संरक्षक, अधिशासी परिषद के सदस्य और संयोजक भी) सोसाइटी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं निभाकर गत दो साल से सुप्त सदस्य रहा है वह सोसाइटी की सुविधाओं/गतिविधियों का लाभ नहीं ले सकेगा।

4.7.2 सहयोगी सदस्य : जो लोग केन्द्र/राज्य सरकार, स्थानीय निकाय, रोटरी/लॉयंस क्लब या अन्य किसी निकाय में काम करते हैं और सेंसिट के उद्देश्यों पर काम करनेवाले हों और उनमें से जिसे नामित किया गया हो। ऐसे निकायों से केवल एक व्यक्ति नामित हो सकता है।

4.7.3 संरक्षक : जो व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों केलिए जाना जाता हो वह संरक्षक की हैसियत का पात्र होगा और जिसका चरित्र कतई विवादास्पद न हो। यदि वह कर्मचारी रहा है तो वह ससम्मान सेवा निवृत्त हुआ हो। जो व्यक्ति अच्छी ख्याति का हो, दण्डित/चरित्रहीनता का दोषी न हो वह आजीवन केलिए रु. 5100/– देने पर और आशिासी परिषद का अनुमोदन होने पर संरक्षक बन सकता है।

4.7.4 बैठकों/सम्मेलनों में उन्हें बैठने की व्यवस्था में विशेष सुविधा दी जाएगी।

4.7.5 अधिशासी परिषद की बैठक में उन्हें दो बार आमन्त्रित किया जाएगा।

4.8 सदस्यों का प्रवेश : सदस्यता के आवेदन निहित फार्म में होगे और उनका अनुमोदन सदस्यता शुल्क दे दिये जाने पर सेंसिट की अधिशासी परिषद द्वारा किया जाएगा।

4.9 समिति पंजीयन अधिनियम, 1958 की धारा 15 के अन्तर्गत सदस्यों की सूची रखनी होगी।

4.10 प्रबन्ध और प्रशासन :

4.10.1 सेंसिट का प्रबन्ध और प्रशासन उसकी अधिशासी परिषद के हाथों में रहेगा।

4.10.2. अधिशासी परिषद में ये पदाधिकारी होगे :

1. अध्यक्ष	–1
2. वरिष्ठ उपाध्यक्ष	–1
3. उपाध्यख	–1(क)

4. Genl. Secretary -1
5. Secretary (Adm.) -1
8. Secretary (Dev.) -1
7. Secretary (Finance.) -1
8. Lady members -2
9. '(a)' Means lady member only.
All above by Election in GM &
10. All co-ordinators by virtue of their post.

4.10.3 The tenure of Governing Council wiil be three financial years.

4.10.4 The President will preside all the meetings. In his absence, Senior Vice President/Vice President, in order, will preside. In their absence, the members present shall elect Protem President to preside over the meeting. The President will have a casting vote in case of tie for and against any resolution.

4.10.5 Any vacancy in the Governing Council will be filled by Governing Council by co-option and such co-option will hold good till the remaing tenure of the G.C.

4.10.6 The Governing Council will meet at least once in two months. Day, time and place to be fixed by the Gen. Secretary in consultation with the President

4.10.7 The quorum for the Governing Council shall be more than half. If there is no quorum the meeting shall stand adjourned.The quorum for the General Meeting shall be 1/3rd of the members. If there is no quorum at the prescribed time of the meeting, the meeting shall be adjourned for half an hour and the adjourned meeting shall be held at the same place on the same day with the same agenda whether there is quorum or not and the business as per the notice shall be carried out. .

4.10.8 All decisions in the meeting shall be taken by majority of votes.

4.11 Powers of the Governing Council :

4.11.1 To admit new members.

4.11.2 To supervise and check accounts.

4.11.3 To approve the annual report,accounts, budget estimates prepared by the Gen. Secretary & Secretary Finance.

4.11.4 To deposit the funds of the society in a bank approved by the Governing Council.

4. महासचिव —1
5. सचिव(प्रशासन) —1
6. सचिव (विकास) —1
7. सचिव (वित्त) —1
8. महिला सदस्य —2
9 '(क)' से तात्पर्य है महिला सदस्य।
आम सभा में उपरोक्त सभी चुने जाकर तथा
10. सब समूह संयोजक अपने पद की हैसियत से।

4.10.3 अधिशासी परिषद का कार्यकाल तीन वित्त वर्ष का होगा।

4.10.4 सभी बैठकों की अध्यक्षता अध्यक्ष करेंगे। उनकी अनुपस्थिति में क्रम से वरिष्ठ उपाध्यक्ष/उपाध्यक्ष अध्यक्षता करेंगे। इन सब की अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य सभा की अध्यक्षता केलिए प्रोटम अध्यक्ष चुनेंगे। यदि किसी प्रस्ताव के पारित होने में अडचन आती है और पक्ष–विपक्ष में समान मत आएं तो अध्यक्ष पक्ष या विपक्ष में अपना मत देंगे।

4.10.5 अधिशासी परिषद में कोई रिक्ति होने पर अधिशासी परिषद उसे सहयोजन से भर सकेगी जो अधिशासी परिषद के शेष कार्यकाल तक केलिए वैध होगी।

4.10.6 अधिशासी परिषद की बैठक कम से कम दो मास में एक बार होगी। उसके लिए दिन, समय और स्थान अध्यक्ष की सलाह से महासचिव तय करेंगे।

4.10.7 अधिशासी परिषद का कोरम आधे से अधिक का होगा। कोरम न होने पर बैठक स्थगित रहेगी। साधारण सभा का कोरम सदस्य संख्या का 1/3 रहेगा। निर्धारित समय पर कोरम न होने पर बैठक आधा घण्टे केलिए स्थगित रहेगी। आधा घण्टा बाद स्थगित बैठक उसी स्थान पर, उसी दिन उसी कार्य–सूची के अनुसार होगी चाहे कोरम पूरा हो न हो और सूचना में दिया गया कार्य किया जाएगा।

4.10.8 बैठक में सारे निर्णय बहुमत से लिये जाऐंगे।

4.11 अधिशासी परिषद की शक्तियां :

4.11.1 नए सदस्य बनाना।

4.11.2 लेखे जांचना और उन पर निगाह रखना।

4.11.3 महासचिव द्वारा तैयार वार्षिक रिपोर्ट, लेखे, बजट अनुमान अनुमोदित करना।

4.11.4 निधि उस बैंक में जमा करना जिसे अधिशासी परिषद ने अनुमोदित किया हो। बैंक खाते का संचालन

The bank account shall be operated by any two of the three Governing Council members viz President, Genl. Secretary and Secretary Finance.

4.11.5 To collect, retain, invest and disburse funds received by way of subscription, grant, endowments, donations etc.

4.11.6 To review the financial position of the SENCIT from time to time and invest suitable amounts in fixed deposits, UTI, debentures of companies or the like.

4.11.7 To do all such acts and things necessary which the Governing Council thinks conducive to the attainment of the objects of SENCIT.

4.11.8 To approve the budget of the ensuing year.

4.11.9 To appoint Auditor for ensuing year and fix his fees.

4.11.10 To fix honorarium/remuneration of the office bearer, if necessary.

4.11.11 To accept the resignation of a member of Governing Council & Governing Council is authorised to fulfill the vacancy so occurred upto the next election as per rule 4.19.3 by co-option.

4.12 Duties of the General Secretary: The General Secretary will be the administrative officer of the SENCIT and will be responsible for the following :

4.12.1 Convening and forwarding notices for all meetings as specified in consultation with president.

4.12.2 Recording and maintaining minutes of all meetings and to take such action to carry out the various resolutions.

4.12.3 To maintain all records of SENCIT and carry out correspondance.

4.12.4 Prepare Annual Report.

4.12.5 To prepare and present the budget.

4.12.6 Maintaining the register of members of SENCIT.

4.12.7 Such other work as entrusted by the Governing Council.

4.12.8 The General Secretary & the President both are authorised to spend the sums not exceeding Rs 2000/- on the objects/aims of the SENCIT as specified in the bye-laws without the previous sanction of the Governing Council. The same will be ratified in the following meeting.

अधिशासी परिषद के तीन सदस्यों में से किन्हीं दो के द्वारा संचालित होंगा। ये सदस्य हैं अध्यक्ष, महासचिव और सचिव वित्त।

4.11.5 ग्राहकी, अनुदान, वृत्तिदान, दान आदि से प्राप्त धन को एकत्र करना, अपने पास रखना, निवेश करना और उसमें से भुगतान करना।

4.11.6 समय–समय पर सेंसिट की वित्तीय स्थिति का पुनरावलोकन करना और उचित राशि का सावधि जमा, यूटीआई, कम्पनियों के डिबेंचर आदि में निवेश करना।

4.11.7 ऐसे सारे काम करना जिन्हें अधिशासी परिषद सेंसिट के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायक या प्रेरक माने।

4.11.8 आगामी साल का बजट अनुमोदित करना।

4.11.9 आगामी साल केलिए अंकेक्षक नियुक्त करना और उसकी फीस निर्धारित करना।

4.11.10 आवश्यक हो तो पदाधिकारी का मानदेय/पारिश्रमिक तय करना।

4.11.11 अधिशासी परिषद के किसी सदस्य का त्याग–पत्र स्वीकार करना और नियम 4.19.3 के अन्तर्गत अधिशासी परिषद उस रिक्ति को सहयोजन से आगामी चुनाव तक के लिए भरने के लिए प्राधिकृत है।

4.12 महासचिव के कर्तव्य :
महासचिव सेंसिट के प्रशासनिक अधिकारी होंगे और उनके दायित्व नीचे लिखे अनुसार होंगे –

4.12.1 निश्चय किए अनुसार अध्यक्ष की सलाह से बताई गई समस्त बैठकों की सूचनाऐं जारी करना और बैठकें करना।

4.12.2 सभी बैठकों के कार्यवृत्त रिकार्ड करना और विभिन्न पारित प्रस्तावों पर कार्रवाई करना।

4.12.3 सेंसिट के समस्त रिकार्ड का रख–रखाव करना और पत्राचार करना।

4.12.4 वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।

4.12.5 बजट तैयार करके प्रस्तुत करना।

4.12.6 सेंसिट के सदस्यों का रजिस्टर रखना।

4.12.7 अधिशासी परिषद द्वारा सौंपा गया और कोई काम करना।

4.12.8 उप–विधि में बताए गए सेंसिट के उद्देश्यों के लिए महासचिव और अध्यक्ष दोनों अधिशासी परिषद की पूर्व मंजूरी के बिना रु 2000/– तक खर्च कर सकते हैं। इसकी अभिपुष्टि अगली बैठक में करवा ली जाए।

4.12.8.1 If the group co-ordinator of any group fails to conduct the meeting without any reason for a spell of six months without any reason, the General Secretary himself or through his nominee will call the meeting. This will be done with the approval of the Governing Council.

4.12.9 Duties of Secretary(Adm.) in absence of General Secretary. All duties of G.S. to be performed by Secy. (Adm.). He will assist Gen.Secy. in per-forming his routine functions. He will also co-ordinate between Governing Council and Group Co-ordinators in consultation with G.S. He will exercise effective control by quarterly examination and management over the day care centres and old age homes, if any, through co-ordinators of the group concerned.

4.12.10 Duties of Secy.(Dev.) : To co-ordinate in organising Medical & health camps at the centre & group levels. He will also help in organising seminars & cultural programme and assist the G.S. in editing the news data collections of the group concerned.

4.12.11 Group Co-ordinators :

(a) Group co-ordinators will be elected amongst the group members to co-ordinate the group activities. He will be working within the guide lines issued by G.S. from time to time. He will conduct the group meeting, maintain the minutes & forward a copy of the same to G.S. and arrange distribution of Sewa Sankalpa etc.. He will also raise funds by way of birthday donation & Elders' Day celebration. He will be the instrument to activate the sleeping members and will work as liaison officer between the group & G.C. in consultation with G.S.

Group Co-ordinator shall be answerable to Governing Council and General Secretary regarding everything pertaining to group co-ordination viz to think, act and behave in favour of Society's interest viz increase membership, raise funds, collect the Central funds as laid down under this rule and shall maintain discipline.

He will maintain Tools & Plant register

4.12.8.1 यदि किसी समूह के समूह संयोजक बिना किसी कारण छः मास तक बैठक नहीं कर पाते हैं तो स्वयं महासचिव या अपने किसी प्रतिनिधि की मार्फत बैठक आहूत करेंगे। यह अधिशासी परिषद के अनुमोदन से होगा।

4.12.9 महासचिव की अनुपस्थिति में सचिव (प्रशासन) के कर्तव्य : सचिव (प्रशासन) को महासचिव के सभी कार्य करने होंगे। वे महासचिव को उनके दैनिक कार्यों में सहायता करेंगे। वे अधिशासी परिषद और समूह संयोजकों के बीच महासचिव की सलाह से समन्वय करेंगे। वे सम्बन्धित समूह संयोजक के माध्यम से दिवा केन्द्र और वृद्धाश्रम पर, यदि हों, भी तिमाही जांच और प्रबन्धन के माध्यम से प्रभावशाली नियंत्रण रखेंगें।

4.12.10 सचिव(विकास) के कर्तव्य : केन्द्र और समूह स्तर पर चिकित्सा और स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में सहयोग करना। वे सेमीनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने में महासचिव की सहायता करेंगे और सम्बन्धित समूह के समाचार और आंकडे संग्रह करने और सम्पादन करने में महासचिव का सहयोग करेंगे।

4.11.12 समूह संयोजक : (क) समूह की गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने के लिए समूह संयोजक समूह में से चुने जाएंगे। वे महासचिव द्वारा समय–समय पर जारी किए जाने वाले निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे। वे समूह की बैठक करेंगे, उसकी कार्यवाही तैयार करेंगे और उसकी एक प्रति महासचिव को भेजेंगे व सेवा संकल्प आदि वितरित करेंगे। वे जन्म–दिन भेंट और वृद्धजन दिवस के प्रति राशि जुटाऐंगे। वे सुप्त सदस्यों को सक्रिय करेंगे और महासचिव के परामर्श से समूह और अधिशासी परिषद के बीच सम्पर्क अधिकारी का काम करेंगे।

समूह समन्वय से सम्बन्धित हर बात में समूह संयोजक अधिशासी परिषद और महासचिव के प्रति जवाबदेह होंगे अर्थात सोसाइटी के हित में सोचना, काम करना और व्यवहार करना जैसे सदस्यता बढाना, निधि जुटाना, इस नियम में बताए अनुसार केन्द्र केलिए निधि जुटाना और अनुशासन बनाए रखना।

वे वस्तुओं का रजिस्टर रखेंगे जिसमें दान से मिली वस्तुऐं भी दर्ज करेंगे और जब भी संयोजक बदले, उन्हें ये सब सौंप देंगे।

including articles received in donation and will hand over the same to the next group co-ordinator when changed.

(b) The SENCIT may also nominate co-ordinators to carry out special activities under the guidance of General Secretary.

4.13 Duties of Secretary(Finance) :

4.13.1 He will be responsible for maintaining Books of Accounts, other income and expenditure accounts as per mercantile system and get audited annually.

4.13.2 To pass receipts for all payments made to SENCIT.

4.13.3 To act under the direction of the Governing Council.

4.13.4 To maintain proper and necessary bank accounts.

4.13.5 To prepare six monthly income/ expenditure statement and submit to the Governing Council.

4.13.6 To withdraw funds from banks concerned under joint signatures of himself and either the Genl. Secy. or the President.

4.14 Indemnity : The Governing Council, auditors and servants of SENCIT shall be indemnified and secured against all actions of cost, charges, damages and expenses incurred by them in the course of their respective duties except such as they shall incur or sustain through or by their own wilful negligence or default.

4.15 Annual General Meetings :

4.15.1 The General Meeting of SENCIT will be held once a year. But in election year, it will be held twice i.e. in January as well as in May. However, in election year May General Meeting will be to hold elections as well as approval of accounts i.e. in May the meeting will deal with election business only after approval of accounts.

4.15.2. Notices of such meetings shall be sent along with the particulars of the business to be transacted at the meeting not less than ten days before the date of meeting. The accidental ommission to give such notice to any member or non-receipt of the same shall not invalidate the meeting or any resolutions or decisions taken at such meetings.

(ख) सेंसिट समूह संयोजकों को महासचिव के मार्गदर्शन में विशेष गतिविधियां चलाने का काम भी दे सकती हैं।

4.13 सचिव (वित्त) के कर्तव्य :

4.13.1 उनका दायित्व होगा कि वे व्यापारिक पद्धति से खाता बही और दूसरे आय–व्यय के लेखे रखें और वार्षिक रूप से उनका अंकेक्षण करवाऐं।

4.13.2 सेंसिट को किए जानेवाले भुगतान की रसीदें जारी करना।

4.13.3 अधिशासी परिषद के निदेशों के अनुसार काम करना।

4.13.4 उचित और आवश्यक बैंक खाते रखना।

4.13.5 आय–व्यय का छमाही विवरण तैयार करके अधिशासी परिषद को प्रस्तुत करना।

4.13.6 अपने स्वयं के और महासचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से सम्बन्धित बैंक से पैसा निकालना।

4.14 क्षतिपूर्ति : अपना कर्तव्य निभाते समय अधिशासी परिषद, लेखा परीक्षक और सेंसिट के सेवक खर्च, क्षति, हानि आदि को लेकर क्षतिपूर्ति के माध्यम से सुरक्षित रखे जाऐंगे जो उन्होंने अपने कर्तव्यों के दौरान किए होंगे सिवाय उस स्थिति के जब उन्होंने ऐसे खर्च जानबूझकर की गई लापरवाही या गलती से किये–कराए हों।

4.15 वार्षिक आम सभाऐं :

4.15.1 सेंसिट की आम सभा साल में एक बार आयोजित होगी। किन्तु चुनाव वाले साल में दो बार होगी अर्थात एक जनवरी में दूसरी मई में। मई की आम सभा लेखों का अनुमोदन करके चुनाव कराने के लिए ही होगी।

4.15.2 इन सभाओं की सूचना सभा की तारीख से दस दिन पहले दी जाएगी और उस सभा में होने वाले कार्य बताए जाऐंगे। कोई आपात स्थिति पैदा होने पर किसी सदस्य को सूचना न मिल सके तो उससे सभा अवैध नहीं होगी न ही उस सभा में किए गए विनिश्चय या पारित किए गए प्रस्ताव अवैध होंगे।

4.15.3. The meeting will transact the following business -

4.15.3.1 To read and confirm the minutes of the last General Body Meeting and of special meeting held, if any, during the preceeding year.

4.15.3.2 To receive and adopt the annual report, audited statements of accounts, audit memo for the previous year duly approved by the Governing Council.

4.15.3.3 To hold elections of the members of the Governing Council of SENCIT, if due during the particular year.

4.15.3.4 To transact any other business with the permission of the chair.

4.16 Special general meeting: : A special general meeting of the SENCIT may be summoned by the President, Genl. Secretar or by the requisition in writing of a minimum 1/3 or 200 members whichever is less or as per the directive received from the Registrar of Societies. The procedure for AGM will be applicable to special general meeting also. No business other than that for which the meeting is convened shall be transacted at this meeting.

4.17 Voting Rights and Elections: ::

4.17.1 Only the members of SENCIT will have the right to vote at the meetings.

4.17.2 The Governing Council will appoint a returning officer two months before expiry of its term. The person so appointed will be a knowledgeable, trustworthy and reliable person who is not contesting election for any post. He can be an outsider or from within the Society. He may further appoint two or more members as election officer (not contesting election).

4.17.3 No office bearer shall however be reelected on same post for more than two consecutive terms (each of 3 years) The programme of election will be notified in the Sewa Sankalp of March (election year) as follows:-

(a) Filing of nomination forms up to 15th of April of election year which will be available with the Returning Officer.

4.15.3 सभा में नीचे लिखे कार्य किये जाएंगे –

4.15.3.1 गत वर्ष में हुई आम सभा के और यदि कोई विशेष सभा हुई हो तो उस सभा के, कार्यवृत्त पढना और उनकी पुष्टि कराना।

4.15.3.2 गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट, अंकेक्षित लेखों, अंकेक्षित मेमो को प्राप्त करके उन्हें अंगीकार करना जो अधिशासी परिषद द्वारा यथोचित रूप से अनुमोदित किए गए हों।

4.15.3.3 किसी वर्ष विशेष में जब सेंसिट की अधिशासी परिषद के सदस्यों के चुनाव होने हो तो वे चुनाव कराना।

4.15.3.4 अध्यक्ष की अनुमति से और कोई काम करना।

4.16 विशेष आम सभा : अध्यक्ष, महासचिव या 1/3 या 200 सदस्यों द्वारा,, इन दो में जो भी कम हो, लिखित में देने पर या समितियों के रजिस्ट्रार से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, सेंसिट की विशेष आम सभा आहूत की जा सकती है। विशेष आम सभा बुलाने केलिए भी वही प्रक्रिया अपनाई जाएगी जो वार्षिक सभा आहूत करने में अपनाई जाती है। इस सभा में केवल वही कार्य किया जाएगा जिसके लिए यह सभा आहूत हुई है, अन्य कोई कार्य नहीं।

4.17 मतदान का अधिकार और चुनाव :

4.17.1 सभाओं में केवल सेंसिट के सदस्यों को मताधिकार प्राप्त होगा।

4.17.2 कार्यकाल समाप्ति से दो मास पहले अधिशासी परिषद एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त करेगी। जो व्यक्ति नियुक्त किया जायेगा वह जानकार और विश्वसनीय होगा और किसी पद के लिए चुनाव नहीं लड रहा होगा। वह व्यक्ति सोसाइटी का हो और बाहर का भी हो सकता है। वह ऐसे दो या दो से अधिक व्यक्तियों को जो चुनाव न लड रहे हों, चुनाव अधिकारी नियुक्त कर सकता है।

4.17.3 परन्तु कोई पदाधिकारी उसी पद के लिए लगातार दो अवधियों से अधिक (प्रत्येक तीन वर्ष की) के लिए नहीं चुना जा सकेगा। चुनाव का कार्यक्रम चुनाव वर्ष के मार्च मास में सेवा संकल्प में नीचे लिखे अनुसार अधिसूवित किया जाएगा –

(क) नामन पत्र चुनाव वर्ष के अप्रैल मास की 15 ता. तक भरे जाएंगे जो रिटर्निंग अधिकारी से मिल सकेंगे।

(b-1) A candidate who wants to contest election must have three year membership of the Society.

(b-2) One member can contest only for one post.

(b-3) Name of the candidate should be proposed by three members who have completed at least one year membership.

(c) Scrutiny of nomination forms by Returning Officer wiil be done upto 18th of April.

(d) Declaration of final nomination list by the Returning Officer will be done up to 20th April.

(e) Final list of candidates contesting elections for various offices will be published in Sewa Sankalp of April of the election year.

(f) If there are two or more candidates for one post the election will be conducted through secret ballot paper.

(g) No candidate will be allowed to withdraw his/her name after 25th April.

(h) Final list of candidates will be published in Sewa Sankalp of April. If election is necessary, rhe same will be held up to 31st May of the year.

(i) Rs. 500/- will be deposited as security by the candidate which is not refundable. In case a name is withdrawn up to 25th April, security deposit will be refunded to him.

(j) The Agenda of Election General Body meeting will be as follows:-

I. Prayer,

II. Confirmation of minutes of last general meeting,.

III. Approval of yearly accounts reports,

IV. Election & declaration of results and thanks giving,.

4.18 Audit of Accounts : The accounts of the SENCIT for each year will be get audited by the auditors approved for the purpose by the Governing Council.

4.19 Temination Of membership : By submittimg resignation in writing by the member.

4.19.1 Any member who acts prejudicially to the interest of SENCIT or contrary to aims

(ख–1) चुनाव लडने वाले उम्मीदवार की सोसाइटी की तीन साल की सदस्यता होना आवश्यक है।

(ख–2) एक सदस्य एक ही पद के लिए चुनाव लड सकेगा।

(ख–3) उम्मीदवार का नाम ऐसे तीन सदस्यों द्वारा प्रस्तावित हो जिन्होंने कम से कम एक साल की सदस्यता पूरी कर ली हो।

(ग) रिटर्निंग अधिकारी नामंकन फार्मों की जांच 18 अप्रैल तक कर लेंगे।

(घ) रिटर्निंग अधिकारी 20 अप्रैल तक नामांकन सूची को अन्तिम रूप दे देंगे।

(च) विभिन्न पदों के लिए चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों की सूची चुनाव वर्ष के अप्रैल मास के सेवा संकल्प में प्रकाशित कर दी जाएगी।

(छ) यदि एक पद के लिए चुनाव मैदान में दो या दो से अधिक प्रत्याशी होंगे तो चुनाव गुप्त मत–पत्र से कराया जाएगा।

(ज) 25 अप्रैल के बाद कोई अपना नाम वापस नहीं ले सकेगा/सकेगी।

(झ) उम्मीदवारों की अन्तिम सूची अप्रैल के सेवा संकल्प में प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आवश्यक होने पर ये उस साल 31 मई तक करवा लिये जाऐंगे।

(ट) उम्मीदवार को अमानत राशि के रु 500/– जमा करने होगे जो लौटाए नहीं जाऐंगे। 25 अप्रैल तक नाम वापस लेने पर अमानत राशि लौटा दी जाएगी।

(ठ) चुनावी आम सभा की कार्यसूची इस पकार होगी

1. प्रार्थना,

2. गत आम सभा की बैठक के क़ार्यवृत्त की पुष्टि।

3. वार्षिक लेखों का अनुमोदन,

4. चुनाव और उसके परिणाम की घोषणा व धन्यवाद ज्ञापन।

4.18 लेखों का अंकेक्षण : सेंसिट के लेखों का अंकेक्षण अधिशासी परिषद द्वारा अनुमोदित अंकेक्षकों द्वारा किया जाएगा।

4.19 सदस्यता समाप्त करना : सदस्य द्वारा लिखित में त्याग–पत्र दिये जाने पर।

4.19.1 जो सदस्य सेंसिट के हितों के विरुद्ध या सेंसिट के उदेश्यों के विपरीत कार्य करता हो तो अधिशासी

and objects of SENCIT may be terminated by passing a resolution by 2/3rd of the members present in the meeting of Governing Council.

4.19.2 The concerned member will be duly given 14 days notice of such action contemplated against him and his explanation, if any, will be duly considered by the Goerning Council and will be placed before the general meeting also.

4.19.3 A member of the Governing Council who fails to attend 3 consecutive meetings without reasons will cease to be the Governing Council member and the Governing Council can co-opt any other member vice him, till completion of present tenure.

4.20 Amendments to the bye-laws of SENCIT: Any amendment to the bye-laws of the SENCIT will be carried out only by the 3/4th majority of members present in the general meeting called for the purpose and in accordance with section 12 of the Societies Registration Act, 1958.

4.21 Dissolution of SENCIT :

4.21.1 The dissolution of the SENCIT will be carried out by passing a resolution to this effect by 3/4th majority of the members present in the general meeting called for this purpose and in accordance with section 13 & 14 of Societies Registration Act,1958.

4.21.2 On dissolution of SENCIT the Assets of SENCIT will be passed on to INFA or any other charitable trust or as decided by the members in the general meetings.

4.22 Inspection by Registrar Societies : Registrar of Societies, Ajmer will have full right to inspect the records of the Society and Society will comply with his suggestions and observations.

परिषद की बैठक में उपस्थित 2/3 सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पास करके उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकेगी ।

4.19.2 सम्बन्धित सदस्य को 14 दिन का नोटिस देकर बताया जाएगा कि उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई करने का विचार है और यदि वह कोई सफाई देता है तो उस पर अधिशासी परिषद द्वारा विधिवत विचार किया जाएगा और उसे आम सभा में भी रखा जाएगा।

4.19.3 यदि अधिशासी परिषद का कोई सदस्य बिना कारण लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है तो वह अधिशासी परिषद का सदस्य नहीं रह सकेगा और अधिशासी परिषद उसके स्थान पर शेष अवधि के लिए दूसरे सदस्य को सहयोजन से ले सकती है।

4.20 सेंसिट की उप–विधि में संशोधन : सेंसिट की उप–विधि में संशोधन सेंसिट की इस आशय के लिए आहूत आम सभा में उपस्थित 3/4 बहुमत से ही किया जा सकेगा और जो समिति पंजीयन अधिनियम, 1958 की धारा 12 के अनुसार होगा।

4.21 सेंसिट का विलयन (अवसायन) :

4.21.1 सेंसिट का विलयन इस हेतु बुलाई गई आम सभा में उपस्थित सदस्यों के 3/4 बहुमत द्वारा पास किए गए प्रस्ताव से और समिति पंजीयन अधिनियम, 1958 की धारा 13 व 14 के अनुसार होगा।

4.21.2 सेंसिट के विलयन के बाद सेसिट की आस्तियां इनफा को या किसी अन्य धमार्थ ट्रस्ट को देदी जाएंगी जैसा कि आम सभा की बैठकों में सदस्यों द्वारा निर्णय किया जाय।

4.22 सोसाइटी के रजिस्ट्रार द्वारा निरीक्षण सोसाइटी के रजिस्ट्रार, अजमेर को इस सोसाइटी के रिकार्ड का निरीक्षण करने का पूरा अधिकार है और सोसाइटी उनके द्वारा दिए गए सुझावों और टिप्पणियों पर अमल करेगी।

N.B. : Sadharan Sabha Dt. 27.01.2013 has unanimously approved that society members are requested to donate atleast Rs. 50/- or more on their Birthday to the central office of society yearly.

साधारण सभा दिनांक 27.1.2013 में निर्विरोध रूप से लिए गए निर्णय के अनुसार सभी संस्था सदस्यो से आग्रह किया गया कि वे अपने जन्मदिवस पर न्यूनतम 50/– अथवा अधिक राशि प्रतिवर्ष संस्था केन्द्र को भेंट करने की कृपा करें।

'स्मृति शेष' - विनम्र - श्रद्धांजलि

वर्ष 2012–13 की स्मारिका में श्रद्धांजलि दिये सदस्यों के अतिरिक्त वर्ष 2012–13 में देवलोक गमन हुए सदस्यों को सोसायटी हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

क्र.सं.	नाम	एल.एम. नं.	स्वर्गवास की दिनांक	समूह संख्या
1.	श्री ब्रजनाथ भार्गव	188	25.09.1012	11
2.	श्री चन्द्र प्रकाश	1105	02.06.2012	12
3.	श्री मगनलाल गोरा	686	16.07.2012	12
4.	श्रीमती शान्ति गुप्ता	1070	--	12
5.	श्री आशाराम शिवदासानी	---	--	12
6.	श्रीमती लक्ष्मी देवी धवन	726	28.01.2012	13
7.	श्री चमन सिंह	2265	04.05.2012	13
8.	श्री रामबाबू शर्मा	1235	06.08.2012	13
9.	श्री द्वारका पंडित गुप्ता	2215	24.09.2012	13
10.	श्रीमती सुशीला ओझा	349	15.08.2012	15
11.	श्रीमती सरला शर्मा	1033	13.09.2012	15
12.	श्री राम गोपाल अग्रवाल	167	11.10.2012	15
13.	श्री मुकुट बिहारीलाल गोयल	---	17.12.2012	15
14.	श्री सुरेश टंडन	1188	---	15
15.	श्री गुलाब सिंह चौहान	2212	---	15
16.	श्री सी. धर्मचन्द	1290	03.06.2012	16
17.	श्री सुरेश चन्द मिश्रा	2114	---	17
18.	श्री सी.एन. कोल	264	02.10.2012	18
19.	श्री शिवरामदास व्यास	600	30.09.2012	18
20.	श्री हरि सिंह खटुमरा	1742	31.01.2012	18
21.	श्रीमती परमजीत कौर वाधवा	1726	24.09.2012	20
21.	श्री जगदीश पंडित शर्मा	489	---.05.2012	20
22.	श्री राम गोपाल व्यास	---	12.05.2012	01
23.	श्री आर. एन. बैजल	610	---	04
24.	श्री एस.डी. पारख	258	---	04
25.	श्रीमती स्नेह प्रभा वर्मा	2138	30.09.2012	06
26.	श्री दया देवी अग्रवाल	860	16.02.2012	08
27.	श्री पी.के. भटनागर	816	---.01.2012	08
28.	श्री विष्णु चैनानी	1999	02.07.2012	08
29.	श्री बन्सीधर गोयल	2324	20.10.2012	08
30.	श्री करमचन्द गुप्ता	02	08.05.2012	08
31.	श्री मांगीलाल गुप्ता	2140	---.05.2012	08
32.	श्री नन्दकिशोर गुप्ता	842	24.07.2012	09
33.	श्री सुमेरचन्द जैन	613	08.08.2012	09
34.	श्री निरंजन दास	---	17.12.2012	09
35.	श्री दिनेश कुमार मित्तल	796	---.10.2012	10
36.	श्री राम बाबू शर्मा	370	18.01.2013	13
37.	श्री जे. पी. शर्मा	489	05.01.2013	20
38.	श्रीमती रेखा शिवहरे	2089	03.02.2013	20
39.	श्री अशोक कुमार चण्डक	1106	30.01.2013	18
40.	श्री जे. पी. शर्मा	749	15.02.2013	14

DIRECTORY OF MEMBERS as on 31st March 2013

Sr. No.	LM No.	Name	D.O.B.	Address	Phone Nos.	Gr.No.
1	2537	Gupta Heeralal	04.08.33	150/29, Gali No. 1, Gulab Bari, Ajmer	9829766756	11
2	2538	Sharma Smt. Usha	10.10.56	134, Anted Marg, Anasager Circular Rd., Ajmer	9610612030	03
3	2539	Joshi Kanti Paraksh	07.12.46	527, Hari Bhau Ext., Puskhar Road, Ajmer	9414009922	17
4	2540	Garg Vishnu Prakash	30.08.49	628/3, Hari Nagar, Amar Bazar Ka Pass, Shastri Nagar, Ajmer	2426854	03
5	2541	Garg Smt. Mamta	09.01.52	628/3, Hari Nagar, Amar Bazar Ka Pass, Shastri Nagar, Ajmer	2426854	03
6	2542	Khorwal Chiranjee Lal	20.10.48	113/37, Rani Kunj, Johns Ganj, Gaddi Road, Ajmer	9928333121	15
7	2543	Khorwal Smt. Rani Bala	25.12.55	113/37, Rani Kunj, Johns Ganj, Gaddi Road, Ajmer	9928333121	15
8	2544	Nirmal Suresh Chand	07.07.49	A-30, Chandra Vardai Nagar, Ajmer	9413224971	15
9	2545	Nirmal Smt. Chandravati	10.01.57	A-30, Chandra Vardai Nagar, Ajmer	2690018	15
10	2546	Mamoriya Kunj Behari	08.02.40	C/o. Dr. Prakash, Subhash Nagar, Ajmer	8769506563	15
11	2547	Samon Prince	27.03.52	100,HB Nagar, ITC, Madar, Ajmer	9460478862	20
12	2548	Samon Smt. Kiran Bala	26.11.52	100,HB Nagar, ITC, Madar, Ajmer	2310437	20
13	2549	Sharma N. C.	11.07.50	462/26, SMB School Gali, Ramganj, Ajmer	2690206	15
14	2550	Gupta Smt. Munni	17.09.40	150/29, First Street, Gulab Bari, Ajmer	9829766756	11
15	2551	Bhatnagar Km. Shaila	12.05.50	450/11, Jawarhar Ki Nadi, Shail Bhawan, Behind HMT, Beawar Road	9929015919	15
16	2552	Sharma Jagdish Pd.	10.01.54	C/o. R.C. Gupta, 405/26, Pathar wali Gali, Ramganj, Ajmer	9460875247	15
17	2553	Mishra Prem Kumar	02.10.45	962/32, Rajkiya Middle School wali gali, Alwar Gate, Ajmer	2423230	09
18	2554	Mishra Smt. Lata	27.04.51	962/32, Rajkiya Middle School wali gali, Alwar Gate, Ajmer	9887023230	09
19	2555	Gupta Om Prakash	19.10.40	1059/14, Mayoor Colony, Near Sewa Mandir, Alwar Gate, Ajmer	2660528	09
20	2556	Gupta Smt. Vijai Kanta	05.03.49	1059/14, Mayoor Colony, Near Sewa Mandir, Alwar Gate, Ajmer	9214310654	09
21	2557	Saxena Brij Mohan Lal	19.11.46	546/1, Shantipura, Christian Ganj, Ajmer	9261233248	02
22	2558	Rathore Gopal Singh	05.12.40	E-300, Tilak Marg, Shastri Nagar, Ajmer	2432367	04
23	2559	Gupta Kailash Nath	26.06.36	E-27, Shastri Nagar, Ajmer	9829526636	04
24	2560	Gupta Smt. Krishna	22.12.43	E-27, Shastri Nagar, Ajmer	2421442	04
25	2561	Jatoliya Kishan Lal	15.08.51	340, Hari Bhau Upadhya Nagar Ext, Pushkar Road, Ajmer	9413885645	17
26	2562	Jatoliya Smt. Kamla Devi	26.01.52	340, Hari Bhau Upadhya Nagar Ext, Pushkar Road, Ajmer	9413885645	17
27	2563	Badjatya Miss Nirmla	07.04.54	68, RPSC Colony, Rati Danj, Ajmer	9413223022	02
28	2564	Singh Man	21.09.36	34/1318, Arya Nagar, Ajmer	9414429640	10
29	2565	Jain Munna Lal	14.12.51	A-102, Mangalam Apartment, Pragat Nagar, Kotra	9828357944	17
30	2566	Bundel Chandan Singh	01.11.50	194-B, Bhajan Ganj, Sophia Hindi Mediam School, Dhani Nadi Road, Ajmer	9529454925	13
31	2567	Bundel Smt. Munni Devi	24.04.53	194-B, Bhajan Ganj, Sophia Hindi Mediam School, Dhani Nadi Road, Ajmer	2661365	13
32	2568	Shiralkar Mahesh	03.12.51	3-GH-8, Dhola Bhata Colony, Ajmer	9602184750	18
33	2569	Shiralkar Archna	16.06.54	3-GH-8, Dhola Bhata Colony, Ajmer	2663190	18

34	2570	Hansrajani Vishan Das	15.03.55	11/34, Vaishali Nagar, Ajmer	9413993685	01
35	2571	Hansrajani Smt. Asha	16.06.54	11/34, Vaishali Nagar, Ajmer	9413993685	01
36	2572	Rajendra Kumar	01.06.52	30, Arjun Lal Sethi Colony, Parbatpura By Pass, Ajmer	8769902105	12
37	2573	Smt. Manju Devi	01.06.56	30, Arjun Lal Sethi Colony, Parbatpura By Pass, Ajmer	8769902105	12
38	2574	Bariya Madan Lal	19.10.52	Kutchaman Palace, Ward No. 28, Shubhash Colony, Topdara, Ajmer	9983208229	10
39	2575	Bariya Smt. Sunita	08.06.57	Kutchaman Palace, Ward No. 28, Shubhash Colony, Topdara, Ajmer	2425357	10
40	2576	Maharishi Dr. Raghvendra	01.06.52	3/24, Ashok Vihar, Near Narishala, Bewar Road, Ajmer	9414011940	15
41	2577	Saxena Suresh Chand	03.11.51	694, Hari Bhau Nagar Exten, Ajmer	9829142783	17
42	2578	Chipa Tikam Chand	01.12.43	E-392, Shastri Nagar, Ajmer	9460177752	04
43	2579	Rathore Satya Narayan Singh	02.05.52	Plot No. 9, Veer Tejajee Nagar, Bewar Road, Daurai	9928215700	21
44	2580	Singh Vijaiender	03.12.44	Plot No. 58, Veer Tejajee Nagar, Beawar Road, Daurai	2442929	21
45	2581	Dadlani Inderlal	25.03.35	Plot No. 153, Veer Tejajee Nagar, Beawar Road, Daurai	9462525201	21
46	2582	Sharma Prem Dutt	11.07.47	43, Swastik Bhawan, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9351332043	21
47	2583	Rama Kishan	15.08.47	Plot No. 22, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414839558	21
48	2584	Jha Rajendra Kumar	02.10.44	Plot No. 15, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414003426	21
49	2585	Mishra Ashok Kumar	30.03.52	1/228, Houseing Board Colony, Kanchan Nagar, Daurai	9694514070	21
50	2586	Jain Hasti Mal	14.02.36	Near Rly Fatak, Beawar Road, Daurai	9829398620	21
51	2587	Sharma Sushri Satya	31.05.32	682/27, Opp. Sethi Cycle, Opp. PNB Bank, Ramganj, Ajmer	9413224181	15
52	2588	Sharma Lalit Kumar	31.03.49	481, Hari Bhau Upadhayay Nagar (Extn)	9468608128	17
53	2589	Sharma Smt. Sharda	10.01.50	481, Hari Bhau Upadhayay Nagar (Extn)	9468608128	17
54	2590	Agarwal Gopi Chandra	25.10.52	39, Shiva Colony, Near Varadhashram, Dahar Sen Smarak Rd., Ajmer	9571700192	17
55	2591	Singhal Smt. Shankuntla	17.06.56	39, Shiva Colony, Near Varadhashram, Dahar Sen Smarak Rd., Ajmer	9571700192	17
56	2592	Tak Amar Chand	03.01.49	7, Jyoti Nagar, Daurai Road, Ajmer	9414669299	21
57	2593	Patel Ramjee Bhai	21.09.52	Plot No. 5, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9460933255	21
58	2594	Lodha Kailash Dutt	10.10.48	Plot No. 22, Veertejajee Nagar, Daurai	9667879721	21
59	2595	Toshniwal Shyam Narayan	30.03.46	Toshniwal Bhawan, 12, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9214660334	21
60	2596	Patel Chandu Lal	09.03.53	Geeta Bhawan, Infront Rly Fatak, Daurai	9462959817	21
61	2597	Vaishnav N. D.	05.03.47	66, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9829031038	21
62	2598	Toshniwal Dev Narayan	27.07.48	21, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9782710443	21
63	2599	Bagwal Bhanulal	02.06.46	607/II, Ram Nagar, Pushkar Road, Ajmer	9413022881	--
64	2600	Mathur Ramesh Chandra	12.08.48	B-80, Chhatri Yojna, Vaishali Nagar, Ajmer	9784707808	01
65	2601	Mathur Smt. Shanti	03.01.47	B-80, Chhatri Yojna, Vaishali Nagar, Ajmer	9414708395	01
66	2602	Jaiswani Ishwar Lal	02.11.52	611, Sankat Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	9414283746	01
67	2603	Jaiswani Smt. Parmeshwari	02.07.54	611, Sankat Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	2640579	01
68	2604	Cheepa Babulal	04.11.51	48, Kailash Puri, Christan Ganj, Ajmer	9460900637	02
67	2605	Cheepa Smt. Bhanwani Devi	06.08.52	48, Kailash Puri, Christan Ganj, Ajmer	2427837	02
68	2606	Sharma Pramod Kumar	15.06.51	428/28, Bhajan Ganj, Ajmer	9829971919	13

67	2607	Sharma Smt. Sunder Bala	08.04.59	428/28, Bhajan Ganj, Ajmer	2661929	13
68	2608	Sharma Babu Lal	08.01.52	548/28, Angira Nagar, Ajmer	9530257048	13
69	2609	Sharma Smt. Santosh	17.10.55	548/28, Angira Nagar, Ajmer	9530257048	13
70	2610	Sahu B. L.	03.05.46	Sahu Sadan, Gali No. 6, Ram Nagar, Pushkar Road, Ajmer	9829329133	16
71	2611	Goyal Govind Lal	11.08.41	13/53, Novalti House, Ghas Katla, Ajmer	9214688431	06
72	2612	Singh Shamsher	15.04.42	16/37, Behind GPO, Purani Mandi, Ajmer	9828085599	07
73	2613	Tillumal Motisamani	26.01.51	8/95, Peer Mitra Gali, Delhi Gate, Ajmer	9252781205	07
74	2614	Sharma Jagdish Chand	15.11.34	Bhrampuri Mohalla, Sri Nagar Village	01491-286285	06
75	2615	Bhargav Shri Krishan	24.02.44	33/253, Krishna Chank, Dhobi Ghat ka Rasta, Topdara	2620518	10
76	2616	Bhagrava Smt. Prem	15.06.45	33/253, Krishna Chank, Dhobi Ghat ka Rasta, Topdara	9460479090	10
77	2617	Bariya Pukhraj	09.03.50	28/16, Shubhash Colony, Topdara, Ajmer	2620061	10
78	2618	Bariya Smt. Mangli	08.08.56	28/16, Shubhash Colony, Topdara, Ajmer	9414347560	10
79	2619	Smith Erustus	21.12.44	Fazal Cottage, 98, Veer Tejajee Nagar, Daurai	7877345003, 2680430	21
80	2620	Smith Smt. Juliyana	29.06.48	Fazal Cottage, 98, Veer Tejajee Nagar, Daurai	2680430	21
81	2621	Sharma Tikam Chand	08.10.55	Plot No. 74, Guru Kripa Bhawan, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9460360636	21
82	2622	Sharma Trilok Chand	04.02.56	Plot No. 57, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414709387	21
83	2623	Sharma Smt. Pushpa	01.06.57	Plot No. 57, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414709387	21
84	2624	Sankhla Jeetmal	22.11.53	Neel Kunj, H.No. 2/57, Kunchan Nagar, Daurai	9352782321	21
85	2625	Mandrawalia Om Prakash	19.06.52	"Hazarika", 1/234, Kanchan Nagar, Daurai	9413279131	21
86	2626	Rathore Smt. Ayodhya Kanwar	01.06.54	Plot No. 9, Veer Tejajee Nagar, Beawar Road, Daurai	9462253328	21
87	2627	Rao Satya Narayan	10.04.55	117/K, Housing Board Colony Sector-1, Daurai	9829855276	21
88	2628	Rao Smt. Tanuja	02.05.57	117/K, Housing Board Colony Sector-1, Daurai	9829855276	21
89	2629	Awasthi Vinod Kumar	25.07.56	H.No. 138, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414866082	21
90	2630	Sharma Om Prakash	02.01.54	1/50, Kanchan Nagar, Daurai	9460707823	21
91	2631	Tak Smt. Kailash	15.08.53	7, Jyoti Nagar, Daurai	9460043359	21
92	2632	Mishra Smt. Urmila	21.01.56	1/228, Housing Board Colony, Kanchan Nagar, Daurai	9460042943	21
93	2633	Smt. Kamla Devi	01.11.49	Plot No. 22, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414839558	21
94	2634	Asudani Ashok Kumar	12.02.47	1-K-18, Vaishali Nagar, Ajmer	2642684	01
95	2635	Balani Smt. Champa	10.07.46	1-K-18, Vaishali Nagar, Ajmer	9413300084	01
96	2636	Upadhyay Yugal Kishore	02.08.52	166, Bank Colony, Near MDS University, Ghugra	2787467	02
97	2637	Upadhyay Smt. Achla	04.07.54	166, Bank Colony, Near MDS University, Ghugra	9460128214	02
98	2638	Soni Nand Lal	09.10.52	8/85, Peer Mitha Gali in side, Delhi Gate, Ajmer	9829821225	07
99	2639	Mathur Virenda Kumar	05.08.43	38/223, Opp. Shivji Minder, Kayastha Mohalla, Purani Mandi, Ajmer	9829647423	07
100	2640	Mathur Usha	01.01.47	38/223, Opp. Shivji Minder, Kayastha Mohalla, Purani Mandi, Ajmer	2623050	07
101	2641	Agrawal Rajendra Pd.	13.08.49	114/31, Krishan Chauk, Topdara, Ajmer	9252037357	10
102	2642	Singla Smt. Krishana Devi	01.07.41	Ram Kripa, Bank Colony, Naka Madar, Ajmer	2670225	20
103	2643	Toshniwal Smt. Chandrakala	26.11.51	H.No. 12, Veertejajee Nagar, Daurai	9214660334	21

104	2644	Tripathi Smt. Premlata	21.01.52	43, In front of Dr. Toshniwal, Veer Tejatee Nagar, Daurai	2445110	21
105	2645	Shukla Devendra Kumar	23.08.49	1/182, Housing Board Colony, Kanchan Nagar, Daurai	9828076716	21
106	2646	Jirota Gopal Krishan	22.10.48	Hema Parwati Sadan, 34, Saraswati Nagar, Gali No. 3, Mayo Link Road	9414831296	14
107	2647	Jirota Smt. Maharani	15.10.54	Hema Parwati Sadan, 34, Saraswati Nagar, Gali No. 3, Mayo Link Road	9414831296	14
108	2648	Tak Smt. Manju	05.08.57	H.No. 38/29, Dhola Bhata Village, Ajmer	9314917658	18
109	2649	Chouhan Ram Kishan	01.07.51	1778/44, Near Kaushik Paultry farm, Dhola Bhata Road, Ajmer	9269261741	18
110	2650	Chouhan Smt. Barji Devi	10.07.52	1778/44, Near Kaushik Paultry farm, Dhola Bhata Road, Ajmer	9269261741	18
111	2651	Singh Smt. Ranjana	10.09.49	1058, Pragati Nagar, Kotra	9413040049	17
112	2652	Manzer Kanwar	25.08.37	Sports House, Shubhash Nagar, Ajmer	9783863631	15
113	2653	Shukla Smt. Amrita	03.07.57	1/182, Kanchan Nagar, HB Colony, Daurai	9828649163	21
114	2654	Doriya D. R.	19.11.50	Shakuntla Bhawan, Veertejajee Nagar, Daurai	0145-2443314	21
115	2655	Doriya Smt. Shankuntla	25.03.50	Shakuntla Bhawan, Veertejajee Nagar, Daurai	9636046268	21
116	2656	Agrawal Shri Gopal	09.11.40	1-9-16, H B Colony, Near Sagar Vihar	7597124835	02
117	2657	Agarwal Smt. Chandra Kanta	15.04.41	1-9-16, H B Colony, Near Sagar Vihar	2429186	02
118	2658	Paliwal Chand Karan	06.03.38	H-24, Saket, Chhatri Yogana, Makarwali Road, Ajmer	2642947	02
119	2659	Paliwal Smt. Yashoda Devi	01.02.45	H-24, Saket, Chhatri Yogana, Makarwali Road, Ajmer	9462849485	02
120	2660	Mehra Narendra	24.05.45	K-8-A, Krishan Gunj, Anasagar Link Road, Ajmer	9414707756	02
121	2661	Mehra Smt. Asha	18.09.52	K-8-A, Krishan Gunj, Anasagar Link Road, Ajmer	9414707756	02
122	2662	Garg Prem Prakash	03.06.49	"Anjaneya", 116-Behind Kailash Puri Community Hall, Christian Ganj	9829089197	02
123	2663	Garg Smt. Krishna Devi	04.12.48	"Anjaneya", 116-Behind Kailash Puri Community Hall, Christian Ganj	9829089197	02
124	2664	Smt. Meera Rani	15.07.53	H.No. 121, Gajendra Flore Mill, Gali No. 2, Gandhi Nagar, Ajmer	8890725441	18
125	2665	Bhargava Chandra Prakash	13.12.43	"Kanti", H.No. 11/32, Vaishali Nagar, Ajmer	9928184634	01
126	2666	Bhargava Smt. Shashi Bala	15.01.46	"Kanti", H.No. 11/32, Vaishali Nagar, Ajmer	2642269	01
127	2667	Arya Dr. Mool Chand	02.03.49	Plot No. A-165, M.D. Colony, Mataji ke Mandir ke Pass, Naka Madar, Ajmer	9414354724	20
128	2668	Arya Smt. Sharda	15.07.50	Plot No. A-165, M.D. Colony, Mataji ke Mandir ke Pass, Naka Madar, Ajmer	2670231	20
129	2669	Sharma Satya Dev	10.11.41	J-6, Gandhi Nagar, Naka Madar, Ajmer	9829071018	20
130	2670	Sharma Smt. Vijay Laxmi	10.08.45	J-6, Gandhi Nagar, Naka Madar, Ajmer	2670018	20
131	2671	Sharma Tara Chand	01.08.53	H.No. 694/41, Shangar Chanwari, Bhajan Ganj, Ajmer	9314662216	13
132	2672	Sharma Smt. Pushpa Devi	01.06.54	H.No. 694/41, Shangar Chanwari, Bhajan Ganj, Ajmer	9314662216	13
133	2673	Agarwal Raghu Nandan	11.01.48	10, Shakti Nagar, Beawar Road, Ajmer	9414708579	15
134	2674	Goyal Smt. Kailashwati	02.03.50	10, Shakti Nagar, Beawar Road, Ajmer	2440119	15
135	2675	Khandelwal Ram Gopal	04.07.51	Gali No. 1, New Govind Nagar, Ram Ganj, Ajmer	9828358250	15
136	2676	Khandelwal Smt. Savitri	15.05.55	Gali No. 1, New Govind Nagar, Ram Ganj, Ajmer	9828358250	15
137	2677	Sharma Mohan Prakash	06.02.42	C/o. Mohini Studio, Subhash Nagar, Ajmer	9460180043	15
138	2678	Sharma Smt. Malti	13.07.49	C/o. Mohini Studio, Subhash Nagar, Ajmer	2442622	15
139	2679	Mathur Dr. Prakash Bihari	09.09.38	330, Haribhau Upadhyay Nagar, Ajmer	9414750654	17
140	2680	Singh Kashmir	03.05.54	H.No. 1127, Ratan Bhawan, Mradang Cinema ke Pichhe, Ajmer	9414016472	09

141	2681	Patel Heera Lal	11.07.46	Geeta Bhawan, Beawar Road, Near Mata Temple, Ajmer	9672616187	21
142	2682	Patel Smt. Manju Ben	21.02.47	Geeta Bhawan, Beawar Road, Near Mata Temple, Ajmer	2421231	21
143	2683	Patel Purshottam	18.04.55	Veer Tejaji Nager, Daurai	9461478773	21
144	2684	Patel Smt. Parwati	05.05.57	Veer Tejaji Nager, Daurai	2442534	21
145	2685	Sharma Hari Shankar	09.05.53	1/15, Raj. Housing Board Colony, Kanchan Nagar, Dorai	9269265264	21
146	2686	Sharma Smt. Kusum Lata	08.10.55	1/15, Raj. Housing Board Colony, Kanchan Nagar, Dorai	2681789	21
147	2687	Jha Smt. Ranjana	27.04.50	15, Veer Tejaji Nagar, Dorai	2440426	21
148	2688	Mehta Sajjan Mal	11.01.33	H.No. 313/4, Lakhan Kotari, Ajmer	9351677679	07
149	2689	Patel Smt. Kanta	12.02.53	Plot No. 25, Patel Bhawan Veer Tejaji Nagar, Dorai	9460933255	21
150	2690	Patel Smt. Pramila Devi	07.03.55	Geeta Bhawan, Near Rly. Crossing, Beawar Road, Dorai	9462959817	21
151	2691	Sharma Smt. Prem Lata	20.03.57	Plot No. 74, Guru Krapa Bhawan, Veer Tejaji Ngar, Dorai	9460360636	21
152	2692	Mehra Ajai Kumar	15.11.51	H.No. 25/24, Babu Mohalla, Ajmer	9829945268	08
153	2693	Mehra Smt. Sweeti	10.05.54	H.No. 25/24, Babu Mohalla, Ajmer	2452584	08
154	2694	Parakh Jaswant Singh	22.12.23	Parakh Kothi, Mayo Link Road, Ajmer	9460136028	14
155	2695	Parakh Smt. Sajjan Kumari	13.12.30	Parakh Kothi, Mayo Link Road, Ajmer	2660373	14
156	2696	Rao Ramesh Singh	05.02.52	H.No. 285/31, Gujrati Bhatta Ke Pichhe, Patel Nagar, Topdara, Ajmer	9351849937	10
157	2697	Rao Smt. Raj Kanwar	24.03.56	H.No. 285/31, Gujrati Bhatta Ke Pichhe, Patel Nagar, Topdara, Ajmer	9351849937	10
158	2698	Lakhotia Subhash Chandra	23.11.49	Asha Niwas, Krashan Ganj, Ajmer	--	03
159	2699	Lokhotia Smt. Sushila	08.10.53	Asha Niwas, Krashan Ganj, Ajmer	--	03
160	2700	Sharma Jagdish	16.06.50	H.No. 77/24, Madan Gopal Marg, Kaisar Ganj, Ajmer	9414002933	08
161	2701	Sharma Smt. Humanshu	20.11.51	H.No. 77/24, Madan Gopal Marg, Kaisar Ganj, Ajmer	9414002933	08
162	2702	Mehra Suresh	10.02.44	H.No. 4/135, B. Block, Pansheel Nagar, Makerwali Road, Ajmer	9887209333	01
163	2703	Mehra Smt. Shobha	14.02.48	H.No. 4/135, B. Block, Pansheel Nagar, Makerwali Road, Ajmer	2642978	01
164	2704	Singhal Kailash Kumar	15.06.40	"Ankampa", 41-B, Adarsh Nagar, Ajmer	9414398487	12
165	2705	Singhal Smt. Asha	09.09.46	"Ankampa", 41-B, Adarsh Nagar, Ajmer	2441366	12
166	2706	Rathor Tej Singh	09.11.48	F-7, Shalimar Colony, Adarsh Nagar, Ajmer	9461834685	12
167	2707	Rathor Smt. Inder Kanwar	08.07.50	F-7, Shalimar Colony, Adarsh Nagar, Ajmer	2442593	12
168	2708	Sharma Ram Chandra	01.06.51	H.No. C-53, Ricoo Housing Colony, Makhupura, Nasirabad Road, Ajmer	9413163516	12
169	2709	Sharma Smt. Sampatti Devi	01.06.54	H.No. C-53, Ricoo Housing Colony, Makhupura, Nasirabad Road, Ajmer	9413163516	12
170	2710	Agarwal Ram Karan	31.05.33	H.No. 1295/12, Narsinghpura, Ram Nagar, Ajmer	9351323269	16
171	2711	Seni Seeta Ram	11.12.45	"Geeta Bhanwan", Gali No. 3, Narsinghpura, Fai Sagar Road, Ajmer	9829737226	16
172	2712	Seni Smt. Geeta	16.06.53	"Geeta Bhanwan", Gali No. 3, Narsinghpura, Fai Sagar Road, Ajmer	2600183	16
173	2713	Jai Kishan	06.09.40	14-B, Baldeo Nagar, Gali No. 1, Makarwali Road, Ajmer	9414424169	01
174	2714	Sharma Sudhakar Bandhu	04.06.48	A-67, Mansarowar Colony, Veshali Nagar, Ajmer	9414433025	01
175	2715	Sharma Smt. Raseela	15.08.53	A-67, Mansarowar Colony, Veshali Nagar, Ajmer	2442007	01
176	2716	Shekhwat Smt. Chandra Prabha	01.06.55	Veer Tejaji Nagar, Dorai	2442929	21
177	2717	Sharma Smt. Chandra Kanta	02.04.56	1/50, Housing Board Colony, Kanchan Nagar, Dorai	946707823	21

178	2718	Goyal Ganeshilal	08.07.50	H.No. 688/27, R.P.F. Road Line, Ramganj	9414424721	15
179	2719	Goyal Smt. Indra	30.11.52	H.No. 688/27, R.P.F. Road Line, Ramganj	2680398	15
180	2720	Sharma Chandra Shekhar	31.12.56	H.No. 32, Veertejaj Nagar, Dorai	9351343474	21
181	2721	Sharma Smt. Geeta Devi	01.07.57	H.No. 32, Veertejaj Nagar, Dorai	9351343474	21
182	2722	Sharma Shiv Dutta	01.07.54	834/14, Shakti Nagar, Shubhash Nagar, Ajmer	8946935095	15
183	2723	Sharma Smt. Geeta	24.07.56	834/14, Shakti Nagar, Shubhash Nagar, Ajmer	2460568	15
184	2724	Sharma Yogandra Pd.	06.07.47	605/27, Police Chawki wali Gali, Ramganj, Ajmer	9509141144	15
185	2725	Gaur Smt. Suman	20.08.56	Plot No. 25, Behind Narishala, Hindustan Computer wali gali, Ramganj	9414314268	15
186	2726	Gaur Krishna Kumar	21.07.52	1153/42, Nagina Nagar, Dhola Bhata, Ajmer	9414007543	13
187	2727	Gaur Smt. Prena	25.12.56	1153/42, Nagina Nagar, Dhola Bhata, Ajmer	9414007543	13
188	2728	Ubana Jeetmal	12.11.45	Plot No. 5, Brij Vihar Colony, Naya Ghar, Gulab Bari, Opp. Riddhi Siddhi Sthal	9461986640	11
189	2729	Ubana Smt. Vimla Devi	24.04.51	Plot No. 5, Brij Vihar Colony, Naya Ghar, Gulab Bari, Opp. Riddhi Siddhi Sthal	9461986640	11
190	2730	Sharma Gopal	25.12.52	Jeevan Ganga Vaihar, Near Shyam Pahlwani, Ramble Road, Ajmer	9829214398	04
191	2731	Sharma Prakash Dutt	02.09.43	97/24, Babu Mohalla, Kaiser Ganj, Ajmer	9680166932	08
192	2732	Sharma Smt. Sumitra	01.06.48	97/24, Babu Mohalla, Kaiser Ganj, Ajmer	2625083	08
193	2733	Jirota Brij Mohan	11.02.50	1101/10, Naya Gautam Nagar, Ajmer	9461471528	15
194	2734	Jirota Smt. Kamla Devi	09.11.52	1101/10, Naya Gautam Nagar, Ajmer	9461471528	15
195	2735	Mittal Suraj	13.01.52	H.No. 11, Shiv Colony, Behind Taramani School, Shastri Nagar, Ajmer	9414001609	04
196	2736	Sharma Ramesh Chand	24.07.49	Gali No. 4, H.No. 2, Tower Rd., Kapil Nagar, Subhash Nagar, Ajmer	9460733044	15
197	2737	Sharma Smt. Prem Lata	29.05.51	Gali No. 4, H.No. 2, Tower Rd., Kapil Nagar, Subhash Nagar, Ajmer	9460733044	15
198	2738	Dadlani Smt. Veena	25.09.43	Plot No. 153, Veer Tejaji Nagar, Dourai	9462525201	21
199	2739	Jha Dinesh	28.06.53	716/27, Khadi Bhandiv Wali Gali, Ramganj, Ajmer	9928252366	15
200	2740	Jha Smt. Madhu	10.08.56	716/27, Khadi Bhandiv Wali Gali, Ramganj, Ajmer	2682136	15
201	2741	Sharma Surendra Kumar	05.02.55	1273/32, Dadabhai Colony, Nasirabad Road, Ajmer	9829983776	09
202	2742	Sharma Smt. Kiran	20.09.57	1273/32, Dadabhai Colony, Nasirabad Road, Ajmer	9829983776	09
203	2743	Gupta Mithlesh	15.05.51	7, Veer Tejaji Nagar, Daurai	9784217673	21
204	2744	Gupta Smt. Kamlesh	20.10.54	7, Veer Tejaji Nagar, Daurai	9784217673	21
205	2745	Bhargava Umesh	30.03.44	330/29, Babu Mohall, Kaiser Ganj, Ajmer	2421475	08
206	2746	Bhargava Smt. Bina	06.11.47	330/29, Babu Mohall, Kaiser Ganj, Ajmer	9829800308	08
207	2747	Sharma Om Prakash	22.12.50	Gali No. 5, New Govind Nagar, Ramganj, Ajmer	2693112	15
208	2748	Sharma Smt. Manorama	22.07.52	Gali No. 5, New Govind Nagar, Ramganj, Ajmer	9414709436	15
209	2749	Mishra Ram Gopal	27.10.47	113/11, Auadh Bhawan, Shakti Nagar, Ramganj, Beawar Road, Ajmer	9460918876	15
210	2750	Yadav Ashok Kumar	10.07.51	Block No. 14, Adarsh Nagar Thana ka Samne, Arjun Lal Sethi Nagar	9887573706	15
211	2751	Yadav Smt. Geeta	01.01.56	Block No. 14, Adarsh Nagar Thana ka Samne, Arjun Lal Sethi Nagar	9887573706	15
212	2752	Mundra Premchand	15.11.49	600-D-3, Near Amar Bazar, Lohagal Road, Ajmer	2422115, 2421386	04
213	2753	Mundra Smt. Seeta Devi	08.07.51	600-D-3, Near Amar Bazar, Lohagal Road, Ajmer	9352999433	04
214	2754	Sankhla Vijai Singh	24.10.51	2, Amarai, Rajat Path, Mitra Nagar, Ratidanj, Ajmer	2641730	01

215	2755	Sankhla Smt. Ganga	10.09.51	2, Amarai, Rajat Path, Mitra Nagar, Ratidanj, Ajmer	9829610347	01
216	2756	Sharma Vishnu Swaroop	10.03.42	499/26, Mandir Wali Gali, Ramganj, Ajmer	2693144	15
217	2757	Sharma Smt. Man Devi	02.01.45	499/26, Mandir Wali Gali, Ramganj, Ajmer	9929580544	15
218	2758	Srivastav Vipin Kumar	15.07.52	Plot No. 8, Shakti Nagar, Chaursiyas Vas Road, Vaishali Nagar, Ajmer	2640556	01
219	2759	Srivastav Smt. Asha	28.06.57	Plot No. 8, Shakti Nagar, Chaursiyas Vas Road, Vaishali Nagar, Ajmer	9413955081	01
220	2760	Panwar Mahendra Kumar	26.02.50	B-145, MD Colony, Naka Madar, Ajmer	2670602	20
221	2761	Panwar Smt. Padma	05.07.53	B-145, MD Colony, Naka Madar, Ajmer	9829525984	20
223	2762	Jayaswal Ram Singh	16.07.52	767-D-29, Pipali ka Kua, Dhola Bhata Road, Ajmer	9214648335	14
224	2763	Khandelwal Ram Swaroop	26.12.38	Ram Bhawan 4/118-F, Kishangarh Kothi, Jaipur Road, Ajmer	2432250	06
225	2764	Khandelwal Smt. Shushila	21.08.45	Ram Bhawan 4/118-F, Kishangarh Kothi, Jaipur Road, Ajmer	9784539587	06
226	2765	Saxena Sunil	27.09.52	11/155, Hathi Bhata, Ajmer	2626402	06
227	2766	Saxena Smt. Bharti	26.01.56	11/155, Hathi Bhata, Ajmer	9460707410	06
228	2767	Dhawan R. K.	23.10.49	Gali No. 4, Chunji Chanki ka pas, Shubhash Nagar, Ajmer	8107173339	15
229	2768	Agarwal Chhaganlal	07.02.52	H.No. 76/17, Blue Casle, Near Agarwal Dharmshala ka pass, Kaiser Ganj	8829017879	08
230	2769	Agarwal Smt. Rukmani Devi	13.03.56	H.No. 76/17, Blue Casle, Near Agarwal Dharmshala ka pass, Kaiser Ganj	9462739980	08
231	2770	Arora Nand Kishore	15.12.51	H.No. 1192/12, Satya vas, Behind PNB, Ramganj	9414431663	15
232	2771	Arora Smt. Jyoti	30.08.53	H.No. 1192/12, Satya vas, Behind PNB, Ramganj	2693789	15
233	2772	Katira Smt. Geeta Devi	12.09.46	23/13, Gulmohar, Shegun Sagar Vihar, Vaishali Nagar, Ajmer	9978457330	01
234	2773	Banjamin Smt. Kamalini	02.11.36	3031/26, Kesar Villa, Mali Mohalla, Christian Ganj, Ajmer	9828767613	02
235	2774	Prajapati Chhittar Mal	03.05.43	154/38, Purani Mandi, Madar Gate, Ajmer	9352796792	07
236	2775	Prajapati Smt. Ratani	03.04.47	154/38, Purani Mandi, Madar Gate, Ajmer	9460042741	07
237	2776	Agarwal Radhey Shyam	08.10.50	1477/13, Khanpura Road, Subhash Nagar, Ajmer	9413228417	15
238	2777	Agarwal Smt. Jamuna Devi	08.06.52	1477/13, Khanpura Road, Subhash Nagar, Ajmer	2443341	15
239	2778	Sankhla Mithu Lal	23.09.49	110/12, Near Shyam Gali, Hathi Bhata, Ajmer	9468694584	06
240	2779	Sankhla Bhanwal Lal	15.02.39	12/110, Near Old Baraf Khana, Hathi Bhati, Ajmer	9468545890	06
241	2780	Vrindani Goverdhan Das	30.10.49	444, Keshav Nagar, Vaishali Nagar, Ajmer	8414272773	01
242	2781	Vrindani Smt. Janki	06.03.52	444, Keshav Nagar, Vaishali Nagar, Ajmer	2640707	01
243	2782	Bhatiya Smt. Purnima	18.05.53	101, Hari Bhau Upadhyay Nagar, Ajmer	9414003917	16
244	2783	Garg Kishan Gopal	06.07.52	420, Amba Vihar, BK Kaul Nagar, Ajmer	9252416942	16
245	2784	Garg Smt. Kanta	15.08.55	420, Amba Vihar, BK Kaul Nagar, Ajmer	5131769	16
246	2785	Sharma Chandra Shekhar	11.11.43	463/26, Near SMB School, Ramganj, Ajmer	9928978187	15
247	2786	Sharma Smt. Sheela	--	463/26, Near SMB School, Ramganj, Ajmer	2693634	15
248	2787	Gupta Desh Bandhu	26.08.52	236/12, Gupta House Kishangarh Kothi, Jaipur Road, Ajmer	9784904448	06
249	2788	Gupta Smt. Achala	20.07.57	236/12, Gupta House Kishangarh Kothi, Jaipur Road, Ajmer	9784904448	06
250	2789	Asrani Virbhan	15.02.55	22/108, Krishan Mention, Thathra Chawak, Usri Gate, Ajmer	2422063	08
251	2790	Asrani Smt. Mohani	14.06.56	22/108, Krishan Mention, Thathra Chawak, Usri Gate, Ajmer	9351714071	08
252	2791	Rathi Dr. P. R.	01.11.52	A/410, Panchsheel Colony, Near Rajeev Circle, Makarwali Road, Ajmer	9680362554	01

253	2792	Sharma Narendra Kumar	09.07.51	H.No. 154, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9928788832	21
254	2793	Sharma Smt. Shankuntla	08.05.53	H.No. 154, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9460127445	21
255	2794	Gupta Harish Kishore	16.12.51	174, Auvadh Puri, Jonas Ganj, Ajmer	8140101010	13
256	2795	Tiwari Baidhnath	10.04.50	H.No. 214, Chamunda Colony, GC-1, CRPF, Foi Sagar Road, Ajmer	9983142390	04
257	2796	Tiwari Dorgawati Devi	29.07.53	H.No. 214, Chamunda Colony, GC-1, CRPF, Foi Sagar Road, Ajmer	9460897291	04
258	2797	Miss Nadira Begum	15.07.56	Shaileh Manzil, Veer Tejajee Nagar, Daurai	9414815121	21
259	2798	Panwar Gyan Singh	15.12.49	163/24, Shubhash Chowak, Kesar Ganj, Ajmer	9251416064	08
260	2799	Saraswat Brij Narayan	03.12.52	16, Kala Bagh, Ajmer	2621660	06
261	2800	Saraswat Smt. Madhu	05.01.53	16, Kala Bagh, Ajmer	9214912731	06
262	2801	Sankhla Bal Beersyh	10.07.51	42/803, Mayo Link Road, Rajhunath Puri, Ajmer	9460547435	14
263	2802	Sankhla Smt. Radha Devi	16.08.57	42/803, Mayo Link Road, Rajhunath Puri, Ajmer	9460547435	14
264	2803	Bardia Vimal Kumar	01.12.49	268/2, Dayanand Colony, Ram Nagar, Ajmer	9799962240	16
265	2804	Garg Om Prakash	29.09.54	34, Arihant Colony, Pushkar Road, Ajmer	9414483094	16
266	2805	Sharma Prem Narayan	01.07.53	687, Matrachaya, Nai Basti, Ramganj, Ajmer	9460332559	15
267	2806	Chauhan Bhawar Lal	10.07.44	31/232, Sikhwal School, Gali No. 3, Patel Nagar, Topdara	7737387463	10
268	2807	Sankhla Vijai Singh	10.05.56	803/29, Mayo Link Road, Near Raghunath Temple, Ajmer	262242	14
267	2808	Sankhla Smt. Geeta	03.04.55	803/29, Mayo Link Road, Near Raghunath Temple, Ajmer	9828649644	14
268	2809	Tanwar Suraj Singh	29.04.54	611/42, Dhola Bhata, Behind Tanwar Market	9460790575	14
269	2810	Jadam Ramswaroop	16.12.52	Mali Mohalla, Gulab Bari, Ajmer	9214433779	11
270	2811	Shekhawat Amar Singh	16.06.51	209, Kundan Nagar, Near Bhalla Diary	9460610557	05
271	2812	Kabir Sadat	26.08.52	180/2, Plot No. 39B, Ganesh Puri Mandir Road, Kundan Nagar, Ajmer	9414009858	05
272	2813	Ramzan Mohd Malik	20.12.51	187/B, Behind Ankur Public School, Madar Sahib Road, Kundan Nagar, Ajmer	9414616907	05
273	2814	Rajawat Smt. Parwati	17.10.53	E-213, Shashtri Nagar, Ajmer	9828662911	04
274	2815	Tandan Harish Kumar	15.12.59	30/12, Bangali Stree, Kutchery Road, Ajmer	9460359607	06
275	2816	Januthia Dal Chand	17.02.38	Sidharth Nagar, Dhola Bhata, Ajmer	9828545384	18
276	2817	Gupta Sushri Usha	13.09.57	3/9/12, Rajandra Pura, Gali No. 6, Hathi Bhata, Ajmer	9414709517	15
277	2818	Gupta Sushri Santosh	30.06.52	3/9/12, Rajandra Pura, Gali No. 6, Hathi Bhata, Ajmer	9413691721	15
278	2819	Singh M. P.	08.07.50	7, Chandra Nagar, Beawar Road, Ajmer	2681072	15
279	2820	Kaur Smt. Surindra	25.04.50	7, Chandra Nagar, Beawar Road, Ajmer	9413948652	15
280	2821	Fozi Rekh Raj	15.08.51	671/28, Shrinagar Chora, Ajmer	9414003560	13
281	2822	Jain Parasmal	15.12.48	E-412, Shastri Nagar, Ajmer	2420405	04
282	2823	Jain Smt. Shanti	08.09.52	E-412, Shastri Nagar, Ajmer	2420405	04
283	2824	Trivedi Virendra Kumar	20.11.34	E-76, Shastri Nagar, Ajmer	9461190594	04
284	2825	Trivedi Smt. Sheela	11.02.36	E-76, Shastri Nagar, Ajmer	2421892	04
285	2826	Mehra Madan Mohan	31.12.37	24/344, Hariom Bhawan, Babu Mohalla, Ajmer	9460355766	08
286	2827	Agarwal Dinesh	01.08.52	261, Raj Nagar Bhajan Ganj, Ajmer	9982399922	13
287	2828	Agarwal Kusum	17.07.56	261, Raj Nagar Bhajan Ganj, Ajmer	266146	13

288	2829	Jaikishan	19.07.55	1460, Thathera Chawk, Ajmer	9414223452	08
289	2830	Smt. Vidhya Devi	10.11.55	1460, Thathera Chawk, Ajmer	2424508	08
290	2831	Gehlot Balram Singh	07.03.47	65, Mansarover Colony, Ram Nagar, Ajmer	9414411856	16
291	2832	Gehlot Smt. Sayar Kanwar	09.11.51	65, Mansarover Colony, Ram Nagar, Ajmer	9414411856	16
292	2833	Mahavar Ramesh	05.10.52	222/02, Near Kalp Viraksh, Loha Khan, Ajmer	9799713593	03
293	2834	Rao Narendra	04.10.51	360, Saroj Kunj, Pragati Nagar, Kotra	9982353194	17
294	2835	Gaur Brijesh	02.03.57	359, Shri Nikatan, Pragati Nagar, Kotra, Ajmer	8829037882	17
295	2836	Marothia Bhawar Lal	25.03.42	630/49, Naya Bara, Police Line, First Chowara. Ajmer	8561025509	03
296	2837	Rawat Hamant Kumar	09.10.47	B-10, Arawali Vihar Colony, Ajmer`	9414004510	01
297	2838	Rawat Smt. Usha	05.03.54	B-10, Arawali Vihar Colony, Ajmer`	2641396	01
298	2839	Sharma Brjemohan	18.11.52	Tanguria Villa, Pal Bachla, Ajmer	9509897581	10
299	2840	Sharma Smt. Manju	02.08.52	Tanguria Villa, Pal Bachla, Ajmer	2625665	10
300	2841	Joshi Kalash Chand	02.12.52	539/26, Madhuban Vihar, Near Dr. Karnawat Lane, Christian Ganj, Ajmer	9414259706	02
301	2842	Joshi Smt. Prabha	07.07.56	539/26, Madhuban Vihar, Near Dr. Karnawat Lane, Christian Ganj, Ajmer	9214985865	02
302	2843	Sharma Ashok Kumar	07.05.52	712/01, Kalashpuri, Christian Ganj, Ajmer	9460360106	02
303	2844	Bhida Sushil Kumar	09.09.54	75, Sarvashwar Nagar, Ajmer	9414291902	04
304	2845	Kohali Yashpal	25.10.46	385/30, Rabiaya Mohalla, Ajmer	266023	14
305	2846	Sharma Durga Kishan	11.10.52	B-425, Pansheel, Opp. Mahatama Park, Ajmer	2643240	01
306	2847	Sharma Smt. Kiran	19.04.53	B-425, Pansheel, Opp. Mahatama Park, Ajmer	9950499230	01
307	2848	Chohan Rajendra Singh	07.07.52	212/34, Pal Bachla, Near Bhorasa Agarbati, Ajmer	9761745039	10
308	2849	Chohan Smt. Santosh	21.08.53	212/34, Pal Bachla, Near Bhorasa Agarbati, Ajmer	9761745039	10
309	2850	Agarwal Shrinath	20.05.52	C-818, Pancheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer	9314393339	01
310	2851	Tandan Kushalwardhan	17.07.46	42/500, Lakhan Kothari, Ajmer	9878478818	07
311	2852	Sharma Ravi Chandra	13.07.40	B-5, Near ITI, Dhanmal Mathur Colony, Gulab Bari, Ajmer	9829555818	11
312	2853	Sharma Smt. Urmila	15.08.45	B-5, Near ITI, Dhanmal Mathur Colony, Gulab Bari, Ajmer	9829555818	11
313	2854	Sharma Kamlash Kumar	14.12.51	Opp. Dhobiyo ka Samshan, Badi Nagfani, Ajmer	9929206798	16
314	2855	Sharma Smt. Anuradha	01.01.53	Opp. Dhobiyo ka Samshan, Badi Nagfani, Ajmer	9929206798	16
315	2856	Verma Smt. Santosh	20.12.52	935/19, S.M. Compound, Nagra, Ajmer	9351161863	13
316	2857	Runiwal Smt. Asharani	20.12.57	A-348, Chandarvardai Nagar, Ajmer	9460901444	15
317	2858	Joshi Rajendra Prasad	30.07.52	"Shiv Krapa", 38-A, Kailashpuri, Ajmer	9929108131	02
318	2859.	Choudhary Nandram	02.11.50	E-132, Shastri Nagar, Ajmer	9413690902	04
319	2860	Choudhary Smt. Bhawari Davi	08.06.51	E-132, Shastri Nagar, Ajmer	2621296	04
320	2861	Chouhan Gagraj Singh	24.09.38	"Chandra Bhawan", 32/602, Shiv Chowak, Ajmer	9928049435	06
321	2862	Chouhan Smt. Shanti Davi	01.04.40	"Chandra Bhawan", 32/602, Shiv Chowak, Ajmer	2428707	06

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.....

सीनियर सिटीजन सोसायटी के

समूह संख्या–15 फॉयसागर रोड़, अजमेर

की ओर से

राज्य स्तरीय पंचम अधिवेशन में भाग लेने वाले सहभागियों का अजमेर शुभागमन पर आप सभी का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन









रतनलाल ऐरन

समूह संयोजक

256, बी.के. कॉल नगर, अजमेर मो. 9460894799

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्रो. अमरसिंह पंवार
हरिसिंह पंवार



☎ 9829049288
9829803017

एच.पी. टेन्ट हाऊस



टेन्ट, शामियाना, कनात, दरी, पाइप पंडाल,
कुर्सिया एवं अन्य सभी टेन्ट का सामान उपलब्ध है।

Specialist in : Thim work

11-ए, प्रेमनगर, फॉयसागर रोड, अजमेर

पंजीकरण क्रमांक : 167/1998-99

वरिष्ठ नागरिक समिति, पाली-मारवाड़

(राजस्थान वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर से सम्बद्ध)



वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुराणाजी का जिलाध्यक्ष द्वारा शॉल ओढ़ा कर विशिष्ठ सम्मान

अभिनन्दन-पत्र

''पूर्णेन्दु'' स्मारिका के विज्ञापन को प्राप्त करने में, 125 नये संरक्षक एवं आजीवन सदस्य बनाने में, शाखाओं की स्थापना व सम्बद्धता कराने में, सदस्यों के रंगीन फोटो व बायोडाटा प्राप्त करने में एक स्मारिका के प्रकाशन व सम्पादन कार्य में श्री चम्पालालजी सुराणा वरिष्ठ उपाध्यक्ष का अथक, सतत और महती योगदान व सहयोग रहा। अतः इनकी विशिष्ठ सेवाओं की सराहना में समिति के जिलाध्यक्ष प्रो. शर्मा ने इनको शॉल ओढ़ाकर विशिष्ठ रूप से सम्मानित किया।

संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चम्पालालजी सुराणा 11 वर्षों से उपाध्यक्ष है। स्मारिका के विज्ञापन आदि एकत्र करने में आपका सराहनीय सहयोग रहा। आपका व्यवहार सबके साथ स्नेहपूर्ण रहा है। सुराणाजी का व्यक्तित्व गतिशील संस्था, राजनीति, साहित्य और अध्यात्म के त्रिवेणी संगम पर स्थापित एक तीर्थ है। मन शुद्ध, तन शुद्ध, दिलसाफ, दिमाग साफ बेदाग छवि। इनके सृजित काव्य में पांच पुस्तकों का सम्पादन मुख्य है - हस्ती, मंगल, संचय और कल्पतरू। आप अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव, पाली सेन्ट्रल कॉ.-ऑपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष, संस्थापक एवं संचालक-उपभोक्ता भण्डार, अध्यक्ष-आयुर्वेद इनडोर वार्ड कमेटी, अध्यक्ष-कांठा महिला शिक्षण संघ, राणावास, साहित्य साधना समिति और सदस्य बाँगड़ हॉस्पिटल इम्युमेंट कमेटी, शान्ति कमेटी और लोक-अदालत के निर्णायक के रूप में कार्य किया।

प्रो. हस्तीमल शर्मा

जिलाध्यक्ष, पाली एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान
(पूर्व) प्राचार्य राजकीय बांगड़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पाली
अधिष्ठाता व सिण्डीकेट सदस्य अजमेर विश्वविद्यालय
सीनेट सदस्य (शासकीय प्रतिनिधि) जोधपुर विश्व विद्यालय
माननीय सदस्य, स्थायी लोक अदालत, पाली

वरिष्ठ नागरिक समिति, बीकानेर



श्री मोहनलाल अग्रवाल

संदेश

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर के राज्य स्तरीय पंचम अधिवेशन के सफल आयोजन पर वरिष्ठ नागरिक समिति, बीकानेर शुभकामनायें अर्पित करती है।

भाग लेने वाले समस्त वरिष्ठ नगरिकों का हार्दिक अभिनन्दन भी करती है।

मोहनलाल अग्रवाल
महासचिव
मो. 9414452370
फोन : 0151-2110130

मानमल आचार्य
अध्यक्ष
फोन : 151-2201851

वरिष्ठ नागरिक संस्थान, बाराँ (राजस्थान)



श्री रामस्वरूप राठौर

संदेश

सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर के तत्वावधान में आयोजित वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान जयपुर के राज्य स्तरीय पंचम अधिवेशन दिनांक 16 मार्च 2013 के शुभ अवसर पर वरिष्ठजन सेवार्थ हमारी हार्दिक एवं अनन्त शुभकामनायें।

रामस्वरूप राठौर
अध्यक्ष
बाराँ नागरिक सहकारी बैंक
बारां (राजस्थान)

"सतत् वरिष्ठजन सेवामहे"

"श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं"



मुश्किलों में पलकर दिया उजाला घर को
दर्द सहा खुद ने दिया प्यार सबको
जीवन जिया सही अर्थों में किया समर्पित कर्म को
आत्मा हो चिर शान्त भगवान ऐसी माता मिले सबको

स्व. श्रीमती दयादेवी अग्रवाल
जन्म : 29 अक्टूबर 1933
स्वर्गवास : 16 फरवरी 2012

प्रतिष्ठान :
मै. भारत टेन्ट हाउस, केसरगंज, अजमेर
मै. आदर्श तरणताल, आदर्श नगर, अजमेर
मै. भारत ट्रेडर्स, आदर्श नगर, अजमेर

श्रद्धावत :
बाबूलाल अग्रवाल (पति)
प्रदीप - मंजू (पुत्र-पुत्रवधु)
नवीन - सुधा (पुत्र-पुत्रवधु)
रवि - स्वाति (पुत्र-पुत्रवधु)
अंकुर - मेघा (पौत्र-पौत्रवधु)
रेखा-प्रदीप अग्रवाल कासगंज (पुत्री-दामाद)
सी.ए. सोनम, अमित, सचिन, पूर्वी (पौत्र-पौत्रियाँ)
एवं समस्त अग्रवाल परिवार।

"श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं"



हर पल खोजती है, हमारी ये आँखे,
आपसे थी जो खुशी, उस खुशी को तलाशती है हमारी आँखे,
कभी आपको याद करके, चुपचाप रोती है यह आँखे,
हम सभी अपने अन्तर्मन की गहराईयों से
आपको अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

स्व. श्रीमती शीला पी. भम्भानी
(धर्मपत्नी स्व. श्री प्रभुदास भम्भानी)
स्वर्गवास : 10 नवम्बर 2011

पता :
बी-1, अप्सरा मेंशन, क्रिश्चियन गंज, अजमेर
फोन : 2627283, मो. 9414211138

श्रद्धावत :
डॉ. रमेश - गीता (पुत्र-पुत्रवधु)
मोहन - सपना (पुत्र-पुत्रवधु)
आशा - प्रकाश (पुत्री-दामाद)
कशिश - गीता (पौत्र-पौत्र वधु)
समीर - पूजा (पौत्र-पौत्रवधु)
भावना - भूपेश (पौत्री-पौत्री दामाद)
मोहित - रीत (दौहित्र - दौहित्र वधु)
विशाल (पौत्र), कृति, इश्वी (प्रपौत्री)
हिमांश, मिशिका, हर्षिका (प्रदौहित्र एवं प्रदोहित्री)

पवित्र याद में श्रद्धांजलि



स्व. श्रीमती चांदीबाई वतवानी
स्वर्गवास : दिनांक 31 दिसम्बर 1998



स्व. श्री आसनदास रेवाचन्द वतवानी
जन्म : 4.2.1920 स्वर्गवास : 18.10.2009

नमनकर्ता :
जयकिशन-विद्या वतवानी, कुन्दनदास-रेखा वतवानी
घनश्याम-राखी वतवानी (पुत्र-पुत्रवधु)
गीता-तीर्थदास बूलचन्दानी, लता-धर्मदास नावानी
(पुत्री-दामाद)
भावना-महेश हरदासान, सुनिता-अशोक साहित्यानी,
कंचन-मनीष (पौत्री-दामाद)
मुकेश-भारती वतवानी, अशोक-हर्षिता, सुरेश-वर्षा,
जगदीश-वंशिका (पौत्र-पौत्रवधु),
शंकर (पौत्र), मनन (परपौत्र), तनिष्का (परपौत्री)
व समस्त वतवानी परिवार

प्रतिष्ठान

आसाम की 100% शुद्ध चाय



इण्डिया किंग
व
डायमण्ड चाय



अनोखा स्वाद, अनोखा जायका, कड़क स्फूर्तिदायक एवं स्वादिष्ट चाय

Piyo More Diamond Chai, To Health Ban Jaaye..........

प्रो. जयकिशन वतवानी

वितरक :

इण्डिया जनरल स्टोर

4, डिग्गी बाजार, अजमेर, फोन : 2627508, 2427508

प्रो. कुन्दन वतवानी

आसनदास रेवाचन्द

मिश्री, पताशा, मखाना, रेवड़ी व बूरा के थोक विक्रेता
अजमेर का प्रसिद्ध सोहन हलवा भी मिलता है।

3, डिग्गी बाजार, अजमेर फोन : 2427508, 2627508

Ghanshyam
Jagdish

Mob. : 94607-90508
96102-18881
(S) 0145-2632508

Kundan Cloth Store

Double Storee Showroom

Wholesaller of Suiting, Shirting, Sarees & Dress Materials

Shop No. 5, Diggi Bazar, Ajmer-305001

''तृतीय श्रद्धांजली''



स्व. श्री प्रभाकर शर्मा

स्वर्गवास : 28 अगस्त 2010

सेवानिवृत्त दूरभाष केन्द्र, अजमेर

ई-164, शास्त्री नगर,
अजमेर

राजीव शर्मा-पूर्णिमा शर्मा (पूत्रवधू)
रजत शर्मा (पौत्र)
कु. श्रेया शर्मा (पौत्री)

वरिष्ठ कल्याण समिति कोटा एवं
लायन्स क्लब अन्तराष्ट्रीय कोटा की ओर से पंचम राजस्थान वरिष्ठ नागरिक अधिवेशन की हार्दिक शुभ कामनाएें

अनुभव सम्पदा

Lend a hand to transform lives

Be a finest ambassadors of universal love, peace and hormony

वरिष्ठजन कल्याण समिति कोटा



लायँन शंकर आसकंदानी
संस्था सूत्रधार महासचिव



प्रो. राजेन्द्र भारतीय
संस्थापक अध्यक्ष



डॉ. एम.एल. अग्रवाल
संरक्षक

Do Something........ Either Lead Or Follow

LION SHANKER ASKANDANI
Loins Distt. Chiarman "Senior Citizen Welfare"
Patron - All India senior citizens confederation & Vice President - Senior citizen Federation Rajasthan

ढलती साँझ में उजाले की किरण ''वरिष्ठ छाया''

Sadhwani Wood Products Pvt. Ltd.
and

SADHWANI BROTHERS

Jitendra Sadhwani - 9828024552
Rajendra Sadhwani - 9414183030
Bansi Lal Sadhwani - 9828024550

Auth. Dealer :
GREENPLY ECOTEC

Dealers for all type of Ply, Board, Summica & Wood Plywood & Timber Merchant

20, Small Scal Industrial Area, Opp. Indane Gas Godown, Kota, Rajasthan
Ph. 0744-2363059

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
द्वारा वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर
के
राज्य स्तरीय पंचम अधिवेशन
के
सफल आयोजन पर हार्दिक शुभकामनाऐं
एवं
भाग लेने वाले समस्त वरिष्ठ नागरिकों
का
हार्दिक अभिनन्दन

नौरतमल पाराशर

समूह संख्या-15, गणेश नगर,
तारागढ़ रोड, रामगंज, अजमेर

Senior Citizen Society, Ajmer

Varishth Nagrik Sansthan Rajasthan Jaipur

Donor's List & Above Rs. 500/- Reg. 16th March 2013

Group No. 1

R.No.	Date	Name	Amount
3933	27.5.12	Group No. 1	1100
0011	27.1.13	Smt. Madhu Gupta, Nr. BMP School, Panchsheel, Ajmer	5100
0030	14.2.13	Smt. Hemant Mishra	500
0033	04.2.13	Shri Ashok Sharma	500
0103	23.2.13	Shri P.R. Rathi,	10000
0801	31.1.13	Shri D.C.Tayal, Parshwanath Colony, Ajmer	500
0802	31.1.13	Shri Dinesh Chand Pandey & Smt. Shiva Pandey, Kotra, Ajmer	5000
0000	31.1.13	S[illegible] Janki, Near Badhir Vidyalaya, Vaishali Nagar, Ajmer	5000
0821	26.2.13	Shri U.C. Gupta, IT Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	1000
0825	28.2.13	Shri I.H. Samuel, LIC Colony, Vaishali Nagar, Ajmer	501
0827	28.2.13	Shri Narendra Kumar Mangal, IT Colony, Viashali Nagar, Ajmer	1000

Group No. 2

R.No.	Date	Name	Amount
0075	22.2.13	Shri Moti Lal Patodiya	500
0076	22.2.13	Shri Govind Narayan Maheshwari	500
0077	22.2.13	Smt. Stephen M. Dorthy	500
0078	22.2.13	S[illegible] Madhu Saxena	500
0079	22.2.13	Sushiri Santosh Sharma Advocate,	500
0080	22.2.13	Shri O.P. Verma	500
0081	27.2.13	Shri Badri Narayan Garg	500
0107	24.2.13	Shri Col. Daulat Khan	500
0238	05.3.13	Shri V.B. Kapoor	500
0247	05.3.13	Group No 2	1100
0264	10.3.13	Shri R.S. Nirban, Chritian Ganj,	2100

Group No. 3

R.No.	Date	Name	Amount
0034	04.2.13	Shri R.N. Vijayvergiya	500
0070	18.2.13	Smt. Sheela Saxena	500
0104	23.2.13	Group No. 3	5000

Group No. 4

R.No.	Date	Name	Amount
3931	27.5.12	Group No. 4	1000
0053	17.2.13	Shri J.S. Rajawat	500

Group No. 5

R.No.	Date	Name	Amount
0009	27.1.13	Shri Gaj Singh Yadav	1000
0010	27.1.13	Smt. Satya Yadav	1000
0012	27.1.13	Shri B.L. Katiyar	500
0013	27.1.13	Shri Ram Narayan	500
0014	27.1.13	Shri Chandra Kant Gaur	500
0015	27.1.13	Shri P.N.Sharma	500
0016	27.1.13	Shri Kailash Chand Sharma	500
0017	27.1.13	Shri Khem Chand Chaturvedi	500
0051	31.1.13	Shri J.P. Vijay & Smt.Manohar Vijay	5000
0061	18.2.13	Shri G.K .Kapil	1100
0062	18.2.13	Shri R.N.Tapadiya	500
0063	18.2.13	Shri Dharmi Chand Jain	500
0064	18.2.13	Shri Rajendra Shrivastav	500
0065	18.2.13	Shri Shrundra Kumar Shrivastav	500
0066	18.2.13	Shri Jhamman Singh	500
0067	18.2.13	Shri Rajendra Singh	500
0068	18.2.13	Shri Amar Singh Shekhawat	700
0069	18.2.13	Shri Sadat Kabir	700
0351	9.3.13	Shri Rajendra Singh	500

Group No. 6

R.No.	Date	Name	Amount
0019	27.1.13	Shri Amar Singh Chouhan	5000
0071	20.2.13	Shri O.P.Garg	5000
0072	20.2.13	Shri Lajja Shankar Goyal	500
0073	20.2.13	Shri Govind Ji Goyal	500
0217	01.3.13	Shri Ramesh Chand Agrawal	500
0225	01.3.13	Shri J.N. Lakhotiya	500

Group No. 8

R.No.	Date	Name	Amount
3928	27.5.12	Shri P.D. Agarwal	500
0008	27.1.13	Shri Heera Lal Massey	500
0214	01.3.13	Shri Babu Lal Agarwal	500

Group No. 9

R.No.	Date	Name	Amount
0027	4.2.13	Shri G.S. Mirani	500
0028	4.2.13	Shri K.J. Gyani	500
0029	4.2.13	Shri N.K. Sharma	500
0032	4.2.13	Shri R.C. Bajaj	5000
0194	27.2.13	Shri Laxmi Narayan Khurana	500

Group No. 10

R.No.	Date	Name	Amount
0144	26.2.13	Shri Kalyan Ray Sharma	500
0151	26.2.13	Shri M.K. Sipani	10000
0156	26.2.13	Shri R.C. Chouhan	500
0157	26.2.13	Shri O.P. Chorasia	500
0162	26.2.13	Shri S.K. Jain	500
0371	10.3.13	Shri Nathu Ram Arora, Vinay Nagar, Ajmer	500
0372	10.3.13	Shri R.C. Chouhan (Vidyasagar), Pal Bichla, Ajmer	500

Group No. 11

R.No.	Date	Name	Amount
0024	22.2.13	Shri Jeevan Lal Gora	1100
0101	23.2.13	Shri Man Kanwar Agarwal	500

Group No. 12

R.No.	Date	Name	Amount
4091	7.8.12	Group No. 12	2500
0001	2.1.13	Shri K.C. Gupta	5000
0018	27.1.13	Group No. 12	2000
0751	25.2.13	Shri B.P. Mittal	500
0752	25.2.13	Shri Iqbal Singh	500
0753	25.2.13	Shri Tej Singh Rathore	500
0754	25.2.13	Shri Kedar Mal Goyal & Smt. Nirmala Goyal	700
0755	25.2.13	Shri H.C. Makhija	500
0758	25.2.13	Shri Hari Prasad Tiwari, 120 Adrash Nagar, Ajmer	500
0759	25.2.13	Shri Madan Ravi, Near Shiv Temple, Adrash Nagar, Ajmer	500
0761	27.2.13	Shri Kalpana Nagar, 161, Adrash Nagar, Ajmer	1000

0762	4.3.13	Shri K.G. Ravi & Smt. Geeta Ravi, Kesari Colony, Adrash Nagar, Aj.	700
0763	4.3.13	Shri Ram Chand Sharma & Smt. Sampati Devi Sharma, Makhupura,	700
0764	4.3.13	Shri Parvesh Gour, 186, Adrash Nagar, Ajmer	500
0767	4.3.13	Shri Nathu Lal Jain, Shalimaar Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0769	4.3.13	Shri Dilip Singh Pilkanya, Balupura Road, Adrash Nagar, Ajmer	500
0770	4.3.13	Smt. Prabha Rani Sharma, Kesari Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0773	4.3.13	Shri Ramniwas Meena, Sethi Colony, Parbatpura, Ajmer	500
0774	4.3.13	Shri Anil Wadekar, Sethi Colony, Parbatpura, Ajmer	500
0777	5.3.13	Shri Ram Mohan Tandan & Smt. Laxmi Tandan, Adrash Nagar, Ajmer	700
0778	5.3.13	Shri C.P. Shukla & Smt. Prem Shukla, Shukla Garden, Adrash Nagar,	700
0779	5.3.13	Shri Bakshish Singh, Shalimaar Colony Adrash Nagar, Ajmer	500
0780	5.3.13	Shri Babu Lal Sharma, Railway Crossing, Adrash Nagar, Ajmer	500
0781	5.3.13	Shri Madan Lal Saini, Shalimaar Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0782	5.3.13	Shri Madhusudhan Singhal, Panchwati Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0783	5.3.13	Shri Vinayak Prasad Mathur, Panchwati Colony, Adrash Nagar, Ajmer	500
0360	10.3.13	Shri Dinbandhu Singhal & Smt. Veena Singhal, Adrash Nagar, Ajmer	1000
0361	10.3.13	Shri M.C. Sharma & Smt. Sharma, Adrash Nagar, Ajmer	500
0362	10.3.13	Smt. Usha Bhatnagar, Adrash Nagar, Ajmer	500

Group No. 13

0020	27.1.13	Shri Chirangi Lal Sharma	5100
0058	18.2.13	Shri B.R. Dohre	501
0059	18.2.13	Shri K.K. Gupta	501
0198	1.3.13	Shri Radhakishan Tak	550
0199	1.3.13	Smt. Mangi Devi Tak	550
0324	8.3.13	Shri G.L. Gahlot	505
0326	8.3.13	Smt. Premkanta Singhal	501
0327	8.3.13	Smt. Radhika Agarwal,	500
0344	8.3.13	Shri Pramod Kumar Sharma	500
0365	10.3.13	Shri Suresh Agarwal, Radhika Vivah Samroh Sathal, Bhajan Ganj	2100

Group No. 14

0023	30.1.13	Smt. Sheetal Kanwar Gogawat	5001
0200	1.3.13	Shri Sugan Singh Gogawat	500
0206	1.3.13	Shri Heera Lal Sankhala	500

Group No. 15

0000	19.7.12	Group No. 15	2500
0026	4.2.13	Shri H.P. Kohli	500
0601	19.2.13	Shri J.P. Sharma, Ramganj, Ajmer	500
0616	2.3.13	Shri P.C. Gupta, Panchsheel Colony, Ramganj, Ajmer	500
0617	2.3.13	Shri R.P. Singhal, Beawar Road, Ramganj, Ajmer	500
0622	2.3.13	Dr. S.K. Singh, Nai Basti,	500
0624	2.3.13	Shri S.C. Jha, Ashok Nagar, Ajmer	500

Group No. 16

4008	19.7.12	Group No. 16	1000
0025	4.2.13	Shri Ratan Lal Airan	500
0127	25.2.13	Shri Shyam Sunder Fetehpuriya	600
0128	25.2.13	Shri Om Prakash Yadav	500
0129	25.2.13	Shri P.R. Pratihar	500

Group No. 17

3927	27.5.12	Smt. Chakresh Kanwar	500
3930	27.5.12	Group No. 17	500
3932	27.5.12	Group No. 17	600
0178	26.2.13	Shri R.C. Maheshwari	500
0179	26.2.13	Shri J.N. Sharma	500
0180	26.2.13	Smt. Som Khatodia	500
0181	26.2.13	Smt. Prem Lata Jain	500
0189	26.2.13	Shri Hanuman Prasad	500
0828	01.3.13	Shri Sameer Mal Jain, 49A, HBU Extn. Ajmer	500
0323	8.3.13	Shri O.P. Yadav	500

Group No. 18

0105	24.2.13	Shri Mahesh Chand Gupta	500
0106	24.2.13	Smt. Nirmala Gupta	500
0301	5.3.13	Smt. Mohindra Dutta	500
0302	5.3.13	Smt. Prabha Sharma	500
0303	5.3.13	Shri K.C. Pant	500
0304	5.3.13	Shri V.P. Kapoor	500
0328	8.3.13	Shri Radhey Shyam Mamodia	500
0329	8.3.13	Smt. Sushila Devi Mamodia	500
0373	10.3.13	Smt. Surendra Sohal, Dhola Bhata	500

Group No. 20

3934	27.5.12	Shri Rajendra Shivhare	1000
0108	24.2.13	Shri P.N. Mittal	5000
0109	24.2.13	Shri M.S. Singla	1000
0110	24.2.13	Shri S.N. Kapoor	500
0111	24.2.13	Shri P.N. Mathur	500
0112	24.2.13	Shri Vinod Mathur	500
0113	24.2.13	Shri B.R. Monga	500
0114	24.2.13	Shri M.K. Panwar	500
0115	24.2.13	Shri Prince Samson	500
0116	24.2.13	Shri B.K. Sharma	500
0117	24.2.13	Shri S.D. Sharma	500
0119	24.2.13	Shri R.S. Singhal	500
0226	1.3.13	Smt. Santosh Jasrai	500
0229	4.3.13	Smt. D.P. Gupta	500

Group No. 21

4366	29.12.12	Capt. S.N. Singh	500
0232	4.3.13	Shri Mithlesh Gupta	500

Otherst

3929	27.5.12	Shri Mangla Ram	500
0031	4.2.13	Varishth Nagrik Sansthan Rajasthan Jaipur	10000
0052	11.2.13	Vish Mitra Jan Sewa Samiti Ajmer	11000
0074	22.2.13	Smt. Uma Gupta Kishangarh,	21000
0192	26.2.13	Varishth Nagrik Sansthan Kota	2000

कार्यालय नगर सुधार न्यास, अजमेर

शहरों की समस्याओं के समाधान के लिए
21 नवम्बर से 31 मार्च तक ''प्रशासन शहरों के संग'' अभियान



अशोक गहलोत
मुख्य मंत्री राजस्थान



शान्ति धारीवाल
नगरीय विकास, आवासन
एवं स्वायत शासन मंत्री



सचिन पायलट
केन्द्रीय कार्पोरेट राज्यमंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)



नेरन शाहनी भगत
अध्यक्ष
नगर सुधार न्यास, अजमेर

प्रिय नागरिक बंधुओं,

अभियान के दौरान नगर सुधार न्यास, अजमेर द्वारा किये गये मुख्य कार्य

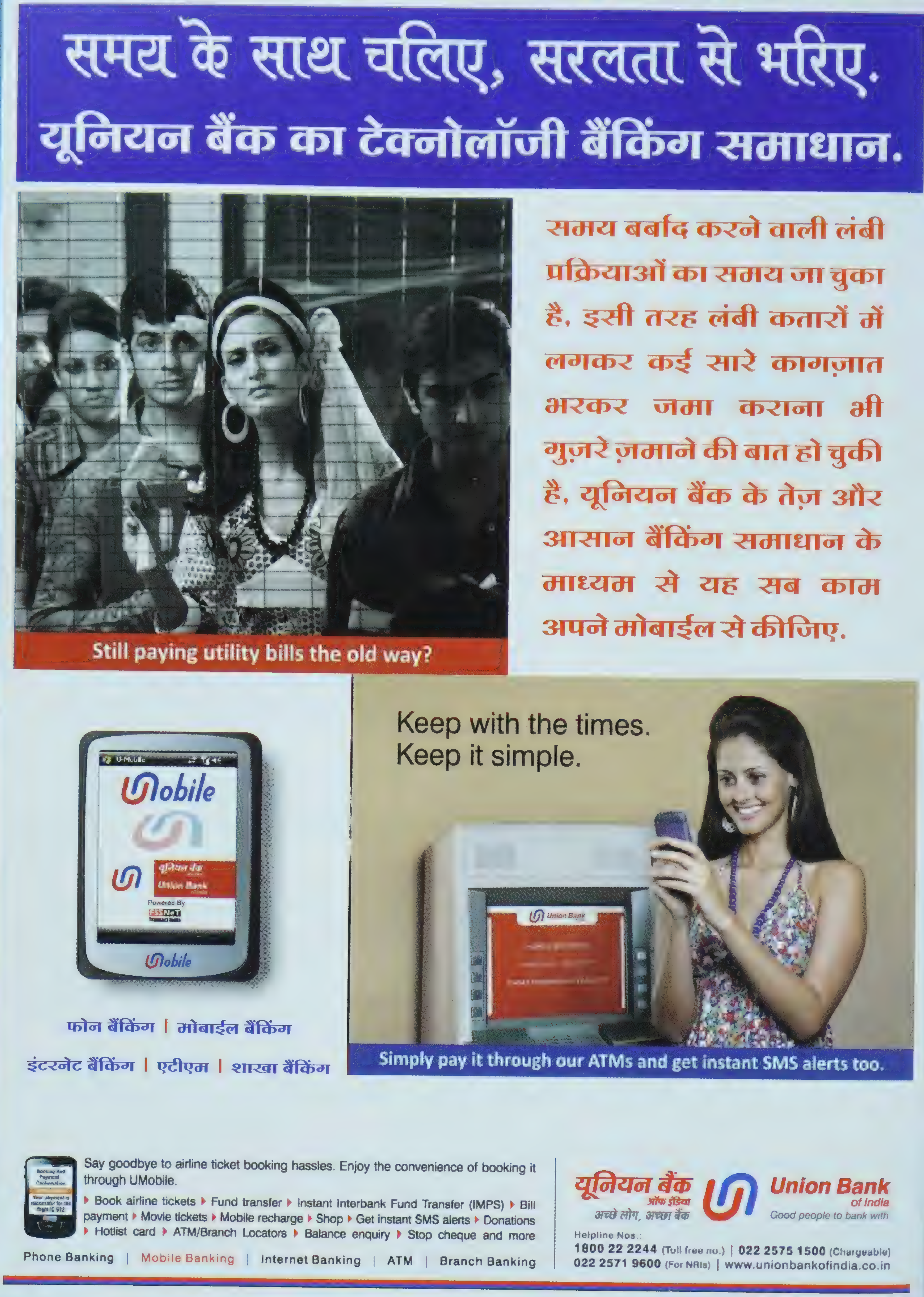
नियमन हेतु अवेदन प्रत्र का मांग पत्र जारी करना	लीज मुक्ति प्रमाण पत्र जारी करना
लीजडीड पट्टे जारी करना	कच्ची बस्ती/ जे. एन.एन.यू.आर.एम के तहत कच्ची बस्ती विकास
हस्तान्तरण अनुमति जारी करना	जारी पटटे आदि (तत्काल पारीत किये जा रहें है)
नामान्तरण आदेश जारी करना	खांचा भूमि/भू पटटी आवंटन
अनुज्ञा/अदेय प्रमाण पत्र जारी करना	भवन निर्माण अवधि विस्तार

अभियान अन्तर्गत आमजन सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ उठायें।

अभियान अवधि के दौरान विशेष रियायतें

* नियमन हेतु 17.06.1999 से पूर्व बसी कॉलोनियों में सड़क की चौड़ाई की बाध्यता नही है * नियमन हेतु 17.06.1999 से पूर्व बसी कॉलोनियों में 70% से अधिक विक्रय योग्य क्षेत्र की अधिकारिता न्यास स्तर पर है *किसी क्षेत्रफल तक के भू-खण्ड पट्टा जारी करने की शक्तियाँ न्यास स्तर पर *तहसीलदार द्वारा 90-ए के तहत न्यास के पक्ष में नामान्तरण की अवधि 7 दिवस से घटाकर 3 दिवस *नियमन तिथि से पूर्व कितनी भी बार अपंजीकृत दस्तावेज से हस्तान्तरण पवर अन्तिम केता के पक्ष में 10 रूपये प्रतिवर्गगज लिया जाकर नियमन का प्रावधान *पूर्व में जारी पट्टे को पंजीयन हेतु रिवलिडेशन *अभियान के दौरान तकासमा के अधिकार प्राधिकृत अधिकारी को *खांचा भूमि आवंटन की सीमा 100 वर्गगज तक के स्थान पर 150 वर्गगज तक *90 वर्गमीटर तक के भूखण्ड में सैट बैक का नियमन का अधिकार *अभियान के दौरान लीजमनी की वर्तमान राशि के साथ- साथ आगामी वर्षो के देय लीज राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज में शत-प्रतिशत छूट * आवासगृहों की बकाया किश्तों की राशि जमा करवाने पर ब्याज में छूट

* पानी बचाओ, * बिजली बचाओ, * सबको पढ़ाओ, * वृक्ष लगाओ, * बेटी बचाओ


समय के साथ चलिए, सरलता से भरिए.
यूनियन बैंक का टेक्नोलॉजी बैंकिंग समाधान.
समय बर्बाद करने वाली लंबी प्रक्रियाओं का समय जा चुका है, इसी तरह लंबी कतारों में लगकर कई सारे कागज़ात भरकर जमा कराना भी गुज़रे ज़माने की बात हो चुकी है, यूनियन बैंक के तेज़ और आसान बैंकिंग समाधान के माध्यम से यह सब काम अपने मोबाईल से कीजिए.
Still paying utility bills the old way?
Keep with the times.
Keep it simple.
Simply pay it through our ATMs and get instant SMS alerts too.
फोन बैंकिंग | मोबाईल बैंकिंग
इंटरनेट बैंकिंग | एटीएम | शाखा बैंकिंग
Say goodbye to airline ticket booking hassles. Enjoy the convenience of booking it through UMobile.
▸ Book airline tickets ▸ Fund transfer ▸ Instant Interbank Fund Transfer (IMPS) ▸ Bill payment ▸ Movie tickets ▸ Mobile recharge ▸ Shop ▸ Get instant SMS alerts ▸ Donations ▸ Hotlist card ▸ ATM/Branch Locators ▸ Balance enquiry ▸ Stop cheque and more
Phone Banking | Mobile Banking | Internet Banking | ATM | Branch Banking
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक
Union Bank of India
Good people to bank with
Helpline Nos.:
1800 22 2244 (Toll free no.) | 022 2575 1500 (Chargeable)
022 2571 9600 (For NRIs) | www.unionbankofindia.co.in

विश्व मित्र जन सेवा समिति (रजि.)

VISHVA MITRA JAN SEVA SAMITI (Reg.)

हनुमान धाम, पलटन बाज़ार, अजमेर



राष्ट्रीय संत श्री श्री कृष्णानंद जी गुरुदेव

विश्व मित्र जन सेवा समिति की स्थापना सन् 1993 को राष्ट्रीय संत श्री कृष्णानन्द जी गुरूदेव द्धारा की गई, जिसका उद्देश्य गरीब, अनाथ छात्राओं के शिक्षण एवं समग्र विकास हेतु प्रतिमाह सहयोग देना है, समाज में तनावग्रस्त लोगों को आध्यात्मिक उर्जा से जोडना तथा समाज के वृद्धजनों को सम्मानीय जीवन हेतु कार्य करना, विश्व मैत्री के महान संदेश से मानव जगत में फैली हिंसा व असमानता मिटाना।

संस्थान का प्रयास है कि बालिकाओं को बचाया जाएं एवं असहाय, अनाथ छात्राओं को शिक्षा दान देकर उनके जीवन को प्रकाशमान बनाया जा सके, असहाय वृद्धों को सहयोग देकर उनके नीरस जीवन में उमंग भरी जा सके।

जाति, वर्ण व देश अलग-अलग हो सकते हैं,
किन्तु माँ की ममता एवं पिता का स्नेह अलग नहीं होता।
हमारी आश्यकताओं से 10 गुना ज्यादा है तो उस
पर हमारा अधिकार नहीं है।
मन की पवित्रता विचारों को पवित्र करती है,
विचारों की पवित्रता समाज को पवित्र बनाती है।









www.vishvamitra.org, *email : info@guruom.org*



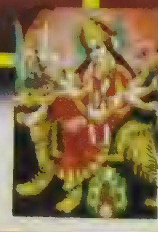
संस्थापक
विश्व मित्र जन सेवा समिति अजमेर
आत्म आनन्दम् संस्थान, अजमेर
आनन्दम् ध्यान केन्द्र पुष्कर
ध्यान सेन्टर न्यूयार्क यू.एस.ए.

संदेश

आनन्द का अनुभव हुआ कि सीनीयर सिटीजन सोसायटी, अजमेर, द्वारा वरिष्ठ नागरिक राज्य स्तरीय पंचम् अधिवेशन के भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में स्मारिका 2013 का प्रकाशन किया जा रहा है, साधूवाद।

वृद्धावस्था पूर्णता: है, ये एक वृटवृक्ष जैसा है, जिसकी प्रगाढ़ता अपनी सघन छाया एवं फलों से समाज के अनेक थके पथिकों को शान्ति प्रदान करती है। संसार के सर्जक (प्रभु) को तो किसी ने नहीं देखा किन्तु अपने जन्मदाता को तो हमने देखा है, जिन्होंने हमारे निर्माण हेतु अपना समय, धन सेवा देकर हमारे जीवन में रंग भरे है। इनके उपकारों की अनवरत श्रृंखला से हम तभी उऋण हो सकते है, जब हम इनके चहरों पर मुस्कान भर दे और इनके पावन चरणों में सेवा पुष्प चढा सकें, और यदि इनके कांपते हाथ सिर पर आ जायें तो मानो मन्दिरों की प्रार्थनाऐं, मस्जिद की अजान स्वत: ही हो गई।

राष्ट्रीय संत श्रीश्री कृष्णानन्द जी गुरुदेव
श्री हनुमान धाम, पलटन बाजार,
अजमेर





EYE CARE FOUNDATION OF INDIA, MUMBAI

Ajmer Chapter

With Best Wishes

Our object prevention of blindnessin school going children

We have Checked 141 schools, 21464 students and distributed 2600 specs the major portion has been contributed by M/s. D.N. Mathur Charities. Common Cause Society has also contributed.

DISTRIBUTION OF SPECS AT VARIOUS SCHOOLS, AJMER



KASTURBA GOVT. SCHOOL, TABIJI



GOVT. SEC. SCHOOL, SHRI NAGAR ROAD



JIYA LAL GIRLS SR. SEC. SCHOOL, KEISAR GUNJ



GOVT. GIRLS SEC. SCHOOL, CHRISTIAN GUNJ



GOVT. HR. SEC. SCHOOL, SPONSORED BY GR. No. - 5



SPONSORED BY GR. NO. - 9, ALWAR GATE



MUMBAI TEAM DISCUSSING AT GR. No. 3



GOVT. SEC. SCHOOL, BHAJAN GUNJ

Chairman
Dr. Ramesh Kshetrapal

Project Manager
K.C. Gupta

Technical Advisor
Dr. Mahendra Bagh

Member
Shri D.N. Mathur

Member
Shri Dr. Nihal Chand Parekh
Shri H.N. Mathur

।। चतुर्थ श्रद्धाजंली ।।



स्व. श्री आदित्य कुमार तिवारी
स्वर्गवास दिनांक 26 फरवरी 2009
सेवानिवृत राज्य सरकार (राज.) अजमेर

बाँटा प्यार दिया उपहार
नहीं किया कभी इजहार ।
यूँ ही दिल मिलकर रहे सदा
अब क्यों बदला कर चले गये ।।

श्रीमति आशा तिवारी (पत्नि)

अरूण तिवारी (पुत्र) विनय तिवारी (पुत्र) विजय तिवारी (पुत्र)

ई-281, शास्त्रीनगर, अजमेर

पंजीकरण क्रमांक 167/1998-99

वरिष्ठ नागरिक समिति, पाली-मारवाड़

वरिष्ठ नागरिक समिति पाली के संरक्षक सदस्य, प्रेरणा प्रदाता, उद्घोषक एवं प्रकाशक श्री मनहरजी कल्ला द्वारा जालोर, जोधपुर व पाली के विकासार्थ महत्ती सामाजिक परियोजनाओं और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में उल्लेखनीय योगदान से समिति के समस्त सदस्यगण गौरवान्वित अनुभव करते हुए उनके निष्काम त्याग की हार्दिक सराहना करते हैं।



श्री मनहरजी कल्ला एवं
स्व. श्रीमती रूपकौरजी कल्ला

1. जालोर के जयनारायण व्यास भवन में कमरे का निर्माण।
2. जोधपुर में स्वजातीय पुष्टिकर स्कूल में श्री एच. एन. टल्लूजी एवं श्री के. एन. खाण्डेकरजी की संगमरमर की मूर्तियों एवम् पेडेस्ट्रल हेतु 5555/- रू. प्रदान किए।
3. बाँगड़ अस्पताल, पाली में पेंशनर कॉटेज हेतु सर्वाधिक आर्थिक सहयोग।
4. पेन्शनर समाज, पाली के भवन निर्माण हेतु 1,51,000/- रूपये एवम् 27,000/- रूपये का ओनिड़ा ए. सी. प्रदान किए।
5. पाली जिले में देसुरी पेन्शनर सम्मेलन हेतु 11,000/- रूपये दिए।
6. पाली सेवा मण्डल नेत्र चिकित्सालय में ए. सी. वार्ड बनवाया तथा लिफ्ट लगवाई जिन पर 2,50,000/- रू. तथा 5,50,000/- रू. लगे।
7. पाली हिन्दू सेवा मण्डल के मुख्य शमसान गृह में बेंच व मुख्य द्वार का जीर्णोद्धार तथा हाऊसिंग बोर्ड पाली के शमसान गृह एवम् टैगोर नगर शमसान गृह में एक शाल का निर्माण।
8. पाली में पुष्करणा भवन निर्माण में 1,65,000/- रूपये का योगदान।
9. पाली हाऊसिंग बोर्ड के वृन्दावन पार्क में फर्नीचर सहित पुस्तकालय भवन निर्माण।
10. पाली हाऊसिंग बोर्ड सांई बाबा मन्दिर के पास जोधपुर से आने वाली बसों के यात्रियों हेतु प्रतीक्षालय निर्माण एवम् सिटी डिस्पेन्सरी के बाहर जोधपुर जाने वाली बसों के यात्रियों के लिए भी प्रतीक्षालय का निर्माण।
11. पाली सुभाष नगर स्थित मिडल स्कूल में प्याऊ का निर्माण तथा ठण्डे पानी की मशीन प्रदप्त।
12. पाली हाऊसिंग बोर्ड स्थित सुभाष पार्क में फव्वारे के निर्माण हेतु 1,11,111/- रूपये का योगदान।
13. सांई बाबा मन्दिर में इलेक्ट्रिक नगाड़े भेंट।
14. पाली के नेत्रहीन संस्थान हेतु 21,121/- रूपये का अंशदान।
15. वरिष्ठ नागरिक समिति पाली के पुस्तकालय हेतु 21,000/- रूपये प्रदप्त।

प्रेरणास्पद है कि उपर्युक्त योगदान कल्लाजी ने अपनी पूज्य मातुश्री स्वर्गीय श्रीमती कृष्णाप्यारीजी कल्ला एवम् अपने पिताश्री स्वर्गीय श्री दाऊलालजी कल्ला तथा अपनी धर्मपत्नि स्वर्गीय श्रीमती रूपकौरजी कल्ला की पावन स्मृति में ससम्मान किए।

कल्लाजी का सौभाग्य है कि बालगोपाल (कृष्ण) की मूर्ति का यज्ञोपवित संस्कार का भव्य आयोजन करवाया एवम् 100 से भी अधिक परिजनों को गंगा स्नान का लाभ लिया।

कल्लाजी अनवरत दान हेतु उचित अवसर की टोह में रहते हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक समिति पाली के भवन निर्माण हेतु 2,51,000/- रूपये की घोषणा की है। एतदर्थ साधुवाद। परमपिता से प्रार्थना है कि वे चिरायु होकर निरन्तर समाज सेवा के पावन पथ को प्रशस्त करें।



प्रोफेसर (डॉ.) हस्तीमल शर्मा
जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक समिति, पाली व
प्रान्तीय उपाध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक संस्थान, राजस्थान

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा आयोजित वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान, जयपुर के पंचम राज्यस्तरीय वार्षिक अधिवेशन शनिवार दिनांक 16-03-2013 के अवसर पर

सीनियर सिटीजन अधिवेशन के सफल आयोजन

एवं वरिष्ठ नागरिक मचं चित्तोड़गढ़ द्वारा किये जा रहे

उल्लेखनीय कार्य पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री घनश्याम सिंह राणावत

(वरिष्ठ सचिव)

समस्त सदस्यगण चन्देरिया लेड जिंक स्मेल्टर मजदूर संघ

चित्तौड़गढ़

सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर द्वारा आयोजित वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान, जयपुर के पंचम राज्यस्तरीय वार्षिक अधिवेशन शनिवार दिनांक 16-03-2013 के अवसर पर

सीनियर सिटीजन अधिवेशन के सफल आयोजन

एवं वरिष्ठ नागरिक मचं चित्तोड़गढ़ द्वारा किये जा रहे

उल्लेखनीय कार्य पर

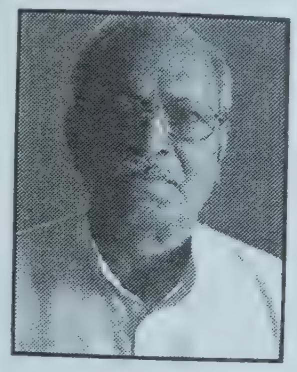
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

मेवाड़ विश्वविद्यालय

चित्तौड़गढ़

युद्ध जो सौ साल चला

- लालचन्द बेली, शाहपुरा



आज से ढ़ाई सौ साल पूर्व इग्लैंड का एक व्यापारी व्यापार करते हुए फ्राँस में गया था। लेन–देन के झगड़े में कुछ लोगों ने उसको पकड़ कर उसका एक कान काट डाला। लौट कर उसने इग्लैंड के हाउस ऑफ लार्ड्स मे अपना कान दिखा कर सबको ललकारा कि यह मेरा नहीं इग्लैंड का कान काटा गया है। फिर क्या था, युद्ध में इग्लैंड और फ्रांस भिड़ गया। यह युद्ध 100 साल तक चला जिसे डकन्स इयर वार (Duncon's Ear War) नाम से प्रसिद्धी मिली।

गत दिनों पाकिस्तान भारतीय सिपाही और सैनिको के बिना सिर के धड़ भेजता रहा। सिर से फुटबाल खेलता रहा और हम विरोध पत्र, कड़े विरोध पत्र भेज कर कबूतर की तरह आँखे बन्द कर मात्र गटरघूँ कर रहे है।

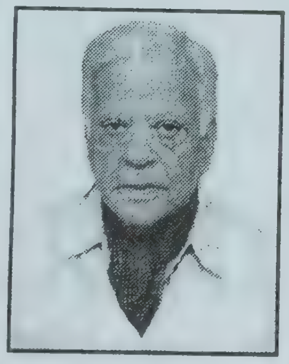
आज जब इग्लैंड के लिए पाकिस्तान आनावश्यक और निर उपयोगी हो गया है, अमेरिका पर भार स्वरूप बना हुआ है तथा कभी रूस के लिए भारी सरदर्द था उस समय प्रधानमंत्री मुरारजी देसाई को रुस के राष्ट्रपति ने बिना माँगी राय दी थी कि अब पाकिस्तान की कहाँ आवश्यकता है ?

समय की पुकार है कि बंगला देश की भाँति सिंध मुलतान, बलोचिस्तान, सीमा प्रान्त, गुलाम कश्मीर आदि को स्वतंत्र कर, शिया, अहमदिया, कादियानी, ईसाई और शेष बचे हिन्दुओं को खुली हवा में साँस लेने का सुअवसर प्रदान किया जावे। कराह रही मानवता की सेवा करते हुए उन्हें मुक्त करवाया जाय। और इस प्रकार हिमालय से हिन्द महासागर तक सच्चे लोकतंत्र को विकसित कराये जाने के प्रयास किये जाए। इसी मे सब का भला होगा।

❑❑❑

आश्रम

- एल. के. खन्ना



चमकती गाड़ी वृद्ध आश्रम पर रुकी और भागमभाग मैनेजर सहाब आवभगत करते सहाब को उनके माता–पिता की खाट तक पहुचा बेटे को देख माँ बाप विव्हल हो उठे अश्रु धारा बह निकली बेटे से चिपटने को मन मचल उठा। ममी पापा आप ठीक तो हो होना। हाँ बेटा सब ठीक हैं पिछले माह इनकी तबियत बिगड़ गयी थी लोगों ने सेवा की फल दूध बांधा अब जान कुछ लौटी है। बता बेटे घर पर तो सब ठीक ठाक है बच्चे बहू तो ठीक ठाक है।

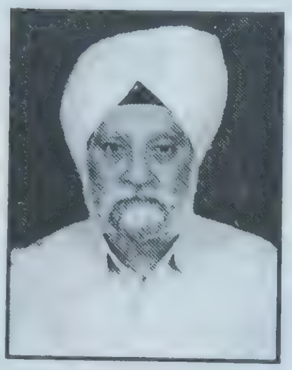
अब तो बेटा यहाँ आए दो साल हो गए इनकी तबियत बेचैन है। क्या इन दो सालों में हमारे वास्ते कमरा नहीं बन पाया हम सोचते थे तू हमें कमरा बनते ही लेने आवेगा और हम सब साथ–साथ रह लेंगे। क्या माँ आपके 10–12 तोले जेवर में कमरा बन पाता। पापा को सोच समझकर पहले ही बड़ा बंगला बनवाना था। खैर। इध माँ खुश खबरी है मेरा प्रमोशन हो गया है सरकार ने मुझे चार जिलाधीशों के अपर अधिकारी बना दिया है। हमने खुशी में घर के नौकर चाकरों को लड्डूओं की मिठाई बांटी। आपके लड्डू की थैली गाड़ी में पड़ी है अभी ड्राइवर के साथ भेज रहा हूँ। ईशा आपकी बहू गाड़ी में बैठी है बोर हो रही होगी आपसे मिलने में संकोच कर रही है। अच्छी तरह रहना पापा आप एक दूसरे का ख्याल करना मैं चलता हूँ।

किसी तरह का ख्याल मन में न लाना कोई जरूरत हो तो मैनेजर को बताना।

❑❑❑

वरिष्ठ नागरिकों के दायित्व

- सुरपाल सिंह सेठी



शिक्षा किसी भी देश की सार्वभौमिक उन्नति एवं गौरव का आधार दर्शाता है, एवं है भी। इस देश में शिक्षा का प्रसार तो हुआ है नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि स्थिति संतोषजनक है। क्या शिक्षा की गुणवत्ता संतोषजनक मानी जा सकती है क्या किसी तरह प्राइमरी माध्यम में शिक्षा देना ही शिक्षा के प्रसार में संतोषजनक माना जा सकता है क्या प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा द्वारा बच्चों को संस्कारित किया है। शिक्षा की गुणवत्ता एक विचारणीय विषय है आज के शिक्षित एवं शिक्षार्थी समाज में सामंजस्य बनाए रखने में असमर्थ हैं। मान्यवीय गुण संस्कार, चरित्र, सत्यनिष्ठा आदि का अभाव है। आने वाले पीढ़ी को संस्कारित कर सन्मार्ग की सही दिशा देना, वर्तमान शिक्षा प्रणाली के द्वारा किस प्रकार यह प्राप्त किया जा सकता है, पर चिंतन करना वरिष्ठजनों का दायित्व है शिक्षा के क्षेत्र में अनुभवी प्रभावशाली वरिष्ठजन उपलब्ध है। उन्हें भी वर्तमान पीढ़ी की स्थिति को देखते हुए भावी पीढ़ी की चिंता अवश्य होगी। आज भटके राह के नवयुवक की क्या दशा एवं दिशा है रोज मीडिया के माध्यम से पढ़ने को मिल रहा है – वरिष्ठजनों को अवश्य ही सोचने को मजबूर कर रहा होगा। अब समय सही दिशा देने का ही नही अत्यन्त विचारणीय उपाय का है।

आज की शिक्षा प्रणाली पर गम्भीर चिन्तन की आवश्यकता

– रामजीलाल शर्मा, बीकानेर

वैदिक शिक्षा का समावेश ही उपाय है। शिक्षा भी धर्म का अंग है जिस तरह धर्म न बेचा जा सकता है न खरीदा जा सकता है वैसे ही शिक्षा का भी व्यापार नहीं हो सकता। महर्षि दयानन्द जी के अनुसार यजुर्वेद में ईश्वर जीव, योग, मोक्ष, राजा प्रजा, गुरू, शिक्षा अध्यापक, उपदेशक, भौतिक विज्ञान, शिल्प विद्या, कृषि, पशुपालन, सैन्य व्यवस्था, युद्ध, शिव संकल्प आदि उल्लेखित है।



गुरुकुल शिक्षा प्रणाली विभिन्न स्थानों पर आज के बदले परिवेश में भी सफलतापूर्वक चल रही है डी.ए.वी. स्कूल समूह गुरुकुल के ही रूप है जो आज स्कूल, कॉलेज का विशाल रूप देश विदेश में हमारे सामने है।

आवश्कता है कि वर्तमान में तत्काल शिक्षा के व्यवसायिकता पर अंकुश लगाते हुए वैदिक शिक्षा प्रणाली को वर्तमान आवश्यकताओं का समावेश कर लाई जावे। प्राचीन ज्ञान का त्याग नहीं करना चाहिए किन्तु नया ज्ञान उसके साथ जोड़ना भी अनिवार्य है। वरिष्ठजनों को भी इस विषम परिस्थितियों को जो और भी उग्र न हो उससे पहले निवारण के लिए अपने योगदान से देश के कर्णधार बनने की कतार में है उनको संस्कारिता एवं सुयोग्य बनाया जा सके जिससे आज के नवयुवक को सही मार्गदर्शन मिल सके जिससे देश के भविष्य की आने वाली विषम परिस्थिति का निदान मिल सके एवं चुनौती को समय रहते स्वीकार कर उपायों पर चिंतन करे।

''सच्ची शिक्षा वह है जो हमारे भीतर के उत्तम तत्वों को बाहर लाकर प्रकट करती है। मानवता की पुस्तक से बढ़कर कोई दूसरी पुस्तक नहीं हो सकती।''

– महात्मा गांधी

❑❑❑

बुजुर्गों पर बढ़ते उत्पीड़न को समाप्त करने में नागरिक, समाज एवं राज्य की भूमिका

- जे.सी. विशेष-महामंत्री,वरिष्ठ नागरिक समिति, जयपुर

विदेशों विशेषकर पश्चिमी देशों से आवागमन, व्यापार, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, शिक्षा जगत में विदेशों से सहभागिता और भारतीयों के लिए एकदम, इन खुले आयामों में विचरण प्रवृत्ति ने हमारी सभ्यता, संस्कृति, विरासत एवं मान्य परम्पराओं को प्रभावित किया है। हमारी संयुक्त परिवार प्रणाली और उसकी मान्यताएँ बदलने लगी जिससे पारिवारिक संबंधों में शिथिलता आने लगी। लोगों का अपने परिवारों से दूर शिक्षा प्राप्ति के लिए जाना और बाद में नौकरी व व्यवसाय क़रने के कारणों की विवशता से बाहर ही बने रहने के कारण पारस्परिक प्रेम, सम्मान और सौहार्द्र में लगातार ह्रास होता गया और परिवार प्रमुख अच्छे संस्कार व प्रेम वात्सल्य नहीं दे पाए। परिणामतः बालकों में उद्दण्डता बढ़ने लगी और वरिष्ठजनों के प्रति उपेक्षा। स्वभावतः इसका परिणाम वरिष्ठों का संरक्षण भाव क्षीण होता गया और छोटों में उनके प्रति श्रद्धा भाव कम हो गया। प्रौढ़जन, वरिष्ठ बनते–बनते अपने आप को निःशक्त, निर्बल, असहाय अनुभव करने लगते हैं और उनके पहले की पीढ़ी उन्हें अनुपयोगी बोझ व बाधा समझने लगती है।

इसका समाधार घर–परिवार से ही आरम्भ करना होगा –

1. घर के सदस्य विशेषकर युवा एवं प्रौढ़ सदस्य वरिष्ठजनों के प्रति उपेक्षा का बर्ताव समाप्त कर श्रद्धा, सम्मान एवं कर्त्तव्य भावना का वातावरण बनाएँ। इस मामले में 'वरिष्ठ माँ–बाप कल्याण व देखभाल अधिनियम 2007' सहायक होगा।
2. वरिष्ठजन भी अपने को उपेक्षित महसूस करने की सोच को छोड़े और अपने योग्य घर–परिवार के कार्यों को सम्भालने का दायित्व लेकर अपने को उपयोगी साबित करते रहें और छोटों के प्रति वात्सल्य भाव संजोए रखकर परिवार में जोड़ने का काम करते रहें।
3. यदि घर–परिवार का वातावरण वरिष्ठों के प्रति सम्मानजनक होगा तो रिश्तेदार, पड़ौस, मौहल्ला, समाज का मान–सम्मान भी ये वरिष्ठजन अर्जित करेंगे।
4. समाजसेवी जन व संस्थाएँ, ग्राम सभाएँ, नगर निकाय बुजुर्गों के लिए आश्रम, स्थल, मनोरंजन केन्द्र, विचार केन्द्र, समस्या निदान केन्द्र स्थापित कर इस दिशा में महत्वपूर्ण व दूरगामी कदम उठा सकते हैं।
5. सरकारें समाज सुधार, विकास, शिक्षा प्रसार, पर्यावरण सुधार, नैतिक शिक्षा व ज्ञानवर्द्धन योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों को सहभागी बनाएँ। इससे उनके अपने–अपने क्षेत्रों में अर्जित अनुभव व ज्ञान के भंडारों का कल्याणकारी कार्यों में सदुपयोग होता रहेगा।
6. वरिष्ठ नागरिकों को नैराश्य, आलस्य और अहम की भावना को त्यागकर समाज एवं सरकारी विभागों द्वारा समय–समय पर लागू की जाने वाली योजनाओं में स्वयं सहभागिता करनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिक मंच, समितियाँ, प्रतिष्ठान, पुस्तकालय स्थापित कर अपने को सक्रिय व सामाजिक सरोकारों से संबंद्ध रहते हुए सरकारी नीतियों का सामाजिक परिप्रेक्ष्य में परीक्षण कर जनजागृति करना चाहिए।
7. सरकार ने 'माँ–बाप व वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007' को

राजस्थान में 1 अगस्त, 2008 में लागू कर दिया है जिसमें आर्थिक तंगी ग्रस्त वरिष्ठ नागरिकों को संबल मिलेगा और जीवन व संपत्ति की सुरक्षा भी हो सकेगी।

परन्तु सरकार को प्रभावी ढंग से यह देखना होगा कि तत्काल उपाय करने होंगे कि बुजुर्गों को कोर्ट कचहरी के बार–बार चक्कर लगाने में जूते न घिसने पड़ें, रेल व बसों के आरक्षण की लंबी लाइनों व बैंकों की खिड़की के सामने खड़े रह कर बेहोशी की स्थिति में न पड़ना पडे या अस्पतालों में उनकी जाँचों के लिए हफ्तों लंबी प्रतीक्षा सूची में नाम न जुड़े और शैयाओं व इलाज की समुचित व्यवस्था हो। एक आशाप्रद नवीन पहलू यह है कि सरकारें अब 9 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों की महत्ता व समस्याओं को समझने लगी है और वरिष्ठ नागरिक/पेंशनर्स अपने संगठन बनाकर अपने कल्याणार्थ उपाय करने के लिए सरकारों को बाध्य करने लगे हैं।

❑❑❑

आकर्षण एवं स्त्रीत्व

– डॉ. राजेन्द्र सिंह शक्तावत

यदि स्त्रीत्व ही समाप्त हो जायेगा तो आकर्षण का प्रश्न ही नहीं रहेगा।

स्त्री पुरुष भिन्न हैं परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि वे परस्पर विरोधी है। स्त्री श्रेष्ठ होनी चाहिये और साथ ही पुरुष भी श्रेष्ठ होनी चाहिये। उसमें पोरुषी स्त्री और स्त्रेण पुरुष जैसी विकृति नहीं होना चाहिये।

वर्तमान में समानता का अर्थ विकृत हो गया है। तुल्यता एवं समानता में भेद है। इसे आज के ज्ञानी विज्ञानी भूल गये हैं।

स्त्री–पुरुष की बीच जो आकर्षण है, उसे केवल शारीरिक न समझकर इसे बौद्धिक, मानसिक और आत्मिक स्तर तक ले जाना चाहिये। इसे आगे बढ़ाकर भगवान तक ले जाना चाहिये।

कभी–कभी यह प्रश्न भी उठता है कि यहाँ स्त्री एवं पुरुष में श्रेष्ठ कौन है ? मानवीयों के लिये इस तरह का प्रश्न मन एवं मस्तिष्क में नहीं आना चाहिये। जिस अर्थ में आज समानता है वह समझ से बाहर है। सतयुग, त्रेतायुग एवं द्वापर में श्रेष्ठ स्त्री एवं श्रेष्ठ पुरुष होते थे तथा उस समाज को भी श्रेष्ठ मानते थे। हम यह नहीं कह सकते की श्रेष्ठ पुरुष एवं श्रेष्ठ स्त्री एवं इसका समाज आज नहीं है, यह आज भी है, लेकिन उस अनुपात में नहीं है, जो उपरोक्त तीनों युगों में पाया जाता था।

स्त्री वस्तु नहीं है, विषय नहीं है पर वह व्यक्ति है, इस बात का ध्यान रखना चाहिये। सौन्दर्यानुभूति में वासना एवं विकार दोनो बाधक हैं। सौंन्दयामिलापा में विकार आने पर रसिकता समाप्त हो जाती है और वह विषय वस्तु बन जाती है। यहाँ स्त्री को व्यक्ति के रुप में देखना है या विषय–वस्तु बनाना है, यह एक आध्यात्मिक प्रश्न है।

शरीर की सौंदर्याभिलाषा व्यक्ति के दिल में है, इसीलिये तो वह भगवान का श्रृंगार करता है, क्योंकि उसे सौदर्य की अभिलाषा है। रसिकता के साथ स्वामित्व एवं भोग की चाह नहीं होनी चाहिये।

हमारे वेदों, पुरोणों एवं गीता में संयमित जीवन दर्शन के उपदेश भरे पड़े है।

गीता ज्ञान में तो कहा है कि छोड़ो मत–पकड़ो मत–बीच में चलो।

छोडने की शक्ति रखो और पकड़ने की इच्छा रखो। इन दोनो को साथ लेकर जाने वाला ही जीवन है।

हम सौन्दर्य में पवित्रता देखें तो उसकी रक्षा अपने आप हो जायेगी। सुन्दरता में पवित्रता रखेंगे तो बुरा व्यक्ति एवं बुरा समाज अपने आप पवित्र होने लगेगा।

❑❑❑

भारत के संविधान का उद्देश्य

- शंकर आसकन्दानी, महासचिव-वरिष्ठजन कल्याण परिषद, कोटा



भारत को एक प्रभुत्व संपन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सबमे व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर दिनांक 26 नवम्बर, 1949 को संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

संविधान सभा ने दो वर्ष 11 माह और 18 दिनों की अवधि में समस्त भारत के विभिन्न हिस्सों के प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज, परिपक्व व अनुभवी नेताओं ने जनताओं की इच्छाओं और आंकाक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए खुले मन से गंभीर बहस व मंत्रणाओं के बाद मसौदे को अंतिम रूप से अंगीकृत किया। हमारा संविधान दुनिया के संविधानों में सिरमौड़ व सर्वश्रेष्ठ माना गया है और इसे 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया।

आज के परिप्रेक्ष्य में मेरा मानना है कि राजनैतिक स्वार्थ के दलदल में फंसे लोग सामाजिक भेदभाव की खाई को बांट नहीं सकते, उसे गहरी अवश्य बना सकते है। वे समाज में एकात्मता उत्पन्न नहीं कर सकते, समाज को नष्ट करने का उपक्रम जरूर कर सकते है। राजनैतिक क्षेत्र के माध्यम से सामाजिक एकता साध्य नहीं हो सकती। धर्म, संस्कृति एक दूसरे के प्रति तादात्मय, प्रेम और सहकार्य के आधार पर ही हमें यह कार्य करना पड़ेगा।

दूसरी बाद लोकतंत्रों को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि ''किसी भी महान व्यक्ति के चरणों में अपने स्वतान्त्रय को चढ़ा न दें या उसे वे शक्तियाँ न सौंपे जो उसे उन्हीं की समस्याओं को मिटाने की शक्ति दें।'' तीसरी बात अपने लोकतंत्रों को हमें सामाजिक लोकतंत्रों का रूप देना चाहिए। इसका अर्थ जीवन के उस मार्ग से है जो स्वतान्त्रय, समता व बन्धुत्व को जीवन के सिद्धातों के रूप में अभिजात करता है। तीनों बातों के संयुक्त रूप को एक दूसरे से विच्छेद करना लोकतंत्र के मूल प्रयोजन को ही विफल करना है।

आज जब भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है व भ्रष्टाचार के प्रति लोग उदासीन है और शासन सरकार के भ्रष्ट मंत्रियों के अधीन बंधक है। ऐसे में यदि हम इस संविधान का रक्षण करना चाहते है जिसमें हमने जनता के लिये, जनता द्वारा, जनता की सरकार के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करने का प्रयास किया है तो हम इस बात का संकल्प करें कि जो बुराईयाँ हमारे मार्ग में है और जिनके कारण जनता, जनता के लिये सरकार को, जनता द्वारा सरकार से अधिक पसन्द करती है तो उन बुराईयों को समझने में विकल्ब न करें और उन बुराईयों को दूर करने के उपक्रम में समर्पित भावना से अपनी संपूर्ण शक्ति लगा दें।

आज आवश्यकता इस बात कि है यदि हम लोकतंत्रों को मजबूत करना चाहते है तो जिन कारणों से लोकतंत्र की जड़े खोखली होती जा रही है उनका भी हम निराकरण करें। राष्ट्र का पुरुषार्थ ओर गौरव तभी जाग्रत होता है जब राष्ट्र अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी में स्थानान्तरित करता चलता है। आज वर्तमान में यह कार्य–वरिष्ठजन कल्याण समितियाँ कर रही है।

❑❑❑

ब्रह्माण्ड किसके लिये–एक विचार

- के.सी. अग्रवाल, अध्यक्ष-वरिष्ठ नागरिक समिति, झालावाड़



क्या हमने सोचा है कि भगवान ने इस ब्रह्माण्ड की रचना क्यों कि का जवाब ढूढना तो दूर यह भी मुश्किल है कि इसका पूर्ण स्वरूप क्या है ? मेरे जहन में एक साधारण सा विचार आता है कि प्राणियों का प्रादुर्भव एवं उन्हें बनाये रखने के लिए (निरन्तर) सम्भवत है यह रचना की गई होगी।

अब तक की खोज ने यह स्थापित किया है कि प्राण–जीवन ब्रह्माण्ड में सिर्फ पृथ्वी पर है। पृथ्वी को परमात्मा ने सर्व सम्पन्न बनाया जहाँ समुद्र है, पर्वत हैं, हिम शिखर है, नदी नाले हैं, जीव जन्तु हैं, उड़ने वाले पक्षी है, पशु धन है, जंगली हिसंक पशु हैं एवं इन सबसे ऊपर मानव हैं। हम कहगे जब पृथ्वी पर सब कुछ है तो इस ब्रह्माण्ड का क्या मतलब। पृथ्वी को चिर स्थाई रखने, उस पर जीवन के लिये मुख्य पंच तत्व कैसे मिले एवं पृथ्वी स्थायित्व हो यह भी आवश्यक है। पृथ्वी टिकी है ब्रह्माण्ड के ग्रहों, तारा मण्डल, सूर्य, चन्द्र आदि की गुरुत्वाकर्षण शक्तियाँ जो एक दूसरे को शून्य (आकाश) में एक दूसरे की गुरुत्वाकर्षण शक्तियों में बंधे हुये तैर रहे हैं एवं खुद अपनी धूरी पर घूमते हुये एक दूसरे के चक्कर भी लगा रहे है। इस भ्रमण चक्र में पृथ्वी कभी सूर्य के निकट एवं कभी दूर होती रहती है जो सर्दी, गर्मी एवं वर्षाकाल की परिचायक है। जीवन के पंच तत्व यानी पृथ्वी अग्नि, आकाश, हवा व जल है। पृथ्वी याने शरीर जिसमें जीव रहे एवं जहाँ रहकर जीवन यापन कर सके अतः प्रभू ने पृथ्वी ग्रह हो चुना। दूसरा तत्व अग्नि है जिसका सूत्रधार सूर्य है। सूर्य से गर्मी के साथ–साथ कई प्रकार की किरणे पेराबेंगनी गैसे भी निकलती है जो जीवन के लिये खतरा है को रोकने के लिये ओजोन परत बनाई गई है। पृथ्वी एवं सूर्य के बीच हवाये चलती हैं जिसके घर्षण से अग्नि पैदा होती है जो भोजन पकाने आदि के लिये आवश्यक है। आकाश याने शून्य जिससे शरीर में लचीलापन है। हवाओं में कई प्रकार की गैसे जैसे आक्सीजन, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन, कार्बन डाइ आक्साइड एवं अन्य कई विषेली गैसें भी है। आक्सीजन एवं हाइड्रोजन के समिश्रण से जल का निर्माण होता है। पृथ्वी पर तीन चौथाई हिस्से में समुद्र है जिसका जल सीधे ही उपयोगी नही है। सूर्य की गर्मी एवं पृथ्वी की घूमने से समुद्र का पानी वाष्पीकरण होकर निश्चित समय पर क्रमानुसार वर्षा के रुप में शुद्धजल का वितरण घर पर पहुँचाने का इंतजाम किया है, वहीं शरद ऋतु में हिम शिखर पर बर्फ की वर्षा होती है तो ग्रीष्मकाल में पिघल कर नदियों के द्वारा मानव को प्राप्त है। जल के संग्रह करने हेतु भूगर्भ में असख्य भूगर्भीय जल भण्डार बनाये हुये है, झरनों एवं नदियों में जल प्रवाह एवं पेड़ पौधों की जड़ों के माध्यम से वर्षा जल का रिसाव रोककर जल का भण्डारण करते है। भूगर्भ के समान ही पृथ्वी सतह पर भी प्राकृतिक झीले हैं जिनमें जल संग्रह होता रहता है इस प्रकार जल का भी पूरा प्रबन्धन कर रखा है। जीवों को भी एक दूसरे को पूरक बनाया है। हमें जीवित रहने के लिये आक्सीजन चाहिये जो हमें वृक्षों से प्राप्त होती है एवं जिस कार्बन डाइ आक्साइड को हम निकालते है वृक्ष ग्रहण करते हैं। कोई जीव मांसाहारी है तो कोई शाकाहारी। कहाँ भी है जीवों जीवस्य भोजनम् लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि प्राणी अपनी प्रकृति के विरुद्ध जाकर जिसका वह पालन नहीं है का भक्षण करें। विपरीत भक्षण से निरोगी काया रोगी होने लगती है एवं परेशानियाँ पैदा होने लगती है कारण वह उसे पचाने में सक्षम नहीं रहता है। जीवों में प्रभू ने, परमात्मा ने मानव को इस धरती का

सरताज बनाया है याने सभी जीव आदि उसके अस्तित्व के लिये कार्यरत है याने मानव जन्म वास्तव में एक अद्भूत अनुकृति है जिसके लिये सारे अन्य जीव कार्यरत है अर्थात् प्रभू के बाद किसी का वर्चस्व है तो मानव का मानव को सम्पूर्ण प्रकृति एंव उपयोग–उपभोग करने के लिये बुद्धि प्रदान की है ताकि वह प्रभू की बनाई सम्पूर्ण प्रकृति एवं पृथ्वी को सुन्दर बना सके। उसको पूरी तरह समझ सके एवं पूर्ण फायदा उठा सके पूर्ण रुप से सुरक्षित कर अपने अहं एवं अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने में मानव ही मानव का शत्रु हो गया है एवं उसने पेड़ो को काटना शुरु कर, जंगलों को समाप्ति की ओर मोड़ दिया है, जल का दुरुपयोग कर जल को डार्क जोन में पहुँचा दिया है नतीजा मौसम तंत्र का गड़बड़ा जाना। कहीं वर्षा की बहुलता तो कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक गर्मी तो कहीं अत्यधिक सर्दी। वर्षा का कम होना याने घर घर में पानी की कमी तो दूसरी और पाश्चात्य संस्कृति ने पानी के दुरुपयोग एवं हमारे आलस्य ने जल तत्व की भंयकर कमी होने लगी है जिसकी पूर्ति मानव स्वयं अपनी आदतों में परिवर्तन कर जल बचत, वर्षा काल में जल को भूमिगत, रिचार्ज बेल बनाकर अपने कूओं, नल कूपों द्वारा सम्भव है। यही नहीं अपने घर का पानी भी भूमिगत करना सम्भव है रिचार्ज बेल द्वारा, इसी प्रकार खेत का पानी खेत में एवं औद्योगिक परिसर का पानी भी भूमिगत किया जा सकता है ताकि भगवान द्वारा प्रदत्त जल का अधिकतम हिस्सा उपयोगी बना सकते है जो निरर्थक बहकर वापस समुद्र में मिल जाता है। वृक्षों को घर–घर में सार्वजनिक स्थानों पर, सड़कों के किनारे लगाकर सुरक्षित रख वायू तत्व का बचाव कर सकते है।

हमने अपनी बुद्धि का उपयोग विपरीत दिशा में कर विनाश का रास्ता अपनाया है उसे पुनः सही सोच में प्रयोग कर बचा सकते है। सर्वनाश कुछ लोगों द्वारा संभव है परन्तु पुनः उद्धार के लिये सभी का सहयोग एवं परिश्रम और सही सोच द्वारा सम्भव है। नष्ट हो रही प्रकृति को हम नहीं बचावेगें तो और कौन आएगा अतः चन्द लोगों की दादागिरी से सामूहिक रुप से लड़ने का समय आ गया है जिसके लिये हमें अपने आप को तैयार करना पड़ेगा, सक्षम बनाना होगा, निरोगी बन सशक्त बनना होगा जो सम्भव है प्रातः काल योग, प्राणायाम एवं आयुर्वेदिक दवाईयाँ, जड़ी बूटियों को जान उनका प्रयोग कर। विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित वस्तुओ का बहिष्कार कर ताकि हम अपनी उजड़ती खेती, उजड़ते लघु उद्योगों को एक तरफ बचाकर देश का पैसा दूसरी और बाहर जाने से बचाकर देश को उजड़ने से बचा सकते है। शून्य तकनीक से बनी वस्तुयें जल, पेप्सी कोला, कोकाकोला, शराब, बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, गुटखा, साबुन, तेल, क्रीम, पाउडर, आलू चिप्स, कुरकुरे, बिस्कुट, देशी खाद एवं कीट नाशक जो हम स्वयं बना रहे है। बना सकते हैं का उपयोग न कर विदेशी कम्पनियों के उत्पाद खरीद कर उन्हें क्यों बसने दिया जावे, हमारी खून पसीने की गाढ़ी कमाई विदेशो में क्यों जावे। उनके पदार्थो का उपयोग कर हम अपने शरीर को जर्जर क्यों बना रहे है, अपनी संस्कृति से पलायन क्यों कर रहे हैं अतः इनका बहिष्कार कर ही छुटकारा सम्भव है वरना हमारी सरकारों के भरोसे तो यह सम्भव ही नही है, वे तो खुदरा व्यापारियो एवं किसानों को पंगू बनाने पर तुले है वालमार्ट जैसी कम्पनियों को बुलाकर, खुली छूट देकर, विकास का झांसा देकर। हमारी सरकारें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं गुण्डा तत्वों व अराजक तत्वो के दबाव में, लालच का प्रलोभन देकर, आरक्षण का शिकन्जा कस कर करोड़ो, अरबों डकारने का हिस्सा जो बन गई है।

अगर खेत की बाढ़ ही खेत को खाने लगे तो खेत को कौन बचावेगा अतः बाढ़ को निरापद बना रोकना हमारा ही दायित्व है जिसे हम कर सकते हैं अपने वोट की ताकत से जो हमें संविधान से प्राप्त है।

हम पंचायत, नगर पालिका, विधानसभा व लोकसभा स्तर पर जातपात, धर्म, लिंग, भाई भतीजावाद, वंशवाद को भुलाकर देश हित सर्वोपरि मान एक हो जावें एवं हर स्तर पर अपनों में से योग्य, देशभक्त, सेवा भावी को ढूंढकर तैयार कर चुने। उठे, जगें अपने आप को बचाने के लिये, प्रकृति को नष्ट होने से बचाने की शुरुआत करे। अपने आत्म सम्मान को जगाने एवं गुलामी में जीने की आदतों को छोड़कर इन 5000 विदेशी कम्पनियों को देश से भगाने में विचार धारा थी, उनके बलिदान दिवस जो अभी 30 जनवरी 2013 को गया है, वास्तविक एवं हार्दिक श्रद्धांजलि होगी, शहीदों के बलिदान की लाज रख उन्हें सच्चे श्रद्धासुमन अर्पित कर सकेगें।

❑❑❑

जीने की कला

- पी. एन. बजाज, सचिव तपोवन वरिष्ठजन सेवा समिति, श्रीगंगानगर

''जीओ तो ऐसे जीओ कि लोग पूछे कौन जी रहा है मरो तो ऐसे मरो की लोग पूछे कौन मर रहा है।''

जीवन केवल कमाने, खाने और मर जाने के लिए नहीं है। जीवन आनन्द उल्लास और आत्म परा तम सुखी की अभिव्यक्ति के लिए है। जीवन एक साज है उसे ठीक से बजाना जानो, जीवन एक संगीत है उसे ठीक से आलापो। जीवन ईश्वर की तरफ से दिया गया एक तौहफा है उसका सदुपयोग करो। जो जानते हो उसका आदर करो, जो मिला है उसकी कद्र करो।

सबको सुख चाहिए, शान्ति किसी को नहीं, सुख का मार्ग जुटाने का मार्ग है और शान्ति का मार्ग लुटाने का मार्ग है। जिन्दगी का यही सब से बड़ा मजाक है जो मांगता है वह रोता रह जाता है और जो नही मांगता वह पूरा भर जाता है, शान्ति स्वयं में एक सुख वैभव है। किसी इंसान को संतान का मोह है तो किसी को शोहरत का, किसी को खूब सूरती की चाह है तो किसी को धन की, यदि हम गौर करे तो भूख से कोई नहीं मरता, इंसान मरता है तो और अधिक पाने की चाह में।

जब हम खाली हाथ इस धरती पर आये थे और खाली हाथ ही यहाँ से जाना है तो फिर धन दौलत जमीन–जायदाद से मोह कैसा। कमाने के लिए मत जियो, जीने के लिए कमाओ। हमेशा व्यस्त रहो, खुश और मस्त रहो, लेकिन कभी भी अस्त–व्यस्त मत रहो। इस दुनिया में खुश रहने के हजार कारण है लेकिन दुःखी होने के लिए एक ही कारण काफी है। दुनिया में जीने के लिए मुस्कराओ क्योंकि दुनिया हंसने वालों का साथ देती है और रोने वालों को छोड़ देती है।

आपने सारी उम्र पैसों के लिए कार्य किया है अब आप कुछ आत्म संतुष्टि के लिए भी कार्य करें। आदमी आज के दौर में जितना अधिक व्यस्त होता जा रहा है उतना ही सुख चैन की नींद से वंचित हो रहा है। आबाद करने वाला कभी बर्बाद नहीं होता, बर्बाद करने वाला कभी आबाद नहीं होता। अगर चाहते हो कि मरते और सड़ते ही तुम भुला न दिये जाओ तो या तो पढ़ने लायक चीजें लिखो या लिखने लायक काम करो। ऐसा विचार करके अफसोस मत करो कि विधाता का लिखा हुआ मिट नहीं सकता। जो व्यक्ति अपने आपको शक्ति, मितव्ययता और सत्य–निष्ठा से सम्पन्न कर लेता है, उसे अपने जीवन में स्थायी सफलता प्राप्त होती है, उसका कर्मक्षेत्र चाहे कोई भी हो।

सब से प्रथम आप अपनी नजर और नजरिया बदलो, संसार ठीक वैसा ही है जैसा आप इसे समझ लो, संसार को दर्पण के सामान माना है जो अपना ही प्रतिबिम्ब आपको दिखाता है आप इस पर गर्व

कीजिए तो यह आप पर गर्व पड़ेगा। इस पर हंसिऐ, यह भी हंसेगा। ठंडा लोहा गर्म लोहे को काटता है, अतः ठंडे रहें और सब पर हावी रहो। दूसरों का सम्मान करो, लोग तुम्हारा भी सम्मान करेंगे, जो तुम्हारे पास है उसका सुख भोगो, जो नहीं है उसका दुख नहीं मनाओ, मौत कभी सोती नहीं सदा जागती है इसलिए मौत को कभी मत भूलो, रोओ मत रोने से इंसान कमजोर हो जाता है और कमजोर को दुनिया जीने नहीं देती। स्वर्ग के आनन्द के लिए जरूरी नहीं कि मरा ही जाए, पैसा वह ठीक है जो आपकी रक्षा करे, ऐसा पैसा ठीक नहीं है जिसकी रक्षा आप करे। परिवर्तन किसी के लिए रुकता नहीं, आप चलो या न चलो, समय चल पड़ेगा। आप बदलो या न बदलो, संसार बदल जायेगा। मुसीबत में घबराना, सबसे बड़ी मुसीबत है। ग्यारह का ज्ञान एक का ज्ञान प्राप्त किए बिना सम्भव नहीं है। यदि आप पहाड़ों को हिलाना चाहते है तो पहले पत्थरों को हिलाना सीखिए।

याद रखें न आदतें बुरी होती है और न ही आदमी। बुरी तो वे नजरें होती है जो अच्छाईयों को नजर अंदाज करके केवल कमजोरियों को ही देखती है। यदि आपको पंख मिले है तो अनन्त आकाश में उड़ान भरिए, रेंग कर अपनी क्षमताओं को नष्ट मत कीजिए कहानी नहीं बल्कि कहानी का नायक बने।

आनन्द से जीने की प्राप्ति के लिए नेक कर्म, नेक विचार और नेक सीरत का होना अति आवश्यक है जिस मनुष्य ने ऐसी बहु–प्रकाशीय नेकी को अपने जीवन में धारण कर लिया है उसका इस संसार मे पूरा पूरा मान है सम्मान है तथा यही जीन की कला और आनन्द है। ❑❑❑

जीवन दीप

– कल्याण राय शर्मा

जीवन एक दीप है,
बुझ जाता जलते – जलते ।
जग में स्थायी रहा न कोई,
हम है राही आते – जाते ।
आते – भी हाथ खाली,
खाली ही हाथ जाते ।
सांसो का क्या भरोसा,
रूक जाते चलते – चलते ।
सांसे रूकी तन हुआ मिट्टी,
मिट्टी में मिल जाता जलते – जलते ।
परिवार और प्रियजन,
सब ले जाते रोते– रोते ।
सांसे है बूंद ओस की,
उड जाती दिन उगते – उगते ।
सांसे है सपने नींद के,
टूट जाते आते – आते ।
सांसे है झरने का पानी,
चूक जाता बहते – बहते ।
अरमाँ हाते बहुत लम्बे,
रह जाते पूरे होते – होते ।
सांसों के चलते सुकर्म किए जा,
अंत समय प्राण निकले हँसते – हँसते ।
सांसों के तार सारे,
हैं प्रभु नाम के सहारे ।
भव सागर पार कर,
प्रभु नाम रहते – रहते

अन्धा वह नही जिसके आँख नही,
अंधा वह है जो अपने दोषो को ढ़कता है।

जीवन का यथार्थ

- राधेश्याम शास्त्री, अध्यक्ष-वरिष्ठ नागरिक संस्थान, बाराँ

''राष्ट्र एवं प्राणिसेवा ही प्राणि सेवा ही वरिष्ठ नागरिक परम धर्म''

इस नश्वर संसार में मानव जीवन प्राप्त होना मनुष्य के प्रावत्तन पुण्य कर्मों का ही सुफल है। मानव देह की महिमा गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामायण में इस कथन से गाई है–

''बड़े भाग्य मानुस तन पावा,
सुर दुर्लभ सद्ग्रथन्हि गावा।।''

भारतीय संस्कृति के अमर संदेशवाहक वेदोपनिषदों, पुराणों, गीता, महाभारतादि ग्रन्थों में मानव जीवन की उपादेयता, सारतत्त्व का विशद् उल्लेख करते हुए इसे ''साधन धाम मोक्षकर द्वारा'' कहा गया है।

भाव :– सभी धर्म सा धन का माध्यम शरीर है अतः तन का उपयोग शुभ कार्यों में करना है

आइये ? इस महनीय, देवदुर्लभ, मानव जीवन की सार्थकता के विषय में कुछ पल चिंतन, मनन् निदिध्यासन करें इन विचारों के परिप्रेक्ष्य में।

वर्णाश्रम व्यवस्था :– हमारे मनीषियों, तपपूत ऋषियों ने मानव जीवन को आयु के अनुरुप ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास चार आश्रमों में विभाजित किया है।

वरिष्ठ नागरिक :– हम वरिष्ठ नागरिक वर्तमान आयु में वानप्रस्थ आश्रम में जीवन जी रहे हैं।

सांसारिक व्यवस्था :– के अनुसार हम 50 वर्ष की आयु या इससे आगे 60 वर्ष तक अपनी पारिवारिक, सांसारिक, भौतिक जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाते हैं।

वानप्रस्थ आश्रम में क्या करें :– हमें अपने दायित्व बोध से पूर्णतः मुक्त होकर अपनी आयु का शेष समय निष्ठा एवं संकल्पबद्ध भाव से सत्यतापूर्वक देश एवं प्राणिमात्र की सेवा में लगाना ही जीवन की सार्थकता है। क्योंकि कहा है कि हम किसी भी क्षण इस असार संसार से प्रस्थान कर सकते हैं – हमारे केशों (बालों) को मृत्यु ने पकड़ रखा है देखें :–

''अजरामखत प्राज्ञः विधामर्थज्ज चिंतयेत्त।
गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।।''

भावार्थ :– बुद्धिमान व्यक्ति अजर (बुढापे से रहित) अमर (मृत्यु से रहित) की तरह विचारते हुए विद्या और धन का अर्जन, चिंतन करे किन्तु धर्माचरण अपने जीवन में प्रतिदिन, प्रतिक्षण यह सोचकर करे कि मृत्यु ने मेरे बालों को पकड़ रखा है अर्थात् मृत्यु प्रतिफल सन्निकट है किसी क्षण मुझे अपना ग्रास बना सकती है।

आज के इस विषमताओं, विद्रूपताओं, प्रतिस्पद्धाओं, महत्त्वाकांक्षाओं से भरे जीवन में हम प्रत्यक्ष देख रहे हैं 40,50 वर्ष आयु तक के वयस्कों, युवाओं, प्रौढ़ों को पक्षघात हृदयघात, मधुमेह, केंसरादि असाध्य, घातक रोगों से कालकवर्लित होते हुए। आप और हम मूल विषय पर संक्षेपतः चिंतन करें:–

वरिष्ठ नागरिक कैसे करें देश सेवा :– हम इस आयु में सीमा रक्षार्थ सैनिक की भूमिका नहीं निभा सकते किन्तु हमारी आयु, अनुभव, चिंतन, प्रतिभा का भरपूर उपयोग देश में व्याप्त निम्न समस्याओं के समाधान में कर सकते हैं।

राष्ट्रीय समस्यायें :– भ्रष्टाचरण, जातिवाद, प्रांतवाद, भाषावाद, धर्मसंप्रदायवाद, आतंकवाद, महिला उत्पीड़न, भ्रूणहत्या, पर्यावरण असंतुलन, सार्थक शिक्षा, नैतिक मूल्यों का ह्रास आदि आज स्वंतत्रता के 65 वर्ष बाद कम न होकर विष बेल के रूप में निरंतर बढ़ रही हैं।

अन्त में सभी सुधा पाठक वरिष्ठ नागरिक बंधुओं से विनम्र अनुरोध इस श्लोक को हृदयंगम करके अपने मन, कर्म, वचन से देश, समाज एवं प्राणिमात्र के लिये शुभकार्य करने का संकल्प लेकर अपने जीवन को सार्थक एवं धन्य बनावें।

''स जातो येन जातेन, याति वंश समुन्नतिम्।
परिवर्त्तनि संसारे मृतः को वा न जायते।।''

❑❑❑

भारतीय संस्कृति को जानने के मुख्य स्रोत

- अशोक कुमार शर्मा (सारस्वत)



किसी भी देश का इतिहास जानने के लिए वहाँ की संस्कृति का ज्ञान अत्यावश्यक है। हमारे देश की संस्कृति, संस्कारों का साहित्य उतना ही पुराना है जितना पुराना यह संसार। इतिहास साक्षी है कि विश्व के ज्ञान, विज्ञान, आचार–विचार, व्यवहार, व्यापार आदि की शिक्षा सर्वप्रथम भारतवर्ष के ऋषि, साधु–सन्त एवं मनीषी महात्माओं ने ही दी थी। परम पवित्र भारतवर्ष में माँ सरस्वती के साधकों ने वैदिक संहिताओं के रुप में जिस संस्कृति का साक्षात्कार किया था, वही वास्तविक संस्कृति है। आज अपनी संस्कृति को भूलने का ही फल है कि हम प्रत्येक बात के लिये पाश्चात्य विद्वानों की ओर ताकते हैं। हमारे विचार से अपनी संस्कृति, सभ्यता, संस्कार एवं संस्कृत भाषा को भूलने का ही कुप्रभाव था कि हम शताब्दियों तक परतन्त्रता की निबिड़ श्रृंखलाओं में आबद्ध रहे। हमारी संस्कृति को मिटाने के लाख प्रयत्न किये गये, किन्तु हमें मिटाने वाले स्वयं मिट गये, पर हम अपने चिरन्तन सत्यों के आधार पर आज भी जीवित हैं। जिसके लिये उर्दू के प्रसिद्ध शायर इकबाल को भी कहना पड़ा है – ''कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहाँ हमारा।''

हमारी संस्कृति के जड़े पाताल में और उसकी शाखाऐं आकाश गंगा तक फैली हैं जिनका ओर–छोर प्रभु के हाथों में है। आइये, अपनी संस्कृति के सागर में गहरी डुबकी लगायें जहाँ निम्नलिखित रत्न–राशि पड़ी हमारी प्रतीक्षा कर रही है –

चार वेद :– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद।

ऋग्वेद :– लगभग 8 हजार साल पुराना है। यह ऋचाओं–प्रार्थनाओं का संकलन है।

यजुर्वेद :– इसमें यज्ञ के विधि विधानों और कर्मकांडों का विवरण है।

सामवेद :– इसमें ऋग्वेद की चुनी हुई ऋचाओं को ही स्वरबद्ध किया गया है। इनका विशिष्ट यज्ञों के अवसरों पर सस्वर पाठ होता है। सामवेद भारतीय पक्के राग–रागनियों का उद्‌गम भी है।

अथर्ववेद :– नीति सिद्धांत का संकलन है। इसमे विज्ञान की कुछ शाखाओं, जैसे आयुर्वेद का उल्लेख है जो स्वास्थ्य एवं आयुर्वृद्धि का विज्ञान है।

छः वेदान्ग :– शिक्षा, व्याकरण, छन्द, निरुक्ति (अर्थ प्रकाशन), ज्योतिष, कल्प (यज्ञ प्रयोग)

छः शास्त्र :– सांख्य शास्त्र (कपिल मुनि), योगशास्त्र (महर्षि पतंजलि), वैश्लेशिक शास्त्र (कणाद मुनि), न्याय शास्त्र (गौतम मुनि), पूर्वमीमांसा शास्त्र (जैमिनी), वेदान्त शास्त्र–उत्तर मीमांसा (वेद व्यास)।

अठारह पुराण :– ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण, लिंग पुराण, गरुड़ पुराण, नारद पुराण, भागवत पुराण, अग्नि पुराण, स्कन्द पुराण, भविष्य पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, मार्कण्डेय पुराण, वामन पुराण, मत्स्य पुराण, कूर्म पुराण, वराह पुराण, ब्रह्माण पुराण।

दस मुख्य उपनिषद् :– ईशावास्य, कठ, मुण्डक, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, केन, प्रश्न, माण्डूक्य, ऐतरेय, ब्रहदारण्यक। उपनिषदों की कुल संख्या 108 है। सभी उपनिषद् ब्रह्माविद्या के प्रतिपादक हैं।

दो आदि महाकाव्य :– रामायण (वाल्मीकि), महाभारत (वेद व्यास)।

ब्राह्मण और आरण्यक :– इसके अतिरिक्त ऐतरेय, तैत्तिरीय, शतपथ, गोपथ आदि ब्राह्मण ग्रन्थ एवं सांख्यायन, बृहदारण्यक, छान्दोग्य आदि आरण्यक ग्रन्थों की बहुत बड़ी संख्या है जिनमें यज्ञों की वैज्ञानिक व्याख्याओं तथा ब्रह्मा ज्ञान का विवेचन किया गया है।

यदि थोड़े में कहा जाय तो हम कह सकते है कि ''आरण्यक ग्रन्थ, ब्राह्मण ग्रन्थों से सम्बद्ध धार्मिक एवं दार्शनिक लेखों का संग्रह है।''

सूत्र एवं स्मृति :– मानवीय जीवन को सुव्यवस्थित रखने के लिये सूत्र ग्रन्थों एवं स्मृतियों का बहुत बड़ा योगदान है। सूत्र ग्रन्थों को चार भागों में विभाजित किया गया है – श्रौत सूत्र, गृह्य सूत्र, धर्म सूत्र, एवं शुल्व सूत्र। हमारे धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं बौद्धिक विकास करने वाली मुख्य स्मृतियाँ हैं – मनु स्मृति, पराशर स्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति, नारद स्मृति, बृहस्पति स्मृति, कात्यायन स्मृति, व्यास स्मृति, गौतम स्मृति, वसिष्ठ स्मृति, भृगु स्मृति, अंगिरा स्मृति, विष्णु स्मृति, अत्रि स्मृति, हारीत स्मृति, यम स्मृति, उशनस स्मृति, दक्ष स्मृति एवं शंख स्मृति।

आप अपने उपयुक्त वाड्म्य पर दृष्टिपात करें और सोचें कि हम कौन थे और क्या हो गये है ? आज समाज की पुकार है कि हम स्वयं जागें और समाज को जगायें ताकि पुनः इस देश में माँ सरस्वती की अविरल ज्ञान जल धारा प्रवाहित हो सके। एक बार जब हम संगठित हो जायेगें तो समाज को व्यापकता और उदार मानसिकता अपनाने के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

❑❑❑



''गरीब की पुकार''

– कैलाशचन्द जोशी

एक दिन मन्दिर की तरफ से हो रहा था मेरा गुजर,
एक बूढ़े से भिखारी पे पड़ी थी मेरी नजर
हाथ में एक प्याला था और कंधे पर फटी सी चादर
भजन में वो लीन था कुछ कह रहा था रो रो कर
अच्छा भगवान तेरी मर्जी अब तू जाने तेरी मरजी
तेरी दुनिया में अमीरो की खुदाई देखी
और गरीबो के मुकद्दर में तबाही देखी
तेरी दुनिया को सौ सौ रंग बदलते देखा
पर गरीबो को नही फूलते फलते देखा
पैसे वालो का यह कहना है कि मोटर ले ले
मोटर मिल जाये उसके बाद में थियेटर ले ले
झोपड़ी वालो का कहना है मिले दो रोटी
रोटी मिल जावे उसके बाद मिले लंगोटी
उनको मोटर भी मिली इनको दो रोटी न मिली
उनको थियेटर भी मिला इनको लंगोटी न मिली
फिर उन्हे भीख भी मिलती नहीं जरदारो से
खून होता है उनका भूख की तलवारो से
भूख वो शह है कि कमजोर बना देती है
सीधे साधे को भी चोर बना देती है
भूख वो शह है कि हैवान बना देती है
हद से बढ़ जावे तो शैतान बना देती है
इस हया खोर के सर तुक नही सर–पैर नही
इसकी चल जावे तो इमान की भी खैर नही
सैकड़ो घर गरीबों के उजाडे इसने
दीनदारो के भी इमान बिगाडे इसने
सैकड़ो मर गये है भूख से मरने वाले
मरते मरते भी इतना कह गये मरने वाले
या खुदा तू मुझे धनवान बना या ना बना
पर दुआ है कि तू धनवान को ''इन्सान'' बना
झुकते वही है जिनमें जान होती है।
अकडे रहना मुर्दो की पहचान होती है।

❑❑❑

बुजुर्गों के प्रति उदासीन परिजन और सरकार

- केशव राम सिंघल



पिछले दिनों मैं एक पत्रिका पढ़ रहा था, जिसमें एक बुजुर्ग पाठक ने अपनी व्यथा के साथ एक सोच सामने रखी – ''मैं 83 साल का बूढ़ा सरकार में पेंशन लेने वाला व्यक्ति हूं। मेरा अब नये साल से क्या मतलब रहा गया है ? परिवार में सब अपनी चलाते हैं। सबकी निगाहें मेरी पेंशन पर है। इन सबके बाद भी मैं नए साल को नए ढंग से देखता हूँ। नए साल में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलनी चाहिए, वरना देश गर्त में चला जाएगा।'' इस बुजुर्ग पाठक ने अपनी व्यथा सम्पादक के नाम पत्र में लिखते हुए हजारों वरिष्ठ नागरिकों की व्यथा को सामने रख दिया।

विश्व के सभी धर्मों और संप्रदायों में माता–पिता–पिता को बहुत ही उच्च सम्मान और दर्जा दिया गया है और भगवान की तुलना हमारे यहाँ तो माता–पिता से की गई है, तभी तो श्लोक है – ''त्वमेव माता च पिता त्वमेव''। अर्थात्, हे भगवान! आप ही मेरे माता और पिता हो। इतना सम्मानजनक स्थान होने के बावजूद भी बुजुर्ग माता–पिता को दुःख भोगना पड़ता है, उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है।

बुजुर्गों के प्रति उदासीन हमारी सरकार :– जन्मदर के साथ–साथ मृत्युदर में गिरावट के चलते दुनिया की आबादी में बुजुर्गों की आबादी का अनुपात बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस पर चर्चा हुई और इस सम्बन्ध में सन् 2012 के अंत में एक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पारित किया, जिसमें बुजुर्गो के अधिकारों और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए व्यापक और समग्र अंतरराष्ट्रीय कानूनी उपायों को बढ़ावा देने की बात कही गइे है। गौरतलब है कि इस प्रस्ताव के पक्ष में 54 देशों ने वोट दिया, 5 देशों ने विरोध में मत दिया, भारत समेत 118 देशों ने मतदान में भाग लिया और 16 देश सदन से अनुपस्थित रहे। बुजुर्गो के अधिकारों और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय कानूनी उपायों को लेकर संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्था की पहल के प्रति भारत सरकार उदासीन क्यों रही, यह समझना मुश्किल है।

बुजुर्गो की आबादी :– संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष नामक संगठन के अनुमानों के अनुसार :–

– वर्तमान में केवल जापान ही एक ऐसा देश है जहाँ बुजुर्गो की आबादी 30 प्रतिशत है।

– वर्ष 2050 तक 64 देशों में बुजुर्गो की आबादी 30 प्रतिशत हो जाएगी।

– वर्ष 2050 तक दुनिया में बुजुर्गो की अस्सी प्रतिशत आबादी विकासशील देशों में बसी होगी।

– भारत में 2011 में बुजुर्गो की आबादी 10 करोड़ थी, जो 2050 में 32 करोड़ से ज्यादा हो जाने का अनुमान है।

– भारत में बुजुर्गों की मौजूदा आबादी में महिलाओं का अनुपात ज्यादा है।

– भारत में बुजुर्गो की एक तिहाई आबादी अकेले रहती है।

– भारत में करीब 90 प्रतिशत बुजुर्गो को अपनी रोजी–रोटी के लिए कोई–न–कोई काम करना पड़ता है।

– भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अध्ययन के मुताबिक 25 प्रतिशत बुजुर्ग अवसाद से, एक तिहाई गठिया रोग से, 20 प्रतिशत बुजुर्ग कम सुनने की व्याधि से पीड़ित थे। शहरों में आधे और गाँवों में एक तिहाई बुजुर्ग उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। गांवों में 10 प्रतिशत और शहरों में 40 प्रतिशत बुजुर्ग मधुमेह से पीड़ित थे।

क्या किया जाना चाहिए ? :–

– गरीब वृद्ध व्यक्तियों की सरकारी पेंशन राशि को बढ़ाया जाना चाहिए।

– बुजुर्गो के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाना चाहिए।

– 80 प्रतिशत बुजुर्ग अपने कानूनी–अधिकारों को नहीं जानते अतः जागरुकता बढ़ाने की जरुरत है।

– सरकार को जेलों में बंद बुजुर्ग कैदियों की रिहाई के लिए कदम उठाने चाहिए।

– सरकार को बुजुर्गो के प्रति अपनी उदासीनता को खत्म करना चाहिए। ❑❑❑

शाकाहार का महत्त्व

- हरीशचन्द पारख

''सत्य की ओर उन्मुख हर व्यक्ति से मेरा यह निवेदन है कि वह निष्पक्ष रूप से शाकाहार के मर्म व उपादेयता पर गम्भीर चिन्तन करें।''

महान कवि शैली के विचार अपने समय से कही ज्यादा आज के युग में प्रासंगिक है, जब भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में मानव प्राकृतिक साधनों का निर्ममता पूर्वक दोहन कर रहा है। जब हर क्षेत्र में प्रगति की थोथी होड़ हमारे पर्यावरण के लिए गम्भीर चुनौती बनती जा रही है। उजड़ते जंगल, कटते पेड़ और हजारों की संख्या में प्रतिवर्ष लुप्त होती पशु–पक्षियों व वनस्पतियों की प्रजातियाँ एक गम्भीर खतरे का संकेत है, लेकिन मानव भौतिकवाद की चकाचौध में शायद यह भूल गया है कि प्रत्येक जीव सृष्टि की एक महत्वपूर्ण कृति है और प्रकृति की एक अनुपम धरोहर है।

सृष्टि में असंख्य जीव हो अथवा वनस्पति की लाखों प्रजातियां, सब एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के सांमजस्य को बनाये रखने में हर एक का अपूर्व योगदान है। हर जीवन की अपनी विशेषताएँ हैं। इनकी ये ही विशेषताएँ प्रकृति के अलौकिक स्वरूप का दिग्दर्शन कराती है और धरातल में सम्पूर्णता लाती है। काशः मनुष्य इस कटू सत्य को आत्मसात कर पाता। लेकिन मनुष्य अपने स्वार्थवश प्रकृति के नियमों का घोर उल्लंघन कर अन्य जीवों के शोषण के लिए कटिबद्ध है।

मनुष्य की यह अति दम्भी मनोवृति नहीं तो और क्या है कि जिह्वा लोलुप मानव जाति का एक बड़ा हिस्सा आज भी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि प्रकृति ने हर जीव की उत्पत्ति के साथ ही उसकी संरचना व गुण के अनुरुप उसकी भोजन शैली निर्धारित की है। कुछ जीव–जन्तु जन्म से ही निरामिष होते हैं वे शाकाहारी भोजन ही लेते हैं। गाय, हाथी या घोड़े और अन्य असीमित जीव जो शाकाहारी हैं जन्म से मृत्यु तक भोजन में परिवर्तन नहीं करते हैं न कभी सामिष भोजन की कल्पना करते हैं।

मांसाहारी जीवों की एक अपनी ही बनावट है इनकी आंतें शाकाहारी जीवों की तरह ज्यादा लम्बी नहीं होती है। इनके पंजे होते है व दांत नुकीले होते हैं। मांसाहारी जीवों का सलाईवा अम्लीय होता है जबकि शाकाहारी जानवरों का क्षारीय, इनके पेट में शाकाहारी के विपरीत चार गुना ज्यादा अम्ल होता है। मांस भक्षी जन्तुओं की तरह, मनुष्य के न तो तीखे दांत हैं ना नुकीले नाखून।

मनुष्यों की आंतों की संरचना तथा किडनी व लीवर आकार मांसाहारियों से भिन्न, शाकाहारी जीवों के अनुरुप होती है।

प्रकृति ने भोजन के अनुरूप ही हर जीव के गुणों की परिकल्पना की होगी तभी तो शेर, बाघ या अन्य कोई भी मांसाहारी जीव अपना शिकार देखते ही हिंसक हो उठते है, क्या मनुष्य में यह हिंसक प्रवृत्ति है ? क्या उसकी शारीरिक संरचना में 10 प्रतिशत भी मांसाहारी जीवों की संरचना से समानता है ?

मनुष्य को रुप, आकार, शरीर व गुणों से प्रकृति ने पूर्ण रूप से शाकाहारी बनाया है। यह एक वैज्ञानिक सत्य है लेकिन इस नियम को तोड़कर मनुष्य ने अपने आपको मांसाहार की ओर उन्मुख किया, केवल अपनी जिव्हा की संतुष्टि के लिए, सारी शारीरिक आवश्यकताओं व प्राकृतिक नियमों के विपरीत।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. जे. ओल्डफील्ड का विचार है कि मांसाहारी भोजन एक अप्राकृतिक भोजन है और शरीर में कई व्याधियाँ पैदा करता है। एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. एलेन व्हाइट ने यहां तक लिखा है कि मांस के द्वारा ही हमारे शरीर में बीमारियों का सबसे ज्यादा प्रवेश होता है। डॉक्टरों व वैज्ञानिकों ने लम्बे शोध के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि अति मांसाहारी भोजन का सेवन करने वाले व्यक्तियों को हृदय रोग,

शुगर, रक्तचाप और लकवे व कैन्सर जैसी बीमारियाँ होने की संभावनाएँ शाकाहारियों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है।

बढ़ती हुई मांसाहार की प्रवृत्ति विश्व के संसाधनों पर भी भारी बोझ है। एक किलो मांस के लिए अमेरिका के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 7000 किलो पानी की आवश्यकता होती है। विकसित देशों में 70 प्रतिशत अनाज उन जानवरों को खिलाया जाता है जो बाद में मनुष्य की जिव्हा के लिए कत्लखानों की भेंट चढ़ते हैं। हिंसक प्रवृत्ति की चरम सीमा व साधनों का असीमित दुरुपयोग। इतना ही नहीं यह प्रवृत्ति विश्व के पर्यावरण के लिए भी एक जबदस्त चुनौती है। भक्षण के लिए प्रयोग होने वाले ये जानवर 130 गुना ज्यादा गैसें छोड़ते हैं जो न केवल प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ते हैं, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग के भी प्रमुख कारण हैं।

यह कैसी विडम्बना है कि जितना जल एक शाकाहारी के भोजन के लिए साल भर में नहीं उपयोग होता है उससे ज्यादा एक मांसाहारी के भोजन के लिए एक माह में चाहिये। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि विश्व के केवल 20 प्रतिशत मांसाहारी–मांसाहार छोड़ दें और शाकाहारी प्रवृत्ति अपना लें तो करोड़ों गरीब लोगों के पर्याप्त भोजन की व्यवस्था हो सकती है और स्वतः भूमंडल से भूखमरी ही समाप्त हो सकती है।

❑❑❑

वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ कानूनी अधिकार व योजनाएं

– मोहनसिंह टांक



राजस्थान राज्य में केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ अनेक कानूनी व आर्थिक सहायक योजनाएँ संचालित की जा रही है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान व सुविधाओं के साथ–साथ उनकी पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं के समाधान का आधार मिला है।

माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 तथा अधिनियम 2010 के नियम 20 से लाभान्वित कराने हेतु संबंधित उपखण्ड अधिकारी को आवेदन करना चाहिए, जिसका 90 दिन में फैसला सुनाए जाने का प्रावधान है। इसके तहत दोषी सन्तानों से अधिकतम दस हजार रुपये प्रतिमाह तक भरण पोषण भत्ता दिलाया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर इसकी अपील का फैसला जिला कलक्टर द्वारा किए जाने पर उसके विरुद्ध अपील किसी भी न्यायालय में नहीं हो सकती, ऐसा भी प्रावधान है। इस प्रकार से न्याय प्राप्ति में किसी भी वकील की आवश्यकता नही लेकर सादे आवेदन में ही निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। जिसके तहत दोषी सन्तान द्वारा उचित पालना नहीं किए जाने पर उसकी सम्पत्ति कुर्क करने, उसे जेल भेजने तथा सरकारी कर्मचारी होने की स्थिति में उसके वेतन से कटौती किए जाने के भी प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के जीवन एवं सम्पत्तियों के संरक्षण के सम्बन्ध में संबंधित पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारियों को उनके कर्तव्य एवं अधिकार निर्धारित कर राज्य सरकार द्वारा विविधि प्रकार के निर्देश दिए गए है। जिनसे लाभान्वित होने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को बिना कोई भय व संकोच के साहस पूर्वक पुलिस के सम्पर्क में रहना चाहिए।

वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत 58 वर्ष से अधिक उम्र के असहाय पुरुष व 55 वर्ष से अधिक की महिलाओं को प्रतिमाह 500 रुपये तथा दोनो को ही 75 वर्ष से अधिक उम्र के हो तो प्रत्येक को 750 रु. पेंशन दी जा रही है।

गरीब व असहाय वृद्धजनों के जीवनयापन के लिए वृद्धाश्रमों का संचालन भी राज्य सरकार द्वारा

आर्थिक सहायता प्रदान कर स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। जहाँ उन्हें दोनो समय चाय नाश्ता, भोजन, वस्त्र, चिकित्सा आदि निःशुल्क उपलब्ध है। वृद्धाश्रमों के निर्माण के लिए भी आर्थिक सहायता समाजसेवी संस्थाओं को चिरायु योजनान्तर्गत उपलब्ध कराई जाती है।

पेंशन प्राप्ति हेतु निर्धारित फार्म भरकर संबंधित तहसील या पंचायत समिति कार्यालय में जमा कराना चाहिए तथा अन्य सुविधाओं के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कलक्टर या उपखण्ड अधिकारी से सम्पर्क करना चाहिए।

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की अन्य योजनाएं एवं कुछ विभागों के आदेश/निर्देश भी है, जिनसे वरिष्ठ नागरिकों को राहत एवं लाभ मिल रहे है। उदाहरणतः (1) भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा 60 या इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को 30 प्रतिशत एवं महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट रेल यात्रा में दी जा रही है। इस रियायत के लिए उम्र के प्रमाणीकरण हेतु वोटर कार्ड व पेन कार्ड साथ में रखना चाहिए। (2) राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को 30 प्रतिशत, महिलाओं को 30 प्रतिशत तथा रक्षाबन्धन त्यौंहार के दिन सभी उम्र की महिलाओं व लड़कियों को शत प्रतिशत छूट दी जाती है। (3) आयकर विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को 2.50 लाख वार्षिक आय की सीमा तक आयकर में छूट प्रदान की जा रही है। (4) भारतीय डाक विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए "वरिष्ठ नागरिक बचत योजना" चालू की गई है जिसमें उन्हें 9 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाता है। (5) बैंको द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सावधि व अन्य बचत जमा योजनाओं पर 0.50 प्रतिशत से अधिक ब्याज देय है। (6) माननीय उच्चतम न्यायालय एवं राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने हेतु अधीनस्थ समस्त न्यायालयों को निर्देश प्रदान किए हुए है। (7) राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा एवं नैदानिक जाँच, दवा आदि के लाभ उपलब्ध कराने संबंधी सुविधाएँ दी जा रही है। इसके अतिरिक्त अस्पतालों में लम्बी कतारों से निजात दिलाने हेतु वरिष्ठ नागरिकों को यथा संभव प्राथमिकता देकर राहत दिलाने के भी निर्देश प्रदान किए गए है।

आवश्यकता इस बात की है कि उपरोक्त सभी जानकारियाँ रखते हुए इनका लाभ उठाने हेतु सक्रिय व जागरुक रहें।

❑❑❑

चिन्तन

- कैलाश चन्द्र शर्मा



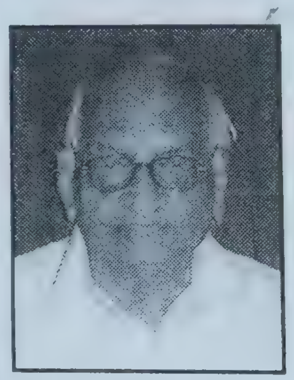
क्या ही विचित्र और दुर्भाग्य की बात है कि हम सत्य को न पहचान कर असत्य की ओर आँख बन्द करके भाग रहे हैं।

आत्मा जो परमात्मा का ही अंश है उसकी हालत इतनी नाजुक हो गई है कि वह अपनी ही पहचान भूल गई है। जब तक आत्मा को यह ज्ञान नहीं होगा कि वह कहाँ से आई है और कहाँ जाना है उसे मन के मतानुसार कर्मो का फल भुगतना ही पड़ता है।

आत्मा को यदि सौभाग्य से सन्त सतगुरु का दर्शन हो जावे तो बिना अवसर गवाएँ आलस्य का त्याग कर देना चाहिए। अपने कर्मो का हिसाब सावधानी से करते हुए रामनाम की पूँजी का संग्रह करना चाहिए। यह अवसर स्वर्णम है इसको गँवाना नहीं है प्रतिदिन प्रतिपल हमारा ध्यान हरि में ही रहना चाहिए हमारे कर्म स्वतः ही निर्मल हो जावेगें। अधिक मात्रा का संग्रह करना अपने मार्ग में स्वयं काँटे बिछाना है। माया तो है ही ठगनी यह दे क्या सकती है सिवाय मार्ग भटकाने और जन्म बरबाद करने के। हे मालिक इसके चक्कर से बचों यही प्रार्थना है। ❑❑❑

शिक्षाप्रद वर्णानुसार दोहे

- विजय देव गुप्ता



शिक्षा प्रद दोहो के साथ बच्चे, बड़े याद करे व व्यवहार में लाये –

स्वर :–

अ अज्ञा मानो माता पिता की उन्होंने तुमको पाला है।
आ आदर कर उनको सुख देना इसमें भला तुम्हारा है।
इ इर्षा बैर फूट पापों से करिये सदा किनारा है।
ई ईश्वर के तुम बनो उपासक रक्षा करने वाला है।
उ उचित कहै ओर उचित हि बोले सोई मानुष प्यारा है।
ऊँ ऊँच नीच जो समझत नाहीं उसका जीवन खारा है।
ए एका सबको करना चाहिये एका सुख का दाता है।
ऐ ऐब सकल जितने दुनिया में जुआ खेल सिखाता है।
ओ ओस में सोना ठीक नही है रोग ओस से होता है।
औ औसर सदा हाथ नहीं आवे मूरख है जो खोता है।
अं अंत काल की याद न भूलो धर्म साथ एक जाता है।
अः अः अक्षर सबको चेताकर स्वर का अंत बताता है।

व्यज्जन :–

क कबहुँ न हिंसा करनी चाहिये हिंसा सब पापो का बाप।
ख खल को संग भूल नहि कीजे जासे भले अकेले आप।
ग गर्मी में जब चलकर आओ पानी तुरंत पीजे नाहिं।
घ घमंड और रिबहूँ से बचिये ये ना है कछु कम दुखदाया।
च चतुर कहे ताहि विधि चलिये उलटा चलना नाही ठीक।
छ छल चोरत का संग न कीजे बुधिजन की यह मानों सीख।
ज जतन सदा करते ही रहना चाहे फेल हो चाहे पास।
झ झगड़े में तुम सच कर मानो नाहिं भलाई की कछु आश।
ट टरे कठिनता से वह आदत जो बालकपन में पड़ जाये।
ठ ठग का साथ कभी नाहिं करना ये संग देता जेल दिखाया।
ड डरते रहो सदा भगवत से सोच समझ कर करना काम।
ढ ढकने से नहिं छिपे पाप है घटघट वासी उसका नाम।
त तन मन धन को खर्च कर विद्या लीजे सीख।
थ थको न कभी इल्म से चाहे माँग खाओ भीख।
द दया कबहुँ नहिं छोड़िये दया धर्म का मूल।
ध धन्धे धर्महि राखिये इसमे करो न भूल।
न नहि चलिये ऐसे चलन कुलहि दाग लग जाये।
प पर धन कूँ तू देख कर मूरख मत ललचाय।
फ फंसो न खोटे संग में यदिप लाभ कछु होय।
ब बचन सदा मीठे कहो जो जग चाहो मोह।
भ भली बात यदि नीच कर, वा हू से लै लेह।
म मन से, तन से, जीव से दुख ना काहू को देय।
य यदपि सको नहिं दान कर मत चूको सनमान।
र रहिये सदा सीधे चलन ऐंठ मरोड़ में हानि।
ल लड़कपन में मेहनत करके जो विद्या को पाएगा।
व वहीं बड़ा होने पर खूबहिं लाभ उठाएगा।
श शरम करेगा जो पढ़ने में वह मूरख रह जायेगा।
स सभा में जाकर जब बैठेगा हँस में काम कहायेगा।
ह हँसी कबहुँ नहिं कीजिए हँसी विरोध का मूल।
क्ष क्षण में सारी श्रृँखला कर देती है धूल।
त्र त्रण सम अप को समझिये नहि करिये अभिमान।
ज्ञ ज्ञान समुन्द्र को बीच में सदा करो स्नान।

इन्हें कठस्थ करे। आचरण में लाये। नित्य अभ्यास करते जाए। थोड़े ही समय में आप निरख कर सर्वप्रिय बन जायेगें और अनन्य गुणों से भरेंगे। ईश्वर आपको सफलता के मार्ग पर अग्रसर करता जाएगा। बड़ो गुरूजनों से आशीर्वाद, प्रशंसा और उपहार तो मिलेगें ही।

❑❑❑



निर्माण में वरिष्ठजनों की भूमिका

भंवर सेठ महासचिव
महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान, उदयपुर

अभी हाल ही में विश्व के वैज्ञानिकों के सम्मिलित प्रयास से परमाणु के अन्दर नया कण हिच्स बोसॉन अर्थात् गॉड पार्टिकल खोजने का दावा किया था। इस सफलता को प्राप्त करने के लिए 113 देशों के 10 हजार वैज्ञानिकों ने 4 वर्षों तक मिलकर देश काल जाति व भाषा से ऊपर उठकर काम किया। जीवन जीने व मृत्यु के रहस्यो को प्रकट करने की खोज को मूर्तरूप दिया।

मनुष्य का कल्याण प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व सद्भावना में निहित है। सभी धर्मों का सार भी यही है कि यदि तू अपना हित चाहता है तो सामने वाले के हित की सोच। यदि कोई धर्म आग्रह पूर्वक यह कहे कि मेरी शरण में आने से ही कल्याण होगा तो यह एक प्रकार का दुराग्रह है। हम तो उस देश के वासी है जहां अनेक संतो व महात्माओं ने जन्म लिया। स्वामी विवेकानन्द ने अपने देश की सीमाओं के पार 11 सितम्बर 1899 शिकागो धर्म सम्मेलन में जब कहा अमेरिकावासी बहिनों एवं भाईयों तब सारे विश्व ने आश्चर्य चकित होकर करतल ध्वनी से इसका स्वागत किया। उन्होंने इस बात की गहराई को समझा। स्वामीजी का संदेश था हम सब एक ही धरती के भाई व बहिन हैं।

विश्व बिरादरी में जहाँ 1950 में 60+ की संख्या 20 करोड़ थी आज वो ऑकड़ा 1 अरब के आस–पास हैं। हम में से अधिकांश लोग अपने जीवन के समस्त कार्यो से निवृत हो चुके हैं, अतः हमें अपने संगठन के माध्यम से एक सुदृढ़ व सुन्दर विश्व बनाने की और अग्रसर होना है। हमारे पास अनन्त शक्ति हैं, हममें प्रतिभा है, अनुभव है, अतः हमारा सामुहिक प्रयास यह रहना चाहिए कि यह विश्व एक परिवार बने, सीमाओं के झगड़ों से ऊपर उठ कर हम देश, काल, जाति, वर्ग के भेदभाव को मिटा कर सुन्दर, सुखद व समृद्ध संसार के सपने को पूरा करने में अपनी श्रम व शक्ति लगावें।

हम अपने संगठन कें माध्यम से ऐसा वातावरण बनावें जिसमें सभी यह अनुभव करें कि इस पृथ्वी पर रहने वाले समस्त प्राणी हमारे अपने है, धरती माँ हमको जो निरन्तर दे रहीं हैं, हम इन संसाधनो का समान रूप से वितरण करें और अपनी आवश्यकताओं से अधिक उपयोग न करने का संकल्प लें। हम पूर्णता को अनुभव करें तो निश्चय ही हमारी अपेक्षाओं में कमी आयेगी।

वरिष्ठ बन्धुओं से मिलना अपनी जानकारी बांट अपने आप को हल्का महसूस करना। जीने की ख्वाहिश के साथ कर्त्तव्य बोध भी होना चाहिये। मैं अपने देश भारत के वरिष्ठजनों की पीड़ा को अभिव्यक्त करना चाहता हूँ। हैल्पेज इंडिया ने भारत की राजधानी सहित 20 शहरों का सर्वे कराया। सर्वे में 63 फीसदी लोगो को यह माना कि 60 फीसदी बेटे व 24 फीसदी बहुए वरिष्ठो को कर्तव्याबोध के अभाव में प्रताड़ित करते हैं।

विश्व में हर स्थान पर बसे वरिष्ठजनों का भी दायित्व है कि वे अपने अपने स्तर पर आवश्यक संसाधन जुटाकर तथा उनको अपने परिवार के एक अंग के रूप में स्वीकार कर उनके लिए सम्मानजनक आवास, भोजन, वस्त्र, मेडिकल, मनोंरजन के साधन आदि की समुचित व्यवस्था करने का सार्थक प्रयत्न आवश्यक रूप से करें। इसके लिए वृहद् समाज की सहायता प्राप्त की जा सकती है। अच्छे व श्रेष्ठ सेवा कार्य हेतु अनेक लोग तत्पर हैं, आवश्यकता इस बात की है कि हमारे संगठन सुपात्र बने, यही वरिष्ठजनों के संगठन की सार्थकता हैं। ❑❑❑

सौतेली माँ

– श्रीमती पुष्पा कच्छावा



''माँ बच्चों की प्रथम पाठशाला हैं।'' उपर्युक्त कथन माँ के लिए प्रयुक्त हुआ हैं। माँ की ममता अथाह होती है, जिसका अन्दाजा हम नहीं लगा सकते हैं। माँ को इस संसार में सर्वोपरि माना गया हैं। माँ– दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी तीनों देवियों का प्रतीक हैं। इस संसार के समय चक्र में तीनों देवियों ने साधारण माँ का रूप लेकर पृथ्वी पर अवतरित हुई। एक माँ में इतना अधिक ममत्व होता है, कि वह अपने बच्चों को इस ममत्व से ही संसार, देश समाज, परिवार को संस्कारवान, सृजनकर्ता बना सकती हैं। माँ तो ममता की मूरत होती हैं। जिस तरह से हम देवी – देवताओं को पूजते हैं, उसी भांति हमें माँ की पूजा करनी चाहिए क्योंकि माँ अपने बच्चे को कभी दुःखी नहीं देख सकती है, उसे सुख देने के लिए वह हर संभव प्रयास करती हैं। जो माँ बचपन में अपने बच्चे के गीले बिस्तर पर भी साथ में सो जाती है, घृणा नहीं करती हैं। वह माँ तो सम्मानीय है, यदि माँ का कोई भी बच्चा बड़े होने पर उसका अनादर करता हैं, वह बच्चा कभी उन्नति नहीं कर सकता हैं।

परिस्थिति वश सौतेली शब्द माँ के साथ समाज की बोलचाल में कैसे जुड़ा हैं? क्यों जुड़ा ? जबकि माँ की तरह लालन–पालन संस्कार देना योग्य बनाना, उसके उज्जवल भविष्य के लिए प्रयास करते रहना व आशीर्वाद देना अपना उत्तरदायित्व का निर्वाह करना सभी एक जैसा ही है।

माँ चाहे सौतेली ही कहलाए पर माँ तो माँ ही होती हैं, जहाँ डॉक्टर की दवाईयाँ असफल हो जाती है, वहाँ माँ की दुआ सफल हो जाती हैं।

दुःख जब होता है, अपना उत्तरदायित्व सफलता पूर्वक पूर्ण करने पर भी माता पिता को पूर्ण आदर सम्मान नहीं मिलता हैं। माँ के प्रति वही कलुषित संकीर्ण अवांछित सोच कि 'पाला पोसा तो क्या ? है तो सौतेली । यह भी नहीं सोचते कि इनकी संभाल से बड़े हुए पढ़े लिखे नौकरी लगी। शादी हुई, ईश्वर की कृपा से बच्चे हैं, अपनी घर–गृहस्थी हैं। पिता व 'सौतली माँ' ने 40–50 लाख रू का मकान भी नाम कर दिया है, सम्पति का मालिक बना दिया है। एक निजी मकान में पृथक रह भी रहे है, पूर्ण स्वतन्त्रता हैं।

मुझे खुशी है कि इन बच्चों को केवल जन्म ही तो नहीं दिया सारा उत्तरदायित्व निभाकर पूरा किया है। आज उसकी माँ की आत्मा का आशीर्वाद मेरे साथ है। जिन पुत्र पुत्रियों को मैंने जन्म देकर परवरिश की, वे उसी सुकृत्य का फल है कि सभी योग्यताएँ प्राप्त कर राजकीय सेवा में हैं, अपनी गृहस्थी को संभाल रहे हैं। उनके पुत्र पुत्रियाँ हमें मिलते है तो दादा, दादी पुकारते हुए सम्मान भी देते हैं, जबकि उनके माँ बाप हमे पसन्द नहीं करते है। मेरी स्वयं की दास्तां है कि शादी से पूर्व पति के दो छोटे छांटे बच्चे एक लडका उनके 1 बहिन 2 वर्ष की, काल के क्रूर हाथों ने इन दोनों मासूमों की माँ को छीन लिया। शादी से पूर्व मुझे मालूम था कि इन नन्हे मुन्नों की देख–भाल, सार संभाल अच्छी शिक्षा देते हुए इनका लालन पालन कर माँ का धर्म निभाना है। वही शक्ति परमात्मा ने मुझे प्रदान की। मेरे बच्चों में व उन बच्चों में कभी अन्तर नहीं समझा।

परमात्मा सद्बुद्धि दे, प्रसन्न रखे यही हमारी प्रार्थना है। परमात्मा ने तो हमें जो कर्तव्य करने को दिया, उसे पूर्ण करने में हमें आनन्द मिला। यहीं हमारे लिए प्रभु का प्रसाद है।

ईश्वर के दरबार में कोई दोषी नहीं हैं।

❑❑❑

रामायण के सद्वचन

– जी.एल. सारड़ा, उदयपुर

श्री राम ने अपने चरित्र से व्यक्तिगत धर्म, पारिवारिक धर्म, सामाजिक धर्म, देश एवं राष्ट्र धर्म का उपदेश दिया हैं।

व्यक्तिगत धर्म :– मनुष्य प्रातः और सन्ध्या काल में नियम से ईश्वर का पूजन करें।

प्रातः काल :– सकल सौच करि जाई नहाए।।
नित्य निबाही गुरु हिसिखाए।

सायंकाल :– विगत दिवस गुरू आयुस पाई।
संध्या करन चले दोउ भाई।।

सदाचार :– सदाचार धर्म का प्रमुख अंग है। पुष्प वाटिका में सीताजी के सौदंर्य को देख अपने छोटे भाई लक्ष्मण से अपने हृदय भावों को इस प्रकार व्यक्त किया हैं।

रधुवन्सिन्ह कर सहज सुभाउ।
मन कुपन्थ पगु धरहिन काउ।।
मोहि अतिसह प्रीति मन केरी।
जैहि सपने हुं परनारि न हेरी ।।

पारिवारिक धर्म :–

प्रातः काल उठि के रघुनाथा।
मात पितु गुरू नावाहिं माथा।
आयुस मांगी करहिं पुर काजा।
देखि चरित हरषहिंमन राजा।।
रामहिं बन्धु सोच दिन राती,
अण्डन्हि कम हृदय जेहि भांति ।
सीय लखन जेहि बिधि सुख लहीं ।
सोई रघुनाथ करहिं सोह कहही।

प्रभु सार संभाल इस प्रकार करते है जैसे आंखों की पलके करती हैं।

जोग वहीं प्रभु सिंय लखनहीं कैसे ।
पलक विलोचन सोलभ जैसे।।

सामाजिक धर्म :– जो व्यवहार स्वयं को अच्छा नहीं लगे वह दूसरों के साथ भी नहीं करना चाहिये

जेहि विधि सुखी होहिं पुर लोगा ।
करहीं कृपानिधि सोह संजोगा ।।
धन्य जनम जगती तल तासू ।
पितहिं प्रमोद चरित प्रति जीसू ।
जन्म मातु पितु तोषन हारा ।
दुर्लभ जननि सकल संसारा ।।
निसिचर हीन करउ महि भुज उठाई प्रण कीन्ह।
सकल मुनिन्ह के आश्रमनि जाइ जाइ सुख दीन्ह।।
प्रेमातुर सब लोग निहारी।
कौतुक हिन्ह कृपालु खरारी।
अमित रूप प्रगटे तेहिकाला।
जथा जोगु मिले सकिन्ह कृपाला।।
कृपा दृष्टि रधुवीर विलोकी।
किये सकल नर नारी बिसोकी।
एहि विधि सबहि सुखी करिराया।
आगे चले सीन गुर धाया।।
जेहि जोहि करम बस भ्रमहीं।
तहं तहं इस देहु यह हमहीं।
सेवक हम स्वामी सिय नाहू।।
होइ नात एहि और निबाहू।।

देश तथा राष्ट्र प्रेम :–

जधपि सब बैकुण्ठ बरवाना।
वेद पुरान विदित जगजाना।
अवधपुरी सम प्रिय नहीं सोउ।।
यह प्रसंग जाने कोउ कोउ।।
जन्म भूमि मम पुरी सुहावनी।
उतर दिसि वह सरजू पावनी।।
जा मन्जन ते किनहीं प्रयासा।
मन समीप नर पावहिं वासा।।
चढि रथ सीय सहित दोउ भाई।
चले हृदय अवध हि सिर नाई ।

यह जन्म भूमि से अनुराग दर्शाता हैं।

इसी प्रकार वन से लौटकर भी दूर से अयोध्या का दर्शन करके पुलकित हो गये

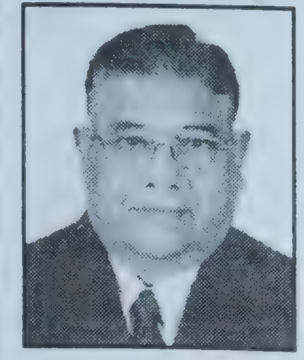
सीता सहित अवध कहॅ कीन्ह कृपालु प्रणाम ।
सजल नयन तन पुलकित पुनि पुनि हरषित राम।।

श्री राम ने वानरों से मित्रता कर राक्षसो का उन्मूलन करके राष्ट्र को निष्कलंक किया पर इतने बड़ें कार्य में अयोध्या कोष का न तो एक पैसा लगा न एक सैनिक ।।

यह है राष्ट्र धर्म का निर्वाह। ऐसे प्रभु श्री राम के चरणों में सादर वन्दन। ❑❑❑

संजीवनी वटी गेहूं

– कल्याणमल विजयवर्गीय, कांकरोली (राजसमन्द)



विश्व के अधिकांश लोग गेहू का उपयोग खाने के रूप में करते हैं। हमारे देश में तो प्रायः सभी लोग किसी न किसी तरह से खाने के रूप में इसका उपयोग करते ही है। क्योंकि लोग यह जानते है कि यह शक्तिदायक खाद्य पदार्थ है। किन्तु स्वाद के पीछे लोग असली तत्वों को निकालकर गेहूं की गिरी का आटा व मैदा की वस्तुएं बना कर खाने के काम में लेते है। जबकि असली तत्व गेहूं की गिरी के ऊंपर छिलका होता हैं। हम लोग गेहूं का आटा पिसवाकर उसे छलनी से छान कर चौकर को अलग कर देते हैं। व इस चोकर को या तो जानवरों को खिला देते है या फेंक देते है। जो गेहूं में मुख्य शक्तिवर्धक पदार्थ है। छना हुआ आटा व मैदा स्वास्थय के लिए हानिकारक तो है ही किन्तु जीवन के लिए शक्तिवर्धक भी नहीं रह पाता हैं। प्राकृतिक चिकित्सा ने चोकर सहित आटा ही उपयोग में लेने पर जोर दिया है। चोकर रहित आटे से मनुष्य के शरीर में विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ हो जाती है अतः हर व्यक्ति को मैदा व महिन आटे को छोड कर चोकर सहित आटे का ही उपयोग करना चाहिए।

गेहूं के दाने भी संजीवनी का काम करतें हैं। व इसके उपयोग से आम वृद्धावस्था की बढ़ती गति को रोक सकते है। हमारे पुराने ऋषि मुनियों ने जो फार्मुलें बतायें है यदि हम भी उन फार्मुलों को अपनावें तो निश्चित रूप से बुढ़ापा शीघ्र हम पर हावी नहीं हो पायेगा व लम्बी आयु प्राप्त करेंगें।

१. गेहूं के दाने ४० ग्राम व मेथी के दाने १० ग्राम लेकर दानों को पांच सात बार पानी से धोले ताकि इस पर कोई कीटनाशक दवाइयों का प्रभाव हो तो समाप्त हो जावे। धोने के बाद गिलास पानी में डालकर चौबीस घंटे तक भिगा हुवा रहनें दें। चौबीस घंटे बाद पानी से निकाल कर गीले मोटे कपडे में रख कर बान्ध दें। व चौबीस घंटे उसे हवा में लटका दें। गिलास का पानी फेंके नहीं इस पानी में आधा निम्बू का रस निचोड़ कर दो चम्मच शहर व दो ग्राम सौंठ का चूर्ण डालकर सुबह खाली पेट पी लें। यह पेय बहुत ही शक्तिवर्धक पाचक व स्फूर्तिदायक होगा। ऋषिमुनियों ने इस का नाम संजीवनी पेय रखा था। लटकाये हुए गेहूं व मेथी के दाने चौबीस घंटे बाद अंकुरित हो चुके होंगे उन्हे खोलकर एक प्लेट में ले लेवें व उस पर काली मिर्च व सेंदा नमक डालकर खावें, बहुत ही स्वादिष्ठ लगेगा। व स्थास्थ्य की दृष्टि से बहुत ही अच्छा रहेगा। शक्तिवर्धक, पाचक व स्फूर्तिदायक तो होगा ही साथ ही एनजाइम्स लाइसिन, आइसोल्यूसिन मेथोनाइन आदि पौष्टिक तत्व भी प्राप्त होते है। जो गजब की शक्ति प्रदान करते हैं।

२. गेंहू को चौबीस घंटे भिगो कर सुबह के समय चबाचबा कर नाश्ता किया जाये तो शरीर के लिये बहुत ही शक्तिवर्धक होगा। नाश्ते के समय चोकर सहित आटे का हलवा खाने से भी बहुत लाभ मिलता है।

३. गेंहू के पौधों का रस पीने से भी स्वास्थ्य के लिये बहुत अच्छा रहता है। घर में यदि बगीची है तो सात क्यांरियां बना ले यदि घर में बगीची नहीं है तो सात गमले लावें व उनमें मिट्टी भरने के बाद एक दिन में एक गमले में गेहूं के दाने डालकर पानी पिलाते रहे फिर दूसरे दिन दूसरे गमले में व तीसरे दिन तीसरे गमले में इस तरह सात ही दिन में सात ही गमलों में गेहूं बो देवे फिर पहले दिन जो गेंहू बोये गये उसके पौधे सात आठ इंच हो जावेंगे आप उनको काट लेवें व उस गमले में फिर नये गेहूं बो देवें। व काटे गये पौधों का मिक्सी में या बांट कर ज्यूस बना लेवे व सुबह सुबह खाली पेट पीवे। यह क्रम हर रोज करें। एक सप्ताह बाद ही अपने आप में ही चमत्कारी परिवर्तन महसूस होगा। गेहूं के ज्यूस के पीने से बुढापा दूर भागता है यह बुढापे के लिए रामबाण दवा

है। उसके पीने से अनेकानेक रोग दूर हो जाते है। केन्सर मधुमेह, गठियाबाय, बवासीर, दमा, रक्तचाप आदि असाध्य रोग में गेहूं के ज्वारे का ज्यूस चमत्कारी दवा सिद्ध हुई है। गेहू के ज्यूस को तीन चार घंटे में निकालने के बाद उपयोग कर लेना चाहिये अन्यथा उसका प्रभाव खत्म हो जायेगा।

४. घाव पर गेहूं के पौधे की लुगदी बाधने से घाव शीघ्र अच्छा हो जाता है। इस तरह हम देखते है कि गेहूं व उसका पौधा हमारे जीवन में बहुत ही उपयोगी है व शक्तिवर्धक व स्फूर्तिदायक है गेहूं के पौधे का व गेहूं के चोकर का जितना शरीर के लिए उपयोग लेवे उतना ही लाभदायक है।

वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान की राजसमंद जिला ईकाई का प्रगति विवरण

राजसमंद जिले का नाम अप्रेल १९९१ में हुआ था। प्रदेशाध्यक्ष माननीय श्री कौशल किशोर जैन को राजसमंद में वरिष्ठ नागरिक संस्थान की ईकाई गठित करने बाबत निर्देश प्राप्त हुआ। दिनांक १८–०७–०७ प० प्राप्त होने पर वरिष्ठ नागरिकों से संपर्क किया व ६५ सदस्य बनाये। दो अक्टूबर २००७ को संगठन की विधिवत बैठक आयोजित कर अध्यक्ष का चुनाव कराया। सर्व सम्मति से कल्याणमल विजयवर्गीय को पांच वर्ष के लिए अध्यक्ष चुना गया है तथा वरिष्ठ नागरिक संस्थान की नयी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्रथम बैठक से ही जिला कलक्टर व अन्य अधिकारियों से संपर्क कर निराकरण कराने का प्रयत्न किया।

वृद्धावस्था पेंशन, बसों में यात्रा हेतु रोडवेज डिपो से परिचय पत्र बनवाकर बुजुर्ग बिमारों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने, जैसे कार्य हाथ में लिये। इसमें सदस्यों ने पूर्ण रूचि लेकर किया। जिला प्रशासन समाज कल्याण विभाग व वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजसंमद के संयुक्त तत्वाधान में पिछले तीन वर्ष से १ अक्टूबर को वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है।

२५ जुलाई २०१२ को संस्थान ने पुनः चुनाव पांच वर्ष के लिये सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना। वरिष्ठ नागरिक संस्थान मे जिला मुख्यालय पर ११३ पुरूष व महिला सदस्य है। व सातों तहसिलों मे उपशाखाओं का गठन किया हुआ है।

वर्तमान में निम्न योजनाओं पर कार्य कर रही है।

१. निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हर तीन माह मे ऐसे गांवो जहां अस्पताल नहीं है। एक दिन का होता है। डॉ. विजय खिलनानी डॉ. पुष्पा खिलनानी डॉ. जी.एल. हिंगड (नैत्र विशेषज्ञ) सेवायें देते है। संस्थान जन सहयोग की राशि से दवाइया उपलब्ध कराता है।

२. प्याऊ बिठाना – वरिष्ठ नागरिकों के आर्थिक सहयोग से गर्मी के दिनों में १ मई से १५ जुलाई तक तीन चार स्थानों प्याऊ बिठाई जाती हैं। जहां राहगिरों को सहज पानी उपलब्ध नहीं होता हैं।

३. कवि सम्मेलन वरिष्ठ नागरिक दिवस की पूर्व सन्ध्या पर कवि सम्मेलन आयोजित किया जाता हैं।

४. वृद्धावस्था पेंशन : शिविर आयोजित कर वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन पंत्र भरवा कर पेंशन स्वीकृत कराना।

भावी योजनाएं

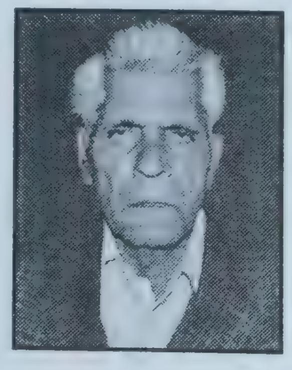
१. संगठन में वर्ष 13 में २०० नये सदस्यों को जोड़ना।

२. संगठन का निजी भवन नहीं हैं। जिला कलक्टर के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा निशुल्क भुखण्ड आंवटित करवा कर संगठन का भवन बनवाना।

३. वृक्षारोपण बाल विवाह को रूकवाना राज्य सरकार द्वारा आम जन के कल्याणार्य योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी बढ़ा समाज सेवा करना।

४. जिला मुख्यालय पर जन सहयोग से पुस्तकालय व वाचनालय प्रारम्भ करना।

1 अक्टुबर को वरिष्ठ नागरिकों का अधिवेशन आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डा. प्रितम बी यशवन्त थे व अध्यक्ष जिला प्रमुख किशन लाल गमेति थे। इस अवसर पर 25 वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया। ❑❑❑



मानव व्यवहार विज्ञान

– ओमप्रकाश कच्छावा

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। धर्मग्रन्थों के अनुसार जीव को कई योनियों में भटकने के बाद यह दुर्लभ, श्रेष्ठ मनुष्य योनि मिली है । निः संदेह यह कर्मयोनि है परन्तु भोग योनि भी है, पिछले जन्म जन्मान्तरों के कर्मफल भोगने शेष रह गए हो तो उन्हें भोगना पडता है। पुण्य क्षीण नहीं होना चाहिए, पुण्य ही हमारी रक्षा करते है । उदाहरण स्वरूप भीष्म पितामह को महाभारत के युद्ध में 6 माह तक शर–शैय्या पर घायलावस्था में लेटा रहना पडा था । उन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था, पापकर्म से हमेशा बच कर रहें, पिछले १०० जन्मों का वृतान्त उनके ध्यान में था। भगवान श्री कृष्ण ने उनकी शंका का निवारण किया।

हे वीर। धर्मात्मा भीष्म पितामह सौ जन्मों के पहले १०१ वें जन्म में आप राजकुमार थे, घुडसवारी के समय मार्ग के बीच में एक अजगर साँप लेटा हुआ था, उसे घोडे पर बैठे–बैठे ही अपने हाथ में लिए हुए भाले की सहायता से पास की झाडियों में जोर से फेंक दिया था। वह थूहर की घनी झाडियों पर गिरा, थूहर के कांटे उसके शरीर में फंस गए जिन्हें वह छुडा नहीं सका। ६ माह तक वहीं भूखा, प्यासा फँसा रहा जब तक प्राण पखेरू नहीं उड़ गए।

आपके धर्मात्मा होने के कारण उस पाप का फल अभी तक नहीं भुगतना पडा, वह खाते में जमा रहा, लेकिन द्रोपदी का चीर हरण भरी सभा में होता रहा, उसके बाल, चीर खींचे जा रहे थे । आप जैसे शूरवीर का उस दुष्कृत्य को देखते रहें, शर्म से गर्दन झुका कर उसकी करूण पुकार भी नहीं सुनी, वही पाप–बंधन कारण बना है। १०१ वें जन्म में किए गए पाप कर्म के फल को भुगतने का मर्म अब समझें।

अतः मनुष्य योनि दुर्लभ कर्म योनि भी है । श्रेष्ठ कर्म करें, सोच की पवित्रता, वाणी की पवित्रता व कर्म की पवित्रता में जरा सी भी चूक नहीं हो । शुभ कर्म करते हुए पुण्य अर्जित करें तो देव योनि या मोक्ष प्राप्ति संभव है। आत्मा जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो सकती है।

घर परिवार समाज में रहते हुए आपसी संबंध लेनदेन, बोल–चाल आदि सभी कर्मों से ही व्यवहार बनता है। मनुष्य के व्यक्तित्व का मूल्यांकन उसके व्यवहार से ही होता है । धर्म की प्रयोगशाला है – व्यवहार। कोई व्यवहार सुख देता है, पुण्य प्रदायी होता है, तो कोई दुःखदायी व पापमय होता है । किसी भी जीव को तथा दूसरों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि पहुँचाना तथा कष्ट देना व्यवहारगत हिंसा हैं। व्यवहार शुद्धि के प्रति हमेशा जागरूक रहे, इसी से मर्यादा व अहिंसा की पालना होती है। काँच के बर्तनों की तरह मानव के साथ बहुत सावधानी पूर्वक धैर्य, पवित्रता व प्रेम से पेश आना सदव्यवहार है।

दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार करें जैसा दूसरों से स्वयं के लिए चाहते हैं। आत्मा की धीमी आवाज सुनें, उसी के संकेतों में दिए गए आज्ञानुसार, कर्म व व्यवहार करें। उसमें परमेश्वर का निवास है। वह हिंसा व पापयुक्त कर्म तथा व्यवहार कीआज्ञा नहीं देता है। कषायों के वशीभूत हो उसकी आवाज व संकेतो को अनदेखा नहीं करें।

सद्व्यवहार में परोपकार की भावना निहित होती है।

सद्व्यवहार व व्यवहार की शुद्धि के लिए :–

१. निरामिष भोजन २. जागरूकता

३. बुद्धि व विवेक को हमेशा बनाए रखना

४. सत्य अहिंसा अपरिग्रहण आदि वृतों का कठोर पालन

५. आपसी विचार विर्मश को तरजीह देना

६. माता–पिता, गुरूजन व बुजुर्गों का आर्शीवाद, उनकी सेवा, आज्ञापालन करते हुए प्राप्त करना, इसके साथ ही सबसे अधिक आवश्यक है ईश्वर वंदना, प्रतिदिन परम पिता परमात्मा से प्रार्थनाकरें । ईश वंदना ही सत्य सदमार्ग से विचलित नहीं होने की शक्ति प्रदान करती है। हर समय ईश्वर की मौजुदगी का एहसास रखें, वहीं हमारे संकल्प पूरे करने की शक्ति का प्रदाता

है। संकल्प लेवे की – शुभ सोचूँगा शुभ बोलूँगा व शुभ कर्म ही करूंगा। इस संकल्प से व्यवहार शुद्धि की साधना भी सफल होगी।

प्रार्थना – हें सर्वशक्तिमान। मैं आपको शत्–शत् वंदन करता हूँ कि आपको धोक देता हूँ। मैं हमेशा आपकी छाया में रहना चाहता हूँ। मेरे तन मन मस्तिष्क भावना विचार व्यवहार वाणी को पूर्ण पवित्र बनावें, मुझ पर आपका पूर्ण नियंत्रण रहे। मेरे हर कार्य व्यवहार में प्रेम शुद्धता व मानवीय गरिमा हो, हर पल, हर क्षण, हर श्वास में आपकी विद्यमानता रहें, ताकि ईमानदारी सच्चाई व परिश्रम से कर्तव्य पालन की क्षमता बनी रहें। ❑❑❑

जीवन और धर्म

– डॉ. माया बंसल, से.नि. कॉलेज प्राचार्य, भीलवाड़ा

धर्म एवं हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षितः

धर्म शब्द अत्यंत गूढ एवं व्यापक है। धृ धातु में मन् प्रत्यय लगाने से धर्म बना है जिसका अर्थ है धारण करना मनुस्मृति में धर्म की व्याख्या है – यतोअभयुदयनिः श्रेयससिद्धिः सः धर्मः अर्थात जिससे लौकिक उन्नति और पारलौकिक उत्त्थान हो, जिसके आचरण से उत्तम सुख आत्मिक मानसिक व शारीरिक त्रिविध उन्नति हो, वही धर्म हैं।

धारणात धर्म इत्याहुः अर्थात धारण किये जाने वाला सदाचरण श्रेष्ठ विधान या समाज व्यवस्था ही धर्म है। सार्वभौम है, प्रत्येक रूप में कल्याणकारी है। धर्म मानव पर समदृष्टि रख समाज को सुरक्षित रखता है। महर्षि वाल्मीकि ने कहा है – धर्मों ही परमो लोके, धर्म सत्यं प्रतिष्ठितम्। धर्मात् अर्थ प्रभवति धर्मात् प्रवर्तते सुखम। – अर्थात संसार में धर्म हो सर्वश्रेष्ठ है, धर्म में ही सत्य की प्रतिष्ठा है, धर्म से ही धन, सुख तथा सब कुछ मिलता है। महर्षि वेदव्यास ने महाभारत में कहा है – धर्म सतां हितः पुसाम् धर्मश्चैवाश्रमः सताम्। – अर्थात धर्म ही सत्यपुरूषों का हित और आश्रय है। सभी प्राणियों की प्रवृतियां धर्म से ही संचालित है। जो मानव स्वकर्तव्य का निर्वाह करते हैं, वे धर्मात्मा है।शरीरमाधं खलु धर्मसाधनम् धर्मार्थकाममोक्षाणाम् आरोग्यम् मूलयुत्तमम् अर्थात् मानव का प्रथम धर्म है – शरीर को स्वस्थ रखना। भगवान् श्री कृष्ण ने अपने भक्त उद्धव को गृहस्थ जीवन में पालन करने हेतु जो उपदेश दिये, उनका सार भी स्वहित,परहित, सत्य आचरण, मोहममता, आसक्ति से रहित रहकर सद्व्यवहार में ही निहित था। गीता के १८ वें अध्याय में भगवान् श्रीकृष्ण ने मानव को अपना स्वाभाविक कर्म करते हुए परम गति प्राप्त करने की अद्भूत शिक्षा दी है। स्वे–स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः वस्तुतः मानव का मानवता के प्रति कर्तव्य ही धर्म है,यही मानव का गुण हैं मनुष्य यदि मानवता छोड दे तो धर्मविहीन मनुष्य पशु बन जाता है। ऋग्वेद सूक्त 10/53/6 में उपदेश देते हुए कहा है– मनुर्भव– अर्थात मानव मन्नशील व विवेकी बने।

हमारे पूर्वज , ऋषि – मुनि प्रकृति व सृष्टि के बडे तत्वज्ञानी, महान योगी व समाजशात्री थे, जिन्होंने तपोबल, आत्मज्ञान, अनुभव और अपने ऊपर निरीक्षण, परीक्षण कर मानव कल्याण हेतु धार्मिक नियमोंसंसार में ब्रह्म ही सत्य है, वही जीवन का आधार है । अतः जीवन और आत्मा को जानना ही ब्रह्म को जानना है, तथा वही धर्म और व्यक्ति का कर्म है।

हम सभी वरिष्ठ नागरिकों का दायित्व है कि परिवार, समाज में धर्म के सच्चे स्वरूप को व्यवस्थित कर धर्मधुरा को फहरायें, ताकि व्यक्ति सुसंस्कारित, सुशिक्षित बन सके। व्यक्ति में अन्याय, अत्याचार, व्यभिचार विलोपित हो तथा उन्नति के सोपान पर आरोहित हो सके । अन्त में कथ्य है –

धर्म वह है जो अंतर चेतना को जगा दे,
धर्म वह है जो बिछुडे को भी गले मिला दे ।
धर्म की सीधी सी पहचान यह है कि वह
शैतान को इन्सान और इन्सान को भगवान् बना दे।

❑❑❑



भाग्य से ज्यादा कर्म पर भरोसा

– शंकर आसकंदानी, महासचिव, वरिष्ठ कल्याण समिति, कोटा

मेरा भाग्य से ज्यादा कर्म पर भरोसा है, कर्म ही धर्म है ।

मैने बेटे के रूप मे जन्म लिया, मुझे माता–पिता ने जीने का खुला आसमान दिया।

भाग्य यह है, कि मुझे कर्म करने के सदा मौके मिले।

भाग्य वह है, जो मुझे चुनौतिया स्वीकार करने का सम्बल देता है।

भाग्य कर्म करने की चुनोति स्वीकार करने से बनता है।

यह नहीं भूले की मानव की सोच माता–पिता की गोद से ही बनता है । मूल बाते विचारों की सोच को बदलने की बजाय बुनियाद पर ध्यान देने की है । मस्तिक की सफाई करें । उस पर निहित बुराई को बाहर निकालें तो किसी प्रकार की समस्या नहीं रहेगी।

यदि बदलाव चाहते है तो इसके लिए खुद को प्रयास करने होंगें । समाज बकायदा उसकी मांग करेगा तो अवश्य परिवर्तन होगा ही । व्यवस्था की बुराई करें तो पहले अपनी गिरेबान मे झांककर देख लें । कहीं बुराई का निर्णय खुद हम ने ही तो नहीं किया है । निरंतर निर्णय करते रहेगें – करते रहेंगे, तो इच्छा के अनुकूल कभी न कभी सफलता मिलेगी। समाज या आम नागरिक यदि जागे तभी समाज में बदलाव आयेगा। कोई काम करें तो यह चिंता नहीं करें कि उसका परिणाम क्या होगा। चिंता नहीं कर्म करें। कर्म ही यदि लक्ष्य है तो फिर आप को कभी चिंता करनी ही पडेगी । जीवन आशा है– भरोसा है। अच्छा समाज यदि आप चाहते है तो अच्छे परिवार व कार्यों की जिम्मेदारी भी लें । परिवर्तन अपने आप नजर आने लगेंगा ।

बढने के लिए आगे बढे.....

निस्वार्थ कर्म मेरा धर्म है,
समाज सेवा मेरे रक्त में है।
पिता मेरे आर्दश है, मां मेरा आत्मा विश्वास है ।
परिवार मेरी पूंजी है, देश प्रेम मेरी प्राथमिकता है।
बदलाव मेरा दायित्व है, विश्वास मेरा आत्मबल है।
नैत्र दान – रक्तदान – देहदान सामाजिक दायित्व है,
कतरे – कतरे से मिले जीवन दान।

❑❑❑

''राष्ट्रीय अधिवेशन में सहभागी बनें''

– राधेश्याम शास्त्री, अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक संस्थान, बारां

अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक संस्थान के माध्यम से आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन केरल प्रान्त की राजधानी तिरूअनन्तपुरम् (त्रिवेन्द्रम) में दिनांक २ व ३ नवम्बर 2012 को वरिष्ठ नागरिक संस्थान बारां के 8 सदस्सीय दल ने भाग लिया इस दल में 5 पुरूष 3 महिलायें संस्थान के अध्यक्ष राधेश्याम शास्त्री के मार्गदर्शन में दिनांक 24 अक्टूबर 12 से 7 नवम्बर 12 तक दक्षिण भारत के तीर्थ स्थान मल्लिकार्जन (श्री शैलम्) तिरूमाला–तिरूपति बालाजी, मदुरई, रामेश्वरम् कन्याकुमारी के भ्रमण पर रहे।

अधिवेशन में भारतीय विविधतां में एकत्व के दर्शन एवं वरिष्ठ नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं और उनके निदान, समाधान पर सार्थक विचार तथा पहल करने का अवसर मिला।

इस हेतु अधिवेशन के समस्त कार्यकर्त्ता बधाई के पात्र हैं।

शुभकामनाओं सहित।

❑❑❑

Do You Know ?

- J. L. Bhati



1. 22 states and all the Union Territories have brought the maintenance and welfare of parents and Senior Citizens Act 2007 into force which includes Rajasthan.

2. All India Senior Citizens Confederation headquartered at Mumbai popularly known as (AISCCON) was established in 2001. It has grown to be a national organization to bring together and represent senior citizens all over India. Today, AISCCON has federations/ Associations affiliated to it from more than 25 states/UTs. It is also currently the single largest federated body representing nearly 7.5 lakhs senior citizens. It is an independent, non political, non religious body with the welfare of senior citizens as its goal.

3. The fact that all pensioners are senior citizens first and then only pensioners and as such all India senior citizens confederation (AISCCON) and Bharat Pensioners Samaj popularly know as B.P.S., headquartered in Delhi have signed a Memorandum of Understanding because both the parties have many objectives in common the chief amongst them is the welfare of senior citizens at the core level, coming together of these two institutions will be of mutual benefit as many objectives are held in common. While AISCCON can enjoy the backing of 3.75 lakhs of B.P.S members, BPS can enjoy the support of 7.5 lakhs AISCCON members.

4. Bharat Pensioners Samaj (BPS), in co-ordination with AISCCON (All India Sr. Citizens Confederation), has been strugging for inclusion of pensioners, representatives in all Committees/Forums & councils wherein Issues/Policies relating to Sr. Citizens & Pensioners are discussed, formulated & decided. The Hon'ble prime minister of India has on Feb. 1.2012 has accorded his approval to the constitution of National Sr. Citizens Council which will include five representatives of pensioners Accociation. The Council would advise the Central and State Governments on issues related to welfare of senior citizens and enhancement of their qualify of life with special reference to policies, programmes and legislative measures. It will also advise on promotion of physical and financial security, health and independent and productive living, and awareness generation and community mobilization. The Council would be charied by the Minister of Social Justice and Empowerment. Other members of the Council include the Minister of State Social Justice and Empowerment, the oldest Member of the Lok Sabha and the Rajya Sabha, representatives of five state government [one each from the North, West and North Eastern Regions] and one Union Territory by rotation, five representatives each from Senior Citizens' Associations, pensioners' Association, NGOs working for senior citizens and experts, and five senior citizens who have distinguished themselves in various fields.

5. A large number of country's population is over 60 yrs of age, with the biggest increase in the 80 plus category. But despite this, the needs and problems of senior citizens are still to be addressed. For this purpose, the four member committee appointed by ministry of S.J. & Empowerment to review the national policy for older persons (1999) is extensively analyzing the needs of senior citizens, especially in their 80s. The committee chaired by Mohini Giri, comprises M. N. Saberwal, Chairperson Helpage India; Sheilu Shriniwasan, Founder chairperson of dignity foundation and K Gangadharan from Heritage Hospital Hyderabad. The panel will review the policy and submit its recommendation to the Govt.

❑❑❑

Life - Always Be Happy

- Navratan Chowdhary



We all belong to an elite group of people who have lived a full life. A full life means we have experienced varied emotions of ecstasy, love, anger, apathy, jealousy, joy, vengeance, deceit and so on while living life or the days, months, years we have crossed since birth. We have seen the world change, the progress of science, the growth of our children and our grand children. I feel we should be thankful to God, our parents and mother Earth. We must have made mistakes because experience is a hard teacher it gives the test first and lessons afterwards. So we have now matured to become senior citizens.

An senior citizens we look back to our past because life can only be understood backwards but it should not haunt us. Life must be timed forward that is the only wisdom by which you organize your life. When we were children we aspired for good learning, attained degrees, found jobs, married, raised families, married our children, retired and now there is a vacuum. What are we living for a question each of us should give a serious thought. Let us analyze our lives of today. I find some of us either basking with contention or some of us complaining about our physical weakness of old age and other body problems, its treatment or some of us make it our past time in criticizing the whole world as if you are not a part of it. Some of us start singing the glory of our past lives and blame everything on the present generation, the progress of the science and today's fast life. Then there are some of us who always who always find fault in our daugher-in-laws, about their hold on our sons, about their dress, there cooking and so on. There are also some of us who live a saintly life, go for a good walk, practice yoga and make ourselves pleasant by helping others and surrendering ourselves to God and his ways. Some of us are happy and some are not.

My intention of writing all this is to request you to see in which of the above situation we are. When we ponder and look into our lives the first thing we come across is we continue to live our lives without any aim. We are retired and we have already done everything. Now we expect the whole world to help us, to look after us, to follow our orders, to give us warmth and respect. This is where we go wrong.

Our whole lives have been spent. We worried our whole lives for something or the other. Now this must stop. Remember, today is the tomorrow you worried about yesterday. I am requesting you to please consider living life with a vision. Here are some helpful tips :

- Live life on day to day basis. Yesterday's is gone, tomorrow has not yet come. We have only today. Let us begin.
- 'Every action has an equal and opposite reaction'. This is a scientific fact that what you bow the same shall you reap. So, let us pledge that we will always do good, be it by word, by deed or by thought. You will soon start to see that everyone and everything is not bad. The world is what it was and will remain so. Make your own world and you will become happy. When we criticize or find faults we do it for others and the opposite action of it misery. I will narrate a small story - A poor woodcutter used to go to the jungle everyday to cut wood. The poor man's path ran near a Raja's palace. The king used to see the poor man going to the jungle and would pity his hard life. In the eveing the woodcutter would return with a bundle of wood on his head and the king on seeing the same poor man somehow felt disgust. The king was intelligent and he spied on the poor woodcutter. He found that the woodcutter used to cut sandalwood for use in the king's family funeral. Now the king realized that he had good thoughts in the morning because the woodcutter had no bad thoughts

about the palace and the king. But in the eveing the same person while passing near the palace used to think 'Oh, on one is dying in the king's palace and to whom shall I sell this wood I have collected !' Our body language, thoughts and attitude convey without uttering a word. Love for everyone should emanate from our person without any desire.

- Keep smiling - because a smile is a slight curve that sets everything straight.

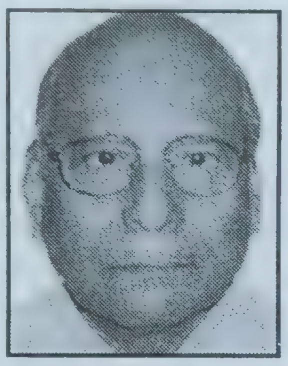
- Life has given you everything now is the time to return. Stop expecting, stop dictating the world. Your world was there when you were not there, it shall continue so. When you flow with the current life is easy and happy. Live and let others live.

- There is a famous quote from Mahatma Gandhi - 'I shall pass through this world but once. Therefore any good deed I can do let me do it now, for I shall not pass this world again'.

And remember it is not important how many years you have lived but the years in your life you have truly lived. ❑❑❑

Political Power of Senior Citizens in Indian Public Scenario

*- **Enr. Hazari Lal Gupta,** Senior Vice President-Varisth Jan Kalyan Sammitti,Kota*



We, the senior citizens in Indian republic are approximately 10% of the population that is about 12 crores. In India eligible voting age is 18 years years and above. Approximately 20 crores are below the age of 18 year. Thus eligible voters are 100 crores approximately. From our past experience it is seen that approximately 50% eligible voters go for voting in which 90% of senior citizens go for voting while 30% to 40% youth & middle aged exercise their franchise. Thus the vote bank of senior citizens is 30% to 35% of the eligible voters.

In our Indian society elders (senior citizens) still command lot of respect at home and in society. Taking in to consideration, the family members to command. In case of voting, family members do not mind obliging or obeying the wishes of their eldest of the family. So taking relatives and friends in to account each senior citizen will have 5 votes at his command. Thus voting power of senior citizen comes to 40% of eligible voters.

Senior citizens possess all the qualities needed by a politician. In our governing system at center or state level, that is in parliament and state legislative assemblies, about 60% M.P's and M.L.A's aer above 60 years of age, even in central cabinet, which control all Resources, finance and manpower, most of cabinet Minister including Prime Minister are senior citizen's. But it is matter of big concern that they have not paid much attention to the problems faced by senior citizens in India and not much has been done towards their welfare.

The change of present conditions of neglect, abuse, solitude and exposure of financial exigencies etc. as experienced by elderly community and remedies therefore are well described and explained in the document of national policy living with dignity & honour is well defined in the maintenance of parents and welfare of senior citizens act 2007. Health care, insurance to elders is yet to come. The non-compliance with the aspirations of senior citizens through the national budgets for years has become a glaring example of disappointment. To change this scenario of neglect we have to exercise our political potentiality of 40% voter power of eligible voters. This political potentiality of senior citizen has not been projected properly so far, to the political parties or to the man in power. The all India senior citizen confederation is playing vital role along with federations and associations of senior citizens all over India for publishing the solidarity and unity of all senior citizen of India. ❑❑❑

Introduction of Senior Citizens

Bhanwar Seth
Founder Udaipur

Maharana Pratap Varistha Nagrik Sasthan Udaipur Rajasthan is a Non-government non profit organization of elderly persons registered under Rajasthan Societies Registration Act 1958. It was established on 02-09-07 and registered on 18-02-08 with registration no. 187/ Udaipur / 2007-08 to work for the welfare of elderly people and their contribution to society.

The main object of the Sansthan is to improve the quality of life of the elder persons by providing basic amenities like shelter, food, medical care and entertainment opportunities and by encouraging productive and active ageing through providing support for capacity building of Government / Non- Government / local bodies and community at large.

Since the establishment of the Sansthan about 370 elderly couple has registered. It is affiliated to Indian society of U3As, All India Senior Citizens confederation (AISCCON) and Senior Citizen Association of Rajasthan, Jaipur.

During the short period of existence, the Sansthan has organized following main activities :

1. Monthly Congregation .
2. Holding discussion on speciun issues like health and disease of elderly, problem of city, celebration of foundation day, National festival like Holi, Depawali, Dasahera and senior citizens day etc.
3. Organization of talks on special issues concerning old people.
4. Yoga and meditation and other spiritual activities.
5. Organizing cultural programs and film shows and tours / picnics.
6. Undertaking community service programs like tree plantation cleanness drives etc.
7. Celebrating birthdays of senior citizens and recognizing the contribution of renowned persons.
8. Interface with renowned visitors to city and arranging interactive dialogue with them.
9. We have organized 3 foreign tour of America, Europe and Asia with Cruire. We also organized India tour of kerala with Portblair and 2nd are Mumbai Pune Mahableshwer and Goa.
10. Publishing regular quarterly News Bulletin and yearly colorful annual calendar.

Solicit Blessing

to

Donners

for Pancham Adhiveshin-16-3-2013



Sh. M. K. Sipani



Sh. P. R. Rathi

& others



वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान, जयपुर
(अ.भा.वरिष्ठ नागरिक महासंघ से सम्बद्ध)
महामंत्री की रिपोर्ट

भारतवर्ष में सामाजिक परम्परा का लाखों वर्षों का इतिहास हैं। मनुष्य जन्म से मृत्यु पर्यन्त स्वयं अकेला रह कर कुछ भी नहीं कर सकता हैं । कदम–कदम पर उसे सहयोग, सामजस्य सद्भाव की आवश्यकता होती हैं। आज जब समाज में एकल परिवार का चलन चल पड़ा है, तब से बच्चों के विकास में, महिलाओं के सम्मान में एवं वृद्धजनों की सेवा में कठिनाईयां एंव जटिलताएँ खड़ी हो रही है। लोक कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारियाँ बढ़ती जा रही है।

शिक्षा का प्रसार, सूचनाओं का आदान प्रदान एवं विश्वभर में चलने वाली हलचल का प्रभाव हमारे देश पर भी पड़ रहा हैं। विश्व में वृद्धजनों की अपनी समस्याएँ और उनका निराकरण चिन्ता का विषय बन गया हैं। इसी मन्थन से हमारे देश में भी वरिष्ठ नागरिकों को अपने संगठन बनाने की प्रेरणा मिली हैं।

महाराष्ट्र डोंबीवली, थाना तथा मुम्बई के पश्चात् यह चेतना राजस्थान में पहुँची। यद्यपि सरकारी कर्मचारियों एवं रिटायर्ड, पेन्सनर्स के अपने संगठन वर्षों से चल रहे थे परन्तु समस्त 60+ के लिए चिन्ता करने वाला कोई नहीं होने से जेष्ठ नागरिक (AISCCON) महासंघ नवीं मुम्बई से सम्बद्ध होकर वरिष्ठ नागरिक संस्थान, राजस्थान की स्थापना 29 जुलाई 2006 को जयपुर में की गई। इस बड़ी जिम्मेदारी को और चुनौती को सर्वप्रथम श्रीमान् कौशल किशोर जी जैन (पूर्व विधायक) ने स्वीकार की। उन्हें इसका अध्यक्ष मनोनीत किया गया। विशेष रूप से डॉ. एस.पी.किझवडेकर साहब महामंत्री जेष्ठ नागरिक महासंघ एवं श्री अनिल कासखेड़ीकर, संगठन सचिव इस अवसर के लिए पधारे। मंच पर राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गिरिराज किशोर जी तिवाड़ी, जयपुर के सांसद श्री गिरधारीलाल जी भार्गव एवं शिक्षाविद् श्री तेजकरण जी अण्डिया जी आदि ने विराजमान होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। इस सम्मेलन में 17 स्थानों से जयपुर सहित 200 सदस्यों ने भाग लिया। सभी जगह समान रूप से कार्यक्रम प्रारम्भ हुए। जयपुर में वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान का विधान, कार्यकारिणी एवं सदस्यता के आधार पर पंजीयन क्र. 407 जयपुर 2006–07 प्राप्त किया गया।

01 अक्टुबर को प्रायः सभी स्थानों पर विश्ववृद्ध दिवस को आयोजित कर स्थान स्थान पर अग्रणी वृद्धजनों का सार्वजनिक सम्मान किया गया। सभी सदस्यों एवं सम्बद्ध संस्थाओं को ''वरिष्ठ नागरिक'' नाम से मुख पत्र के रूप में छाप कर भेजी जाने लगी। यही पत्रिका का आगे चल कर ''वानप्रस्थी'' नाम से प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। इसकी आजीवन सदस्यता 1000/– रखी गयी है। यह पत्रिका हर सदस्य तक पहुंचे ऐसा प्रयास होते रहना चाहिए। संस्थान के महासचिव के रूप में श्रीमान् सत्यव्रत जी सामवेदी का पूरा सहयोग मिलता रहा। सभी संरक्षक मण्डल का पूरा पूरा आशीर्वाद मिलता रहा। अतः कार्य और कार्यक्षेत्र निरन्तर बढ़ता रहा।

दिनांक 27–28 अक्टुबर 2007 को राजस्थान को जयपुर नगर में सातवॉ अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक अधिवेशन की मेजवानी करने का अवसर प्राप्त हुआ। देश भर के 700 प्रतिनिधियें ने भाग लिया। राजस्थान की परम्परा के अनुसार आगन्तुकों का भावभीना स्वागत किया गया। अधिवेशन के अन्तिम दिन राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने सब का स्वागत करते हुए राजस्थान में वृद्धजन–आयोग की स्थापना करने की घोषणा की थी। इसी समय मंच पर राजस्थान के 10 विशिष्ठ जनों का सम्मान किया गया। सफल और सुन्दर आयोजन के लिए आये प्रतिनिधी आज तक याद करतें हैं।

संगठनात्मक कार्य बढानें के लिए वर्ष में दो बार कार्य कारिणी की मीटिंग एवं प्रतिवर्ष प्रान्तीय अधिवेशन विधिवत् होते आ रहे हैं प्रथम अधिवेशन उदयपुर में 16.3.2008 को कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में महाराजा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान, उदयपुर ने आयोजित किया। द्वितीय अधिवेशन वस्त्र नगरी भीलवाड़ा, तृतीय अधिवेशन, सूर्यनगरी, जोधपुर एवं चतुर्थ अधिवेशन गुलाबी नगरी, जयपुर में आयोजित हुआ। चुनाव वर्ष होने से इस वर्ष नई कार्यवारिणी का गठन हुआ। अध्यक्ष के रूप में श्रीमान् कौशल किशोर जी हम सब का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं तथा महासचिव का दायित्व मुझे दिया गया। कोषाध्यक्ष के रूप में श्रीमान् चौथमल जी भगेरिया को कार्य भार सौंपा गया हैं।

दिनांक 17 जुलाई 2012 को प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक़ ऐतिहासिक नगरी शाहपुरा में सम्पन्न हुई। 14 स्थानों से 42 सदस्यों ने भाग लिया। अपने अपने स्थानों की रिपोर्ट देने के बाद अनेक सुझाव दिये गये जिन पर विचार विमर्श होकर एक राय बनाने का प्रयास हुआ। सभी को एक विशेष पत्रक तैयार कर लौटाने के लिए दिया गया। जो नही आ पाये उन्हे डाक से भेजकर राय मांगी गई। कुल 28 स्थानों की जानकारी प्राप्त हुई। उस आधार पर नीतिगत निर्णय अब लेने हैं।

साथ ही प्रान्त स्तर की 5 समितियां भी गठित की जाकर उन्हें सक्रीय विचार विर्मश के पश्चात् घोषित की जानी है ताकि व अपना कार्य करते हुए वरिष्ठ नागरिक संस्थान के कार्य को जनजन तक पहुचा सके। **इसी बैठक में पंचम वार्षिक अधिवेशन, अजमेर में सीनियर सीटीजन सोसायटी द्वारा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सुन्दर और सफल आयोजन के लिए मैं अपनी और से भी सदस्यों का धन्यवाद देना चाहता हूँ।**

अखिल भारतीय जेष्ठ नागरिक महासंघ के 11 वें अधिवेशन में राजस्थान के आठ प्रतिनिधियों ने विशाखापट्नम में भाग लिया तथा इस बार 12वे अधिवेशन में त्रिवेन्द्रम 28 प्रतिनिधियों ने पहुचकर अपनी उपस्थिती लगाई। सर्वश्रेष्ठ पुरूष कार्यकर्त्ता श्री कंचन सिंह सूरत को 5000/- का महाराणा प्रताप पुरस्कार हमारे प्रतिनिधी मण्डल ने अध्यक्ष महोदय के नेतृत्व में अधिवेशन मंच पर प्रदान किया। वहाँ से लौटते हुए चैन्नई में तमिलनाडु और पोण्डीचेरी के राजस्थानी समाज को AISCCON संगठन से जुडनें का आह्‌वान श्री कौशल किशोर जैन एवं शंकरलाल जी सोमानी ने किया। सभा का आयोजन और संचालन महामंत्री ने किया। वहां संरक्षक सदस्य एवं वानप्रस्थी के सदस्य भी बनाये गये। स्थानीय राजस्थान पत्रिका में भी समाचारों के माध्यम से प्रचार किया गया। वानप्रस्थी में छपें समाचार से आप सबको भी जानकारी मिली होगी। पूर्व में जब नेरूल नवी मुम्बई से AISCCON का मुख्यालय बन रहा था जिसका नाम जेष्ठ नागरिक भवन रखा गया है। राजस्थान की ओर से दो लाख रूपया भेज कर सहयोग दिया गया तथा नीचे के प्रमुख हॉल का नाम हिन्दुवां सूरज महाराणा प्रताप कक्ष रखा गया। भवन निर्माण में अन्य सहयोग में रसिक भाई कोठारी ने ग्यारह हजार रूपया एवं शाहपुरा के उद्योगपति श्री ओमप्रकाश जी मणियार ने गोहाटी कार्बन्स से एक लाख रूपयों का सहयोग किया।

यों तो राजस्थान के सभी सक्रीय संगठनों का समाचार वानप्रस्थी पत्रिका में छप कर आपके पास सतत् पहुंच रहा हैं। फिर भी चितौड़गढ़ का वरिष्ठ नागरिक मंच विशेष गतिवान है जिसकी आज तक 535 मिटिंग होकर समाचार पत्रों में छपती रहती हैं। जनता और प्रशासन भी मार्गदर्शन की इन्तजार करती रहती है। ऐसा ही प्रभाव सभी स्थानीय संगठन अपने अपने स्थान पर निर्माण करे ऐसी अपेक्षा है। जोधपुर, पाली, भीलवाड़ा, शाहपुरा, झालावाड़, उदयपुर एवं कोटा के संगठन बहुत अच्छा कर रहे है। **अजमेर का संगठन बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। अजमेर का संगठन सबसे बड़ी सदस्यता वाला** है तथा वाकी सभी से आग्रह है कि अपनी गतिविधि वर्ष में 10 बार अवश्य करें तथा समाचार पत्रों में देकर प्रशासन और नागरिकों को सचेत करते रहें । वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान

के निर्माण में आशीर्वाद के रूप में सर्वश्री माणकचन्द जी सुराणा, सुशीलकुमार जी दुग्गड़, न्यायमूर्ति बजरंग लाल जी टिबरेवाल, पानाचन्द जी जैन भार्गव साहब, सहाय सा. श्रीमती मनोरमा पटवर्द्धन एवं शशि मिश्रा आदि अनेक महानुभावों का योगदान रहा।

साथ ही गिरिराज किशोर जी तिवाड़ी, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष, शान्तिलाल जी चपलौत एवं श्रीमान् राधेश्याम जी धूत आदि अनेक सज्जनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। सब के नाम गिनाने भी कठिन है। लगातार बढते कदमों के लिए सबकों धन्यवाद करना अपना कर्त्तव्य समझता हूँ।

आज हमारा संगठन राजस्थान के सभी जिलों में पहुचा है जिसे हर तहसील तक ले जाना है।

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि हमारी ही तरह आज वरिष्ठजन केरल से लेकर नेपाल तक और गुजरात से लगा कर आसाम, तक कार्य कर रहे है तथा एक दूसरे को सहकार की भावना से ढलती उम्र को व्यस्त और मस्त बना रहे है। इस प्रकार गैर सरकारी संगठन असरकारी होकर भी समाज के प्रत्येक जीवन पर असरकारी हो गया है। हम सब अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत होकर कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक रहे तथा जीवेम् शरदः शतम् का वेद वाक्य चरितार्थ करें।

लालचन्द बेली, वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान, जयपुर

वरिष्ठ नागरिक समिति, बीकानेर

वरिष्ठ नागरिक समिती बीकानेर की स्थान वरिष्ठ भ्रमणा पथा, सिविल लाइन पर दिनांक 22 अगस्त 1987 को हुई थी। पूर्व में इस संस्था का नाम वृद्धजन हितकारणी सभा रखा गया था। सभी की कार्यकारणी की प्रथम बैठक दिनांक 4–9–1987 को हुई थी। सभा की स्थापना के समय इसके 15 सदस्य बनें जो बाद संस्थापक सदस्यों के रूप में रहें। समिति का सविंधान राज्य सरकार से पंजीकृत करवाया गया। बाद में इसका नाम वरिष्ठ नागरिक समिति बीकानेर रखा जना प्रस्तावित किया जाकर संशोधित संविधान विधिवत रूप से पुनः पंजीकृत कराया गया। उस समय से ही समिति संशोधित संविधान के अनुसार अपने नाम से जानी पहचानी जाती हैं।

समिति का कार्यक्षेत्र वर्तमान में बीकानेर नगर निगम की सीमा क्षेत्र तक ही हैं। समिति की स्थापना के समय समिति के केवल 15 सदस्य ही थे जिसकी संख्या अत्तरोत्तर बढ़ती गई। वर्तमान में समिति के 296 सक्रिय सदस्य है जो समिति के विभिन्न कार्य क्रमों में बढ चढ कर भाग लेने का प्रयास करते हैं।

समिति की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में समिति ने इस वर्ष को रजत जयन्ती वर्ष के रूप में मनायें जाने का निर्णय लिया है इसके अन्तर्गत सबसे प्रथम समिति ने अपने संस्थापक सदस्यों जो हमारे बीच मौजूद है का विधिवत सम्मान करने का निर्णय लिया एवं दिनांक 10–9–2012 को सम्मान किया गया।

रजत जयन्ती वर्ष के अन्य कार्यक्रम में समिति ने बीकानेर नगर के उन अति विशिष्ट वरिष्ठजनों का सम्मान भी करने का निर्णय लिया जिन्होने नगर में विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशेष योगदान दिया। ऐसी प्रतिभाओं में शिक्षिका श्रीमती सभीना बेगम (अल्प संख्यक वर्ग में कन्या शिक्षा) डॉ. मुरारी शर्मा (सगीत के क्षेत्र में) राजवी मगन सिंह (खेल के क्षैत्र में अन्तराष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी अर्जुन अवार्ड से अलन्कृत) अभियान्त्रिक क्षैत्र के इंजीनियर (श्री भूपेन्द्र सिह राजवंशी जिनका विशेष योगदान राजस्थान नहर के निर्माण में प्रारम्भिक काल में रहा) सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी श्री भंवरलाल पेड़ीवाल विज्ञान के क्षैत्र में डॉ. हनुमान प्रसाद व्यास लेखाजोखा के क्षैत्र में चटिड लेखाकार (श्रीजानकी दास जी चूरा का विशेष सम्मान विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस1

अक्टुबर 2012 की समारोह पूर्वक किया गया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल तथा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को भी कार्यक्रम कर विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान करवा आमजन को अवगत कराने का प्रयास भी किया गया है। प्रत्येक वर्ष वरिष्ठ नागरिकों के मनोरजंन हेतु नववर्ष, होली, दिवाली, आदि विशेष अवसर पर स्नेह मिलन के कार्यक्रमों का आयोजन भी सफलता पूर्वक करती है, जिसमें वरिष्ठ जन बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं।

समिति नगर के विभिन्न क्षेत्रो में वरिष्ठ जनों के स्वास्थ्य की जांच हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य जांच परिक्षण शिविरों का आयोजन करती हैं। जिसमें वरिष्ठ विशेषज्ञों चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर रोगीयों को आवश्यकता अनुसार परामर्श दिया जाता हैं। इस वर्ष अभी तक ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाये जा चुके हैं। समिति के सहयोग से स्थानीय जिला चिकित्सालय में जिरियेट्रिक क्लिनिक, जिला चिकित्सालय के सहयोग से चला रही है। जिसमें सप्ताह में एक निश्चित दिवस पर 2 घन्टे के लिए अलग से एक विशेषज्ञ चिकित्सक सिर्फ वरिष्ठ नागरिकों को ही देखते है इससे वरिष्ठ जनों को लम्बी लाईन में लगकर अपनी बारी का इन्तजार नहीं करना पडता हैं।

समिती के विशेष प्रयासों से क्षैत्र के दानदाताओं प्रोत्साहित कर स्थानीय पी.बी. एम. चिकित्सालय के अन्तर्गत राज्य के एक मात्र सभवतः देश के तृतीय जिरियेट्रिक चिकित्सालय का निर्माण करवाया गया। चिकित्सालय में रोगीयों की भर्ती के लिऐ 50 विस्तरों वाले कक्षों के वार्ड हैं। इस चिकित्सालय में वरिष्ठ नागरिकों के उपचार की व्यवस्था ही है जिसमें सभी प्रकार के रोगों का उपचार किया जाता हैं। इस जिरियेट्रिक चिकित्सालय का उदघाटन दि 15–8–2008 को तत्कालिन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे सिंधिया द्वारा किया गया ।

समिति ने वरिष्ठ जन स्वास्थ्य दर्पण नामक पुस्तक का प्रकाशन किया था जिसमें नगर के ख्यात नाम विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों पर अपने अपने आलेखों में विस्तार से बताया हैं। बढ़ती आयु में विभिन्न प्रकार के रोगों के लक्षण एवं उनसे बचाव तथा उनके निदान पर विस्तार से बताया गया हैं।

गत समिति ने एक फिजियोथैरेपी केन्द्र की स्थापना अम्बेडकर चौरो है पर स्थित बीकानेर लैबोरट्री के भवन में की हैं। इस केन्द्र के लिए आवश्यकत उपकरण हैल्पेज इंडिया नामक संस्था ने उपलब्ध करायें हैं। इस केन्द्र में फिजियोंथैरेपिस्ट द्वारा आगन्तुक रोगीयों का उपचार सफलता पूर्वक किया जा रहा हैं।

प्रत्येक वर्ष विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस एक अक्टूबर को धूमधाम से समारोह पूर्वक मनाया जाता हैं। जिसमें सातदिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाते हैं। उसमें सिफ वरिष्ठजन ही भाग ले सकते है विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं, जैसे कैरेम एकल एवं युग्गल शतंरज (अलग अलग महिला एवं पुरूष वर्ग) टेबल टेनिस (पुरूष वर्ग) संगीत सम्मेलन सामूहिक फुटबाल मैच (पुरूष वर्ग सिर्फ 60 वर्ष से ऊपर आयु प्राप्त पुरूष)स्वास्थ्य प्रतियोगिता विभिन्न प्रकार प्रतियोगिता विभिन्न आयुवर्ग के पुरूषों एंव महिलाओं की अलग से म्यूजिकिल चैयर (पुरूष एवं महिलाओं के लिऐ अलग अलग) क्आप कितने युवा दिखते हैं (महिल एवं पुरूष वर्ग की अलग अलग) इन सभी प्रतियोगिताओं में रहे विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरूस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया जाता हैं।

इसके अतिरिक्त 74 वर्ष आयु प्राप्त सदस्यों का सम्मान एवं 80 वर्ष से अधिक आयु प्राप्त विशिष्ट वरिष्टजनों का विशेष सम्मान भी एक अक्टूबर के कार्यक्रमों के अवसर पर किया जाता हैं।

समिति का प्रत्येक सदस्य अपनी स्वेच्छा से बढचढ़ कर प्रत्येक कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान करता हैं सभी का प्रयास हैं कि समिति के कार्य सफलता से आगे बढ़ते रहें। – **मोहन लाल अग्रवाल**, महासचिव

वरिष्ठ नागरिक समिति मुरलीपुरा क्षैत्र, जयपुर
कार्यकलाप एवं उपलब्धियॉ

१. 5 सितम्बर 2004 को स्थापना– वरिष्ठ नागरिक मंच की स्थापना पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ० सर्वपली राधाकृष्णन की जन्मतिथि 5 सितम्बर 2004 को जिसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता हैं पर की गई। जिसके संस्थापक महामंत्री प्रों. जे.सी. विशेष, एवं प्रथम अध्यक्ष श्री सी.एम. भगेरिया, एवं प्रथम उपाध्यक्ष श्री अजय कुमार केड़िया हुए।

२. होली, दीपावली स्नेह मिलन – प्रतिवर्ष होली, दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया जाता हैं। जिसमें होली रंग कविताओं हास्य, परिहास, व्यंग्य मनोरंजन के कई कार्यक्रम रखे जाते है। इस वर्ष कार्यक्रम के अन्त में अन्नकूट पंगत प्रसादी के रूप में भोजन व्यवस्था थी।

३. योग प्राणायाम शिविर – १० दिवसीय निःशुल्क योग प्राणायाम शिविर योगाचार्य बी.एल. त्रिपाठी के संचालन में 5 अप्रैल 2005 से 14 अप्रैल 2005 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।

४. प्रतिभा एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह – 8 जनवरी 2006 को सार्वजनिक परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्तकर्त्ता छात्रों एवं सर्वाधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक श्री वृद्धिचन्द लड्डा को सम्मानित किया गया। जिसमें जयपुर के सांसद श्री गिरधारी लाल भार्गव प्रमुख अतिथि एवं पूर्व मंत्री सुश्री उजला अरोड़ा विशिष्ठ अतिथि थे।

५. मंच का समिति के रूप में पंजीकरण – 7 जून 2006 को इस संस्था का पंजीयन राजस्थान संस्थाएँ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के अन्तर्गत कराया गया। इस समय पदाधिकारी है अध्यक्ष श्री चौथमल भगेरिया, महामंत्री प्रो.जे.सी. विशेष, उपाध्यक्ष श्री अजय कुमार केडिया, संयुक्त मंत्री श्री जे.एस शर्मा कोषाध्यक्ष श्री आई.सी जोशी।

६. वाचनालय का शुभारम्भ – वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा स्वयं के साधनों से वाचनालय मन्दिर निर्माण समिति के सौजन्य से स्थानीय श्रीराम मन्दिर से आरम्भ किया गया।

७. राजस्थान बाढ़ पीड़ितो की सहायता – 2006 में पश्चिमी राजस्थान में आई भीषण बाढ़ में सहायता हेतु वस्त्रों एंव धन का एकत्रीकरण किया गया। राजस्थान पत्रिका को 19.9.06 को 5100/– रूपयें का चैक भेंट किया गया।

८. गॉधी–शास्त्री जयन्तियाँ – महात्मा गॉधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्तियॉ प्रतिवर्ष मनायी जाती है और वरिष्ठ नागरिकों के साथ अन्य उत्साही लोग भी इस कार्यक्रम में भाग लेते है और समाज में उनके आदर्शों को विस्तारित करते हैं। इस वर्ष भी 2.10.12 को स्थानीय जे.डी.ए के वरिष्ठ नागरिक श्रमदान पार्क में कविगोष्ठी के रूप में आकर्षक रूप में मनाई गई।

(क) वरिष्ठ नागरिक स्मारिका 'विश्रान्ति' का प्रकाशन एवं विमोचन :– जन सहयोग से समिति ने अपनी प्रथम स्मारिका 'विश्रान्ति' का प्रकाशन कर 3 जून 2012 को वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर राज.के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री कौशल किशोर जैन द्वारा विमोचन कराया गया जिसमें मुरलीपुरा क्षेत्र के समाजसेवी, वार्ड के पार्षद सम्भ्रान्त नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

(ख) जे.एस. वर्मा कमीशन को सिफारिश भेजना – महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जधन्य अपराधों को रोकने हेतु सुझाव प्रेषित किये गए।

९. घरेलू हिंसा एवं महिला संरक्षण अधिनियम पर सेमिनार – सामान्य सरोकार के तहत अच्छे भले परिवारो को संत्रासित कर देने वाले घरेलू हिंसा एवं महिला संरक्षण अधिनियम 2005 पर एक सेमिनार

13.10.07 को वी.के.आई.ए. के एसोसिएशन भवन में श्रीमती प्रकाशवती शर्मा (पूर्व सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग, राजस्थान लोक सेवा आयोग) की अध्यक्षता में आयोजित किया, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं राजस्थान के राज्यपाल श्री नवरंग लाल टिबरेवाल, विशिष्ठ अतिथि श्री कौशल किशोर जैन (अध्यक्ष, राजस्थान वरिष्ठ नागरिक संस्थान, जयपुर) एवं मुख्य वक्ता सुश्री भारती चतुर्वेदी (एडवोकेट, फेमिली कोर्ट, जयपुर) एवं जयपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रशान्त चतुर्वेदी थे।

१०. सेमिनारों एवं विचार गोष्ठियों का आयोजन – समिति ने समय समय पर सरकारी नीतियों का समाज पर पड़ने वाले दूरगामी प्रभावों का दिग्दर्शन कराने हेतु सेमिनार आयोजित किये जाते हैं। विषय 1. स्कूली कक्षाओं के पाठ्यक्रम में यौन शिक्षा 2. तथाकथित अल्प संख्यको को आरक्षण एवं अन्य सुविधाएँ 3. आबकारी नीति – शराब की दुकान।

११. प्रत्रक का प्रकाशन– सरकारी गैर सरकारी, मिडिया व समाचारों में केवल वरिष्ठ जनों सम्बन्धी सूचनाएँ एकत्र कर समय–समय पर 'महामन्त्री की पाती' नाम से पत्रक प्रकाशित किया जाता है ताकि वरिष्ठजन अपने लाभ की सूचनाओं को एकसाथ पढ़ सकें।

१२. योग चिकित्सा शिविर – सप्ताह का 25 मई 2009 से निःशुल्क शिविर का आयोजन भगेरिया हाउस में किया गया जिसका स्त्री–पुरूष , बालक–बालिकाओ ने भरपूर लाभ उठाया।

१३. वृक्षारोपण – ' हरियालो राजस्थान ' कार्यक्रम के अन्तर्गत समिति ने स्थानीय जे.डी.ए. पार्क मन्दिर में वृक्षारोपण का उद्घाटन विधायक विद्याधर नगर एवं पूर्वमन्त्री श्री नरपत सिंह राजवी के कर कमलो द्वारा करवाया। दिनांक 19 जुलाई 2009 , 2011 एवं 2012 में श्रमदान करते हुए जे.डी.ए. के इस वरिष्ठ नागरिक श्रमदान पार्क वृक्षारोपण के कार्य किये गए।

१४. अग्रणी एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान – मुरलीपुरा क्षेत्र तीव्र गति से विकसित हुआ है, परन्तु इस क्षेत्र के विकास के आदि दृष्टा – प्रथम प्रेरक व्यक्ति के योगदान को याद करने की दृष्टि से अग्रणी एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न क्षैत्रों से 15 विभूमियों को वी.के.आई.ए सभागार में इस क्षेत्र के प्रमुख शिक्षा प्रणेता डॉ. एन.सी. लुणायच के योगदान से सम्मानित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री सत्यव्रत सामवेदी (महामंत्री, राजस्थान वरिष्ठ नागरिक संस्थान, जयपुर) तथा विशिष्ठ अतिथि श्री सत्यनारायण सिंह सेवानिवृत आई.ए.एस (अध्यक्ष, नागरिक परिषद्, जयपुर) थे।

१५. अन्य संस्थाओं के कार्यक्रमों में भाग लेना – राजस्थान वरिष्ठ नागरिक संस्था, जयपुर, नागरिक परिषद्, जयपुर एवं हेल्पेज इण्डिया आदि संस्थाओं के कार्यक्रमों में सहभागिता की हैं।

१६. पार्षद का स्वागत – वार्ड न. 3 से जन प्रतिनिधि पार्षद सुशील शर्मा का अभिनन्दन नव वर्षाभिनंदन के साथ 24.1.10 को किया गया।

१७. जे.डी.ए. पार्क के विकास में सक्रियता – मुरलीपुरा स्कीम के लालडिब्बा चौराहे के पास स्थित आई.डी.ए पार्क में अतिक्रमण रोककर उसके विकास की पहल 2011 से की है और अब विकास कार्य प्रगति पर हैं।

१८. नव वर्ष का स्वागत – अन्य वर्षो की भाति इस वर्ष भी उपस्थित सदस्यों ने अपने कविकंठों से एवं उध्बोधनों द्वारा नव वर्ष का स्वागत किया गया और अंत में बड़ों का कार्यक्रम रखा गया हैं।

प्रो. जे.सी. विशेष, महामंत्री
वरिष्ठ नागरिक समिति, मुरलीपुरा,जयपुर

वरिष्ठजन कल्याण समिति–कोटा

गतिविधियाँ

१. 27 अप्रैल 2011 में 14 वरिष्ठ नागरिकों के साथ समिति की स्थापना – आज की तारीख में 72 सदस्य जिसमें से संस्था सूत्रधार महासचिव श्री शंकर आसकन्दानी ने 67 सदस्य बनायें।

२. प्रथम गतिविधि 29 मई 2011 में थेकड़ा स्थित शिव मन्दिर में पक्षियों के लिए परीन्डे बांधे।

३. 4 जून 2011 विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन लायन्स क्लब भवन, कोटा।

४. इसी दिन प्रातः तालाब की पाल पर मानव श्रृंखला बनाकर सदस्यों के साथ भागीदारी सुनिश्चित की।

५. आश्रय भवन में आयोजित पर्यावरण संगोष्ठी में सदस्यों के साथ भागीदारी सुनिश्चित की।

६. 5 जून 2011 सोनी क्लासेज, केशवपुरा सर्किल पर आयोजित पर्यावरण संगोष्ठी में भाग लिया।

७. 11 जुलाई 2011 आई.बी.बी. कॉलेज रानपुर में पौधा रोपण लायन्स सदस्यों के साथ।

८. 23 जुलाई 2011, प्रशान्ती विद्या मन्दिर में नेत्र एवं दंत परीक्षण शिविर आयोजित किया। इसमें एस.टी.सी. की एक छात्रा की विकृत आँख को बदलकर उसमें विश्वास पैदा किया।

९. 27 जुलाई 2011 को रा.उ.मा. विद्यालय में नेत्र एवं दन्त परीक्षण (350 छात्र लाभान्वित)।

१०.इसी स्कूल में तनाव प्रबन्धन, जन संरक्षण, जीवन निमार्ण संगोष्ठी का आयोजन किया।

११.30 जुलाई 2011, को हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत थेकड़ा स्थित शिव मन्दिर में पौधारोपण।

१२.15 अगस्त 2011 को संस्था संरक्षक के अग्रवाल न्यूरो साइकेट्री सेन्टर पर झण्डा रोहण।

१३.25 अगस्त 2011 को सेन्ट्रल अकादमी, पुलिस लाईन में तनाव प्रबन्धन संगोष्ठी का आयोजन।

१४.30 अगस्त 2011 को जैन दिवाकर स्कूल में नशा मुक्ति एवं रक्तदान जागरूकता संगोष्ठी एवं दन्त परीक्षण शिविर आयोजित कर उपस्थित सभी स्कूल के छात्रों को परामर्श।

१५.राष्ट्रीय गौरव–रतन प्राप्त करने पर डॉ. एल.के. दाधिच का श्रद्धा भवन में सदस्यों द्वारा शॉल ओड़ाकर श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

१६.1 अक्टूबर 2011 को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर आयोजित रक्तदान जागरूकता कार रैली में सदस्यों के साथ भागीदारी।

१७.इसी दिन जेनरिक औषधि जागरूकता पर आयोजित श्रद्धा भवन में संगोष्ठी में भागदारी।

१८.2 अक्टूबर 2011 को गांधी उद्यान चम्बल गार्डन पर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण।

१९.इसी दिन पेंशनर्स समाज भवन में राजकीय पेंशनर्स के साथ संगोष्ठी व स्नेह मिलन।

२०.5 अक्टूबर 2011 को गायत्री शक्ति पीठ में ध्यान योग शिविर का आयोजन।

२१.20 अक्टूबर 2011 गुजराती समाज भवन में भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न। इसमें मुख्य अतिथि सांसद इजराज सिंह, विशिष्ट अतिथि न्यायाधिपति व पूर्व प्रान्त पाल लायन्स अन्तर्राष्ट्रीय श्री पाना चन्द जैन एवं शपथ अधिकारी कौशल किशोर जैन (अध्यक्ष राजस्थान नागरिक संस्थान एवं पूर्व विधायक) सभी अतिथियों ने संस्था के अल्प समय में किये उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

२२.13 नवम्बर पेंशनर्स भवन में पेंशन समाज के साथ नाक–कान–गला परीक्षण शिविर का आयोजन।

२३.21,22 नवम्बर 2011, (AISCCON) के विशाखापटनम राष्ट्रीय सम्मेलन में महासचिव द्वारा भागीदारी।

२४.26 जनवरी 2012 गणतंत्र दिवस पर झण्डा रोहण गायत्री शक्ति पीठ परिवार के साथ।

२५.12 फरवरी 2012 नववर्ष स्नेह मिलन व पिकनिक का अयोजन वाटिका, इलेक्ट्रोनिक

कान्प्लेक्स में किया गया।

२६.राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संस्थान (AISCCON) को 9 सदस्य पेर्टन (संरक्षक), भारतीय वरिष्ठ नागरिक संस्थान की न्यूज मैगजीन (AISCCON) को 8 सदस्य बनाने में अपना योगदान दिया।

२७.25 मार्च, 2012 प्रान्तीय सम्मेलन जयपुर में 8 सदस्यों के साथ भागीदारी, श्री शंकर आसकन्दानी को प्रान्तीय उपाध्यक्ष व श्री हजारी लाल गुप्ता को सदस्य निर्विरोध 5 वर्ष के लिए चुना गया।

२८.7 अप्रैल 2012WHO दिवस पर Health Ageing जागरूकता रैली में भाग लिया।

२९.7 अप्रैल 2012 आश्रय भवन में आयोजित स्वास्थय संगोष्ठी में भाग लिया।

३०.2 मई 2012 मुलुन्द (मुम्बई) के Day Care Center पर व्यक्तिगत रूप से महासचिव ने भाग लेकर अपने अभिभाषण से उपस्थिति सदस्यों को जागरूक किया।

३१.26 मई 2012 आश्रय भवन में वरिष्ठजन हितार्थ संगोष्ठि में डॉ. मिनाक्षी शारदा (संरक्षक वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य, राजस्थान सरकार) के व्याख्यान में सदस्यों के साथ हिस्सा लिया।

३२.27 मई 2012 विज्ञान केन्द्र कोटा का संस्था सदस्यों द्वारा अवलोकन एवं तारामण्डल दृश्यों को व आंखों से देखकर प्रसन्नता का अहसास कराया व संगोष्ठी का आयोजन किया।

३३.29 मई 2012 अस्थि घनत्व व मोटापा जांच शिविर चिरायु सेन्टर कोटा पर आयोजित।

३४.11 जुलाई 2012 विश्व जनसंख्या दिवस पर लायन्स क्लब कोटा व लायन्स क्लब कोटा साउथ के साथ संयुक्त तत्वाधान में संगोष्ठी में जाने माने अर्थशास्त्री प्रो. गोपाल सिंह द्वारा उद्धाटन।

३५.15 अगस्त 2012 को गायत्री शक्ति पीठ भवन पर झण्डा रोहण एवं संगोष्ठी आयोजित।

३६.30 सितम्बर 2012 को आमसभा एवं आयोजित संगोष्ठी में जीवन व स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रबुद्धजनों द्वारा व्याख्यान।

३७.1 अक्टूबर 2012 विश्व अर्न्तराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर लायन्स क्लब के साथ झूलेलाल मन्दिर, विज्ञान नगर कोटा पर नेत्र एवं दन्त परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन।

३८.2–3 नवम्बर वरिष्ठ नागरिक राष्ट्रीय अधिवेशन तिवेन्द्रम में 2 सदस्यों के साथ भागीदारी।

३९.12 से 14 अक्टूबर 2012 U3As (यूनिवर्सिटी ऑफ थर्ड एजिंग) अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन पुणे में महासचिव की भागीदारी।

४०.2–3 नवम्बर के राष्ट्रीय सम्मेलन में महासचिव व दो सदस्यों की भागीदारी।

४१.6 नवम्बर 2012, को दीपावली स्नेह मिलन समारोह उल्लास व उत्साह के साथ मनाया।

शंकर आसकंदानी

वरिष्ठ नागरिकों के हित में सरकारी कदम

– जे.सी.विशेष, संस्थापक सचिव, मुरलीपुरा, जयपुर

केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें विशेषकर राजस्थान सरकार ने समय–समय पर वरिष्ठजनों की सुविधा हेतु कदम उठाए हैं जो इस प्रकार हैं।

१. ट्रेनों में वरिष्ठजनों के किराए में इस समय पुरूषों को 40 प्रतिशत तथा महिलाओं (50 वर्ष से ऊपर) को 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है, जिसके लिए टिकट खरीदते समय बताना होता है कि सीनियर सिटीजन टिकिट चाहिए। आयु की पुष्टि के लिए प्रमाण पत्र, आईडी यात्रा में साथ रखना अनिवार्य हैं।

वरिष्ठ नागरिकों को उचित टिकट न होने पर गिरफ्तार नहीं किया जा सकता । टिकिट की खिड़की भी बड़े बड़े स्टेशनों पर वरिष्ठजनों के लिए पृथक् से होती है और आरक्षणों में इनकें लिए कोटा भी निर्धारित किया होता हैं।

२. हवाई टिकिटों में छूट–कुछ हवाई कंपनियाँ विशेषकर AIR INDIA अपनी Off Season उड़ानों में वरिष्ठ नागरिकों को किराए में 25 से 30 प्रतिशत छूट देती हैं।

३. राजस्थान रोडवेज की मेल व द्रुतगामी बसों में उनके गंतव्य स्थानों (भले ही अन्य राज्यों में हो) तक वरिष्ठजनों (65 वर्ष) को 30 प्रतिशत छूट मिलती हैं। परन्तु यह छूट वाल्वों, डीलक्स, एयर कंडीशन्स एवं लोकल बसों में नहीं दी जाती। आयु प्रमाण पत्र अपने साथ रखना पड़ता हैं। यह छूट पाने के लिए रोडवेज बस स्टैण्डों से निश्चित शुल्क देकर और फोटो व अन्य औपचारिकताएँ पूरी करने पर प्रमाण पत्र मिलता हैं।

४. देश के बैंको में स्थायी जमाओं (Fixed Deposits) पर वरिष्ठों को .5 प्रतिशत अधिक ब्याज मिलता हैं।

५. अस्पतालों में 70 प्रतिशत से ऊपर की आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क दवाओं, टैस्ट आदि की सुविधाएँ उपलब्ध हैं और इनकी लाइन भी अलग से लगाने की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री निःशुल्क चिकित्सा सुविधा भी वरिष्ठ नागरिकों को आरंभ की जा चुकी हैं।

६. राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड : राजस्थान सरकार ने वृद्धजनों के हितार्थ 11 सदस्यों का बोर्ड गठित किया है, जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री एवं उपाध्यक्ष श्री सवाईसिंह जी हैं।

७. केन्द्र सरकार ने 1999 में वृद्धजन नीति घोषित की और National Council of Old Persons (NCOP) का गठन किया गया जो वरिष्ठजनों के हित में केन्द्र सरकार को सुझाव देती है। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को भी अपनी वृद्धजन नीति बनाने को कहा हैं।

८. वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 में पार्लियामेन्ट ने कानून पास किया । इसके लिए नियम बनाए हैं। राजस्थान सहित आज ये कानून 9 राज्यों में लागू है। राजस्थान राज्य में 2008 लागू है। 60 साल से अधिक पुरूषों और 55 प्रतिशत विधवाओं को जो बेसहारा , दीन–हीन हैं, केन्द्र तथा राज्य सरकार बराबरी की मदद देती हैं।

९. वृद्धाश्रम Day Care Centers की स्थापना : देश के 407 जिलों में एक एक Day Care Centers NGOs के संचालन में स्थापित किए जा रहें है जिनकों 15 लाख रूपयें का अनुदान एक बार दिया जाता है। प्रति आवासी वृद्ध पर 750/– प्रतिमास इस अनुपात से दिया जाता हैं।

परन्तु आवश्यक है कि वरिष्ठ नागरिकों को सभी विभागों के लिए एक समान आयु 60 वर्ष को सरकार द्वारा स्वीकार किया जाए और वरिष्ठ नागरिक कमीशन की अतिशीघ्र स्थापना की जानी चाहिए। घोषणा तो पहले ही की जा चुकी हैं।

अतिरिक्त लाभ दिये जा सकते हैं –

१. आयकर में छूट और सीमा बढाई जाए।

२. सभी ट्रेनों में वरिष्ठों को 50 प्रतिशत किराए में छूट दी जाए।

३. लोकल और मैट्रो ट्रेनों में भी किराए में छूट लागू हो।

४. लोकल बसों में (जिनमें अधिकांशतः वरिष्ठजन यात्रा किया करते हैं) किराए में भी छूट दी जाएँ।

५. प्राईवेट व मिनी बसों में यात्रियों के लिए संचालित है वरिष्ठों को भी किराए में छूट लागू की जाए (जैसा कि Student Concession की व्यवस्था है)

६. वरिष्ठजनों के लिए हरेक आवासीय कॉलोनियों में एक स्थान सुरक्षित किया जाए जहाँ ये लोग परस्पर मिल सकें, घूम–फिर सके तथा पारस्परिक हित एवं जनहित में सोच–विचार कर सकें। सामुदायिक केन्द्रों में रजिस्टर्ड सीनियर समितियों को एक कमरा सुरक्षित या आवंटित किया जाए जहाँ वाचनालय/ पुस्तकालय की सुविधा दी जाए।

७. वरिष्ठ नागरिकों अथवा उनकी संगठन इकाइयों के सदस्यों को सरकार की विभिन्न समितियों में सदस्य बनाया जाए जिससे वरिष्ठ जनों का प्रभावी उपयोग हो सकेगा।

❑❑❑



संस्थान की जानकारी एवं वार्षिक विवरण
सम्भागीय वरिष्ठ नागरिक संस्थान, कोटा

राजस्थान समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परप्पराओं से जुड़ा कोटा जिला कालीदास रचित 'मेघदूत' में वर्णित चर्मण्यवती नदी तट पर बसा है। पौराणिक युग में यह क्षेत्र राजा रतिदेव की कर्म स्थली एवं भगवान परशुराम की तपोभूमि के रूप में विख्यात रहा हैं।

कोटा में वरिष्ठ नागरिक संस्थान की नींव 90–91 में कोटा गणमान्य श्री त्रिलोक चन्द जी कोठारी, सर्व श्री स्व. मदनलाल जी गुप्ता, अनूपचन्द जी जैन, रिखवचन्द जी जैन, डा. प्रकाश चन्द कच्छावा, मोहम्मद सिदि्दकी अंसारी एवं बुद्धसिंह जी बाफना द्वारा रखी गई। त्रिलोक चन्द जी कोठारी एवं स्व. बुद्ध सिंह जी बाफना, रिखवचन्द्र जी जैन एवं गणेशीलाल जी रानीवाला द्वारा स्थापना के 2002 तक अध्यक्ष पद की गरिमा बढ़ाई तदुपरान्त श्री रनजीत सिंह जी सिंघवी वर्ष 2008 तक एवं 2008 से वर्तमान में श्री सुरपाल सिंह जी सेठी भी अध्यक्ष पद की शोभा बढ़ा रहे हैं।, इस संस्थान में अभी 390 सदस्य है।

१. हर माह द्वितीय शनिवार को जिन सदस्यों का जन्म दिवस, शादी की वर्षगांठ एवं पत्नि का जन्मदिन है उन्हें सम्मानित किया जाता हैं। यह बैठक रेडक्रास भवन में निरन्तर बिना अवरोध के होती हैं। बड़े समारोह, आम सभा वगैरह, आर्य समाज भवन भीमगंज मंडी में होते हैं। इस मासिक समारोह के साथ विशेष आयोजन, प्रवचन, स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी एवं स्वास्थ्य चैकअप भी होते है एवं हाउजी गेम भी कराया जाता हैं।

२. निःशुल्क चिकित्सा शिविर हर रोग के लिए वर्ष में कम से कम तीन बार लगाये जाते हैं जिसमें स्त्रीरोग विशेषज्ञ का योगदान रहता हैं।

३. दो होम्योपैथिक धर्मार्थ औषधालय आर्य समाज रेल्वे कोलोनी एवं भीमगजमंडी के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे हैं।

कोटा जे.के. लोन महिला महाराव भीमसिंह चिकित्सालय में थैलीसीमिया वार्ड में चार दिन सप्ताह में थेलीसीमिया रोगियों को खून चढ़ाया जाता है वहाँ देखभाल के लिए संस्था का सदस्य रहता हैं।

४. हर तीसरे माह कार्यकारिणी की बैठक सुरपिन पेलेस सटेशन रोड कोटा में नियमित होती है। सुरपिन पेलेस के मालिक स. श्री तेजेन्द्र पाल सिंह जो संस्था के सदस्य है। निःशुल्क होटल में स्थान संस्था को उपलब्ध कराते है। वर्ष में एक बार सभी सदस्यों का मिलन इसी होटल के प्रांगण में आयोजित होता हैं।

५. वर्ष में प्रत्येक राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाता हैं।

६. राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस पूरे सप्ताह 24 सितम्बर से एक अक्टूबर तक समारोहपूर्वक मनाया गया। सप्ताह भी आयोजित, नैत्र चिकित्सा एवं स्वास्थय जांच शिविर, रक्तदान शिविर थैलिसिमीया पीड़ित बच्चों को निःशुल्क केन्दुला वितरण किया गया।

संस्थान ने बेटी बचाने की दिशा में पहल कर बेटी को पराया न समझें, अपना गौरव समझों आदि सुक्ति वाक्यों को समेटते हुए लगभग 100 व्यक्तियों से संकल्प पत्र भरवायें। यह संकल्प पत्र रामस्वरूप जोशी द्वारा मुख्य अतिथि श्री भरत सिंह जी को प्रस्तुत किए तथा जोशी ने उपस्थित सभी अतिथियों को मौखिक रूप से कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि भरतसिंह, सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं रामस्वरूप जोशी द्वारा सम्पादित संस्थान की मासिक पत्रिका आशीर्वाद का विमोचन किया।

सम्मान समारोह में डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष, रोटरी कृष्णा ब्लड बैंक ने रक्तदान की चर्चा करते हुए कहा कि कोटा, राजस्थान में ही नहीं अपितु देश के अग्रणी शहरों में हैं। जहाँ 85 प्रतिशत रक्त की पूर्ति रक्तदाताओं के माध्यम से की जाती हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि कोटा में रक्त दान की मुहिम प्रारम्भ करने वाले सरदार सुरपाल सिंह सेठी ही थे, जिन्होंने रक्तदान करने का शतक बनाया हैं।

समारोह में डॉ के.जी. दायमा ने मधुमेह के बढ़ते रोगियों पर चिंता व्यक्त करते हुए खान–पान तथा दिनचर्या में बदलाव लाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि डायबिटिज के कारण आपकी स्नायु प्रणाली को नुकसान पहुँच सकता है, जिससे रक्त का दौरा कम हो सकता है। डायबिटीज की जटिलता के रूप में पैरों में समस्या पैदा हो सकती हैं।

सप्ताहभर आयोजित कार्यक्रमों को समापन समारोह एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि भरतसिंह सार्वजनिक निर्माण मंत्री राजस्थान सरकार एवं विशिष्ठ अतिथि पंकज महेता प्रदेश महामंत्री कांग्रेस कमेटी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुरपाल सिंह सेठी ने की। समारोह को सम्बोधित करते हुए भरतसिंह ने कहा कि जिस परिवार में बुजर्गो का सम्मान होता है वह परिवार सुखी रहता है तथा स्वर्गीय अनुभूति करता है। बुजुर्गो की छत्रछाया एवं मार्गदर्शन से परिवार की प्रगति एवं उन्नति होती हैं।

अतः बुजुर्गो की उपेक्षा न कर उनका सम्मान व आदर किया जाए यह पुण्य की बात है। सिंह ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि पिता जी की शीतल छाया उम्र के इस पडाव में भी प्राप्त हो रहीं हैं, इसके लिए हम अपने आपको सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने संस्थान द्वारा किये गये जा रहे रचनात्मक एवं सकारात्मक कार्यों की प्रशंसा की।

विशिष्ट अतिथि पंकज मेहता ने कहा कि बुजुर्गो का सम्मान करना भारतीय संस्कृति की परम्परा रही है बुजुर्गो के अनुभव से हमें काफी कुछ सीखने को मिलता है साथ ही घर में बुजुर्गो से बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं। परिवार पर आने वाले दैवीय प्रकोप घटना / दुर्घटना तथा सामाजिक सरोकारों में बुजुर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग परिवार के वटवृक्ष हैं, जिनकी शीतल छाया में परिवार के सदस्य राहत महसूस करते हैं।

अस्थि एवं जोड दिवस के अवसर 4 अगस्त 12 को वरिष्ठ नागरिक संस्थान एवं मीडिया एक्शन ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में यहां एक होटल ग्रान्ड चन्दीराम, छावनी कोटा में संस्थान के अध्यक्ष सुरपाल सिंह सेठी की अध्यक्षता में संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें महापौर रत्ना जैन मुख्य अतिथि तथा मण्डल रेल प्रबंधन एन. मधुसुदन राव विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला में अस्थि और जोड़ विशेषज्ञ डॉ गौरव रोहतगी ने आर्थराइटिस से बचने तथा जोड़ों को सुरक्षित रखने के उपाय बताए।

डॉ रोहतगी ने कहा कि दर्द की वजह से चलना नहीं छोड़, प्रातःकाल घूमने जाएं, नहीं तो परेशानी बढ़ सकती है। उन्होंने आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों को राहत एवं उपचार के बारे में बताते हुए कहा कि दर्द निवारक गोली का लम्बे समय तक अथवा नियमित उपयोग नहीं करें इसकें कई खतरे हैं। दर्द निवारक गोली केवल दर्द से राहत देती है, रोग दूर नहीं होता। अतः जीवन शैली में परिवर्तन कर आर्थराइटिस से बचा जा सकता है। उसके लिए पालती मार कर नहीं बैठें, जहां तक संभव हो सीट वाले (नीचे बैठ कर) शौचालयों का उपयोग नहीं करें और अधिक सीढ़ियां नहीं चढ़ें।

इस संस्थान द्वारा मासिक समाचार बुलेटिन ''आर्शीवाद'' भी निकाला जाता है।

– रामजीलाल शर्मा, महामंत्री

वार्षिक–प्रतिवेदन

वरिष्ठ नागरिक संस्थान, बारां–राजस्थान



प्रान्तीय अधिवेशन अजमेर के अवसर पर संस्थान अपने आदर्श लक्षयों की ओर सतत् कार्यरत है इस वर्ष में अधोवत राष्ट्रीय सामाजिक सेवा के कार्यो को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया हैं।

१. निर्धन छात्रों को गर्म वस्त्र भेंट :– बारां जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर की दूरी पर जिले के सीमास्थ आदिवासी (सहरिया जाति) वहुल उपखण्ड शाहबाद के रा.प्रा. विद्यालय मटियाखारा एवं हरिनगर के ४० छात्र छात्राओं को गर्म जर्सियां स्व. अध्यक्ष राधेश्याम शास्त्री, मंत्री रूपनारायण टेलर , धनश्याम गर्ग ने उपस्थित होकर पूर्व विधायक श्री हेमराज मीणा की अध्यक्षता में वितरित की।

२. ज्ञापन 16 अगस्त 2012 प्रान्तीय कार्यकारिणी की और से वरिष्ठ नागरिकों की लम्बित मांगों पर त्वरित निर्णय लेने के सम्बन्ध में जिला कलक्टर बारां के माध्यम से माननीय, प्रधानमंत्री जी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमुकुल वासनिक, महामहिम राज्यपाल राज. मुख्य मंत्री श्री अशोक जी गहलोत (राजस्थान) 10 सूत्रीय ज्ञापन प्रस्तुत किया।

३. वरिष्ठ नागरिक भवन निर्माण हेतु भूखण्ड आवंटन :– इस निमित्त आयुक्त नगर परिषद बारां को दिनांक 22–6–12 को आवेदन पत्र दिया।

४. समाज सेवा कार्य :– दिनांक 14 सित्तम्बर 2012 को एकदिवसीय नैत्र जांच एवं निःशुल्क लेन्स प्रत्यारोपण शिविर का विशाल आयोजन अति. कलक्टर, श्री सूरज भान जी जैमन के मुख्य आतिथ्य तथा आयुक्त नगर परिषद श्रीमति रिंकल गुप्ता की अध्यक्षता में एवं श्री रामस्वरूप जी राठौर वि.अ. के सानिध्य में आयोजित किया गया।

शिविर में जिले से 400 नैत्र रोगियों ने भाग लेकर नैत्र जांच करवाई 157 व्यक्तियों को मोतिया बिंद पाया गया उनको लैंस प्रत्यारोपित किया गया।

सहयोग :– श्री सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट आनन्दपुर जिला विदिशा (म.प्र.) द्वारा सद्गुरू संकल्प नैत्र चिकित्सालय आनन्दपुर में ऑपरेशन किया गया।

निःशुल्क व्यवस्था :– सम्पूर्ण व्यय भार 25 हजार रूपयें का व.ना. संस्थान द्वारा वहन कर उल्लेखनीय सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

सराहना :– अति. जिला कलक्टर बारां व. नागरिकों द्वारा की गई इस सामाजिक सेवा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

५. समय समय पर कार्यसमिति एवं सामान्य सभा की बैठकों का आयोजन किया जाता हैं।

६. फरवरी 2013 में गर्म व सूती (अनयुज्ड) वस्त्रों का संकलन जन सहयोग से करके दरिद्रबन्धुओं को वितरित किये गये।

७. अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक अधिवेशन त्रिवेन्द्रम् (केरल) में 2 व 3 नवम्बर 2012 को बारां से जिला अध्यक्ष श्री राधेश्याम शास्त्री के मार्गदर्शन में 3 महिला एवं 5 पुरूषों कुल 8 सदस्यीय दल ने भाग लेकर विविधता में एकता का दर्शन एवं व.ना. समस्याओं के समाधान की चर्चा में सहभागिता निभाई। इससे पूर्व शैक्षिक धार्मिक भ्रमण श्री शैलम तिरूपत्ति बालाजी, मुदरई– मीनाक्षी मंदिर रामेश्वरम्, कन्याकुमारी का 24 अक्टूबर 12 से 1 नवम्बर 12 तक किया।

८. मार्च या अप्रैल 2013 में एक दिवसीय व. नागरिक अधिवेशन एवं वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना प्रस्तावित हैं।

''वरिष्ठ नागरिक सेवा में सदैव तत्पर''

– राधेश्याम शास्त्री,

अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक संस्थान, बारां–राजस्थान

वरिष्ठ नागरिकों को सुविधाएँ



केन्द्रीय सरकार ने 65 वर्ष के स्थान 60 वर्ष या अधिक आयु वाले व्यक्तियों को वरिष्ठ मानने का प्रावधान 2011 में किया। 60 वर्ष या अधिक किन्तु 80 वर्ष या अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों हेतु कर मुक्त सीमा 2,50,000 रू व 80 वर्ष या अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक हेतु कर मुक्त सीमा 5,00,000 रू निर्धारित की।

संसदीय समिति आयकर छूट सीमा 3,00,000 रू करने पर सहमत हुई बजट पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्रीजी को आयकर छूट बढाने का आग्रह किया है। हमारा प्रस्ताव है कि 60 वर्ष या अधिक किन्तु 80 वर्ष से कम आयु के वरिष्ठ नागरिकों हेतु भी कर मुक्त सीमा 5,00,000 रू की जाए। आयकर अधिनियम की धारा 88 बी के अन्तर्गत वरिष्ठों को 20,000 रू के आयकर की कटौती के समकक्ष स्थिति पुनर्स्थति हो।

निवेश पर कटौती की सीमा 1,20,000 रू से बढ़ाकर 2,50,000 रू करने को भी समिति ने सहमति दी। दो दिन पूर्व ही वित्त मंत्रीजी ने अंशो में 50,000 रू के विनियोग पर 50 प्रतिशत कटौती की घोषणा की है।

अधिनियम की धारा 80 बी में चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 15,000 रू तक एवं धारा 80 डीडीबी के अन्तर्गत चिकित्सा आदि के सम्बन्ध में 40,000 रू तक की कटौतियाँ के स्थान पर वरिष्ठ नागरिक को 20,000 रू तक एवं 60,000 रू तक की कटौतियाँ उपलब्ध हैं।

आयकर विभाग ने 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा दाखिल किए गए आयकर नक्शों की रूटीन में स्क्रुटिनी नहीं करने के आदेश 14 मार्च 2011 को दिए है (बशर्ते उनकी व्यापार अथवा व्यापारिक साझेदारी से आय न हो)।

वरिष्ठ नागरिकों को अग्रिम कर चुकाने से भी मुक्त किया गया।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के अन्तर्गत ऊंची ब्याज दर पर बड़ी राशि बिनियोजित करने की व्यवस्था है। बैंको में स्थायी जमाओं पर वरिष्ठ नागरिकों को 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक अधिक ब्याज मिलता है। हमारा प्रस्ताव है कि बैंक, डाकघर, सार्वजनिक भविष्य निधि व जीवन बीमा निगम आदि में विनियोजन पर वरिष्ठों को 2 प्रतिशत अधिक ब्याज दिया जाए।

वरिष्ठ नागरिक अपने स्वयं के मकान को बंधक रखकर रिवर्स मोर्गेज स्कीम के अन्तर्गत अपना मकान खाली किए बिना एक मुश्त धन अथवा प्रतिमाह राशि प्राप्त कर सकते हैं।

रेल यात्रा किराया में वरिष्ठ पुरूषों को 40 प्रतिशत तथा महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट हैं। भारतीय रेल्वे ने वरिष्ठ नागरिकों को पृथक काउन्टर की सुविधा प्रदान की है एवं दो निचली बर्थ आरक्षित कर रखी है। हवाई यात्रा करने वालें वरिष्ठ नागरिकों कों घरेलू यात्रा किराए में 50 प्रतिशत की छूट हैं।

राजस्थान राज्य एवं अन्तरराज्यीय क्षेत्रों में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की साधारण एवं द्रुतगामी बसों कि सभी प्रकार की बसों में डिलक्स व सेमी डिलक्स बसों में दी भी वरिष्ठ नागरिकों द्वारा यात्रा करने पर 30 प्रतिशत के स्थान पर किराए में 50 प्रतिशत अन्य राज्यों की तरह छूट दी जाए एवं वरिष्ठों के लिए अग्र पंक्ति में 4 सीटों आरक्षित रखी जाए।

वृद्धावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत 400 रू मासिक की पेंशन प्राप्त हैं। निराश्रित, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन योजना के अन्तर्गत भी पेंशन प्राप्त हैं। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के अन्तर्गत 40 से 64 वर्ष तक की विधवाओं को 200 रू प्रति माह पेंशन और 18 से 40 वर्ष तक की विधवाओं को आई.टी.आई. प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में गम्भीर रोग से विकलांग लोगों को भी पेंशन मिलेगी। हमारा प्रस्ताव है कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना में केन्द्रीय अंशदान 200 रू प्रतिमाह से बढ़ाकर 1,000 रू मासिक किया जाए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ नागरिक के कल्याण हेतु राष्ट्रीय वृद्धजन नीति घोषित की हुई हैं। जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय वृद्धजन परिषद् बनी हुई है। देश के 29 राज्यों में से सिर्फ 9 राज्यों ने अभी तक अपनी वृद्धजन राज्य नीति घोषित की है और उनमें से केवल 3 राज्यों ने ही राज्य नागरिक परिषद् गठित कर कार्यवाही प्रारम्भ की हैं। 9 करोड़ 60 + आयु के वृद्धों और 42 लाख निराधार वृद्धों के हितार्थ सभी क्षेत्रों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है। प्रस्ताव है कि मोहन गिरि की अध्यक्षता में गठित रिव्यु कमेटी द्वारा सौंपे गए गए राष्ट्रीय नीति पर नए ड्राफ्ट के अनुसार नई नीति अविलम्बन निर्गमित की जाए।

संसद ने मेन्टेनेंस एण्ड वेलफेयर ऑफ पेरेन्टस एवं सीनियर सिटीजन बिल 2007 पारित कर प्रावधान किया है कि जो बच्चे अपने बुजुर्ग माता पिता की देखभाल नहीं करते हैं व उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करते है तो उन्हें 3 माह की जेल व 5,000 रू तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। अधिकरण बुजुर्गों के साथ ज्यादती – वाले मामलों की स्वयं संज्ञान लेकर त्वरित कार्यवाही कर सकेगा। वरिष्ठ नागरिकों की सम्पति को जबरदस्ती हस्तातंरण से बचाया जा सकेगा। प्रस्ताव है कि इस अधिनियम को सख्ती से लागू करवाया जाए ताकि बुजुर्गों की प्रताड़ना व उपेक्षा से सुरक्षा हो।

प्रत्येक जिले में ओल्ड एज होम उपलब्ध करने एवं प्रत्येक जिला अस्पताल में जिरियाटिकवार्ड का भी प्रावधान है। वरिष्ठ नगरिकों को चिकित्सा सुविधा में प्राथमिकता है। प्रस्ताव है कि वरिष्ठ नागरिकों को कम प्रीमियम कर स्वास्थ्य बीमा योजना की सुविधा उपलब्ध करायी जाए।

वरिष्ठ नागरिकों के मुकद्में न्यायालय में प्राथमिकता से निपटाने के आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रसारित हैं।

राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन ने समय समय पर आदेश निर्गमित कर वरिष्ठ नागरिकों के कार्यो के निस्तारण में वरियता प्रदान करने तथा उनके साथ सम्मानजनक व संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश विभागाध्यक्षों को दिए हैं। हमारा प्रस्ताव है कि वरिष्ठ नागरिकों को राज्य व जिला स्तर पर विभिन्न विकास व सुधार समिति तथा परामर्श मण्डल में यथेष्ठ प्रतिनिधित्व दिया जाए।

वरिष्ठ नागरिक बन्धुओं और बहनों से आग्रहपूर्वक अनुरोध है कि आपस में आत्मीयतापूर्ण व प्रभावोत्पादक संवाद स्थापित करने हेतु प्रयत्नशील रहें ताकि आत्मोन्नति, स्वाध्याय, परमार्थ, सेवा, सह्दयता, सद्भावना, सदाशयता, सहयोग व सहकार का पुण्य पथ प्रशस्त हो।

प्रो. हस्तीमल शर्मा, पाली

एक रिपोर्ट दिनांक 15 फरवरी 2013
वरिष्ठ नागरिक समिति, पाली

वरिष्ठ नागरिक समिति, पाली पंजीकृत संख 167 / 1998–99 के अन्तर्गत चौदह वर्षो से निरंतर सक्रिय है। 46 संरक्षक सदस्य व 252 आजीवन सदस्य कुल 298 सदस्य एवं विभिन्न शाखाओं व सम्बद्ध संस्थाओं के सैकड़ों सदस्य हैं। हमारी समिति राजस्थान प्रान्तीय संस्थान जयपुर से 2007 में जुड़ी हुई है तथा पाली जिले के सभी पंचायत समिति क्षेत्रों में हमारी 12 शाखाऐं स्थापित हैं।

समिति का प्रथम जिला सम्मेलन 13 मार्च 2005 को सांसद पुष्पजी जैन, विधायक ज्ञानचन्दजी

पारख आदि के अतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसमें पत्रिका ''संकल्प–2005'' एवं ''कल्पतरू'' व ''माँ'' पुस्तकों का लोकार्पण हुआ तथा पुस्तक प्रदर्शनी व ''वरिष्ठ नागरिक और समाज'' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। समिति का द्वितीय जिला सम्मेलन 10 जुलाई 2009 को न्यायाधीश जसराज जी चौपड़ा, विधायक श्री ज्ञानचन्द जी पारख आदि के आतिथ्य में सुसम्पन्न हुआ। जिसमें जिले के 350 सदस्यों ने सहभागिता की। सभी सदस्यों के रंगीन फोटो व सक्षिप्त परिचय युक्त ''पूर्णेन्दु'' स्मारिका का विमोचन हुआ एवं सम्मेलन के 57 रंगीन फोटो व कार्यक्रमों को समाविष्ठ करते हुए ''कल्पतरू'' स्मारिका का प्रकाशन किया गया। समिति के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) हस्तीमल शर्मा ने संस्था की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं व इनकी समस्याओं के समाधान पर विस्तृत विवेचन किया।

प्रोफेसर हस्तीमल शर्मा को लगातार तीसरी बार पाली समिति का अध्यक्ष सर्वसम्मति से 28 सितम्बर 2009 को चुना गया। पदाधिकारियों की सूची इस पत्र में ही प्रकाशित है। प्रो.० शर्मा वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर के 2008–2012 में प्रान्तीय उपाध्यक्ष रहे एवं पुनः 2012–2016 के लिए भी है। अखिल भारतीय सम्मेलनों में जयपुर व दिल्ली तथा सभी प्रान्तीय सम्मेलनों में हमारा भरपूर प्रतिनिधित्व रहा।

नगर परिषद, पाली ने हमारी समिति को करणसिंह चाली में भवन आवंटित किया हैं। बारह मासिक बैठकों के अतिरिक्त बावन सप्ताहिक बैठकों में 12 विभिन्न प्रकोष्ठों व 9 क्षेत्र के क्षेत्रपों के सहयोग से 64 सभाऐं विगत वर्ष में निरन्तर आयोजित हुई तथा प्रत्येक मंगलवार को हनुमान स्तुतियाँ व सत्संग होता है। संयोजक मदन लाल जी शर्मा हैं।

प्रत्येक मासिक बैठक में आध्यत्मिक, सांस्कृतिक, चिकित्सीय, विधिक, सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय व कल्याणकारी विषयों पर विद्वजनों के अनुभूत आलेख वितरित कर परिचर्चा की गयी। यथा – 'स्मरण शक्ति रखने के उपाय ' 'पर्यावरण संरक्षण के उपाय', ''अभिभावक एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण व कल्याण विधेयक 2007'', 'देश भक्त महिला ऑगसान सूं', 'जीवन अच्छा नहीं लगता धर्म बिना', 'मोटापा व अनेक रोगों से मुक्ति', 'चेतावनी', 'असाधारण लोगों के लिए रामबाण दवा', 'मैं नहीं मेरा नहीं' । आलेख प्रमुखतः मोतीमल जी मोहनोत द्वारा संकलित हैं। इनके अलावा श्री श्री रविशंकर जी महाराज की आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक श्री हरिश जी राजपुरोहित ने समिति के सदस्यों को ध्यान योग का अभ्यास कराया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हीलर क्रिस्टन थैरपी विशेषज्ञ अमोलसिंह जी राजपूत के क्रिसटल, रूद्राक्ष एवं ज्योतिष के आधार पर मनुष्य शरीर में सातों चक्रों की सकारात्मक ऊर्जा से रोग निवारण के बारें में जानकारी दी। सोजत शाखा प्रमुख डॉ श्री लाल जी ने सर्व प्रथम सद्भाव पर उद्बोधन दिया । शिक्षाविद् डॉ रामलाल मोहबारसा ने 'भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था' पर विचार प्रकट किए। पाली सेवा मण्डल के डॉ राजेश जोशी ने नेत्र रोगों के सम्बन्ध में आलेख प्रस्तुत किया। हठयोगी शिवलाल जी मालवीय ने योग की जानकारी दी।

आध्यात्मिक व साहित्यिक प्रकोष्ठ द्वारा आचार्य श्री हस्तीमल जी महाराज की 21 वीं पुण्यतिथि पर सामायिक स्वाध्याय भवन में कविता, पोस्टर, पुस्तक – प्रदर्शनी साहित्य विचार व भजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। ज्ञान गच्छ के विद्धान साधु साध्वियों के प्रवचनों से सदस्यगण लाभान्वित हुए।

उम्मेदराजजी उत्पल रचित काव्य संग्रह 'विश्व शान्ति मार्ग' एवं 'राम राज्य' का लोकार्पण किया गया एवं कविता पाठ ।

संरक्षक सदस्य मनहरजी कल्ला ने अपनी धर्मपत्नि श्रीमती रूपकौरजी कल्ला की स्मृति में समिति

को 21 हजार रू भेंट किए, जिससे पुस्तकालय हेतु अलमारियाँ क्रय कर आध्यात्मिक पुस्तकें संग्रहित की गयी।

अर्न्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समिति के क्षेत्रों ने अपने अपने क्षेत्र में बीमार साथियों से सम्पर्क कर आत्मीयतापूर्ण सांत्वना प्रदान की एवं हिन्दू सेवा मण्डल के कुष्ठाश्रम व अधंता निवारण समिति में सदस्यों ने फल व मिठाई कावितरण किया। इस दिवस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महेश कुमारी जी शर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों से सम्बन्धित कानूनों की जानकारी दी।

2 अक्टूबर को गांधी जी की प्रांसगिकता पर गोष्ठी की गयी व लाल बहादुर शास्त्री को श्रृद्धासुमन अर्पित किये गए।

समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय घुटना दर्द राहत शिविर में जयपुर के डॉ सुरेन्द्र सोनवाल के कन्सलर्टशन व जागृति अर्थराईटस रिलिफ सेन्टर निम्बाहेड़ा के आर. एन. मोर की एक्सरसाईजेज के अभ्यास से 135 पीडित लाभान्वित हुए।

पाँच सदस्यीय प्रबन्धन प्रकोष्ठ एवं नौ सदस्यीय क्रियान्वय प्रकोष्ठ बनाए गए ताकि उत्तरदायित्वों के विकेन्द्रीकरण के साथ त्वरित क्रियान्वयन हो।

देसूरी शाखा के अध्यक्ष भंवरसिह जी राठौड द्वारा आयोजित गोडवाड इतिहास लेखन सम्मेलन में जिलाध्यक्ष प्रो. शर्मा व उपाध्यक्ष श्री सुराणाजी का बहुमान किया गया। रानी, फालना, देसुरी व सादड़ी शाखाओं का निरिक्षण 20 दिसम्बर 2012 को किया गया।

'सत्य' और 'तपस्या' से भी श्रेयस्कर 'स्वाध्याय और प्रवचन' अर्थात् 'पढ़ना और पढ़ाना ' को प्रतिपादन करते हुए प्रो. शर्मा ने जनवरी 13 की मासिक बैठक में व्याख्या की।

प्रो. डॉ. हस्तीमल शर्मा
जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक समिति पाली
एवं प्रान्तीय उपाध्यक्ष

वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान की राजसमंद जिला ईकाई का प्रगति विवरण

राजसमंद जिले का नाम अप्रेल १९९१ में हुआ था। प्रदेशाध्यक्ष माननीय श्री कौशल किशोर जैन का राजसमंद में वरिष्ठ नागरिक संस्थान की ईकाई गठित करने बाबत निर्देश प्राप्त हुआ। दिनांक १८–०७–०७ प० प्राप्त होने पर वरिष्ठ नागरिकों से संपर्क किया व ६५ सदस्य बनाये। दो अक्टूबर २००७ को संगठन की विधिवत बैठक आयोजित कर अध्यक्ष का चुनाव कराया। सर्व सम्मति से कल्याणमल विजयवर्गीय को पांच वर्ष के लिए अध्यक्ष चुना गया है तथा वरिष्ठ नागरिक संस्थान की नयी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्रथम बैठक से ही जिला कलक्टर व अन्य अधिकारियों से संपर्क कर निराकरण कराने का प्रयत्न किया।

वृद्धावस्था पेंशन, बसों में यात्रा हेतु रोडवेज डिपो से परिचय पत्र बनवाकर बुजुर्ग बिमारों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने, जैसे कार्य हाथ में लिये। इसमें सदस्यों ने पूर्ण रूचि लेकर किया। जिला प्रशासन समाज कल्याण विभाग व वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजसंमद के संयुक्त तत्वाधान में पिछले तीन वर्ष से १ अक्टूबर को वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है।

२५ जुलाई २०१२ को संस्थान ने पुनः चुनाव पांच वर्ष के लिये सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना। वरिष्ठ नागरिक संस्थान मे जिला मुख्यालय पर ११३ पुरूष व महिला सदस्य है। व सातों तहसीलों मे उपशाखाओं का गठन किया हुआ है।

वर्तमान में निम्न योजनाओं पर कार्य कर रही है।

१. निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हर तीन माह मे ऐसे गांवो जहां अस्पताल नहीं है। एक दिन का होता है। डॉ. विजय खिलनानी डॉ. पुष्पा खिलनानी डॉ. जी.एल. हिंगड (नैत्र विशेषज्ञ) सेवायें देते है। संस्थान जन सहयोग की राशि से दवाइया उपलब्ध कराता है।

२. प्याऊ बिठाना – वरिष्ठ नागरिकों के आर्थिक सहयोग से गर्मी के दिनों में १ मई से १५ जुलाई तक तीन चार स्थानों प्याऊ बिठाई जाती हैं। जहां राहगिरों को सहज पानी उपलब्ध नहीं होता हैं।

३. कवि सम्मेलन वरिष्ठ नागरिक दिवस की पूव सन्धया पर कवि सम्मेलन आयोजित किया जाता हैं।

४. वृद्धावस्था पेंशन : शिविर आयोजित कर वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवेदन पंत्र भरवा कर पेंशन स्वीकृत कराना।

भावी योजनाएं :–

१. संगठन में वर्ष 13 में 200 नये सदस्यों को जोड़ना।

२. संगठन का निजी भवन नहीं हैं। जिला कलक्टर के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा निशुल्क भुखण्ड आंवटित करवा कर संगठन का भवन बनवाया।

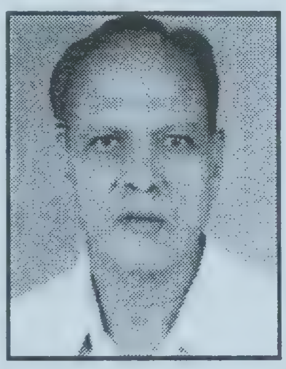
३. वृक्षारोपण बाल विवाह को रूकवाना राज्य सरकार द्वारा आम जन के कल्याणार्य योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी बढ़ा समाज सेवा करना।

४. जिला मुखयालय पर जन सहयोग से पुस्तकालय व वाृचनालय प्रारम्भ करना।

1 अक्टुम्बर को वरिष्ठ नाफ्ररिकों का अधिवेशन आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डा. प्रितम बी यशवन्त थे व अध्यक्षता जिला प्रमुख किशन लाल गमेति थे। इस अवसर पर 25 वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया।

कल्याणमल विजयवर्गीय, कांकरोली–राजसमन्द

वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2012–13
वरिष्ठ नागरिक समिति, झालावाड़



मान्यवर अतिथि महोदय एवं मंचासीन सभी माहनुभाव, मेरे पूजनीय वरिष्ठजन एवं वरिष्ठ नागरिक बन्धुओं वरिष्ठ नागरिक समिति, झालावाड हर वर्ष 10 वर्ष से विश्व वृद्धजन दिवस पर 85 वर्ष एवं अधिक आयु वालों को सम्मानित करती है। वृद्धजन समाज की विरासत है, अनुभव व सोच का भण्डार है, उनके विचारों को सुनें, समझें, मनन करें तभी इस दिवस को मनाने की सार्थकता है। मेरा सभी वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह है कि इस उम्र के आखिरी पडाव पर स्वस्थ शरीर रखने के लिये प्रतिदिन योग प्राणायाम करें, अपने साथियों को सिखायें ताकि स्वस्थ शरीर रहे। स्वस्थ शरीर में ईश्वर का वास रहता हैं।

स्थायी गतिविधियां

१. व.ना.स. झालावाड़ द्वारा प्रति वर्ष ग्रीष्म ऋतु में प्याऊ का संचालन किया जाता है। नियमित योग पुरूषों के लिये प्रातः तथा महिलाओं के लिये सायं चन्द्र कांता चेरिटेबल ट्रस्ट के हाल में किया जाता हैं।

२. नेत्रदान कार्यक्रम को अपनाया गया है जिसमें नेत्रदान के लिये लोगों को प्रेरित किया जाता है जिसमें श्री के.सी. अग्रवाल सा के पिता वं पत्नी का नेत्रदान किसी कारण वश (अस्पताल की कमी) के कारण पुरा नहीं हो सका।

३. प्रत्येक माह मीटिंग का आयोजन किया जाता हैं, उस माह में जन्में व .ना. सदस्यों का सम्मान समिति करती हैं।

४.	कई समाज सेवी संस्थाअें के कार्य में सहयोग दिया जाता हैं।

वर्ष भर में किये गये कार्यो का ब्यौरा : नगर एवं जिले की आवश्यकतानुसार प्रशासन को नेताओं को केन्द्र एवं राज्य स्तर पर समस्या समाधान हेतु पत्र लिखे जाते है, व्यक्तिगत मुलाकात की जाती है जिसके तहत कुछ उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

१.	सार्वजनिक अस्पताल में वेरियेट्रिक आउटडोर की स्थापना, नगर की सीवेरज का कार्य शुरू , देवरी घटा से रिलायन्स पेट्रोल पम्प तक पेड़ो को काटने से बचाना, सरकारी भवनों परिसरों की रिचार्ज करने के लिये झालावाड़ के बीच स्थानान्तरित न करने के लियें लिखा गया पर वन विभाग ने आपत्ति जताइ, निर्णय पर विचार मंथन जारी हैं।

निम्नलिखित पत्र इस वर्ष लिखे गये :

१.	महावीर केंसर रोग निदान केन्द्र जयपुर को अलसी के उपयोग का केंसर रोग मुक्ति में उपयोग पर रिसर्च करें।

२.	सूचना के अधिकार के तहत जल संसाधन, जलदाय विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, व अन्य विभागों से सूचनाऐं प्राप्त करने की कार्यवाही की।

३.	कुलपति तकनिकी विश्व विद्यालय कोटा को हिन्दी में तैयार करने जिसकी प्रति इजीनिंयर कॉलेज झालावाड़ को ही व उच्च शिक्षा मंत्री को भी पत्र लिखा।

४.	जागो पार्टी एवं भारतीय राष्ट्रीय सामन्त वादी पार्टियों को पत्र लिखा कि वे अलग अलग न लड़कर स्वामी रामदेव जी, अन्ना हजारे के व्यवस्था परिवर्तन के आधार पर मिलकर आगे बढ़ें।

५.	मुख्य न्यायाधीश हाईकोर्ट जयपुर को लिखा कि राज्य सरकार की 24 घंटे जल सप्लाई योजना पर 200 करोड़ खर्च करना जनता के साथ छलावा है।

६.	सौर ऊर्जा मंत्री आधारित पम्प सेट योजना को व्यवहारिक बनाने हेतु कलक्टर को लिखा।

७.	सचिव, आयुर्वेद विभाग जयपुर को पत्र लिखा कि दिव्य फार्मेसी हरिद्वार की औषधियों पेंशनर्स एवं सरकारी कर्मचारियों को उपलब्ध करावें।

८.	जिला कलक्टर को लिखा कि गढ़ पार्क को बचावें, जर्जर हो रहे गढ़ भवन को संरक्षित किये जाने एवं नये पार्क बनाने की अपेक्षा पुरानों को सरंक्षित किया जावें।

९.	चम्बल बचाओं अभियान के तहत मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को पत्र लिखा।

१०.	राजस्थान मुख्य मंत्री को पत्र लिखा कि बांधो के जल ग्रहण सेल में जो जल भराव फैलाव क्षेत्र में आवासीय बस्ती एवं मकानों के बनने पर रोक लगाई जावे जिसकी प्रति मुख्य न्यायाधीश हाईकार्ट जयपुर को दी ताकि क्रियान्वयन सम्भव हो सके।

११.	मुख्य न्यायाधीश हाईकोर्ट जयपुर ध्यान आकर्षित किया कि राज्य सरकार की लापरवाही से 1.5 लाख क्विंटल गेहूँ सड़ गया।

१२.	जिला– कलक्टर जयपुर को लिखा कि पेड़ नहीं काटे जावे व प्रति राजस्थान हाईकोर्ट को दी।

१३.	जिला कलक्टर झालावाड़ को शहर की 20 अव्यवस्था के बारें में पत्र लिखकर अवगत कराया

१४.	स्वयं सेवी संस्थाओं को पत्र लिखा कि सेवाकार्य किन किन क्षेत्रों में किये जावें।

१५.	16 अगस्त को प्रोटेस्ट दिवस मनाया, मांग पत्र सरकार को भेजा एवं विधान सभाओं में पूछने के प्रश्न एम.एल.ए को दिये, एम.पी. को भेजे।

१६.	जिला प्रभारी मंत्री मीणा जी को काली सिंध बांध झालावाड से सिंचाई भी करने बाबत् लिखा। दूसरा पत्र पर्यावरण बचाओ वृक्षों के कटने से बचाने के तरीकें बतातें हुए एवं गढ भवन की दुर्दशा बाबत भी लिखा।

इसी प्रकार समिति निरन्तर समाज उपयोगी कार्यो में प्रयत्न शील है एवं अन्य समस्याओं के कार्यक्रमों में सहयोग देती रहती हैं।

१.	श्री मिर्जा अतहर बेग	85 वर्ष

२. श्री मोहनसिंह जी 86 वर्ष
३. श्री हाजी मुज़फर हुसैन 85 वर्ष
४. श्री नन्हें खां जी कड़ोरिया 87 वर्ष
५. श्री मांगीलाल जी अग्रवाल 85 वर्ष
६. श्री द्वारका प्रसाद जी विजयवर्गीय 92 वर्ष
७. श्री मेहमूद खां जी 85 वर्ष
८. श्री मांगीलाल जी 85 वर्ष
९. श्रीमति कंवरी बाई 85 वर्ष
१०. श्रीमति कमला जी विजयवर्गीय 55 वर्ष

कार्यसमिति की गति विधियां (वृद्धजन दिवस 2012 के बाद)

१. पेन्शनर भेरूलाल को लोकल बैंक द्वारा पेंशन नहीं देने की शिकायत रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जयपुर को पत्र भेजा व कार्य हो गया।

२. राजस्थान स्तर पर पेंशनर समाज को पत्र लिखा कि वो वरिष्ठ नागरिक संस्थान से सम्बन्धता कायम करे व जिले इकाइ को जिले में जोड़े।

३. अधीक्षक राजेन्द्र सार्वजनिक अस्पताल झालावाड़ को वरिष्ठ नागरिक के लिये अलग आउट डोर चालू करने अस्पताल की सफाई व्यवस्था को ठीक करने मिले, पत्र दिया अस्पताल में सेवायें देने बाबत् जिसके तहत सफाई व्यवस्था में बदलाव आने लगा। नियमित 2 घंटे अस्पताल में सेवायें दे रहे हैं।

४. डीन मेडिकल कॉलेज को पत्र लिखकर, मिलकर कॉलेज के प्रोग्राम जमा करने हेतु, ताकि भ्रष्टाचार, नैतिक शिक्षा, जल प्रबन्धन, योग पर अवेयरनेस की जा सके।

५. जिला कलक्टर से मिले व पत्र दिया नेत्रदान पर व्यवस्था करना, गेरियेट्रिक आउटडोर चालू करवाना, गढ पार्क की दुर्दशा सुधारनें, गढ़ भवन संरक्षण बाबत् पर्यावरणबचा वृक्षों को कटने से रोकने पर वार्ता की, काली सिन्ध बांध से सिंचाई चालू करवाने बाबत् चर्चा की।

६. रेल्वे बोर्ड जबलपुर को झालावाड में ट्रेन शुरू करने एवं टाइम टेबल में परिवर्तन करने पर जोर दिया जो उपयोगी हैं।

७. केन्द्रीय वरिष्ठ नागरिक महासमिति राजस्थान जयपुर को एक पत्र लिख अजीत सिंह खेड़ा अध्यक्षता में चल रही समिति करने हेतु को एक पत्र लिखा।

८. पुरातत्व विभाग एवं संग्रहालय को गढ़ भवन को सुरक्षित करने का (राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर) आदेश दिया हमारी मांग पर। पुरातत्व विभाग को पत्र लिखा कि गढ भवन को उपयोगिता किन किन कार्यो पर दी जा सकती हैं।

९. जिला कलक्टर झालावाड़ को जिले में चल रही आयुर्वेद सुनीत को राजेन्द्र सार्वजनिक अस्पताल परिसर में शिफ्ट कराने बाबत् जो पहले वही चल रही थी। जिसका फायदा आमजन को मिल सके।

१०. पेंशनर समाज झालावाड ईकाई के साथ मिलकर 20 जनवरी 13 को आंखो का केम्प लगवाया जिसमे करीब 280 रोगियो की नेत्र जांच की जिसमें से 55 नेत्र ओरपेशन कर लैन्स लगाने बाबत्, ऑपरेशन अस्पताल में करायें गयें।

११. झालावाड के कार्यालयों से आवश्यक सूचनायें आर.टी.आई. नीयम के तहत मांगी गई। विद्यालयों में नेतिक शिक्षा, जल प्रबन्धन भ्रष्टाचार, नशावृति पर जनजागृति स्वरूप कार्य करने के प्रयास जारी है। इस प्रकार हम समाजोंपयोगी एवं वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ कार्य कर रहे हैं।

– इंजी. के.सी. अग्रवाल, अध्यक्ष

विचारों के पुष्पो को सोच की माला में पिरो के देखे।

वरिष्ठ नागरिक मंच संस्थान चित्तौड़गढ़ के बारे में सूक्ष्म जानकारी (रिपोर्ट)

(1) वरिष्ठ नागरिक मंच की स्थापना जून, 2003 में खाड़िया महादेव के पवित्र स्थल पर ग्यारह सदस्यों के साथ हुई और विगत दस वर्षों में अभी तक 535 साप्ताहिक संगोष्ठियां हो चुकी है और वर्तमान सदस्य संख्या 415 तक पहुंच गई है, इसके अलावा सभी सदस्यों की धर्मपत्नीयां (सम्मानीय) होनरेरी सदस्यों के रूप में मंच को सम्बल प्रदान कर रही है। मंच सदस्यों के पुत्र-पुत्रवधु-पौत्र-पौत्रियां मंच रूपी पुष्प गुच्छ को सुगन्धित पंखुड़ियों के रूप में (करीब 1500) शोभा बढ़ा रहे हैं और मंच ने एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले रखा है।

(2) मंच की साप्ताहिक संगोष्ठियां प्रति रविवार को दो घंटे के लिए नगर परिषद के शास्त्री उद्यान में स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित होती है।

(3) संगोष्ठियों में जहाँ एक ओर सर्वधर्म व सर्वसमाज समरसता के कार्यक्रम की तथा नियमित नैतिक एवं स्वास्थ्यवर्धक (प्राणायाम आदि के साथ) गतिविधियों के साथ प्रसन्न मुद्रा में (हंसी ठहाकों के साथ) प्रारम्भ होती है वहीं रूग्णावस्था में चल रहे मंच सदस्यों व उनके परिवार के बारे में सूचनाओं व कुशलक्षेम का आदान-प्रदान होता है और मंच सदस्यों ने सामूहिक शपथ ले रखी है कि बीमार चल रहे सदस्यों के घर पर आराम पूछने व हाल-चाल जानने हेतु वहां जाने वाला कोई सदस्य चाय नाश्ता नहीं कर परिवारजन का अनावश्यक मेहमानबाजी में उनका समय बर्बाद नहीं करेगा अन्यथा उस पर 500 पांच सौ रुपये जुर्माने के देने होंगे। यह परम्परा विशिष्ट अनुभवाधारित होकर कई वर्षों से चली आ रही है। मंच की संगोष्ठियों में दूसरी और साप्ताहान्तर्गत आने वाले विशिष्ट दिवसों-महापुरुषों की जयन्तियों, विभिन्न समाजों के त्यौहारों तथा उत्सवों पर चर्चा की जाती है साथ ही मंच सदस्य व उनके परिवार के सदस्यों की गमी पर तथा स्थानीय-राज्य स्तरीय-राष्ट्रीय स्तर की विशिष्ट एवं सामूहिक शहीदों व दिवंगत आत्माओं के प्रति संवेदना प्रकट कर मौन श्रद्धांजलि समर्पित भी की जाती है। साथ ही स्थानीय सभी समाजों के प्रायः सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति तीसरे / उठावने के दिन मंच की ओर से लिखित संवेदना संदेश प्रस्तुत कर उसका वाचन किया जाता है जिनकी संख्या करीब 1 हजार तक पहुंच चुकी है।

(4) संगोष्ठियों में विशिष्ठ वक्ताओं, उच्च अधिकारियों, जजों, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधियों, विभिन्न समाजों तथा जातियों व संस्थाओं के पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं को आमंत्रित कर समसामयिक महत्व व विभिन्न समस्याओं पर चर्चाओं व मंथन कर निर्णय लिये जाते है जिनके तथा मंच सदस्यों के विद्वद विचार मीडिया के माध्यम से (प्रायः सभी संगोष्ठियों के) जन-साधारण को सुनने व पढ़ने को मिलते है, जिनकी जानकारी अलग से भारत सरकार-राज्य सरकार व सम्बन्धित विभाग तथा जिला पुलिस व प्रशासन को दी जाती है, जिनके प्रत्युत्तर भी प्राप्त होते रहे है।

(5) मंच के सदस्यों का वार्षिक सम्मान समारोह के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत व युवाओं का श्रवणकुमार योजना के अन्तर्गत तथा पुरुषों का दूरदर्शिता व संवेदनशील सम्मान से नवाजा जाता है, गणतंत्र व स्व० दिवस शानदार ढ़ंग से मनाये जाते है।

(6) मंच में विभिन्न जाति, धर्म, व्यवसाय, पदों पर रहे सदस्य है जिनमें सेवानिवृत्त एस.पी., चीफ इंजीनियर, डाक्टर, शिक्षाविद्, प्राचार्य, बैंक मैनेजर्स, समाजसेवी तथा मौजूदा आई.ए.एस. व

आई.पी.एस. के पिताश्री जैसे विद्वद व अनुभवी सदस्य है जिनके ज्ञानकोष की वृष्टि सभी संगोष्ठियों में होती रहती है। मंच का चहुमुखी विकास मंच सदस्य व उनके परिवारजनों के सतत् सहयोग व अटूट प्रेम, स्नेह, आदर-सम्मान के कारण ही सम्भव हो पाया है व हो रहा है जिसको मंच अध्यक्ष, प्रान्तीय अध्यक्ष व प्रान्तीय कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का सम्बल व आशीर्वाद प्राप्त है और होता रहेगा, मंच उनके मार्गदर्शन के लिए सदैव ऋणी है व रहेगा।

(7) मंच के कई सदस्य विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सेवा कार्यों में जुटे हुए है और उनकी वजह से मंच की पहुंच जन साधारण के हृदय पटल तक है, समय समय पर मंच ऐसे सेवाभावी सदस्यों का सम्मान करने में अपना गौरव महसूस करता है।

- आर.सी. डाड, महासचिव, चित्तौड़गढ़



सीनियर सिटीजन फोरम, जिला भरतपुर संगठन का संक्षिप्त परिचय

भरतपुर जिले में भरतपुर मुख्यालय पर सीनियर सिटीजन फोरम का गठन 2000 में वृद्ध एवं वरिष्ठ नागरिकों के हितों के लिए मा० बलबीर सिंह की अध्यक्षता में किया एवं एक कार्यकारिणी का गठन कर जनहित में कार्य प्रारम्भ किया। सन् 5.10.2011 में राजस्थान वरिष्ठ नागरिक मंच, जयपुर से संगठन के जनहित सभी कार्यों से विधिवत सम्बद्धता प्रमाण-पत्र संलग्न।

इस फोरम ने सन् 2000 से व्यापक जनहित में निम्न कार्य किए हैं-

सीनियर सिटीजन फोरम के अध्यक्ष पद से किए गये प्रयास एवं उपलब्धियाँ

(1) **आगरा-बांदीकुई रेल आमान परिवर्तन**-सन् 2001 में राष्ट्रपिता गाँधीजी एवं लालबहादुर शास्त्री (पूर्व प्रधानमंत्री) के जन्म दिवस पर आगरा-बांदीकुई रेल आमान परिवर्तन हेतु गत 12 वर्षों पूर्व खाली पड़ी रेल लाइन को ज्ञापन, धरना, प्रदर्शन, अनशन, सद्बुद्धि यज्ञ आदि द्वारा एक लम्बी आन्दोलनात्मक लड़ाई जारी रखकर सत्र 2004-2005 में रेलवे बजट से ब्रॉडगेज रेल लाइन बिछवाई गई एवं रेल सेवाएं चालू कराई गई, जिससे इस क्षेत्र के निवासियों को आगरा, जयपुर, अजमेर के अलावा बीकानेर, अहमदाबाद की सस्ती व सुविधाजनक यात्राएं उपलब्ध हुई। इस आन्दोलन में इस क्षेत्र की जनता का भरपूर सहयोग एवं समर्थन मिला।

(2) **भरतपुर संभाग का गठन**-राजस्थान के पूर्वी जिले भरतपुर, धौलपुर, करौली व सवाई माधोपुर के निवासियों की जयपुर एवं कोटा के संभागों के चक्कर लगाने की खर्चीली एवं कष्टदायक यात्रायों से मुक्ति दिलाने, जयपुर व कोटा संभाग से इन जिलों को अलग कराकर भरतपुर संभाग बनवाने एवं भरतपुर को संभाग मुख्यालय घोषित कराने के लिए सीनियर सिटीजन फोरम के बेनर तले सन् 2002 में ज्ञापन, प्रदर्शन, धरने, रैली आदि गांधीवादी कार्यक्रमों से आन्दोलन चलाया गया एवं सन् 2005 में भरतपुर को संभाग बनवाने में सफलता हासिल हुई।

(3) **भरतपुर संभाग मुख्यालय पर विश्वविद्यालय एवं मेडीकल कॉलेज खुलवाने हेतु आन्दोलन**-भरतपुर संभाग बनने के बाद 9 अगस्त, 2005 से सीनियर सिटीजन फोरम के मंच से भरतपुर संभाग मुख्यालय पर विश्वविद्यालय एवं मेडीकल कॉलेज खुलवाने हेतु गांधीवादी तरीके से आन्दोलन प्रारम्भ किया गया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में राज्य के महामहिम राज्यपाल, प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री आदि को ज्ञापन

एवं सम्पर्क स्थापित कर भरतपुर में विश्वविद्यालय एवं मेडीकल कॉलेज खोलने के आदेश जारी कराये।

(4) **शहर के मध्य स्थित जनाना अस्पताल के स्थानान्तरण पर रोक**–ब्रिटिशकाल में रजवाड़ों के दौरान सन् 1899 में महाराजा रामसिंह द्वारा निर्मित विक्टोरिया हॉस्पीटल को गत जनता पार्टी के शासनकाल में एक छत के नीचे योजना के अन्तर्गत बाबू राज बहादुर मैमोरियल हॉस्पीटल में स्थानान्तरण की योजना के विरोध में जन सहयोग से आन्दोलन चलाकर स्थानान्तरण पर रोक लगवाई एवं मातृ-शिशु जीर्ण शीर्ण भवन को तुड़वाकर नया भवन निर्माण हेतु एक करोड़ से अधिक की राशि का बजट राज्य सरकार से स्वीकृत कराया। शहर की जनता के भरपूर समर्थन से सफलता मिली। जिला पुस्तकालय भवन के सामने चिड़ियाघर के नाम से प्रसिद्ध अस्पताल को सैटेलाइट अस्पताल बनवाने हेतु आन्दोलन तरीके से सघन प्रयास किए गए एवं अन्त में सफलता प्राप्त हुई।

(5) **अपना घर बझेरा अनाथ आश्रम को आर्थिक सहायता**–सीनियर सिटीजन फोरम के मंच से अध्यक्ष पद पर सेवाएं देते हुए ग्राम बझेरा अंचल में स्थित बेसहारा एवं अनाथों के स्थाई निवास स्थल ''अपना घर बझेरा अनाथ आश्रम'' की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए शहर में नागरिकों से मासिक सदस्यता अभियान चलाकर 30 रुपये, 40 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 250 रुपये एवं 500 रुपये के मासिक सदस्य बनाकर अनाथ आश्रम को भारी मात्रा में आर्थिक सहायता प्रदान कराई। मासिक सदस्यता अभियान वर्तमान में भी जारी है।

(6) **आवासन मण्डल के कार्यालय के अलवर स्थानान्तरण पर रोक**–भरतपुर मुख्यालय पर स्थिति आवासन मण्डल के कार्यालय को अलवर स्थानान्तरण करने के विरोध में आन्दोलन चलाकर रोक लगवाई गई।

(7) **जनाना अस्पताल (विक्टोरिया अस्पताल) में स्थाई बारहमासी जल मंदिर का निर्माण**–मोरी चार बाग स्थित जनाना अस्पताल में रोगियों एवं उनके परिजनों को शीतल जल व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल उद्यान में स्थाई सार्वजनिक जल मंदिर का निर्माण शीघ्र कराकर एवं वाटर कूलर लगाकर शीतल एवं स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जायेगा तथा इस चिकित्सालय में स्थित उद्यान को हरा-भरा बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं। इस उद्यान में एक मंदिर भी है उसके रखरखाव की व्यवस्था भी जन सहयोग से की जावेगी। इस बगीचे में एक हैण्डपम्प भी स्नान एवं कपड़े धोने के लिए लगाया गया है।

(8) **राजकीय सैटेलाइट अस्पताल**–भरतपुर में रोगियों एवं उनके परिजनों को वाटर कूलर एवं वाटर फिल्टर सहित स्वच्छ एवं शीतल जल व्यवस्था हेतु शीतल जल मंदिर का निर्माण कराया जिसकी न केवल रोगी एवं उनके परिजन अपितु आस-पास के क्षेत्रों को भी शीतल जल का लाभ मिल रहा है।

(9) **राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय**–किला भरतपुर में छात्राओं एवं अध्यापिकाओं के लिए वाटर कूलर एवं वाटर फिल्टर सहित शीतल जल मंदिर का निर्माण कराया।

(10) **राजकीय मान्टेसरी विद्यालय**–किला भरतपुर में उच्च प्राथमिक स्तर के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापिकाओं के लिए वाटर कूलर एवं वाटर फिल्टर सहित शीतल जल मंदिर का निर्माण कराया। फोरम के लिए सौभाग्य की बात यह है कि इन सभी शीतल जल मंदिरों का उद्घाटन व्यापक जनहित में माननीव गौरव गोयल, जिला कलक्टर भरतपुर के करकमलों से सम्पन्न हुआ है। ये सभी जल मंदिर सफलतापूर्वक संचालित हैं।

(11) जिला कलक्टर की प्रेरणा पर ही फोरम के सदस्य समाज में ऐसे परिवारों की जानकारी ले रहे हैं जिनमें भरण पोषण व्यवस्था उनके परिजन उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं एवं ऐसे वृद्धजनों को माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम के तहत उनका परिवार में वाजिब हक दिलाने के लिए जिला भरतपुर कार्यालय में प्रेरित कर प्रार्थना-पत्र भिजवाने में सहायता कर रहे हैं। यह भरतपुर जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि भरतपुर जिले में सबसे ज्यादा 27 प्रकरण भरतपुर जिले में जिला कलक्टर भरतपुर द्वारा ही निपटाऐं गये हैं।

(12) सीनियर सिटीजन फोरम के उपरोक्त व्यापक जनहितकारी कार्यों के लिए फोरम को 15 अगस्त, 2012 के समारोह में प्रशंसनीय प्रमाण-पत्र देकर हौंसला अफ़ज़ाई किया।

(राधेलाल गुप्ता) महामंत्री

(मा० बलवीर सिंह) जिलाध्यक्ष

सीनियर सिटीजन फोरस, भरतपुर

वरिष्ठ नागरिक मंच (संस्थान), भीलवाड़ा

वार्षिक प्रतिवेदन (मार्च 2012 से फरवरी 2013 तक)

वरिष्ठ नागरिक मंच (संस्थान), भीलवाड़ा ने उत्तरोत्तर प्रगति करते हुये वरिष्ठजनों को एक ऐसा मंच उपलब्ध करवाया है जहाँ हम सभी मिल बैठकर अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकें, अपने अनुभवों का आदान-प्रदान कर वार्ताओं के माध्यम से धर्म, आध्यात्म, स्वास्थ्य, मनोरंजन एवं समाजसेवा सम्बन्धी कार्यक्रमों के आयोजन में भाग लेकर अपने जीवन को सफल, प्रेरणादायी और आनन्दमय बना सकें। विगत 7 वर्षों में संस्थान की नियमित मासिक बैठकें, कार्यकारिणी की सक्रियता, सैक्टर प्रभारियों की गतिशीलता में संस्थान को समाज में एक पहचान दी हैं। संस्थान में इंजीनियर, डाक्टर, चार्टेड अकाउन्टेंट, वकील, लेखक, कवि, शिक्षाविद्, साहित्य एवं कला प्रेमी, लेखाकार तथा समाज के हर वर्ग से जुड़े पुरुष एवं महिला सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में निष्णात है। सभी अपेक्षाओं के अनुरूप अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार समाज सेवा से जुड़े है। सभी ने सेवा क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया हुआ हैं। संस्थान ने अपनी गतिविधियों एवं प्रगति से सभी को अवगत रखते हुये लघु पत्रिका ''आह्वान'' का त्रैमासिक नियमित प्रकाशन भी किया है। मंच द्वारा मार्च, 2012 से फरवरी, 2013 तक सम्पन्न हुये कार्यक्रमों की जानकारिया एवं प्रगति विवरण इस प्रकार है-

(1) मार्च, 2012 की सम्पादित नियमित बैठक के पश्चात् 13 मार्च को कार्यकारिणी बैठक 29 मार्च को सेक्टर प्रभारियों की बैठक का आयोजन हुआ। मासिक बैठक में फागोत्सव के उपलक्ष में काव्य पाठ का सुन्दर आयोजन हुआ जिसमें 14 कवियों ने काव्य पाठ किया।

(2) 7 अप्रेल, 2012 को आयोजित बैठक में जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। स्वास्थ्य चर्चा में डॉ० जगदीश वैष्णव ने योग एवं प्राणायाम पर प्रकाश डाला।

(3) मई, 2012 की बैठक में विद्वान स्वामी श्री शिवानन्द जी महाराज ने ''मानव जीवन में धर्म, आध्यात्म एवं दर्शन की भूमिका'' विषय पर प्रभावी उद्बोधन दिया।

(4) जून, 2012 में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साध्वी श्री प्रियंवदा जी ने चिकित्सा में ज्योतिष योगदान विषय पर वार्ता दी। साध्वीजी के निष्काम भाव से तृष्णा छोड़कर तथा कर्त्तव्य समझकर सेवा करने हेतु प्रेरित किया।

(5) जुलाई, 2012 में आयोज्य बैठक में गायत्री शक्ति पीठ शान्तिकुंज हरिद्वार से पधारे संत श्री ने आध्यात्मिक उद्बोधन दिया। यश बैंक के मैनेजर श्री राहुल जी ने वरिष्ठजनों को बैंक द्वारा दिये जाने वाले लाभों की

जानकारी दी। संस्थान के उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी भट्ट ने जून, 2012 में संस्थान के 40 सदस्यों द्वारा की गई बद्रीधाम धार्मिक यात्रा का वृतान्त, वहां आयोजित शत्तकुण्डी यज्ञ एवं देवी भागवत महापुराण कथा का विवरण प्रस्तुत किया। जिला साहित्यकार परिषद के श्री जे.पी. भाटिया ने अपनी प्रसिद्ध कविता ''बेटिया'' प्रस्तुत की। गुरू पूर्णिमा पर्व पर भी प्रकाश डाला गया। सदस्यों को मेडिकल किट वितरित किये गये।

(6) अगस्त, 2012 की बैठक में पण्डित श्री सत्यनारायण जी शास्त्री ने जन्माष्टमी पर्व पर विचार व्यक्त किये। ''मुथुट फिन कोरप'' से श्री राजेन्द्र जी हींगड ने वरिष्ठजनों को अपनी जमा राशि पर मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। वैद श्री कृष्ण जी व्यास (पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी) ने ''स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याऐं एवं समाधान'' विषय पर वार्ता की। माह नवम्बर में वरिष्ठ नागरिक संस्थान के त्रिवेन्द्रम में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी दी गई तथा उसमें भाग लेने हेतु सभी को निवेदन किया गया।

(7) सितम्बर, 2012 को आयोजित बैठक में भूदान यज्ञ के प्रणेता एवं सर्वोदय विचारों के प्रवर्तक बिनोवा भावे की जयन्ती पर्व के उपलक्ष में श्री शंकरलाल जी काबरा ने अपने विचार प्रस्तुत किये। काव्य गोष्ठी का भी आयोजन हुआ, जिसमें सदस्य कवियों ने काव्यरस की धारा बहाकर सभी को रसानुभूति करवाई।

(8) अक्टूबर माह में वृद्धजन दिवस पर 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामस्नेही सम्प्रदाय के विद्वान संत श्री लक्ष्यराम जी महाराज ने वरिष्ठ नागरिकों को जिन्दगी की हकीकत से अवगत कराते हुये प्रेरणास्पद् उद्बोधन दिया।

(9) नवम्बर, 2012 में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। श्री गोविन्द जी गौड़ ने राम चरित्र पर सारगर्भित, प्रभावशाली उद्बोधन दिया। संस्थान की ओर से 2 व 3 नवम्बर को त्रिवेन्द्रम (केरल) में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में 10 सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व श्री ओ.पी. हींगड़ कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ने किया।

(10) दिसम्बर, 2012 की बैठक में संस्थान के द्वारा आयोजित / सम्पादित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई जिसमें विद्वान सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये तथा कई सुझाव भी दिये। श्री रामस्वरूप जी अग्रवाल ने ''विश्व में भारत भूमि ही स्वर्ग तुल्य.....'' विषय पर अपना उद्बोधन दिया।

(11) जनवरी, 2013 की बैठक में स्वामी विवेकानन्द जी की 150वीं जयन्ती मनाई गई। सदस्य श्री जगमोहन जी ओझा, उमा दाधीच, प्रो० श्री बी.एल. पोरवाल सा. ने स्वामी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। श्री शंकरलाल जी काबरा ने गीता जयन्ती पर विचार व्यक्त करते हुए उसे कालजयी सनातन शाश्वत बताया।

(12) फरवरी, 2013 की बैठक में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कार्डियोलोजिस्ट एवं जीवन शैली विशेषज्ञ डॉ० विमल छाजेड़ की ''बिना चीर फाड के हृदय रोग का उपचार'' विषय पर विशेष वार्ता एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ० छाजेड़ द्वारा हृदय रोग क्या है, इनके कारण एवं निवारण पर विचार व्यक्त किये गये। डॉ० छाजेड़ ने जीवन शैली को सही दिशा देने, तंदरूस्त व दीर्घायु बने रहने के लिये किन नियमों का पालन किया जाये पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपस्थित सदस्यों एवं विशेषज्ञों के प्रश्नों का निराकरण भी किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने वार्ता का लाभ उठाया।

वर्षभर आयोजनों के माध्यम से संस्थान उपयोगिता एवं लोकप्रियता की ओर अग्रसर होकर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा।

बी.एल. माहेश्वरी, महासचिव

वरिष्ठ नागरिक संस्थान, शाहपुरा (भीलवाड़ा)

संस्था का परिचय

दिनांक 8 जुलाई, 2006 सायंकाल शाहपुरा के वरिष्ठ एवं प्रबुद्धजनों को सूचना देकर रामद्वारा परिसर में आमंत्रित किया गया। चित्तौड़गढ़ के श्रीमान् रामचन्द्रजी डाड ने आगन्तुक सज्जनों को संबोधित किया और उनके वहां चल रहे वरिष्ठ नागरिक मंच की गतिविधियों की जानकारी देकर शाहपुरा में भी ऐसे मंच की स्थापना का आग्रह किया। आये हुए सज्जनों ने भी अपने विचार रखे तथा अन्त में यहाँ भी वरिष्ठ नागरिक मंच की स्थापना का निश्चय किया गया। इसी में यह निश्चय किया गया कि सप्ताह में एक दिन सायंकाल इसकी मीटिंग हो तथा संचालन के लिए अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का गठन किया जावे।

सर्व सम्मति से इसका अध्यक्ष का पदभार श्री लालचन्द वेली को दिया गया, सचिव का कार्यभार श्री देवेन्द्रसिंह बूंलिया एवं कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी श्री रामकल्याण काबरा को दी गई। उपाध्यक्ष श्री भंवरलाल भ्रेंमर एवं सहसचिव श्री भोजूराम सिंधी को नियुक्त किया गया।

आगे प्रति शनिवार सायंकाल 5 बजे मिलने का निश्चय स्वामी श्री रामकिशोर जी महाराज की छतरी के उद्यान, शान्ति स्थल पर किया गया। सदस्यता शुल्क 101 रु. रखा गया।

प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को विश्व वृद्ध दिवस पर 85 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन का सम्मान करने का निश्चय किया गया व समय-समय पर जन समस्याओं पर विचार एवं उनके निराकरण करने के उपाय करने का निश्चय किया गया। बड़े ही हर्ष का विषय है कि अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर 1008 स्वामी जी श्री रामदयाल जी महाराज इस संस्था के संरक्षक है तथा कृपापूर्वक राम मेड़िया स्थल बैठक करने के लिए अनुमति प्रदान की। वर्तमान में बैठकें आर्य समाज मन्दिर में चल रही है।

संस्था के उद्देश्य

(1) वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा, समाधान एवं सुरक्षा।

(2) समाज, प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों से समन्वय।

(3) वरिष्ठ नागरिकों के ज्ञान एवं अनुभवों का समाज हितार्थ उपयोग।

(4) वरिष्ठ नागरिकों के लिए गोष्ठियों, कार्य सभाओं एवं शिविरो का आयोजन।

(5) वानप्रस्थ आश्रमों एवं केन्द्रों की स्थापना।

(6) संस्था के हित में अन्य विविध कार्य सम्पादित करना।

(7) संस्था हित में चल अचल सम्पत्ति क्रय करना।

(8) राज्य की वृद्धजन नीति को क्रियान्वित करवाना।

(9) वृद्धावस्था को रचनात्मक एवं समाज उपयोगी बनाना।

(10) स्थानीय जन समस्याओं पर विचार कर उसका निराकरण प्रशासन द्वारा करवाना।

(11) चन्दा, दान, अनुदान एवं अन्य प्रकार की सहायता लेना।

(12) वरिष्ठ नागरिक की उम्र 60 वर्ष हर क्षेत्र में करवाना।

(13) ऐसे सभी कार्य करना जो संस्थान हाजा के हित में हो।

(उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में किसी भी व्यक्तिगत लाभ निहित नहीं है।)

संस्थान की गतिविधियाँ

देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 10 प्रतिशत एवं परिवार की संख्या मिलाकर औसतन 50 प्रतिशत है। प्रत्येक शनिवारीय बैठक में गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ बैठक की शुरूआत की जाती है। प्रथम दो शनिवार को सदस्यों में से अपने अच्छे प्रेरणास्पद अनुभव प्रस्तुत किए जाते है तथा तृतीय शनिवार को देश-विदेश के समाचार सभी के समक्ष रखे जाते है। चतुर्थ शनिवार को किसी भी बाहर के वक्ता का सम्बोधन रखा जाता है।

अन्त में शान्तिपाठ, तीन बार उद्गीत प्राणायाम एवं 3 बार हास्य प्राणायाम कर स्वल्पाहार लेकर बैठक सम्पन्न की जाती है।

(1) अधिक आयु वाले लोग समाज का बोझ नहीं बल्कि धरोहर है। आने वाली पीढ़ी को बहुत कुछ दे सकने में समर्थ है। वृद्ध व्यक्ति समाज का अभिन्न अंग है और प्रतिष्ठित आदर्श भी है।

(2) संस्थान की प्रेरणा से संस्थान के सदस्य श्री लालूराम जी तोषनीवाल ने शाहपुरा में प्रथम बार देहदान देकर अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने।

(3) अस्पताल परिसर में उपभोक्ता भण्डार की दवाईयों की दुकान खुलवाने में योगदान ताकि 24 घंटे सेवाओं से हर समय अस्पताल परिसर में दवाईयाँ उपलब्ध रहे।

(4) फूलडोल मेले के समय सहयोग एवं प्याऊ संचालन कार्य प्रतिवर्ष किया जा रहा है। होली, दीपावली इत्यादि त्यौहारों पर स्नेहमिलन आयोजन करना।

(5) संविना मंच द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया जिसके भाव थे–औलाद पर माता-पिता बोझ बनते जा रहे है। फिर भी माता-पिता उनके लिए सब कुछ करते है।

(6) गौ ग्राम यात्रा एवं स्थानीय स्तर पर कार्यक्रमों में भाग लेना।

(7) सेटेलाइट अस्पताल में 4 सदस्य रोजाना अस्पताल जाकर रोगियों की कुशलक्षेम पूछना व उनकी समस्या का समाधान करना। बीपीएल एवं 65 वर्ष से अधिक अनेक रोगियों को सरकार द्वारा सम्पूर्ण नि:शुल्क इलाज सम्बन्धी जानकारी देना।

(8) प्रत्येक विश्व वृद्ध दिवस (1 अक्टूबर) पर 85 वर्ष से अधिक उम्र के 5 व्यक्तियों का शाला, माला, श्रीफल, रुपया एवं तिलक कर सम्मान करना एवं उनके अच्छे अनुभवों से लाभान्वित होना।

(9) योगाभ्यास एवं आध्यात्मिक चर्चा प्रत्येक बैठक में 15 मिनट के लिए करना।

(10) प्रत्येक सदस्य के प्रत्येक परिवारजनों को उनके जन्म दिन व शादी की वर्षगांठ पर बधाई संदेश भिजवाना।

(11) शाहपुरा में परिवार के किसी सदस्य के देहावसान पर परिवाजनों को सांत्वना पत्र भिजवाना।

समस्याओं पर विचार एवं समाधान

(1) पिवणियाँ तालाब की अवरूद्ध आव एवं उसके केचमेन्ट क्षेत्र में हुए अतिक्रमणों को हटवाया गया और आव खुलवाई गई।

(2) नगर पालिका को सुझाव दिए गए–रामद्वारा गेट से ऐरोड्रम चौराहा तक डिवाईडर रोड़ बनवाकर बीच में लाईट लगवाना।

(3) इस जोन को साईलेन्स जोन घोषित करना क्योंकि स्कूल, कोर्ट, अस्पताल, सरकारी ऑफिस इसी रोड़ पर है।

(4) बाजार में भीड़ को देखते हुए वन-वे घोषित करना एवं जगह-जगह पार्किंग जोन बनवाना।

(5) तालाबों में डीसील्टींग कार्य एवं बावड़ियों की सफाई तथा खाइयों की सफाई नगर पालिका एवं जनता के माध्यम से करवाना जिससे भराव क्षमता बढ़े ताकि शाहपुरा का जल स्तर अच्छा रहे।

(6) समय-समय पर जलदाय विभाग, बिजली विभाग सम्बन्धी समस्याओं पर सुझाव भिजवाना व प्रशासन से मिलकर उनका समाधान करवाना।

(7) पानी परिण्डा बाँधे, जीव हिंसा से बचे, भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प प्रत्येक घर में बालिकाओं एवं बहुओं को दिया जावे।

(8) रेलवे लाईन हेतु रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर भिजवाए गए एवं अभी भी पत्र-व्यवहार चालू है ताकि शाहपुरा में रेलवे स्टेशन बन सकें।

(9) शहर के सौन्दर्यकरण हेतु सुझाव देना व क्रियान्वित करवाना।

लालचन्द बेली
अध्यक्ष

देवेन्द्र सिंह बुलिया
सचिव

HelpAgeIndia

HelpAge India is secular, not-for-profit organization registered under the Societies? Registration Act of 1860. We were set up in 1978, and since then have been raising resources to protect the rights of India's elderly and provide relief to them through various interventions.

We voice the needs of India's 100 million (current estimate) "grey" population, and directly impact the lives of lakhs of elders through our services every year. We advocate with national & local government to bring about policy that is beneficial to the elderly. We make society aware of the concerns of the aged and promote better understanding of ageing issues. We help the elderly become aware of their own rights so that they get their due and are able to play an active role in society.

HELPAGE INDIA PROGRAMMES

MMU (Mobile Medical Unit)

HelpAge India's health intervention to cater to specific healthcare needs associated With old age has been pioneered since 1982 with the concept of Mobile Medicare Units (MMU) programme that seeks to take healthcare to the doorstep of the needy. Today, the

MMU programme, represents a flagship programme and is recognized as the largest such mobile healthcare service in the Asia as per the Limca Book of Records. Presently, the mobile fleet of more than 74 MMUs provides 1.5 million treatments and basic healthcare services to around 90,000 elderly at more than 840 community locations across 21 states.

In Rajasthan Presently 6 MMUs are running that is in Jaipur, Bikaner, Udaipur, Jaiselmer and two are in Barmer.

SaGP-DI PROJECT

Nearly 70% of the elderly population lives in rural areas; 33% live in areas vulnerable to natural disasters and 93% of elders are in the unorganized sector.

The unorganized sector is characterized by lack offinancial, food & social security. It is also characterized by lack of statutory safeguards in adversity, available in the organized sector for bail out. This means, to survive, a person has to work till the last day of his/her life and therefore the rural elders are always in penury.

HelpAge India over the past 5 years has pioneered and successfully implemented a model of sustainable agecare for rural elderly using a two pronged approach of addressing vulnerability and preparedness encompassing welfare, development and rights. Some of the important elements established which have proven to be successful are the self-help approach (elders for elders') and access to elders' rights and entitlements, often referred to as the rights-based approach.

Currently the rural Agecare programme, which is now accepted as a proven, demonstrated and replicable model covers 27,000+ elderly in 6 states, 134 villages & 12 districts. Having established the demand side of the model of 400+ elder self-help groups and their federations the approach is expected to be further strengthened by facilitating the supply side (finance) through a socially responsible micro-finance institution of the elderly (SRMFIE), a unique and first-of-its- kind model.

In Rajasihan we are running this project in Ajmer District, Kuchaman city, Khetri, Laxmangarh, Jodhpur and Bikaner.

OPHTHALMAIC

HelpAge India has continuously supported free of cost cataract surgeries to poor and needy older persons. Every year, more than 20000 cataract surgeries are performed all over the country where HelpAge

India partners with credible and competent Eye Hospitals and organisations working in the field of eye-care. The entire fund to support this activity is raised through donations.

In the last 14 years, FlelpAge India has supported 4.90,000 surgeries on older persons by partnering with 341 organizations (eye hospitals, trusts, NGOs). It is not just the surgery that is supported. Awareness is generated in the community, the catchment area of the organization, on eye care, prevention of eye diseases/infections, precautions to be taken during infections etc.

Through each project. several thousands of individuals are screened for cataract. Along with this, they get screened for Corneal opacity/injuries, Vision. Cataract,

Retinal Pathology. Glaucoma, Besides the infections/diseases in the eye, other illnesses such as, General health, including disabilities Cardio Vascular Diseases

Cancer, Arthritis, Diabetes, Hypertension also get detected. In 90% of the cases, it happens for the first time with the person that s/he is aware of the illnesses/ diseases which they suffer from. The high point is that people living in areas where health care is unavailable, unaffordable and inaccessible - slums, remote villages, difficult terrain areas are reached out. not only for awareness, screening and detection, but by surgery and post surgery follow-up also.

In Rajasthan we arc running this program in Bharatpur, Jaipur and Dholpur. in this year nearly we treated 1500 elderlies.

AGECARE SERVICES

Age care and Social Protection Programme of HelpAge India covers a broad range of activities, mainly based on the perceived needs of the elderly as also insights gained from various projects and field studies.

HelpAge is integrating it's programmes and services, and consciously moving from welfare towards development and long term sustainability for seniors. HelpAge is working closely with Senior Citizen Associations and encouraging seniors to speak up for their own rights. In our continuing fight against poverty, isolation and neglect of elders in our society, we have made significant strides. The aim is to help elders rebuild their own lives and take charge of their own future, restoring within them a sense of self worth & confidence.

Advocacy is one of the strongest tools for impact and change. In order to create a secure financial net for elders HelpAge is also pushing forth Reverse Mortgage for seniors. To deal with the rising crime against elders, an awareness campaign was launched sensitizing decision makers to take action.

In many cities our Elder Helplines (1800-180-1253) have been working to address the loneliness and neglect of elders. The plan is to taking Age Care to many new locations. Physiotherapy Centers have been set up in Rajasthan, Shimla, Dehradun, Kolkata and many other locations. The scope of medical care has expanded tremendously moving From basic health care to other specific areas of age care. We are running this programme in all Rajasthan.

Geriatric Physiotherapy: - In Rajasthan we are running 4 Physiotherapy centers at Civil Lines Jaipur, Mansarovar Jaipur, Bikaner and Pilani.

Day Care Center: - In Jodhpur

*Donations to HelpAge India Corpus Fund are eligible for 100% tax exemption under section 35AC and 8OGGA of Incomc Tax Act 1961. (Applicable in India only).

One Joy Scatters A Hundred Griefs.

सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर

द्वारा वरिष्ठ नागरिक संस्थान जयपुर के राज्य स्तरीय पंचम अधिवेशन दिनांक 16.3.2013

– जे.पी. विजय



वरिष्ठ नागरिक संस्थान, जयपुर के चतुर्थ अधिवेशन भीलवाड़ा में सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर द्वारा घोषणा की गई थी कि आगामी पंचम अधिवेशन अजमेर में कराया जायेगा। इस ऐतिहासिक नगरी पर सृष्टि रचियता श्री ब्रह्माजी एवं ख्वाजा साहब की अनुपम कृपा हैं। यह तीर्थ नगरी व शिक्षा केन्द्र के रुप में भारत में नही अपितु सम्पूर्ण विश्व में विख्यात है। इस नगरी में पंचम अधिवेशन को सम्पन्न कराने का जो सुअवसर प्राप्त हुआ के लिए अहोभाव से हम सभी गौरवान्वित हैं।

हमारी सोसायटी मुम्बई (महाराष्ट्र) की मुख्य शाखा से पंजीकृत है। आज हम वहाँ से पधारे हुए विशेष पदाधिकारी श्री कौशल किशोर जी जैन, अध्यक्ष राजस्थान एवं श्री के.सी. गुप्ता अध्यक्ष, अजमेर एवं सीनियर सिटीजन सोसायटी राजस्थान व अजमेर से पधारे हुए पदाधिकारी तथा सदस्यो का इस पावन धरा पर स्वागत सम्मान करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

इस पुनीत कार्य को सफल एवं सम्पन्न करने हेतु अध्यक्ष महोदय, महामंत्री, कार्यकारिणी दिशा निर्देश में 17+1=18 विविध कमेटियों का गठन किया गया। समय–समय पर उनकी बैठक आयोजित कर उन्हें आवश्यक निर्देश एवं दिशा बोध दिया गया। मैं समस्त समन्वयक समिति प्रभारी एवं कार्यकर्ता जिनका उल्लेख स्मारिका में किया तथा गवर्निंग कोन्सिल के समस्त पदाधिकारियों का हृदय से धन्यवाद व आभार प्रकट करता हूँ जिनके असीम परिश्रम और सहयोग से यह विशाल आयोजन हो सका है।

इस कार्यक्रम में धन संग्रहण, भोजन, अल्पाहार, आवास, स्मारिका प्रकाशन, पंजीयन कार्य, स्वागत इत्यादि अन्य विविध सौपें गये कार्यो को सुचारु एवं विधिवत कराने के लिए सभी का आभार।

विशेष रुप से अध्यक्ष यू.आई.टी., अजमेर को जवाहर रंगमंच तथा श्री फतेहपुरिया जी जिन्होने प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष समारोह आर्थिक सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, का भी आभारी हूँ।

मैं अजमेर राजस्थान व केन्द्र (मुम्बई) से पधारे समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यो का आभारी हूँ जिन्होने पूर्ण मनोयोग से इस कार्यक्रम की शोभा, शान्ति, गरिमा और धैर्यपूर्वक निर्वाह कर सम्पन्न करने मे सहयोग किया।

मैं इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथियो सहित प्रमुख वक्ताओ का भी हृदय से आभारी हूँ जिन्होने अपने ओजस्वी, उपयोगी उद्‌बोधन से वरिष्ठ नागरिको के मनोबल को बढ़ा कर उनमे नवीन उर्जा का संचार किया।

इस कार्य को अप्रतिम, श्रेष्ठ व साकार करने हेतु मैं संस्था अध्यक्ष श्री के.सी. गुप्ता, महामंत्री श्री आर.एस. निर्बान, सचिव विकास श्री कौशल किशोर गुप्ता, वित्त सचिव श्री सुरेश अग्रवाल, सचिव प्रशासन श्री बी.आर.दोहरे एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं सभी समूह संयोजकगणों जिन्होने रात दिन एक करके अपना अमूल्य समय दिया का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिनके अथक परिश्रम व प्रयास से इतने बड़े कार्य को मूर्तरुप दिया।

इस कार्यक्रम के प्रभावी व विशिष्ठ मंच संचालन के लिए मैं श्री आर.एस. निर्बान महासचिव, श्री लालचंद बेली महासचिव राजस्थान व श्रीमती शीला सक्सेना उपाध्यक्षा का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने सुचारु रूप से इस आयोजन को सम्पन्न करने का भरपूर प्रयास किया।

इसी प्रकार समापन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में आयोजित कार्यक्रम के निमित में कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती शीला सक्सेना एवं उनकी समस्त टीम का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने इस कार्यक्रम में भव्यता प्रदान की।

मैं इस विशाल कार्यक्रम में रही उन समस्त त्रुटियों के लिए भी हृदय से क्षमा प्रार्थी हूँ जिन्हें जाने–अनजाने में कोई असुविधा, कष्ट और ठेस पहुची हो अथवा जिनके कार्य की प्रशंसा, विवरण इत्यादि का उल्लेख यहाँ होने से रह गया हो। उन छोटी–छोटी सभी त्रुटियों को आप नजर अन्दाज करेंगे। ऐसी मेरी आप से करबद्ध प्रार्थना है।

मैं अपनी ओर से एवं समस्त कार्यकारिणी की ओर से सभी का आभार व्यक्त करते हुए इस स्मारिका को समय पर प्रकाशित करने व पूर्ण सजगता से आकर्षक रूप से मुद्रित करने के लिए श्री आर्य प्रिन्टर्स अजमेर का भी आभारी हूँ जिन्होने हमें पूर्ण सहयोग प्रदान कर अनुग्रहीत किया है।

जे.पी. विजय
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सीनियर सिटीजन सोसायटी, अजमेर
एवं प्रमुख कार्यक्रम समन्वयक

कार्यक्रम में जिन संस्था सदस्यों ने विभिन्न समन्वयक समीतियों में अपने महत्वपूर्ण दायित्व निभाये उन सभी का आभार प्रदर्शित करते हुए मैं उन सभी की सूची आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

समन्वयक समिति प्रभारी एवं सहयोगी सदस्यों की सूची

(1) स्वागत कक्ष : मुख्य समन्वयक/संरक्षक श्री आर.सी. बजाज, संस्थापक पूर्व सचिव।

1. श्रीमती हेमन्त मिश्रा, संरक्षक/सदस्य स्वागत कक्ष
2. श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल, संरक्षक/सदस्य स्वागत कक्ष
3. श्री एस.एस. गोगावत, पूर्व उपाध्यक्ष/सदस्य स्वागत कक्ष
4. श्री लज्जाशंकर गोयल, पूर्व सचिव/सदस्य स्वागत कक्ष
5. श्री बी. आर. दोहरे, सचिव प्रशासन/सदस्य स्वागत कक्ष
6. श्री बी.पी. मित्तल व. सदस्य/सदस्य स्वागत कक्ष

(2) डेलीगेट स्वागत समिति :

1. मुख्य समन्वयक श्री आर.पी. सिंगल सदस्य अधिशाषी परिषद एवं मुख्य समन्वयक डेलीगेशन
2. श्री रामगोपाल टकसाली, ग्रुप नं. 6
3. श्री हीरालाल सांखला सदस्य अधिशाषी परिषद ग्रुप–14
4. श्री कैलाश चन्द्र शर्मा, ग्रुप नं. 5
5. श्री सत्यनारायण मंगल, ग्रुप नं. 15

(3) पंजियन/कूपन/किट/बैज वितरण आदि :

1. प्रमुख समन्वयक : श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल, सचिव वित्त
2. श्री वी.पी. कपूर, समूह संयोजक ग्रुप–18
3. श्री अमर सिंह चौहान, ग्रुप नं. 6
4. श्री राकेश बैजल, ग्रुप नं. 6
5. श्री राजेन्द्र श्रीवास्तव, ग्रुप नं. 5
6. श्री नरेन्द्र मेहरा, ग्रुप नं. 2
7. श्री रामस्वरूप राज, ग्रुप नं. 14
8. श्री के. सी. शर्मा, ग्रुप नं. 1

(4) आवास व्यवस्था/क्लाक रूम समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री जयनिवास लखोटिया+4
2. श्री नन्दकिशोर शर्मा, समूह संख्या–9 + 2
3. श्री सांवलदास, समूह संख्या–2
4. श्री हरीप्रसाद तिवारी, समूह संख्या–12
5. श्री मेवालाल जादम, समूह संख्या–3
6. श्री महेश चन्द्र शर्मा, ग्रुप–12

(5) अल्पाहार व्यवस्था समिति

1. मुख्य समन्वयक : श्रीमती मधु गुप्ता, ग्रुप नं. 1
2. श्री अशोक शर्मा, ग्रुप नं. 1
3. श्री मदन रवि, समूह संयोजक ग्रुप नं. 12
4. श्री मानकरण अग्रवाल, ग्रुप नं. 11
5. श्री मधुसुदन सिंहल, ग्रुप नं. 12
6. श्री पी. एन. अरोड़ा, ग्रुप नं. 12
7. श्री आर.सी. शर्मा, ग्रुप नं. 12

(6) भोजन समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री रतनलाल ऐरन (हलवाई व्यवस्था) ग्रुप नं. 16+4 (इनके समूह के)
2. श्री जे.एस. राजावत, ग्रुप नं. 4 + 4 (समूह के)
3. श्री आर.सी. माहेश्वरी, ग्रुप नं. 17 + 4 (समूह के)

4. श्री के. जे. ज्ञानी, ग्रुप नं. 9 + 2 (समूह के)
5. श्री के. जी. मोदानी, ग्रुप नं. 2 + 1
6. श्री नेमीचन्द्र पाराशर, ग्रुप नं. 2

(7) स्मारिका/सोवेनयर समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री के.सी. गुप्ता–संस्था अध्यक्ष
2. श्री आर.एस. निर्बान, महासचिव (प्रधान सम्पादक)
3. श्री के. के. गुप्ता, सचिव विकास
4. श्री सी. एम. राठी, ग्रुप नं. 3
5. श्री डी. सी पाण्डे, ग्रुप नं. 1
6. श्री कैलाशचन्द जोशी, ग्रुप नं. 2
7. श्री अशोक कुमार शर्मा, ग्रुप नं. 2
8. श्री पी. एन. शर्मा, ग्रुप नं. 5
9. श्री अशोक शर्मा, ग्रुप नं. 1

(8) फण्ड संग्रह समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री सुरेश अग्रवाल, ग्रुप नं. 13
2. श्री जे. एस. राजावत, ग्रुप नं. 4
3. श्री के. जे. ज्ञानी, ग्रुप नं. 9
4. श्री जे. पी. शर्मा, ग्रुप नं. 15
5. श्री जे. एन. लखोटिया, ग्रुप नं. 6
6. श्रीमती हेमन्त मिश्रा, ग्रुप नं. 1
7. श्रीमती मधु गुप्ता, ग्रुप नं. 1
8. केप्टन एस. एन. सिंह, ग्रुप नं. 21
10. श्री के. के. गुप्ता, ग्रुप नं. 13
11. श्री एम. सी. भटनागर
13. अन्य

(9) प्रेस विज्ञप्ति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री जे. पी. विजय, ग्रुप–5
2. श्री आर. एस. निर्बान, ग्रुप नं. 2
3. श्री के. के. गुप्ता, ग्रुप नं. 13
4. श्री जे. एन. शर्मा, ग्रुप नं. 17

(10) पूछताछ एवं मै आई हैल्प यू

1. प्रमुख समन्वयक : श्री एच. पी. कोहली, ग्रुप नं. 15
2. श्री अशोक कुमार शर्मा, ग्रुप नं. 15
3. श्री आर. एन. विजयवर्गीय, ग्रुप नं. 3
4. श्री चिरंजीलाल शर्मा, ग्रुप नं. 2
5. श्री सत्यनारायण जी मंगल, ग्रुप नं. 15
6. श्री भगवानसिंह कटिहार, ग्रुप नं. 15

(11) हॉल एवं बैज समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री कौशल किशोर गुप्ता, ग्रुप नं. 13 + 2 (समूह से)
2. श्री जे. पी. शर्मा, ग्रुप नं. 15 + 2 (समूह से)

– सम्बन्धित सहयोगी अपनी स्वेच्छानुसार समूह से उपलब्ध करेंगे।

(12) स्मृति चिन्ह समिति

1. प्रमुख समन्वयक : श्री पी.डी. अग्रवाल, ग्रुप नं. 18 + 2 (समूह से)
2. केप्टन एस. एन. सिंह, ग्रुप नं. 21+ 2 (समूह से)
3. श्री जे.एस. गहलोत, ग्रुप नं. 4

– तीनो अपने समूह से सहयोगी लेकर नाम देंगे।

(13) मंच संचालन समिति

1. श्रीमती शीला सक्सेना/आर.एस. निर्बान

(14) सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

1. श्रीमती शीला सक्सेना, ग्रुप नं. 3 व अन्य 21 सहयोगी

(15) चिकित्सा कक्ष

1. डॉ. बी.एल. लड्डा, ग्रुप नं. 2
2. डॉ. रमेश भम्भानी
3. जी.के. मून्दड़ा, ग्रुप नं. 2

(14) कार्यक्रम रिकार्डिंग समिति

समन्वयक : श्री एम.एस. सींगला/श्री कल्याण राय शर्मा

(15) ओडियो विजुवल

श्री जे. पी. शर्मा, ग्रुप नं. 15 + 2 (समूह से)

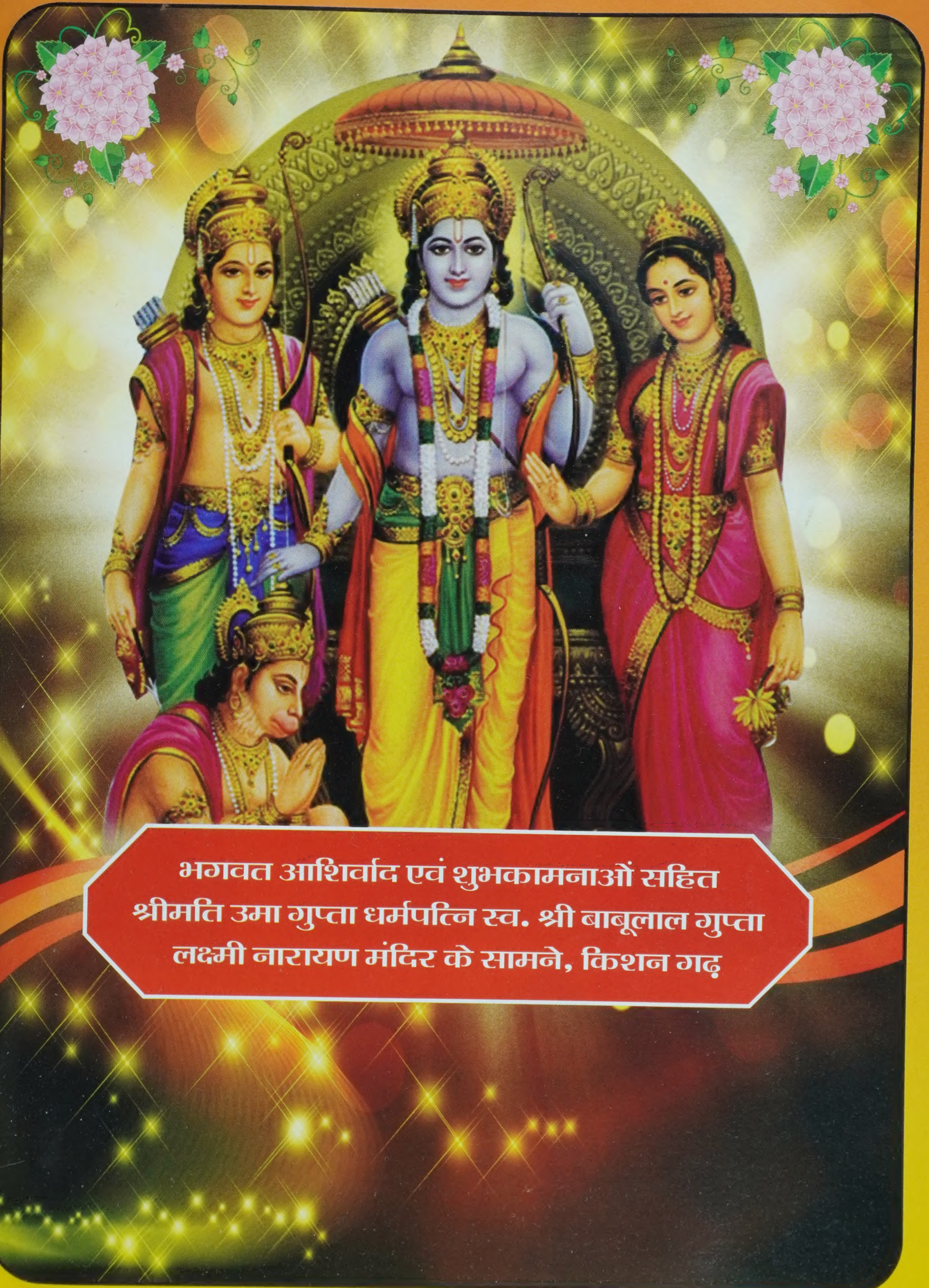




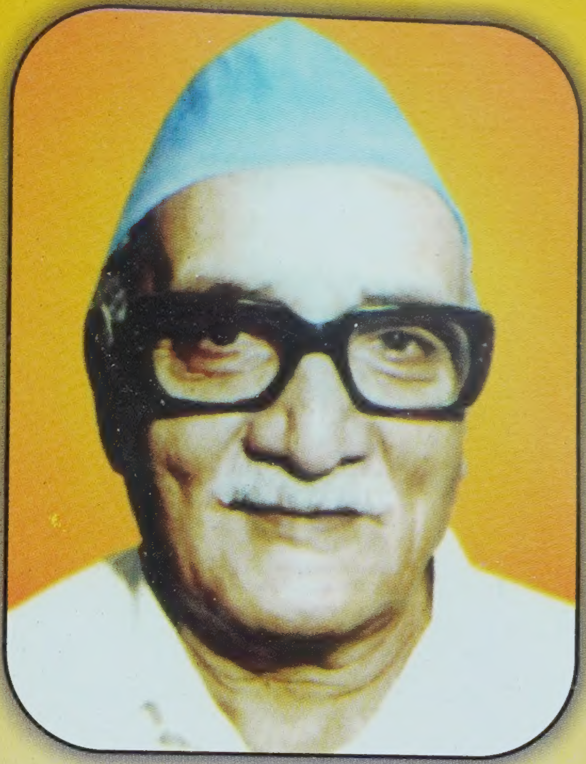
TARAMANI SENIOR SECONDARY SCHOOL

Registered & Recognized

AJMER, PUSHKAR, GANAHEDA BIJAINAGAR, SWAROOPGANJ


भगवत आशिर्वाद एवं शुभकामनाओं सहित
श्रीमति उमा गुप्ता धर्मपत्नि स्व. श्री बाबूलाल गुप्ता
लक्ष्मी नारायण मंदिर के सामने, किशन गढ़

In Loving Memory of...



RESPECTED SHRI NATHULAL SHAHANI

Remembering.....

Naren Shahani Bhagat





SUPER QUALITY

LAXMI
BISCUITS & RUSK

**BIRTHDAY CAKES,
PASTRIES,
VEG. PATIES,
CREAM ROLL,
KHARI,
BISCUITS,
RUSK**

**BUTTER KHARI,
CHEESE KHARI,
BREAD,
PAV BREAD,
SWEET BISCUTS,
SWEETS BUN &
PEEZA BREAD
ETC.**

FIRMS

LAXMI
CONFECTIONERS

Madar Gate, AJMER
Tel. : 2427318, 2624422
Fax : 91-145-2432326

MAA LAXMI
BAKERS

Near SBI ATM, Makerwali Road,
VAISHALI NAGAR, AJMER
Tel. : 0145-2642318



प्रेषक :

आर.एस.निर्बान
महासचिव

सीनियर सिटीजन सोसायटी
1/322, क्रिश्चियनगंज, अजमेर
दूरभाष : 2627325, 2620192 मो. : 9928457186

श्रीमान् ______________________

____

____